श्रीगणेशाय नमः ।

॥ द्वितीयभागः ॥

इस द्वितीयभागमें रक्तपित्तअधिकारसेलेकरअर्कविधिपर्यंतचिकित्साछपीहै ॥ इस सें प्रथम शारीरकसेंआदलेकर वातरोगाऽधिकारपर्यंतचिकित्सा प्रथमभागमेंछपीहै ॥

जिस किसी को श्रीरणवीरप्रकाश का प्रथम या दूसरा भाग लेने की इछा होवे वह जंबूराजधानी के 'महकमा धर्मार्थ' से मूल लेलेवे ॥

श्रीमन्महाराजाधिराजजंबूकश्मीराद्यनेकदेशाधिपति प्रभुवरजी की आज्ञानुसार संस्कृतसे श्रीरणवीरप्रकाश नामक ग्रंथ भाषा किया हुआथा अब वही ग्रंथ दूसरे वार काश्मीरिक पंडित अमरनाथजाडू ने शुद्धकर काश्मीर मे पंडित विश्वनाथ एंड सन्स फोटाग्राफर्स के अधिकारस्थ "कश्मीर प्रताप स्टीम प्रेस श्रीनगर" नामक मुद्रणालय में एक एक हजार ग्रंथ दो भाग मे छपवाया जिस किसीको प्रथम भाग अथवा दूसरा भाग लेने की इच्छा होवे सो जंबू काश्मीर के महकमे धर्मार्थ से मूल ले ले वे ॥

॥ अथरक्तपित्तनिदाननिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तपित्तवर्णनकरोंभाषामांहिनिदान जैसेंभाष्योशास्त्रमेंसमझेपुरुषसुजान ॥ चौपई ॥ अतिआतपव्यायामपछानो शोकमार्गश्रमतेंपुनमानो अतिमैथुनतेंउत्पतजोय अतिउष्णभोजनकर-सोय लवणअमलतीक्ष्णकटुच्चार इन्हकेसेवनउठैविकार कुपितहोयपित्तरुधिरविनाशै पीछेतेंइहभांत-प्रकाशै अधोद्वारपुनऊर्द्धद्वार रक्तवहैजोवारंवार अधोद्वारकहियेयहतीन गुदालिंगभगलखोप्रवीण अ-क्षिकर्णनासामुखजानो ऊर्द्धद्वारयहचारपछानो आमाशयतेंऊर्द्धकोजात पकाशयतेंअधप्रगटात अ-तिहीपित्तकोपकरजवही सकलरोंमतेंप्रगटतवही ॥

॥ अन्यप्रकारनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तजुऊर्द्धद्वारनिकसावै सोकफहूंतेंलच्छणगावै अधोद्वारजोनिकसेलोहू वातयुक्तजा-नोतुमवोहू रोमकूपतेंप्रगटेजोय पित्तयुक्तजानोहोइसोय ऊर्द्धद्वाररक्तपरवाहि अधोद्वारवाप्रगटेजाहि वादोहुंद्वारनतैंप्रगटावत ताकोंवैद्यसाध्यकहिगावत एकदोषदोइदोषनसंग होईसोसाध्यकहायसभंग ऊर्द्धरुधिरकोसाध्यसुजान अधोगमनकोजाप्यपछान दोहूंद्वारमोंरुधिरजुआवत ताकोवैद्यअसाध्यकहा-वत ऊर्द्धअधोरोमप्रगटावत तीनोदोषनतेंखलपावत सोऊअसाध्यअहैंलखलहिये तासचिकित्साकवहुं-नगहिये अवरहुंमंदअग्नियुतजोय वडोवेगरोगकोहोय चीणदेहअरुचीणजुश्वास अतीरक्तछुटजावै-तास इन्हलच्छणयुतरोगीलहिये रक्तपित्तअसाध्यसोकहिये ॥

॥ अथरक्तपित्तपूर्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ छर्दश्वासअंगपीडाहोय कंठधुधैयोंलषियतसोय शीतलतातनुताहिसुहावै रुधिरवास-सुखतेंबहुआवै ॥

॥ अथरक्तपित्तकेउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ दुर्वलताअरुउपजैश्वास दाहतृषामूर्छाज्वरकास पीतवरणपीडातनुहोय भेदविष्टा-अधीर्यताजोय तत्तसीसथुकिथुकिदुर्गंध भातभच्चनसोंनांहिंसनवंध वमनकोष्टशोषहोयजास उपद्रव-एतेंकीनप्रकास धौतमांसजलवतजिंहरंग वाजलकाथमांसभरअंग अथवाचीकडजलकीन्यांई मिंझपाकसमवादरसाई वांजंवूफलपकसमान रंगनीलडीसमवाजान इंद्रधनुषवर्णतनुजास सोअ-साध्यतजदीजैतास नीलवर्णआकाशजोअहै तांकोंरंगवर्णलषलहै ॥ दोहा ॥ रक्तजपित्तनिदानयहभा-ष्योभलेंविचार कहोंचिकित्सातासकीसुनलीजैचितधार ॥ इतिरक्तपित्तनिदानंसमाप्तम् ॥

॥ अथवातकृतलच्चणम् ॥

॥ चौपई ॥ नीलरक्तवर्णजुतफेन वातजलच्चणलहुविधएन ॥

॥ अथपित्तकृतलच्चणम् ॥

॥ चौपई ॥ श्यामवर्णरुधिरहोइजावै वागोमूत्रवर्णप्रगटावै वासुरमेकेवरणलहीजै पित्तरक्तकृत-रूपभनीजै ॥

॥ अथकफकृतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अल्पपांडुस्निग्धहोयजोऊ पिछ्लसमजेलहुजोहोऊ निदानग्रंथमतकहेहैजोऊ कफकृतलक्षणजानोसोऊ ॥

॥ अथत्रिदोषजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिसमोंयहसबचिन्हलषावै सोत्रिदोषलक्षणलखपावै दोयदोषजिसाचिन्हलषावै द्वंद्वजरोगवैद्यतिसगावै ॥

॥ अथरक्तपित्तरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्सारक्तपित्तकीसुनलीजैमनधार प्रथमहिंयाकोंसमभ्रूकेपुनकीजैउपचार ॥ चौपई ॥ ऊर्द्धगामीकोरेचनमान अधोगामीकोवमनपछान अग्निमंदबलक्षीणजुतास अपतर्पणविधिकरेजुतास ॥ अथरेचनं ॥ चौपई ॥ जाकोरक्तपित्तलषपैये ताहिविरेचनप्रथमकरैये अमलतासआमलेमिलाय मधूशरकरामेलपिवाय अथवात्रिवीहरडसमलेय मधुशर्करासाथतिसदेय ॥ अथवमनविधिः ॥ पुनः यथाबलरोगीदेष ताकोंभीहैवमनविशेष ॥ अथवमनचूर्णम् ॥

॥ चौपई ॥ मुथमुलट्ठइंद्रयवआन तांहिमैनफलकरोमिलान यहसमचूर्णमधूजुमिलाय दुग्धसाथपीवमनकराय रक्तातिसारहरऔषधजोय रक्तपित्तमोजानोसोय ॥ अथक्वाथः ॥ चौपई ॥ लेहूवालाउत्पलपाय धनियांचंदनमुलट्ठामिलाय वांसाअवरगिलोयउशीर यहसमक्वाधकरैमतिधीर मधुशरकरामिलायपिलावै तृषादाहज्वररक्तपित्तजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पद्मउत्पलकिंजलकयहजान पृष्टपर्णीप्रियंगूठान यहसमक्वाथवनायपकावै पाछैंमधुशर्करामिलावै रक्तपित्तरोगहोइनाश वंगसेनमताकियोप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ चंदनलोधरसुंठउशीर समयहक्वाथकरोमतिधीर मधुशरकरामिलायजुपीवै रक्तपित्तरुजनाशकरीवै ॥ अन्यच्च । चौपई । किरायतातिक्तामुथउशीर समयहक्वाथअहैसुखसीर मधुशरकरामेलयहपीवै रक्तपित्तजावैसुखथीवै ॥ अथचूर्णम् । चौपई प्रियंगूसुरमालोहेचूरण गाजनिमृतिकातांमधुपूरण पीसमहीनसमचूर्णवनावे भक्तेनित्यरक्तपित्तजावै ॥ क्वाथः ॥ चौपई ॥ केवलवांसाक्वाथवनावैं वावांसादलरसकढवावे मिसरीमधुतिन्हसंगमिलाय पीवैरक्तपित्तदुःखजाय । पत्रकादिचूर्णम् । चौपई । तालीसपत्रतजचंदनएला प्रियंगूसुंठमुलट्ठकरमेला उत्पलतगरमांसीपहिचान इन्हदुगुणोत्तरचूर्णसुठान मिसरीमधुमिलायकरखावै रक्तपित्तदाहज्वरजावै कासछर्दईयहदूरनिवारे शोणितमूत्रकृछ्रकोंटारे सुखनासाभगलिंगजुकान अवरगुदाइत्यादिस्थान होइइन्हठौरनरुधिरप्रवाहि यहचूरणहितकरलषताहि यहवसिष्ठनिजमुखतेंकह्यो रक्तपित्तादिरोगहरलह्यो । अन्यच्च । चौपई कुचलकल्हारअवरलहुउत्पल अरुणकमलअरुलेहुपद्मथल पायमुलट्ठसमचूर्णवनावै मधुमिसरीसोंनितउठषावै रक्तपित्तछर्दतृषानाशों होइआरोग्यदेहद्युतिभासें ॥ अन्यच्च ॥ प्रियंगूमृतिकागाजानिपाय सुरमालोध्रसमपीसरलाय रसवासर्जिमषीरमिलावै षावैतासरक्तपित्तजावै ॥ क्वाथः ॥ प्रथमहिंवांसाक्वाथकरावै पाछैतैंयहचूर्णमिलावै उत्पलअरुगाजनीरलाय प्रियंगुलोध्रकमलतुरीपाय मधुमिसरीमिलायसोपीवै वृद्धरक्तपित्तनाशतिसथीवै ॥ उपदेशः ॥ चौपई ॥ जिसदेशनमोंवांसाहोय जीवनकीआशाधरजोय रक्तपित्तक्षयीवालेतहां कासीश्वासीकोंडरकहां ॥ चूर्णम् ॥ चौपई ॥ तालीसपत्रचूर्णवनावै

वांसारसमधुसहितषावै कफअरुरक्तपित्तअरुकास तमकअवरस्वरभेदविनाश ॥ काथः ॥ चौपई ॥ वासाहरडमनकातीन इन्हकोकाथकरैपरवीण मधुशरकरामिलायपिवावै रक्तपित्तकासरुजजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ शतावरिवालारहसनआन मनकाअवरफालसेठान काथजुरक्तपित्तयह नाशै शूलनिवारेसुखपरकाशे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ चंदनपाठाकौडगिलोय लोध्रजवांहांमघां संजोय वासाअवरइंद्रयवजान मुनक्कापायकाथयहठान मधुमिलायकरपीवैजोय कफयुतरक्ततृि-षाज्वरषोय अवरहुंकासजायहैतास वंगसेनमतकियोप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जंवूआं-वअर्जुनयहतीन शीतलकरयहकाथप्रवीण पीवैरक्तपित्तदुखजावै रोगहरैतनुसुखउपजावै ॥ अथरस ॥ चौपई ॥ उदुंवरतरुफलरससंगवाय मधुमिलायप्रातहिंपीवाय ॥ अथमोदक ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिवीप्रियंगूलेय सघमिलायसमचूर्णकरेय मधुशरकरामिलावैतास मोदककर-खावैदुखनाश सन्निपाततैंऊर्द्धरुजजोय रक्तपित्तनाशैंतवहोय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ अलसी फूलमंजीठपिसाय तुचावटजटाएकसमभाय यहचूरणमुद्गयूषकेसंग होवैरक्तपित्तकोभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ उशीरपद्मलोध्रअरुगेरी चूर्णकेरअपनेहितहेरी मिसरीमेलतंडुलजलसंग पीवैरक्तपि-त्तहोइभंग तमकतृिषाअरुदाहमिटावै शीघ्रभगैंरुजसुखप्रगटावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ प्रियंगूलोध्र-गाजनीजान सुरमायहसमपीसोआन वासारसअरुमधुजुमिलाय पीवैरक्तपित्तमिटजाय मुखनासि-कालिंगगुदाकेर रक्तप्रवाहिजायसुखहेर शस्त्रवेगकोरुधिरप्रवाहि नाशहोयसुखउपजैताहि ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ केवलहरडचूर्णजोलहिये मधुयुतदीपनपाचनकहिये रक्तपित्तकफशूलमिटावत अतीसार-दुखदूरकरावत ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ मध्यभागगन्नोंकालेहु अरुगन्नोकीजढसंगदेहु कुमदिनिअ-रुकमलोकोकेसर मुलट्ठमोचरसपद्मपृथकधर वटकीजटामनक्काठान अवरछुहारेजहसमआन यहस-बसमलेकाथवनावै मधुशर्करामिलायपिवावै प्रमेहरक्तपित्ततत्तछणनाशै रोगजायतनुदुतिप्रकाशै ॥ चूर्ण ॥ चौपई ॥ लोहुगंधआवैजिहश्वास धूमगंधडिकारहोइतास ऐसोरक्तपित्तीहैजोय ताहिचू-र्णयहहितकरिहोय लघुलायचीचूर्णकरलेह तामोमिसरीदुगुणिधरेह नित्यषावेआनंदितहोय रोगजाय-मनसमझोसोय ॥ अथदुग्धपानं ॥ चौपई ॥ जिसरक्तपित्तीहोइवातअधिकाय तौमिसरीदुग्धअजासु-खदाय अथवागौदुग्धकोलेवै पांचभागतामोंजलदेवै तिंहपकायमधुमिसरीपाय रक्तपित्तीअच-वैदुःखजाय अथवापायेविदारीगंधा दूधपकायपीवेनितसंध्या अथवाद्राक्षमनक्कापावै अथवापायप्रि-यंगुपकावै अथवाभषडेवाजुमुलट्ठ वाशतावरीकरोइकट्ठ याप्रकारकोंदुग्धपकाय पीवैरक्तपित्तमिटजाय ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ रुंवलपकछुहारेजान हरडकाश्मरीसमलेठान द्राक्षमनक्कासभीमिलाय मधुमिलायचाटैदुःखजाय वाभिन्नभिन्नमधुसंगजुचाटै रक्तपित्तकोदुखसवकाटै ॥ अन्यच्च ॥ ख-दिरप्रियंगूअरुकचनार सिंवलफूलसबनकेडार मधुमिलायपीसकरचाटै रक्तजपित्तरोगकोंकाटै ॥ अ-न्यच्च ॥ हरडचूर्णवांसारससंग सप्तवारकरैषरलअभंग मधुमिलायपुनचाटैसोय रक्तपित्तनाशतव-होय वामघपीपलइसीप्रकार चाटैरक्तपित्तकोंटार ॥ अथलाक्षाचूर्ण ॥ चौपई ॥ जाहिक्षतजहो-इरक्तप्रवाह लाक्षचूर्णपयसाथपिलाह रक्तप्रवाहिनाशतवहोय सुखसंयुक्तरुजीहोइसोय ॥ अविलेह ॥ चौपई ॥ त्रिफलाअर्जुनमहूमंगाय लोहपात्रनिशिधरैभिगाय पुनपकायघृतसंयुतचाटै सहितशर्करा-रक्तजकाटै भूषलगैबकरीपयपीवै रोगजायतवसुखियाथीवै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ वकरेकाजु-

कलेजाआन घृतसोभूनकरैनितपांन रक्तापित्तताकोहोइनाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मंगवावैजुकबूतरमास घृतमोंनीकेंभूनेतास सितामिलायतासकोषावै रक्तविकारदेहतेंजावै ॥ अथभस्मचार ॥ चौपई ॥ रक्तपितीकफअधिकलषावै भस्मचारयहताहिखवावै उत्पलवामृणालकोंआन अथवापद्मप्रियंगूठान केसुवाअसनलषलेहु अथवामहुआभस्मकरेहु मधुघृतमिलायहचाटैचार रक्तसकफमिटजायविकार ॥ चूर्ण ॥ चौपई ॥ जिसरक्तीमंदाग्निजनावै अवरअरुचभोजनप्रगटावै सुंठइंद्रयवसमयहलहे तंदुलजलसोंपीजैएह रक्तपित्तमंदाग्निमिटावै अरुभोजनकीरुचउपजावै ॥ अथयवागू ॥ चौपई तक्रअवरदाडिममंझार सिद्धयवागूकरेसुधार नितबावैयहरोगीजोय नाशरक्तपित्तकोहोय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ जिह्नासातेंरुधिरप्रवाहि प्रगटहोययहचूर्णताहि घृतमोंभूनआमलेपीस नितषावैताकोदुखषीस अथवाशिरमोलेपलगाय तातेंरुधिरप्रवाहमिटाय नासारुधिरयोंरोकदिषावै जलप्रवाहिज्योंसेतरुकावै अथवादुग्धशरकरासंग नासाद्वारपियेदुःखभंग वाशरकराजलनासाद्वार देवेजोरोगीप्राणधार नासारुधिरवंदहोइजावै वंगसेनयोंप्रगटजनावै ॥ अन्यप्रकार चौपई। द्राक्षमनकाकोरसलीजे घृतपयमेलसितासेंपीजै नासेतांकोरक्तविकार वैद्यकमतयोंकीनउचार अथवागन्नेकोरसपीवै रक्तविकारनाशतवथीवै ॥ अथनसवार ॥ चौपई ॥ दाडिमपुष्परसलेनसवार वादूर्वारसकीलषधार अथवाआंवगुटीकीदेह वागढेरसकीलषलेह इंहनसवारसुरक्तमिटाय अवरहुंभीसुनहोचितलाय॥ अन्यच्च ॥ दूर्वारसलाचारसजान हरडआंवलेरसलेठांन दाडिमफूलजरसकोंलेह यहसबसमएकत्रकरेह तीनादिनांजोलेनसवार नाशेनासारक्तविकार ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ प्रियंगूगन्नेकीजढपावै सींवलकीजढसंगमिलावै घृतमोंपायपकायसुधारै तांघृतमध्यशर्कराडारै पीवेवालेवेनसवार रक्तदोषमिटजायविकार ॥ अथचंदनादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ चंदनलोध्रमृणालउशीर पद्मकेसरविलूमुथलषधीर नागपुष्पन्हीवेरपछान यवपाठाकोगडपुनठान उत्पलआद्रकअवरपतीस रसोतमंजीठधावैलपीस आंवगुटीजामणगुटिजान नीलोत्पलघृतलायचीमान दाडिमत्वचामोचरसपावै यहसमपीसेचूर्णवनावै यहऔषधसबलेचौवीस इकट्ठीसमचूरणकरपीस मधुशरकरमिलावेताय वलअनुसारनित्यप्रतिषाय तंदुलजलसोंषावैसोय इन्हरोगनतेंमुक्तीहोय रक्तपित्तअर्शज्वरनाशै मूर्छातृषाछर्दसुविनाशै अरुनाशेतनुतेंअतीसार यहसबनासेंदेहविकार जिंहइस्त्रीकोरजनहींआवै होयरजस्वलायाकोंषावै अरुजाकोंहोइगर्भसाव यहचूर्णषावैधरभाव गर्भवअविकारविनाशै होइस्थिरगर्भदेहसुखभाशै चंदनादियहचूर्णकहिये रोगजाहिंहितकरजगलहिये जोसुरवैद्यअश्विनीकुमार तिन्हयहचूरणकीनउचार पित्तप्रमेहकीऔषधजेती लिंगद्वारकेरक्तमोतेती अन्यच्च पंचमूललघुआनपिसाय तांकेसंगजुदुग्धपकाय ताहिदुग्धकोकरेजुपान लिंगद्वारकोरक्तहोयहान अथदूर्वादिघृत चौपई दूर्वाअवरकमलकोकेसर एलवालुचंदनलेमुत्थर मंजीठकमलथलअवरउशीर कर्षकर्षयहलेमतिधीर प्रस्थएकघृतमोयहपावैं तंडुलजलपयअजामिलावै चतुर्गुणेजलपयजलमान मंदआग्निपकायपुनछान पुनमुलहटअरुद्राक्षमंगावै महूरक्तचंदनपीसावैं अवरकाश्मरीकोंलेआन कर्षकर्षसबकरोमिलान पुनमंदाग्निसंगसुपकावै वलअनुसारनित्यप्रतिषावै रक्तवमनपित्तरक्तविडारे नासाकर्णरुधिरकोंटारे जोकांनोंतेंरुधिलषावै तौयहघृतकानोंमोंपावै जोनेत्रनतेंरक्तजनावै तोयहघृततेत्रनमोंपावै जोलिंगगुदातेंरुधिरप्रवाहि वस्तीकर्मकरघीउचढाहि जोतनुरोमनरुधिरप्रगटावै तोघृतकोमर्दनकरवावै

॥ अथमहादूर्वाघृतं ॥ चौपई ॥ दूर्वाएलुवालुकजुपद्मथल मंजीठउशीरजाननीलोत्पल रहसणचंदनलो-ध्रकुठमुत्थर दोनोरजनिकंकोलमुलठधर पद्मकाष्टरक्तचंदनजान सवयहकर्षकर्षपरिमान करयवकुट्ट-प्रस्थघृतपाय प्रस्थअजाकोक्षीरमिलाय रक्ततंडुलजलप्रस्थरलावै प्रस्थएकदूर्वारसपावै सवरलायमंदा-ग्निपकाय नित्ययथावलतांकोंषाय रक्तवमननासापरवाहि पावैकाननासिकाजाहि लिंगगुदापरमर्द-नकरै अर्शरक्तरक्तपित्तटरै पित्तअरुकफाविकारजोलहिये कीटदद्रिकंडूजोकहिये इन्हरोगहिंघृतयह-हितकार वंगसेनयोंकीनउचार ॥ अथशुंगादिघृतम् ॥ चौपई ॥ वटरुंवलपीपलयहतीन इन्हकीजढस-मलेहुप्रवीन नर्किकूटतप्तजलमाहि आठप्रहरराषैलषुताहि पुनसोऊजललेवैछान घृततिंहडारैप्रस्थप्र-मान मंदअग्निसोंताहिपकावै अर्धशर्करापायमधुपावै पीवैरक्तपित्तमिटजाय अग्निवेशऋषिकह्योसु-नाथ ॥ अथशतावरीघृतम् ॥ चौपई ॥ शतावरिमेदमुलट्ठअनार कंकोलतिंतडीतामोडार विदारीकं-दसुपारीमूल सबयहलेपीसोसमतूल तिंहसवतेंदुगुणोघृतपावै दुग्धचतुर्गुणपायपकावै खावैकासअफा-राजाय कवजशूलज्वररक्तमिटाय ॥ अथमहाशतावरीघृतम ॥ चौपई ॥ शतावरिमूलरसप्रस्थजुदोय तांसमतांमोदुग्धसमोय प्रस्थएकघृतपायप्रवीण मंदअग्निधरयहजोतीन घृतपकाययहचूर्णमिलाय तिं-हओषधकोंकहोंसुनाय जीवकरिषिवमेदमहामेद काकोलीक्षीरकाकोलीभेद द्राचमुलट्ठमुदगपरणीलहु माषपर्णिरक्तचंदनगहु अवरविदारीकंदपछान कर्षकर्षइन्हकोपरिमान पीसशरकरामधुघृतपाय षावैर-क्तपित्तमिटजाय क्षीणवीर्यकेंवीर्यवधावै अंगदाहाशिरदाहमिटावै योनिशूलयोनिकोदाह मूत्रकृच्छ्रपि-त्तनाशेताह ॥ अथवांसादिघृतम् । चौपई । वांसाकोपंचांगमंगावै कूटकाथमोंघीउपकावै मधुमिलायक-रखावेतास रक्तपित्तरोगहोइनाश ॥ अथवांसादिपुष्पघृतम चौपई ॥ वासासणअर्जुनकचनार इन्हकेपु-ष्पलेहूसमडार करैकाथघृतपायपकावै षावैरक्तपित्तदुखजावै ॥ अथमहावांसाघृतम् चौपई ॥ वासार-सघृतदुग्धपकाय पाछेतेंयहचूरणपाय किरायताकीगुडमुथमुलट्ठ महूरक्तचंदनजुइकट्ठ अनंताऔरसा-रिवाउशीर मूर्वाकमललेहुमतिधीर पद्मकाष्ठजानोत्रायंती मिसरीमधुजुपत्रमदयंती सबयहघृतमिलाय-करखावै रक्तपित्तस्वरभेदमिटावै हलीमकवातगुल्मकोंनाशै कफपित्तरक्तविकारविनाशै अथकामदेवघृ-तं ॥ चौपई ॥ इकशतपलअसगंधमंगावै तिसतेंअर्धभषडापावै वलाशालिपर्णीजुगिलोय जढअश्व-त्थशतावरिजोय विदारीकंदकाश्मरीलीज इटासिटअवरकमलकेवीज माषवीजदशदशपलजान चतुर्गुणाजलपायपकान द्रोणप्रमाणाअायरहैजवै छाणधरैताकोढिगतवै मनक्कापद्मकाष्टमधकुष्ट पद्म-रक्तचंदनजुइकठ कवचवीजगजकेसरजान नीलोत्पलजीवनीपछान तालीसपत्रसारिवादोय तामों-आनमिलीजैसोय यहसबकर्षकर्षलषलीजै दोइपलमिसरीताहिरलीजै पोनेगन्नेरसपुनआन आढक-एकतासपरिमान चतुर्गुणदुग्धप्रस्थघृतपाय मंदअग्निपकायनितषाय रक्तपित्तकामलाविनासे वीर्य-क्षीणकोंवीर्यप्रकाशे हलीमकवातरक्तमिटजावै पांडुमूत्रकृछ्रदुखजावै पार्श्वशूलस्वरक्षयस्वरभेद हृदय-दाहनिर्वलताछेद परसूतीतियषावैजोऊ तांकेतनुमेंबहुबलहोऊ वीर्यवधावनयाकोंजान इंद्रियदेह-शक्तिपरमान रसायणहैआयुषावधावै स्वरवर्णकंठकोसुष्टवनावै रहितसर्वरोगनतेंहोय फूलेदहीकृशता-खोय जलकेसिंचनतेंद्रुमजैसें फूलेंपुष्टहोयनरतैसें कामदेवघृतयाकोनाम बहुगुणदायकहैसुखधाम अथमूर्वादितैलं चौपई मूर्वाअवरमंजीठमुलट्ठ चंदनद्राक्षाकरेलेइकट्ठ नक्तअवरसारवालेदोय गन्यों-कारसतैलसमोय दुग्धचतुर्गुणपायपकावै पीवैमर्दनदेहकरावै रक्तपित्तकफवातविनाशैं रोगजायतनदु-

तिषरकाशे अथमधूकादिगुटिका चौपई महूमुलहठद्राक्षपुनजान वंशलोचनयहपलपलठान त्रिजातक-तीनकर्षयहलेय मिसरीदोइपलसंगरलेय मघांतीनपललेजुमिलाय छुहारेपलइकताहिरलाय पीसेमधु-मिलायगुटिकाऊ वांधैताहियथावलखाऊ रक्तपित्तश्वासज्वरकास छर्दअरुचिमदभ्रमतृषानाश मूर्छाहिड-कीचर्दइलिफवाय स्वरभंगरक्तथुकथुकीमिटाय अथकूष्मांडघृतं चौपई वृद्धपुरातनकठिनजुहोय कूष्मांड-मंगवावेसोय वीजत्वचातेंरहितवनावै सिलपरपीसजुतासवनावै वस्त्रपीडरसताकोधरे धूपतपायतनुक-सोकरै कूष्मांडहोइतुलाप्रमान ताम्रकडाहेमोंतिसठान प्रस्थएकघृतभूनेजास माष्योंवर्णलषैजवतास तामोंशतपलखंडमिलावै पुनवहकूष्मांडरसपावै कडछीफेरपकावैताय ताकोघृतप्रगटैजवआय ऐसेंप-कलखेतिसजवै घृततैंअर्धमधुमलैतवै दोयपलमघांचूर्णतिहपाय सुंठजीराइकइकपलभाय त्रैसुगंधमर-चापुनजान धनियांसुक्तिसुक्तितेंहठान ताहियथावलनितउठखावै पथ्यरहैयहरोगमिटावै रक्तपित्तश्वा-सज्वरकास यक्ष्महृदयरुजतृषाविनाश पीनसक्षुशताछर्दविनाशै रुजस्वरभंगकंठकोनाशै ॥ अथअ-न्यकूष्मांडघृतम्। चौपई ॥ शतपलकूष्मांडविनवीज त्वचारहितकीजैलषलीज ताम्रपात्रघृतप्रस्थमंझा-र भूनेमंदअग्निपरधार माष्योंवर्णहोयसोजवै शतपलषंडडारियेतवै मघआद्रकदोदोपलपावै पुन यहचूर्णपीसमिलावै जीरातज्जलायचीजानो धनियांमरचजानमनमानो अरुतालीसपत्रलषलेय अर्धअर्धपलतामोदेय कडछीफेरेताहिपकाय घृततेंअर्धमषीरमिलाय याकोंनित्ययथाबलखावै रक्त-पित्तछर्दरोगमिटावै श्वासकासअंधराताजावै छर्दतृषाज्वरनाशकरावै वृद्धवीर्यहोइयुवाप्रकाशै वलअरुसुष्टस्वरणतनभासै कंठकीरस्वरसुंदरहोय कूष्मांडरसायणजानोसोय यहभाष्योअश्विनीकुमारन यहनिश्चयकीजेउरधारन ॥ अथवासाकूष्मांडघृतम् ॥ चौपई ॥ कूष्मांडपललेहुपचास प्रस्थघीउमोंभू-नैतास शतपलखंडजुताहिमिलावै वासाक्वाथआढकलषपावै मंदअग्निसोंपककरीजै पुनयहचूर्ण-तामोंदीजै धात्रीफलपुनमुस्थरजान त्रैसुगंधजुभिडंगीमान कर्षकर्षयहचूर्णकीजै सुंठमरचपलपल-यहलीजै एलाधनियांपलपलपावै मघांकुडवइकपीसमिलावै घृततेंआधोडारमखीर वलअनुसार-सेवनितधीर रक्तपित्तश्वासअरुकास हिडकीछर्दइहलीमकनास अमलपित्तहृदरोगविनाशै पीनसइ-त्यादिकरुजनाशे ॥ अथशूरणपाकः ॥ चौपई ॥ शूर्णकूष्मांडविधिजैसें वनवायपकावैखावैतैसें अर्श-वातमंदाग्निमिटावै रक्तपित्तकोरोगनसावै ॥ अथकूष्मांडअनूपानम् ॥ चौपई ॥ पंचमूलक्वाथकेसंग इक्षुरसवापयसोंचंग इन्हअनुपाननसाथजुखावै रोगजाहिप्राणीसुखपावै ॥ अथवासाखंडः। तुलाएक-भरवासालेवै अष्टगुणाजलक्वाथकरेवै पादशेषइकजवआरहै आढकहरडचूर्णतवगहै शतपलखंडदो-पलमघचूर्ण तामोंविधिसोंकीजैपूरण शीतलकरमधुकुडवमिलावै चतुरजातचूर्णपलपावै कडछीमे-रलायसोखावै रक्तपित्तछर्दरोगमिटावै अरुदुखश्वासकासकीहान वंगसेनमतकीनवखान॥ अथअमृ-ताख्यलोहरसायणम् चौपई गिलोयत्रिवीदंतीअरुचित्रा श्रावणीषदिरवलाअरुभंगरा ताल्लमषाणाइ-टसिटथोहर कासीसवारणागन्नेकीजर कंदविदारीपुष्करमूर वासाकुशातालकोमूल भिलावेदालह-लदजुकुलंजन चवकगवाक्षीकुठसुहांजन भडिंगीमूर्वापिप्पलामूल पलपलयहलीजैसमतूल द्रोणएक-जलमोंपकवावै अष्टमभागछाणधरवावै पुनत्रिफलाइकप्रस्थमंगाय अष्टगुणातामोजलपाय यहभी-क्वाथअष्टगुणलेय अगलेक्वाथसंगसुमिलेय पुनलेलोहपुठतिसदीजै माक्षिकसंगमारसोलीजै सोमृ-तलोहषांडशपलगहै योंसुधारपुनअभरकलहै सोअभरकपलचारप्रमान चारोपलगंधकतिंहठान धौ-

तशुद्धदोइपलधरपारा गुडपलअष्टसुनपुरुषउदारा पित्तअधिकतौमिसरीपावे अधिकरक्तपित्तखंडमिलावे गुगुलदोइपलसमझपतीजै अर्धप्रस्थघृततांमोर्दीजै पाकाविधिज्ञहोयनरजोऊ सबधरकाथपकावैसोऊ शीतलहोयोजानेजावे मधुपलअष्टमिलावेंतवे स्वर्णमषीदोपलपुनलीजै शुद्धमारकरतांमोदीजै पुनपलअर्धशिलाजितचूरण तिसऔषधमोंकीजैपूरण पुनत्रिफलात्रिकुटापीसान दंतीत्रिवीखैरकत्थजान तालीसपत्रपुनजीरेदोय धनियांचित्राद्राक्षसमोय रसोंतमुलठीककडश्रृंगी चतुरजातकीजैइकसंगी लवंगजायफलमरचकंकोल डारछुहारैपलपलतोल यहसबऔषधपलपलपावे वापलअर्धअर्धजुरलावे इसऔषधकोषावेजोय नाशसमस्तरोगकोहोय रक्तपित्तज्वरचर्द्दविनाशै कुष्टजुअमलपित्तकोंनाशे अर्शअरुचिसंग्रहणीजावे उदरशूलप्रमेहमिटावे पथरीआमवातजुविडारै मूत्रकृछ्इत्यादिकटारै याभक्षणकोसुनोप्रकार प्रथमहिब्रह्मचर्यकोंधार प्रथमदिवसइकमासाषावे इकइकरत्तीवधावतजावे जानोमासेअष्टपर्यंत रहैवधावतलषयहतंत अमृतलोहनामइहजानो अहैरसायणयहमनआनो द्विदलदालकोवर्जनकरै अनूपमांसकोवननहिधरै ककारादिकसभवस्तुजोय तिनकोभक्षेनहिनरसोय जोनरइंहविधियाकोंषावे वृद्धसुयुवाअवस्थापावे होइआरोग्यसदासोरहै वंगसेनमतअसेंकहै ॥ इति

॥ अथखंडखाद्यलोह ॥ चौपई ॥ शतावरिवासावलाभिडंगी त्रिफलाषैरगिलोयजुमुंडी तजतालमूलीपहिचान पुष्करमूललहोसुनज्ञान यहसबपांचपांचपललीजै द्रोणपायजलकाथसुकीजै अष्टमभागरहैतुउतारै वस्त्रछनायनिकटसोधारै व्यूषआदिमारितजोहोई लेयलोहद्वादशपलसोई षोडशपलघृतसंगमिलावे षोडशपलतिहखंडरलावे काथसहिततांवेकेवासन पक्ककरैदेमंदहुताशन सोऊशीतलहोवेजवे अर्धप्रस्थमखीरामिलावेंतवे शिलाजीततज्जअरुनागर आद्रकमघजीराविडंगधर ककडश्रृंगीजाफलपाय पीसमहीनकरतासमिलाय त्रिफलामरचांकेसरजान तालीसपत्रधनियांलषमान अर्धअर्धपलपीसमिलावे मथकरथिंदेवासनपावे गौदूधअथवारसमास लषवलइन्हसंगखावेतास रक्तपित्तचर्द्दकासमिटावे वातरक्तपरमेहनसावे शोथपांडुकुष्टकोंनाशें लिफअफाररक्तविनाशें अमलपित्तअर्शहोए दूर नेत्रज्योतिप्रगटावेभूर पुष्टकरैपुत्रहिंउपजावत अग्निकरैपुनदेहवधावत षंडषाद्ययहलोपहछान कह्योग्रंथमतानिश्चयजांन जोजोऔषधापित्तज्वरकही रक्तपित्तमेंाहितकरलही ॥ दोहा ॥ रक्तपित्तरुजकीकहीचिकित्साभलेंवनाय रोगहरेंतनुसुखकरैलषलीजैचितलाय ॥ इतिरक्तपित्तरोगचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथरक्तपित्तरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ रक्तपित्तरुजकेकहोंपथ्यापथ्यविचार तिन्हकोंसमझविचारकैवैद्यकरैउपचार ॥ अथपथ्यनिरूपणम् । अडिल्यछंद । रक्तपित्तरुजहोततीनअस्थानमों होवैरक्तप्रवाहिलहोनिजज्ञानमों शिरकेसबहीद्वारनेत्रमुखनासजो अवरकर्णकोद्वारएकअस्थानसो दूसरगुदस्थानभलीविधिजानिये तीसरलिंगस्थानसुअसेंमानिये इन्हअस्थानरुधिरचलेजवजानहो तिंहकेपथ्यापथ्यकहोंपरिमानहो इन्हकोंरेचनपथ्यकह्योसुनलीजिये शठीशालीचावलपथ्यभनीजिये कोद्रमकंगुनीसांउकचावलजानरे सभीपुरातनहोंहिंसुमनअनुमानरे यवकोकोटामसुरमुंगअरुमोंठसुन चिडवेचणेजुलाजासत्तूमानपुन सहाकबूतरहरणलवाकोमासरे गोवकरीकादुग्धघीउपथतासरे महिषीघृतअरुपनसप्याजफलजानहो कदलीफलजुपटोलतालफलमानहो आमलेतालनवीजकपित्थअनारही वासामीठेपकसुविल्वछुहारही पक्कपुरातनकूष्मांडनालेरजो निंवशाकतरवूजफालसेद्राषसो ईक्षुदंडशालूककंदसिंगाडपुन माष्योंशी-

तलतोणजुशीतलपवनसुन घृतशतधौतवखान्योचंदनलेपजो वुटणतैलाभ्यंगफुहारेमानसो चंदनभ-च्चणशीतलवस्तूंखाईये चंद्रकिरनविचित्रकथामनभाईये शीतलभूपरवैठनशयनसुहावनो सरितातट-कीरेतीवैठनभावनो चंदनलेपलपेटीतियआलिंगनं कदलीपंकजपत्रनऊपरवैठनं वैडूरजमणिमुक्ताहा-रसुहावने पहिरेवस्त्रमहीनस्वेतमनभावने वागवाटिकानहरनसशीकोदर्शजो कमलनकोंवनदेषनमित्र-सपर्शहो शीतलझरनेदेषननिकटनिवासहो हर्षवधावनकीर्त्तनरागहुलासही रक्तपित्तरुजहोयअधिकत-नजासही तिसकेयहसबकीन्हेपथ्यप्रकाशही ॥ इतिरक्तपित्तरोगेपथ्यनिरूपणम् ॥

॥ अथअपथ्यनिरूपणं ॥

॥ अडिल्यछंद ॥ सूरजकिरणपछानअवरव्यायामरे तीक्ष्णकर्मसुमानमहादुखधामरे मारगकोवहु-चलनोधूम्रजुपानही अतिमैथुनअतिउश्मरूक्षअन्नखानही मदिरासरषपक्षारबस्तुसभजानिये दही-अवरजलकूपतांबूलपछानिये अवरहुंजोजोवस्तुरक्तउपजावहैं सोसोसबहीवस्तुअपथ्यलषावहैं ॥ दो-हा ॥ यहजोकहैअपथ्यसबरक्तपित्तकेजान गहैपथ्यत्यागैअपथताकीहोयनहान ॥ इतिरक्तपित्तरोगेपथ्या-पथ्यअधिकारःसमाप्तः ॥ दोहा ॥ रक्तपित्तरुजवरणयोंप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिचिकित्साभाषकैपथ्या-पथ्यवषान ॥ इतिरक्तपित्तरोगेनिदानचिकित्सापथ्यापथ्यंसमाप्तम् ॥

॥ अथरक्तपित्तकर्मविपाकमाह ॥

॥ चौपई ॥ जोब्राह्मणपरकोपनिरर्थ द्विजनिंदाअरुकलहसमर्थ रक्तपित्तरुजतासप्रवेश आगेसुनले-ताकोभेष तासउपायकहोसुनसोय जातेनाशरक्तपित्तहोय ॥ उपाय ॥ ब्रह्मचर्यव्रतराखेसोयी एकभस्म-प्रणधारैजोयी वैशाखमाहिकरप्रातस्नान होवेरोगरक्तकीहान इतिरक्तपित्तकर्मविपाकउपाय ॥ दोहा ॥ रक्तपित्तवर्णनकियोकारणसहितउपाय शीतपित्तकेदोषकोआगेसुनाचितलाय ॥

॥ अथरक्तपित्तज्योतिष ॥

॥ चौपई ॥ शशिघरमोमंगलपडेतिहनररक्तविकार रक्ततस्करीकार्य्यसोउद्यमकरहिअपार ऐसेऔ-गुणकेनि मित्तमंगलपूजाइष्ट दानकरैवृषलालरंगइहउपायहैश्रेष्ट विलूरक्तचंदनबलालालफूलगुलमान बकुलपुष्पजलपाइकरताहिकरैइस्नान ॥ इतिज्योतिषोपायःसमाप्तः ॥

॥ अथशीतपित्तरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ शीतपित्तनिदानकीभाषाकरोंवनाय याकोंसमझैवैद्यजोताकीमतिअधिकाय ॥

॥ अथशीतपित्तनिदानपूर्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ शीतलजलशीतलवहैवात इन्हसपर्शतेंहोइउतपात इन्हकोजवस्पर्शतनहोय कुपित-वातकफपित्तमिलसोय त्वचारक्तमोफैलसोजांहि अंतररक्तवहिरत्वचमांहि तांतेंतृषाअरुचिहोइआवै ह्रल्लासमोहदाहप्रगटावै गौरवअंगनेत्रहोइलाल पूर्वरूपयोंलषोविशाल ॥

॥ अथलक्षणम्॥

॥ चौपई ॥ तनपरधफडशोथजुहोय कंडूदाहछर्दज्वरजोय सूचीवेधइवपीडाजान वातादिभे-दपुनकरोंवषान वातअधिकजासमोंलाहिये शीतपित्तनामतिसकहिये कफअधिकजोयामोंमानै तासउ-

दर्दसुनामवखानै शिशिरमांहिधफडजोपरैं मध्यतेंनिम्नखुरकवहुकरैं शैशिरनामतांहिकोकहिये ऐसे- याकेलत्तणलहिये जोयहदुखइकत्तणभररहै कोठनामतांहूकोकहै अवरजोवहुतदेरनकरहै सोईउत- कोठनामकरकहहै यामोवमनजुआवतनांहि कोष्टनामताकोकरगाहिं यामोवमनवहुतकरआवत उ- त्कोष्टनामतिसवैद्यजुगावत ॥ दोहा ॥ शीतपित्तजुनिदानकोंभाष्योंसमझविचार लत्तणभररहैवहुचि- ररहैऐसेंकीनउचार ॥ इतिशीतपित्तरोगनिदानम्.

॥ अथशीतपित्तउदर्दरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ शीतपित्तकेरोगकीकहोंचिकित्साजान ज्योंभाषीवंगसेनमोतैसेंकरोंवषान ॥ चौपई ॥ अथवमन ॥ पडोलनिंवअवरलेवासा औषधवमनमिलावोतासा हितकरतासचिकित्साकहिये यहनि- श्चयअपनेमनलहिये ॥ अथरेचन ॥ चौपई ॥ मघात्रिफलासमगुग्गुलसंग रेचनचूरणदेहनिसंग मर्द- न ॥ कटुकतैलकोंमर्दनकीजे स्नानउष्णजलसोंरुजछीजे ॥ अथपाणा ॥ त्रिफलानवकर्षमधूहिमिलाय पीवैरोगनाशहोइजाय ॥ काथ ॥ चौपई ॥ अमृतादिकाथपरिमान विसर्पिरोगमोंकीनवषान सोऊ- काथवनायपिलावे शीतपित्तरोगमिटजावै ॥ चूर्ण ॥ मधूअवरमिसरीसमपावै यहहिंतकरचूरणलष- पावै ॥ अन्यच्च ॥ चूर्णआमलेगुडजुमिलाय खावैशीतपित्तमिटजाय ॥ अथयूष ॥ त्रिकुटाज- वानीलेहुयवत्तार यवकेमांडपीससोडार पीवावैरोगीकोंसोय शीतपित्तरोगहतहोय ॥ अथचूर्ण ॥ ॥ चौपई ॥ रासनात्रिफलाअवरशतावर असगंधइंद्रजवचूर्णबरावर याकोंखायशीतपित्तजाय ऐसेंगुणतिसकह्योसुनाय ॥ अन्यच्च ॥ चिरोंजीतिंदुकउनावखैरकत्थ श्वेतखैरविजयसारसमहिमथ सप्तपर्णीअरुदुर्गंधिखैरआन अश्वकर्णीअर्जुणतुचजान काथकरैजुसमस्तमिलाय शीतपित्तदेहीनरहाय ॥ अन्यच्च ॥ हिंगुजवायणचूरणषावै शीतपित्तरोगमिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ जवायणगुडमिलाय- जोखाय रोगशीतपित्ततांतेंजाय ॥ अथमर्दन ॥ चौपई ॥ स्वेतसर्षपारजनीआन पवाडवीजाति- लसमलेठान चूर्णकरकटुतैलमिलाय मर्दनकरउदर्दमिटजाय ॥ गुड ॥ पुरातनगुडरसआद्रकमेल खावैरुजउदर्दकोंरेल ॥ दुग्ध ॥ काश्मरीफलपयपायपकावै खायउदर्ददद्रूकृमिजावै ॥ अथरुधिरमोत्त ॥ प्रथममरचघृतकरहैपान पुनरुधिरनिकालेहोइरुजहान ॥ अन्यउपाय । चौपई । प्रथमस्नेहपानसुखका- रण फुनस्वेदनयामोहितधारण रेचनकरतनुशुद्धकरावै पाछेकुष्टहरऔषधखावै शीतपित्तउदर्दरुजनाशे रोगामिटैतनुदुतिप्रकाशै ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ निंवपत्रआमलेपीसाय घृतमिलायअविलेहच- टाय उदर्दरोगनाशतबहाय निश्चयकीजेंमनमोंसोय ॥ अथवुटणा ॥ चौपई ॥ कुठअसगंधनिंवसुर- दार सुहांजणासर्षपरजनीडार तुंबरूधनियाचवकपडोल अरुघंडालीजैसमतोल चूर्णकरकटुतैलमि- लावै तक्रमेलकरदेहलगावै कंडूपिटकाशोथनसाय कुष्टउदर्दनाशहोइजाय ॥ अन्यच्च ॥ धात्रीत्वचाप- त्रकुठआनो नागपुष्पएलानखठानो तगरप्रियंगूरेवंदमान दूर्वाशीपीचोरकजान अस्थौनेयवालुकपुन- लीजै श्रीवेष्टसरजरसइकथलकीजै नीलाथोथाअगरगजकेसर अरुकुंकुमलताहिपीसधर अवरवका- यणपुष्करमूल यहचूरणकीजैसमतूल पायतैलकटुमर्दनकरै रुजउदर्दकंडूकोंहरै वातजकफजरोगमि- टजाय पिटकादिकबहुरोगनसाय ॥ दोहा ॥ शीतपित्तउदर्दकीकहीचिकित्साजोय वंगसेनमतजा- निएरोगनिवारणहोय ॥ इतिशीत्तापितउदर्दरोगाचीकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथशीतपित्तउदर्दकुष्टरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ शीतपित्तउदर्दकुष्टकोपथ्यापथ्यअधिकार वैद्यकग्रंथविचारकैताकोंकरोंउचार ॥ अथ-पथ्यं ॥ चौपई ॥ मोक्षणरक्तछर्दअरुलेपन पुनलषपथकरवावैरेचन चावललालमुंगजुकुलत्थ वालमूलि-काजानोपथ्य त्रिफलामधुजुककोडेजान वैंतकूमलीकरेलेमान अरुसुहांजणापथ्यकहीजै पुनकटुतै-लअनारभनीजै कटुतीक्षणकषायजोवस्त पित्तश्लेष्महरहैजुसमस्त तप्तोदकजानोपरमान एतेपथ्य-कीनव्यारूयान ॥ दोहा ॥ पथ्यकहेमनसमझकैलखहोपुरुषसुजान आगेंसुनोअपथ्यसबसोईकरोंवखान ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ दुग्धमत्सजलजीवनमास इक्षुविकारगुडादिप्रकाश स्नानमद्यअवरनवनीत वमनवेगरोकनसुनमीत पूर्वदक्षिणपवनपछान दिनकीनिद्राआतपमान मैथुनअमलमधुरसबवस्त विरुद्धअन्नजलगुरुजुसमस्त ॥ दोहा ॥ शीतपित्तउदर्दकेपथ्यापथ्यवखान लषराषैनिजहृदयमोंसोनर-वैद्यप्रमान ॥ इतिशीतपित्तउदर्दरोगेपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः ॥ दोहा ॥ शीतपित्तउदर्दकोप्रथम-हिकह्योनिदान पुनहिंचिकित्सावरणनकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिशीतपित्तउदर्दरोगःसमाप्तः ॥

॥ अथअम्लपित्तरोगेनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अमलपित्तनिदानकोसुनहोपुरुषसुजान भाषारचवरणनकरोंज्योंकहेग्रंथनिदान ॥ चौपई ॥ दुष्टविरुद्धजुभोजनखावै अमलविदाहीसोंजुअघावै पित्तप्रकोपीअन्नजुपान अरुभोजनन-हिपच्योसुमान अर्धदग्धछातीपररहै प्रगटैअमलपित्तयोंकहै रवांहादिकशाकादिकजेऊ भोजनदुष्टक-हितहैतेऊ मत्सक्षीरइकठेजोखावै भक्षविरुद्धताहिकोंगावै अमलपित्तजाकोंप्रगठावत विनश्रमश्रम-युतदेहलषावत तीक्षणअमलेप्रगटडकार मूर्छातृषाभ्रममोहविकार कंठहृदयमोंउपजितदाह अरु-तनभारीहोवतताह तलेऊपरतेंनिकसेंअन्न अमलपित्तजानोइनचिन्ह हरितपीतनीलरंगस्याह ईषद्-लालवमनहोइताह अमलोस्वादवमनकाहोय कंडूशिरपीडाहोइजोय हाथनचरणनउपजेदाह बहुतउ-पद्रवउपजेंताह नवीनयतनसाध्यसुकहावै चिरकोकष्टअसाध्यलषावै.

॥ अथअधोगामीअम्लपित्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ विष्टामाहिअनेकप्रकार तृषादाहमूर्छामोहधार हृदयदोषवमनसीआवै कायाश्रम-अतिहींदरसावै अग्निमंदरोमांचितजोय पर्साछूटैपीतरंगहोय अैसेलक्षणजामोजान अधोगामी-अम्लपित्तपछान

॥ अथऊर्द्धगामीभोजनांतअम्लपित्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ भोजनकियेवानिराजुहार तीखाखट्टावमनविकार शरीरखाजचकतेपडजाय डकारब-हुतकंठकुक्षिभाय सिरपीडाकरपैरमोदाह भोजनअरुचिज्वरलक्षणताह जोअम्लपित्तमेंवायुकफामि-लै तौवैद्यमोहकरहोयसुटलै ॥ अथदोषभेदः॥ जाहिअम्लपित्तकंपप्रगटाय प्रलापमूर्छाकायअकडाय अंधेरीघूमतमोहफुनहर्ष तवजानवैद्यवावायुमिलकर्ष वाकफमूकशरीरहोयभारी अरुचिकायशीतलअं-गहारी वमनहोइफुनअग्निवलजाय खुजलीनींदअत्यंतकरभाय जाकेलक्षणअैसहोय अम्लपित्तकफ-मिलतहैसोय ॥ दोहा ॥ अम्लपित्तनिदानकोवैद्यकमतअनुसार लक्षणसहितवषानियोंसमझलेहुचि-तधार ॥ इतिअमलपित्तरोगनिदानंसमाप्तम् ॥

॥ अथअम्लपित्तरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्साअमलपित्तकीसुनलीजैचितधार जैसेंभाषीवंगसेननेतैसेंकरोउचार ॥ चौपई ॥ अमलपित्तजाकेतनुहोय रेचनवमनकरावेसोय रक्तमोचपुनतिंहहितजान प्रथमहिसोसुनकरोंवषान ॥ अथवमनविधिः ॥ चौपई ॥ पटोलनिंववासासमलीजे लवणमयनफलमधुसंगदीजे यहषुलायवमनकरवावे अमलपित्तशांतिहोइजावे ॥ अथरेचनविधिः ॥ चौपई ॥ धात्रिफलमधुत्रिवीमिलाय खावेरेचनशुद्धकराय अमलपित्तऊर्द्धगामीजोय ताकोंश्रेष्टवमनअतिहोय अमलपित्तअधोगामीजास रेचकरावनहितकरतास जोइन्हसोंनिवर्तनाहिंहोय रक्तमोचकरवावेसोय तिक्तवस्तुखानअरुपान अमलपित्तमोश्रेष्टपछान ॥ अथक्वाथः ॥ चौपई ॥ त्रिफलानिंवगिलोयपटोल इन्हकोकाथकरैसमतोल मधुमिलायकरपीवैतास सछर्दअमलपित्तहोइनाश ॥ अन्यच्च ॥ गिलोयकिरायतासुंठीमुस्थर काथकरैसमलेयइकत्तर पीवेअमलपित्तहोइनाश होइअरोगतनदुतीप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ गजपीपलपुनसुंठपटोल करैक्वाथसबलेसमतोल मधुमिलायकरपीवैतास सहशूलअमलपित्तहोइनाश अग्निवधैभुजवलप्रगटावत इहप्रकारताकेगुणगावत ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ निंवपापडाअरुत्रिफलाय गिलोयकिरायताभंगराराय यहसमकाथमधुपायपिलावे अमलपित्तनाशहोइजावे ॥ अथपुटपाक ॥ चौपई ॥ हिंगुनिर्मलीफलकोंआन अमलीअवरतज्जसमठान सहघृतपुटसुदग्धकरषावै अमलपित्तनाशहोइजावे ॥ अथअविलेहः ॥ चौपई ॥ धनियांचंदनमुथ्रमिलाष यहसमपीसोमधुसुरलाय याकोंचटैअमलपित्तजावे ताकोगुणयोंप्रगटसुनावे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ एलामुस्थरचंदनआन धनियाअभयाकणापछान धात्रीफलअरुलेहुपटोल यहसमचूर्णकरोसमतोल मधुमिलायकरचाटैतास होयेअमलपित्तकोनाश ॥ अथक्वाथः ॥ चौपई ॥ यवमघपीपलअवरपटोल करैकाथयहलेसमतोल मधुमिलायकरपीवैतास छर्दअरुचिअमलपित्तविनाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पटोलपत्रकिरायतात्रिफलाय काथसितामधुपायपिलाय सहज्वरछर्दअमलपित्तनाशै होयअरोग्यदेहदुतिभासे अविलेहः चौपई निंवपापडाअरुत्रिकुटाय अवरजुकोगडवीजरलाय लघुकंडयारीयहसमलीजें मधुमिलायकरचटणीकीजें चाटैहोयअमलपित्तनाश ताकोगुणअसकीनप्रकास ॥ अथघृतं ॥ चौपई ॥ केवलपिपलीघृतमोंपावे मंदअग्निसोंताहिपकावे पीवैमधुयुतअमलपित्तनाश यहगुणताकोकीनप्रकाश अन्यच्च घृतं चौपई चूर्णशतावरीलेपलचार प्रस्थतोयप्रस्थघृतडार चारप्रस्थतिंहदुग्धमिलावे मंदअग्निसोताहिपकावे षावेअमलपित्तअरुश्वास रक्तपित्तमूर्छाहोइनाश तृषाअवरसंतापनसावे एतेगुणतिसघृतकेगावे ॥ अविलेहः ॥ चौपई ॥ धात्रीफलशतावरीआन मधुशरकराकरचूर्णमिलान शीतलजलअरुपयघृतजानो भिन्नभिन्नअनुपानपछानो चाटैअमलपित्तहोइनाश आयहोशहोइनेत्रप्रकाश ॥ अथरसामृतचूर्ण ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलामुस्थरविडंग चित्रापलपलकरएकसंग पावैगंधककर्षजुदोय कर्षएकपारासंजोय कर्षएकमधुघृतकेसंग चाटेलहकरेरुजभंग पाछेजलवादुग्धपिवाय पित्तरोगतातेंमिटजाय अमलपित्तमंदाग्निविडारैं प्रणामशूलकामलपांडुटारैं ॥ अथनारकेलखंडः ॥ चौपई ॥ कुडवनारकेलकोआनैं सूक्ष्मतांकोचूर्णठानै पलइकघृतमोभूनसुलीजें कुडवशुद्धखांडतिंहदीजें चतुर्गुणदुग्धमंदाग्निपकावे पक्वहोययहचूर्णपावे चतुरजातकधनियांपिपलामूल कर्षकर्षचूर्णसमतूल ताहिमिलाययथाबलषावे पुरुषसुवलनिन्द्राअधिकावे अमलपित्तछई श्वासनिवारे प्रणामशूलरक्तपित्तजुतटारै

अथपिप्पलीशंखः चौपई कुडवकणाचूर्णपीसाय षटपलघृतताहीमोंपाय प्रस्थषंडपलअष्टशतावरी दोये-प्रस्थदुग्धतामोंधरी त्रिजातकमुस्थरधनियांआन मांसीसुंठदोजीरेठान हरडधात्रीफलसमलेय तीनतीन-टंकलषतेय मरचेंषदिरसारयहदोय षटषटमासेताहिसंजोय मधुत्रैपलहिमिलावैतास यथावलषायरोग-यहनाश शूलअरुचहृदयदाहनसावै अम्लपित्तछर्दमूर्छाजावै अग्निवृद्धहोवैपुनतास एतेगुणतिसकीन-प्रकाश अन्यच्च अमलपित्तअधगामीहोय पित्तसंग्रहणीकरेविधजोय वाकफपित्तहरऔषधजान अमल-पित्तमोसोपरमान अन्यच्च रक्तपित्तकीऔषधजेती अमलपित्तमोजानोतेती अन्यच्च पित्तशूलकीक्रियासु-जान अमलपित्तकीकरेप्रधान अथधात्रीलेहः चौपई धात्रीचूर्णआठपलआन लोहचूर्णचारपलठान करं-जुमुलट्ठीजीरालीजै दोइदोइपलयहजानपतीजै दिनसातगिलोयकाथकेसंग षरलकरेपुनताहिअभंग आतपचंडमांहिसुसुकाय मधुघृतमेंपुनपीसमिलाय भोजनआदिमध्यपुनअंत षाययथावलसुनहोसंत आदिषायपित्तवातनिवारै मध्यअन्नपचेकवजविडारै भोजनांतजोषावैतास अनुपानदोषहोएनाश अरु-शूलादिरोगमिटजावैं औसोगुणतिसग्रंथवतावै अथवृहत्त्र्यूषणमंडूरं चौपई पांचकर्षलीजेत्रिकुटाय त्रिफ-लादोइदोइकर्षमिलाय पलइकरसगिलोयकोलीजै प्रसारणिवलाविजोरलहीजै अरुभंगरायहचारजुकहै इन्हकेरसपलअठअठगहै मंडूरपलचालीसमिलावैं यहसमस्तमंदाग्निपकावै पुनयहऔषधपीसरलावै करइकत्रसबपीसामिलावै मासेआठमिलावैहिंग मासेपांचधात्रीफलसंग त्रिकुटामासेचारोचार यहचूर्ण-तबतामोंडार पांचपांचपलमधुशर्करा पषाणभेदयथालाभतिहधरा पुनधनियांअरुजीरेसाथ शुद्धकरैघृत-लषयहगाथ तिसघृतसाथसुमर्दनकरै पुनसनिग्धवासनमोंधरै भोजनादिमध्यअरुअंत षाययथावल-सुनहरासंत अमलपित्तादिरोगसवनाशैं रोगरहिततनअंगप्रकाशैं पूतनाहरीतकीगुणाः अन्यच्च हिका-कुष्टमदमूर्छाजानो अजीर्णपीडाकोष्टजमानो रक्तपित्तश्रमशूलसुकहिये उदररोगकृमिरोगजुलहिये अवर-प्रमेहअरोचिकजान अम्लपित्तअतिसारपछान हरीतकीमधुयुतभच्छणकरे एतेरोगताहितेंटरे अथात्रिफ-लादिमंडूरः चौपई त्रिफलाभंगरावालामंगावै वासानिंवश्रावणीपावै किरायतागिलोयपापडाजान मंडू-कपर्णिपटोलभडिंगीठान इन्हइकइककेकाथहिंसंग मंडूरपुरातनकरखरलअभंग पुनात्रिफलेरससंगपका-वै मधुमिसरीघृततासमपावै अरुत्रिफलामुत्थरत्रिकुटाय जवायणजीराअरुचित्राय मुलट्ठीधानियांअव-रविडंग चतुरजातकधरलीजैसंग चतुर्थभागयहचूर्णपावै सबामिलायकरखरलकरावै वलअनुसारताहि-नितषाय अमलपित्तादिरोगनरहाय अमलपित्तोत्पन्नरुजजेते नाशहोंहिसोसभलषतेते अथविद्याधरमं-डूरं चौपई त्रिफलात्रिकुटावायविडंग दंतीचित्राकुठधरसंग मुत्थरापिपलामूलमिलावै गिलोयतेजवलशू-रणपावै भिडंगिशतावरीनिचुलकेवीज गजपिप्पलधनीयांशृंगीलीज दालहलदीतुंवरुयवचार भद्रदारु-दोइजीरेडार तुम्माअजमोदाजुशतावर कोशातकिफलपत्रकतिंहधर पारागंधकत्रिवीमिलाय वर्चविधा-राताहिरलाय पांचोलवणतालकोमूल यहचूरणकीजैंलेसमतूल इसतेंदुगुणमंडूरामिलावै यहसबचूर्णषर-लमोंपावै पुनगूत्रअवरत्रिफलाकोकाथ आद्रकरसरसभंगरेसाथ वज्रवलीअरुश्रावणील्याय अफलककों-डीतालफलपाय दालचीनीअरुशूरणकंद इनकेरसभिन्नभिन्ननिवंध खरलकरैभिन्नभिन्नइन्हसंग सुकाय-सुकायलेयसुअभंग पुनअष्टगुणगोमूत्रमंगावै त्रिफलाकाथचतुर्गुणपावै सोमंडूरतहपायपकाय ताकोनि-त्ययथावलषाय कुक्षिरोगग्रहणीमिटजावै उदरवृद्धमंदाग्निनसावै मेदरोगअर्शनरहाय वमनजुवातव्या-धामिटजाय अम्लपित्तादिरोगहतकैसै अंधकारसूर्यकरजैसें ॥ इतिअम्लपित्तरोगचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथकफपित्तरोगनिदानचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अमलपित्तकोभेदयहकफपित्तकरैंवषान तासचिकित्साकहितहोंसमझौंसहितनिदान

॥ अथकफपित्तलक्षणनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ श्लेष्मपित्तजिसतनलखपावैं तीक्ष्णामलकटुडाकरआवैं अरुचिछर्दिहृदवस्तीदाह-श्रमआलसमूर्छाहोइताह शिरपीडामुखलालांजान मुखमीठाकफपित्तपछान ॥ इतिनिदानम् ॥

॥ अथचिकित्सा ॥

॥ अथद्राक्षादिघृत ॥ चौपई ॥ द्राक्षगिलोयजवाहपटोल यहचारोलीजैंसमतोल त्रायंतीअरु-आमलेआन पद्मइंद्रजवधनियांठान कंदवराहिकिरायतलीजैं कूटसभीसमकल्ककरीजैं घृतमोंपा-यपकायसुखावै अमलपित्तकफपित्तनसावै ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ त्रिफलानिंवजुखदरपटोल वासाअरुगिलोयसमतोल करैकाथपीवैपुनतास रुजकफपित्तहोयहैनाश धनियांइंद्रयंवआमलेआन मघपटोलसमकाथसुठान मधुमिलायकरपीवैसोय कफपित्तरोगनाशतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ आद्रकअ-रुपटोलकोकाथ श्लेष्मपित्तनाशेंइससाथ पाचनदीपनयाकोजान वैद्यकग्रंथनकीनप्रमान ॥ अन्यच्च ॥ मुस्तअपटोलसुंठीधनियालीजे तासकाथविधिवतकरपीजे कफपित्तरोगनसावैसोय रोगरहिततनकीदुति-होय ॥ अन्यच्च ॥ पटोलसुंठीकौडजुगिलोय काथपीयेकफपित्तहतहोय ॥ अथघृतम् ॥
॥ चौपई ॥ सुंठिपठोलदोऊसमआन घृतमोंसोपकायकरपान कफपित्तरोगनाशतवहोय निश्चयकीजेंमनमोंसोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पटोलकाथमोंघीउपकावै चूर्णसुंठिमिलायपिलावै कफपित्तरोगहोयहैनाश निश्चयजानोमनमोतास ॥ अन्यच्च ॥ सहजीराधनियांघृतपकाय पीवैक-फपित्तरोगनसाय ॥ अथचूर्णम ॥ चौपई ॥ करंजुपत्रवांसाकेफूल त्रिफलाइंद्रयवलेसमतूल मधुर-लाययहचूर्णखावै कफपित्तरोगनाशहोजावै आमलेरसदधिकांजीसंग खरलकरेयहचूर्णनिसंग म-धुयुततंडुलजलकेसाथ खावैरोगहरेसुनगाथ ॥ अथमोदकः ॥ मघांहरडगुडमोदककरै खावैकफपित्त रुजकोंहरैं ॥ दोहा ॥ अमलपित्तकफपित्तकीकरीचिकित्सागान वंगसेनजैसेंकहींतैसेंकीनवषान इतिअम्लपित्तकफपित्तरोगचिकित्सासमाप्ता.

॥ अथअम्लपित्तकफपित्तरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अमलपित्तकफपित्तकेसुनलीजैमातिसार पथ्यापथ्यजुतासकेनीकैंकरोंउचार ॥ अथपथ्यं॥
॥ चौपई ॥ जोयहरोगऊर्द्धतनुभासै वमनतासकोपथ्यप्रकाशै जोयहरोगअधोतनहोय तौ-रेचनपथजानोसोय उभयठौरकोयहपथ्यलहिये रक्तमोक्षविधश्रेष्टसुकहिये पुनऊर्द्धअधोगतिकेपथ-कहों चावलकनकमुंगयवलहों वनमृगपक्षिनकोरसमास खंडककोडेमधुलषुतास पटोलकरेलेपथ्यप-छानो तप्तोदकशीतलकियोमानो वृद्धकूष्मांडपथ्यपहिचान वैंतअग्रदलपथलषमान कदलीफलकोकं-दजनावै धात्रीफलजुकपित्थलषावै अन्नपानकफपित्तहरजोय वाथूशाकअनारपथ्यहोय ॥ दोहा ॥ अमलपित्तादिकरोगकेकीनेपथ्यवषान अवसुनहोताकेअपथजैसेंग्रंथप्रमान ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥

वमनवेगरोकनतिलमाष तैलाभ्यंगकुलथकहैभाष भेडदुग्धकांजिपुनजानो लवणअधिककटुवस्तुपछानो दधिअरुमद्यअवरगुरुअन्न यहअपथ्ययाहिकेमन्न ॥ दोहरा ॥ पथ्यापथ्यकहेसभीशास्त्रकेअनुसार तिंहकोसमुझैंचतुरनरकयासमुझैंजुगवार इतिअम्लपित्तकफपित्तरोगेपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः दोहा ॥ अमलपित्तकफपित्तवरणयोंप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान इतिश्री अम्लपित्तरोगःसमाप्तः

॥ अथअम्लपित्तदोषकारणउपायानिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोवहुस्वादीजिव्हाहोय भक्ष्याभक्षहिंखावैसोय ताकोअमलपित्तप्रगटावै तासउपायसुनोजोंगावै ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ पांचकुंभपंचामृतभरे पंचमूर्तविष्णूकीकरै एकस्वर्णइकरजतवनावै इकताम्रइकापितलकरावै एककाष्टकीप्रितमाकीजै पांचोपांचकलशपरदीजै विधिसोंपूजेंविप्रहिदेय अमलपित्ततैंमुक्तिलेय ॥ दोहा ॥ अलमपित्तवरणनकियोकारणसहितउपाय अवआगेजैसेंकहोंसुनलीजैचितलाय इतिअम्लपित्तदोषकारणउपायःसमाप्तः.

॥ अथअम्लपित्तज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ चंद्रदशाकेअंतरेमंगलकरैप्रयान सोमंगलवलवानहोइअष्टमद्वादशस्थान तिहकरप्राणीभोगताअम्लपित्तकोरोग मंगलपूजाविधिकरेकाटैग्रहकायोग ॥ इतिज्योतिषम् ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाशभाषायांरक्तपित्तअम्लपित्तकथनंनामत्रयस्त्रिंशोऽधिकारः ॥ ३३ ॥



॥ आमवाताधिकारः ॥

॥ अथआमवातरोगनिदाननिरूपणं ॥ दोहा ॥ आमवातवर्णनकरोंजैसेकह्योनिदान ज्योंकीत्योंभाषारचोंसमझोपुरुषसुजान ॥ चौपई ॥ विरुद्धहारअरुचेष्टाजास मंदअग्निजुअरुविपरकास अरुनिश्चलजोवैठोरहै अतिसानिग्धभोजनजोगहै अतिमैथुनअतिजलमोतरै आमवातइतन्योंकोचरै प्रेरितवातआमजोधावै कफकेथलमोआप्रगटावै आमवातकफइकठेहोय सबनाडिनकोंधावनसोय आमवस्तुसुनहुक्याकहियै ग्रंथनिदानहुतेयोंलहियै वातपित्तकफइकमतधार अन्नरसोंमैंकरेविकार सोविकृतरसतनुमोंधावत तनुकेछिद्रनकोजुश्रवावत तिहमिलनानावर्णदिखावै पिच्छलहोयसुआमकहावै मंदअग्निहृदभारीकरै सकलव्याधताआश्रयधरै त्रिक्कुलसंधनमोंजबकोपै अंगसूनकरहैबललोपै ॥ अथआमवातसामान्यलक्षणं ॥ चौपई ॥ अंगहिमर्दतृषाउपजावै आलसगौरवज्वरप्रगटावै करैअरुचिअंगशोथकरावै योसामान्यलिंगातिसगावै आमवातजबकोपहिधरै सवरुजतैकष्टसाध्यलषपरै हस्तपादशिरगुल्फमंझार जानुऊरूत्रिकसंधिविचार शोथहिपीडकरैइनथान महादुःखप्रगटावतमान ज्योंअनेकवृश्चिकदुखहोय असपीडाउपजावैसोय अग्निमंदमुखतेजलचलै गौरवअवरअरुचितनुपिलै उत्साहहानजुविरसतादाह बहुतमूत्रताकुक्षिकठनाह शूलतृषाभ्रममूर्छाजानो छर्दहृदयग्रहकबजसुमानो जडताआंद्रांकूजतरहैं उदरअफाराएतेलहै आमवातजोपित्तयुतहोय तनमोदाहप्रगटकरसोय आमवातवातहिमिलजोय शूलअधिकउपजावैसोय आमवातजोकफयुतकहियै गुरुताकंडूजडतालहियै आमवातजबकरबहुकोप सोअसाध्यकरहैतनुलोप ॥ दोहा ॥ आमवातवडरोगहैसबरुजआश्रयजान साध्यचिकित्साजोकरैतौतनुहोयनहान ॥ इतिआमवातरोगनिदानम् ॥

॥ अथआमवातरोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ आमचिकित्साकहतहोंग्रंथनकेअनुसार वैद्यचतुरइहसमझकैंपुनकरहेउपचार ॥ अथलेपनं ॥ चौपई ॥ सौंफवरचनागरकोंआन वारुणतरुकीतुचापछान भषडामुंडीअरुसुरदार परसारिणीपुनर्नवडार तरकारीजोमैनफलपावै कांजीमोसमर्पीसमिलावै अल्पउष्णकरलेपनकरै आमवातकीपीडाहरै ॥ अन्यच्च ॥ एरणमूलसुहाजनजान वरमीकीमृतिकातिहठान यहसमलेसंगगूत्रपिसाय उष्णकरैलेपनलेपाय अथवाबांधेऊपरतास आमवातरुजहोयहैनाश ॥ अथचूर्णं चित्राकौडकलिंगपतीस पाठामुस्थवरचसंगपीस हरडागिलोयसुंठसुरदार चूर्णकीजैयहसमडार तप्तोदकसोंपीवैतास आमवातरोगहोयनाश ॥ काथः । हरडसुंडपुनवरचकपूर गिलोयपतीससुरद्रुमपूर करैकाथप्रातहिअचवाय आमवातकोंरोगनसाय अरुजोरूषाभोजनकरै आमवातकीपीडाहरै ॥ अन्यश्चकाथः ॥ रहसणएरंडसुंठगिलोय देवदारुसमतासमिलोय पीजैकाथआमहोयनाश संधास्थिमज्जावातविनाश ॥ अन्यच्च सुंठीमघांपिप्पलामूल चित्राचबकलेहुसमतूल करैकाथताकोनितपीवै नाशआमवातकोथीवै अन्यच्च सुंठसटीसमचूर्णकीजे इटसिटकाथसाथसोपीजे पीवैसातादिनांपर्यंत आमवातदुःखकोहोयअंत अन्यच्च रहसणभषडेअवरगिलोय अमलतासमुरदारुसंजोय एरणअरुपुनर्नवआन काथसुंठचूर्णसंगपान आमवातरुजहोइहैनाश निश्चयआनोमनमैंतास अथचूर्णं हरडसुंठसमचूर्णकरै वागिलोयसुंठीसमधरै तप्तोदकसोंपीवैतास होयहैआमवातकोनाश अन्यच्च चित्राइंद्रयवपाठाआन कौडपतीसहरडसमठान चूर्णकरतसो-

दकसंग पीवैश्रामवातरुजभंग अन्यच्च सुंठपुनर्नवश्रवरगिलोय सटीशतावरताहिमिलोय दालहलद-मुंडीसमपाय इहकांजीसोंचूर्णपिवाय आमवातगृध्रसिविनाशै पीडानाशैसुखतनभासै ॥ अन्यच्च ॥ केवलसुंठीचूर्णवनाय सदाचारटांकजोखाय नितउठपीवैकांजसिंग आमवातकफवातहिभंग ॥ अन्यच्च पंचमूलसमचूर्णवनावै नित्यउष्णजलसौंपीलावै आमवातमंदाग्निमिटाय अरुचीगुल्मशूलकफजाय एरंडद्रुमसमसिंहकहावै आमवातहस्तीकोंघावै अन्यच्च हरडचूर्णसंगएरणतेल खावैश्रामवातरुजटेल अवरसुगृध्रसिवातामिटावै वंगसेनमतश्रैसेगावै ॥ अन्यच्च ॥ अमलतासदलकोमलश्रान कटुकतैलमोभूनेजान दालभातमोसोयरलावै खावैश्रामवातामिटजावै सुंठगोखरूसमयहलीजे काथवनायप्रातउठपीजे आमवातकटिशूलविनाशैं अरुपाचनहोयसोऊप्रकाशैं यवक्षारसहपीवैतास मूत्रकृच्छरोगहोयनाश ॥ अन्यच्च ॥ एरंडतैलसैंधासमपावै दशमूलकाथकेसंगपिवावै आमवातरुजहोइहैनाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ समसुंठीगिलोयकोकाथ पीवैपिपलीचूर्णकेसाथ आमवातकीहोयहैहान अपनेमनमोनिश्चयश्रान ॥ अन्यउपायः ॥ एरणवीजशुद्धसोकीजै चूर्णकरसोदुग्धमोदीजें ताकीखीरपकायजुखावै आमवातकटिशूलमिटावै अरुगृध्रसिवातहोयहैनाश रोगीप्राप्तहोयहुल्लास ॥ चूर्ण ॥ गिलोयसुंठमुंडीयहश्रान गोखुरुवरणातरुसमठान चूर्णकांजीसाथपिवावै आमवातरुजभाग्योजावै ॥ अथलघुरास्नादि ॥ चौपई ॥ रहसणएरणश्रवरशतावरि गिलोयजवाहवासासहचरि देवदारुपुनहरडपतीस सुंठीसटीमुत्थरसमपीस सबमिलायकीजैइकसाथ विधिसोंतिन्हकोंकीजैकाथ एरणतेलमिलायपिलावै आमवातकीव्याधमिटावै कटिऊरूत्रिकवाताविकार वातपृष्ठपीडाकोंटार उदरपार्श्वकीवातविनाशैं वातदुःखहरसुखपरकाशैं ॥ अथमहारास्नादि ॥ चौपई ॥ रहसनएरणहरडशतावरि गिलोयजवांहामुथरसहचरि वासादेवदारुजुपतीस सुंठसटीयहसमलेपीस बलाभक्खडेमेथेजान मघपुनर्नवाश्रसगंधाठान चवकबर्चकंढ्यारीदोय अमलतासपुनपायगिलोय दालहलदनीकेपहिचान सबसमलीजैचूर्णठान रहसनतीनभागातिहपाय इनकोकाथकरैजुबनाय अष्टश्रविशेषकाथरहैयव वस्त्रछाणलेयताकोतव चूर्णकचूरपायपीवावै वाश्रजमोदासाथमिलावै आमवातश्ररुसबहीवात वातसंधमज्जाकरघात हरैकुब्जअरुवामनवात अर्दितनाशेपक्षाघात जानुजंघश्रस्थीकीपीर गृध्रसिनाशेसुनहोवीर अर्शहनूग्रहगुल्मविडारै ऊरूस्तंभह्रादरोगनिवारै कोष्टवातश्ररुसिरकीवात श्रांत्रावृद्धविसूचीघात सर्लापदयोनिवीर्य्यकोदोष लिंगरोगनाशेसुनघोष वंध्याखायसुपुत्रहिलहै पुनयहऔषधपाचनश्रहै महारासनादिचूर्णश्राष्यो आपप्रजापातिनिजमुखभाष्यो ॥ अथरास्नादिदशमूलक ॥ चौपई ॥ रहसनसुंठीश्रवरविडंग एरणात्रिफलापायप्रियंगु अरुडारैतामोदशमूल काथकरैसबलेसमतूल प्रातहिरोगीकोंपीवाय आमवातपुनश्रर्दितजाय नेत्ररोगसिरशूलमिटावै जुरश्ररुपक्षाघातनसावै अपस्मारकोकरहैनाश तनश्रारोग्यतासुखपरकाश अथश्रलंवसादिचूरण श्रलंवसगोखुरुत्रिफलाश्रान सुंठीश्ररुगिलोयातिहठान भागवृद्धवृद्धयहलीजै सबसमत्रिवीपीसतिहदीजै सबमिलाययहचूर्णधरै मदरासोंनित्यभक्षणकरै तक्रसाथवाकांजीसंग तसतोयवाहोयरुजभंग आमवातरक्तपित्तविनाशै रुधिरविकारश्ररुचिविनाशै त्रिकजानूऊरूदुखजावै संधिश्रस्थिपीडाज्वरगावै त्रिफलाभागवृद्धकरपाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय अन्यश्रलंवसादिचूर्ण श्रलंवसगोखुरमघांगिलोय विधारामुत्थात्रिवीसमोय सुंठवारुणात्रिफलाठान पुनपुनर्नवाकरोमिलान यहसमचूर्णकांजीसंग तक्रसाथवापीदुखभंग दुग्धसाथश्रथवारसमास आमवातशोथहो-

यनाश ॥ अथआभादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ आभारहसनसुंठागिलोय सौंफशतावरिताहिसमोय असगंध-त्रिधाराअरुअजवायन अजमोदासंगकरोमिलायन यहसमभागचूर्णकरपीवे आमवातकटिपीडनथीवे मन्यास्तंभगृध्रसीवात इन्हगृहनसोंवातउत्पात अथवैश्वानरचूर्ण लीजैचित्राभागजुदोय अजवायन-दोयभागसमोय तीनभागअजमोदाठान पांचभागसुंठीपहिचान द्वादशभागहरडसुमिलाय कांजीसा-थहिचूरणखाय अथवातकहिवाघृतसंग वातसोदकसोंरुजभंग आमवातगुल्मयहनाशै अवरहुंवातजु-रोगविनाशै ॥ अथसुंठीघृतं ॥ सुंठचूर्णकेसमघृतपाय चतुगुणकांजीपायपकाय खावैआमवातहोयना-श अग्निवधैतनसुखपरकाश पुष्टहोनकीइच्छाजोय दुग्धपायजुपकावैसोय मूत्रपुरीषरोधहतकारण द-हींमिलायपकायसुधारण ॥ अथअन्यच्चसुंठीघृतं ॥ सुंठचूर्णअरुसुंठीक्वाथ चूरणसममेलैघृतसाथ चतु-र्गुणसुंठीकाथमिलावै मृदुलअग्निजुपकायसुखावै आमवातकटिशूलविनाशै अवरहुवातकफजरुजनाशै ॥ अथकांज्यादिघृतम् ॥ चौपई ॥ हिंगुचवकात्रिकुटाअरुचित्रा इहसमचूर्णकीजैमित्रा जोयहहोवैप्रस्थप्र-माण तासमघृतइकप्रस्थपछान इकआढककांजीतिहपाय मंदअग्निसोंताहिपकाय खावैआमवातहो-यनाश शूलअफारकटिपीडाविनाश मंदअग्निसंग्रहणीजावै एतेगुणयहघृतप्रगटावै ॥ अथशृंगवेरादि-घृतम् ॥ चौपई ॥ आद्रकमघांचवकयवक्षार सैंधालूनहिंगुचित्राडार अरुपावैतिहपिपलामूल सबऔष-धपीसोंसमतूल चूरणप्रस्थप्रस्थघृतपावै आढककांजीपायपकावै खावैआमवातहोयनाश उदरशूलकटि-पीडविनाश मंदअग्निग्रहणीजुअफार इनरोगोकोतुर्तविडार ॥ अथअजमोदादिवटिका ॥ चौपई ॥ मघांजमोदामरचविडंग देवदारुचित्राधरसंग शतावरिसैंधापिपलामूल यहसबपलपललेसमतूल दशप-लसुंठीपीसमिलावै दशपलसंगविधारापावै हरडपांचपलतांमोठान गुडसबकेसमकरोमिलान वटिका-वांधयथाबलखावै उष्णतोयसोंयोंलषपावै आमवातशोषविषनाशै पांडुरोगअरुजराविनाशै अवरविना-शैवातविकार ज्योंसूर्य्यतेनाशैअंधकार क्षुधावधैंमंदाग्निविडारै एतेगुणयहवटिकाधारै ॥ अथयोगरा-जगुग्गुलु ॥ चौपई ॥ चित्रापिपलामूलविडंग जुवायणत्रिकुटीलेसमचंग अजमोदाजीरासुरदारु एलासैंधारहसनडारु गोषुरधनियांचवकउशीर त्रिफलात्रिकुटाजानोवीर मुत्थरदालचीनी-अरुवांसा तालीसपत्रतजपत्रजुतासा यहसबलेसमचूर्णकरै सबकेसमगुग्गुललेधरै घृतमि-लायकरमर्दनकरै सनिग्धपात्रमोसोसबधरै बलअनुसारनिताप्रतिखाय आमवातकमिलिप्फनसाय अ-वरहुवातरोगसबजावै गुल्मअफाराअर्शनसावै संधिवातअरुमजावात हरहैअग्नितेजप्रगटात ॥ अथ-सुंठीखंडः ॥ चौपई ॥ सुंठचूर्णपलअष्टमंगाय घृतपलबीसतासमोपाय दोयप्रस्थदुग्धतिहपावै पलपचासतिहखांडमिलावै मंदअग्निपकायसोधरै त्रिजातकात्रिकुटाचूर्णकरै पलपलइहहूंकोंपरिमान पीसेतामोंकरैमिलान नितहीतांहियथाबलखावै आमवातअरुजरानसावै बलअरुपुष्टआयुवद्धुतास सुं ठीषंडगुणकीन्हप्रकाश अथरसोंतपिंडः चौपई शतपलरहसनपीसमंगावै कुडवएकतिलताहिमिलावै हिंगुजुत्रिकुटादोनोक्षार पांचोलवणसौंफकुठडार धनियांचित्रापिपलामूल अजमोदजवायणलेसमतू-ल पलपलइनहूंकोपरिमाण सबइकत्रकरकरैमिलान सनिग्धपात्रमोंधरैबनाय षोडशदिवसपर्यंतरखाय ताउपरंतअर्धप्रस्थलेतेल अर्धप्रस्थकांजीतिहमेल कर्षप्रमाणनित्यउठखावै पुनमदरावातोयपिलावै आमवातरक्तयुतवात सभीअंगजोकरहैघात उन्मादमृगीअरुविषजाबिकार श्वासकासअ-रुशूलविडार भग्नवातयहकरहेनाश बंगसेनमतकीन्हप्रकाश ॥ अथप्रसारिणीतैल ॥ चौपई ॥ परि-

सारणीरसलेलीजै एरणतैलसमताहिरलीजै मंदअग्निसोंसाधपकावै आमादिकसबवातनसावै ॥ अथ-दशमूलादितैलं ॥ चौपई ॥ दशमूलीकोरसलेलीजे कांजीअमलदहींसमकीजे तिनसबकेसमएरणते-ल मंदअग्निसुपकावैमेल ताहिनिताप्रतिवलअनुसार पीवैआमवातकोटार कटिऊरूकीपीडानाशै दुः-खमिटैतनुसुखपरकाशै ॥ अथमहासैंधवादितैलं ॥ चौपई ॥ सैंधारहसनसौंफगिलोय अजवायणकुठ-सुंठसमोय सज्जीमरचांवरचमिलाय सौंचलाविडअजमोदापाय मघांमुलट्ठीपुष्करमूल जीराइत्यादि-कसमतूल अर्धअर्धपलइहसबजान एरणतैलप्रस्थइकठान प्रस्थसौंफरसताहिमिलावै दोयप्रस्थकांजी-तिहपावै दोयप्रस्थदाधिमंडमिलाय सबामिलायमंदाग्निपकाय नित्ययथाबलताकोपीवै अरुतनमलैम-हासुखथीवै आमवातसबवातविकार कटिजानूकीपीडाटार हृदयपार्श्वशूलमिटजावै संधिवातपीडा-नरहावै अंत्रवृद्धकफवातविकार नाशैअग्निवधैसुखकार ॥ दोहरा ॥ आमवातकीकहीचिकित्साग्रंथ-नकेअनुसार आगेयाकेपथअपथसुनहोकरोउपचार ॥ इतिआमवातचिकित्सासमाप्तः ॥

॥ अथआमवातरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ आमवातकेपथ्यअपथ्यजेतेलिखेपुरान तेसबहीवर्णनकरोंसुनहोपुरुषसुजान ॥ अथपथ्यं ॥ ॥ चौपई ॥ लंघनस्वेदअवरघृतपान रेचनलेपनकुलत्थप्रमान एरंडतैलपानपुनजानो वर्षपुरातनतं-डुलमानो मोठकणकमुंगीपुनलहिये वनमृगपञ्छिमाससोकहिये मद्यपुरातनगुग्गुलजान पटोलकरेले-आद्रकमान सुंठमनकाद्राचपछानो लसणवृंताकधधूरामानो दालहलद्दतप्तजोनीर अग्निसेकनोलषहो-धीर दाहगुल्मअग्निकेदेवै वस्तुवातकेहरकोंसेवै अवरवस्तुकटुतीच्णजोय दीपनपाचनसेवैसोय अवर-मिलावेकरेप्रमाण आमवातपथकीन्हबषान ॥ दोहा ॥ आमवातकेपथ्यसबकहेहैंग्रंथविचार अबसुनहो-जोअपथ्यहैतिन्हकोंकरोंउपचार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ दहीदुग्धमच्छीगुडजान माषपीठपुनमाष-पछान पूर्वदिशकोजोहोवेपवन आमवातअपथ्यसुनश्रवण भोजनजोविरुद्धलषलीजै जोजोवस्तुतनु-दुःखदलहीजै विष्टामूत्रवेगकोरोकन बहुतवैठनोनिंदलखोमन गुरुअरुशीतलजेजेवस्तु आमरुजीकों-नाहिप्रशस्तु ॥ दोहरा ॥ आमवातकेपथ्यअपथ्यइहाविधकरैउचार पथ्यगहैत्यागैअपथ्यतातेंमिटैविकार ॥ इतिआमवातरोगेपथ्यापथ्यंसमाप्तम् ॥

॥ अथआमवातरोगेकर्मविपाकनिरूपणम ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोजनयज्ञअदच्छिणकरै रत्नादिदानदच्छिणाविनकरै ॥ संचयधनअध-र्मकरजोय आमावतरोगतिसहोय तासानिवारणकहोउपाय सोसुनानिजमनमाहिबसाय ॥ अथउपाय ॥ ॥ चौपई ॥ इकपलसोनाहरणबनावै बापलचाररजतबनवावै वादशपलहिताम्रकोकरै स्वर्णनेत्ररू-पेखुरधरै शुक्लवस्त्रऊपरओढाय आढकतंडुलपरवैठाय वाहनवायुसोऊतिसजजे पवनमंत्रकरहवनहि-सजै करसंकलपविप्रकोदेय आमदोषतैंमुक्तलहेय ॥ दोहरा ॥ आमवातकेदोषकोंभाषोंकर पाउपाय अतिस्थूलतनदोषकोभाष्योंसबहिसुनाय ॥ इतिआमवातरोगदोषकारणउपायःसंपूर्णः ॥

॥ अथआमवातरोगज्योतिषवर्णनम् ॥

॥ दोहा ॥ कर्कटराशीकेविपेसूर्य्यपडेबलवान तिहपरदृष्टीबुधकीसंपूर्णहितजान आमवात- अरुकफअधिकताहिपुरुषकोहोय तस्कराक्रियासोंचितधरेइहऔगुणतिहजोय दिनकरकीपूजाकरैरवि- धिविधानसंयुक्त होममंत्रकरजपकरेआमवातहोयमुक्त ॥ इतिआमवातज्योतिषसंपूर्णम् ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाशभाषायां आमवातरोगवर्णननामचतुस्त्रिंशोऽधिकारः ॥ ३४ ॥



॥ अथकुष्टरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कुष्टनिदानवखानिहोंसुनलीजैचितलाय जैसेंकह्योनिदानग्रंथमोंतैसेंदेहुवताय.

॥ अष्टकुष्टरोगकारणं ॥

॥ चौपई ॥ जोविरुद्धभोजनअन्नपांन गुरुद्रवसनिग्धबहुखायअजान रोकैवेगमूत्रविष्टाय वमनवेगजोरोकरखाय तिंहकोकुष्टरोगप्रगटावत ऐसेंग्रंथनिदानवतावत सुनोविरुद्धभोजनक्याकहिये सदुग्धमत्स्यभोजनजोग्राहिये अरुभोजनकरकरव्यायाम अरुमारगचलहैमधघाम लंघनशीतउष्णआहार विनाजुक्रमसेवैंनरनार धूपश्रमतआरतभयजोय शीतलजलतुरतहिपीथेसोय अरुअपक्कभोजनजोकरै अरुक्षुधाहुतैंजुअधिकउरभरैं अरुपंचकर्मकरतेकेताई विप्रउपावैंवरजरहाई पांचकर्मकोविवरोकहों स्नानदानजपहोमसुलहों वेदपाठपंचमकहिगायो स्मृतीशास्त्रकामतहिसुनायो अरुनवान्ननवदधिनवतोय मत्सलवणअतिखावैंजोय अरुअतिअमलअतिसक्षीरगुडखांहि अतिमैथुनादिनशेनकरांहि गुरुब्राह्मणसतिजनतिरसकार इतन्योमोंकरैकुष्टसंचार वमनविरेचनवस्तिजुकहिये स्नेहस्वेदपंचकर्मसुलहिये विपरीतकरेइनपांचनमाहिं कुष्टरोगहोवततिसताहिं तिंहकोंवातापित्तकफतीन त्वचामांसरक्तजलहोइलीन इन्हकोकुष्टकरतहैंसोय तातेंकुष्टप्रगटतनहोय कुष्टजातअष्टादशजान नामतिंन्हांकेकरोंवखान अरुतिंहसबकेलक्षणभाषों जैसेंग्रंथहुतैंलषराषों ॥ दोहा ॥ निदानकुष्टकोवर्णयोनिजमनसमझविचार नामसलक्षणकहितहोंसुनलेवोचितधार.

॥ अथअष्टादशकुष्टनामानः ॥

॥ चौपई ॥ कपालकिअवरउदुंवरजान मंडलऋक्षजिंव्हपहिचान पुंडरीकसिध्मकाकनजोय कुष्टचर्मकिटिभाहैसोय वैपादिकअलसकअनुमानो दद्रूमंडलचर्मदलजानो पामकछूजुतनत्वकजान शतारूयहअष्टादशमान

॥ अथकुष्टपूर्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ जवैकुष्टहोनतनलागे एतेचिंन्हप्रथमतनजागैं सनिग्धत्वचातुस्पर्शकठोर विवरणदाहकंडूअतिवोर देहसभीधप्फडपडजांहि सूचीवेधइवदुखतनमांहि श्रमअरुशूलसहितव्रणजागै शीघ्रउठैचिरलगथितपागैं स्वेदवहूवास्वेदविरोध सुप्तत्वचानहिजानेरोध रोमांचरुधिरस्याहनिकसावै पूर्वरूपकुष्टयहगावै.

॥ अथकुष्टसामान्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पूर्वजन्मपापनकरहोवत कुवुद्धिकुचीलकुपथ्यजोसेवत वायुपित्तकफलेसमंझार सोत्वचमांसरुधिरविकार दूषितकरकायारंगहरै याकोवैद्यकोढकरधरै वायुजवअत्यंतप्रगटाय कपालिककुष्टजुकोपवभाय कफकोपितमंडलहोयजावे पित्तकोपउदुम्बरवधावे विचर्चीऋक्षजिंव्हप्रगटावै वायुकफमिलगजचर्मवधावे फुनकिटिभसिध्मकुष्टविकार प्रगटावैंसोकायमंझार अलसकुष्टविपादिकाकरै कायाक्षीणमंदरूपसोधरै पित्तकफीजवकायाकोपै दद्रूशतारूपुंडरीकाहिरोपै विस्फोटककुष्टपामचर्मदल इनकोउतपतकरैसुनिश्चल जववायुपित्तकफकट्ठेहोन कुपितहोयकरकुष्टकरैतौन ॥

॥ अथवातादिदोषजकुष्टलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तश्यामवरणजिसजोय रूखोपीडसहितसोहोय.

॥ अथवातजकुष्टरोगचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ कुष्टचिकित्साकहितहोंसुनलीजेचितधार वंगसेनजैसेंकहितैसेंकरोउचार ॥ चौपई ॥ वातअधिकजिसकुष्टीहोय घृतकोपानकरैनरसोय वातजकुष्टनामातिसकहिये पित्तजकहोंसुतांहिलषैये

॥ अथपित्तजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ स्वैरक्तवरणसहदाह पित्तजकुष्ठकहितहैंताह.

॥ अथपित्तजकुष्टचिकित्सा ॥

पित्तअधिककुष्टीतनुजोय रक्तमोक्षरेचनकरसोय रक्तमोक्षपछनसौंकरैं वाश्रृंगीतुंवीअनुसरै अथवारुधिरजलौकनसाथ निकसावैंमनधरयहगाथ तानंतरऔषधकेसंग करवावेतनुतैंरुजभंग.

॥ अथकफजलक्षणम ॥

॥ चौपई ॥ स्निग्धघणोगलोजुलहीजे शीतलतनुगुरुखुरकलषीजे अरुतनुमांहिशोथप्रगटावे कफजकुष्टअसरूपलषावे द्विलिगंनकरलषियतहैजोई द्वंद्वजकुष्टजानियेसोई जोत्रिलिंगयुतकुष्टलहीजे ताहित्रिदोषजकुष्टकहीजे.

॥ अथकफजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कफजिहकुष्टीवहुतलषावे सोनरविधेसोंवमनकरावे.

॥ अथसप्तधातुगतकुष्टलक्षणम् अथसप्तधातुनामकथनम् ॥

॥ चौपई ॥ त्वचारुधिरमांसअरुमेद मज्जाअस्थिवीर्यलहुभेद सप्तधातुयहप्रगटवखानी जोवैद्यकशास्त्रनतैंहमजानी प्रविस्पोंकुष्टजुइन्हमोंलहिये लक्षणभिन्नभिन्नतांकहिये.

॥ अथत्वग्गतकुष्टलक्षणम् ॥

कुष्टत्वचामोंइस्थितजवे देहविवरणरूषोहोइतवे सुप्तत्वचावहुआवैस्वेद रोमांचरहैयहजानोभेद

॥ अथरुधिरगतकुष्टलक्षणम् ॥

कुष्टरुधिरमोंइस्थितजोय पूयस्रवैकंडूवहुहोय.

॥ अथमांसगतकुष्टलक्षणम् ॥

कुष्टजुइस्थितमांसमंझार मुखसूकेतनुकृशताधार पीडास्फोटरहैंचिरकाल मांसस्थितकीऐसीचाल

॥ अथमेदोगतकुष्टलक्षणम् ॥

जवमेदामोंइस्थितपावैं हाथटुंडेलूलेपगथावैं व्रणजुस्रवैंअंगफूटैंतास मेदस्थितअसकीनप्रकाश

॥ अथअस्थिमज्जागतकुष्टलक्षणम् ॥

अस्थिमज्जाजवकरैंप्रवेश नासाभंगस्वरभंगलषेस कृमिउपजैहैंकुष्टमंझार नेत्रलालरंगतासनिहार

॥ अथवीर्यगतकुष्टलक्षणम् ॥

जोवीर्यमौंइस्थितपावै ताकेलक्षणऐसेगावै मातपिताकुष्टवीर्यकेद्वार पुत्रमांहिसोकरैसंचार यहवीर्यगलकुष्टकहीजै सप्तधातुगतियोंलषलीजै

॥ अथकुष्टसंचारनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ अरुमैथुनतेंउपजितमानो अंगस्पर्शहुतेंभीजानो अरुनिःश्वासहुतैंभीहोय सहभोजनउच्छिष्टतैंसोय इकशय्याइकआसनजान इनसंसर्गनतेंभीमान कुष्टीवस्त्रपुष्पलेपनसो तिन्हहेतुरोगहोयतिससो ऐसीवरतनकेमंझार अवरकोकुष्टअवरसंचार यहसंचारकुष्टकोगायो मतनिदानग्रंथलषपायो ॥ अथरोगिशय्यावर्जतम् ॥ नेत्ररोगक्षयीदाहजुरोग अपस्मारअरुकुष्टकोयोग श्वासकासज्वराजिसतनुजानो वर्जितशय्याताकीमानो.

॥ अथसाध्य कष्टसाध्य असाध्यकुष्टलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ त्वचारक्तमांसमंझार साध्यकुष्टसोकीनउचार जोमेदामोंकुष्टलहैये कष्टसाध्यसोकुष्टकहैये अस्थीमज्जावीर्यमंझार कुष्टअसाध्यताहिविचार होइमंदाग्निदाहकृमिसंग सोभीकुष्टअसाध्यअसंग जोत्रिदोषजकुष्टलहीजै सोभीकुष्टअसाध्यकहीजै जातेअंगविदीरणहोय रुधिरपूयस्त्रवतीरहैजोय नेत्रलालस्वरभंगलहीजै पंचकर्मतिसनाहिकरीजै चिकित्सारहितहोयजोगयो हाथपायअंगुलीगिरभयो ऐसोकुष्टकुष्टीनरताई यमपुरपठैराखहैनाई

॥ अथअष्टादशकुष्टलक्षणनिरूपणम् ॥ अथकपालकुष्टलक्षणम् ॥ १ ॥

॥ चौपई ॥ ज्योभठिआलेकोठिकरजोय नामकपालकतासकोहोय फूटैतनुकपालकीन्यांई अरुखहुरोरूषोलषपांई पतलीदेहत्वचाहोइजावै सूचीवेधइवपीडाथावै अरुणश्यामजिसरंगलषावत कपालसदृशतिसवैद्यजुगावत यहकपालजोकुष्टअसाध्य वरणनकरीनिदानउपाध्य ॥

॥ अथकपालकुष्टचिकित्सा ॥ १ ॥

॥ चौपई ॥ मूलीवीजसर्षपत्रिकुटाय लाक्षारजनीकुष्टमिलाय वीजपवाडविरोजासंग अरुपावोसंगवायविडंग मूत्रसाथयहलेपलगावै कुष्टकपालदद्रूमिटजावै पामथिस्मकुष्टनकेभेद नाशहोंहिमिटहैबहुखेद ॥

॥ अथउदुंवरकुष्टलक्षणम् ॥ २ ॥

॥ चौपई ॥ तनुसानिग्धसहपीडादाह उदुंवरफलवतआभाताह रोमकपिलतनुकंडूहोय उदुंवरलक्षणजामोसोय ॥

॥ अथउदुंवरकुष्टचिकित्सा ॥ २ ॥

॥ चौपई ॥ उदुंवरजडजुवहेडलीजै अष्टवशेषक्काथतिसकीजै गुडयुनताकोपीवेजोय वावचीवीजचूर्णसंगहोय उदुंवरकुष्टकोनाशकराय वैद्यग्रथमतदीयोवताय ॥

॥ अथमंडलकुष्टलक्षणम् ३ ॥

॥ चौपई ॥ श्वेतरक्ततनुहोवैजास स्निग्धकठिनपुनलषियेतास सोदीसतमंडलआकार यानिधग्रं-थभेदमनधार मंडलकुष्टजुकीनवखान कष्टसाध्यलषिमनआन.

॥ अथमंडलकुष्टचिकित्सा ३ ॥

॥ चौपई ॥ मंडलकुष्टकोपच्छकराय पाछेतिसमोलेपलगाय ॥ अथलेपः ॥ पवाडवीज-अरवाकुचिआन मालकंड्डुणीकरोमिलान अर्कअमलतासदललीजै कोगडअवरकनेरमिलीजै सर्ज-त्वाचरसतासमोपावै गोपित्तावागोमूत्रपिसावै लेपकरैमंडलहोयनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च पवाडवीजअरुसेंधाल्याय रसोंतकपित्थकचूरमिलाय मुद्गपर्णीअरुकटतृणपावै माषपर्णीअरुवर्चमिलावै काकनासअरुगुग्गुलपाय मदिरासंगजुपीसवनाय लेपकीयेमंडलमिटजाय वैद्यग्रंथमतदीयोवताय

॥ अथपुंडरीककुष्टलक्षणम् ॥ ४ ॥

॥ चौपई ॥ रक्तकमलइवरक्तअरुश्वेत तिसतैंऊंचोहोइलहुभेत कुष्टपुंडरीकतासकोनाम जान-लहोहेनरगुणधाम.

॥ अथपुंडरीकचिकित्सा ॥ ४ ॥

॥ चौपई ॥ अमलतासदलकोमललीजै काकमाचिदलतासमोदीजै कर्पासपत्रतिसमाहिरलाय शिरीषपुष्पसंयुक्तकराय महीनपीससमलेपेजोय कुष्टपुंडरीकनाशतिसहोय

॥ अथऋक्षजिव्हकुष्टलक्षणम् ॥ ५ ॥

॥ चौपई ॥ करकशरक्तहिंपूरणहोय ईषतश्यामपीडयुतसोय ऋक्षजिव्हइवहोइआकार ऋक्षजि-व्हकुष्टलषधार.

॥ अथऋक्षजिव्हकुष्टचिकित्सा ॥ ५ ॥

॥ हरिद्रावारणमहुराल्याय मरिचशतावरिवावचीपाय गृहकोधूममदनफललीजै थोहरअर्ककदू-वींदलदीजै सबसमकष्टेपीसमहीन लेपकुष्टऋक्षजिव्हहीन ॥

॥ अथसिध्मकुष्टलक्षणम् ॥ ६ ॥

॥ चौपई ॥ ताम्रवर्णअरुहोवैश्वेत खुरकैंधूरिप्रगटलहुभेत वहुधाल्लातीऊपरहोवत घीयापुष्पइ-वसितसोवत सिधमकुष्टनामातिसजानो प्रवलहोइतौथिम्मपछानो.

॥ अथसिध्मकुष्टचिकित्सा ॥ ६ ॥

॥ चौपई ॥ कुष्ठप्रियंगूमूलीवीज गजकेसरसर्षपतिहदीज अवरजवांहांसमलेपाय चिरकोकुष्ट-थिम्ममिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ गंधकअवरलेहुयवक्षार कटुतैलमिलायथिम्मकोंटार ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ पवाड़वीजमूलीकेवीज गंधकयहामिलायसमकीज पीसैतनुपरलेपनठान यहपरमौषध-थिम्मपछान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मूलीवीजनिंवकेपत्र सितसर्षपगृहधूमएकत्र जलसोंपीसैलेपैसोय

सूकैउष्णतोयसोधोय थिम्मकुष्टकोहोइहैनाश वर्षांऋतुज्यौंधूपविनाश ॥ अन्यच्च ॥ अपामार्गरसमूलीबीज महीनपीसकरलेपनकीज होवततातेंथिम्मजुनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ कदलीक्षारअरुरजनीदोय लेपैसिध्मनाशतबहोय.

॥ अथकाकनकुष्टलक्षणम् ७ ॥

॥ गुंजाइवहोइमध्यस्याह गिरदारक्तहोयहैताह अथवामद्धोंलाललषावै गिरदाश्यामरंगदरशावै पकैनहीतीव्रपीडाकरै काकनकुष्टनामसोधरै त्रिदोषजकाकनकुष्टपछानो महाकुष्टसातयहमानो ॥

॥ अथकाकनकुष्टचिकित्सा ७ ॥

॥ चौपई ॥ पवाडवीजअरुसैंधाल्याय रसोतकापित्थजुलोध्रमिलाय कटतृणदेवदारुवचलीजैं माषपर्णीमुद्गपर्णीसुदीजै गुगुलअवरप्रसारणीपाय पीसमहीनकरलेपलगाय काकनकुष्टजुहोवतनाश जैसेंशंकरत्रिपुरविनाश.

॥ अथएककुष्टलक्षणम् ८ ॥

॥ चौपई ॥ देहविषैपरस्वेदनआवै मत्सचानेवततनुदरशावै याकोनामएककुष्टकहीजै यहलक्षणकरजानपतीजै.

॥ अथएककुष्टचिकित्सा ८ ॥

॥ चौपई ॥ नीलाथोथकमीलाजुआने वालादालहल्दीतिहठाने मजीठढडालककीजउलेय पीसवनायछानकरदेय घृतवातैलपकावेजोय पाकसिद्धजानेतवसोय सित्थारालजुदोनोपावै मल्हमलकडीफेरवनावै मल्हमलायजुअलसकजाय एककुष्टवीदूरनसाय वाग्भट्टमतजोपहिचान सोतुमसमझोसुगडसजान.

॥ अथचर्मकुष्टलक्षणम् ९ ॥

॥ चौपई ॥ हाथीचरमन्यायसबदेह होवैचरमकुष्टलषएह.

॥ अथचर्मकुष्टचिकित्सा ९ ॥

मनशिललोध्रहरिद्रापाय महीनपीससमलेपलगाय तातेंचर्मकुष्टहोयनाश जैसेंपर्वतवज्रविनाश

॥ अथकिटभकुष्टलक्षणम् १० ॥

॥ चौपई ॥ श्यामरंगदेहहोइजावै व्रणमुखाहिषहुरोदरशावै किटभकुष्टकहियतहैतास जाकेलक्षणरूक्षजोभास

॥ अथकिटभकुष्टचिकित्सा १० ॥

॥ चौपई ॥ पवाडवीजथोहरपयपाय पुनगोमूत्रजुपायालिपाय रक्तवरणकुष्टहोइनाश सूर्यवरणकिटकिटिभविनाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मघांपूतकीटकुठआनै गौपित्ताचित्रासमठानै लेपैकिट्टकुष्टमिटजाय यहभीकह्योउपायसुनाय विसर्पिकुष्टकोनाशकराय वैद्यग्रंथमतदीयोवताय

॥ अथवैपादिककुष्टलक्षणम् ॥ ११ ॥

चौपई पादहस्तफूटजोंजांहि पीडहोयअधिकीतिंहिमांहि वैपादिकसोकुष्टकहावै ऐसेंग्रंथनिदानवतावै

॥ अथपादस्फोटकुष्टचिकित्सा ॥ ११ ॥

॥ अथपादस्फोटकुष्टलेपः ॥ चौपई ॥ सेंधागुग्गुलगेरीराल तुत्थमोममधुसर्षपडाल लेपैपादस्फोटजुकुष्ट इसलेपनतेंहोइसोंनष्ट ॥ अन्यच्च ॥ शतावरीजउरसलेपलगाय दाहस्फोटशीघ्रमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ लेनवनीतकोलेपलगावै पाछेअग्नितप्तकरावै तातेंदाहस्फोटमिटाय वंगसेनमतदीयोवताय ॥ अन्यच्च ॥ तिलमधुतैलसरजरसपाय लेपयपादस्फोटनसाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ नारकेलकाफलजुमंगवावै चीरतासमुखतंडुलपावै वहुदिनतंडुलतारसमाहि सडेंगलेंदुर्गंधप्रगटांहि तवसोपीसेलेपलगावै चिरकापादस्फोटमिटावै अन्यच्च चौपई धत्तूरकेवीजपिसाय माणकंदक्षारजलपाय कटुतैलजुपायपकायलगावै पादस्फोटकुष्टमिटजावै रालअवरघृतपलपलपाय ताकेसमगुडतासरलाय अर्कदुग्धपलअर्धजुपावै महीनपीसकरलेपलगावै पादस्फोटजुहोवतनाश वैद्यग्रंथमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ मालकंडुणीवीजमंगाय दुग्धसाथतिसपीसवनाय सूर्यकिरणसोंतप्तकरावै लेपेपादस्फोटमिटजावै

॥ अथअलसककुष्टलक्षणम् ॥ १२ ॥

विफोटलालसखुरकतनपरैं अलसकनामकुष्टउच्चरैं

॥ अथअलसककुष्टचिकित्सा ॥ १२ ॥

जीवंतीमंजिष्टाआने दालहलदकंमीलाठाने दुग्धपायघृतसिद्धजुकीजे अथवातैलपकायसुलीजै रालमोमपालेतिसपाय लेपेअलसककुष्टमिटाय वैपादिकअरुएकजुकुष्ट अवरचरमदलकरेसुनष्ट

॥ अथदद्रूमंडलकुष्टलक्षणम् ॥ १३ ॥

चौपई खुरकसहितमंडलआकार लालबालरंगदेहमंझार चक्रन्यायदम्मटदरशावैं दद्रूमंडलकुष्टसुगावैं

॥ अथदद्रूमंडलचिकित्सा ॥ १३ ॥

॥ चौपई ॥ अमलतासदलकांजीसंग लेपैकुष्टथिम्महोइभंग अरुदद्रूरुजहोयविनाश इत्यादिकरुजकोहोइनाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ धात्रीरससरजरसआने थोहररससमकांजीठाने लेवेअवरपवाडकेवीज पीसमहीनकरतामोदीज लेपैदेहकुष्टहोइनाश रोगनिवर्तदेहदुतिभाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ थोहररससालवृक्षरसपाय पवाडवीजहरडेंसमभाय कांजीसाथलेपयहठान दद्रुगजमृगसिंहहिजान ॥ अन्यच्च ॥ पवाडवीजकांजीतुषतोय लेपैनाशदद्रूकोहोय ॥ अन्यच्च ॥

सुहांजणमूलत्वचापीसाय सकांजीलेपैदद्रूनसाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ दूर्वासैंधाहरडपवाड कुठरेकयहसमकांजीडार पीसयाहिकोंलेपलगावै दद्रूकंडूकुष्टमिटावै ॥ अन्यच्च ॥ दोनोरजनीकदलीक्षार लेपैदद्रूकुष्टनिर्वार

॥ अथचर्मदलकुष्टलक्षणम् ॥ १४ ॥

चौपई ॥ रक्तवरणसहशूलफटाक होंहिसकंडूसमझोवाक देहसमस्तदलोंदीरहै नामचरमदलताकोंकहैं

॥ अथचर्मदलकुष्टचिकित्सा ॥ १४ ॥

॥ चौपई ॥ राईसेंधागुडसमलीजे पीसतासकोलेपजुकीजे विडालचर्मऊपरबंधवावे कुष्टचरमदलहतहोइजावे ॥ अन्यच्च ॥ मूत्रइंद्रयवपीसलगावे तौभीचरमदलकुष्टनसावे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अमलवेतरससेंधापाय ताम्रपात्रमोताहिघसाय लेपैचरमदलकुष्टनसावे यहनिजमनमेंनिश्चयल्यावे

॥ अथपामाकुष्टलक्षणम् ॥ १५ ॥

॥ चौपई ॥ सूक्ष्मफुनसीतनुपरजोय स्रवतीरहैंखुरकवहुहोय पाछैतैंउपजैंवहुदाह पामाकुष्टकहैसबताह

॥ अथपामाकुष्टचिकित्सा ॥ १५ ॥

॥ चौपई ॥ गोकागोवरसैंधापावे हलदीमधुसमलेपधरावे पामाकछुकोहोइनाश रोगमिटैतनुसुखप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सेंधासर्षपमघापवाड पीसतासमोंकांजीडार यहलेपैतनुपामाजाय कछूकुष्टनाहिजुरहाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मांसीचंदनअमलेतास निंवकरंजूसर्षपजास कोगडदोइरजनीजुमुलट्ठ यहसबऔषधकरोइकट्ठ पीवेमलैदेहमोतास होवैकंडूपामानाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जीरापलअर्धतथासिंधूर कटुतैलअष्टपलतामोपूर यहपकायतनुपरमलवावे पामारोगतनुतैंमिटजावे

॥ अथकछूकुष्टलक्षणम् ॥ १६ ॥

॥ चौपई ॥ पादनकेगुल्मनपरजोय अरुहाथनपरदम्मठहोय खुरकदाहउपजैतिन्हमांहि कछूचंवलभाषसुनांहि.

॥ अथकछूकुष्टचिकित्सा ॥ १६ ॥

॥ लेपनं ॥ चौपई ॥ वावचीकाशमर्दजुपवाड हलदीअरुमणिमंथसुडार कांजीअरुदधिमंडमिलावे लेपेकंडूअरुकछूजावे ॥ अन्यच्च ॥ कोमलदलवांसाकेआन हलदीसमलेपीसलगान मूत्रसाथदिनतीनजुवार लेपैदद्रकछूपामाटार ॥ चूर्णम् ॥ रजनीचूर्णदोइपलआन मूतरसोंनितपीयेविहान व्रणकोरोगनाशतवहोय निश्चयकीजैमनमोसोय अथश्रीवासघृतम् ॥ चौपई ॥ श्रीवासकंवीलागंधकपाय मनछलजवायणसरजरसथाय यहसबऔषधपलपललीजै प्रस्थएकघृतमोंधरदीजै पकायअग्निमृदुखायलगाय सूर्यकिरणसमपकमिटाय ऐसोकछूरोगनहरै निश्चयकरोशास्त्रयोंकहै ॥ अथसिंधूरादितैलम् ॥ ॥ चौपई ॥ सिंधूरमोमगुग्गुलयहआन रसोंतजुनीलाथोथाठान कटुतैलमिलायपकायमिलावै कछूपिटकाश्रवतीयावैं ॥ अथवृहतसिंधूरादितैलम् ॥ चौपई ॥ सिंधूराप्रियंगूवायविडंग चंदनमांसीकुठधरसंग दोनोरजनीपद्ममंजिष्ठा खदरवरचविषधरोजथेष्टा वैंतमूलअरुवासालीज लेवेलोध्रपवडकोवीज निंवकरंजूत्रिवीसमान कूटसभीकटुतैलहिंठान पकायलगायकुष्टहोइनाश अश्विनीकुमारकीयोप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ दोनोरजनीअमलतास काकमाचीपत्रलषजास पवाडवीजलेसमपीसावे कटुकतैलमोपायपकावे खावैमलैकुष्टहोइनाश रोगमिटैतनुदुतिप्रकाश.

॥ अथतनुत्वककुष्टलक्षणम् ॥ १७ ॥

॥ कालेलालफटाकशरीर तनुत्वककुष्टनामसहपीर.

॥ अथतनुत्वककुष्टचिकित्सा १७ ॥

॥ चौपई ॥ दारुहलदगिलोयआनो अवरजुत्रिफलातासमेठानो यहसमपायक्काथकरलीजे गुग्गुलुपायजुतासकोपीजे वातिसचूर्णगूत्रकेसंग वाउष्णवारिसोंखायनिसंग तनुत्वककुष्टतासतेंजाय अवरकुष्टसभिदेतनसाय

॥ अथशतारूकुष्टलक्षणम् १८ ॥

॥ चौपई ॥ लालश्यामदेहमंझार पडेफटाकसपीडअपार अरुफोडनउपजैतनुदाह नामशतारूकहियेताह जे:कालीफुनसीतनुहोय कंडूसहतिश्रवतहोइसोय तिंहविचिरचिकानामवखानै यहभीभेदशतारूमानै

॥ अथशतारूकुष्टचिकित्सा १८ ॥

॥ चौपई ॥ शिलाजितकंवीलाजुमुलट्ठ हरतालसरजरसकरोइकट्ठ मनशिलफटकडीउत्पलपाय नवनीतसंगतिसलेपवनाय यहसमकीजैलेपैतास होयविचरचिकाकोतवनाश.

॥ अष्टादशकुष्टनामानि ॥

कपाल १ उदुंम्बर २ मंडल ३ जान ऋक्षजिव्ह ४ पुंडरीक ५ पछान एककुष्ट ६ सिध्म ७ काकन ८ जोय कुष्टचर्म ९ किटिभा १० हैसोय वैपादिक ११ अलसक १२ अनुमानो दद्रुमंडल १३ चर्मदल १४ जानो। पाम १५ कछू १६ तनुत्वक १७ जान। शतारु १८ यह अष्टादशमान ॥ ()

॥ अथकुष्टभेदश्वित्रकुष्टलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ श्वित्रकुष्टदोईपरकार साध्यअसाध्यभेदमनधार वातपित्तकफकरइकजान व्रणकरकुष्टदूसरामान श्वित्रकुष्टजाकेतनुहोए लक्षणसाध्यसुनोतुमसोए एकदोषवाचिकनाजान कालेवालवीचपरमान थोडेचिरकाजाकोहोय अथवाअग्निदग्धकरसोय लक्षणसाध्यलिखेपरमान असाध्यतीनदोषकाजान लिंगहाथतलउोष्टमेहोय होतनवीनविवर्जितसोय ॥ अथवातादिकभेदेनधातुसंश्रयश्वित्रलक्षणं वातजाश्वित्ररूक्षकरजान पित्तजताम्रकमलवतमान होवतजामोवहकरदाह रोमरहितजानोतुमताह कफतेश्वेतरंगबहुहोय कठिनगुरुकंडूयुतसोय रक्तमांसमेदायहतीन इनयुतवातपित्तकफचीन रक्तवाततेंरंगजुलाल मांसपित्ततेंकमलकेदाल कफअरुमेदतेश्वेतपछान किलासनामतिसकियोप्रमान.

॥ अथकुष्टभेदश्वित्रकुष्टचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ श्वेतकुष्टकीकहोंचिकित्सावंगसेनकेभाय चूरणलेपनतैलघृतसोसबकहोंसुनाय ॥ अथचूर्णम् चौपई ॥ चूर्णवावचीसूक्ष्मपीसाय खदरिआमलेकाथवनाय तासोंचूरणपीवैसोय नाशश्वेतकुष्टकोहोय शंखकुंदइंदुसमश्वेत ऐसोकुष्टजायलहुभेद ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ भंगराअवरवावचीवीज यहसमचूर्णगूत्रसंगपीज श्वेतकुष्टकोहोवैनाश देहसुरूपलषैयेतास ॥ अथलेपनम चौपई ॥ सुकेगोहनकोलैक्षार चित्राचूर्णतासमेंडार गूत्रसाथलेपजोकरै श्वेतकुष्टतनुतैपरिहरै ॥ अन्यच्च चौपई ॥ मनशिलमयूरपित्तकेसंग लेपैश्वित्रकुष्टहोयभंग। अन्यच्च। लेहरतालभस्मजुकीजै मयूरपित्तसोंलेपनदीजै श्वित्रकुष्टको-

होवैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ गजमदअवरमालतीछार लेपैश्वेतकुष्टनिरवार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ थोहरअर्कजायफलआनो अमलतासदलकोमलठानो अवरकरंजुभीसमलेय पीसगूत्रसोंलेपकरेय खेतकुष्टहोंईहैनाश रोगजायशुभरूपप्रकाश अवरपामदद्रूभीजावे यहनिजमनमोंनिश्चयल्यावे ॥ अन्यच्च ॥ कदलीभस्मकाकविष्ठाय लेपैस्वेतकुष्टमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मनछलसेंधावायविडंग कासीसअवरगोरोचनसंग अमलतासलेसबपीसाय लेपैस्वेतकुष्टनरहाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ लोहचूर्णश्यामातिलआनो अंजनवावचीवीजपछानो अरुआमलेभस्सबकीजै रसभंगरेसोंलेपनदीजै अथवागोवररसकेसंग घरषणकरलेपैरुजभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई दालहलदकोगडकेफूल अंजनसूर्य्यवल्लीसमतूल वसमावन्हिपुष्पभंगराय इन्हकेरसचूर्णलेपाय घर्षणकरपुनलेपेसोय स्वेतकेशयशामरंगहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कपोतवंकसेंधायुतलीजै चित्रकमूललसुनसंगकीजै अश्वलिद्दरससंगरलाय पीसमहीनकरलेपलगाय स्वेतकुष्टनाशहोइजावे सुगमउपायसुमनमोंल्यावें ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ दंतीकोडहिंसराआन कुष्टवावचीवचापछान सरषपस्योनाकअरुहयमार वीजमूलीभिलावेडार गिलोयत्रिकुटावायविडंग दोयकंड्यारीत्रिफलासंग मुत्थरतुत्थजुचित्रपिसाय पुनचंवेलीकेदलपाय मालकंङुणीतासमोदीजै कूटसभीशुभकल्ककरीजै करंजानिंवजुअमलतास कर्षकर्षसमकीनप्रकाश गोगजअश्वअजाकोमूत इकइकआढककरोसंयूत थोहरअर्ककोलीजैंच्चीर तैलजुकटुककुडवद्वयवीर मंदअग्निसोंताहिपकावे लेपदोयसितकुष्टमिटावे ॥ अथसोमराजीघृतम् ॥ चौपई ॥ सोमराजीपलदोइपहिचान अष्टपलखदरताहिमोंठान दालहलदत्रिफलाजुमिलाय मुत्थरपर्पटनिंवरलाय पलपलइनकोलेपरमान कंड्यारीवडींदोयपलठान दोइआढकजलपायपकावे पादशेषप्रस्थघृतपावे सोमराजीपलचारप्रमान खदरएकपलकरोमिलान पटोलमूलकौडत्रिफलाय जवांहांत्रायमानलषपाय कर्षकर्षइन्हकोपरमान दोपलगुग्गुलतामोठान मंदअग्निसोंताहिपकावे लेपनकरैयथावलखावें स्वेतकुष्टअष्टादशकुष्ट आमवातप्रदरहोइनष्ट दीपनपाचनयाकोजान सोमराजीघृतकीनवखान ॥ अथनीलनीघृतम् ॥ चौपई ॥ नीलनीआढकएकप्रमान आढकत्रिफलाकरोमिलान वायसीशंखनिकाकमाचीजोय तुलातुलाभरजानोसोय द्रोणदोयजलपायपकावै पादशेषप्रस्थघृतपावे प्रस्थएकभंगरारसठान पुनयहऔषधपीसमिलान वारणात्रिकुटाभृंगसुरदार शमीकंड्यारीइंद्रयवडार पारावतपदीदोइदोइपललीजैं पकायखायपुनमर्दनकीजैं स्वेतकुष्टअवरसबकुष्ट जानलहोसबहोवैनष्ट ॥ अथमहानीलनीघृतम् ॥ चौपई ॥ अमलतासवायसीमंगावे सुरसामदयंतीजुमिलावै यहसबतुलातुलापरमान दोइआढकत्रिफलातिंहठान दंतीदालहलदयहलीजे कुटजवरुणलवचएकत्रकीजै अर्कमूलचित्राकंड्यारी काकमाचीसबचहियेडारी दशदशपलइन्हकोपरिमान चारद्रोणजलपायपकान अष्टमभागरहैहैजवे वस्त्रछानलीयेहीतवे पुनदधिदुग्धजुघृतगोमूत गोवररसयहकरोसंयूत यहआढकआढकपरमान पुनयहचूरणतामोंठान त्रिफलानक्तमालकेफूल दतीचित्राश्यामातूल निंवसुहांजनकिष्ठाडार नीलोत्पलकिरायताधार कौडवावचीत्रिकुटापावे वस्तुसबयहकल्कवनावे मुत्थरअवरनीलनीजानो यहसबपलइकइकमानो मृदुलअग्निसोंताहिपकावे खावैमलैकुष्टसबजावे खेतकुष्टअष्टादशकुष्ट पर्वतवज्रज्योंहोवैंनष्ट स्वर्णवरणदेहपुनहोय ऐसेगुणताकेलषसोय। अथमाल्हकंडुणीतैलम् । अपामार्गकोच्चारजुमैल सिद्धकरेमाल्हकंङुणीतैल सोनि-

लमर्दनदेहकरावै श्वित्रकुष्टतातेमिटजावै सभीहोयकुष्टकोनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ दोहा ॥ कुष्ट-चिकित्सायहकहीयेग्रंथदेषविचार रोगकुष्टनाशैसभीवरतेइहअनुसार ॥ चित्रकुष्टकोलेप ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ थोहरगतलाअग्निभुनावै ताम्ररसमोंगृहधूमरलावै सेंधातैलमिलायलिपाय चित्रकुष्टथाही-तैंजाय ॥ इतिश्वित्रकुष्टचिकित्सा.

॥ अथकुष्टरोगसामान्यचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ हरडआमलेहरदलजान मिलावेखदिरकनेरसुमान पत्रचंबेलीकोजुलहिये अवरअम-लतासुनकहिये सप्तपर्णअरुवायविडंग यहदशकुष्टकेंनितभंग ॥ अन्यच्च ॥ चंदनअमलतासनिंवक-हिये छडगुडीवकमजुकोगडलहिये सर्षपमहुजुदालहरिद्रा मुत्थरयहदशकहेजुमित्रा कंडूनाशनया-कोजान ग्रंथकारमतकह्योसुमान ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ प्रियंगुत्वचावांसाजुपटोल निंवलेहुकरहोस-मतोल काथकरैमधुसाथपिलावै कुष्टविकारयाहितेंजावै वमनकरावनजोअधिकार चूर्णमैनफलकाथ-हिंडार ॥ अथरेचनप्रकारः । चौपई ॥ दंतीत्रिवीअवरत्रिफलाय यहसमपीसेचूर्णवनाय मधुमिलायक-रखावैतास रेचनलगैंहोयरुजनाश ॥ अथलेपनम् । चौपई ॥ हरडकरंजूहलदविडंग सितसर्षपसेंधाधर-संग गूत्रसाथसोलेपलगावै कुष्टजायरोगीसुखपावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ एलाकुट्ठविडंगशतावरि दं-तीवरचरसोंतचित्राधरि यहसमलेपैकुष्टनिवारै निजमनमोंयहनिश्चयधारै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मन-छिलमरचअर्कपयपाय तैलमिलायसुलेपलगाय कुष्टरोगकोहोइहैनाश निश्चयकीजैमनमोंतास अन्यच्च करंजुवीजपवाडकोवीज अवरकुट्ठगूत्रसंगलीज लेपकरैहोवैरुजभंग वंगसेनमतकह्योसुचंग अन्यच्च चौपई धात्रीथोहरवीजपवाड अवरसरजरसतामोडार तुषजलसाथलेपसोकरै कुष्टरोगकीपीडाहरै कछू-दद्रुकरंजुनाश कंडूरुजसबहोयविनाश अन्यच्च अमलतासदलपीसलगावै वापत्रकाचमाचीघसलावै अ-थवापत्रलेपहयमार त्वचारोगसबजाहिंविकार पीसतैलसंगमर्दनकरै त्वचारोगसबतांतेंटरै अन्यच्च चौप-ई पवाडवीजकुठसेंधासंग सर्षपअवरमिलायविडंग कांजीसोंलेपैसबअंग तनुकोरोगहोयसबभंग अ-न्यच्च ॥ चौपई ॥ दालहलदकोगडात्रिफलाय मुत्थरअमलतासंसंगपाय कुष्टस्वेतसर्षपचूर्णठान लेपकरै-स्नानअरुपान त्वचारोगसबनाशैंतास श्रेष्टउपायकीनप्रकाश ॥ अथवुटणा ॥ चौपई ॥ लाचसरलरस-त्रिकुटाकुट्ठ दोनोरजनीकरोइकट्ठ स्वेतसर्षपामूलीवीज पवाडवीजसमचूर्णकीज वुटणाकरयहदेह-मलावै कष्टसमस्तनाशहोइजावै । अथमर्दनम् । केवलमालकंडुणीतेल मलैसदासबकुष्टहिंरेल अथलेपः ॥ चौपई ॥ पवाडवीजदंतीजुविडंग दोइरजनीसेंधाधरसंग वासादंतीअर्कपयपाय गृहधूमरलायले-पसोलाय कुष्टसमस्तनाशहोइजावैं यहअपनेमननिश्चयल्यावैं ॥ अन्यच्च ॥ उपायः चौपई ॥ करेखदि-रजलसाथस्नान अरुकरहैताकोनितपान याकोजोजनसेवनकरै समस्तविकारत्वचाकेहरै ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ धात्रीरसरसखदिरसंगाय मधुघृतसोंमिलायसोखाय कुष्टरोगकाहोइहैनाश निश्चयआनो-मनमोंतास ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ निंवपत्रनिंवफलआन विडंगआमलेवावचीठान यहसमकाथम-लेअरुपीवै तौभीनाशकुष्टरुजथीवै ॥ चूर्णम् ॥ दूर्वारजनीयहसमसेवै कुष्टरोगनाशकरदेवै ॥ लेपः ॥ ॥ चौपई ॥ स्वेतकनेरमूलकुठआन करंजुदालहलदपुनठान मालतीपत्रसभीसमलीजै लेपैकुष्टरोग-तवछीजै ॥ काथः ॥ चौपई ॥ खदरागिलोयनिंवपटोल त्रिफलावामालेसमतोल करैकाथपीवैनि-

ततास होवैसर्वकुष्टकोनाश ॥ अथनवकषायः ॥ चौपई ॥ त्रिफलानिंबमंजीठपटोल वरचकौडहलदी-समतोल यहसमकाथकरपीवैजोय नष्टकुष्टपित्तकफकोहोय ॥ अथनिंबादिमहाकषायः ॥ चौपई ॥ निंबपवाडअवरमुर्वाय दोनोरजनीअरुत्रिफलाय त्रायंतीचित्राजुगिलोय धरेकपटोलभिंडंगीजोय खद-रकरंजुपतीसफगवाडी अषरोटत्वचाअरुदोयकंड्यारी उत्पलहरडविडंगपछानो एरंडसुंठवचातुमजा-नो त्वचासप्तपर्णअरुवासा वैंतकणासरींहलषतासा कोगडदंतीकिरायताठान वावचीगजपीपलको-आन पाठातुम्मालेकुशमूल त्रिवीपापडापिपलामूल चंदनकौडमंजिष्टापाय अवरराजद्रुमसबसमभाय करैकाथताकोंजोपीवै सर्वप्रकारकुष्टहतथीवै स्वर्णवर्णसमदेहसुहावै ऐसोगुणतांकोलषपावै ॥ अथमंजिष्टादिमहाकषायः चौपई ॥ मंजिष्टानिंबविडंगजुवासा चित्रादोइरजनीलषतासा त्रिफला-खदरकिरायताठान वावचीरक्तचंदनपहिचान वर्चगिलोयजुत्रायमान अमलतासतुम्मापुनठान मूर्वादं-तीतांमोपाय कोगडत्वचाजुपीसरलाय पाठाश्यामामरचपटोल मघांअनंतालेसमतोल करैकाथपी-वैपुनतास सर्वप्रकारकुष्टहोइनाश ॥ अथउदयमार्तंडकाथः चौपई । श्यामाखदरागिलोयमंगाय सरींह-सुहांजणाशिलाजितपाय सुरसासरजकरंजुमिलावै निर्गुंडीस्योनाकरलावै गजकर्णीतुम्माजुभिलावै वासावरचवैंतलषपावै निंबकदंबजुदेवदियार लेवेतांकेवीचमोडार सप्तपर्णकादनियाआन कंड्यारीलघु-कोगडठान करणकारअरुलेगजकेसर करमर्दकजंवूरजनीधर अर्ककककोडेतिनसपछानो सारवागोधा-चित्रामानो लाचकचूरपवाडमिलावै अष्टाविशेषकाथपिलावै कुष्टअष्टादशहोवैनाश याकेगुणअसकी-नप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ काथः ॥ चौपई ॥ निंबवैंतकृष्णखदरपटोल अरुत्रिफलाजानोसमतोल यहसमकाथपकायपिलावै कुष्टरोगयातैंमिटजावै ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ काकोदुंबरकाजोलीजे वासात्रिकुटानिंवलहीजे अवरलेहुसंगवायविडंग चूरणखायकुष्टहोइभंग ॥ अथमोदकः ॥ चौपई ॥ कणावावचीवायविडंग हरडलांगुलीचित्रासंग अरुत्रिफलासंगपीसमिलाय सबसमगुडमोदकबंधवाय प्रातहिंउठइकमोदकखावै रोगकुष्टनाशहोईजावै ॥ चूर्णम् ॥ चौपई ॥ केवलवावचीवीजपिसाय कर्षप्रमाणसाथजलखाय सघृतदुग्धपथ्यजोखावै कुष्टरोगदूरहोइजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटाशरकराजान तिलअरुमधुघृतकरोमिलान भिलावेवासातासरलावो विधिवतचूर्णसुष्ट-वनावो यहसमचूरणखावैजोय मेदकुष्टनाशतवहोय ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ यथावल-नित्यनिंवरसपीवै सघृतपथ्यभुक्तापुनथीवै ताकोकुष्टनाशहोइजाय सुगमउपायकह्योसुनाय ॥ अथचूर्णगुटिका ॥ चौपई ॥ गिलोयहरडात्रिकुटाअरुचित्रा भिलावैवावचीभंगरामित्रा यहक्रमबृ-द्धजुचूर्णकरै गुढअरुतैलमेलकरधरै गुटकावांधयथावलखाय तनतैंकुष्टरोगमिटजाय ॥ अथलेपनम् ॥ ॥ चौपई ॥ रजनीचित्रामूर्वाआन गृहकोधूममयनफलठान मरचअर्कथोहरपयपावै यहसमलेपै-कुष्टमिटावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अर्कपत्ररसहलदीचूरण पीसतैलकटुमोंकरुपूरण लेपैपामाकं-डूजाय अरुचिचर्चकारोगनसाय ॥ अथत्रिफलागुटिका ॥ चौपई ॥ त्रिफलाभंगरावावचीभिलावै त्रिकुटालांगलिगुडजुमिलावै लोहचूर्णवाराहीकंद यहसबपलपलगुटकेवंद अक्षप्रमाणप्रातउठखावै कुष्टसमस्तनाशहोइजावै वर्षपर्यंतजुयाकोंखाय स्वेतकेशश्यामरंगथाय अरुशतवर्षजीवंतोरहै त्रिफला-गुटकाकोगुणलहै ॥ अथत्रिफलामोदकः ॥ चौपई ॥ त्रिफलापंदरांपलपहिचान दोईपललोह-चूर्णतिहठान सातोपलातिंहपायत्रिडंग पलदशवावचीतांकेसंग शिलाजितदोइपलगुगुलदोय पलइकपु-

ष्करमूलसमोय सेंधापलजुडेढपरिमान इकशततांहिंभिलावैठान चित्रामरचांपिपलीनागर तजपत्र-
कुंकुमअरुलहुमुत्थर कर्षकर्षयहऔषधपावै पीसैइन्हसमखंडरलावै वांधेमोदकपलपरिमान एकनि-
ताप्रतिखायविहान अष्टादशकुष्टनाशहोइजांहि भगंदरालिफगुल्मनरहांहि अस्सीरोगवातकेजावै चाली-
सपित्तकेरोगनसावैं कफकेरोगवीसहोइनाश सन्निपातसिररोगविनाश नेत्ररोगभ्रुवरोगहोचूर कंठता-
लुरोगहोइदूर जिव्हाउपजिव्हारुजनाशे मोदकपरमरसायणभासैं ॥ अथमहाभलातकलेहः ॥ चौपई ॥
निंवजुसारिबामुंडीजान त्रिफलात्रायंतीमघठान मुत्थरकौडअनंतावरच पटोलवावचीतामोंसरच चंदन-
पाठाखदरकचूर वासासुंठभिडंगीपूर किरायताकोगडश्यामाआन तुम्भामूर्वाचित्रामान गजकरणअरु-
धरेकविडंग गिलोयपतीसरजनीदोइसंग सप्तपर्णिउाचिटापटोल सरीहअमलतासतिंहघोल मंजीठ-
लांगलीरहसनपाय करंजपुनर्नवाताहिमिलाय दंतीजीवकअषरोटत्वचाय कुटंन्नटभंगरायहसमभाय
दोइदोइपलइन्हकोपरिमान कुद्दद्रोणजलमांहिठान अग्निचढायपकावैसोय अष्टमभागरहेतिसजोय
वस्त्रछनायदृढवासनपाय ताकोंधरैजुयलकराय पुनसहस्त्रयआनभिलावै द्रोणलेपजलतामोंपावै चंदन-
कुष्ठजवायणआन पलपलयहताहीजलठान करैक्काथअष्टमजवरहै पुनसहवस्त्रछाणसोगहै दोनोक्काथए-
कठैकरै तुलाप्रमाणगुडतामोंधरै मंदअग्निसोंताहिपकाय पुनयहऔषधपीसरलाय सहस्त्रभिलावैमज्जा-
ठान त्रिफलात्रिकुटामुत्थरजुआन चित्रासेंधावायविडंग यहपलपलचूरणदेसंग चतुर्जातकचूरणपाय
सुगंधिद्रव्यतिसमाहिरलाय नित्ययथावलताकोंखावै श्रीशिवरच्योलेहलषपावै भल्लातकलेहनामइस-
जान प्राणिनहितशिवरच्योमहान याकोकुष्टअठारांनाश वातरक्तउदवर्त्तविनाश कृमिव्रणपांडुरोगमिट-
जावैं षट्प्रकारअर्शनरहांवैं भगंदरस्वांसजायअरुकास आमवातकोकरैविनाश उदरविकारसमस्तन-
सावै बडीकांतितनुकीदरशावै याकैअनूपानसुनलीजै रसागिलोयदुग्धसंगपीजै उष्णअमलभोजननहिं-
खावै यहअविलेहमहौषधकहावै अथचूर्णम् चौपई प्रथमहिंलेहुनिंवफलफूल त्वकअरुपत्रअवरलेमूल य-
हसमपीसधरैनिजसाथ खदरअसनकोपुनकरैक्काथ अष्टाविशेषक्काथमोपावै ताकोंपुनधरधूपसुकावै अ-
मलतासअरुखांडरलाय हरडजुसुंठभिलावेपाय मघांमरचपवाडकोवीज आमलेभखडेवाकुचीलीज लोहे-
चूर्णहरिद्रापावै यहवस्तुसमभागरलावे पुनचित्राविडंगसमजोय रसभंगरेमोंपीससमोय ताकोंभीधर-
धूपसुकाय पुनदोनोकोंपीसरलाय पीवैखदरअसनसंगक्काथ × प्रातःकालएकलगमास खावेगुणातिसक-
रोंप्रकाश अष्टादशजोकुष्टप्रकार तिलकेलस्सनतनतैंटार अवरहुंतनकेरोगनिवारै सातप्रकारच्छईकोंटारै
इकशतवर्षजीवतारहै एतेगुणयांकेउरगहै अथत्रिफलादिचूर्णम् चौपई त्रिफलानिंवकलिंगपतीस कणा-
पटोलकौडवर्चपीस पद्मकमूर्वारजनीदोय तुम्भाब्राह्मीसंगसमोय किरायतादंतीत्रिवीपलास विधिवत-
लेचूरणकरुतास यथोत्तरद्विगुणजुवस्तूपावे ब्राह्मीत्रिगुणजुतांहिसमावे यांकोंजोजननितप्रतिखावै त्व-
चासुसकुष्टमिटजावै अथपथ्यादिवटिका चौपई हरडइंद्रयवफलजुपलास अर्कवावचीअम्मलतास आ-
वर्त्तनिचित्राकुठधावै वरचविडंगसबसमपीसावै वटिकागूत्रसाथवंधवाय वधावैइकइकअैसेंखाय हत-
नासिकाकुष्टहोइनाश कर्णपाककुष्टहोइविनाश पाकहस्तपादअंगुलोंका रूक्षपाकउरकुष्टहोफीका व्रणकृ-
मिअरुदुर्गंधविनाश सूर्यन्याईतनुहोयप्रकाश अथतिक्तघृतं चौपई निंवपटोलजवाहांआन दालहलद-
तिक्तपुनठान त्रिफलाकौडपलअधअधपाय पर्पटत्रायमानपलपाय आढकजलमोंपायपकावै अष्टांश-
शेषरहिवस्त्रछनावै चंदनअवरकणापुनजान किरायतात्रायमानपीसान मुत्थरइंद्रयवयहपुनलीजै कर्षक-

× वैद्यगुणगढजनकोंगाथ

षयहजानपतीजै षट्पलघृततिंहपायपकावै खायकुष्टप्रमेहनसावै अर्शशोथसंग्रहणीजाय पांडुविचर्चि-काकच्छूनसाय ।पित्तकाकंडूनाशकरावै तिक्तजुघृतकेअसगुणगावै अथपंचतिक्तघृतं चौपई निंवपटोल-वासाजुगिलोय कंड्यारीलघुलीजैसोय यहदशपलजलद्रोणपकावै पादशेषप्रस्थघृतपावै त्रिफलात्रयप-लपीसमिलाय पकायखायकुष्टसबजाय अस्सीवातजरोगनिवारै पित्तजचालीरोगविडारै बीसरोगक-फकेकरैनाश व्रणकृमिअर्शपांचपुनकास अथगुग्गुलघृतं चौपई गिलोयकरंजूतिक्ताआन कोगडअरुप-टोलपीसान यहसबवीसवीसपललीजे द्रोणपायजलतांहिपकीजैं पादशेषप्रस्थघृतपावै दालहलदत्रिफ-लाजुमिलावै चित्रालीजैचवकपतीस पाठाअवरकलौंजीपीस त्रिकुटादूर्वादोनोछार अवरइंद्रयवजीरा-डार बरचजवायणकौडविडंग सप्तपर्णिअक्षअक्षधरसंग गुगुलअष्टपलपीसरलावै खावैकुष्टरक्तपित्तजा-वै दुर्गंधविसर्पीकोहोइनाश गुग्गुलघृतयहकीनप्रकाश इन्हसोंतैलपकायलगावैं खावैंरोगसोईमिटजावै ॥ अन्यच्चगुग्गुलघृतं ॥ चौपई ॥ निंवगिलोयपटोलमंगावैं वासालघुकंड्यारीपावै यहसबहींदशदश-पलपाय पायद्रोणजलताहिपकाय पादशेषप्रस्थघृतपावै त्रिकुटासज्जीसंगमिलावै त्रिफलामुथर-रजनीदोय पाठादारुचित्रसमोय गजपीपलअरुकौडभिलावै पिपलामूलमंजीठरलावै कोगडशालपर्णी-जवच्छार पतीसाविडंगवचातिहडार अवरकुष्ठजुसारिवादोय मालकडुंणीताहिसमोय शत-पुष्पाअक्षअक्षप्रमान गुग्गुलपलपच्चीसमिलान पकायखायत्वचारुजजाय यहनिश्चयरुजमांहिवसाय कुष्टजुसुप्तत्वचानहिरैहै गंडमालअर्बुदकोंदहै नाडीव्रणहृदरोगविनाशै प्रमेहभंगदरकृमिरुजनाशै रक्तविकारविषमज्वरजावै उन्मादगुल्मशोथनरहावै पांडुकामलाअरुविषदोष एतेतजहोइजावैंशोष ॥ अथमहातिक्तघृतं ॥ चौपई ॥ सप्तपर्णिपाठाजुपतीस अमलतासत्रिफलासंगपीस मुस्थरकौडपटो-लउशीर निंवपापडासंगधरवीर उपकुलपाचंदनपद्मकवरच रजनीदोयदोयसारवसरच जवांहावांसा-इंद्रयवठान मूर्वासतावरकिरायतामान गिलोयमुलट्ठीत्रायेमान यहसमऔषधकरोमिलान कोगडतु-म्मानालमिलाय विधिवतिकल्कजुतासमिलाय सभीकल्कतेंचौथाभाग त्रायमाणमुलट्ठीमिलभाग दुगु-णघृतएकगुणतोय आमलेरसघृतदुगुणसमोय मंदअग्निसोंतासवनाय पकायखायरोगवहुजाय कुष्टर-क्तपित्तनहिरहावै अर्शविसर्पीपांडुनसावै स्फोटकामलाज्वरहोइनाश हृदयरोगपिटकाजुविनाश गंड-मालाजुभंगदरजावैं पामारोगनतनुठहरावै अथवज्रघृतं चौपई वासात्रिफलानिंवगिलोय पटोलकरंजु-असनहेजोय अवरवैंतयहसबसमलीजे कल्कहिक्काथमोघृतजुपकीजै वज्रनामघृतखायलगाय यातेंकुष्ट-समस्तमिटाय हाथपादअंगुरीगिरीहोय कंठभिन्नकंपतनुजोय याकरप्रथमदेहसमथावै जीवैवर्षशतसु-ष्टलषावै अथमहावज्रघृतं वासात्रिफलानिंवपटोल कंड्यारीकरंजुगिलोसमतोल याहिक्काथसोंघीउपका-वै एकमासपरयंतसुखावै पतितनासिकाअंगुलीकरपाद पुनपूरणहोंहियहमरयाद जायविषमज्वर-अरुप्रमेह याकोगुणऐसेंलषलेह ॥ अथखदिरादिघृतं ॥ खद्रात्रिवीचित्रात्रिकुटाय अमलतासदंती-कुठपाय निंवपटोलवावचीवीज त्रिफलापाठाकोगडलीज विडंगजवांहारजनीआन करंजुवीजदो-यसारवाजान कौडभिलावैगुग्गुलपतीस यहसबऔषधसमलेपीस करैक्काथघृततुल्यमिलाय खावैकुष्ट-विसर्पीजाय कंठरोगविघुरोगनसावै व्रणगलगंडविचार्चिकाजावै इंद्रवज्रकरपर्वतजैसें यातेंरोगन-ष्टहोईतैसे ॥ अथमहाखदिरादिघृतं चौपई पंचतुलाभरखदरमंगाय असनतुलापुनतांहिमिलाय तुला-सिंसपापुनतिंहठान अर्धतुलाभरयहसबजान करंजुनिंववैंतत्रिफलाय वासारजनीकोगडपाय गिलो-

यविडंगपटोलसुजोय त्रिवीसतपरणोसमहोय कुचलाअमलतासातिहपावै कूटवस्तुसबकल्कवनावै यह-
सबअर्धतुलापरिमान दशोद्रोणजलमोसवठान पादशेषलीजैसुपकाय आढकअर्धघृततामोंपाय त्रिकु-
टादिकतीच्छणजौजेती अर्धअर्धपलपावैतेती पुनपकायकरखावैतास कुष्टअष्टदशहोवैंनाश
॥ अथवज्रतैल ॥ चौपई ॥ सप्तपर्णमालतीकनेर अर्कसरीहकरंजूहेर अरुथोहरइन्हसबकेमू-
ल करंजुवीजचित्रासमतूल मनशिलमहुराकाहीडार अवरजुपावैहस्तीभंगार दोइरजनीगिरिकर्णिका-
जान सर्षपस्वेतपवाडसमान त्रिफलात्रिकुटावायविडंग यहसमपीसगूत्रकेसंग तैलमिलायपकावैसोय
मलैकुष्टअष्टादशखोय नाडीव्रणहिंकहैंजुनथूर याहिमलैंहोवैसोदूर ॥ अथमहावज्रकतैल ॥ चौपई ॥
एरंडनीयप्रियंगूमुत्थर कदंवकंवीलातुम्मालषधर देवदारुदोधिकजुभिडंगी सरलवृच्छरसकीजैसंगी पु-
ष्करमूलविडंगजुपाय थोहरदुग्धरसोंतरलाय अर्कदुग्धगुग्गुलहरताल निर्गुंडीमनशिलसवसमडाल तैल-
मिलायपकायलगावै कुष्टसमस्तअर्शमिटजावैं ॥ अथतृणतैल ॥ चौपई ॥ चतुर्गुणतृणरसतैल-
मिलावै मंजिष्टाहलदीजुमिलावैं अमलतासपवाडकेपत्तर कर्षकर्षसवकरोइकत्तर तैलमिलायपकायल-
गाय कुष्टजुअष्टादशनरहाय ॥ अथवृहत्तृणतैलम् चौपई ॥ दालहलदमूलहयमार अमलतासमूल-
पुनडार वासामूलउत्पलजुविडंग सरीहकुसुंभाचंदनसंग काशमर्दपद्मकजुमुलट्ठ गंधकनिंववरचअरुकुट्ठ
रजनीसैंधालाचापवाड मंजीठस्वेतसर्षपसुरदारु मूर्वामांसीवावचीपावो षट्रसारसपटोलमिलावो
करंजुवीजअजवायणठान यहसवकर्षकर्षपरमान प्रस्थस्वेतसर्षपकोतैल तृणरसषटगुणतामोंतेल ताम्र-
कटाहिमंदाग्निपकावै खावैमलैकुष्टसबजावै थिम्ममहादद्रूहोइनाश पामाविचर्चिकाहोयविनाश विव-
र्णजायसुंदरतनहोय ऐसोगुणमनमोंलषसोय ॥ अथमरचादितैलं ॥ चौपई ॥ मरचत्रिवीदंतीसुरदार
दोनोरजनीमांसीडार अर्कदुग्धगोवररसआन तुम्माकुठचंदनपहिचान करवीरविडंगमनछलहरताल लां
गलिचित्राकोगडडाल पवाडसरीहनिंवयवचार थोहरसतपर्णपुनडार अवरजुपावैतासगिलोय माषप-
र्णीलेताहिसमोय अंवलतासमुत्थरपहिचान नक्तमालवरचपुनठान खद्रवावचीइकट्ठीकीजै माल-
कंगुणीपलपललीजै दोइपलविषआढककटुतेल मृतिकापात्रवालोहेमेल मंदअग्निसोंताहिपकावै
मलैअष्टादशकुष्टमिटावै देहव्यंगताव्रणसवटारै तनकोमलसुंदरताधारै वालअवस्थाइस्त्रीजोय लेनस-
वारतासकीसोय जराअवस्थाकोंनहिगहै पतितस्तनकवहूंनहिंलहै ॥ अथअन्यमरचादितैलं ॥ चौपई
मरचांमघांकुठसुरदार अर्कदुग्धगोवररसडार दोनोरजनीमांसीजान तुम्मारक्तचंदनपहिचान त्रिषकर-
वीरमनछलहरताल अर्धअर्धपलयहसबडाल सूक्ष्मपीसप्रस्थकटुतेल गोमूत्रचतुर्गुणतामोमेल लोहपा-
त्रवामृत्तिकाआन तामोंपायजुकरोपकान इसमर्दनतेंकुष्टसमस्त नाशहोंहियहजानप्रशस्त देहत्वचाको-
कोमलथावै स्वेतकुष्टत्रिवार्षिकजावै वृषभअश्वहस्तीजोखावै वायुसमानपराक्रमथावै इस्त्रीवालअवस्था-
मांहि नसवारलेपजराहोइनांहि स्तनपरमर्दनकरहैजोय पतितस्तनहिकदापिनहोय जोपुरुषमलैअरु-
लेनसवार योजनअष्टचलैवलधार श्रमसोंथकैनांहिनरजोय इहप्रकारलखलीजैसोय अथमहामरचादि-
तैलं चौपई अमलतासफगवाडीआन मदजंतीतुलसीकरोमिलान इकइकतुलाजुइनकीपाय त्रिफला-
आढकलेजुमिलाय दंतीदालहलदअरुकुट्ठ वालपुनर्नवाकरोइकट्ठ विजोरारहसनलषोप्रवीन यहली-
जैइकइकपलतीन पायद्रोणजलतांहिपकाय पादशेषरहैलेहुछनाय मरचांत्रिफलाकुट्ठरसगोवर अर्क-
दुग्धरजनीदोइमुत्थर चारवचारक्तचंदनपुनआन इकपलपलइन्हकोपरिमान विषपलअर्धगोमूत्रसब-

पीस पायतैलकटुलेपलतीस मंदअग्निसोंताहिपकावै रोगीकोंनसवारादिवावै सर्वरोगकोहोइहैनाश दंतरोगशिररोगविनाश दुर्गंधनासिकामुखकीजावै अर्धशिरागलगंडमिटावै मुखकीव्यंगअवरगलरोग कर्कशत्वचाहरेशुभयोग वालापणातियलेनसवार जराप्राप्तनहिंहोइसोनार अस्तनपतितहोहिंनहिंतास कोमलतनुहोइदुतीप्रकाश यहनसवारपुरुषलैजोय अष्टयोजनचलथकैनसोय इहमर्दनअष्टादशकुष्ट नाहिरहैंहोवैसबनष्ट करपदअंगुलीनासाकान पतितहोंहिसोंपूरणजान जोयहमलैअवरयहखावै देहनवीनतासहोइआवै अश्ववृषकरभन्नजोगात तांकोकोंभीयहहितविख्यात ॥ अथविषतैलम् चौपई नक्तमालदोइरजनीआन अर्कतगरकरवीरपछान वरचकुष्टागिरिकर्णीलीजै रक्तचंदनमालतीलहीजै मंजीठसिंधुवारकपुनआनो यहसबअर्धअर्धपलठानो विषइकपलसबपीसमंगावै मूत्रचतुर्गुणमांहिमिलावै प्रस्थतैलपुनपायपकाय मर्दनकरैंकुष्टसबजाय श्वेतकुष्टनाशैब्रणसंग यातेंहोंहिरोगयहभंग ॥ अथस्वेतकरवीरादितैलम् ॥ चौपई ॥ पलकरवीरस्वेतकोमूल विषपलएकलेहुमतभूल मूत्रचतुर्गुणतांहिमिलाय तैलअष्टगुणपायपकाय देहमलैसबकुष्टविनाशै तनकेअंगसुंदरअतिभासै ॥ अथकरंजादितैलम् ॥ चौपई ॥ करंजूअर्कदुग्धअरुचित्रा रजनीअवरमेलियेभंगरा कृतमालत्वचाअरसेंधालीजै वस्तूयहसबएकठीकीजै यहसममूत्रचतुर्गुणपाय तैलअष्टगुणपायपकाय मर्दनकरैकुष्टसबनाशैं तनुकेअंगखछसबभासैं ॥ अथथोहरादितैलं ॥ चौपई ॥ थोहरदुग्धविडंगमंगाय अर्कदुग्धमघलांगलीपाय कोसातकीवलापलासकेवीज यहसबसमचूरणकरलीज चतुर्गुणमूत्रअष्टगुणतैल पकायमलायकुष्टसबठेल अथकनकविंदुनामअरिष्टः चौपई खदिरकाथइकद्रोणप्रमाण घृतमर्दनकुंभतांहिमोठान खपरीयापीसषटपलतिंहिंपावै त्रिफलात्रिकुटारजनील्यावै मुस्थरनिंवभिलावैसंग गिलोयवावचीवायविडंग यहदोदोपलपीसमंगाय सभीमिलायकुंभतिसपाय मासप्रयंतअन्नसंस्कार राषदवायभलीपरकार पुनमासप्रयंतयथावलखावै महाकुष्टरोगमिटजावै एकपक्षजोयांकोषाय अर्शश्वासकासनरहाय शोथभगंदरदूरप्रमेह कनकवरणभासेसबदेह कनकविंदुअरिष्टयहकह्यो ग्रंथवंगसेनमतलह्यो ॥

॥ अथकुष्टरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कुष्टरोगकेपथ्यअपथ्यभाषतहोंसमझाय वैद्यशास्त्रसुनज्योंकहैतैसेंदेहुंलषाय अथपथ्यम् ॥ चौपई ॥ पक्षपक्षप्रतिवमनकरावै मासमासप्रतिरेचदिवावै षटषटमासप्रतीयोंजान रुधिरछुडावैपथ्यप्रमान त्रैत्रैदिनप्रतिलेनसवार घृतजुपुरातनपथ्यविचार यवगेहूंजुपुरातनजान पुरातनचावलमुंगपछान मधुअरुमसुरपटोलकहीजैं वैंतकूमलीपथ्यलहीजैं कंड्यारीफलपथ्यपछानो कायांकोठीपथ्यकरमानो निंवपत्रमोचरसबानिये इटसिटककडश्रृंगीगानिये पुनहेडवाजुभिलावेआषे षैरतालफलपथ्यसुभाषे चित्राअवरजायफलमानो गजकेसरजुकुसुंभाजानो करंजुअवरतिलसर्षपतैल निंवतैलपथ्यलषमेल चीढदेवदारूशिंसपातैल यहभीपथ्यमांहिलेमेल क्षारगर्मकस्तूरीकहिये तिक्तसमस्तवस्तुपथ्यलहिये गोऊष्टरखरवकरीजान महिषाइन्हकोमूत्रप्रमान लघुजुअन्नलघुवस्तुसमस्त कुष्टरोगमोंपथ्यप्रशस्त ॥ दोहा ॥ पथ्यकहेसबकुष्टकेकरोंअपथ्यवषान जैसेंभाषैग्रंथमोतैसेंलषोसुजान ॥ अथअपथ्यम् दोहा ॥ मैथुनखेततिलमाषमांसदधिगुडदुग्धव्यायाम रोकनवेगजुवमनकोमद्यअपथ्यदुखधाम ॥ इतिकुष्टरोगेपथ्यापथ्यअधिकारः ॥ दोहरा ॥ कुष्टरोगवर्णनकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनचिकित्सावरनकेपथ्यापथ्यवखान ॥ इतिकुष्टरोगःसमाप्तः ॥

॥ अथकुष्टरोगकर्मविपाकमाह ॥

॥ अथपुत्रहीनतथाकुष्टदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ क्षेत्रीचरतीगौवनताई जेउनिवारनिकासेगाई सोपुत्रहीनअरुकुष्टीहोय तासउपायकहोसुनसोय ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ गोपयखिनीवत्सासंग तरुणिसवस्त्राभूषणअंग पुष्पनकीमालापहिरावै मुक्तादामसुपुछलगावै स्वर्णदोइतोलेकेशृंग रजतचारपलखुरहोसंग शतपलताम्रपृष्टवनाय कांस्यपात्रसाठपलधराय ऐसीगौविधिवतपूजावै गंधपुष्पनैवेद्यचढावै पुनद्विजवरकीपूजाकरै श्रद्धाभावअधिकउरधरै विवधभांतकेभोजनसंग ब्राह्मणकोंकरतृप्तअभंग संकल्यसदच्छिणदेगौतास देयमुक्तिहोइलहैहुलास ॥ दोहरा ॥ पुत्रहीनअरुकुष्टकोकारणकह्योउपाय विसर्प्परोगकेदोषकोंभाषोंभलैवनाय ॥ इतिपुत्रहीनकुष्टदोषकारणउपायः ॥

॥ अथकुष्टरोगज्योतिषम् ॥

॥ दोहा ॥ अठमेचौथेवारमेपडैभौमग्रहजोय तांपरदृष्टीगुरूकीवैरभावसोंहोय कुष्टविकारहोतांहि नरइहअरिष्टहैनेम मंगलकीआराधनाजपतेकरैहैक्षेम ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथान्यप्रकारकुष्टरोगवर्णनम् ॥

॥ रोगकुष्ट ॥ चौपई ॥ अठारांभेदकुष्टजोहोई जुजांमनाममतफारससोई तुचामांसकादोषपछानो भेदसतारांसाध्यवखानो एकोभेदअसाध्यकहावे आगेलच्छणप्रघटसुनावे मच्छीदुग्धमेलकरखाय विगडेरुधिरकुष्टप्रघटाय पच्छीमांसदूधसंगखावे वाजलजीवदूधसंगभावे कर्कमिथुनकासूरजहोई ऐसाभोजनकरेनकोई रुधिरदेहमेअतिवलपावे अतिषटिआईतवजोखावे वाअतिमारगचलेजुकोई शीतलजलसोंन्हावेसोई वाअतिपर्सातनुमेंआवे शीतलजलशिरऊपरपावे वस्त्रभिगोयसोइतनुलाय चिरपाकवास्तुवाचरवीखाय इनकररुधिरदोषवलपावे विगडेरुधिरकुष्टप्रघटावे मूत्रपुरीषवमनजोहोई अथवावीरजरोकेकोई माषअधिकवामूलीखावे विनागलेदुधचावलभावे अथवाअतितिलसेवनहोई मैथुनप्रातकरेनरकोई सायंकालशयनमनलावे वर्षवीचनहिरुधिरछुडावे अथवादस्तवमननाहोई वासीभोजनकरेजुकोई ऋतुवसंतकौडाअतिखावे सीतकालतनअधिकतपावे खुष्काभोजनकरेजोकोई गिल्लीपवनलगेतनुसोई ऊपरतोंमिठिआईखावे मिठिआईखायपवनलगावे तांकररुधिरविगडकरसोई अथवावातापित्तकफहोई सोईरुधिरत्वचापरआवे भेदअठारांकुष्टकहावे कुष्टीसंगरहेजोकोई खानपानकरकुष्टीहोई कुष्टीकेघरसंततिजानो उत्पतहोएकुष्टपहचांनो गरमीअधिककलेजेआवे विगडेतिलीदोषप्रघटावे वातिकभोजनकरेजोकोई विगडेरुधिरदोषतवहोई पूर्वरूपकुष्टीकामानो सकलजोडपरसोजपछांनो फटेअंगयत्नमफुनिहोई नेत्रश्वेतपीलेहैसोई पाछेदेहसकलगलजावे झडझडपडेअंतदुखपावे कंठनासिकाजवपकआवे तवतकयतनकरेहटजावे चारभेदकरकुष्टविचारो वातपित्तकफरुधिरनिहारो लच्छणप्रथमवातकाजानो तुचापरदाणेकरडेमानो कृष्णवर्णपीडाअतिहोई रूच्छदेहखुषकीकरसोई निदानमाधवीऐसागावे खाजनाडिपीडाप्रघटावे धूडारंगदेहकाजानो ऐसालच्छणवातिकमानो आगेकफकालच्छणहोई श्वेतरंगजलनिकसतसोई गिल्लादेहचिकनहोजावे रुधिरस्थानपरप्रघटादिखावे ठंडादेहखाजअतिहोई गरमीकीइछाकरसोई आगेपित्तजलच्छणमानो संभ्रमचित्तताहुकाजानो सरदीकीइछामनहोई सोज-

अंगप्रघटावतसोई नाडीसकललालहोजावे पीडाजलनजोउप्रघटावे मोटेजोडताहुकेजानो आगे-
लच्छणरुधिरपछानो खाजहोएफुनिलालीहोई सोजरुधिरनिकसेदुखसोई अमलीरहेनाशाप्रघटावे मुख-
तेंरुधिरसुगंधीआवे षुषकीदेहवीचप्रघटाय दाणाकरडागोलदिखाय लच्छणचारदोषकाजानो काकप-
च्छवतरंगपछानो किटिभनामकरकहियेसोई चक्राकारपीडाअतिहोई एककुष्टऐसाप्रघटावे वातजका-
लेअंगदिखावे रुधिरदोषकरलालीहोई पीलापित्तजमानोसोई मैलाश्वेतरंगकफजानो करनिश्चय-
फुनिजतनपछानो जवतकअंगझडेनाकोई कंठनासिकामेंनहिहोई कृमीदोषहोवेनहिजांको आगेयत-
नलिखासुनतांको नखउतारफुनिसीसधुलावे दातनकरसितवस्त्रलगावे तौफुनिवमनकरेनरसोई आगे-
वातजऔषधहोई अतरीफलचिरायताल्यावे सुंठीपादवहेडापावे छिलकानिंववृच्छकालीजै वांसापत्रभा-
गसमकीजें करेकाथसीतलहोजावे मासेतीनवावचीपावे प्रतिदिनपानकरेनरसोई कुष्टदूरतनसुंदरहोई
वातिककालादेहदिखावे तांहूकेहितजतनवनावे बीससेरतिलतेलमंगावे भलावेआठसेरसंगपावे भला-
वेऊपरछिद्रकराय चाढअगनपरसोगडकाय भलावेतरकरऊपरआवे तेलशुद्धकरऔषधपावे जौखारअ-
रुसज्जीमंगवाय काचलूणविडलूणरलाय सौंचरलूणतांहिसंगपावे गंधकअमलसारमिलावे दारूहर्द-
लतांसंगहोई काष्टताडवृच्छकासोई हीराकसीसदच्छनील्यावे रतकलालसोरासंगपावे तोलेतीनतीनस-
मलीजें हरतालजर्दछेतोलेदीजें हरताललालडिडतोलापावे सकलऔषधीदर्डकरावे कंवीलाचोक-
कुठमंगवाय अमलतासहलदीसंगपाय हीराकसीसआनिएसोई रोइनवूटीतांसंगहोई तोलेपांचपां-
चसमलीजें आगेऔरऔषधीदीजें छिलकाहर्डफडकडील्यावे आमलेकाफुनिछिलकापावे
दसदसतोलेतोलमिलाय तीनसेरमघवावचीपाय चित्रेकाछिलकामंगवावे एकसेरसोसंगरलावे
आधसेररालसंगपाय जमालगोटानौमासेल्याय कराइकत्रसबदर्डकराय सोलांमणपाणीमेपाय
चाढअगनपरसोगडकावे दोमणनीरशेषरहजावे भलावेतेलताहुमेपाय चाढअगनपरक्काथजलाय
शुद्धतेलजवहीरहजावे देषवलावलरोगीखावे दसमासेवाचौंदांखाय रहेपथ्यपरकुष्टहटाय
वतांऊंतेलतिलोंकाखावे चुलाईसागकनकमनभावे कुष्टदूरसुंदरतनहोई वलवीरजवृद्धीकरसोई
वातिककुष्टकफीकाजानो जांहितैलकरदूरपछानो आगेजतनपित्तकाहोई पुरनितनिंवकाष्टलेसोई
नीरपायकरसोगडकावे कटोराअर्धप्रमानवनावे फुनिगिलोईजोऐसीहोई पलासवृच्छकेऊपरजोई
डोमासेइक्कीसमंगावे रगडनीरसंगवीचरलावे उनुंजांदिनतकपीवेकोई पित्तजकुष्टनासतवहोई
रहेपालपरपथ्यकरावे निश्चयपित्तजकुष्टहटावे औरसंतमतऔषधहोई आगेलिखीकुष्टहरसोई निंमवृच्छ-
केफलमंगवावे जोपक्केपीलेहोजावे इक्कीसरसोइमंगवाय अर्धभागभांडेमेपाय नीरपायमुखवंदकरावे
दिनइक्कीतकताहिरलखावे अर्धभागनिंवफलजोई चूरणकरसेवेनरसोई एकतलीभरप्रतिदिनखावे एक-
सेरजलसोईपिलावे दिनइक्कीतकसेवनकरिए कुष्टदोषतांहीछिनहरिए द्वंद्वजकुष्टजाहुकोहोई आगे-
यतनलिखासुनसोई वावचीभागदोइमंगवावे सिकडनिंमभागत्रैपावे पीसछानचूरणकरलीजें एकतली-
भरसेवनकीजें सीतलजलसोंसेवनभावे छेईमासतकप्रतिदिनखावे खारीथिंदामिठाजोई दूधआदिसें-
वेनहिसोई मुगीपथ्यनिताप्रतिखावे रहेपालपरकष्टहटावे रुधिरकुष्टजांकेतनहोई आगेऔषधसुनि-
एसोई मैनफलमासेसातमंगावे मासेतीनलूणसंगपावे तसनीरसंगचूरणखाय वारवारविधिवमनकराय
चावलशकेताहिखुलावे सीतलजलऊपरमनभावे दिवससातलगएसाकीजे तौफुनिसेवनऔषधिदीजें

सालेसातत्रिवीमंगवावे थोरहदूधमेंपीसरलावे छायावीचसुकावेकोई खावेततनीरसंगसोई जाविधदस्त-खूपञ्राजावे दिवससातलगऐसाभावे तौफुनिरुधिरछुडावेसोई दोनोभुजापैरदौहोई तौफुनिमस्तकरु-धिरछुडाय पांचोनाडीरुधिरकढाय जादिनभ्रूडवर्षानाहोई तादिनरुधिरछुडावेसोई मुंगीभातानिताप्र-तिखावे विनालूणपरहेजकरावे वाहेडमकेवीजमंगाय चावलसौंखिचडीकरखाय सिकडखैरनिंवका-ल्यावे रोहीवूटीसंगरलावे वालादारुहर्दलल्याय किरायताहर्डगिलोईपाय आमलेहलदीसंगरलावे चंदनलालवावचीपावे मरुआअंमलतासमिलाय कटुखर्वूजेकीजढपाय जढजमालगोटेकीआंनो वाविडंगळडगुडीठानो धमाहपडोलपत्रमंगवावे वादवदायरःमघांमिलावे मर्चत्रायमा-नसंगपाय भागवरावरदर्डकराय तोलाडूडनिताप्रतिपावे चारसेरजलक्काथचढावे अधसेरक्काथज-वहोई पीवेकुष्टरोगहरसोई.

॥ रोगफुलवहरीकुष्ट ॥

॥ चौपई ॥ फुलवहरीकुष्टहोतहैजाको वरशनाममतफारसताको कफकाको-पल्चामेजांनो श्वेतरंगकेचक्रपछांनो गरडजालकाघरज्योंहोई गिर्दरूपैएवतहैसोई कसी-सगुजरातीकालील्यावे तोलाडूडतोलमंगवावे गुजरातीलौंगसोंतोलेचार कालेतिलडिडसे-रविचार करइकत्रपीसेनरकोई सेरएककीगोलीहोई गोलीवांधअठाराल्यावे वाकीऔषधजुदा-रखावे गोलीएकनिताप्रतिदेवे सेरदूधनितगोकासेवे कच्चादूधपानकरसोई अथवादूधभेड-काहोई वैठेनित्यधूपमेजाय देषवलावलधूपलगाय भोजनखिचडीमुंगखुलावे सठीचावलमोठसु-खावे रोटीकणकानमकविनखाय फुलवहरीजहांतहांपकजाय तातेंजलपीलानिकसावे ठारांदिनत-कऔषधखावे शेषऔषधीलीजोसोई तामेऔरऔषधीहोई पारातोलेतीनमंगावे गंधकतोलेतीनरला-वे शोधितपारागंधकहोई दूधवीचकजलीकरसोई करइकत्रफुनिखरलकरावे कृष्णवर्णकेऊपरआवे पूरवऔषधवीचरलाय मधूमलदसमासेखाय जेकरापित्तअधिकलखपावे तातेमिसरीमेलखुलावे पुरा-तनसोफुलवहरीजाय तीनमासतकसेवनभाय पाचकनिर्वलहोवेजवहीं रुधिरपाकसोविगडेतवहीं स-रदीतरीताहुभेहोई ऋतूवतलेसदारकफसोई गाढाचिकनाकफप्रघटावे ताकरत्वचाश्वेतहोजावे अजा-मूत्रवागूत्रमंगावे वीचवावचीसेडरखावे आठपहरतकराखेकोई उवालेवीचगूत्रकेसोई तौफुनिछि-लकाजुदाकरावे गिरीवीचछायाकेपावे पांचोअंगनिंवकेल्याय गिरीवरावरपीससुकाय करइकत्रछे-मासेखावे प्रतिदिनश्वेतकुष्टहटजावे वावचीसर्वतसेवनकरिए श्वेतकुष्टताहीछिनहरिए वावचीसेर-एकमंगवाय पुरातननिंवकाष्टसंगपाय गूलरकाष्टसेरइकलीजें त्रिफलामेंदीतासंगदीजें नौनौटांक-तोलकरपाय नीरपायकरक्काथचढाय काचपात्रमेराखेसोई दिनचालीतकसेवनहोई मर्दनऊपरदाघ-करावे श्वेतकुष्टनिश्चयहटजावे वनउपलेसंगरगडेकोई मर्दनकरेसीप्रसुखहोई संखिआसज्जीखारमंगावे रगडदाघपरलेपचढावे जेकरयद्मतहांपडजाय तौकिक्करकाछिलकाल्याय करेक्काथधोवेनरसोई य-द्मदूरसुंदरतनहोई अथवादाघताहुपरलावे श्वेतकुष्टनिश्चयहटजावे ताजाअंवतोडिएजवहीं निकसे-रसलेपनकरतवहीं अंवरसालेलेपकरावे औरयतनविनकुष्टहटावे

॥ रोगवगलगंध ॥

॥ चौपई ॥ वगलगंधहोजावेजाको फारसगंधवगलकहुताको प्रथमऔषधीरेचकभावे सेरेरोग
गकारुधिरछुडावे दोइभुजातेरुधिरछड़ाय पिनीऊपरपछकराय सुरमामुरदासंगमंगावे कपूरभागस-
मपीसरलावे मर्दनछाछसंगहितहोई वगलगंधनाशेकरसोई पुरातनचूनापीसमंगावे सुपैदीकुक
ड़ांडकीपावे दोईमेलमर्दनहितहोई वगलगंधकरनाशेसोई हाथपैरपरपरसाआवे मर्दनकरपसींहटजा-
वे इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांकुष्टरोगाधिकारकथनंनामपंचत्रिंशोऽधिकारः ३५ ॥



॥ अथविसर्पिरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंविसर्पिनिदानकोंकारणआदिसुनाय तिंहकारणतैंप्रगटहोइलषियेमनचितलाय ॥ अथकारणम् ॥ चौपई ॥ अमलपित्तदुखउपजैजवै तामोछर्दहोइप्रगटैतवै रोकैछर्दतवैजनकोय तांतेरोगविसर्पीहोय तीच्छणरूच्छविदाहीच्छार खावेभोजनव्यंजनधार बहुतलवणअमलकटुखावै उष्णबहुखायविसर्पीथावै कहेजुवातादिकत्रैदोष करैविसर्पीधरिवडरोष वातपित्तकफकोपजुधारत जलरुधिरमांसत्वकदेतविगाडत तांतेंहोतविसर्पीरोग जानलीजियेसबतुमलोग सर्वदेहमोंफैलैसोय यातेंनामविसर्पीहोय सोऊविसर्पीसातप्रकार तांकोविवरणकरोंउचार वातपित्तकफतीनसुजान सन्निपाततेंचौथामान द्वंद्वजतीनाहितांसोकहै सातनकोविवरोयहलहै.

॥ अथविसर्पीरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंविसर्पीरोगकोवंगसेनकेभाय सोसुनचितमोंधारियेरोगीकोंसुखदाय ॥ चौपई ॥ रोगविसर्पीजिसलषपरै वमनविरेचनसोनरकरै रुधिरमोच्छभीकरेजुसोय यहहितकर-उपायतिसहोय लंघनलेपनरूच्छणजान अवरजुसेचनकीनप्रमाण.

॥ अथवमनविधिः ॥

॥ चौपई ॥ पटोलमयनफलइंद्रयवनिंव मधांमिलायवमनइन्हसंग वमनविधीपाछेजोकही विसर्पिरोगमोंजानोसही

॥ अथरेचनविधिः ।

॥ चौपई ॥ त्रिफलेकेरसत्रिवीमिलावै घृतामिलायकरतांहिपुलावै रेचकरावैंयाहिप्रकार विसर्पी-रोगपरयहहितकार रुधिरजलौकाइनकेसंग मोच्छणकरैहोयरुजभंग

॥ अथवातादिभेदनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातपित्ततेंजोयहलहिये अग्नीनामतासकोकहिये वातअवरकफतैंजोमानो नामजुग्रंथीतासवषानो जोकफपित्तहुतेंप्रगटावै कर्दमनामतासकोगावै

॥ अथकेवलवातजलच्छणम् ॥

॥ चौपई ॥ स्फोटस्फुरनअंगअरुभेद सूचीवेधइवप्रगटेषेद वातजज्वरसमानदुखहोय रोमहर्ष-वातजलषसोय.

॥ अथवातजविसर्पीउपायलेपनम् ॥

॥ चौपई ॥ रासनाउत्पलपायमुलट्ठ चंदनदालहलदइकट्ठ विलावेरसमलेपीसाय पयघृत-संगसुलेपलगाय होयविसिर्पीवातजनाश इहप्रकाररुजहोतविनाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मूत्रअवरगोवररसआन दुग्धपंचमूलसमठान करैउष्णपुनलेपलगावै रोगविसर्पीवातजजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कुट्ठशतावरिअरुसुरदार मुस्थरशूरणधनियांडार उष्णगणलेकृष्णगंधाजोय घृतसोंलेपैहितकरसोय अरुयहहितकरसकमंभार यहनिजमनमोंनिश्चयधार । अन्यउपायः चौपई । द्रा-च्छकाश्मरीअम्मलतास एरंडत्रिफलापीलूप्रकाश त्रिवीहरडपुनयहसबजान विसर्पीशोधनमोंहितमान

॥ अथरक्तजविसर्पिउपायः॥

॥ चौपई ॥ रक्तमोक्षभीयाहिउपाय पुनलेपनभीकहोंसुनाय लेपवटरुंवलअश्वत्थपलक्ष वैंतलसूडाजानप्रतक्ष मंजिष्टाअरुचंदनदोय मधुयष्टीउशीरलषसोय गेरीघृतशतधौतमंझार यहसमलेपनकरौविचार रक्तविसर्पीकोहोइनाश दाहपाकपीडासबनाश श्रावशोथपुनदूरनिवारै एतेगुणयहलेपनधारै

॥ अथपित्तजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शीघ्रसमस्तदेहमोंधावै लालरंगतनकोप्रगटावै पित्तज्वरकेसबचिन्हलषाहि पित्तजलक्षणइहविधिगांहि.

। अथपित्तजविसर्पिउपायः।

॥ चौपई ॥ सरींहमुलट्ठीचंदनएला नतमांसीवासाकरमेला दोनोहलदीकुट्ठरलाय यहदशांगघृतसहितलिपाय पित्तविसर्पीकुष्टनिवारै शोथरोगदूरकरडारै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पुंडरीकमंजीठमंगावै पद्मकाष्टइंदीवरपावै चंदनअवरमुलट्ठउशीर समसदुग्धलेपैमतिधीर पित्तविसर्पीहोवैनाश शास्त्रवचनसत्यलखतास ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कसेरूकमलसिंगाडेमुत्थर अरुसिवाललेउतपलसमकर जलसोंपीसघृतलेपसोकरै पित्तविसर्पीकोदुखहरै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ चंदनलोध्रउशीरजुमेह उत्पलकमलसारवाएह हरडआंवलेसमलेपाय पित्तविसर्पीतांतेंजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ वटकीजटामुथरअरुमेह कदलीगर्भआनसमएह घृतशतधौतहिंपीसलिपाय तौभीपित्तविसर्पीजाय

॥ अथकफजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफजविसर्पीहोवेजवै खुरकसनिग्धदेहहोइतवै कफजविसर्पीइहविधिकहिये कफज्वरन्याईलक्षणलहिये.

॥ अथकफजविसर्पीउपायः ॥

॥ चौपई ॥ कफजविसर्पीजांतनुहोय वमनविरेचनहितकरसोय अरुकफहरहैऔषधजेती कफजहिसभीश्रेष्टलषतेती

॥ अथवमनविधिः॥

॥ चौपई ॥ मुलट्ठनिंवमयनफलसंग अरुइंद्रयववमनरुजभंग ॥ अथलेपनम् ॥ चौपई ॥ षदरसप्तपर्णीअरुमुत्थर वासाअमलतासस्योनाकधर यहलेपनकीजैसविधान कफजविसर्पीदुखकीहान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ असगंधसरलकासमर्दअजशृंगी हरडसगूत्रहिपीसोचंगी इहप्रकारजोलेपनकरै कफजविसर्पीरुजसोहरै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सरींहपुष्पजुलसूडेछाल कृतमालपत्रकाकजंघाडाल असगंधप्रियंगूयहसमलीजै पीसउष्णकरलेपनकीजै कफजविसर्पीकोहोइनाश निश्चयकीजेंमनमोंतास ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अमलतासकेपत्रमंगावै लक्षालसूडेकीजुमिलावै सरींहपुष्पसमलेपनकीजै तांतेंकफजविसर्पीछीजै ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ मुत्थरलीजैनिंवपटोल क्वाथसुकीजैलेसमतोल पीवैकफजविसर्पीजाय वंगसेनमतकह्योसुनाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मुत्थरनिंवगिलोयपटोल यहजोक्वा-

थकरैसमतोल कफजविर्पीहरयहकाथ निश्चययहसमझोमनमेंगाथ ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिफलाखदिरसारयहआन अमलतासपुनसबसमठान यांकोविधिसोंकीजैकाथ पीजैगुगुलपादहिंसाथ कफजविसर्पीकुष्टनसावै यांकोगुणऐसेंलषपावै.

॥ अथसन्निपातविसर्पिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातपित्तकफकेसबलक्षण इकट्ठेजामोंलषैंविचक्षण त्रिदोषजसोऊविसर्पीजान द्वंद्वजलक्षणकरोंवषान

॥ अथद्वंद्वजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अथअग्निलक्षणम् ॥ वातपित्तकरमिलतजुजोय मूर्च्छातृषाछर्दज्वरहोय अस्थिभेदआमअतिसार दग्धअंगहोंइज्पौंअंग्यार अवरअरोचिकतमहोयजास रक्तनीलविस्फोटप्रकाश शीघ्रउठेंहोयशीघ्रजुनष्ट विस्फोटविधीइहजानसपष्ट जंहजंहअंगविसर्पीधावै विस्फोटअग्निदग्धदरशावै यादुखकरपृथिवीपरलोटै देहपसारेछिनमोंघोटै हृदयहुतेंजोउत्थितजान वातहोयतिसकोवलवान अंगपीडवहुकरहेजोय संज्ञानिद्रानासेसोय ऐसेलक्षणउरमोधार अग्निविसर्पिकियोउचार ॥ अथग्रंथीलक्षणम् ॥ वातअवरकफमिलकरदोय वारक्तवृद्धकोंरोकेसोय त्वकरक्तमांसशिरास्नायूजान तिनकोदूषितकरैसुमान दीर्घ-ह्स्ववृत्तखरजोय उपजावैजुविसर्पीसोय रक्तग्रंथमालातनहोवत ज्वरअरुश्वासकासभ्रमजोवत मुखशोषैमूर्छाअतिसार हिक्कावमनअंगभंगविकार यहकफवातकोपतेंजान भाषसुनायोग्रंथनिदान ॥ अथकर्दमलक्षणम् ॥ जोकफपित्तहुतेंप्रगटावै ज्वरनिद्राशिरपीडाथावै भ्रममूर्छावकवादकरैसौ मंदअग्निजुअरुचउपजैतौ तृषाअस्थिपीडाउपजात देहगलतनाडोंप्रगटात इंद्रियगौरवसोजाथावै फटकपीतसितअरुणलषावैं मुरदावतआवैतनवास इहविधिलक्षणकैरप्रकाश आमाशयतेंउत्थितजान विसर्पीकर्दमकीनवखान होयविसर्पिशस्त्रपरिहार सर्पादिविषनतैंभीसंचार ॥ अथक्षतजविसर्पिलक्षणम् ॥ क्षततेंकुपितहोतजववात रक्तपित्तकोंदेतउठात सोरक्तपित्तविसर्पीकरै कुलथन्यायविस्फोटसुधरै पीडासोजज्वरदाहजोहोय रुधिरस्यामजिसप्रगटितजोय देहगलैवहुरुधिरप्रवाह अहैविसर्पीरोगअथाह.

॥ अथविसर्पिउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ ज्वरअरुचगलजावैमास छर्दअवरअतिसारप्रकाश तृषाहोएक्लमस्फोटविपाक विसर्पिउपद्रवजहसुनवाक

॥ अथसाध्यअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातपित्तकफजोयहतीन भिन्नभिन्नइन्हतैंहीप्रगटीन सोऊविसर्पीसाध्यकहावैं त्रिदोषजसोअसाध्यलखावै क्षतजविषजभीअहैंअसाध्य लषोविसर्पीमहाउपाध्य जांकोतनसुरमेकीन्याई होयअसाध्यलषोतिसताई अग्निविसर्पीअहेअसाध्य ग्रंथीकर्दमकष्टसुसाध्य ॥ दोहा ॥ रोगविपसर्पीभाषियोतांकोसकलप्रकार समझपछानैचतुरनरतांकोंवैद्यविचार इतिविसर्पिरोगनिदानंसमासम्

॥ अथसामान्यविसर्पिचिकित्सा ॥

॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ किरायतावालाकौडपटोल त्रिफलाचंदननिंवसमतोल काथपिलायविसर्पीजाय दाहशोथविस्फोटमिटाय तृषावमनज्वरकंडूचूर एतेरोगहोंहिसबदूर ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पटोलदालहलदजुमुलट्ठ निंवकौडत्रायमानइकट्ठ यहसमलेयकाथकरपीजे रोगविसर्पीयातेंछीजे ॥ अन्यभेदः ॥ ॥ चौपई ॥ त्रिदोषजद्वंद्वजजातनहोय त्रिदोषजक्रियाकरैसुनसोय कफयुतरक्तपित्तहोइजास त्रिफलेकोसोकरैअभ्यास ॥ काथ ॥ चौपई ॥ जवांहांपित्तपापडाआन कौडपटोलकाथसमठान पीवैनाशविसर्पीहोय निश्चयकीजैमनमोंसोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अथवासाद्यंघृतम् ॥ वासाषैरनिंवत्वक्पत्रपटोल गिलोयहरड़धात्रीसमतोल काथकरैघृतपायपकावै खावैरोगविसर्पीजावै रक्तमदगुल्मकुष्टहोयनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथगौरवादिघृतम् ॥ चौपई ॥ दोनोरजनीमूर्वापाय दोइचंदनशालिपर्णिमिलाय मधुपर्णीसारवाष्टजुमुलट्ठी केसरपद्मउशीरइकट्ठी उत्पलमेदाअरुत्रिफलाय वटादिपंचतरुवलकलपाय अत्तअत्तइन्हकोपरिमान प्रस्थएकघृततिन्हमोंठान तांहिपकावैषावैतास देहमलेजुविसर्पीनाश विषविस्फोटनाशव्रणहोय कीटलूततनरहैनसोय ॥ अथकरंजादितैलम् ॥ चौपई ॥ करंजूसत्तपर्णकोंआन लांगलिचित्राभंगराठान थोहरदुग्धअर्कपयपाय रजनीयहसमलेपीसाय मूत्रतैलसोपायपकावै देहलगायविसर्पीजावै विस्फोटअवरविचर्चिकानाश वंगसेनमतकीनप्रकाश जोघृतकुष्टजुव्रणमोंकहै यामोसोभीहितकरलहै ॥ दोहा ॥ विसर्पिचिकित्सायहकहीवंगसेनअनुसार याहिसमझवरतेतऊरहैनदेहविकार ॥ इतिविसर्पीरोगचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथविसर्पिरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ रोगविसर्पीकेकहोंपथ्यापथ्यअधिकार जैसेवैद्यकशास्त्रमोंकीनभलेंउच्चार ॥ अथपथ्यम् ॥ चौपई ॥ मोचणरक्तजुलेपनलंघन वमनअवरजानोपुनरेचन यवअरुकनकपुरातनमानो कंगुणीसट्ठीमुंगपछानो मसुरचणकवनमृगपच्छिमास द्राक्षअनारपथ्यलषतास धात्रीफलजानोनवनीत करेलेघृतलषलेवोमीत वैंतअग्रदलषदिरपछान गजकेसरपुनलाक्षप्रमान सरीहवीजकर्पूरभनीजे चंदनलेपनपथ्यकहीजे ॥ दोहा ॥ पथ्यविसर्पीकेकहैलषहोबुद्धिउदार अवअपथ्ययाकेकहोंसोसबकरोंउचार ॥ अथापथ्यम् चौपई अग्नितापव्यायामलषीजे वहुतशयनसंभोगभनीजै क्रोधशोकअरुमाषकुलत्थ अन्नपानगुरुजानअपथ्य वमनवेगरोकनजुकहैये सकलमांसपुनलसनलहैये वनमृगपच्छीविनाजुमांस सोसबमांसअपथ्यलषतास तिलअरुमद्यखेदपुनजान दाहकअरुकटुवस्तुपछान अवरसलूणाजलजोअहै एतेतासअपथलषकहे ॥ दोहा ॥ रोगविसर्पीकेकहैपथ्यअपथ्यविचार पथ्यगहेत्यागेअपथतनहोइविनाविकार ॥ इतिविसर्पिरोगेपथ्यापथ्यअधिकारः ॥ दोहा ॥ रोगविसर्पीवरनियोप्रथमहिकह्योनिदान पुनाहिंचिकित्सावरणकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिविसर्पिरोगःसमाप्तः ॥

॥ अथविसर्पीरोगकर्मविपाक ॥

चौपई ॥ जेऊसुगंधीद्रव्यचुरावे ताहिविसर्पीतनप्रगटावै । उपायः । रूपेकोइकपटवनवावै रूपसहि-तितिहिकमलालिखावैं चारोउरगंधर्वलिखाइ विधिवतपूजैप्रीतलगाइ हवनकरैमंत्रनअनुसार फटिकक-स्तूरींकुंकुमडार करसंकल्पविप्रकोंदेय देहविसर्पीरोगनलेय ॥ दोहा ॥ दोषविसर्पीकहादियोकारणसाहि-तउपाय पांडुरोगअवकहितहोंसोसुनलेचितलाय ॥ इति ॥

॥ अथज्योतिषम् ॥

॥ दोहा ॥ सूर्यहोवैमीनमोंमंगलदृष्टीधार रोगविसर्पीहोइतांहिनिश्चैजीयविचार सूर्यमंगल-दुहिनकोंविधिसोंप्रीतमनाय सर्वरोगसंतापतजरोगविसर्पीजाय ॥ इतिज्योतिषम् ॥

इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांविसर्पीरोगाऽधिकारकथनंनामषट्त्रिंशोऽधिकारः ३६



॥ अथपांडुरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पांडुनिदानवषानहोंसोहैपांचप्रकार वैद्यकग्रंथनिदानमोंजोकीनोउद्धार ॥ चौपई ॥ वातपित्तकफतेंपहिचानो अरुत्रिदोषतैंहोवतमानो मृत्तिकाभक्षणतेंभीहोय पांचप्रकारपांडुहोइसोय अतिमैथुनकरनेतेंजान अतिहीअमलभक्षणतेंमान मद्यपानतेंहोवतलह्यो अतिहीअमलभक्षणतैंकह्यो धूपतापगरमीअतिधावै तीक्ष्णवस्तुखावनमनभावै अतिहीदिनकोंसोवैजोई तांकोंभीयहप्रगटतहोइ वातपित्तकफयहजोतीन त्वचहिंप्रासहोवैंपरवीन सोऊपांडुरोगउपजावत पूर्वरूपतिन्हकेयौंगावत ॥

॥ अथपांडुरोगपूर्वरूपलक्षणम् ॥

चौपई तुचाफटेअंगपीडाहोइ मृतिकाभक्ष्यणइछाजोइ नेत्रोंपरकछुसूजनभावै मलमूत्ररंगपीलादिखलावै अन्नपचैनाहीमनहरै लौकिकपांडुरूपतिसधरै थुकथुकीवहूरहेनितजास पूर्वरूपतिसकियोप्रकाश

॥ अथवातकृतपांडुस्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ त्वकमूत्रनेत्रकृष्णअरुलाल भ्रमअरुशूलशोथहोइनाल रूषादेहअफाराहोय पांडुवातकृतलक्षणसोय ॥

॥ अथवातकृतचिकित्सा ॥

चौपई त्रिकुटाचूर्णकरैसुवनाय विजोरेरससंयुक्तपिलाय वातअवरकफकामलनाशै तनकीदुतिअतिसुंदरभासै

॥ अथपित्तकृतपांडुस्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ विष्टामूत्रनेत्रहोइपीत तृषादाहज्वरजानोमीत विष्टाभन्नपीनतनभासै ऐसेलक्षणतासप्रकाशै यहपितकृतकेलक्षणकहै ज्योंनिदानग्रंथतेंलहै ॥

॥ अथपित्तजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ लोहचूर्णआमलेपिसावै हलदीत्रिकुटासमलषपावै मधुघृतषंडमेलातिसचाटै पित्तजपांडुरोगयहकाटै

॥ अथकफकृतपांडुस्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ सोजानिद्राआलसजान गुरुतामूत्रविष्टासितमान मुखतेंलालांचलेसुहेत त्वक्मुखनेत्ररंगजोश्वेत ऐसेलक्षणजांकेहोय कफकृतपांडूजानोसोय ॥

॥ अथकफकृतचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कफकरजिसेपांडुरुजहोय क्वाथयहीकरपींवैसोय लेदशमूलसुंठमिलाय करैक्वाथपीवैसुखपाय पांडुशोथज्वरग्रहणीजावै श्वासअरुचअतिसारमिटावै हृदयकंठरोगकोंनाशै रोगजांहितनदुतिपरकाशै ॥ इतिकफचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथत्रिदोषकृतपांडुस्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ सर्वअन्नजोसेवनकरे त्रिदोषकोपतांकोअनुसरे त्रिदोषजपांडूतातेहोय जानलीजियेतुमसबसोय ज्वरात्रिष्णाअरुछर्दलषावै तनश्रमअरुचहल्लासदिषावै असरोगीजवहोवेक्षीन सबइंद्रीहोइजावैंक्षीन जवहींअसरोगीलषपावै वैद्यचिकित्सातजउठजावै ॥

॥ अथमृत्तिकाभक्षणकृतपांडुस्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ मृत्तिकाभक्षणजासस्वभाउ वातादिकदोषकोपतिसताउ कसैलीमृतिकाजोजनखावै वातदोषताकोंहोइआवै पित्तकाहलीमृतिकाकरै माटीमधुरकोपककफधरै जोमृतिकाभोजनअनुसरै रूषाभोजनघातसुकरै नाडीपूरणकरैनिरोध अन्नपाकमेंधरैविरोध रसधातूरूक्षकरैनितजोय निजमननिश्चयजानोसोय प्रथमहिंइंद्रियवलकोनाशै वीर्यतेजकोंवहुतविनाशै पाछेपांडुरोगउपजावै वर्णअग्निनाशहोइजावै भ्रूअरुनेत्रकोगमंझार पादनाभिलिंगनितधार इन्हअस्थांनोसोजापरै ऐसोदोषपांडुरुजकरै कृमिकफरुधिरसहितविष्टाऊ निकसावतहैपांडुरुजाऊ

॥ अथमृद्भक्षणचिकित्सा ॥

॥ अथत्रिकुटादिघृतम् चौपई ॥ त्रिकुटाविल्वरजनीलेदोय त्रिफलामुथरेंताहिसमोय दोइपुनर्नवापाठापाय लोहचूर्णसुरदारुमिलाय वृश्चिकालीअरुवायविडंगि पुनताहूमोंपायभिडंगि प्रस्थपायघृतकरोमिलान आढकएकदुग्धतंहठान अक्षअक्षऔषधसवजानो घृतपकायखावेहितमानो मृत्तिकाभक्षणपांडुविकार नाशहोंहिमननिश्चयधार ॥ इतिमृद्भक्षणचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथपांडुअसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पांडुरोगचिरकालीजवै रूषीदेहलषैनिजतवै अरुसबवस्तुपीतदरसावैं मनमोंसदामिलानरहावैं थोडीवहुतीविष्टाआइ कफयुतस्वेतरंगप्रगटाइ मूर्छाछर्दतृषाहोइआवैं दांतनेत्रनखपीतदिषावैं शोथप्रगटहोइगुदामंझार पांडुअसाध्यरूपनिरधार ऐसोरोगीलषहैजवै वैद्यत्यागजावैतिसतवै ज्वरअतिसारजासमेंहोय वैद्यत्यागजावेतिससोय जंघवाहुशिरशोथसुपरे मध्यदेहनिर्वलताधरे ऐसेलक्षणजिसतनदेषे वैद्यत्यागजावेइसलेषे पांडुमांहिकामलापुनहोय कलुकभेदतामोलषसोय ॥ दोहा ॥ पांडुनिदानवर्णनकियोवैद्यककेअनुसार अववर्णनहोंकामलालषहोबुद्धिउदार ॥ इतिपांडुरोगनिदानलक्षणंसमाप्तम् ॥

॥ अथपांडुरोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ पांडुचिकित्साकोंकहेंदेषसुग्रंथविचार चतुरवैद्ययहसमझकैपुनकरहैउपचार.

॥ अथसामान्यचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वातजपांडुजासतनहोय स्निग्धक्रियाजुकरेनितसोय तीक्षणसीतलपित्तमोंजान कटूउष्णकफकीनप्रमान मिश्रितरोगजानेनरजवही क्रियाजुमिश्रितकरहैतवही हरडचूर्णघृतमधुजुमिलाय सेवतरहैपांडुरुजजाय ॥ अन्यच्च ॥ रजनीपायपक्कघृतपावै सेवैसदापांडुरुजजावै ॥ अथचूर्णप्रकारः ॥ ॥ चौपई ॥ लोहत्रिकुटातिलभागजुकोल स्वर्णमाषीचूर्णसमतोल मधुसोंमेलयथावलखावै ऊपरतक्रपीयदुखजावै पांडुरोगकोहोइहैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ चित्रासैंधवमरचांनागर अजमोदाजानोवुधसागर यहसमचूर्णपीसछनाय अमलतक्रसोंनितउठखाय पांडुअर्शकोनाशनएहु अपनेमनमाहींलषलेहु ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ लोहचूर्णदिनसातप्रमान षरलकरैगोमूत्रमिलान दुग्धहिंसाथयथावलखावै पांडुरोगतनतेंमिटजावै अन्यच्च चौपई ॥ मनूरपीसगोमूत्रजुसंग षरलकरै

दिनसातअभंग गुडमिलायसुयथावलखावै पांडुरोगकोनाशकरावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मनूरडली-वहुवारतपावै वहुपुठगायमूत्रदेवावै पुनपीसैमधुघृतजुमिलाय चाटैताहिपांडुमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ डलीचीकनीमृत्तिकालेय तपायगूत्रमोंपुठांदेय कौडनिंवकंड्यारीआन रसनिकालगोगूत्रमि-लान मृत्तिकापीसषरलतिंहकरै खावैतांहिपांडुरुजहरै

॥ अथघृतप्रकारःमूर्वादिघृतम् ॥

॥ चौपई ॥ मूर्वातिक्तादोहलदमिलाय परपटचंदनमुत्थरलाय त्रायंतीयवासाजुपटोल किरायता-मुत्थरलेसमतोल यहसबअच्चअच्चपरिमान प्रस्थएकघृतमोंलेठान चारप्रस्थपयपायपकावै वलअनुसा-रनित्यउठखावै पांडुशोथविस्फोटकजाय अर्शरक्तपित्तज्वरनरहाय

॥ अथकटुकादिघृतम् ॥

॥ चौपई ॥ कौडमुत्थरहलदीसुरदार मघांपटोलइंद्रयवडार चंदनमूर्वात्रायेमान जवाहाश्रृंगीकट-तृणठांन अच्चअच्चयहलेपीसावै प्रस्थएकघृतमोसवपावै आढकदुग्धपायसिद्धकरै वलअनुसारखाय-दुःखहरै पांडुदाहज्वरशोथविनाशै अर्शप्रदरविस्फोटकनाशै

॥ देवदारुघृतम् ॥

॥ चौपई ॥ देवदारुत्रिफलाकेसंगि लोहचूर्णदोइहलदविडंगि त्रिकुटाचित्रामघांमिलाय लोध्रवृ-श्चिकालीसंगपाय अवरपुनर्नवालीजैदोय प्रमाणसहितमेलेतिहसोय पाठाअच्चअच्चपरिमान प्रस्थएक-घृततामोंठान गूत्रचतुर्गुणपायपकावै खायपांडुसंग्रहणीजावै । अथरजनीघृतम चौपई । प्रथमहिंरज-नीक्काथवनावै पुनरजनीघृतपायपकावै यहघृतखावैपांडुविनाशै देहरंगहोइदुतिपरकाशै ॥ अथत्रिफ-लाघृतम् चौपई ॥ त्रिफलाचूर्णगूत्रसंगपाय माहिषघृतमोंपायपकाय प्रातहिंउठनितखावैजोय नाशपां-डुरोगकोहोय ॥ अथदंतीघृतम चौपई ॥ दंतीरसपलचारकढावै आंवगिटकपलचारपिसावै प्रस्थघृत-पायपकायसुखाय हृदरुजपांडुगुल्मलिफजाय ॥ इतिघृतप्रकारः अथयोगराजः चौपई ॥ स्वर्णरौप्यम-च्छीशिलाजितमनूर यहपलपांचपांचलेहुचूर चित्रात्रिकुटात्रिफलाआन अरुविडंगयहपलपलठान मि-सरीअष्टपलतांहिमिलाय सबमिलायकरखरलकराय मधुसोंगुटकावांधेजास वलअनुसारसेवनिततास कपोतकाकमाचीजुकुलत्थ यहनहिंखावैजानकुपत्थ नामयाहिकोहैयोगराज अमृततुल्यकरैवहुकाज सबरुजहरैरसायणअहै वंगसेनयाकेगुणकहै पांडुकुष्टश्वासअरुकाश राजयक्ष्मज्वरविषकरनाश हिक्काभृ-गीअरुचकोंनाशै हृदयरोगकामलाविनाशै स्वर्णरजतजोप्राप्तिनहोय केवललोहचूर्णधरसोय अथशिवगु-टिका चौपई कोगडवीजत्रिफलासंगपाय निंवपटोलमुत्थरसुंठमिलाय पारेतेंयहत्रिगुणामिलावै पीसरला-यषरलकरवावै शिलाजितपुनअष्टपलपाय पुनमिसरीपलअष्टमिलाय मघांवंशलोचनकर्कटश्रृंगी त्रि-सुगंधकरधात्रीफलसंगी कंटकारिफलमूलजुपाप वस्तूसवलेकूटपिसाय यहसमसूइकइकपलजान मधु-सोंगुटकेअच्चप्रमान प्रातनिहारगुटिकाकरपान अनूपानताकरोंवखान रसअनारदुग्धपहिचानो मदरा-कांजीवालषमानो इन्हअनूपाननसोंजोखावै पांडुकुष्टज्वरलिफमिटावै अर्शकामलाशोथविनाशै गलग्र-हगुल्मभगंदरनाशै कर्णदोषअरुवीरजदोष विषअरुउदररोगतैंमोष रुधिररोगमुखरोगविनाशै रक्तपि-त्तइत्यादिकनाशै

॥ अथत्र्यूषणादिलोह ॥

चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलाहलदीदोय फलनीलनीद्राक्षसंजोय मुत्थरइंद्रयवकौडमंजीठ चित्रागजपीपललषईठ मूर्वाशतावरिवायविडंग दोइकंड्यारिजवांहांसंग अवरजुदेवदारुतहदीजै भिलावेलेकरतासमिलीजै विशालापृष्टपर्णिपहिचान शालपर्णिवीजसुहांजरमान रहसनपाठाअवरकचूर स्वर्णमषीसबसमलेचूर अवरजुपावेयवकोद्दार वस्तूसवलेतामोडार सवतेंदुगुणलोहचूरणपावै गोमूत्रमोंपायपकावै यवप्रमाणगुटकाकरजास तंडुलजलसोंपीवैतास लिसलेंभागेपांडुरुकैसें ब्रह्मदंडतैंराक्षसजैसें अर्शप्रमेहकुष्टकृमिनाशैं ग्रहणीशोथजुगुल्मविनाशैं लिफभगंदरश्वासअरुकास उदररोगसबकरैविनाश दोहा पांडुचिकित्सायहकहीवंगसेनअनुसार आगेवरणोकामलासुनहोपुरुषउदार इतिपांडुरोगचिकित्सासमाप्ता

॥ अथकामलारोगनिदानलक्षणनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पांडुरोगतैंउपजहैकहैकामलातास अतशयपितकरवस्तुजोसेवैतांहिप्रकाश ॥ चौपई ॥ पांडुमांहिवहुपैतिकषावै मांसरक्तदग्धहोइजावै तवैकामलाउपजैरोग मनमोजानोसांचायोग तातेंभोजननाहिपचावै प्रघटकामलालक्षणगावै पीतवर्णसुखनेत्रनखजान पीतवर्णत्वकतासमुमान रक्तपीतविटमूत्रजुतास भेकवर्णतनतासप्रकाश निर्वलताअंगपीडाहोवै दाहअरुचभोजनकीजोवै वहुतपित्तरक्ताश्रयजान कोष्टकामलारहैंप्रमान इंद्रियसिथलजासकीहोय कामलालक्षणजानोसोय

॥ अथकामलारोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्साकामलासुनलीजैमनधार वैद्यचतुरजोइआपियेवरतेइहअनुसार ॥ चौपई ॥ जासदेहकामलालषावै प्रथमहिंरेचनतांहिकरावै पाछेअवरचिकित्साठानै वंगसेनयाभांतवषानै अथरसः ॥ चौपई ॥ त्रिफलेकारसभलैंकढावै वागिलोयरसलेयछनावै अथवादालहलदरसलीजै मधुमिलायकरप्रातहिंपीजै रोगकामलाहोइहैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथअंजन ॥ चौपई ॥ द्रोणपुष्पीकेरसकोंआन अंजनपावैप्रातसुजान रोगकामलातनतेंजावै होयआरोग्यमहासुखपावै ॥ अन्यच्च ॥ हरदलगेरीआमलेलीजै महीनपीसकरअंजनकीजै तालेंकामलारोगनसाय वैद्यग्रंथमतादियोवताय ॥ अथनसवार ॥ चौपई ॥ ककोडेजढकोंपीससंगावै प्रातसांझनसवारदिवावै होयकामलातातैंनाश रोगजायतनदुतीप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ रसफलजालनीघ्राणसेंपीजै नासकामलारोगकरीजै ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई गेरिहलदआमलेपावै तीनोकासमचूर्णवनावै प्रातसमयषावैतिसजोय रुजकामलानाशतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ गिलोयपत्रचूरणकरलीजै तक्रसंगपीजैदुखछीजै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई वचापत्रलोहचूर्णकरवाय तक्रसाथपीजैदुखजाय भातपथ्यछाछसोंषावै रोगकामलाभाग्योजावै ॥ अथआवलेह ॥ ॥ चौपई ॥ लोहचूर्णदोइहलदीपाय त्रिफलाकौडसमलेपीसाय मधुघृतसंयुतचाटैसोय नाशकामलाकोतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ हरडचूर्णमधुगुडजुमिलाय चाटेरोगकामलाजाय ॥ अथदशांगलोह ॥ ॥ चौपई ॥ किरायतातिक्तमुत्थसुरदार गिलोयदालहलदपुनडार कौडपडोलजुआंहाआनो त्रिफलात्रिकुटानिंवपछानो पित्तपापडाअवरविडंग यहसमचूर्णकरोइकसंग सबसमचूर्णत्रिलोहमिलावै स्वर्णरजतलोहालषपावै घृतमधुमेलसुगुटकाकीजै वलअनुसारतक्रसोंपीजै पांडुकामलाशोथप्रमेहु हलीमकग्रहणीअर्शहेरहु श्वासकासरक्तपित्तजावै आमवातअर्धांगमिटावै हृदयरोगव्रणरोगमिटावत कफज

रोगविद्रधीनसावत गुल्मअवररुजकुष्टविनाशै स्वेतकुष्टकोंदूरनिकाशै ॥ अथहरिद्रादिघृतम् ॥ चौपई ॥ हरिद्रात्रिफलावालाजुआन निंवलेहुसमचूरणठान मुलठघृतदुग्धमिलायपकावै वलअनुसारनित्यप्रतिषावै रोगकामलाहोवैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथगडूचीघृतम् ॥ चौपई ॥ गुडचीरसजुगुडूचीचूरण माहिषघृतमोंकीजैपूरण दुग्धचतुर्गुणपायपकावै नितषाइकामलामिटावै अथहरिद्रादिचूर्णम् चौपई दोइहलदित्रिफलासंगर्लीजे लोहचूर्णकौडसमकीजै घृतमधुमेलचूर्णयहखावै रोगकामलादूरकरावै

॥ अथअन्यच्चकामलालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफसंयुक्तवातजोजवै वाहिरापित्तनिकालेतवै तिसकोमूत्रपीतहोइजावै विष्टादांतस्वेतरंगथावै कवजअवरतनगुरुताहोय ज्वरअरुश्वासअफाराजोय अमलरूक्षकटुवस्तूतास हितकरताकोंकीनप्रकाश तीतरमोरमांसरसजान दशमूलकुलत्थरसहितकरमान ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साकामलावंगसेनअनुसार कुंभकामलावरणहोसुनलीजौचितधार इतिकामलारोगचिकित्सासमाप्ता

॥ कुंभकामलालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वहुतकालकरतनजुकठोर कुंभकामलातवहोएघोर ताहिअसाध्यकामलाजानो विष्टामूत्रस्याहप्रगटानो अथवापीतवर्णहोइजावै लोचनमुखवालालदिखावै दाहअरुचतृष्णाप्रगटावै कामक्रोधवेगहोइआवै अग्निसकलउरनाशैजवही कामलानाशैनरकोंतवही अरुजवश्वासकासप्रगटावै विष्टापतलीपीतलषावै कुंभकामलावालाजेऊ तवहीनष्टहोतहैतेऊ

॥ अथकुंभकामलाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जेऊचिकित्साकामलाकही कुंभकामलाकीसोसही अथशिलाजितचूर्णम् चौपई शिलाजितकोचूरणवनवावै मूत्रधेनुसोंतासपिवावै कुंभकामलाहोवैनाश वैद्यकग्रंथनकियोप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ पुरातनडलीमनूरमंगावै अष्टवारिसोतप्तकरावै करकरतप्तगोमूत्रहिंपाय चूरणकरमधुसाथमिलाय वलअनुसारतांहिनितषावै कुंभकामलानाशकरावै इतिकुंभकामलाचिकित्सासमाप्ता

॥ अथकामलारोगकर्मविपाकमाह ॥

अथकामलारोगदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥ अथकारणम् ॥ चौपई ॥ जोजनभातचुरावैजाई तिसेकामलारुजप्रगटाई तांकोकहोंउपायसुनाय जैसेकर्मविपाकजनाय ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ रूपेकोइकगरुडवनावै स्वर्णपक्षतांकेवनवावै चूनियोंकेदोनेत्रलगाय भातशाकातिसनिकटरषाय स्वेतवस्त्रऊपरओढावै गरुडमंत्रसोंहवनकरावै विधिसोंकलशउपरतिंहजजै विश्नुआवाहनकरतांकोभजै कुंभजलहिंमार्जनजुकरेय करसंकल्पविप्रकोंदेय रोगकामलाहोवेनाश स्वस्तिहोयतनदुतिपरकाश ॥ दोहा ॥ दोषकामलारोगकोकारणकह्योउपाय पांडुरोगकेदोषकोंभाषोंसवहिंसुनाय ॥ इतिकामलारोगकर्मविपाकःसमाप्तः ॥

॥ अथकामलारोगज्योतिषम् ॥

॥ दोहा ॥ चंद्रशुक्रजुगएकठेहौनाकिसीघरमाहि औरअधिकातिनग्रहोंपरशुक्रदशाभीआहि अधिकव्याधितिहनरकरेंनानारोगविकार तवप्राणीकोअवश्यकरकामलरोगअपार चंद्रशुक्रपूजनकरैनिश्चयमनमोधार सर्वव्याधिसंकटहरैकरैजुयेहिविचार ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथहलीमकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अवरहलीमकपांडुमंझार प्रगटतहैसोकरोंउचार जवैपांडुरोगीकोअंग हरतश्यामपी-तहोइरंग वलउत्साहरहितहोइजावै तंद्रानिद्रावहुप्रगटावै मंदमंदज्वरहोवैजास इस्त्रीसंगकीइछानाश अंगसमस्तटूटनेलागें तृषाअरुचभ्रमतनमोंजागे तवैहलीमकरोगपछानै वातपित्ततैंउपज्योमानै ॥ दोहा ॥ कह्योकामलाकुंभकामलाअवरहलीमकजान कहोंचिकित्साइन्हनकीसुनहोपुरुषसुजान

॥ अथपानकीलक्षणम् ॥

चौपई भन्नविटहोवेनरसंताप अंतरवाहिरशीतसुव्याप पीतवर्णहोयनेत्रमोंरोग पानकीलक्षणजानैलोग

॥ अथपानकीअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जंघपादभुजशोथगुदलिंग कृशहैमध्यअतीसारजुसंग ऐसोनरमृतितुल्यपछानो असा-ध्यसुलक्षणपानकीमानो ॥ इतिपांडुकामलादिरोगनिदानलक्षणम् ॥

॥ अथहलीमकरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ रोगहलीमककीकहोसुनोचिकित्सासोय यहउपायजेऊकरैनाशहलीमकहोय ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ लोहचूर्णमोंमुथरपावै वैरतोयसोंताहिपिवावै रोगहलीमकहोवैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ सितामुलट्ठवलात्रिफलाय तिक्ताहलदीदोयपिलाय मधुअरुघृतमि-लायसोऊखावै रोगहलीमकदूरनसावै वातपित्तहरअन्नअरुपान खावैपीवैपुरुषसुजान पांडुकामलाऔ-षधजेती रोगहलीमककीलषतेती ॥ अन्यच्च ॥ रसगिलोयचूर्णजुगिलोय रोगहलीमकहरलषसोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ हयमारअवरघृतसाथपिलावै दुग्धचतुर्गुणपायपकावै रसअरुचूर्णगुडू-चीपाय यथावलखायहलीमकजाय ॥ इतिहलीमकरोगचिकित्सासमाप्ता ॥

अथपांडुकामलाकुंभकामलाहलीमकपानकीरोगेसामान्याचिकित्सानिरूपणम् ॥ दोहा ॥ सामान्यचि-कित्साकोंकहोंसोसुनलेहुसुजान पांडुकामलाकुंभकामलाअवरहलीमकहान ॥ अथकाथः चौपई दालह-लदकिरायताजानो रेठेकीजढनिंवपछानो अरुपुनर्नवाहरडमिलावो यहसमकाथवनायपिलावो पांडुका-मलाहोवेनाश शोथश्वासरुजकरैविनाश ॥ अथनवायसचूर्णम् ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटामुत्थरविडंग अवरहुंचित्रामेलोसंग यहसमचूर्णकरोवनाय नवगुणलोहचूर्णसंगपाय तक्रसाथवागूत्रसंग वामधुघृतसों भक्षरुजभंग पांडुकामलाहृदकोरोग कुष्टशोथहरलषहैलोग अर्शभगंदरकृमिकोंनाशै जराहरैअरुअरुच-विनाशै इंद्रयसकलशुद्धहोरहे नवायसचूरणनामयोंकहे ॥ अथमंडूरवटिका चौपई पुनर्नवात्रिकुटात्रि-वीविडंग दालहलदचित्राधरसंग त्रिफलाहलदीकुट्टामिलाय दंतीचवकमुत्थरकौडरलाय पुनकालिंगअरु-पिपलामूर यहसवपलपलदुगुणमनूर यहमिलायसवचूर्णकरेय आढकअर्धगोमूत्रधरेय मंदअग्निकरता-हिपकावै घणाहोयवटिकासुवंधावै तक्रमिलायजुवलअनुसार नितखावेहोइरहितविकार पांडुप्लीहवि-षमज्वरनाशें अर्शकुष्टकृमिशोथविनाशै संग्रहणीकामलानिवारै अवरहलीमकरोगविडारै अथमहतुमं-डूरवटिका चौपई त्रिफलात्रिकुटामुत्थरविडंग चित्राचवकत्वकमेलोसंग दालहलदपुनलहुसुरदार पि-पलामूलस्वर्णमषीडार यहऔषधदोइदोइपलजान दुगुणमंडूरचूर्णतिंहठान अष्टगुणागोमूत्रमंगावै मंडू-

रचूर्णतिंहमाहिपकावै पाछेतेंसबचूर्णमिलाय वटिकाकर्षतुल्यवनवाय नित्ययथावलखावैतास पांडुकु-ष्टशोथहोइनाश ऊरूस्तंभकफरोगमिटावै अर्शकामलादिकनरहावै प्रमेहप्लीहरोगयहदहै पांडुरुजी-कोंप्राणदअहै ॥ अथनिंवादिगुटिका ॥ चौपई ॥ निंवपडोलकोगडमुथनागर त्रिफलाअठअठ-पलचूर्णलेकर आढकजलमोंताहिपकावै पादशेषशीतलकरवावै अठपलशिलाजीतकोचूरण तामोंम-लकीजियेपूरण पात्रपायइकमासप्रयंत भूमीगाडरखैलषतंत पुनानिकासयहचूर्णरलावै सुनहोभिन्नभि-न्नसुवतावै धात्रीफलकंड्यारीआनो ककडशृंगीमोचरसठानो त्रिफलावंशलोचनत्रिविजान अठअठ-पलइन्हकोपरिमान नीकेंपीसकरोइकसंग मधुमिलायनितखायअभंग वलअनुसारदुग्धसोंखावै पांडु-कामलाशोथमिटावै अवरहुंज्वरकोकरहैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश.

॥ अथमंडूरगुटिका ॥

॥ चौपई ॥ त्रिफलामुथरविडंगपिसावै षडूषणदेवदारसुमिलावै सममंडूरअग्निपकवाय सातवा-रगोमूत्रहिंपाय पुनपीसैसबचूर्णमिलावै मूत्रअष्टगुणपायपकावै अत्नअत्नगुटिकापरिमान इकइकदि-नप्रातिकरहैपान पांडुकामलादिकदुखजावै रोगनाशतनसुखउपजावै ॥ विभीतकादिगुटिका चौपई ॥ वहेडेसुंठलोहकोचूरण समलेपीसकरैसबपूरण तिलगुडमेलतक्रसोंखावै अतिहीवृद्धपांडुमिटजावै ॥

॥ अथमंडूरवज्रगुटिका ॥

॥ चौपई ॥ पंचकोललेवैहितमान पांचनामसुनकरोंवषान पिपलीपिपलामूलपछानो चित्राचव-कसुंठपुनमानो त्रिफलादेवदारुसुनलीजै मरचांहिंगुमुथरसंगकीजै यहसवतीनतीनपलजान मंडूरसब-नतैदुगुणप्रमान मंडूरअष्टगुणमूत्रपकावै सघणहोयतवचूर्णमिलावै अन्नप्रमाणगुटिकावंधवाय तक्रस-हितखावैदुखजाय पांडुअरुचमंदाग्निविडारै अर्शशोथसंग्रहणीटारै ऊरूस्तंभहलीमकनाशैं कृमिप्लीह-कामलाविनाशैं उदरकंठकेरोगनिवारै मंडूरवज्रकायहगुणधारै मंडूरजहांजहांलिखियाहोय तहांतहां-प्रथमसाधलेसोय अष्टपुठगूतरकीदीजै पुनसर्वत्रसंयुक्तकरीजै हैसर्वत्रयहगूत्रप्रमाण अष्टगुणाऔषध-तैंजाण विडंगादिलेहः चौपई वायविडंगमघांत्रिफलाऊ दालहलदपुनलहुत्रिकुटाऊ लोहचूर्णयहसब-समलेऊ मधुघृतमेलकरोअविलेहु प्रातसमयउठयाकोंचाटै पांडुकामलादिकरुजकाटै आमलक्यादि-लेहः चौपई ॥ फलवापत्रपीडद्रोणपरिमान रसआमलेनिकालसुजान तासमतक्रताहिमेंपावै मृदुल-अग्निसोंताहिपकावै पाछेंयहसबऔषधपावै पीसमहीनकरतासरलावै प्रस्थएकमघपीपलजान दोइप-लतहांमुलट्ठीठान द्राक्षमुनक्काप्रस्थजुएक आद्रकदोइपललषोविवेक वंसलोचनपलदोईल्यावै चूरण-करतिसमाहिरलावै अर्धतुलशरकरामिलाय मंदअग्निसबपायपकाय घणाभयोसोजानैजवै मधुइक-प्रस्थमिलावैतवै पलप्रमाणनितचाटैसोय पांडुहलीमककामलाषोय ॥ अथषदिरलेहः ॥

॥ चौपई ॥ खदिरक्राथप्रथमहिंवनवावै तासमध्ययहचूर्णमिलावै वलासुतिक्कामिसरीजान त्रिफला-अवरमुलट्ठीठान लोहचूर्णअरुमुत्थरविडंग अवरशिलाजितलेतिहसंग दोनोहलदीसमपीसावै क्राथमां-हियहसबीमिलावै मधुघृतपायनित्यप्रतिचाटै पांडुहलीमककामलाकाटै ॥ अथकल्याणगुडः ॥ चौपई मघांपिप्पलामूलअनावै मरचांचित्रासेंधापावै अजवायणत्रिफलाजुविडंग धनियांअजमोदाधरसंग वदरीफलगजपीपलपावै चूरणपीसमहीनरलावै यहसबऔषधपलपललीजै त्रिवीपांचपलजानपतीजै

घृतअरुतैलअष्टपलपावै धात्रीफलरसप्रस्थमिलावै गुडपंजाहपललेहसुजान मंदअग्निसोंकरोपकान वलअनुसारखायसुविहान पांडुकामलाज्वरकीहान अर्शप्रमेहकुष्टहोइनाश हृदरोगचर्दग्रहणीहरश्वास ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ पुनर्नवानिंवभूनिंवगिलोय सुंठपटोलहरडसंजोय दालहलदयहसबसमपावै करैकाथपरभातपिलावै पांडुकामलाकासअरुश्वास सर्वांगशोथशूलहोइनाश उदररोगसबहोवैंदूर वलकरैहैगुणयामोंमूर ॥ दोहा ॥ पांडुकामलाकुंभकामलाअवरहलीमकजान जेऊचिकित्साइन्हनकीसोऊकरीवषान ॥ इतिपांडुकामलादिचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथपांडुरोगेकामलारोगेपथ्यापथ्यम् ॥

कुंभकामलाहलीमकरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥ दोहा ॥ पांडुकामलापथ्यअपथ्यवरणोभलीप्रकार वैद्यसुग्रंथविचारकैसोसवकरोंउचार ॥ अथपथ्यम् ॥ चौपई ॥ वमनविरेचनइटासिटजानो द्रोणपुष्पीवूटीपहिचानो यवचावलअरुकणकपुरानी मुंगमोठमसुररसजानी वृद्धकूष्मांडलषलीजै पटोलगिलोयसुजानपतीजै कदलीफलनवीनलषलेहु शाकचुलेरीपथसुनएहु जसुणगंढेहरडकंदूरी वनवृंताकसमुभ्कुजिसपूरी कक्कडश्रृंगीहलदीजान धात्रीफलजुभिडंगीमान तुषजलतक्रतैलसुनमीत घृतमनूरकुंकमनवनीत कांजीअरुयवक्षारपछानो पथ्ययाहिकेयहमनमानो अरुजिन्हठौरनदागादिवावै सोसवठौरनकोंजोंगावै गुल्फचरणसंधकरमूल अरुस्तनमस्तककंठकेकूल अरुकुक्षिनकेमध्यपछान इन्हठौरनमोंदागप्रमान ॥ दोहा ॥ पांडुकामलापथ्यसवभाषैग्रंथविचार अवअपथ्यवरणकरोंसुनहोपुरुषउदार अथअपथ्यम ॥ चौपई ॥ रक्तमोक्षअरुधूमरपान रोकनवेगवमनपुनमान मैथुनस्वेदनिंवहिंगुलहिये पत्रशाकषलसरषपकहिये मृतिकाभक्षणदिनकोसोन तीक्षणवस्तुभक्षणवहुलोन पानपात्रअरुसबषटेयाई विरुद्धअन्नजलवस्तुविदाही गिरिविंध्याचलसह्ययहदोय इन्हपर्वतनदियनकोतोय अरुजोभारीवस्तुकहावैं अपथ्यपांडुकामलालषावै ॥ इतिअपथ्यम् ॥ दोहा ॥ पांडुकामलादिकनकोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्सापथ्यअपथ्यनीकेंकीवषान ॥ इतिपांडुकामलादिरोगेपथ्यापथ्यंसमाप्तम् ॥

॥ अथपांडुरोगकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणम् ॥ चौपई ॥ नरहोइपरदारारतिजोय ताकोंपांडुरोगतनहोय तासनिवारणकहोंउपाय सुनलीजैअपनोचितलाय ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ त्रैपलरजतपृथ्वीवनवावै मध्यचतुर्भुजमूर्तिलिषावै वामेहस्तकलशलिखवाय दक्षिणहस्तकमलधरवाय सप्तसमुद्रतिसचारोओर पुननवरत्नधरैतिनठौर द्वादशपलकांस्यपात्रवनाय तामोंसोपृथिवीधरवाय पुनलक्ष्मीआवाहनकरै विधिसोंपूजैश्रद्धाधरै हवनकरायविप्रकोंदेय आपहिंदोषमुक्तिलषलेय ॥ दोहा ॥ पांडुरोगकेदोषकोंवरणयोभलीप्रकार कारणसोथअवरोगकोंताकोंकरोंउचार ॥ इतिपांडुरोगदोषकारणउपायःसमाप्तः ॥

॥ पांडुरोगज्योतिषम् ॥

॥ दोहा ॥ अष्टमघरमोशनिपडेसिंघराशिमोचंद पांडुरोगकरसोइनरपीडितहोवैमंद छायासुतपूजनकरेऔरचंदजपहोम समाधानपूर्वजुकहेकरैदानजपहोम ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथान्यप्रकारपांडुरोगकथनम् ॥

॥ चौपई ॥ पांडुरोगकामलाकहिए यरकांननांममतफारसलहिए चारभेदकाजांनोसोई वातपित्तक-रमांनोदोई तीसरजलसंजोगतेंजांनो चौथाअन्नपचअन्नपछांनो गर्मवस्तुअतिहींनरखावे पांडुरोगता-हिप्रघटावे पीतनेत्रलच्छणपहचांनो सकलदेहजरदीपरमांनो तरखरबूजाखीराहोई इनकेबीजसदाहित-सोई हिंदुआनानित्यप्रातनरखावे जाविधपांडूरोगहटावे दूधभातनरखावेसोई भेडदूधवागोकाहोई ताजीमिठीछाछखुलावे आगेऔषधकरसुखपावे विलकतथमंगायनीरमेंपावे मलेसोइजलनाकचढावे ऊपरखैंचचढावेकोई दिमागजपित्तदूरसबहोई पुटकंडेकीजढमंगवावे ढाईतोलेदर्दकरावे चारसेरज-लकाथचढाय आधसेरजवहींरहजाय मलेप्रातपीवेनरसोई ऊपरछाछपानहितहोई पुटकंडेकीजढमंग-वावे जढपन्हींजढहींसमिलावे सतसतमासेकाथचढाय मिसरीमेलप्रभातपिलाय कंडेआरीछोटीके-फललीजें रसनिकालसोईनेत्रनदीजें पीलाजलनेत्रनतेंआवे वमनदस्तकरदोषहटावे भेददूसराउौरपछां-नो आंमवातनामाकरमांनो शरीररुधिरघटजावेसोई श्वेतरंगकछुपीलाहोई आंमवातताहीकरजांनो वहुताकरनारिनकोमानो छोटीउमररतीमनलावे ताकरअधिकरुधिरनिकसावे अथवाआर्तवसमाजो-होई ताछिनअतिजलपीवेसोई अथवागर्भवतीजोजांनो सुपारीमिटीसेवनमांनो षटेआईखायगर्भके-पाछे आमवाततिसहोवतआछे ताहियतनऐसामनभावे प्रथमदेहपरसूईचुभावे चलेंरुधि-रतवयतनपछांनो रुधिरनहींतोअसाध्यवखांनो ॥ पवंगकछंद ॥ मखूखीतोलेसातमारकरलीजिए छाछसंगचुपचापताहुकोदीजिए रोगीलखेनभेदवहांनाठानिए परहांहकींमेंपांडूहोवेदूरसत्यमनमा-निए विछकलजीवसुकायसुचूरनकीजिए दसमासेनितप्राततताहुकोदीजिए सीतलजलअनुपांनप-थ्यमनठानिए परहांहकींमेंपांडूहोवेदूरसत्यमनमानिए ॥ चौपई ॥ पुरातनमललोहेकीहोई अग्नीवीचतपावेकोई गोमूत्रकेवीचवुझावे सातवारविधऐसीभावे तौफुनिचूरनकरिएसोई घृतमखी-रसंगसेवेकोई ऊपरताजीछाछपिलावे पांडुरोगनिश्चयहटजावे पथ्यमुंगघृतदीजोसोई विनापथ्यदुख-दूरनकोई गोमूत्तरमणएकमंगावे चाढअगनपरसोगडकावे वृक्षवारनाछिलकालीजें वावडिंगहलदी-संगदीजें दारुहरदलचित्राल्यावे त्रिफलायारइंद्रजौपावे पिप्पलामूलभागसमलीजें चौगुणमललोहे-कीदीजें पुरातनमलजोऐसीहोई सौवर्षतेंऊपरसोई चूरनपीसमहीनवनावे गोमूत्तरकेवीचरलावे घृत-मखीरताहींसंगहोई गडकायसघनकरराखोसोई तोलाढूडछाछसंगखावे पथ्यमुंगघृतपांडूजावे इला-चीमघसुंठीमंगवावे दसदसमासेपीसरलावे नौतोलेमिसरीसंगहोई फुलादभस्मत्रैतोलेसोई छेमासे-नितचूरणखावे रातप्रातपांडुदुखजावे वांसात्रिफलाकौडमंगावे छिलकानिंवगिलोईपावे किरायता-मेलभागसमहोई साडेत्रैत्रैमासेसोई चारसेरजलपायचढावे दिनइक्कीकरकाथपिलावे लोहाएकसेर-मंगवावे तपायछाछकेवीचवुझावे आठपहरराखेनरसोई प्रभातसमेउठपीवेकोई प्रतिदिनछाछसेरइ-कजांनो पांडुदूरशीघ्रसुखमांनो पारासिलाजीतमंगवावे सोनमखीभसलोहेकीपावे वावडिंगहरड-संगपाय लेसमऔषधपीसवनाय गोघृतमासेसातमंगावे तोलाढूडमखीरमिलावे तासंगचूरणसेवन-करिए निश्चयकरपांडूदुखहरिए सज्जीखूपमहीनपिसाये घडेवीचजलपायरलावे चाढअगनगडकावै-कोई निर्मलजलपीवैसुखहोई दिवसतीनलगऐसाकरिए पांडुरोगताहीछिनहरिए भेदतीसरापांडुहो-ई वातकोपकरकालासोई तिलीस्थानचौलर्फाजांनो भाराहोवेलच्छणमांनो पीडारहेकलेजमांही का-

लारुधिरनिर्वलीताही कालारुधिरकलेजेहोई तिलीस्थांनपहुंचेजवसोई पचेनाहिनिर्वलताजांनो कृष्ण-
पीतरंगदेहीमानो लक्षणपीडकलेजेआवे वासलीकतेंरुधिरछुडावे विनपीडाजोपांडूहोई आगेऔष-
धसुनिएसोई त्रिफलाजीरालूणमंगावे पौनेदोदोमासेपावे थोडासंगमुसवूरहोई चूरणजलसोंसेवेकोई
वातजपांडूदूरहटावे निश्चयगुणकरसुखउपजावे रत्तीएकसुहागालीजें मिसरीसंगभुंनकरदीजें सातदि-
वसतकऐसाकरिए पांडूरोगताहिछिनहरिए अनपचभोजनहोवेजवही पीतरंगनेत्रनकातवही काला-
रंगमूत्रकाजांनो हिंदीनामहलाकपछांनो वमनदस्तसोहोवतनाहीं असाध्यरोगमारकहैतांही औषध-
त्रैदिनएकनकीजें तृषाहोएजलतत्तादीजें तौफुनिपिप्पलमूलमंगावे हरडकौडमुस्थरसंगपावे साडेत्रैत्रै-
मासेहोई करेकाथपुनलीजोसोई त्रिवीपीसदोमासेपावे पीवेपांडूदोषहटावे वडकेपत्रमंगावेकोई
उवालपेटपरवांधोसोई दिवसतींनलगऐसाकरिए दस्तहोतदुखपांडूहरिए पथ्यमुंगघृतदीजोताही
तापदेखघृतदेवेनाही पित्तपापडाइमलील्यावे नागरमोथावालापावे साडेत्रैत्रैमासेहोई करेकाथपी-
वेनरसोई चारसेरजलक्काथचढाय आधसेरजलपीवेदुखजाय पथ्यमुंगरसदीजोसोई आगेभेदऔरइक-
होई देसांतरजलपींवेकोई अतीनीरसंगपांडूहोई गिरिफतगीआवनामसोकहिए पीलारंगदेहकालहि-
ए नेत्ररंगपीलानहिहोई पित्तजऔषधकरिएसोई रोगकामलाऐसाजांनो जोदेखसेबपीला मांनो मुस-
वूरजढजलपायवसावे ताछिनवीचनासिकापावे वाहिंगूजलपायघसावे नेत्रपायदुखदूरहटावे
नित्यआंमलेखावेकोई रोगकामलानाशेंहोई कौडीतोरीकारसल्यावे वीचआमलागुलीघसावे नेत्रवीच-
अंजनहितहोई वावंदालवीजलेसोई वहुतवारनेत्रनमेंपावे रोगकामलाशीघ्रहटावे ॥

॥ रोगमांसभक्षक ॥

॥ चौपई ॥ तीक्ष्णपित्तहोतहैजाको रोगमांसभक्षकहैतांको कदीकिसीकोऐसालाहिए अकसःगो-
शतृखोराकहिए किसीजोडकेपट्ठेहोई पडेतहांप्राततकसोई पैसाभरमांसप्राततकखावे मारकरोगअ-
साध्यकहावे औरयत्नमतेकरडाताहीं वैद्ययतनधारेमननाही जेकरतांकीआयुषहोई करेयतनहटजावे-
सोई प्रथमदाघगिरदेपरलावे ताहियत्नमपरमलहमभावे सिरकानीरमिलावेकोई धोवेखूपलेपफुनिहोई
हरतालकलीचूनामंगवावे पीसमोमघृतसंगरलावे करेलेपताछूपरसोई विनादाघऐसाहितहोई तैलग-
र्मकरऊपरपावे विनादाघऐसेहटजावे जोडमांसभक्षकजोहोई काटेतांहिशीघ्रसुखसोई नातरनित्यमांस-
कोखावे विनकाटेजीवननहिभावे । इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांपांडुरोगाऽधिकार-
कथनंनामसप्तत्रिंशोऽधिकारः ॥ ३७ ॥

॥ अथशोथरोगनिदानम् ॥

॥ दोहा ॥ शोथनिदानवषानिहोंसोहैनवपरकार ताकेभेदसमस्तजेकरेनिदानउचार ॥ चौपई ॥ वातदोषदुष्टजवहोई दुष्टरक्तपित्तकफलेसोई वाहिरनाडिनकरतप्रवेश धारिढजिसेकोपकोवेश रक्तपित्तकफरुकपंथान दुष्टवातदोषसोऊजान त्वचामांसमोप्रविशेआय त्वचामासकोंवहुतफुलाय शोथनामतांहूंकोभनैं भेदतासनवविधियोंगनैं

॥ अथनवभेदशोथवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ वातजापित्तकफजपछानो दोदोदोषजषट्सोमानो होयत्रिदोषजसप्तममान अष्टमअभिघातनतेंजान नवमभेदविषकरलषलीजै ऐसेंशोथनवभेदकहीजै

॥ अथशोथपूर्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ एकस्थानऊपरविस्तार नाडीमिलसबकरेंसंचार उपतापरहेअंगभारीभासें योंनिदानशोथपरकाशैं

॥ अथशोथकारणम् ॥

॥ चौपई वमनविरेचनज्वरतेंजानो अभोजनकृशनिर्वलदेहीमानो क्षारउष्णअमलतीक्ष्णभारी इन्हकोसेवेजोनरनारी इन्हकारणतेंसोजापरै शाकभक्षणभीसोजाकरै दधिअपक्कअन्नवहुपावे अरुमाटीभक्षणउपजावे अन्नविरुद्धनएजलपीवे विषभक्षेसोजातिसथीवे अवरहुंअर्शरोगाजिहंहोय अरुविनचेष्टाहैनरजोय ऐस्योकोंभीउपजेसोज समभ्रमहोयहमनमोंषोज जाकीदेहअशुद्धलहीजै वमनविरेचनयोग्यकहीजै वमनविरेचननाहिंकरवावे तांकोंशोथप्रगटहोइआवै मर्ममांहिताडनलषपैये ताहिशोथउपजेयोंलहिये काचोगर्भपातजिसनारी सोभीहोवेशोथविकारी वमनविरेचनमांहिअपथ्य जोकरहैतिसहोइलषतथ्य.

॥ अथशोथसामान्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अंगमेंगौरवअवरसंताप रोमहर्षकृशनाडींथाप ऊचोहोयअनेकस्थान सामान्यलिंगयोंशोथप्रमान चित्तास्थि तीरहैनहितिसको रूपविवर्णहोयतनाजिसको.

॥ अथवातजशोथलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ षह्रुरीपतलीत्वचाजुजास लालश्यामरंगहोइप्रकाश स्पर्शवस्तुकोहोइअज्ञान रोमहर्षविनकारणहान अरुसोजेकोमलैंदवावे तौकछुशोथशांतिकोंपावे पीडाकरेचलितरहेजोय ऐसेलक्षणजासमेहोय रात्रिनिर्वलदिनकोंवलवान वातजशोथचिन्हयहजान

॥ अथवातजशोथचिकित्सा ॥

चौपई वातजशोथजासतनहोय करौचिकित्साऐसेंसोय त्रिवीअर्धमासलगसोऊ पावैवातशोथहतहोऊ पुनएरणकोतैलपिलावै वासमतीसहदुग्धषवावे वारसमांससाथपथदेय मर्दनलेपस्वेदहिततेय ॥ काथः ॥ चौपई सुंठइरंडइटासिटपंचमूल इन्हकोक्काथकरैसमतूल पानकरावैवातजजाय वंगसेनमतऐंसेगाय

॥ पित्तजशोथलक्षणम् ॥

चौपई मृदुलहोइवहुखेंदजुकरै लियेंश्यामतापीतरंगधरै गंधतृषामददाहसमेत श्रमज्वरखेदसहितलख-भेत स्पर्शकरणतेंपीडामाने शोथपित्तकेभेदवखाने नेललालपाकतनहोय पित्तजशोथचिन्हलषसोय

॥ अथपित्तजशोथचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पित्तजशोथजिसेलखपावै तासचिकित्साश्रैसेंगावै न्यग्रोधादिगणसंगघृतपकावै पित्तजशोथीकोंसुपिलावै अरुपुनदुग्धकरावैपान तृषादाहशोथकीहान अरुहोवेजुमोहकोनाश जान-लहोयहकीनप्रकाश ॥ क्काथः ॥ चौपई ॥ तृषादाहमोहजिसहोय क्काथत्रिफलागिलोयपियेसोय ॥ चूर्णम् ॥ त्रिफलाचूर्णगूत्रकेसंग पीवैहोयशोथरुजभंग सीतललेपनहिमकोपान पित्तशोथमें-कियोप्रमान ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ जासउदरपरशोथलषावै श्रैसेंतासउपायवतावै महिषी-मूत्रसक्षदिनपान सदुग्धपथ्यखावैरुजहान जलकीपानकरैनहिंसोय शोथउदरनाशतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ ऊठणिवकरीमूत्रजुपीवै उदरशोथनाशतवथीवै

॥ अथकफजशोथलक्षणम्

॥ चौपई ॥ स्थिरअरुभारीशोथपछान पांडुवरणमुखलालांमान निद्रावहुतअरुचितासंग मंदअग्नि-होइवमनअभंग वलकरजोकोऊशोथदवावै निवेनहींकाठिनदरशावै दिनानिर्वलरात्रहिंवलवंत कफज-शोथकोयहविरतंत चिरकरउत्थितचिरतेंनाश कफकाशोथकियोप्रकाश

॥ अथकफजशोथचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ तजअर्कसुहांजणाजान नक्तमालपुनतामोंठान दालहलदअरुअमलतास सवहीसम-लेपीसेतास गूत्रमिलायलेपसोकीजै कफजशोथताहींतेंछीजै ॥ अथक्काथः ॥ चौपई ॥ दालहलदनिंव-त्रिफलाय पटोलपाययहक्काथवनाय गुगुलपायताहिकोंपीवै पित्तकफजशोथहतथीवै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई अमलतासकेक्काथमंझार पीवैतैलएरंडकोडार कफजशोथनाशतवहोय निश्चयश्रानोमनमैंसोय जांमे-दाग्निशोथमोंलहिये निंवक्षारसमचूर्णवनैये मद्यतक्रगोमूत्रहिसंग पीवैहोयमंदाग्निभंग ॥ अन्यच्च चौ-पई पुनर्नवासुंठीत्रिवीगिलाय अमलतासपुनहरडसमोय देवदारुसमक्काथजुकीजै अथवाचूर्णगूत्रसोंपी-जै चूर्णगुगुलुसाथपछान क्काथपांनकरहैदुखहांन अन्यच्च त्रिकुटात्रिवीकिरायतापावे लोहचूर्णअरुकौड-रलावै पीसमहीनकरचूरणठानो त्रिफलारससोंपीसुखमानो होवेकफजशोथकोनाश निश्चयश्रानोमन-मोंतास ॥ अथचूर्ण चौपई हरडेंकेवलचूर्णकीजै गोमूत्रसोंताकोपीजै होवेकफजशोथकोनाश ताकोगु-णयोंकीनप्रकाश अन्यच्च चौपई विडंगसुंठसुरदारुपतीस वरचइंद्रयवसमलेपीस उष्णतोयसोंअक्षप्र-मान पीवेमरचसहशोथकीहान ॥ अन्यच्च चौपई पुनर्नवाकेवलचूर्णकीजै उष्णतोयसोंताकोंपीजै हो-वैकफजशोथकीहान यहअपनेमननिश्चयठान ॥ अन्यच्च चौपई थोहरदुग्धसोंमघांभिगावै हरडामिला-यगूत्रसोंखावै कफजशोथनाशतवहोय निश्चयश्रानोमनमोंसोय.

॥ अथपुनर्नवाअवलेहः ॥

॥ चौपई ॥ पुनर्नवासुरद्रुमअरुदशमूल गिलोयलीजियेयहसमतूल इन्हकारसआढकपरमान आद्रकरसप्रस्थइकठान तुलाप्रमाणगुडपायपकावै सिद्धहोयपुनचूरणपावै तजपत्रदालचीनीअरएला मुस्थरकर्षकर्षकरमेला शीतलकरैकुडवमधुपावै वलअनुसारहिताहिचटावै कफजशोथकोहोवैनाश अरुचअरुकासश्वाससुविनाश वलअरुपुष्टदेहप्रगटावै मंदअग्निहरअग्निवधावै

॥ अथद्वंद्वजत्रिदोषजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दोदोदोषकिचिन्हलषैजहां शोथदुदोषीलषियेतहां जहांत्रिदोषलिंगलषपैये शोथत्रिदोषजताकोंकहिये

॥ अथआमजशोथलक्षणम्

चौपई हृदयअशुद्धक्षुधाकोनास गौरवजठरतंद्राहोयतास शयनादिदोषतेंउत्पतहोय संयुक्तआमतुमजानोसोय

॥ अथआमजचिकित्सा ॥

॥ चौपई आमजशोथजासलषपरै लंघनपाचनशोधनकरै तातेंशोथहोतजोनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश

॥ अथद्वंद्वजत्रिदोषजशोथचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मघपीपलगजपीपलआन जीराकंड्यारीलेठान चित्राहलदीपिपलामूल पाठामुत्थरसुंठसमतूल चूर्णउष्णतोयसोंपान त्रिदोषजशोथनाशकरजान अरुबहुचिरकाशोथनसावै यहनिश्चयनिजमनमोंल्यावै ॥ अन्यच्च चौपई । किरायतासुंठसमचूर्णकरै आद्रकपानपत्ररसधरै दोनोसमरससोकरपान त्रिदोषजशोथहरनयहमान दुग्धसाथपथ्यपुनखाय शोथत्रिदोषजभाग्योजाय ॥ अन्यच्च चौपई त्रिकुटासोंचलदोइसमभाय पीसेमधुकेसाथमिलाय अल्पउष्णकरएरणतेल ताकेमध्यकीजियेमेल प्रातहिंउठनितताकोंखाय शोथत्रिदोषजनाशकराय दुग्धभातयहपथ्यखुलावै रोगनाश्यातेंलषपावै

॥ अथअभिघातशोथलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दंडादिकताडनकरजोय शस्त्रादिकाछिदभिदक्षतहोय सामुद्रपवनजुहिमालेपवन जासदेहमोंइहजोलगन कपिकछूभल्लातकजान रसशूकस्पर्शजुइनकोमान तातेशोथप्रगटहोएजोय शोथक्षलितजानोतुमसोय लालवर्णजुहोवतदाह पैत्तिकलक्षणलषिएताह तिंहअभिघातशोथपहिचानो विषजशोथसुनहोजुवषानो

॥ अथअभिघातजशोथचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सुंठपुर्ननवाअरुसुरदार अरुदसमूलसुहांजणाडार पीसउष्णकरलेपलगावै अभिघातजशोथसमस्तमिटावै

॥ अथविषजशोथलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ विषसंयुक्तजीवकेकैसें तनपराफिरेंसोजकरअैसें कैतेंतनपरमूत्रेंसोय तिन्हकेमूत्रशोथतनहोय अवरकितेविषजीवकहावें दाढदंशकरशोथउपावै नखक्षतकसोंसोजाकरै अैसेंजीववहुतलषपरें विषतेंरहितजीवजोजाने नखदंतदंशजिनकेभीमाने विष्टामूतवीर्यमलजिन्हकी वस्त्रमिलतहोवै

जोतिन्हकी सोइवस्त्रपहिरेजनजोय तिंहभीशोथप्रगटतनहोय कईजुवृत्तगुल्मविषधारी तिन्हकीवात- स्पर्शदुखकारी वातस्पर्शताशोथउपावैं केवलविषभीशोथजनावैं काचेअन्नकोजंहअस्थान क्रुद्धदोषजों- तंहप्रगटान ऊर्द्धभागदेहीकोजोऊ सोजाप्रगटावतहैंसोऊ अरुजोअन्नपक्वअस्थान कुपितहोंहिसोदोष- महान सोतनमध्यसोथप्रघटावैं ऐसेंग्रंथनिदानसुनावैं जोविष्टाथलकेमंझार कुपितदोषसोऊकरैंविकार अधोभागपदजंघांजोय तहांसोथप्रगटावैंसोय जोसमस्तदेहकेमांहि कुपितदोषतेऊप्रगटांहि तौसमस्त- तनसोजाहोय इंहप्रकारलषलीजैसोय कोमलचलितअधोगामीजान उत्पतशीघ्ररुजदाहपछान ऐसे- लक्षणजासतनमाही विषजशोथकेलक्षणगाही.

॥ अथविषजशोथचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ शीतलवस्तूलेपनकरै विषजशोथकोंतुरतहिंहरै कृष्णमृत्तिकातिलसमभाय लेपेविषज- शोथमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ तिलचूर्णनीकैपीसावै महिषीमाषनदुग्धमिलावै लेपकरैविषदोष- नसाय यहउपायभाष्योसमुझाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ तिलमुलट्ठसमचूर्णकीजे माषनमेललेपसोकी- जै विषजशोथहोवेतननाश यहउपायकीनोपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ तिनसवृक्षमूलकीमाटी ज- लमोंपीसकरैइकठाटी लेपनकरैसोथविषजाय भाषसुनायोतासउपाय ॥ अन्यच्च ॥ जोविषरोगचि- कित्साकही विषजशोथकीजानोसही ॥ इतिविषजशोथचिकित्सा ॥ अथशोथउपद्रवः ॥

॥ चौपई ॥ श्वासकासअरुचदुर्वलसविकार ज्वरहिक्काछर्दतृषाअतिसार शोथउपद्रवएतेजान ना- शकरैंरोगीपहिचान पादनतेंजोऊचोजावै नाशपुरुषकोसोऊकरावै मुखतैंशोथजुनीचेधावत नारीको- सोनाशकरावत नाभिस्थलजोसोजापरै नारीनरकोंहतसोकरै

॥ अथसाध्यअसाध्यशोथलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रहितउपद्रवशोथजुलहिये अरुनवीनहोइसाध्यसुकाहिये सहितउपद्रवहोयपुरातन सोअ- साध्यजानोतिसघातन ॥ दोहा ॥ शोथनिदानवषान्योशास्त्रनकेअनुसार समझचिकित्साजोकरैउप- जैनांहिविकार ॥ इतिशोथनिदानंसमाप्तम् ॥

॥ अथसामान्यशोथचिकित्सा ॥

॥ अथक्वाथः ॥ चौपई ॥ हरडभिडंगीसुंठगिलेया चित्राअरुपुनर्नवाजोय दालहलदजानोसुरदार यहसम्कीजैक्वाथसुधार पीवेशोथसकलपरकार सर्वांगशोथनाशैउरधार ॥ अथयवागूः ॥ चौपई ॥ पु- नर्नवामूलकसुंठिसुरदार चित्राअरुगिलोयसमडार यवागूमेलपकायसुषावै सर्वप्रकारशोथभगजावै ॥ अथदुग्धम् ॥ चौपई ॥ त्रिकुटादंतीचित्राआन त्रिवीपायपयकरोपकान पीवैशोथसमस्तप्रकार नाशै- निश्चयमनमोंधार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ देवदारुसुंठीसुनलीजे पुनर्नवाफुनिसंगमिलीजे दुग्धपाय का- ढाकरपीजै शोथरोगताहीतेंछीजै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ विल्वमूलत्रिकुटासमभाय श्यामाचित्रासंगमि- लाय दुग्धमिलायपकायसुपीजे शोथरोगनाशतवथीवै ॥ अथशाकः ॥ चित्राअरुपुनर्नवाशाक षावै- शोथहरैसतवाक मूलिकसुंठीयूषवनावै पीवैसर्वशोथमिटजावै ॥ अथप्रक्षालनक्वाथः ॥ अर्कपुनर्नवानिं- वसमान इन्हकोकरहैक्वाथसुजान तांकेसाथशोथकोंधोवै शोथजायरोगीसुखसोवै ॥ अन्यच्च ॥ को-

सेगौमूत्रकेसंग धोवैहोयशोथरुजभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ करंजुपुनर्नवाएरणश्रान यहसमकाथपकायसुजान तांकेसंगशोथजोधोवै। नाशरोगशोथकोहोवै ॥ अथलेपः ॥ चौपई ॥ पुनर्नवासुंठअवरसुरदार सर्षपस्वेतसुहांजणाडार यहसमकूटेकांजीसंग लेपनउष्णशोथरुजभंग ॥ अन्यच्च ॥ वहेडेगिरीपीसलेपाय पीडादाहशोथमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जोफुनिसीशोथहिंपरलाहिये ताहूपरयहलेपकरैये कपित्थपत्रचंदनयहश्रान मुत्थरमुलठीसमलेठान यांकोलेपनकरहैजोय पिटकाशोथनाशतवहोय ॥ अथवुटणा ॥ चौपई ॥ रहसनअर्कतजत्रिफलाय मूसेकरणीचित्रापाय मूर्वाकौडसुंठजुविडंग काकमाचीसौंचलधरसंग निंवपतीसाकिरायतापावै नखसुहांजणातासरलावै मघपुनर्नवाअरुकंड्यारी यहसमऔषधचहियेडारी पीसैमूत्रहिंसाथमिलाय करवुटणातनशोथमलाय मूत्रपायउष्णकरसोय अथवाशोथताहिसोंधोय शोथरोगकोंहरहैसोय तनअरोग्यसुखउपजैजोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिकुटालोहचूर्णअरुचार त्रिफलायहसवहीसमडार चूर्णवनावैमर्दनकरै शोथरोगतनहूतेटरै अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ सुंठीगुगुलअरुसुरदार यहसमचूरणकरोसुधार मूत्रसाथजोपीवैतास होवैशोथरोगकोनाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ गिरिकरणीचूरणकरवावै मूत्रसाथपीइशोथनसावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पुनर्नवादारुसुंठहरडसमश्रान तसोदकसोंचूर्णकरपान शोथरोगनासतवहोय निश्चयकीजेमनमोंसोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ वासासुंठमघमरचपतीस विडंगदेवदारूसमपीस तसनीरसोंपीवैतास होवैशोथरोगकोनाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ दंतीकौडविडंगसुरदार त्रिकुटात्रिफलाचित्राडार गजपिप्पलअरुत्रिवीपिसावै यहसमभागजानलषपावै लोहचूर्णदोइभागलहीजै वलअनुसारदुग्धसोंपीजै शोथरोगकोहोइहैनाश वैद्यकमलयोंकीनप्रकाश केवलगोमूत्रकोंसेवै शोथरोगकोनाशकरेवै ॥ अन्यश्चउपायः ॥ चौपई ॥ गुडश्राद्रकसमलीजेदोय अर्धप्रकुंचतैंलेकरसोय वधावैनितपलपांचप्रयंत षावैताहिलहोयहतंत मुंगीरससोंपथ्यषुलावै शोथगुल्मपीनसमिटजावै श्वासकासपुनउदरविकार अरुचपांडूहृदरोगनिवार ॥ अथसमयोगः ॥ चौपई ॥ गुडश्राद्रकफुनिसुंठीजान गुडहरडेंगुडमघांपछान यहसमयोगकर्षलेश्रादि त्रैपलतकषावैमरयादि अथवापच्चत्रामासपर्यंत षावैइहविधिरुजीलहंत शोथश्वासकासमुखरोग पीनसअरुचहोइजांहिश्रयोग ग्रहणीनजलाअर्शमिटावै जीर्णज्वरकफवातजजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पुरातनगुडश्राद्रकरसपाय अजाचीरसोंपथ्यषुलाय शोथरोगकोहोवैनाश निश्चयश्रानैमनमोतास ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ पुनर्नवाकोकरलेवैकाथ किरायतासुंठसमचूर्णसाथ पीवैरोगीनितउठतास होइसर्वांगशोथकोनाश ॥ चूर्णम् ॥ चौपई ॥ त्रैपलगुडश्राद्रकपलतीन त्रैपलमघांजानप्रवीन पलमनूरतिलपलजुमिलाय चूरणयहकीजैजुरलाय नित्यनेमधरयाकोंषावै सर्वप्रकारशोथमिटजावै ॥ अथपुनर्नवादिचूर्णम् ॥ चौपई ॥ पुनर्नवादालहलदगिलोय पाठासुंठीभषडेजोय हलदीमघदोनोकंड्यारी वासाचित्रासमलेहुविचारी चूर्णमूत्रसोंपीवैतास सर्वप्रकारकोशोथविनाश उदररोगव्रणरोगनसावै याकोगुणश्रैसीविधिगावै ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ वासाअवरभिंडंगीगिलोय करेकाथत्रयवस्तुसमोय पीवैशोथश्वासअरुकास जानलेहुपावैसोनाश ॥ अथमंडूर ॥ मूत्रवीचमंडूरपकावै मूत्रसाथपुनखरलकरावै आद्रकरसजिमीकंदरससंग खरलकरेतिसहोइनिसंग इसविधिसोमंडूरवनावै षावैशोथरोगमिटजावै ॥ अथपुनर्नवादिघृतम् ॥ चौपई ॥ पुनर्नवाचित्राअरुसुरदार पंचोषणहरडजानयवचार यहस-

मलैवेकाथवनावै दशमूलकाथपुनताहिमिलावै घृततिंहपायपकायसुखाय शोथरोगनाशैंलपपाय ॥ अथचित्रादिघृतम् ॥ चौपई ॥ चित्राधनियांअरुत्रिकुटाय दाडिमअजवायणसंगपाय चविकसुंठीअरवल्लयवाइण सोभीतामोंकरोमिलाविण उत्पलपाठापिपलामूल यवच्चारअमलवेतसमतूल कर्षकर्षइन्हकोपरिमान आढकजलमौंकरोपकान प्रस्थएकघृतपायपकावै खावैशोथअर्शमिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ चित्रादिघृतम् ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंचित्राचूरणकीजै घटकेभीतरलेपसुदीजै तामोंदुग्धजमावैजोय मथकरघृतकढवावैसोय पुनचित्रेकोचूर्णमिलाय तिसतक्रमोघृतसिद्धकराय प्रातसमयसोऊघृतपीवै रोगजायरोगीसुखजीवै शोथगुल्मनाशैंअतिसार वातजरुजीप्रमेहविडार ॥ अथमाणकघृतम् ॥ चौपई ॥ माणकक्काथजुमाणकचूरण घृतमोंकीजेंयहदोइपूरण ताहिपकावैखावैजोय शोथत्रिदोषजद्वंद्वजषोय ॥ घृतम् चौपई ॥ थलपद्मपलआठप्रमान त्रिकुटाचारपलतामोंठान प्रस्थएकघृतताहिमिलावै चतुर्गुणदुग्धसुपायपकावै षावैकासपांचपरकार शोथसहितनाशेंमनधार ॥ अथपंचकोलघृतम् ॥ चौपई ॥ पांचकोलकोकीजेंकाथ कुलत्थक्काथदीजेंतिससाथ तिन्हमोंघृतमंदाग्निपकावै घृतरहैतौछानकरवावै तापुनर्नवाचूरणसंग पीवेहोयशोथरुजभंग ॥ अथतैलम् ॥ चौपई ॥ पुनर्नवारहसनअरुसुरदारु शुष्कमूलिकसुंठीसमडारु इन्हमोतैलपकायमलावै शोथरोगभाग्पोंकहुंजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ वैंतच्चीरवृच्चत्वचाआन मंजीठलताचंदनसमठान बालाभेहपद्मकाष्टसंगलीजै पक्वतैलइन्हकेसंगकीजै मर्दनकरैशोथरुजनाशै तनआरोग्यहोयदुतिभासै ॥ अथयवादितैलम् ॥ चौपई ॥ यवकुलत्थवेरदशमूल यहकाथजुकीजैसबसमतूल तैलक्काथसमसंगमिलावै तैलचतुर्गुणअजापयपावै पुनशतावरीजीवणीआन अरुसुहांजणाचूर्णमिलान पकायसुतैलमलैअरुखावै शोथरोगनाशहोइजावै ॥ पंचमूलादितैलम् चौपई ॥ पंचमूललवणसुरदार सरलवृच्चगिलोयपुनडार हस्तिकरणनिचुलपुनठानो पलाशफलीयाहीपुनजानो काकनासागजपीपलजोय अहिंसराहिंसरासंगसमोय देवपुष्पपुनर्नवालीजै कृष्णगंधाकायस्थादीजै वयस्पादारुकजटलापावै जटाअलंवुसासुंठरलावै एरंडहेडवांअरुणीमान गोधावतीभिडंगिसमान पलपलभागसबनकीकीजै चूर्णकरसबतैलमोदीजै अरुपुष्करधरतैलमंभ्कार सिद्धकरैसोतैलसुधार खावैमलैशोथसबजात नाशेशोथकफजअरुवात ॥ अथदशमूलीहरीतकी ॥ चौपई ॥ दशमूलक्काथजोकरैसुधार चौसठपलतांकोकरडार तामोइकशतहरडेंपावै एकतुलागुडपायमिलावै पकावैघणाहोयसोजवै चारचारपलऔषधतवै पलचारात्रिकुटाचारपलच्चार पुनपलचारात्रिजातकडार यहसमचूर्णपीसरलावै अर्धप्रस्थमधुतांमोपावै एकहरडनितप्रातषवावै पुनसोलेहशेषजुचटावै शोथअरुचमंदाग्निप्रमेह श्वासकासज्वरनाशैएह गुल्मपांडुअर्शमिटजाय उदररोगअमलपित्तनसाय आमजवातमिटैसुखपाय भाषसुनायोतासउपाय ॥ अथत्रिकुटादिलेहः॥ चौपई ॥ त्रिकुटादंतीवायविडंग चित्रात्रिफलादीजैसंग त्रिवीदेवदारूगजपीपल यहसमचूर्णसमलेपलपल दुगुणोचूरणलोहामिलाय नित्ययथावलपयसोंपाय शोथरोगकोहोइहैनाश प्रथमन्यायतनकीदुतिभास

॥ अथशोथोदरहरलोहः ॥

॥ चौपई ॥ पुनर्नवामाणकंदअरुचित्रा सूर्यावर्त्तमूलगवाच्चीमित्रा अर्कमूलअरुगिलोयीजास अठअठपलसबकूटोतास पायद्रोणजलताहिपकावै पादशेषरहिवस्त्रछनावै करशुद्धमारलोहेकोचूरण प्रमाण-

अष्टपलकीजैंपूरण ताम्रपात्रमोंताकोंपावै पुनयहऔषधसंगमिलावै दोइपलअर्कदुग्धपहिचान थोहरदुग्धचारपलठान शुद्धअर्धपलपारापावै गंधकपलइकताहिमिलावै दोइपलगुगुलचितलषलीन ताम्रपात्रधरपुरुषप्रवीन मृदुलअग्निसुपकायउतारै पुनहिंपीसयहचूर्णडारै कंकुष्टगवाचीदंतीचित्रा पलाशवीजकंचुकीइकत्रा तालमूलिकात्रिफलाजान त्रिवीविडंगवज्रवल्लीठान सूर्यावर्त्तपुनर्नवाथावै लोहसमानचूर्णयहपावै कडछीसोंरलायभलीभांत सनिग्धपात्रधरलषुवृत्तांत संयुक्तयथावलताकोंखावै सबहीउदरविकारमिटावै शोथकामलापांडुविनाशैं अर्शभगंदरकुष्टकृमिनाशैं शूलअवराचिरकालिकरोग नाशहोहिजानेंसबलोग इसतेंश्रेष्टनऔषधआन वंगसेनयोंकीनवषान ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साशोथकीवंगसेनअनुसार आगेयांकेपथ्यअपथ्यसुनहोकरोंउचार ॥ इतिशोथरोगचिकित्सासमाप्ता

अथशोथरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम्

॥ दोहा ॥ शोथरोगकेपथ्यअपथ्यसुनहोकरोंवषान वैद्यकशास्त्रनजोकहैजानोपुरुषसुजान ॥ अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ सेकैअग्निस्वेदपुनलेवै रुधिरमोक्षपथजानकरेवै मर्दनतैलतक्रकोंपीवै मदराआसवपथ्यलषीवै यवकोकोटामुंगकुलत्थ लहोपुरातनतंडुलपथ्य अवरपुरातनघृतकोपान चित्रारक्तसुहांजणाजान लसनककोडेगाजरलहिये वालामूलिकागोंगुलुकाहिये धात्रीफलपुनर्नवाजान अवरपटोलपथ्यपहिचान निंववकायणहरडकहीजै एरंडतैलहलदसुनलीजै गोहसेहमोरकोमास तीतरकुर्कटपथलखतास श्रृंगीमत्ससहालषुलेहु कूर्ममांसपथ्यलखएहु गुगुलअवरभिलावैंआषै अमरमेलसुंठलषभाषै दीपनतीक्ष्णकटुजोवस्तु क्षारवस्तुपथलषोप्रशस्तु शिलाजीतपथडंभदिवावै करतूरीपुनपथ्यकहावै गोमहिषीवकरीकोमूत शोथरोगयहपथइंहसूत ॥ दोहा शोथपथ्यभाष्येसकलसुनलीजेउरठान वरणनकरोंअपथ्यअबशोथहिंनाहिप्रमान ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ गरामीनमृगपक्षिकोमास शुष्कशाकवहुनिद्राभास अरुजलजीवनमांसपछानो भारीवस्तुदहीपुनमानो गुडविकारजेलेजगलहै सबहीशोथअपथकरकहै मैदाअरुनवान्नपुनजानो अमलवस्तुमैथुनपुनमानो ॥ दोहा ॥ शोथरोगकेपथ्यअपथ्यभाषेसकलसुनाय पथ्यगहैत्यागैअपथ्यतातेंशोथमिटाय ॥ इतिशोथरोगेपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः ॥ दोहा ॥ शोथरोगवरणनकियोप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिचिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिशोथरोगःसमाप्तः ॥

॥ अथशोथदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

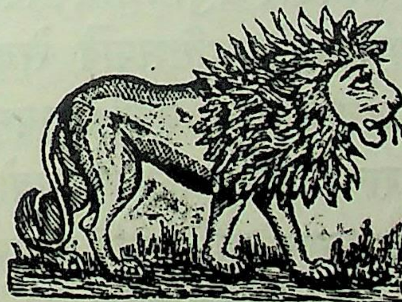
॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ विनअपराधजीवकोमारै ताकोंशोथरोगसंघारै ताकोसुनोउपायसुनाऊ शोथरोगनाशैसुसुनाऊ ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ एकपलस्वर्णमूर्त्तब्रह्माकी वनवावैआभावडिताकी रक्तवस्त्रताऊपरदेय पूजाभलीविधिचितसोंलेय अगरकपूरचंदनकस्तूरी इन्हसोंपूजैमनसापूरी गणपति दुर्गापूजेंवाय विप्रहिदेयशोथमिटजाय दोहा शोथदोषकारणसहितभाष्योतासउपाय मेदजदोषहिंकोकहोंसोसुनलेमनलाय ॥ इतिशोथरोगदोषकारणउपायःसमाप्तः ॥

॥ अथशोथरोगज्योतिषम् ॥

॥ दोहा ॥ मंगलहोवेआठमातिहपरदृष्टदिनेस प्राणीभोगेशोथकोपावेदेहक्लेस तिहकारणसोंनरकरेजपपूजावलिदान मंगलकीआराधनाजातेहोइकल्यान ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथान्यप्रकारशोथवर्णनम् ॥

॥ रोगसोजऐसीजोरोजवधजांदाहै ॥ चौपई ॥ वातदोषकरसोजपछानो सरतांननाममतफारसमानो चनेसमानप्रथमादिनसोई प्रतिदिनवढतअधिकदुखहोई हरारंगकछुश्यांमदिखावै वतांऊसमानसीघ्रहोजावे ऊपररगांचुतरफीहोई छोटीवडीदिखावतसोई ज्योंसर्षपकेदाणेमानो त्योंउत्पत्ततातूपरजानो सोदाणेभीतरधसजावे अंगारसमानजलनप्रघटावे जेकरपृष्टअस्थिपरहोई हृदयनिकटमारकहैसोई जेकरकुमीताहिपडजावै तौविनईश्वरकौंनवचावे जेकरनेत्रनआगेहोई करेयतनहटजावेसोई जोनेत्रनकेपाछेजानो सोमारकनिश्चयमनआनो ताहियतनइकऐसाहोई काटगंधकरवाहिरसोई चारोतरफजोकलगवावै सरेरोरगकारुधिरछुढावे लोहाखूपतपावेकोई करेदाघशीघ्रसुखहोई छिलकावैरवृत्तकाल्यावै श्वेतहोएजलपायघसावै मलेमेलघृततापरकोई तौफुनियतनऔरविधहोई निंवपत्रनुगदाकरवावे वांधेऊपरदोषहटावे आदयतनइकऐसाहोई मर्चपीसकांजीसंगसोई वारंवारमलेसुखपावै निश्चयसोजदूरहोजावै डड्डूजीवमंगावैकोई दोटुगडेकरवांधोसोई शालीनामघासमंगवावे करेकाथतासंगधुलावे ऊपरघासवांधिएसोई कीडेदूरशीघ्रसुखहोई विठ्ठकावपत्तीकीआनो अथवाविठ्ठकवूतरमांनो करेलेपदुखदूरहटावै दूधभातहितपथ्यखुलावे ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांशोथाधिकारकथनंनामअष्टत्रिंशोऽधिकारः ॥ ३८ ॥



॥ अथमेदरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ मेदनिदानवरणनकरौंजैसेकह्योनिदान समभ्फचिकित्साजोकरैसोहैपुरुषसुजान ॥ अथमेद-रोगकारणं ॥ चौपई ॥ रजनीकाजकरैनरको वावैठेदिनकोंरहैसो जिसअहारतेंकफवधजावै तारसआमइवमेदवढावै ॥ अथलक्षणं ॥ चौपई ॥ देहस्थूलकरतहैसोय अग्निमंदकरडारैवोय अग्निमंदसोंआमवधावै आमवृद्धबलक्षयहोइजावै होईअसमर्थसबकारजमांहि कारजकरैतुश्वासवधाहि तृषामोहनिद्राबहुजोय अकस्मातश्वासरोधजोहोय तनदुर्गंधस्वेदक्षुतप्रगटावै देहीपीडतासदरसावै अ-ल्पकरैमैथुननरसोय वलभीअल्पदेहमोहोय सबहींउदरहाडनमंझार वेदनरहैलखोसविचार मेदरोग-जाकेतनहोय उदरवहुतवधजावैसोय मेदसमस्तमारगकोंरोकत तनद्वारणकेद्वारेहीतक कोष्टमध्यस्थित-वातजुहोय अग्नीदीतकरैतिससोय नरआहारसोदग्धकरैजब पुनभोजनइच्छाप्रगटकरैतब अग्निवालहो-यकठेजवै करैंउपद्रवनरकोंतवै उपजावतसुअनेकविकार मेदरोगयोलखोउदार देहीस्थूलदाहतनरहै दा-वानलज्योंवनकोंदहै मेदवृद्धतापावतहैजब वातादिकदारुणप्रगटतहैतब सोवातादिकनिजवलधरैं मेद-रुजीकोंहतसोकरैं मेदरोगजोमांसवधावै उत्साहनउपजिततनवढजावै तनस्थूलहोतहैजास निर्वलर-हैहर्षनहिंतास उदरस्तनस्फिकवृद्धितापावै मेदजुरोगनामतिसगावै मेदवृद्धिजासतनहोय रोगप्रगट-करैनवसोय नवकेनामभिन्नकरकहों निदानग्रंथमतजानसुलहों कुष्टविसर्पिकामलाकहिये ज्वरातीसार-अपचीपुनलहिये अर्शभगंदरश्लीपदजानो अवरमेदनवरोगपछानो ॥ दोहा ॥ मेदरोगवरणनकियोस-बजीवनकोंहोय यातेंहोहिविकारवहुजानेचतुराकोय ॥ इतिमेदरोगनिदानंसमाप्तम्

॥ अथमेदरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

दोहा ॥ मेदचिकित्साकहितहोंवंगसेंनअनुसार प्रथमहिसमभ्फेयाहिकोंपुनकरहैउपचार ॥ अथचूर्णम् चौपई त्रिकुटाचवकहिंगुअरुजीरा सौंचलचित्रासमलेवीरा चूरणकरैयथावलखावै अग्निवधैरुजमेदनसावै ॥ अन्यच्च ॥ यवसत्तूचूर्णदहीकेसंग खावैमेदरोगहोइभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटा-तैलमिलाय पायलवणमासेषट्खाय कफजमेदनाशहोइजावै दुषनाशेंतनसुषप्रगटावै ॥ चौपई ॥ वायविडंगसुंठअरुक्षार लोहचूर्णसवहीसमडार मधुमिलायकरखावैसोय नाशरोगमेदकोहोय। अन्यच्च ॥ चौपई ॥ यवसत्तूजोभूनमंगावै चूर्णआमलेसमतिसपावै सेवनयांकोराषैंजोय नाशमेदरोगकोहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिफलेकोचूर्णकरवावै मधुगोमूत्रमिलायसुखावै मेदरोगकोहोइहैनाश होइआ-रोग्यदेहदुतिभास । वडवानलरसः पारातामेश्वरफुनसार वीजवोलइनकेसमडार पीसमहीनभांगरेरस-कर तीनादिवसखरलकरैजुगुणवर रतीप्रमाणगोलीतिंहवांधें अनूपानमखीरसोंसाधे मेदरोगकोहोवैनाश चर्कमतीइहकीनप्रकाश । पुनः । पाराधतूरेकोरसलेय मर्दनकरैमेदहरतेय। अन्यच्च चौपई । विल्वादिपं-चमूलमंगवावै समसुकायचूर्णवनवावै मधुमिलायकरखावैसोय नाशरोगमेदकोहोय ॥ अन्यच्च चौपई यवगवधुकभूनमंगावै तिन्हसबकेसत्तूपीसावै मधुमिलायसंगत्रिफलाकाथ खायमेदहरनिश्चयगाथ ॥ अथलेहः ॥ चौपई ॥ त्रिफलाअरुगिलोयसमआन काथकरैसबकूटामिलान तामोचूर्णलोहीमलावै अथवागुग्गुलपायपकावै अतिमुक्तकेवीजरलीजें मधुमिलायकरलेहवनीजें आथवशिलाजीततिंहपाय पकायचटावैमेदमिटाय ॥ अन्यच्च ॥ चित्रामूलमहीनपिसावै मधुमिलायपरभातचटावै मेदरोगकोहो-

इहैनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ शिलाजितकुठअगरसुरदार रेवंदपत्रपत्रपुनडार श्रीवासामरुवालाजवंतीमिलावै देवपुष्पसमपीसरलावै धत्तूरैरससाथमिलाय तनटढमलेअवरपुनषाय मेदरोगकोहोइहैनाश अरुस्थूलतादेहविनाश ॥ अथअमृतागुग्गुलुः ॥ चौपई ॥ गिलोयअवरलघुएला-आन विडंगउशीरकसिंगपछान हरडआमलेगुग्गुलुपावै क्रमकरवृद्धसुपीसमिलावै मधुमि-लायकरखावैकोय मेदस्थूलतापिटकाषोय अवरभंगदररोगविनाश अमृतागुग्गुलकह्योप्रकाश ॥ अथनवकगुग्गुलुः ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलाचित्राआन मुस्थरअवरविडंगसमान इन्हसबसमगुग्गुलकोंपावै पीसरलायययथावलखावै मेदआमवातकफव्याध नाशहोंहियहस-कलउपाध ॥ अथलोहरसायणः ॥ चौपई ॥ गुग्गुलतालमूलत्रिफलाय षैरत्रिवीअलंबसापाय शुंठी-वासानिर्गुंडीचित्रा यहदशशतपलपावैमित्रा पंचाढकजलपायपकावै पादशेषरहैताहिछनावै लोह-चूर्णद्वादशपलपाय प्रस्थपुरातनघृतजुमिलाय पलजुअष्टशरकरासमावै मंदअग्निकरताहिपकावै तलेउतारशीतलातिसकरै अर्धप्रस्थमाष्योंतिंहधरै दोइपलपीसशिलाजितपावै विडंगतीनपलताहिमि-लावै लघुलायचीदालचीनीआन अर्धअर्धपलपीससमिलान मघांमरचदोइदोइपलपावै दोइपलसु-रमाचूर्णमिलावै गजपीपलअरुकाहीलीजैं दोदोपलतिसमाहिधरीजै सबमिलायकरभलीप्रकार धरैसोपात्रसनिग्धमंझार नित्यचारटांकपरिमान दुग्धसाथखावैजुविहान वारसवनमृगपच्छीमास तांसों-षायमेदहोइनाश वातजकफजव्याधनिरवारै कुष्टकामलापांडुविडारै उदररोगशोथमूर्छाय मेदभंगद-रदूरनसाय विषउन्मादकुच्छिदुखजावै अवरस्थूलतारोगनसावै बलअरुबुद्धिबंधेजवधावत वाजीकरण-पुरुषजुजनावत जरानिवारयुवाप्रगटात शोभादेहपुत्रउपजात लोहरसायणयांकोंजान सबहींकोंय-हहैसुखदान जोनरजाकोसेवनधरे वस्तूएतेत्यागनकरे कदलीकांजीकर्मर्दकजान ककारादिकरीरकरे-लेमान इति अथव्योषादिसत्तूम् चौपई त्रिकुटाचित्रात्रिफलाआन कौडसुहांजणपाठाठान दोईकंड्या-रीहलदीदोय फालसेहिंगुशालपर्णिसोय धनियांएरणमूलपतीस जवायणसौंचलजीरापीस यहसमचू-र्णकेरवनाय जासमघृतमधुतेलमिलाय षोडशगुणयवसत्तूंकीजै सोभीतासमोआनरलीजें पथ्यधरैजु-यथाबलखावै मेदप्रमेहवातरुजजावै कुष्टअर्शकामलाविनाशें पांडुलिंःफशोथपुननाशें मूत्रकृछ्रहृदरो-गनिवारै राजयक्ष्मगलग्रहकृमिटारै श्वासकासग्रहणीमिटजाय स्थूलरोगएतेनरहाय अग्नीस्मृतिबुद्धी-वधमान दीपनपाचनताहिपछान ॥ अथत्रिफलादितैलं ॥ त्रिफलामूर्वात्रिवीपतीस चित्रावासाहल-दीपीस निंबअमलतासजुगिलोय इंद्रजवसप्तपर्णीसंजोय कुष्ठकणासर्षपवचनागर इन्हसबतुल्यतैल-तिलनधर अरुतामोंतुलसीरसपावै सबमिलायतनमलैजुखावै गंडूषकरैनसवारचढाय वस्तीकर्मकरै-चितलाय मेदस्थूलपांडुनरहावै कफजरोगनाशेसुखपावै ॥ अथमहासुगंधीतैलम् ॥ चौपई ॥ चंदनकुंकुमअगरउशीर प्रियंगूकौंचवीजलहुधीर गोरोचनअवरशिलारसपावै गुग्गुलरालकचूररलावै कस्तूरीलघुलायचीआन जलवत्रीकंकोलपछान लवंगजायफलकुष्टसुपारी रेवंदतगरदोइनखडारी छडअरुवोलदमनकपहिचान स्थौनेयचोरकसरलतरुमान मुसककपूरशिलाजितलाष पद्मकाष्टआमल-कीभाष लामज्जकलेधावेफूल सप्तपर्णीसबलेसमतूल स्थलकमलविरोजातासरलाय महीनपीसकरकूट-वनाय शाणप्रमाणइन्हनकोहोय इन्हसमतैलमिलावैजोय मंदअग्निपकायकरखावै मेदस्वेदमलरुज-मिटजावै कंडूकुष्टदुर्गंधनसाय युवाहोयबलवीर्यवढाय धातुपुष्टइस्त्रीप्रियहोय सुंदरदर्शनतनलषसोय

शतइस्त्रीभोगनसामर्थ नपुंसकपुरुषहोयलहोअर्थ वंध्याषावैगर्भधराय अपुत्रपुत्रकोंप्रापतपाय इकशतवर्षजीवतोरहै वैद्यकशास्त्रअसफलकहै ॥ अन्यच्च ॥ असगंधदुग्धकेसाथजुषाय अर्धमासमर्जादधराय वापीवेघृततैलकेसाथ वासुखजलकरसुनयहगाथ यहकुशतनकोपुष्टकरावै वर्षाजलज्योंसाखबधावै ॥ अथमर्दनदुर्गंधारिः ॥ चौपई ॥ वासापत्रनकोरसलेय संखचूर्णतामोंधरदेय देहमलेदुर्गंधमिटावैं मेदरोगजावैसुखपावै ॥ अन्यच्च ॥ शंखचूर्णरसविल्वदलसंग मलैदुर्गंधहोतहैभंग ॥ अन्यच्च ॥ अलंबकाचूर्णकांजीसंग पीवैहोयदुर्गंधकोभंग ॥ अन्यच्च ॥ विल्वगिलोयरससमदोलीजै गुंजामूलकोचूरणकीजै यहमिलायतनमर्दनकरै दुर्गंधविकारदेहतेंहरै ॥ अन्यच्च ॥ बुटणाहरडचूर्णमलवावै दुर्गंधखेदहरपाछेन्हावै ॥ अन्यच्च ॥ किक्करपत्ररसवुटणालावै पुनहरडमलैइस्नानकरवावै तांतेतनकोखेदमिटाय विनाखेदहोयतनसुखपाय ॥ अन्यच्च ॥ मल्लीपुष्पपीसतनमलै तनकोदाहतुरतहीटलै ॥ अन्यच्च ॥ जायफलचूर्णमधुमदपाय पीवैखेदरोगमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ वचकिलपत्रकर्कटिकेपान दूर्वाहलदजुपीसमिलान अंगऊपरसोमर्दनकरै तनकोदाहशांतियहकरै ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्सामेदकीवंगसेनअनुसार वैद्यचतुरऐसेंकरैतौमिटजायविकार ॥ इति

॥ अथमेदरोगपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

। दोहा । मेदरोगकेपथ्यअपथ्यसुनहोवैद्यसुजान तिन्हकोंभाषोंसमझकरजोहैंशास्त्रप्रमान । अथपथ्यम् । ॥ चौपई ॥ चिंताअरुजाग्रनपहिचानो मैथुनश्रमअरुलंघनमानो आतपसेकनश्रमणलहीजै छर्दअवररेचनलषलीजै हाथीघोडेकीअसवारी यहभीकहैंसुपथ्यविचारी पुरातनकोद्रवकंगुणीजान अवरसांककोनिजउरठान इन्हअन्ननकोआटाजोय मेदपथ्यलषलीजैसोय चणेमसूरमुंगजुकुलत्थ यवचीणाजानोलषपथ्य तक्रमषीरजुमदरापान वस्तुकषायकटुतीक्षणमान चिंगटमत्सनामजोअहै सोभीमेदरोगपथलहै फलवृंताकसोभस्मकरावै ताहीकोंपुनपथ्यलषावै तीतरअवरकवूतरमास यहभीपथ्यकीनपरकाश त्रिकुटासर्षपतैलपछान एलायचीकीनपरिमान पत्रशाकततजलमानो शिलाजीतपुनपथ्यपछानो अवरसमस्तजोरूषीवस्तु मेदरोगपथ्यजानप्रशस्तु दोहा मेदरोगकेपथ्यसुनभाषेलहोसुजान आगेकहोंअपथ्यअवसुनअपनेउरठान ॥ अथअपथ्यम् ॥ चौपई ॥ तंडुलसबजातनकेजोय अरुगोधूमअपथ्यलषसोय शीतलवस्तुसमस्तपछान अरुशीतलजलकोइसनान मिसरीदुग्धषंडगुडमाष मिष्टसमस्तअपथ्यकरभाष मत्सअवरसबजानोमास दिनकोशयनअपथ्यलषतास अवरसमस्तसुगंधकहावै पुष्पादिकसुरभीलषपावै तिन्हसबकोअपथ्यकरजान ऐसेंग्रंथसुकीनप्रमान दोहा पथ्यअपथ्यजुमेदकेभाषसुनायेतोहि जैसेंवैद्यकग्रंथमेंतातेंदोषनमोंहिं इतिमेदरोगेपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः ॥ दोहा ॥ मेदरोगवरणनकियेप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान इतिमेदरोगःसमाप्तः

॥ अथकर्मविपाकेमेदरोगकारणम् ॥

चौपई जोनरअग्निहोमअतिश्रेष्ट देवपितृकर्मवाकाहूइष्ट तिहअग्निजलउछिष्टवुझावै याउछिष्टठौरहिफेकावै मेदरोगहोवेतिहकारण ताहिउपायइहकह्योविचारण उपायः निराहारव्रतकरआराधन मंत्रगायत्रीतंत्रइहसाधन पात्रएकनवीनमंगाय चौमुखदीपतिहमध्यटिकाय अनेकरंगपटध्वजबनावै चारोऊ

रताहिदरसावै भद्यभोजधरैतिहमाहि प्रातहिकालचौराहटिकाहि इहविधकरैक्रियाजोकोइ तिहकर-मेदरोगसबखोइ ॥ इतिकर्मविपाकः ॥ दोहा ॥ मेददोषवषानियोकारणसहितउपाय विद्रधिदोषव-षानहोंसोसुनमनचितलाय.

॥ अथमेदरोगेज्योतिषम् ॥

॥ चौपई ॥ चंद्रदशाकेअंतरेबुद्धदशापडजाइ मेदरोगकीठानतिहिआनकरैसमभाइ चंद्रमपूजाउचित-तिहरोगनिवृत्तीमाहि ब्राह्मणभोजनतस्सईचंद्रमहितकहीताहि ॥ इतिज्योतिषम् ॥ इतिश्रीचिकि-त्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांमेदरोगाऽधिकारकथनंनामएकोनचत्वारिंशोऽधिकारः ॥ ३९ ॥



॥ अथविद्रधिशोथनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ विद्रधिशोथनिदानकोंवरणोसमझविचार जैसेंकह्योनिदानमोंजानोपुरुषउदार ॥ चौपई ॥ गुरुअसात्म्यभोजनजानो विरुद्धअन्नअरुशुष्कसुमानो अवरजुपतलाभोजनकरे अतिमैथुनव्यायामसुधरे तातेंकुपितदोषजवहोग उपजेतांकोविद्रधीरोग मेदरक्तत्वचमांसमंझार तीनदोषजवकरेविकार हाडोंमोंसोइस्थितहोय शनैशनैशोथउपजावैंसोय महाघोरअतिऊचोजान पीडायुतहोइशोथमहान वडोमूलसोजेकोहोय वर्तुलवाविस्तृतहोइसोय ताकोंविद्रधिरोगपछानो षट्प्रकारतांकेयोंमानो

॥ अथषटप्रकारविद्रधिवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ वातजपित्तजकफजकहीजें त्रिदोषजक्षतजरक्तजलषलीजें तिन्हकेलक्षणकरोंवषान समझलेहुतुमपुरुषसुजान

॥ अथविद्रधिरूपस्थानलक्षणम् ॥

चौपई । कुपितदोषमिलगुल्मउपजावें वल्मीकन्यायषहुरेदरशावें गुदानाभितलनाभिमंझार कलेजेअथवाहृदयनिहार कुक्षिउरूसंधनमोंहोय अंडनवामुखभीतरजोय अथवाहोवततृषाअस्थान इन्हठौरनकेअंतरजान जिंहचिंन्हनकरठौरपछानत सुनोसुचिन्हइहभांतवषानत अधोवातरोकीजवजावे गुदामांहिविद्रधीलषपावे कष्टसाथमूत्रैजोनरजव नाभितलैविद्रधिजानोतव हिडकीपीडाक्षोभअपार विद्रधिजानोनाभिमंझार वायुकोपजवहीलषपैये कुक्षिमध्यसोविद्रधिलहिये पकडीसीकटिपृष्ठलषावे कटिऊरूसंधनमोंथावे पार्श्वसंकोचहोतहैजवही वृषणोंमोंप्रगटतसोजवही जवसर्वांगग्रहणसोकरे हृदयमध्यतौतबलषपरे षांसीअधिकजवेप्रगटावे अवरोंश्वासहोयलषपावे मध्यकलेजैतवहींजान तृषाअधिकतौतृषाअस्थान ॥

॥ अथसाध्यअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मर्मस्थानजुविद्रधीहोय पक्वअपक्वजानलषसोय असाध्यविद्रधीतांकोजान अवरजुसंन्नपातकीमान नाभीऊर्द्धजुविद्रधीहोय असाध्यविद्रधीजानोसोय नाभीऊपरजोपकैविकार निकसैतारसऊपरद्वार नाभितलैपाकैरुजजोई तलेद्वारानिकसैरसवोई अधोद्वारानिकसैरसजोय जीवतरहैजुरोगीसोय ऊर्द्धद्वारकरहोयनिसार मरैसुरोगीनिश्चयधार ॥ अथसाध्यलक्षणम् ॥ चौपई ॥ नाभीअधत्वचामेजोहोय मर्मस्थानसमीपविजोय साध्यविद्रधीतांकोजानो निदानग्रंथमतकह्योसुमानो.

॥ अथविद्रधिउपद्रवः ॥

॥ चौपई ॥ कवजअफारतृषाअरुश्वास छर्दउवाकीहिडकींकास असलक्षणविद्रधिलषपाहि वैद्यसमस्तताकोंतजजांहि ॥ दोहा ॥ विद्रधिशोथवषानियोसवलक्षणसंयुक्त एकसमझतहांचाहियेजानेयुक्तअयुक्त ॥ इतिविद्रधिशोथरोगनिदानम् ॥

॥ अथविद्रधीरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्साविद्रधीसुनियेइकचितह्वोय ज्योंभाषीवंगसेंनमततैसेंवरणोसोय ॥ चौपई ॥ रुधिरजलौकाकरजोमोक्षण अरुहितकरजानोमृदुरेचण विद्रधिरुजजोसर्वप्रकार यहउपायतामोंहितकार पित्तजविनास्वेदहितकारी यहउरधरिएसमझविचारी अपक्वविद्रधीजांहिलषावे शोथऔषधीतापरखावे

॥ अथवातजविद्रधीशोथलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शोथवर्णश्यामवालाल कबहूंअल्पकबीहोयविशाल नानाविधिकोपाकउत्थान पीडासंयुतहोयसुजान

॥ अथवातजविद्राधिउपायः ॥

॥ लेपनम् चौपई ॥ एरंडमूलकील्वचापिसावै घृतचरवीअरुतैलमिलावै करेउष्णपुनलेपलगावै वातजविद्रधिरोगनसावै स्वेदनिकासेवंधनकरै वातजरोगविद्रधीहरै ॥ अथवंधनम् ॥ त्वचासुहांजणेमूलपीसाय उष्णकीजियेताहिवंधाय ॥ अन्यश्चलेपः ॥ चौपई ॥ यवगोधूममुद्गयहतीन घृतपीसालिपावैपुरुषप्रवीन तौभीहोएरोगकोनाश दुखनाशैतनसुखपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ विल्वपुनर्नवाअरुदशमूल देवदारुयहलेसमतूल पीवेउष्णवालेपलगावै वातजरोगविद्रधीजावै ॥ चूर्णम् ॥ गुगुलचूर्णसहएरणतेल पीवैवातजविद्रधिठेल ॥ अथकाथः चौपई ॥ ज्वरसंयुक्तविद्राधिजोय यहउपायकीजैदुखषोय हरडपुनर्नवाविल्वदशमूल गिलोयसुहांजणालेसमतूल देवदारुपुनसंगमिलीजै करेकाथप्रातहिंउठपीजे अथवायांकोचूर्णखाय वातविद्रधीसहज्वरजाय

॥ अथपित्तजविद्रधिशोथलक्षणम् ॥

चौपई उदुंवरपक्कवरणजिंहहोय रंगश्यामज्वरसंयुतसोय शीघ्रपकैअरुशीघ्रउठैऊ पित्तजलक्षणजानोतेऊ

॥ अथपित्तजविद्रधीउपायः ॥

॥ चूर्णम् ॥ चौपई ॥ जोपित्तजविद्रधीलषावै ताऊपरयहचूरणखावै लाजामिसरीअवरमुलठ्ठ यहसमघृतमोंकरैइकठ्ठ प्रातहिंउठकरखावैताम्र पित्तजविद्रधिहोवैनाश ॥ अन्यच्च चौपई ॥ चंदनअरुसमलेहुउशीर प्रातहिंउठपीजैसंगक्षीर अथवायांकोलेपलगावै विद्राधिपित्तजहतहोइजावै काथजुत्रिफलात्रिवीयुतपीवै नाशविद्रधीपित्तजथीवै ॥ अथघृतम् घृतशतधौतपानकरैजोय वामाषनगोकापीयेसोय पित्तजविद्रधिहोवैनाश निश्चयकीजैमनमोंतास अथवावहरेचनकरवावै पित्तजविद्रधितांतेंजावै

। अथकफजविद्राधिशोथलक्षणम् ।

॥ चौपई ॥ अल्पपांडुवरणसुलषावै वडोशोथशीतलदरशावै सनिग्धअल्पपीडायुतहोय चिरकरपकैउठैचिरसोय कफजचिन्हाविद्रधियहकहै ज्योंनिदानग्रंथमोंलहै

॥ अथकफजविद्रधीउपायः ॥

॥ चौपई ॥ कफजविद्रधीजांहिलहीजैं इहविधितासचिकित्साकीजै ईटोंकावालोहेसेक रेतसेकवालषोविवेक वागोगोवरसेकदिवावै कफजविद्रधीहतहोइजावै ॥ अन्यउपायः ॥ गूत्रउष्णकरतासोंधोवै स्वेदनिकासैकफजहिंषोवै ॥ अन्यच्च ॥ दशमूलहिंकोरसवाकाथ धोवैविधिसोंइन्हकेसाथ कफजविद्रधीहोवैनाश दुखनाशैलनसुखप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सुहांजणवरुणाकोकरकाथ गुगुलपीवैतांकेसाथ विद्रधीकफजहोयहैनाश निश्चयआनोमनमोतास ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलावादशमूलीकाथ गुगुलपीवेतांकेसाथ वापीवेगोमूत्रसंग कफजविद्रधीहोवेभंग

॥ अथत्रिदोषजविद्रधिशोथलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नानावरणश्रावपुननाना नानाविधिपीडाप्रगटाना नानाथलतलऊपरजान पाकहोय त्रिदोषजमान घटवतवडोशोथदरशावै चिन्हत्रिदोषनकेप्रगटावै ॥ अथउपायः ॥ त्रिदोषजविद्रधीजिसतनलहिए औषधतांहित्रिदोषहरकहिए

॥ अथक्षतजविद्रधिशोथलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ काष्टलोहपाषाणआदिजो तिन्हकरताडितलषियतथलसो तिन्हथलतेंनहिंरक्तनिकाशै विनारक्तवडशोथप्रकाशै नरनहिंऐसोंपथ्यरहाही क्षतजविद्रधीउपजैताही क्षतमेवायुकुपितजवहोय रक्तअवरपित्तप्रगटतसोय ज्वरअरुतृषादाहउपजाय क्षतजविद्रधीलक्षणगाय पित्तजविद्रधिपूर्वजोकही तिसकेलक्षणजानोसही

॥ अथकोष्टजविद्रधिउपायः ॥

॥ चौपई ॥ जिसेविद्रधीकोष्टमंझार तांकोअसकीजैउपचार हरडचूर्णनीकेंपीसावै रससुहांजणसाथपिलावै कोष्टविद्रधीकोहोइनाश एरंडतैलपानहिततास ॥ अन्यच्चूर्णम् ॥ चौपई ॥ जीरामघतुम्मायुतलीज पुनहींअपामार्गकेवीज यहसमचूर्णपीवैजोय नाशविद्रधीकोष्टजहोय ॥ अन्यउपायः ॥ सुहांजणेमूलरसमधुजुमिलाय पीवेकोष्टजविद्रधीजाय

॥ अथरक्तजविद्रधीशोथलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कृष्णवरणशोथकोहोय तीव्रदाहपीडायुतसोय स्फोटसज्वरपित्तचिन्हलषावत रक्तजविद्रधिसोऊकहावत

॥ अथरक्तजादिउपायः ॥

चौपई रक्तसपित्तजविद्रधिजोय नाडीवेधश्रेष्टतिंहहोय केवलरक्तजविद्रधिमाहि पित्तजक्रियाश्रेष्टलषपाहि

॥ अथरक्तविद्रधिउपायः ॥

॥ चौपई ॥ रक्तचंदनमंजीठमिलाइ हलदीमुहुआअगुरजुपाइ दूधपीसलेपजोकरे रक्तजविद्रधितातेंटरे क्षतजविद्रधीपुर्वजोकही तांकीऔषधभीहितलही

॥ अथअपक्वविद्रधिउपायः

॥ चौपई ॥ जोअपक्वविद्रधीलषावे तासचिकित्साऐसेंगावे ॥ क्वाथः ॥ सितपुनर्नवाकोलेमूल वरुणामूललेहुसमतोल करैक्वाथनरपीवैजोय नाशअपक्वविद्रधीहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ केवलक्वाथसुहांजणाकीजे सेंधाहिंगुमिलायसुपीजे अपक्वविद्रधीकोहोइनाश इहप्रकारगुणजानोतास ॥ चूर्णम् ॥ पाठामूलचूर्णमधुपाय सतंडुलजलपीवैदुखजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ हरडसेंधापुनलेधावे घृतमधुमेलेचरणषावै अंत्रविद्रधीहोवैनाश निश्चयकीजैमनमोतास ॥ लेपनम् चौपई ॥ दंतीचित्राहरतालहयमार पुनकरंजूतांहूमोंडार यहसमपीसैलेपनकरै शोथविद्रधीतातेंटरै

॥ अथसामान्यविद्रधिचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ भूनिंवप्रथमअर्धपलपाय रजनीइकपलतांहिसमाय दालहलददोइपलसंगदीजै मूर्वाअर्धप-लतासंगकीजै पलपुनर्नवाअर्धपलकौड पलगिलोयलेतामोंजोड सुंठयवाहाअंमलतास पलपललेकरमेलोखास अर्धपलपावेतासमुलट्टी वस्तूषीसकरेसवकट्टी सप्तपर्णकोगडातिंहपाय वासारसलेतांहिमिलाय गुडजलसोंप्रातहिंपीवेतास त्रैदिनमोंहोइविद्रधिनाश ॥ अथवरुणाघृतम् चौपई ॥ वारुणकाथहि-घृतजुपकीजै प्रातसमयउठताकोंपीजै विद्रधिअरुशिरशूलविनाशै गुल्मरोगपुनतातेंनाशै ॥ अथकरंजु-घृतम् चौपई करंजुपत्रवरुणाफलआन पत्रमालतीपुनलेठान पटोलपत्रनिंवदललीजैं दोनोरजनीतामों-दीजैं मोममुलट्ठकिरायताजान कौडप्रियंगूकरोमिलान मजीठसारिवाचंदनपाय उशीरउत्पलत्रिवीमि-लाय निचुलत्वचलीजैकुसमूल यहसबकर्षकर्षसमतूल प्रस्थएकघृतपायपकावै खावैविद्रधिरोगमिटावै दुष्टव्रणनाडीव्रणनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथप्रियंग्वादितैलं ॥ चौपई ॥ प्रियंगूधावैलोध्रमिलाय दोनोरजनीकायफलपाय यहसमपावैतैलपकावै मर्दनकरेअवरपुनखावै विद्रधिव्रणकोहोवैनाश ऐसोगु-णताकोंकीनप्रकाश ॥ अथएरंणतैलम् ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिवीकुलथदशमूल मूलीमुत्थसुहांजनसम-तूल इन्हमोंतिलएरणतैलपकावै खावैमलैविद्रधीजावै ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साविद्रधीवंगसेनअनुसार इहविधिसोंतेऊकरैरहैनतांहिविकार ॥ इतिश्रीविद्रधिरोगचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथविद्रधिरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ विद्रधिरुजकोकहितहोंपथ्यापथ्यअधिकार सुनलीजैउरधारकैपुनकीजैउपचार ॥ अथप-थ्यम् चौपई ॥ रुधिरमोक्षस्वेदपुनरेचन लसनकरेलेइटासिटलेपन आमवातकेजोसबपथ्य श्रीपर्णीचित्रा-जुकुलत्थ चावललालपुरातनजान लालसुहांजणपथ्यपछान माष्योंअरुघृततैलकहावै मुंगीकाथपथ्यल-षावै कदलीफलपटोललषलीजै पुनचंदनकोंपथ्यलहीजै अरुव्रणरोगपथ्यहेजेते विद्रधिरोगपथ्यलषतेते मारूथलमृगपक्षीमास सोभीपथ्यजानहोतास जवयहरोगपकदरशावै शस्त्रसाथतांकोहिचिरावै॥ दोहा विद्रधिरुजकेपथ्यसबभाषेंभलेंसुजान ताकेसकलअपथ्यसुनसोअवकरोवषान ॥ अथअपथ्यम् दोहा ॥ शोथअवरव्रणरोगकेजितेअपथ्यवषान तेतेइसकेजानियेपुनजलसिंचनस्नान इतिविद्रधिरोगेपथ्यापथ्य-अधिकारःसमाप्तः ॥ दोहा ॥ विद्रधिरोगवषानियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्या-पथ्यवषान ॥ इतिश्रीविद्रधिरोगःसमाप्तः

॥ अथविद्रधिव्याधिदोषकारणउपायनिपरूणम् ॥

॥ अथकारणम् ॥ चौपई ॥ जोदेवकीमूर्तीचोरावै विद्रधिव्याधिताहिप्रगटावै तांकोसुनोउपायवताऊं कर्मविपाकहुतैंलषपाऊं ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ यथाशक्तिस्वर्णमंगवावै तांकोवृक्षएकघडवावै शाखा-

पत्रपुष्पफलसंग वनधावैअसवृत्तअभंग पंचद्रोणतंडुलपरधार तांकोपूजेभलीप्रकार लोकपालकलशनपरजज्जै हवनकरैजुसमग्रीसज्जै करसंकल्पविप्रकोंदेय आपहिंरुजतैंमुक्तिकरेय ॥ दोहा ॥ विद्रधिव्याधिवरणनकरीकारणसहितउपाय व्रणदोषकेरोगकोंभाषोंभलेवनाय ॥ इतिविद्रधिदोषकारणउपायः समाप्तः ॥

॥ अथविद्रधीरोगज्योतिषम् ॥

॥ चौपई ॥ जोदोयपापीग्रहनमेंमध्यपडेगोचंद तिहग्रहसोंच्छषग्रहविषेछायासुतहोइवंद चंद्रमाकीपूजाउचितऐसेंकारणमाहि होमजग्यकरविद्रधीरोगनरहिंहैतांहि ॥ इतिज्योतिषम् ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांविद्रधीरोगवर्णनंनामचत्वारिंशोऽधिकारः ॥ ४० ॥



॥ अथव्रणशोथनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ व्रणकेशोथनिदानकीभाषारचोंवनाय जैसेंकह्योंनिदानमोतैसेंदेहुंसुनाय ॥ चौपई ॥ व्रणशोथहैछेइप्रकार वातपित्तकफतीनउचार चतुर्थसंनिपातकाजान रुधिरदुष्टसोपंचममान षष्टममेदइकऔरवषानो किसीतरहचोटनकामानो प्रथमहिव्रणहोवतहैतनमें पीछेसोथहोयउसव्रणमें ॥ शोथहोतइकअंगमंझारे सोव्रणपूर्वरूपउचारे पूर्वउक्तशोथकीन्यांई इसकेभेदतिसीविधिगाई अपकपच्यमानजुभनीजें अवरपक्कत्रैभेदगणीजें तिन्हकेलक्षणभाषसुनाऊं जैसेंग्रंथनमेंलषपाऊं वायुशोथव्रणविषमाहिपके पित्तव्रणशीघ्रअतिपकसके कफव्रणवहुचिरहोईपकान रुधिरचोटव्रणतत्कालपछान

॥ अथअपक्कलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मंदहवाडकठिनताहोय अल्पशोथपीडामंदजोय त्वकसमानवर्णजिसदेखे सोव्रणअपक्कजानइसलेखे अपक्कशोथलक्षणयहजान पच्यमानकेकरोंवषान ॥

॥ अथपच्यमानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अग्निदाहवतदग्धलहीजे कीटदंशवतपीडलषीजे शस्त्रनकराछिदयतहैमानो कुठारन्यायभिदयतसोजानो पीडतमानोदंडकीन्याय सूचिनकरतुंवियतइहभाय अंगुलीघातवतपीडतजोय अवरविवर्णतासतनहोय ज्वलितअग्निसमीपजुदाह तैसेतनपरव्यापेताह वृश्चिकविद्धन्यायहोइसोय ऐसेंशांतिनपावैजोय वैठनशयनसमेसुखनाही तडफतजातदिनरातविहाही तृषाअवरज्वरहोवनजास अरुचिप्रकासहोतवहुतास फूलैसनाहचर्मकीन्याई पच्यमानअसचिन्हलषाई

॥ अथपक्कलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अल्पपीडसमसोथजुहोय प्रगटितपांडुवर्णतिसजोय वलपडजांहिशोथपरजवै षुरकहोयत्वचफूटैतवै अंगुलीशोथमध्यजुषुभावे तातेंपूयप्रगटतहोइआवै तृषाअवरज्वरहोवतनाश दाहपित्तकेघटहैतास वस्तीस्थानफिरतजलजैसे पूयफिरतव्रणमाहिजुतैसे भोजनभातव्रणीरुचकरै पक्कशोथव्रणयोंउच्चरै ॥ दोहा ॥ पीडाहोयनवातविनापित्तविनपाकनहोय कफविनपूयनहोतहैमिलिततीनपकेसोय ॥ चौपई ॥ व्रणकोपक्कपूयप्रगटाय तांकोकाढनप्रथमउपाय व्रणतेंपूयनिकलेनाही शिरास्नायुअरुमांसजुखाही तृणमधअग्नीजानोजैसे व्रणमेंपूयमानोतुमतैसे अपक्कादिकजभेदनजान वैद्यनहींतिसतस्करमान पक्कानछिदेअपक्कछिदावै वैद्यसोउचांडालकहावै दोहा व्रणकेशोथनिदानकोकीनोभलेंउचार समझचिकित्सातासकीकरैसुवैद्यविचार ॥ इतिव्रणशोथनिदानम् ॥

॥ अथव्रणनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ व्रणनिदानवरणनकरोंसोहैदोयप्रकार समझचिकित्साजोकरैतांहीवुद्धिउदार ॥ चौपई ॥ द्विप्रकारकोव्रणअनुमानो शारीरिकआगंतुकजानो वातादिकदोषनतैंजोय शारीरिकव्रणजानोसोय शस्त्रादिकक्षततैंजोहोई आगंतुकव्रणमानोसोई ॥

॥ अथव्रणरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ व्रणरोगचिकित्साकहितहोंसुनलीजैचितधार जैसेंलिखीतैसेकरेरहैनरोगविकार ॥

॥ अथवातजशारीरिकव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अचलकठिनस्पर्शहैवाको आवमंदहोवतहैतांको वहुश्यामव्रणकोतुमजानो शूलन्यायपीडाअतिमानो वहुफरकैवहुपीडातास वातव्रणयोंकीनप्रकाश ॥

॥ अथवातजव्रणचिकित्सा ॥

॥ अथलेपनम् ॥ चौपई ॥ विजोराअग्निमंथसुरदार सुंठीरहसनलेसमडार लेपलगावैव्रणजोवात निश्चयकीजैहोइव्रणघात ॥ अन्यच्च ॥ अषरोटत्वचाकांजीकेसंग लेपैहोयशोथव्रणभंग ॥ अन्यच्च ॥ सरीहधतूरचौलाईमूल हिंसरकालानुदर्शनतूल पीसैयांकोंलेपलगावै वातजशोथव्रणकोमिटजावै वायूहरनहोतजोवस्तु तिन्कालेपकरेजुप्रशस्तु ॥ अन्यच्च ॥ वंधनसेचनलेपनजान स्वेदनपूर्णस्नेहकोपान अवरजुदुग्धपानकरवावे वातजव्रणकोदूरनसावे ॥

॥ अथपित्तजशारीरिकव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तृष्णादाहमोहज्वरलहिये आर्द्रछिद्रैंदुर्गंधरसपैये पित्तजकेयहलक्षणजान कफजशारीरिककरोंवषान ॥

॥ अथपित्तजशोथव्रणचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ दूर्वाचंदनअरुनडुमूल अवरमुलट्ठीलेसमतूल पीसैयांकोलेपनकरै पित्तशोथव्रणकोयोंहरै अवरहुंशीतललेपनजेते पित्तजशोथव्रणमोंलषतेते ॥ अन्यच्च ॥ सीतलमधुरास्निग्धजोलेपन शेचनअवरघृतपानविरेचन इनकरपित्तजव्रणकोसांधे वैद्यकमतमनदृष्टकरवांधे

॥ अथरुधिरकेव्रणकालक्षणम् ॥

चौपई ॥ लालहोयव्रणरुधिरवहुचले वायुपित्तकरसोव्रणफले कफपित्तलक्षणजानप्रवीन वायूकफकरहोतनवीन

॥ अथरक्तजव्रणशोथचिकित्सालेपनम् ॥

चौपई ॥ वटअश्वत्थउदंवरआन वैंतपलक्षलसूडाजान दोनोचंदनअवरमंजीठ गेरीअवरमुलट्ठकीठ यहसमऔषधचूर्णकरै घृतशतधौतहिंमेलसुधरै लेपकरैरक्तजव्रणजाय शोथदाहकोमूलगवाय अवरक्रियाजोहोइपित्तनाश सोऊक्रियापुनकीजैतास

॥ अथकफजशारीरिकव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अल्पपीडभारीअतिहोय होइसनिग्धपांडुरंगसोय आर्द्रअल्पअरुनिश्चलजानो पिछलपूयश्वेतिसमानो चिरकरपाकहोतहैजिसको कफकरव्रणतुमजानोतिसको ॥

॥ अथकफजव्रणशोथचिकित्सालेपनम् ॥

॥ चौपई ॥ अजगंधाअजश्रृंगीकाला असगंधसरलयहलेपसुषाला व्रणकफकोजातेंमिटजाय व्याधजायव्याधीसुखपाय कफहरनकीजौऔषधिवर गरमलेपतिससूजनहर ॥ अन्यच्च ॥ सुंठपुनर्नवाअरुसुरदार अरुदशमूलसुहांजणडार पीसउष्णकरलेपलगावै कफव्रणशोथवातमिटजावै लेप-

नकरैनरात्रिमंझार अरुपीस्योवासीनहिंहितकार अरुसूकोलेपननहिंकरै जोअरोग्यतानिजउरधरै जोलेपनतैंरोगनजावै तासक्रियावंधनकरवावै ॥ अन्यच्च ॥ कटुककप्रोलातीत्त्णजोय लेपनसेचन-उष्णकरसोय पाचनलंघनतासकरावे कफजरुजीकोव्रणरुजजावे

॥ अथद्वंद्वजलत्तणम् ॥

॥ चौपई ॥ दोदोदोषजलत्तणजास द्वंद्वजशारीरकलषितास

॥ अथद्वंद्वजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वातपित्तसंयुतव्रणजोय रेचनश्रेष्टकहितहैंसोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पूय-सहितअैसोव्रणजोय पुनजुऊर्धमुखलषियेसोय ताकोंवेधैचीरैतास श्रेष्टउपायकियोपरकास ॥ अथलेपनम् ॥ चौपई ॥ वालवृद्धतियमर्मस्थान होवैव्रणतोलेपयहठान करंजुचित्रादंतीहय-मार कपोतकंकगृध्रविष्टाडार समयहपीसलेपजोकरै व्रणकोदोषरोगनिरवरै इतिद्वंद्वजचिकित्सा

॥ अथत्रिदोजषलत्तणम् ॥

॥ चौपई ॥ तीनदोषकेलत्तणजामों वातपित्तकफलषियततामों सोऊत्रिदोषजव्रणपहिचान अैसेंभाषैग्रंथनिदान

॥ अथशुद्धव्रणलत्तणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोजिव्हाकेअग्रसमलाल निर्मलपीडारहितसुचाल चीकनीपूयरहितफुनहोय तौव्रणसु-द्धव्यवस्थाजोय ॥ अथदुष्टव्रणलत्तणम् ॥

चौपई सहरक्तपूयदुर्गंधश्रवाय सोथस्थिरदुष्टव्रणहिकहाय दुष्टव्रणज्योंलत्तणजान वंगसेनमतकीनप्रमान

॥ अथअंकुरितशुद्धव्रणलत्तणम् ॥

॥ चौपई ॥ पांडुधूसररंगजिहहोय अंकुरपूयसहितफुनिसोय चलितशोथपिटकाव्रणजान अंकुरि-तव्रणताहीपहिचान ॥ अथव्रणभरताहोयउसकालत्तण ॥

॥ चौपई ॥ जिसव्रणशुद्धअंकुरनिकलेई गाढनहोइसूजननहितेई सोव्रणशुद्धपूर्णकरजान व्रण-भरतातिहतासपछान ॥ अथव्रणसुखसाध्यलत्तणम् ॥

॥ चौपई ॥ त्वकअरुमांसवीचव्रणजोय व्रणसुखसाध्यजानतुमसोय व्रणजोमर्मस्थानकेमांही जाहूतांहिउपजितहैनाहि तरुणपुरुषहौवैबुधवान ज्वरतृष्णादिउपद्रवहान अरुजाकोंजुनवीनव्रणक-हिये उतपातिशिशिराहिमंतहिलहिये ताव्रणकोंजुसुसाध्यपछानो कहोंअसाध्यचिन्हलषमानो ॥ इतिसु-साध्यलत्तणम्

॥ अथअसाध्यव्रणलत्तणम् ॥

चौपई ॥ साध्यचिन्हभाषेहैंजोय जिसव्रणमोंलषियतनहिकोय अरुदुर्गंधरक्तपूयत्रावै श्रवतरहै वडाछिद्रलषावै जिहघृतमद्यकमलकीगंध चंदनचंपकअगरसुगंध अरुपुष्पनकीगंधप्रकाशै शीघ्र-

व्रणीकोंअसव्रणविनाशे जोव्रणअंतरजलतोभासत वाहरशीतलतापरकाशत अंतरशीतलवाहिरजलै औसोंव्रणीसोनिश्चयगलै एतेचिन्हजुकीनवषान सबअसाध्यकेलक्षणजान वैद्यआपनोयशजोचाहै असव्रणरोगीकोतजजाहै ॥ इतिअसाध्यव्रणलक्षणम् ॥

॥ अथव्रणरोगेसामान्यचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अलसीतिलकुट्टलवणरलाय अपामार्गपुनपीसमिलाय कांजीसोंपिण्याकवनावे वस्त्रसोंऊपरतासवंधावे यातेंशांतहोयसोरोग वंधनक्रियालषयोंलोग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ लेउसुहांजणअरुशणमूल तिलअलसीसर्षपयहसमतूल पीसउष्णकरवांधेसोय रोगनिवर्तशांतिसुखहोय अन्यच्च उपायः ॥ जाकेतनव्रणरुजलषपैये ताहिखेदभीहितकरकहिये ॥ अन्यच्च ॥ सर्पकंजसंगभस्ममिलाय कटुतेलमिलायमलैव्रणजाय ॥ अन्यच्च ॥ लेशरपुष्पमधुयुतजुपिसाय लेपनतेव्रणरोगनसाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जातनव्रणचिरकालकजोय सशोथकठिनर्पीडायुतहोय अरुसोश्यामवरणरंगभास रक्तमोक्षश्रेष्टहैतास ॥ अन्यच्च ॥ जोव्रणजांकोपककैनाहि ताउपायसुनऔसेंगांहि प्रथमउपरछोलेपलगावै पुनयहलेपलगायपकावै पिछलवृक्षनकीत्वचआन लेपैपाकनपीडनमान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ यवगोधूममाषसमलीजें पीसतासपरलेपसुकीजें तौभीपूयनपीडनहोय परव्रणसुखपरलिपैनसोय निकसीपूयजवैलषपरैं तवसंगक्काथप्रक्षालनकरैं ॥ अथक्काथप्रकारः ॥ चौपई ॥ जोरक्तजव्रणतनमोहोय निंवपटोलपत्रनसोंधोय वातजव्रणदशमूलीकाथ तांकोंधोवैताकेसाथ पित्तजव्रणजाकेतनहोवै वटादिकाथसोंताकोंधोवै कफजहिंअमलतासकेक्काथ वेइनकेसाव्रणकासाथ अथसामान्यव्रणकाथः चौपई त्रिफलाषदरनिंवकेपत्र दंतीपत्रकुशकरोइकत्र दालहलदवटातिन्हमोंपाय अष्टविशेषकरक्काथवनाय याहिकाथसाथजोधोवै सबप्रकारकोव्रणहतहोवै अन्यश्चलेपः चौपई जोमेददोषतैंव्रणप्रगटावै ताऊपरयहलेपलगावै अपामार्गगृहधूमरलावै तिलचित्रासंगलवणमिलावै मधुयुतपीससमलेपलगाय याहीतेंव्रणसूकसुजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ तिलसेंधानिंवपत्रमुलट्ठ दोनोरजनीत्रिवीइकट्ठ घृतसेंपीसैलेपैसोय शुद्धसुव्रणयाहीतैहोय ॥ अन्यच्च ॥ केवलसारवामूलविसावै लेपैव्रणसुशुद्धहोइजावै ॥ अन्यच्च निंवपत्रतिलयहसमपीसै मधुसोंलेपशुद्धव्रणदीसै ॥ अन्यउपायः॥ संधोंमोंजोव्रणप्रगटावै सूक्ष्माछिद्रतासदरशावै सहितवर्त्तिकासोधैतास शुद्धहोयव्रणाकियोप्रकाश ॥ चौपई॥ हरडत्रिवीदंतीकोआन सेंधालांगुलिसमपीसान मधुमिलायकरलेपनकीजे पूयरहितहोइवृणसोछीजै ॥ अन्याचवर्त्तिका ॥ निंवपत्रदालहलदमुलट्ठी घृतसोंपीसैकरैइकट्ठी अरुमधुमेलवर्त्तिकाभिगाय छिद्रहिंदेयशुद्धवृणथाय ॥ अन्यच्चलेपः ॥ चौपई ॥ असगंधकायफललोध्रमुलट्ठ धावैपुष्पमंजीठइकट्ठ यहसमलपीसलेपाय शोधनरोपनवृणहोइजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ धावेचंदनवलामंजीठ दालहलदउत्पलतिलईठ मेदाअवरमुलट्ठीठान समलेकूटपीसलेछान घृतयुतलेपवृणपूरणथावै यहप्रकारवृणरोगमिटावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ निंवपत्रतिलदंतीलीजै सैंधात्रिवीमर्षीरमिलीजै यहसमलेपलगावैजोय महादुष्टवृणशोधनहोय वृणशोधनकोंलेपनएह सिंहन्याईहैजानोतेह अन्यच्च चौपई कोगडअर्जुनातिलपुनलोधर त्रिष्णुक्रांतदोयरजनीधर निंवजुपत्रमयूरशिखाय यहसमलेपदुष्टवृणजाय अन्यच्च चौपई कायफलदाडिमहलदीलीजै पाटलपुष्पअरुमुश्रमिलीजै यहसमरसआमलेपिसाय लेपनकरैदुष्टवृणजाय ॥ अन्यच्च चौपई

विषरजनीसर्षपकेतेल लेपकरैदोनोसममेल सप्तदिवसलगलेपलगाय महादुष्टव्रणतनतेंजाय ॥ अन्यच्च चौपई शतपुष्पाअरुपत्रधतूरा कुठेरककरणमोटकरचूरा भिन्नभिन्नजोलेपैंताहि व्रणगंभीरपूर्णहोइजाहि ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जोव्रणदाहपीडयुतथावे तासलेपसुनऐसेंगावे तिलभूनैपुनपीसमंगावै दूधमिलायलेपसोलावै पीडादाहनाशव्रणहोय निश्चयकीजैमनमोंसोय ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ दशमूलीकोक्काथवनाय तेलजुअथवातिसघृतपाय उष्णउष्णसंगव्रणसुधुआय व्रणपीडासंयुतमिटजाय ॥ अन्यश्चलेपः ॥ यहचूर्णमधुघृततेलमिलाय लेपैदाहपीडमिटजाय ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ व्रणचिरकालिककठिनजुहोय शोथसहितजानोपुनसोय तिसकोंछेदेच्चारलगावै नाशैव्रणतनशांतिजनावै ॥ अन्यउपायः ॥ जोव्रणश्रवैपीडवहुकरै ताकोंधूपदेयदुखटरै ॥ अथधूपः ॥ चौपई ॥ यवचंदनभुर्जपत्रसुरदार गुगुलअवरविरोजाडार अवरसैनफलरालमिलावै घृतमिलाययहधूपधुषावै व्याधीशांतिलहैदुखजाय अवरधूपकहोंसुनाय ॥ अन्यच्च चौपई ॥ निंवपत्रसेंधाहिंगुवरच सर्षपसमपीसोघृतसरच यहव्रणकोंजोधूपदिवाय कृमिकंडूव्रणतुर्तमिटाय ॥ अथकृमिउपायः ॥ करंजुनिंवनिरगुडीलीजै इन्हकोरसलेव्रणमोंदीजैं व्रणविकारकृमितातेंछीजैं वंगसेनमतनिश्चयकीजे ॥ अन्यच्च ॥ पीडाकोलेप ॥ केवललसनपीसलेपावै तौभीव्रणकीपीडाजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जोव्रणरोमस्थानमंझार ताकोभीयहहैउपचार प्रथमहिंरोमसुनायनिवारै पुनतापरयहलेपसुधारै कपोतवंकाअरुचित्रेमूल सेंधालवणलसनसमतूल अश्वलिद्दरसलेपलगाय रोमनकोव्रणदूरनसाय ॥ अथपाणां ॥ चौपई ॥ जोव्रणगलैश्रवतहीरहै दुर्गंधीचिरकालकलहै त्रिफलेकोरसगुगुलसंग पीवैरोगहोयव्रणभंग ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ हरडआमलेनिंवपटोल क्काथकरैसबलेसमतोल गुगुलचूर्णसाथपिलाय विस्फोटविसर्पीव्रणनरहाय ॥ अन्यउपायः ॥ लाचमंजीठजुमनछलआने दोनोहलदीसबसमठाने मधुरलायलेपैनरजीवै नाशरोगव्रणकोजोथीवै ॥ अन्यउपयः ॥ चौपई ॥ दुर्गंधीअरुकुरूपव्रणजोय श्रवतरहैपीडायुतहोय सोभातपुरातनवासमतीको वनपच्चीकेमांससाथसो उष्णउष्णवहुघृतसोंषावै शीघ्रहींव्रणपूरणहोइआवै व्रणीपुरुषदिनमोंनहिंसोवै करैनमैथुनइहविधिहोवै काचेव्रणकोंछेदेनांहि करेनउपचायाकेमांहि इतिशारीरिकव्रणचिकित्सा

॥ अथागतुकशस्त्रादिक्षतजव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शस्त्रजुनानाजिनकीधारा नानामुखनानाआकारा तिन्हकेक्षतजोव्रणप्रगटांहि आगंतुकतिसगांहिसुनांहि आगंतुकषटभेदवषाने वैद्यग्रंथतैंलषैंस्याने प्रथमहिंछिन्नभिन्नपुनकह्यो विद्धअवरक्षतपिच्छिलितलह्यो षष्टमघृष्टजुनामवषानियो इंहप्रकारभेदषष्टजानियो तिन्हसबऊनकेचिन्हवताऊं जैसेंशास्त्रहुतेंलषपाऊं.

॥ अथछिन्नव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ खडगादिकशस्त्रनअनुसार टेढोशरलघाउसंचार घाउसोऊजोविस्तृतहोय छिन्ननामकहियतहेसोय

॥ अथभिन्नव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वरछावरछीवाणकहीजै शृंगआदिजोशस्त्रभनीजै इन्हकरक्षतकछुश्रवहैजोय भिन्ननामकहियतहैसोय

॥ अथभिन्नव्रणभेदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जेउअन्नअरुआमस्थान अग्निस्थानमूत्रथलमान रक्तठौरअरुहृदयस्थान इन्हठौरन जोक्षतप्रगटान तिन्हकोंथलजुकोष्टपुनकहिये यहथलरक्तपूर्णपुनलहिये इन्हकरदाहअवरज्वरहोय लिंगगुदामुखनासाजोय इनद्वारनहोइरुधिरप्रचार मूर्छाश्वासतृषाजुअफार विष्टामूत्रवातसंगहोय परसावहुतनआवतजोय नेत्रलालरंगहोवतजास रुधिरगंधमुखमेहोयतास देहदुर्गंधआवेजिसमाही आगेअवरकहोंसुनताही हृदयशूलजुअरुचिताजान पार्श्वशूलहोवेंप्रगटान याकोअवरविशेषसुनाउं जिहप्रकारआपहिंलषपाऊं जोस्थानरक्तपरवेशकरेजव रक्तकर्दअफारशूलप्रगटेतव जोअन्नकेस्थानमंझार रुधिरपरेयोंलषोविकार पीडाअरुगुरुतापप्रगटावत देहतलैकीशीतलथापत

॥ अथविद्धव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ सूक्ष्मशस्त्रनकरपुनजोई वेध्योहोयपुरुषलहुकोई वाशस्त्रपारनिकसतनगयो ताकोनामविद्धलषलयो ३

॥ अथक्षतजव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नांअतिछिन्ननांहिअतिभिन्न पैयतहैंजामोंदोचिन्ह क्षतव्रणताकोनामकहैये ग्रंथनिदानहुतैंलखैये ४

॥ अथपिच्चलितव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोप्रहारकरपीडतअंग भारीहाडनयुतहोइभंग मज्जारक्तकरपूर्णहोय पिच्चलितव्रणलषियतहैसोय ५

॥ अथघृष्टव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ संघर्षणहोतकिसीहूंकर जासत्वचाउषडीसीलषपर अरुहवाडतातैंनिकसावै घृष्टनामताहीकोगावै

॥ अथशल्लव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वर्णश्यावसहशोथलषावत पिटकासंयुतरुधिरश्रवावत कोमलमांसजुवुदवुदाकार नामसशल्लजतासउचार ॥

॥ अथअन्यश्चभेदःसशल्यव्रणलक्षणस्य ॥

॥ चौपई ॥ गोलीतीरजुअंदररहै ताकोवाहरनिकालसुलहै तातेंहोवततनमैंघाउ नामसशल्लतासकागाउ इंहप्रकारलक्षणसविचार निदानहुतेंलषकैरउचार ॥

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अंतरजाहिरुधिरपड़जावै पांडुरंगतनकोदरशावै शीतलहस्तपादमुखजास रक्तनेत्रअरुशीतलश्वास ऐसेलक्षणपैयतजानो चिन्हअसाध्यसोऊलषमानो ॥

॥ अथअन्यभेदः ॥

॥ चौपई ॥ मांसअस्थिताडनकेमाहि मर्मसंधमोचतजुलषाहि ताहूकेसामान्यजुलचण जान-लेहुहैपुरुषविचचण भ्रमप्रलापहोतहैतांकों पतनप्रमोहप्रगटहोइवाकों अचवीदाहग्लानीजानो अ-तिपीडाउदगारपछानो ढीलेअंगदेहकेभासैं मूर्छाआदिविकारप्रकाशे इंद्रियनविषयनकोअज्ञान प्रग-टहोयतांकोयोंमान कुवजादिकजोकहैविकार ताकेतनकरहैंसंचार ॥

॥ अथमर्मस्थाननसासंधिहाडपेंव्रणवधगयाहोयतिनकापृथक्लचण ॥

॥ चौपई ॥ मांसजलवतरुधिरश्रवाय इंद्रियज्ञानदूरसबजाय संधीचतपीडाहोयतास सामान्य-लिंगतिसकियोप्रकाश चीचभूटडीवतरंगजांको ऐसारुधिरचलेनिततांको ऐसेव्रणमोंप्रविसेवात कुपि-तहोयवहुरोगप्रगटात तीरतरवारशस्त्रसोंघाय नसैंविंधकुवजाहोजाय अंगपीडचलजाइनसके वहुत-दिनोंमेंअंकुरपके जाहिव्रणहिवहुसूजनहोय चलतारहेसंधिघावसोजोय चैननपडैनिसादिनतांको शस्त्रादिकअस्थीव्रणयांको मर्मस्थानमोंचोटलगनसों रंगपीलाव्रणस्पर्शकहतसों

॥ अथव्रणउपद्रवलचणम् ॥

॥ चौपई ॥ अतिहीवृद्धशोथतनपरै वहुपीडातनचयताकरै स्पर्शज्ञानरहितहोइजावै हिक्काज्व-रतृष्णाप्रगटावै कंपछर्दउन्मादअर्धंग कासश्वासहोइपांडुजुरंग अरुउपजैतांकोंअतिसार यहीउप-द्रवपरमविकार ॥ दोहा ॥ ब्रणनिदानवषानियोसमझोभलीप्रकार तांकेलचणजानकेकरैवैद्यउपचार

॥ अथचतादिआगंतुकब्रणचिकित्सा ॥

॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ वंशत्वकएरंडभषडाआन पाषाणभेदसबहीसमठान काथकरैहिंगुसेंधा-पाय पीवैआगंतुकव्रणजाय कोष्ठस्थितरुधिरहैजोय ताकोवारिनिकालेसोय अन्यच्च ॥ यववेरकुलथस-मपीजेक्काथ आगंतुकनाशेइससाथ ॥ अथगौरादिघृतम् ॥ चौपई ॥ गौरारजनीपद्ममुलट्ठी मंजी-ठगोरोचनकरोइकट्ठी मांसीचंदनचंवेलीआन करंजुकौडमोममहुठान अरुपुनलीजैनिंवपटोल मेदामहामेदासमतोल वटअश्वत्थपलचउदुंवर वेंतत्वचाइहपांचतरूवर इन्हकोकाथकरैजुवनाय समघृतपुनसबऔषधपाय मंदअग्निसोंताहिपकावै षावैमलैव्रणसबीमिटावै ॥ न्यग्रोधादिघृतम् ॥

॥ चौपई ॥ वटअश्वत्थवदरीउदुंवर दाडिमत्वचामूलइन्हकोधर अरुइन्हसबकेपत्रमंगावै दोदो-पलमिर्यादधरावै पायद्रोणजलतांहिपकाय पादशेषरहैछाणधराय प्रस्थएकघृततांहिरलावै पलअर्ध-यहऔषधपावै दोनोरजनीमोममुलट्ठी कौडमंजीठहरडेंजुइकट्ठी करंजुपत्रअरुलीजेंवीजें सरिवाचंदन-तामोंदीजे पुष्पमालतीनिंवपटोल यहसबपीसपायसमतोल यहघृतपायपकायसुषावै मलैसमस्तब्रण-रोगमिटावै ॥ अथजात्यादिघृतम् ॥ चौपई ॥ चंवेलीकौडहलदीदोइआन हरडमंजीठसरिवाठान नीलाथोथामोममुलट्ठ करंजुवीजसबकरोइकठ निंवपत्रअरुपत्रपटोल सबऔषधपीसेसमतोल घृतमि-लायसिद्धयहकरै मल्हमकरवासनमोधरै ब्रणकेऊपरनित्यलगाय सबप्रकारकोब्रणमिटजाय वधेअंकू-रपूरणब्रणहोय सुखीहोयव्याधीदुखषोय ॥ अथजात्यादितैलम् ॥ जातीकरंजुपत्रकुठजान मोममुलठी-लोधरठान दोनोरजनीहरडमंजीठ पद्मकाष्टनीलोत्पलईठ नीलाथोथासरिवापाय करंजुवीजलीजेंसम-भाय कौडमिलावोनिंवपटोल सबहीऔषधलेसमतोल पायपीसलेतैलपकाय ताहिनित्यप्रतिव्रणपरलाय

सबप्रकारकोव्रणमिटजावै विस्फोटअवरदद्रुनरहावै विसर्पीदंशसमस्तनिवारै शस्त्रप्रहारवेधपुनटारै अवरदंतनखक्षतनाहिरहै दुष्टमांसइत्यादिकदहै अवरदग्धव्रणनाशनजान हितकरतायहतैलपछान

॥ अथविपरीतमूलतैलम् ॥

॥ चौपई ॥ सरपुंषलांगुलीचित्राकुठहिंग सिंधूरलसनपतीसधरसंग यहसमपायकटुतैलपकावै लावैसबीदुष्टव्रणजावै ॥ अन्यच्चतैलम् ॥ चौपई ॥ दूर्वारसवाकंवीलापाय समलैतैलमांहिसुपकाय याहिलगावैनिश्चयधार नाशहोयव्रणसर्वप्रकार ॥ अन्यच्च ॥ दालहलदत्वचतैलपकावै लावैव्रणकी-व्याधामिटावै ॥ अन्यच्च ॥ गुगुलतैलगिलोयपकाय तिसेलायव्रणरोगनसाय ॥ अथत्रिफलादिगुगुल ॥

॥ चौपई ॥ त्रिफलासूक्ष्मकरपीसावै तासमगुगुलपीसमिलावै वटकावांधषायपुनलाय तौभीव्रणतन-तैंमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटावायविडंग गुगुलसमपीसकरोइकसंग घृत-सोंवटकावांधेतास षावैसर्वजातिव्रणनाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ गिलोयपटोलमूलत्रिकुटाय अवराविडंगात्रिफलासंगपाय सबसमगुगुलपीसमिलावै सघृतगुटकाअच्छवंधावै नितप्रतिगुटका-एकजुषाय व्रणवातरक्तशोथमिटजाय गुल्मरोगभीहोवैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥

॥ अथद्वात्रिंशतगुगुलुः ॥

॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटामुथविडंग चित्राहुवेरगिलोयधरसंग देवदारुतुंवरुदोयच्चार गजपीप-लतुम्बासेंधाडार विडसौंचलअरुपिपलामूल पटोलचवकअरुपुष्करमूल दोनोरजनीसबसमभाग सबतेंदुगुणोगुगुलपाय कूटपीसपुनवेरप्रमान मधुसोंगुटकावंधेसुजान मधुसोंषायसबीव्रणजावैं श्वा-सकासशोथनरहावैं अर्शभगंदरहृदकोशूल पार्श्वशूलहोवैनिरमूल कुक्षिशूलगुदशूलमिटावै नाभि-तलेकोशूलनसावै मूत्रकृच्छ्रअश्मरीविनाशै अंत्रवृद्धचिरकोज्वरनाशै च्छर्दीरोगकृमिजायअफार उन्मा-दकुष्टहतेउदरविकार प्लीहश्लीपदनाडीव्रणजोइ कुष्टजुआगंतुकव्रणसोइ एतेरोगनकोंजुनसावै अ-सताकेगुणप्रगटलषावै ॥ अन्यच्च ॥ पूर्वकहीवस्तुसबीमिलीजै जीरासुंठीसौंफरलीजै तजपत्रयवा-हातांमोपाय द्वात्रिंशतगुगुलनामकहाय ॥

॥ अथअग्निदग्धलक्षणउपायै ॥

॥ चौपई ॥ अग्निदग्धव्रणदोयप्रकार प्रथमदग्धतैलादिविचार दूसरलोहअग्न्यादिकरजले ऐसे-करप्रकारइहभले प्लुष्टदुर्दग्धसम्यक्विचार अतिदग्धइहचारप्रकार इनचारोंकेलक्षणकहों भिन्न-भिन्नकरजानसुलहों

॥ अथप्लुष्टदग्धलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जांहिव्रणदग्धअग्निसोंहोय रंगवरटेप्लुष्टकहियेसोय ॥

॥ अथप्लुष्टउपायः ॥

चौपई काहूकारणजलैजुअंग प्रथमतपाईताहुसुखसंग लेवेआदिजोगर्मदवाई लेपकरेप्लुष्टमिटजाई

॥ अथदुर्दग्धलक्षणम् ॥

चौपई जिसमोदाहजुपीडाहोय फोडेमिटेंनवहुदिनसोय आगेतासचिकित्साजानो जिसलक्षणदुर्दग्धप छानो औषधघृतयुतलेजुवनाई गर्मकरतसीतलकरवाइ लेपनकरेदुर्दग्धमेजोई मिटहैव्याधशीघ्रसुषहोई

अथसम्यक्दग्धलक्षणम् ॥

चौपई ॥ जांहिअंगतांवेवर्णसुरहै वृद्धदाहजुपीडाफैलनचहै आगेतांकोसुनोउपाय वंगसेनमतजैसेगाय तवाशीरप्रक्तजढजोय रक्तचंदनअरुगेरिगिलोय घृतमोंपीसलेपजोकरै सम्यक्दग्धदूरतेहरै

॥ अतिदग्धकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ जांहिमांसतुचसवजलजाय अतिकायाभिन्नताहिदरसाय नसैंस्नायुसंधिहाडसवजलै पीडाहोयदाववहुवलै मूर्छाअंकुरदेरहोईआवै लक्षणअतिदग्धव्रणहिसोगावै ॥ उपायः ॥ ॥ चौपई ॥ सडेमांसकोदूरकराई सठीचावलशुद्धमंगाई पिंडखजूरत्वचकाथवनाय तंडुललेतिस-माहिरलाय घृतमोंपीसलेपजोकरे अतिदग्धकोदूरसोधरे अतिदग्धहछाहोइजाय वैद्यग्रंथमोंदियोवताय ॥ पुनः ॥ मोमसुलठीलोध्रअरुराल मंजीठरक्तचंदनमूरवाल गोकेघृतमोताहिपकाय अतिदग्धकोंमां-सवढाय ॥ चौपई ॥ पाटलकल्कवाकाथवनाय कटुकतैलतिसमाहिरलाय मंदअग्निसोंसिद्धकरीजै व्र-णदग्धकेऊपरलेपनदीजै व्रणस्रावदाहविस्फोटविनासे जैसेगजगणसिंहसोंत्रासे ॥ इतिपाटलीतैलम् ॥ अथतैलदग्धकालक्षण ॥ तिलतैलसवाचारपैसेभर चूनागीलाचारपैसेधर पहरएकहाथनसोंमलै रूइमो-तिसलेपनकरै सोइरूईजलनेपरलाय तातकालजलपीडमिटाय

॥ अग्निदग्धचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ व्रणमेदाहशूलहोयउसकाउपायः ॥ जवचूर्णनित्यतैलमिलाय अग्निलायतिसउष्णकराय व्रणकेऊपरलेपनकरै दाहशूलव्रणकासवहरै

॥ व्रणकृमिउपायः ॥

॥ चौपई ॥ गजपीपलजढअरुनिंवकीछाल वनामेललेपनततकाल व्रणकेकृमीनाससवहोई आ-गेअवरलेपसुनसोई केवलथोंमलेपजोकरै व्रणकेकृमिताहिछिनहरे अथवाहिंगनिंवकीछाल लेपेंकृ-मीजांएततकाल जेकरव्रणपडछामाहोई खाजकृमीदुखदायकसोई धूनीरूपऔषधीताकी भावप्रका-सलिखीगतजाकी निंवपत्रवचाहिंगुमिलावे सरसोंलूनवीचघृतपावे जाकीधूनीमेलधुखावे व्रणकृमि-खाजशीघ्रमिटजावे ॥ चौपई ॥ अग्निदग्धव्रणहोवैजास यहभीलहोचिकित्सातास सेकअग्निसोंता-कोंदेवे दग्धअंगशांतितवलेवे ॥ अथलेपः ॥ चौपई ॥ वंशलोचनगेरीअरुचंदन पुनगिलोयलेपनदु-खकंदन समलेपीसैघृतजुमिलावे लेपैअग्निदग्धव्रणजावे ॥ अन्यच्च ॥ गंडोयोंकोतैललगावे अग्निदग्ध-व्रणतांतैजावै ॥ क्वाथः ॥ त्रिफलाकंवीलालेसमकाथ पीवैशांतिहोयतिससाथ

॥ चौपई ॥ मंजीठमूर्वाचंदनलीजै पीसमहीनसुघृतसंगकीजै तिंहपकायकरलेपलगाय अग्निदग्ध-व्रणतासोंजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ दोइरजनीमंजीठमुलठ्ठ लोधरकायफलकरोइकठ्ठ कंवीलामेदा-अरुमहामेद मघांलांगुलीजढलहोभेद त्रिफलानिंवपत्रसमआन कर्षकर्षइन्हकोपरिमान प्रस्थजुघृत-दोइप्रस्थजुक्षीर पायपकायलगावैधीर पलजुदोयमोमतिसपाय व्रणकेऊपरलेपलगाय अग्निदग्धव्रण-कीटनसावै नाडीव्रणचिरकालकजावै

॥ अथचंदनादितैलम् ॥

॥ चौपई ॥ चंदनवटजटापद्ममुलट्ठी मंजिष्टादूर्वाकरोइकट्ठी वकमअवरसंगपावोधावै इन्हसमसोंपुनतैलपकावै अथवाइन्हसंगघीउपकाय तिन्हसमानदुग्धसंगपाय षावैमलैलगावैतास होवैअग्निदग्धब्रणनाश ॥ अन्यचतैलम् चौपई ॥ कंवीलादालत्वचाजुविडंग तैलपकावैइन्हसमसंग सोऊतैलताऊपरलाय तुरतहिंअग्निदग्धव्रणजाय ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ ब्रणग्रंथीसंयुक्तजुहोय तासउपायकहोंसुनसोय गोमूत्रमिलायच्चारव्रणलावै सग्रंथीव्रणतुरतहिमिटजावै ॥ दोहा ॥ ब्रणरुजकीचिकित्साकहीवंगसेनअनुसार वैद्यचतुरसोजानियेसमझकरेउपचार इतिव्रणरोगचिकित्सासमाप्ता

॥ अथव्रणादिरोगेपथ्यापथ्यम् ॥

॥ दोहा ॥ ब्रणरोगकेपथ्यअपथ्यसोदुखतीनप्रकार सद्योब्रणअरुनाडीव्रणअरुब्रणशोथविचार ॥ अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ चावलस्वेतपुरातनजान पुनसठीतंडुलपरिमान यवकोटापुनकणकपछानो वनमृगपंच्छीमांसप्रमानो लाजामंडतैलघृतलहो मधुअरुमसुरमुंगपथगहो पटोलअवरवृंताकलहीजै ककोडकरैलेपथ्यकहीजै वेंतकूमलीनिंवकेपात वालमूलिकापथ्यविख्यात पथ्यचुलाईवाथूशाक त्रिफलापनसमानसतवाक कदलीफलअरुद्राक्षसुभावै तिलकोतैलसुपथ्यकहावै तीक्षणअवरउष्णजोवस्तु पथ्यमोचरसलहोप्रसस्तु ॥ दोहा ॥ पथ्यकहेब्रणरोगकेशास्त्रकेअनुसार पुनभाषोंजुअपथ्यसबसुनहोपुरुषउदार ॥ अथअपथ्यम् ॥ चौपई ॥ नवान्ननवीनयवान्नअपथ्य शीतलजलपुनजानकुलत्थ इक्षुविकारगुडादिकजेते मदरापत्रशाकलषतेते वकरीमांसअपथ्यपछानो लवणमाषमैथुनपुनमानो दाहकगुरुकावजजोवस्तु वहुतोगमनसुनाहिप्रशस्तु प्रचंडजुवातअपथ्यविचार प्रचंडआतपअरुनसवार भोजनविरुद्धवहुतजलपान प्रचंडशोकभयक्रोधसुमान नखसोंब्रणषुरकनसुअपथ्य ब्रणषुल्लाराषणनहिपथ्य तीनभांतकेव्रणजोकहे तिन्हकेयहपथ्यापथ्यलहे ॥ दोहा पथ्यापथ्यब्रणरोगकेभाषेसमझपछान पथ्यगहेत्यागेअपथ्यतांकोहोइकल्याण ॥ इतिब्रणरोगेपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः ॥ ॥ दोहा ॥ ब्रणकोरोगवषानियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान इति

॥ अथब्रणरोगेकर्मविपाकउपायै ॥

॥ चौपई ॥ धर्मअर्थकामकेकारण राजेदानदियोजसलछाजन आगेलेधनपापवढायो देवद्विजनपितृअर्थनहिलायो कुकर्महुंसोसबदियोउडाहि जातेहोतअपजसजगमाहि सोनरभोगैनानाव्याध ब्रणरोगनकाहोतविषाद ॥ उपायः॥ मोतीपन्नामाणिकसुंगहीरा पुषराजनीलमसभनीरा सबजाइकत्रनौरत्नकरीजै सुवर्णपात्रमोंसमस्तधरीजै अथवारजतवाताम्रकोपात्र यथाशक्तनरकरैइकत्र नौग्रहनिमित्तहोमजगकरै पूजाविधिसंजुगतातिहधरै विप्रमनाइपूजैतिहपाय देवैदानब्रणरोगनसाय इतिब्रणरोगकर्मविपाकसमाप्तः॥ दोहा॥ ब्रणरोगजोवषान्योकारणसहितउपाय विस्फोटकरोगवर्णनकरोंसोसुनलेचितलाय

॥ अथब्रणरोगेज्योतिषम् ॥

॥ दोहा ॥ दशाहोइमंगलशनीजन्मकुंडलीवीच चौथेअठमेवारमेंस्थितहोवेगहनीच तबप्राणीकोहोतहैब्रणकोरोगमहांत शनिमंगलपूजाउचितजपकरहोवेशांत ॥ इतिब्रणरोगेज्योतिषम् ॥

॥ अथभग्नव्रणनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ भग्नव्रणविस्तारसोंभाषोंसुनोनिदान संधभग्नइकमानहोकांडभग्नइकजान ॥ चौपई ॥ द्वैव्रणभग्नदोयप्रकार संधिभग्नइकलहोविचार कांडभग्नदूसरकोंजानो लक्षणभिन्नभिन्नवषानो हाडनकेजुजोडछुटजावैं संधिभग्नताहीकोंगावैं हाडनलीजोटूटीलहिये कांडभग्नताहीकोंकहिये संधीभग्नहैषट्परकार सोतुमसुनोजुविविधविकार उत्पिष्टविश्लिष्टविवर्तितलहिये तिर्यक्‌क्षिप्तअधसंधीकहिये

॥ अथसंधिभग्नलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जंघाभुजापसारणकरै अथवाआकुंचनअनुसरै तवहीताहिपीडवहुहोय अरुस्पर्शसहसकैनसोय हाडसंधिकेचारोपास प्रघटसोथहोइआवैतास होइपीडावहुरात्रीमंझार कांडभग्नसुनकरोंउचार ॥

॥ अथउत्पिष्टभग्नसंधिकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ अस्थिसंधिटूटीजवहोय तापरसोथप्रगटावतसोय पीडावहुतताहिमेंजानो उत्पिष्टसंधिभग्नतुममानो

॥ अथकांडभग्नलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वाहूजांघहाडअरुपशली कैसेंहिंटूटजांहीसोनली कांडभग्नव्रणताकोंआषैं शोथहोयअतिपीडाभाषै हस्तस्पर्शसहसकैनसोय देवैकदाचितशब्दतवहोय रात्रिदिवससुखउपजैनाहि कांडभग्नअसचिन्हलषांहि अस्थीटूटनद्वादसक्रमजान कर्कटअश्वकर्णातिहमान विचूर्णितपिच्चितयंत्रितकहिये अस्थिछल्लिकाअतिपातितलहिये कांडविषयभग्नमज्जागत प्रस्फुटितवक्रछिन्नजानमत द्विधाकरनइहवारहजान हाडटूटनकेयेहिप्रमान

॥ अथकांडभग्नचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मेथीमैदालकडीसोंठधर अम्लइन्कोपीसइकठकर गोमूत्रमोताहिरलाय लेपकरैकांडभग्नसुजाय

॥ अथभग्नव्रणकष्टसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नरसुभाववातलजोहोय भोजनअल्पकरैहैजोय मूर्छितमोहअफारारहै मूत्रपुरीषवहुज्वरसोलहै इन्होंउपद्रवसाथलषावै कष्टसाध्यसोव्रणीकहावै

॥ अथभग्नव्रणचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्साभग्नव्रणसुनलीजेंधरकान याहीकोंप्रथमहिंकह्योसबव्रणसहितनिदान चौपई जवहीभग्नअंगकोऊहोय तुरतसुसीतलजलसोंधोय यहभीयाकोंहैउपचार यहनिश्चयनिजमनमोंधार पुनताऊपरपंकलिपावै कुशातासऊपरवंधवावै पुनाहिषोलकरदेषेतास भग्नअंगसीधाकररास जोवहअंगऊचाभयोजानै सोनिवायकरवंधनठानै नीचाहोयतोऊचाकरै ताऊपरवंधनअनुसरै ॥ अथवंधनओषधम् ॥ चौपई अश्वत्थउदुंवरमुलठीपलास निचुलत्वचासमकूटोतास वसनपटीसोंसोऊसांधै नाहिसिथिलनाकसकरवांधै अथवाधम्मणवांसत्वचाय अर्जनत्वचासहितवंधवाय शीतकालपाछेंजुसातादिन वंधनषोलदेषवांधैपुन उष्णकालदिनतीनप्रमान षोलेवंधत्वचालेआन मध्यमकालजुचैत्रवैसाष

असूकार्तिकलषचितराष यामोंपांचदिनालोवांधै पुनषोलनत्वचालेसांधै ॥ अथपीडाहरनलेपः ॥ चौपई मुलठ्ठमंजीठहोऊसमआन जलसोंपीसलेपसोठान पीडभग्नव्रणकीहोइनाश अवरलेपसुनकरोप्रकाश ॥ अन्यश्च ॥ सठीचावलपीसमंगावै शतधौतघृतहिंमिलायलगावै पीडभग्नव्रणहोवेनाश अवरलेपसुनजानोतास ॥ अन्यश्च ॥ सहलालीसोथपीडाअस्थान ताऊपरयहलेपनठान मैदालवणदोऊसमलावै पीडशोथलालीमिटजावै ॥ अन्यश्च ॥ जोपीडाव्रणअधिकलषाय इंवलीफलअरुरहसनलाय ॥ अन्यच्चउपायः॥ वटादिकाथसोंधोवैसोय पीडानाशभग्नव्रणहोय ॥ अन्यश्च ॥ पंचमूलकाथसंगदुग्धामिलाय धोवैव्रणपीडामिटजाय ॥ अन्यउपायः॥ चौपई ॥ भग्नअंगजाहीकोहोय यहउपायकरहैनरसोय नरपरसूतागौकोच्चीर षंडपायपीवैहरेपीर॥ अथभग्नअस्थिउपायः ॥ चौपई ॥ दुग्धषंडघृतलाचाचूर्ण अर्धसंगगेहूंसंगपूरण यहपीवैजुमांसरसपीवै भग्नास्थिमिलैजुपीडहतथीवै ।अन्यश्च। आभाचूर्णमधुसाथपिलाय अंगवज्रसारसमथाय॥ अथगुगुलः। चौपई॥ आभात्रिफलाअरुत्रिकुटाय यहसमसममेलेगुगुलपाय षावैभग्नसंधिजोहोय वज्रसारसमहोवैसोय॥ अथलाचागुगुल ॥ चौपई ॥ लाचाअर्जुनअसगंधआन नागवलासमचूर्णठान सबसमगुगुलपायमिलावै षावैवज्रतुल्यहोइजावै ॥ अन्यश्चपीडाउपायः॥ ॥ चौपई ॥ रात्रिकूटातिलवांधेंजोय दिवसदुग्धधोयदुखषोय ॥ पुनर्वंधनम् ॥ चौपई ॥ काकोलीगणभषडेराल मंजीठसारवामोज्योंडाल चंदनसौंफअवरसुरदारु तिलअरकुठपीसकरडारु यहसमचूर्णवांधैंजोय पीडभग्नव्रणनाशेसोय अथतैलम् तजपत्रकमलअसगंधमुलट्ठी लोध्रजीवंतीकरोइकट्ठी शालपर्णीतगरछलीरापाय सिंगाडेकंदविदारीमिलाय अवरमधूलिकातामोंपावै सबसमभागजुपीसरलावै काकोल्यादिकपूर्ववस्तु सबीजुपावैतासप्रशस्तु अवरचतुर्गुणादुग्धमिलावै मंदअग्निसोंतैलपकावै ताहितैलकोपथ्यसुजान भग्नरोगमोंसर्वप्रमाण आचेपकअरुपचाघात तालुशोथअरुअर्दितजात मन्यास्तंभाशिरकेजुविकार कर्णशूलहनुग्रहकोटार पीवेमलेजुलेनसवार वस्तीकर्ममोंलाससुधार सर्ववातरुजतांतेंजाय गंधतैलतिसनामकहाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ एलामुस्थरतगरपतीस परपुंडरीकजीवंतीपीस अनंतालोध्रसारवाठान इन्हसबसोंकरतैलपकान षावेमलैलेयनसवार होयदृढांगचित्तमोंधार.

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ छातीहाडललाटकपाल चूर्णहोंहिनांरहैसम्हाल अरुजोपृष्ठहाडहोइचूरण सोअसाध्यनरमूर्छापूरण अथवायतनकरहाडजुडावै पुनविचेपसोंजोडछुटजावै ताकोंभीअसाध्यपहिचानो असाध्यवृद्धनरकोंभीमानो भग्नव्रणीजोमूर्छितरहै ऐसोभीअसाध्यनरअहै ॥

॥ अथसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तरुणनवीनहाडजोकहिये टूटेंनिवेंजुडेंसोलहिये वालकयुवाअवस्थादोय अरुअसाध्यचिन्हविनहोय एतेलच्चणसाध्यपछान कह्योभग्नव्रणग्रंथनिदान ॥ दोहा ॥ निदानभग्नव्रणाकोकह्यो वैद्यकमतअनुसार साध्यचिकित्साजोकरै उपजैनांहिविकार इतिभग्नव्रणनिदानंसमाप्तम्

॥ अथसाध्यादिनिर्णयः ॥

॥ चौपई ॥ भग्नअवस्थाप्रथमसोजोय हैसुखसाध्यजानहोसोय मध्यअवस्थाकोव्रणजास कष्टसाध्यलषलीजैतास अंतअवस्थाकोव्रणलहिये सोऊव्रणअसाध्यजगकहिये

॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साभग्नव्रणवंगसेनअनुसार सुनहोयाकेपथ्यअपथ्यपुनकरहोउपचार इति

॥ अथभग्नव्रणपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ भग्नजुव्रणकेभाषहोंपथ्यापथ्यविचार सुनउरधारोचतुरनरपुनकीजैउपचार ॥ अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ शीतलजलअरुशीतललेपन शालीचावलक्रियाजुवंधन कंगुणीकणकमुंगरसजानो घृतनवनीतदुग्धपहिचानो मधुषंडपटोलमासरसकहिये लसनसुहांजणाद्राक्षभनेये धात्रीफलअरुमुलीवालपथ्यलहोहेबुद्धिविशाल ॥ दोहा ॥ भग्नजुव्रणकेपथ्ययहसुनधारोमनमांहि पथ्यधरैसोईचतुरहैव्याधदुःखमिटजांहि ॥ अथअपथ्यं ॥ दोहा ॥ आतपश्रमलव्यायाममत्सकटुमैथुनवस्तुजुक्षार लवणअन्नरूषोलषोयहीअपथ्यविचार ॥ इतिव्रणरोगेपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः ॥ दोहा ॥ रोगकह्योयहभग्नव्रणप्रथमहिकह्योनिदान ॥ पुनहिंचिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिभग्नव्रणरोगचिकित्सा

॥ अथनसूरनाडिव्रणनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ नाडीव्रणजुनिदानकोभाषोंभलीप्रकार जैसेंकह्योनिदानमोंतैसेंकरोंउपचार ॥ चौपई ॥ नाडीव्रणनसूरकोंकहिये ताकेलक्षणकहेंसुनेये जोफोडाकाचोतनहोय लषउपायपेक्षाकरजोय तासचिकित्साभलीप्रकार नाहिकरैनरमुग्धगवार ताहीतेंनशूरहोइजावे ताकेलक्षणप्रगटसुनावे सदापूयतिसतैंनिकसावत ताप्रवेशअंतरकोथावत नाडिपोलअंतरजाजैसें छिद्रनशूरतनमोंजातैसें सोनशूरहैपांचप्रकार वातजपित्तजकफजविचार अवरत्रिदोषजचौथोजान शल्यजव्रणपंचमपहिचान

॥ अथनाडिव्रणरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ नाडिव्रणचिकित्साकहीप्रथमहिंकह्योनिदान सोऊआदिविचारकेंकरैइलाजसुजान ॥ दोहा ॥ नाडीव्रणकोनामसवभाषेंप्रघटनथूर वातजपित्तजकफजहैतामोंऔषधपूर चौपई ॥ गिरदाजासकठिनअतिहोइ सूक्ष्मछिद्रसपीडासोइ सदाफैननिकसतहीरहे रात्रिसमयवहुस्त्रवतगहे ॥ वातजनाडीव्रणउपायः चौपई ॥ प्रथमवांधकरपूयनिकलावे पुनइसचूर्णसाथभरावे लवणअपामारगकेवीज दोनोपीसतासमोदीज नाडीव्रणकोहोवैनास अवरप्रकारसुनहोपुनतास ॥ अन्यच्च पांचमूलकाथकेसंग प्रथमहिंव्रणकोंधोयनिसंग पुनसोचूरणव्रणमोभरै रोगनथूरनाशसोकरै ॥ अथतैलम् ॥ चौपई ॥ हिंसराजनीवचविल्वमूल गोजिव्हाकौडलेहुसमतूल इसचूरणसंगतैलपकावे नाडीव्रणपूरेदुखजावे ॥ पित्तजलक्षणम् ॥ चौपई ॥ पित्ततेंतृषादाहज्वरहोय पीडापूयश्रवतीरहेजोय उष्णपूयदिनकोंवहुआवे पित्तजलक्षणअसप्रगटावे !

॥ पित्तजाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमवांधकरपूयनिकास घृतदुग्धहिंसंगधोवैतास नागदंतिमंजीठतिलआन यहसमचूरणव्रणमोठान पित्तजनाडीव्रणहोइनाश अवरउपायकरोंपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ श्यामारजनीअरुत्रिफलाय अवरतूवीअरुलोध्रमिलाय इन्हसमसोंघृतदुग्धपकावै पूरैऊपरलेपलगावै होइहैनाडीव्रणकोनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश

॥ अथकफजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ घणीपूयवहुतीनिकसावै पुरकवहुतव्रणमोंप्रगटावै रात्रिसमयसोवृद्धलहीजै एतेलक्षणकफजकहीजै

॥ अथसन्निपातव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातपित्तकफकेसवलक्षण इकठेजामोंलखैंविचक्षण सन्निपातत्रिदोषजवोऊ ग्रंथनिदानप्रगटहैसोऊ जाहित्रिदोषजअसव्रणहोय शीघ्रनाशकरहैलषसोय ज्वरमूर्छामुखशोषजुदाह त्रिदोषजचिन्हजानतुमताह ॥

॥ शल्यजव्रणलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ गोलीतीरजुछुरीकटारी इन्हकोघाउजुहोइतनभारी व्रणनाडअदर्शमूढमतिजाने मार्गत्यागकुमार्गमाने तातेभीनथूरहोइजावै ताकेलक्षणऐसेंगावैं पूयरुधिरसंयुतनिकसात फेनिलउष्णदुःखउपजात !

॥ शल्यजनथूरउपायः ॥

॥ चौपई ॥ नथूरशल्ययाकेतनहोय ताकोछेदकरेनरसोय घातपर्यंतमार्गतिसकरे मखीरअवरघृतकरव्रणभरे तिलनिंवपीसातिसऊपरवांधे इसाविधिशल्यनथूरकोसांधे

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ त्रिदोषजव्रणअसाध्यपहिचानो अवरहुंयलसाध्यमनआनो ॥ दोहा ॥ नाडीव्रणभाष्योभलेदेषग्रंथसुविचार भाषासवसीधीरचीअपनीमतअनुसार ॥ इतिसमस्तव्रणनिदानंसमाप्तम् ॥

॥ अथकफजउपायः

॥ चौपई ॥ प्रथमहिव्रणतेंपूयनिकलावै पुनइसवंधनसाथवंधावै स्वेतसर्षपाविल्वकुलत्थ अरुसित्थापावोसमतत्थ इसवंधनसोंकोमलकीजै पाछेंशस्त्रसोंछेदसुदीजै तापाछेंयहचूर्णआन निंवसुराष्ट्रजादंतीठान अरुतिलसमयहचूरणकरै सैंधालवणमिलायव्रणभरै कफजनथूरहोयहैनाश अवरउपायकरोंपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ सैंधामरचांचित्राआन दोइरजनीअर्कजढठान भांगरेसाथजुतैलपकावै पूरेलावैकफजमिटावै इतिसैंधवाद्यतैलम् ॥

॥ अथसामान्यनाडीव्रणउपायः ॥

॥ चौपई ॥ दुग्धअर्कथोहरकोआन दालहलदतिंहकरोमिलान इन्हतीनोंसंगवटीभिगावै व्रणमोंपूरेरोगमिटावै ॥ अन्यच्च ॥ रजनीकालाअम्मलतास यहसमचूरणमधुयुतमिलास वटीभिगोयनाडीव्रणपूर नाशहोयतनतेंसुनथूर ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जातीअर्कसैंधायवचार अमलतासकरंजूसौंचलडार चित्रादंतीसमहिपिसावै वटीसथोहरदुग्धभिगावै नाडीव्रणमोवटीसुदीजै रोगनथूरतुरतसोछीजै ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ वहेडेवटकेकोमलपत्र शंखनिवीजआंवागिरीधर रेंवदविष्टालेहुवराह विटभस्ममसीकटुतैलमिलाह मेषरोमभस्मतिहपावै तासंगव्रणकोछिद्रपूरावै नाडीव्रण-

कोहोवैनाश अवरउपायकरोंपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ अथकर्चूरतैलम् ॥ रसकचूरकटुतैलपकावै सिंधूर-पायव्रणमाहिभरावै यातेंनाडीव्रणमिटजाय यहउपायपुनकह्योसुनाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सज्जीसेंधादंतीआन वसमेकेफलमूलसमान चतुर्गुणमूत्रतैलतिंहपावै पकायपूरनाडीव्रणजावै ॥ अथगुग्गुलुः ॥ चौपई ॥ गुगुलत्रिफलात्रिकुटालीजै समलेपीससुघृतमोंदीजै अक्षप्रमाण-सुगुटकाषावै नाडीव्रणव्रणदुष्टमिटजावै शूलभगंदरगुदकोरोग नाशहोंहिजानोसबलोग ॥ अन्यच्च ॥ सूत्रक्रियाअरुशस्त्रक्रियाय दुर्वलकृशविनसोसुखदाय ॥ दोहा ॥ नाडीव्रणचिकित्साकहीवंगसेन-केभाय याकोंसमझकरैतेऊरोगमिटैसुखपाय पथ्यअपथ्यसामान्यव्रणप्रथमहिंकीनेगान नाडीव्रणकी-सोलहोयातेंनाहिवषान ॥ इतिश्रीनाडीव्रणचिकित्सासमाप्ता ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रका-शभाषायांव्रणरोगाऽधिकारकथनंनामएकचत्वारिंशोऽधिकारः ॥ ४१ ॥



॥ अथविस्फोटरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ विस्फोटानिदानवखानहोंवैद्यककेअनुसार नामशीतलाजासकोकहैप्रसिद्धसंसार.

॥ अथविस्फोटकारणम् ॥

॥ चौपई ॥ जासदेहशीतलाजुआवै वहुधागंधहुतैंप्रगटावै अरुअतितीक्षणअमलविदाही रुखोचारोअतिकटुखाही करेअजीर्णपरअतिभोजन अतिआतपशिरसहैजेऊजन ऋतविपरीतजुभोजनखावै इन्हकरविस्फोटकप्रगटावै इन्हकारणतैंतनुमंझार कोपकरैंवातादिविकार देहत्वचाकेआश्रयहोय रक्तमांसमोदोषकरसोय जववातादिकुपितनुधावैं प्रथमहिंसोतनुज्वरउपजावैं पाछेंवहुविस्फोटउपाहिं कोइदिनमोंसोअतिपक्कजांहिं.

॥ अथविस्फोटरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ विस्फोटाचिकित्साकहितहोंकहैंशीतलातास होवतहैसोसबनकोंकठिनचिकित्साजास

॥ अथरक्तपित्तजविस्फोटउपायः ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमचिकित्साऐसेंजान लंघनवमनरेचनपरमान पररोगीकेवलअनुसार करवावेवैघजुवुद्धिउदार यहउपायहितकरलषलीजै पुनउपायसुनहोयेंकीजै.

॥ अथवमनविधिकफपित्तजकों ॥

॥ चौपई ॥ ज्वरहोवैअरुउपजैदाह अग्निदग्धइवपीडाताह पटोलइंद्रयवनिंवपछानो तामोवरचमयनफलठानो इन्हकरवमनकरावेजोय कफपैत्तिकमोंहितकरसोय पुनशालीयवजुपुरातनलहिये मुगमसूरनकोरसगहिये सुंठीचूर्णताहिरलाय विस्फोटीनरकोपथ्यखुलाय

॥ अथवातजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ ज्वरशिरपीडातृष्णाशूल अंगभेदउपजैदुखमूल गुरुकृष्णवर्णदेहकोभासे ऐसेवातजचिन्हप्रकाशै

॥ अथवातजचिकित्सा ॥

॥ क्काथः ॥ चौपई ॥ दशमूलरासनाअवरउशीर गिलोयजवाहापावोधीर दालहलदधनियांलेमुत्थर करेकाथयहसवहीसमधर वातजविस्फोटकमंझार हैयहकाथपरमहितकार.

॥ अथपित्तजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ ज्वरतृष्णाउपजैवहुदाह पाकश्रावहोवतहैताह रंगस्फोटलालवापीत पित्तजलक्षणजानोमीत.

॥ अथपित्तजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ द्राक्षकाश्मरीनिंवपटोल वासाधमाहाछुहारेघोल अवरलजालूसमकरकाथ पैत्तिकमैदेमिसरीसाथ.

॥ अथकफजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ छर्दअरुचिजडताचिरपाक कठिनस्फोटषुरकलहुवाक स्वेतवरणविस्फोटकहोय बहुपीडानहिकरहैसोय.

॥ अथकफजउपायः ॥

॥ काथः ॥ चौपई ॥ किरायतावांसानिंवपटोल त्रिफलाइंद्रयवलेसमतोल क्काथकरैमधुपायपिलावै कफजमाहिहितकरलषपावै.

॥ अथद्वंद्वजविस्फोटलक्षणम् ॥

॥ क्काथः ॥ चौपई ॥ किरायतनिंवमुलट्ठीमुत्थर वासात्रिफलातिंहिउशीरधर पटोलइंद्रयवपर्पटपाय करेक्काथलेसबसमभाय विस्फोटीजोपीवैतास विस्फोटसर्वकोहोवैनाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ किरायतावासानिंवपटोल पित्तपापडातामोंघोल षदिरगिलोयमुत्थरसमलीजै करेक्काथरोगीजनपीजै ज्वरविस्फोटनाशहोइजान वंगसेनयोंकीनवषान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ वासाषदिरपटोलगिलोय सप्तपर्णिदोइरजनिसमोय श्यामवेंतनिंवदलआन यहसमक्काथपीजियेछान कुष्टविसरपीविषज्वरनाश विस्फोटककंडुमसूरिविनाश॥ चौपई ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलानिंवपटोलागिलोय मुत्थरचंदनमूर्वाजोय पाठारजनीकौडजवाहां यहसमक्काथपीजियेतांहा कफपित्तकंडूज्वरमिटजाय विस्फोटाविसर्पिविषत्वचरुजघाय॥ अथलेपनम्॥ चौपई ॥ सरीहमुलट्ठनतचंदनएला कुठवालामांसीकरंजुमेला दोइरजनीसबहीसमलीजै घृतसोंपीसैलेपनकीजै ज्वरकंडूविस्फोटनसाय रोगविसर्पीनांहिरहाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ चंदननागपुष्पचौलाई सरीहत्वचाअरुजातिरलाई सारवायहसमलेपनकीजै दाहसहितविस्फोटकलीजै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पीसइंद्रयवसूक्ष्मजोय तंडुलजलसोंलेपेसोय तौभीदाहनाशहोइजाय सुगमउपायजुकह्योसुनाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ उत्पलदोइसारवामंगाय चंदनलोध्रउशीरमिलाय जलसोंपीसेलेपनकरै विस्फोटदाहपीडाकोहरैं ॥ अथपद्मकघृतम्॥ चौपई ॥ पद्मकमधुकलोध्रकोंआन नागपुष्पकेसरपुनठान दोइरजनीविडंगलघुएला लाक्षातगरकुष्ठकरमेला सित्थानीलाथोथापाय जलसोंयहसमपीसरलाय शरींहकांचनारतजपत्तर दधिफलमेलकरंजुइकत्तर पुनसोघृतमोंपायपकावै देहलगायविस्फोटमिटावै कीटलूतअहिदंशस्थान औरनेकविधविषकीहान लेपेविषकीहोवैनाश गंडमालाइत्यादिविनाश महाऋषीआस्तीकमहान यहघृततिन्हहूंकीनवषान अथपंचतिक्तघृतम्॥ चौपई ॥ सप्तपर्णित्रिफलाजुपटोल निंवगिलोयलेयसमतोल इन्हसमसोंघृतपायपकावैं मलैत्रिदोषस्फोटमिटावै ॥ अथकांपिल्यतैलं कंवीलात्रिफलावलाविडंग निंवपटोललोध्रधरसंग मुत्थरप्रियंगूएलाधावै अगरषदिरचंदनसंगपावै अवरसरजयहसबसमलीजै पीसैतैलपकसोकीजै तिंहलगायव्रणपूरणथावै वंगसेनयोंप्रगटजनावै अरुकदाचितवलअनुसार रुधिरमोक्षयांपरहितकार॥ अन्यच्च ॥ शरींहनागवलाजुउशीर हिंस्रापावेतामोधीर पीसमहीनकरलेपलगावै विस्फोटविसर्प्पदूरहोइजावै ॥ अन्यच्च ॥ शरींहचंदननिंवरलाय तिंतिडीवल्कलतामोपाय घृतसोंपीसलेपकरतास विस्फोटरोगहोयतातेंनास ॥ अन्यच्च ॥ शरींहउदुंवरजामनकहिये शेकलेपमोंहितकरलहिये ॥ दोहा ॥ विस्फोटाचिकित्सायहकही वंगसेनअनुसार इहप्रकारवरतेतऊहोयनदेहविकार इतिविस्फोटचिकित्सासमाप्ता

॥ अथविस्फोटकरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पथ्यापथविस्फोटकेतिन्हकोंकरोंउचार इन्हकोंप्रथमहिंसमझकेंपुनकरउँउपचार ॥ अथपथ्यम् ॥ चौपई ॥ वमनअवरपुनजानोलेपन प्रथमरोगतैंभाषेरेचन शालीकनकपुरातनलीजै मुंगचणेयहपथ्यकहीजै मारूथलमृगपच्छीमास गोघृतलषोपथ्यहैतास मिसरीनिंवपत्रपुनजानो चंदन-रक्तपथ्यपहिचानो तैलाभ्यंगपटोलकरेलै वालस्फोटककोंयहमेलै ॥ दोहा ॥ पथ्यकहेविस्फोटकेसमझे-पुरषसुजान आगेंकहोंअपथ्यसबजोवैद्यकपरमान ॥ अथअपथ्यम् ॥ चौपई ॥ व्यायामअवरमैथुनपु-नषेद आतपक्रोधलखोपुनखेद वमनवेगरोकनपुनजानो भारीअन्नअपथ्यपछानो पत्रशाकादिनश-यनकहीजै जलस्थलजीवमासलषलीजै विरुद्धअन्नपानजोकहिये माषकुलत्थतिलभोजनलहिये माहक-उष्णरूक्षकटुवस्तू जलजुसलूणोनांहीप्रशस्तू ॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यविस्फोटकोसवहींकीवषान तजअ-पथ्यपथकोंगहेतांकीहोइकल्यान इतिविस्फोटरोगेपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः ॥ दोहा ॥ विस्फोटकरो-गवषानियोप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभापकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिविस्फोटरोगेपथ्यापथ्यं-समाप्तम्

॥ अथद्वंद्वजविस्फोटलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोकफपित्तहुतेंप्रगटावैं कंडुदाहज्वरछर्दउपावैं वातपित्ततेंजोउपजांहिं पीडातीव्रदेहप्र-गटांहिं वातअवरकफतेंप्रगटात गौरवकंडुजडताउपजात ॥

॥ अथविस्फोटउपद्रवः ॥

॥ चौपई ॥ हिक्कातृष्णाअरुचिअरुश्वास अंगमर्दहृदपीडप्रकास हृल्लासविसर्पअवरज्वरकहिये भ्रममदमोहदाहपुनलहिये मांससंकोचअरुमर्मनिरोध उपद्रवएतेकरेंविरोध ॥

॥ अथत्रिदोषजअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वीचहुतेंस्फोटनिम्नहोजावैं गिरदैतेंकाठिनदरसावैं दाहतृषामूर्छाज्वरहोय मोहछर्दनि-द्राअतिजोय कंपदेहवकवादसुनावै असनरसोईअसाध्यकहावै गुंजाफलइवलाललहीजैं असविस्फो-टअसाध्यकहीजैं असअसाध्यजेऊनरकोय योगनकरसोसाध्यनहोय एकदोषतेंसाध्यकहावै दोकर-कष्टसाध्यदरसावै त्रिदोषनतेंजोहोयअसाध्य सबहिंहोयविस्फोटअसाध्य ॥ दोहा ॥ विस्फोटनिदानव-षानिकैंहैंजुशीतलाजास जैसेंकह्योनिदानमोंतैसेकीनप्रकाश ॥ इतिविस्फोटरोगअसाध्यलक्षणंसमाप्तं

॥ अथविस्फोटरोगज्योतिषम् ॥

॥ चौपई ॥ कंन्यामेषवामीनमोंदेवगुरूपडजय तिहपरहोवेसूर्यकीदृष्टसंपूरणभाइ विस्फोटकरुज-सोईकरेउन्मत्तभावकरेय सोनराविधयोंहीकरेगुरुसूर्यजापधरेय ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथविस्फोटदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणम् ॥ चौपई ॥ जोचंडालजलाशयमाहि करैस्नानपानहिततााहि तांकोयाहिदोषअनुसार होइ-स्फोटअरुदाहविकार तासउपायकहोसमझाई सुनलीजेंअपनोमनलाई ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ रूपेकोइककलशवनावै गोदधिसोंपूरणकरवावै पुनरूपेकोचंद्रवनीजें कुंभकेऊपरपूजनकीजें चंद्रमंत्र-करहवनविधान पुनसोदेयविप्रकोंदान याहिरोगतेंमुक्तिकहावै कर्मविपाकग्रंथयौंगावै ॥ दोहा ॥ विस्फो-टकाविकारदोषकोंकारणकह्योउपाय स्नायुकरोगकदोषकोंभाषोंभलेंबनाय इतिविस्फोटदोषकारणउपायः

॥ अथान्यप्रकारविस्फोटाऽधिकारकथनम् ॥

चौपई ॥ विसफोटरोगहिंदीमतकहिए दुंवलनामफारसीलहिए सोजत्वचाकेऊपरहोई चारभेदका-
जानोसोई ऊपरत्वचाभेदएकजानो शीघ्रदूरपीडानहिमानो दूसरभेदमासगतसोई अधिकपाकअतिपी-
डाहोई तीसरभेदमांसतलजानो चौडापाथीसकलपछानो चौथाभेदअस्थिगतहोई ऊपरजोडप्रघटवा-
सोई रुधिरपित्तमिलतीच्छ्णजानो फोडेप्रवलसोजअतिमानो औरभेदइकीहैसोई नामभिन्नसवहीकेहो-
ई औरभेदवातादिकजानो लच्छणप्रगटभिन्नपहचानो जेकरफोडावातजहोई करडाअतिपीडाकरसोई
ऊपरकालारंगदिखावे जर्दनीरभीतरतेंआवे जेकरपित्तजफोडाहोई तृषाअधिकवेचैनीसोई रहेंतापपर-
साअतिआवे जलनपाकदुर्गंधील्यावे जेकरकफतेंफोडाहोई श्वेतरंगमोटाहैसोई पाकलेसचरवीवतजा-
नो थोडीपीडासंगपछानो रहेदेरतकअतिदृढपावे सिलारूपहोनिश्चलथावे जेकररुधिरदोषतेहोई लाल-
किनारामोटासोई रुधिरपाकमिलवाहिरआवे अतिउंचासुबतेलषपावे जहांवातकफहोवतदोई तहां-
औषधीऐसीहोई दसमूलक्वारसुंठीमंगवावे जढसरकूहमूरुलीपावे उवालगर्मवांधेंनरसोई फोडासीघ्र-
दूरतवहोई छमकनमौलीवामाल्यावे निंवपत्रसोसंगरलावे इकइकसेरऔषधीलीजें नीरढूडमणतासं-
गदीजे वारांसेरकाथरहजावे सेरदोईघृतसंगरलावे त्रिफलात्रिकुटागुग्गुलल्याय तोलाढूडढूडसंगपाय
जलेकाथजवघृतरहजावे सेवनवामर्दनमनभावे तऊनभंगदरफोडाहोई कंठमालदुखहरिएसोई पदम-
कंदघृतसोहितजानो फोडादूरसीघ्रसुखमानो जेकरफोडादूरनहोई तांकेहितऔषधसुनसोई तुनूवृच्छ-
कीजढमंगवावे सालूनीतिलसरषपपावे अलसीजउंहाइसंगहोई कांजीमेलपीसिएसोई करेलेपफोडा-
पकजावे पीडादूरसीघ्रसुखपावे गुग्गुलतिलसमभागरलाय टिकीकरऊपरवंधवाय पकेसीघ्रफटजावेसोई
पीडादूरसीघ्रसुखहोई हलदीदारुहर्दलपुनिल्यावे त्रिवीमुलठीलूनरलावे निंवपत्रतांहिसंगहोई लेसमभा-
गपीसिएसोई टिकीकरऊपरवंधवावे फोडादूरसीघ्रसुखपावे त्रिफलाकाथकेरेनरकोई गुग्गुलमेलपानहि-
तहोई जेकरफोडाउलटाहोई भीतरमुखखुलजावेसोई रुधिरपाकपेटमेजावे तांहूकेहितयतनवनावे त-
वासीरएरनजढलीजें दारचीनीभखडासंगदीजें पाषानभेदसोसंगरलावे लेसमऔषधकाथवनावे हिंगू-
लूणमिलावेकोई देवेकाथसीघ्रसुखहोई रुधिरपाकपेटमेजानो तांहीछिनमेवाहिरमानो पुरातनचावल-
पथ्यखुलावे मांसजांगलीगोघृतखावे आदप्रघटफोडाजवहोई ताहिजतनआगेसुनसोई चूनाकलीसो-
ईमंगवावे सुपेदीकुकडांडकीपावे अथवातेलतिलेंकाहोई करेलेपहटजावेसोई राईबीजहालेआंल्यावे
टिकीकरऊपरवंधवावे निसपालपीसमोमसंगपावे तिलतेलमेलमर्दनमनभावे विसखपराजढआनेकोई
पकावेलाछपायकरसोई ऊपरवांधसीघ्रसुखपावे फोडादूरपीडहटजावे मर्दनकरिएतैलाभिलावे पीडादूरशी-
घ्रपकजावे कवूतरविष्ठलेपकरसोई पीडादूरसीघ्रसुखहोई प्रतीवर्षफोडेप्रघटावे तांहियतनऐसामनभावे
शरदऋतूकेआदिपछानो रेचकऔषधकरसुखमानो रुधिरनिकालतांहिसुखहोई खिचडीमुंगघृतसेवसोई

॥ रोगरसौली ॥

॥ चौपई ॥ रसौलीसोजत्वचाकीजानो सलऽनाभमतफारसमानो करऽनामसोदूसरहोई मांससंगल-
पटीहैसोई अंगुलीसंगदवावेजवही इतउतफिरतदिखावततवही लेसदारकफभीतरजानो वातदोष-
मिलकठिनपछानो प्रतिदिनअधिकहोतहैसोई एकवारवाउत्पतहोई तांकेमुखपरदागलगावे अथवा-

काटेजढनिकसावे मांससाथलपट्टीसोजानो काटनकाभयकबहुनमानो अथवाऔरयतनइकहोई आगे· लिखाकीजिएसोई नुसादरसज्जीसावनल्यावे बराबरसबकोशिंगरफपावे पीसतेलतिलमेलेकोई सघन· लेपऊपरकरसोई पककरशीघ्रआपफुटजावे दोषमध्यतेवाहिरआवे डिडतोलासौंचललूणमंगावे अन्नवीचधरखूवतपावे चूनाकलीतांहिसमलीजें त्रैतोलेथोमताहुमेदीजें पीसताहुपरवांधेकोई पकेशीघ्रफटजावेसोई लेकरसंखिआपीसवनावे रसौलीछिल्लऊपरबंधवावे वाइकचाउलसंखिआहोई खावेदूररसौलीसोई चोकपीसतिलतेलमिलावे मूत्रपायकरलेपचढावे प्रथमपच्छकरलेपकोई रसौलीदू· रशीघ्रसुखहोई अस्थीमांसजहांवधजावे लूतवातकीदूरहटजावे सज्जीचूनाकलीमंगावे बराबरपीसननीर संगपावे प्रथमपच्छदेमलिएसोई रसौलीदूरशीघ्रसुखहोई

॥ रोगपाषानवत्करडाफोडा ॥

॥ चौपई ॥ वाह्याभ्यंतरसोजपछानो दवीलःनामफारसीमानो सघनपाकजमजावेसोई पीसेतहांप्र· घटेहैंदोई पीलानीरचुफेरेजानो दुर्गंधपाकपत्थरवतमानो दूसरमेंअस्थीवतहोई सकलठौंकरीपीली· सोई हरतालसुगंधरंगसमहोई नामदवीलाखीसेदोई दिमागकलेजाहिरदाजानो इनकेपासआसाध्यव· खानो खीसेकाटदोईनिकसावे दुर्गंधहोतरूंतांमेपावे जेकरपाकमधुसमहोई रूंईसिरकापावेसोई सज्जीचूनाकलीमंगावे जौरखारजंगारमखीरमिलावै रूंइभिगोयतांहुमेपावे ऊपरनिंवपत्रबंधवावे चौथे· दिनऐसामनभाय निंवपत्रकासागवनाय घृतमेंतडकताहिवंधवावे नूतनमांसशीघ्रआजावे अम्लतास· पाणीमेंपाय प्रातघोलनित्यतांहिपिलाय दसमासेएरणतेलमंगावे तालेढाईमधूमिलावे एकसेरजलपा· यपिलाय प्रतिदिनसेवेअधिकसुखदाय जेकररोगकलेजेहोई भीतरअतिदुखदायकसोई ॥ दोहा ॥ शीघ्रयतनकरदूरहैदेरनकरिएसोय शर्हैअसवाबकितावेलखऔरग्रंथमतहोय

॥लूतरोग॥

॥ चौपई ॥ लूतरोगपाथःकरकहिए ताऊननाममतफारसीलहिए सकलआमलासोजपछानो बेचै· नीदुखदायकमानो तसतापअतितृषाजोहोई रुधिरदग्धपित्तसंगसोई ग्रीष्मऋतूअंतपहचानो वर्षाआ· दप्रघटतवमानो कोमलस्थानजलनअतिपावे तपायहदसभ्रमप्रघटावे वमनहोयपीतरंगसोई श्वेत· लालवाकालाहोई नीलासोभयदायकजानो भौहोतासिराफिरतामानो खफखानरोगमेंऔषधपाछे सोईक रसुखउपजतअच्छे दूधभातभोजनहितहोई खीरवनायलेपकरसोई तौफुनखंडमखीरमिलावे लगा· यतांहुररदोषहटावै तैजतिलोंकास्पर्शनहोई देषनतेभयदायकसोई जेकरदोषअधिकबलपावे जौंक· होयवातूंवीलावे गाढीखीरवनायलगावे मोरविट्ठफुनिलेपचढावे दिवसतीनलगऐसाकरिए अथवा· ग्रिध्रविट्ठलेधरिए अथवाखंडमखीरमिलावे करलेपदुखलूतहटावे कृष्णनिर्विसीआनोसोई जीराश्वेत· ताहुसंगहोई नीलाथोथासंगरलावे करेलेपसमभागमिलावे कहेवैद्यऐसासुनसोई मंत्रसिद्धिकरना· सेहोई पुष्पकुसुंभाहलदील्यावे चंदनलालगिलोईपावे निंवपत्रकंडेआरीआनो नागरमोथाखैरपछानो धभाहमेलसमभागमिलावे त्रैत्रैमासेऔषधपावे करइकत्रद्रडकरसोई दसविभागकरराखेकोई दोइभा· गनितक्राथवनावे प्रातरातपीवेसुखपावे हलदीदारहलधरल्यावे गोरोचनलोध्रतांहुसंगपावे केसरना· गमेलिएसोई तंडुलजलसोंपीसेकोई गाढालेपतांहुपरकरिए लूतखेदतांहीछिनहरिए का:जुवानका·

अर्कमंगावे मिशरीसर्वतपायपिलावे रसअनारकाअतिहितहोई चंदनसर्वतदीजोसोई सर्वतऔरगुला वमंगावे मधूमेलकरताहिपिलावे सकमूनीऔरसुगंधीहोई ठंडीवस्तसुहावेसोई वनफसापुष्पगुलावमं- गावे चंदनमुसककपूरसुहावे एरनपत्रछेजपरहोई ऊपरताहिसुलावेसोई चंदनश्वेतलालमंगवावे धनि- आंमुसककपूरमिलावे वोडविल्वकाछिलकालीजें छिलकाएरनपलासकादीजें गूलरवृक्षकाछिलकाहोई कांजीमेलपीसिएसोंई सघनलेपताहूपरकरिए लूतदोषताहीछिनहरिए पीलीहर्डमंगावेकोई सिर्कामे- ललेपकरसोई वीजदुधलीकेमंगवावे गिलोईजढताहीसंगपावे तोरीवीजताहिसंगहोई कांजीपायपी- सिएसोई नित्यप्रभातसोइनरखावे लूतदूरवलगुणप्रघटावे

॥ रोगसकंज ॥

॥ चौपई ॥ कूल्हेआंवीचसोजजोहोई वधसकंजनामहैसोई सोईसोजवगलमेजांनों कछराली- नामताहुकामांनो स्तनऊपरजोसोजालहिए वरमपिस्तांननामसोकहिए दूधपिलावनसमाजोहोई पडे- ग्रंथिस्तनहूमेसोई गिरःपिस्तांननामसोजांनो तीनोभेदएकसममांनो सुहागाहलदीताहिमंगावे पुरात- नगुडताहूमेपावे लेसमऊपरवांधेकोई करैलेपदुखनासेंहोई वोढवृक्षकादूधमंगावे ऊपरलेपकरेसुखपावे अथवाकरसोंमर्दनकरिए कछरालीदोषताहिछिनहरिए मुसबरसांसालूणमिलावे जलसोंलेपकरेसुख- पावे जढखरमूललीजिएसोई वीचपहाडऔषधीहोई कांजीपायरगडकरलावे मर्दनकरदुखदूरहटावे इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांव्रणरोगाऽधिकारकथनंनामद्विचत्वारिंशोऽधिकारः ४२



॥ अथस्नायुकरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ स्नायुकरोगप्रसिद्धसुनकहिनहारवातास तनसाखाजंघादिभुजतंतूरूपप्रकास ॥ चौपई ॥ स्नायुरोगनिदानयोगावै ताकेलच्छणप्रगटजनावै माषपिष्टद्विदलबहुखाय दिनमोंशयनकरेअतिभाय दधिकांजीतीच्छणसेवेजोय जलकेदोषहुतेंभीहोय शाखाजंघभुजनमोंजाय कोपदोषमिलकरहैंआय तरुणकनामक्रुमिजातीथावै तेऊशोथप्रथमप्रगटावै स्थानएकक्रुमिवृद्धजुहोय पाछेस्थानतेंचलहैसोय सोथस्फोटतासतेजानो रोगनारुआतासकोमानो पुनसोदोषसोथकरभेद तांतेंवडपीडाबहुखेद तंहते स्वेततंतुप्रगटावै शनैशनैसोवाहरआवै तंतुअखंडजुनिकसेजवै सुखअरुशांतिहोयतनुतवै जोवहतंतु छेदहोइजाय सकोपस्थानअवरप्रगटाय पीडाषेदबहुतसोदेय भुजजंघादिकपंगुकरेय उसकोनामस्ना-युकरकहिये लोकप्रसिद्धनहारवालहिये ॥ दोहा ॥ स्नायुनिदानवषानियोकहोंचिकित्सातास ज्योंभाषी-वंगसेनमोंतेसेंकरोंप्रकाश ॥ इति ॥

॥ अथस्नायुरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ विसरपीरोगचिकित्साजोय इसहीकीभीजानोसोय अवरहुभीपुनकरोंवषान सोसुन-लीजैचितमोठान स्नेहपानलेपनअरुस्वेद यापरवहुहितजानोभेद ॥ अथउपायः ॥ शीतलजलसोंहिंगु-पिलावै यातेंतंतुरोगमिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ हिंगुकुठवासुंठीलीजै मेलसुहांजणाक्काथसुकीजै पानजु-लेपनकीजैतास तंतुरोगकीपीडविनास ॥ अथलेपनम् ॥ चौपई ॥ प्रपुंडरीकमंजीठमुलठ्ठ पद्मसुगंधकमहूइकठ्ठ यहसमघृतमोंपीसलिपावै यातेंतंतूरोगमिटावै ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ उवालमीडिककांजीजोय नारवामुखपरवांधेसोय तंतुरोगतातेंनरहाय यहभीट्रणाकह्योंसुनाय ॥ लेपः वंवूरवीजपीसलेपावे नारवाजायशांतिसुखपावे ॥ घृतपानम् ॥ गोघृततीनदिनांजोपीवे नारवाजाय-देहसुखथीवे ॥ रसपानम् ॥ त्रयदिननिरगुंडीरसपान होवैतंतुरोगकीहान ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ मुस्थरसुंठीमघांभिडंगी पतीसवहेडेपीसोसंगी समसूक्ष्मयहचूर्णपिसावे तप्तोदकसोप्रातपीलावे तंतु-रोगकोहोइहैनाश वंगसेंनमतकीनप्रकाश ॥ लेपः ॥ चौपई ॥ सुहांजणामूलपत्रपीसावै सेंधाकांजी-ताहिमिलावै नारवामुखपरलेपनकीजै यातेंतंतुरोगदुःखछीजैं ॥ अन्यच्च ॥ अहिंस्रामूलजलसाथ-जुपीस लेपैंतंतुरोगहोयषीस ॥ अन्यच्च ॥ तुलसीगुडजुपलांडूपाय पीसमहीनकरलेपलगाय ता-तेंतंतुरोगमिटजावै वंगसेंनमतसोइसुनावै ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्सानारवावंगसेंनअनुसार कही-जिमैंतैसेंकरेरहेनतंतुविकार जेऊविसरपीपथअपथविस्फोटककेहोय स्नायुरोगकेसोलषोभिन्ननभाषे-सोय ॥ इतिश्रीस्नायुकरोगचिकित्सासमाप्तः

॥ अथान्यप्रकारनहारवारोगकथनम् ॥

॥ रोगनहारवा ॥ चौपई ॥ नहारवारोगप्रघटसोलहिए इर्कमदनीअरुरिशताकहिए नारूफीनाम-हिंदमतमानो अतिभोजनकररोगपछांनो अतीखेदनरकरेजोकोई रोगताहिपिंनीपरहोई क्रुमिकरगा-ढानीरपछांनो सेवनकेरेरोगतबमाना अतीमांसमाडाजोखावे प्रथममांसमेरोगदिखावे अतीपीडकाःली-अतिहोई रोगत्वचापरआवतसोई प्रथमसोजअतिजलनदिखावे फुटेतारवतप्रघटलखावे कागद-कीवर्तीकरकोई ऊपरसीखलपेटेसोई सकलतारजववाहिरआवे तवरोगीनिश्चयसुखपावे तारटूटजा-

वेदुखहोई घृतअरुदूधपिलावेसोई पहरएकसुखशयनकरावे पलेटेलेफजोपरसाआवे तौफुनितार-खैंचिएसोई निकसेतारताहिसुखहोई वारवारतनुपरसापावे जुगतिप्रमानखैंचदुखजावे अथवानस्तर-मारेकोई शिरानिकालखैंचिएसोई हरडवहेडासुंठमंगावे कंवीलासेलभागसमपावे मासेसातपीस-करल्याय इक्कीमासेमधूमिलाय नीरपायसर्वतकरकोई दिनइक्कीपीवेसुखहोई आकपत्रऊपरवंधवावे दिवसतीनमेखोलरखावे तौफुनिआकपत्रमंगवाय वारवारवांधेदुखजाय प्रतिदिनहिंगूसेवेकोई ताहि-रोगनिश्चयनहिहोई सहदेवीवूटीपीसवंधावे रोगदूरनिश्चयसुखपावे गुरदेतकपहुंचेजवजाय मारकहोत-रोगदुखदाय.

॥ रोगमोटाहोनाजंघदा ॥

॥ चौपई ॥ मोटीजंघजाहुकीहोई दाउलफीलकहुनामासोई पुरातनहोएअसाध्यकहावे नूतनयत-नकरेहटजावे सकलरुधिरजवनीचेहोई मोटीजांघहस्तिवतसोई जवजहरोगप्रघटहोआवे वासली-कतेंरुधिरछुडावे पादपिंनीपरपछकराय रेचकऔषधताहिखुलाय तौफुनिताकोवमनकरावे त्रिफला-लेपनीरसंगलावे दृढकरकपडावांधेकोई पुरातनमांडखायनरसोई वातिकभोजनसोनहिखावे वता-ऊआदितेंपथ्यकरावे.

॥ रोगमोटाहोनापिंनीकेऊपरनाडिओंका ॥

॥ चौपई ॥ मोटीनाडपिंनीपरहोई दवालीनामफारसीसोई मोटीनाडविंगीप्रगटावे पिंनीऊपरप्र-गटादिखावे मारगअधिकचलेनरकोई वातिकभोजनकरदुखहोई पुरातनहोएअसाध्यकहावे वासली-ककारुधिरछुडावे रेचकदेफुनिवमनकराय रगसाफनकारुधिरछुडाय मलेनाडजवरुधि छुडावे तौफु-निवांधसीघ्रसुखपावे रहेपथ्यपरपालकराय करेयतनदुखदूरहटाय.

॥ रोगरींगडवात ॥

॥ चौपई ॥ रींगडावातपीडजोकहिए इर्कुलनुसाफारसीलहिए इकुंलनसानाडजोहोई पीडातहां-खोलिएसोई तौफुनिपाछेवमनकराय नाडसिरेपरदाघलगाय नाडीअंगुलआठप्रमान करेदाघहोवे-दुखहांन पादांगुलचिच्चीजोहोई देवेदाघताहुपरकोई वाचुत्तडकामध्यविचारे देवेदाघसीघ्रदुखटारे रुधिरछुडायऔषधीखावे हरडसुंठअरुत्रिवीमंगावे जढजमालगोटेकीलीजें गुगुलसवऔषधसम-कीजें सवसमानगुडसंगमिलाय तोलाडूढनिताप्रतिखाय करेपालखट्टानहिखावे मैथुनकरेनाहिदु-खजावे सतावरीआदतैलजोहोई मर्दनकरेहरदुखसोई पिंनीमध्यचीरकरवावे मध्यनाडलखसोईक-टावे ऊपरदाघताहुपरलाय निश्चयसकलपीडहटजाय.

॥ रोगपादअंगुष्टपीडा ॥

॥ चौपई ॥ पादअंगुष्टपीडजोहोई नकरसनामफारसीसोई अंगुष्टगंढपरसोजदिखावे पीडातहां-खेदअतिपावे दोषगर्मपतलाजवहोई अथवारुधिरदुष्टकरसोई अथवाअतिमैथुनकरजांनो अथवाअ-तिमारगकरमांनो अथवाऔरगंढपरहोई नेत्रआदिगोडेपरसोई पादपीडसबसंगदिखावे नकरसना-मसोइकहलावे पादरोगनिश्चयकरजांनो गंठिआबिनापादकरमांनो अवधीदिनचालीतकहोई कदीरो-गमारकहैसोई वांमशदपरपीडामांनो अतिचिरकालमाहिसुखजांनो रुधिरदोषपीडाप्रगटावे वासली-

ककारुधिरछुडावे सरेरोरगकारुधिरछुडाय रुधिरदोषपीडाहटजाय सज्जेभागपीडप्रगटावे खब्बेभागरु-धिरनिकसावै यथाजोगलेपकरवाय करेयतनदुखदूरहटाय मासेसातमघांपिसवावे सेरदूधमेपायपकावे प्रातनित्यपीवेनरकोई पादपीडहटजावेसोई कफसुभावजाहुकाजांनो सीतकालमेपीडामांनो ग्रीष्म-कालपीडजवहोई कफकारेचकसेवेसोई वातगंठिआऔषधखावे सोइकरदुखदूरहटावे.

॥ अथरोगवातगंठिआ ॥

॥ चौपई ॥ वातगंठिआजाकोहोई दरदमुफासलकहिएसोई कवहींरुधिरदोषप्रघटावे वासलीक-तेंरुधिरछुडावे सेरदूधगोकागडकाय दसमासेमघतासंगखाय कभीवातकाकोपपछांनो जुटेजोडहर्के-तनामानो तौफुनिरहसनपत्रमंगावे असगंधसुंठजढएरनपावे ग्वारगिलोताहिसंगपाय संभालुमेलभा-गसमल्याय साडेत्रैत्रैमासेल्यावे चारसेरजलक्काथचढावे आधसेरजवहींरहजाय पीवेदिनइक्कीदुखजाय षटेआईवातिकचीजनखावे गुगुलजोगराजमनभावे मघांमर्चचुंगचीमंगवाय चित्रामघजढसंगरलाय सौंफसुंठहिंगूसंगपावे वालासर्षपसंगरलावे भडिंगीजउोइंद्रमंगवाय राजपिप्पलसंगपतीसरलाय कबाबचीनीअजमोंदाल्यावे कंडेआरीवर्चमोडेआंपावे धनिआंपिप्पलमूलमिलाय वाविडंगगजकेसर-पाय साडेतिंनतिंनमासेल्यावे द्वादसतोलेत्रिफलापावे सतारांतोलेगुगलपाय विधिवतपाकसेवदुखजाय मासेसातनिताप्रतिखावे डिडतोलेतकसेवनभावे रहसनक्काथसंगकरपांन होवेवातरोगकीहांन गंठि-आपृष्टपीडजोहोई पादपीडगोडेकीसोई रींगडवातशूलअर्धंग कमरपीडआदीरुजभंग गुगुलजोगरा-जकरपांन इत्यादिकवातरोगकीहांन हलवांनमांसबकरेकाखावे दुंवातित्तरलवासुखावे मेथीसौंफसौं-फकटुल्याय ईसवंदअजुआंइनपाय कलौंजोवीजमूलिआंल्यावे वीजखरवूजासंगरलावे साडेदसदस-मासेल्याय दोतोलेसुक्कीनिंवरलाय चूरणपीसछानकरकीजे सक्करलालसेरइकदीजे तोलाढूडनिताप्र-तिखाबे नीरसंगदुखवातिकजावे मुखसुंदरवीरजवधजाय पाचकदीपकवातनसाय सतावरतैलकुठजो-होई नारायनसर्षपएरनसोई इत्यादिकतैलमलेदुखजावै निश्चयवातिकपीडहटावै गोडेपीडपुरातनहोई आंमवातकरकहिएसोई वांसाकृष्णग्वारमंगवावे सुंठमेलसमऔषधल्यावे साडेदसदसमासेल्याय क-रेक्काथपीवेदुखजाय आकपत्रदिनतींनवंधावे वारवारवांधेदुखजावे सुहांजनतैललेपकरसोई निश्चयपीड-पुरातनखोई थोंमसेरपांचोमंगवावे आधसेरराईसंगपावे करचूरनभांडेमेपाय एकरातराखेलटकाय ढूडसेरसर्षपकातेल प्रभातलूणताहीमेमेल हिलायनिरंतरताकोराखे दिवसतींनकेपाछेचाखे अथवाफु-लकेसंगहिखावे वातिकपीडासकलहटावे पीडाऊपरनस्तरलाय आकदूधकालेपचढाय आकदूधवाम-लेजोकोई तप्तनीरसंगधोवेसोई सकलपीडानिश्चयहटजाय विनायतनकैसेंसुखपाय

॥ रोगकमरपृष्टपीडा ॥

चौपई पीडाकमरपादमेहोई पीडापृष्टनामसुनसोई दरदकमरपुसतपायकहावे वातिकजतनकरेहटजावे

॥ रोगाचिटेआईनखोंकी ॥

॥ चौपई ॥ सुपेदीनखऊपरप्रघटावे सुपेदीनाखननामकहावे फुलवहरीथिंमहोतहैजैसें सोईजत-नहटजावततैसें मेथीअलसीवीजमंगावे मधूमोंमकेसंगपिसावे करेलेपनखऊपरकोई चिटेआईदूरस-हजसुखहोई

॥ रोगसोजमुंडनखदे ॥

॥ चौपई ॥ सोजमुंडनखहूंकेहोई दाषशनामाकहिएसोई कभीतापताहीसंगआवे सरेरोगकारुरधिरछुडावे दच्छिणभागसोजप्रगटाय वांमभागतैंरुधिरछुडाय तौफुनिरेचकऔषधदीजें आगेयतनलिखासोकीजें विजयावीजहफीममंगावे सिरकागुलावपायपिसावे दोदिनलेपकरेजोकोई दिवसतीसरेऐसाहोई सिरकाईसवगोलमंगाय लेसमतीनादिनलेपचढाय च्छणच्छणगर्मनीरमेंपावे मधूखंडलेऊपरलावे फटेदोषसिगरानिकसाय अथवाडछूचीरवंधाय हाथपैरपरसोजदिखावे तौभीयतनजाहिविधभावे अथवातापरदाघकराय तंडुलदधीपीसकरलाय वुरनामाजहरोगकहावे शीघ्रजतनकरदेरनलावे

॥ रोगनखोंकीसकलहोनीचूहेकेदंदोंकी ॥

चौपई अतितीच्छणनखजबप्रघटावे सनानुलफारुलअजाफीरकहावे वातिकसर्दखुष्कनहिखाय त्रिफालालेकरपीसवनाय दसमासेजलकेसंगखावे निश्चयसकलदोषहटजावे मस्तकीसीसालूनमिलाय पीसनीरनखऊपरलाय मुरदासंगत्रैमासेल्यावे दसमासेएरणतेलरलावे वरोजामासेतीनमिलाय कतीरामासेदोइरलाय करङ्कत्रफुनिखूपकुटावे मलहमलेपकरेदुखजावे सुंदरतैलतांहुपरलाय निश्चयगुणकरदोषहटाय

॥ रोगखसराहोनाशिरविषें ॥

॥ चौपई ॥ खसरारोगसीसमेंहोई दाढीभरमांऊपरसोई सवूस्सःनामफारसीगावे ग्रीवापीछेपछकरावे चनेमंगायपीसिएसोई सिर्कामिलमलेसुखहोई एकपहरजवहींहोजावे तसनीरसंगताहिधुलावे निंवूरसखैरीरसलीजें शिरऊपरवरमर्दनकीजें सिरकातुंमावीजमंगावे मलेसीसपरखेदहटावे

॥ रोगटट्टरी ॥

॥ चौपई ॥ टट्टरीसीसमाहिपडजावे दाउस्सालवनामकहावे झडेवालनहिउपजतताही चमकतस्थानखेदकछुनाहि ऋतूवतलेसदारजवहोई जलेपित्तसंगदोषजसोई भोजनअसरतहांनहिजावे झडेवालफुनिफेरनआवे जेकररुधिरदोषजलजाय लालरंगताहीप्रघटाय ठुडीतलेपछकरवावे सरेरोगकारुधिरछुडावे सिंगीअथवातूंवीलाय रुधिरविगाडशीघ्रनिकसाय टट्टरीऊपरपछकरावे चूहेकीफुनिविठमंगावे घृतामिलायलेपकरसोई अथवामखीलेपकोई आमलेसेरएकमंगवावे नीरसेरदसतामेंपावे रातभिगोयप्रातगडकाय सेरदोइतिलतेलमिलाय जलेकाथतैलरहजावे फसतकरायमलेदुखजावे लेसदारजलविगडेजवहि श्वेतरंगटट्टरीकातबहि तुंमामासेसातमंगावे कतीराभागवरावरपावे दिनइक्कीतकसेवनकरिए आवेदस्तदोषसवहरिए अकरकराफुनिमर्चमंगावे मोहरावृषभताहिमेंपावे करेलेपटट्टरीहटजाय अथवाऊपरपछकराय हलदीसज्जीसर्षपल्यावे राईमेलमलेदुखजावे मलेखूपट्टढअतिवलपाय उपजेंवालशीघ्रदुखजाय जेकरपित्तदोषप्रघटावे रहेजलनअतिखाजदिखावे खुष्कभौरडीऊपरहोई जलेपित्तस्याहीपरसोई ठुडीतलेरुधिरानिकसाय हरडअनारनीरसंगखाय तैलआमलापाछेजोई मलेशीघ्रहटजावेसोई अथवावनउपलेमंगवावे मलेखूपजवलालीआवे घोडेकाफुनिपरसालाय मलेखूपटट्टरीहटजाय

रोगखिडनावालेंदा

॥ चौपई ॥ खिंडेवालजाहुकेजानो इंतशारमोऽनामपछानो ऋतूवतभोजनकीहटजाय वालखुश्कतवहींप्रघटाय दूरस्निग्धताझडतेजावे खुलेरोमद्वारप्रघटावे आदयतनकररुधिरछुडाय हरडनीरसंगवालधुलाय अथवानीरआंमलाहोई वारवारधोवेसुखसोई अंवरभेदसोलादनल्यावे तेलतिलोंकामेलमलावे उपजेंवालशीघ्रदुखजाय निश्चयऔषधकरसुखपाय तैलआमलापाछेहोई मलेशीघ्रसुखदायकसोई

॥ रोगफटजानाचीरेआजानावालोंका ॥

॥ चौपई ॥ वालोंकेमुखचीरेजावे सकाकुलशयरनामप्रघटावे पत्रातिलोंकेरसनिकसाय मलेखूपकरलेपचढाय मखनजंगीहरडमंगावे लादनतैलपीसकरपावे भांगुराअरुत्रिफलामंगवाय लोहारगडफटकडीपाय करइकत्रमर्दनकरसोई तैलआमलाअतिहितहोई करमर्दनदुखदूरहटाय उपजेंवालदोषमिटजाय

॥ रोगजटाहोनीपेचपडनावालोंका ॥

॥ चौपई ॥ जाकेसीसजटाप्रघटावे जऊदतमोतवनामकहावे जैसेंजंगदेसमेहोई तैसेंजटापेचयुतसोई लक्षणगरमीखुश्कीमानो गुडविलकरथलेपमनआनो पलचेवालशीघ्रखुलजावे निश्चयकरजहयतनवनावे ॥ ॥ ॥

॥ विधवाललंवेकरनकी ॥

॥ चौपई ॥ लंवेवालविधीजोहोई ततवीलसयरकहुनामासोई बारांसेरतैलतिलल्यावे चारसेररसभांगुरपावे ईसवंदत्रिफलामंगवाय इकइकसेरताहुमेपाय खैरकाष्ठअधसेरमिलावे नीरएकमणपायचढावे जलेनीरतैलरहजाय मलेवाललंवेप्रघटाय नीलोफरगजकेसरल्यावे मुलठीतिलकालेसंगपावे लेसमभृंगराजरसपाय पीसलेपकरवालवधाय छेरभागिआडरिछजोहोई इनकीचरवीलेसमसोई सिरकापायलेपकरवावे उपजेंवालअधिकवधजावे अंडेलेकरताहिउवाले चोएविथिसोंतैलनिकाले मखीपीसताहुमेपाय उपजेवालदीर्घहोजाय जेकरकेनरखुसराहोई उस्तराफेरलेपकरसोई उपजेंवालदीर्घअतिजांनो करेयतननिश्चयमनआंनो चूहेकाइकवच्चाल्यावे तैलपायकरसोगडकावे उस्तराफेरमलेजोकोई उपजेंवालदीर्घअतिहोई किक्करकाकीडाइकल्यावे आदितवारपीसकरलावे उस्तराफेरमलेजोकोई उपजतवालसत्यसुनसोई अथवावनउपलामंगवावे रगडलेपताहूपरलावे भिंझलूंवडीकीमंगवाय मलेवाललंवेउपजाय ॥

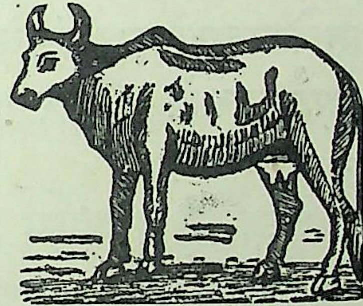
॥ विधजुआंदूरकरनेकी ॥

॥ चौपई ॥ जूआंसीसदेहमेहोई तप्तनीरमेवैठेसोई रेचकवमनताहिकरवावे मुसक्करपीसमलेसुखपावे पाछेदेहधुलावेकोई निश्चयजीवदूरसबहोई पाराएरनभस्ममंगावे अर्कतैलातिलसंगरलावे करइकत्रमर्दनकरवाय निश्चयसकलजीवमरजाय पूरनमासीकादिनआवे वैठचांदनीकंगीवावे सकलजीवानिश्चैमरजाय सुगमयतनकरजीवहटाय पुष्पपत्रफलनिंवमंगावे मलेपीसकरजीवहटावे

॥ रोगव्याईपैरकी ॥

॥ चौपई ॥ व्याईरोगजाहुकोहोई शकाकपासनाकहिएसोई वातापित्तकाकोपपछांनो कभीरुधिरकफहूकामांनो अथवासीतकालकेमाहीं गर्मनीरसंगधोवेताहीं फुनिसीतलजलकेसंगधोवै

न्याईरोगताहिछिनखोवे गुगुलरालमखीरमंगाय मोमलूणगुडतांमेपाय गडकावेगूत्रपायकरकोई मलैलेपकरअतिसुखहोई निरगुंडीगोकेघृतमेंपावे तपायलेपकरपीडहटावे रुद्रवंतीबूटीसंगपाय त्रिफलात्रिकुटाताहिमंगाय आधआधसेरसमल्यावे वरावरसबकेसक्करपावे दोइतलीभरप्रतिदिनखाय सेरदूधपीवेदुखजाय रुधिरदोषपररुधिरछुडावै पछलगायशीघ्रदुखजावै मघजामनअंवआंवलाहोई इ-नकेसिकडलेवैकोई गर्मकाथमेंपैरडुबावै धोवैमलैपीडहटजावै ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्र-काशभाषायांस्नायुरोगाऽधिकारकथनंनामपञ्चचत्वारिंशोऽधिकारः ॥ ४५ ॥



॥ अथमसूरिकारोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंनिदानमसूरकाभेदशीतलाजान प्रगटवतावोंताहिकोंजातेंहोयपछान ॥ अथकारणम् ॥ चौपई ॥ मसुरअन्नदाणेकीन्याई होइमसूरकाअैसेंगाई जिन्हवस्तूहोइमसूरकारोग सोभाषोजोवस्तुप्रयोग कटुअतिअमलक्षारजोषावै भोजनदुष्टषायअधिकावै भूषतेंअधिकषायहेजोय अरुविषवृक्षसपर्शकरैसोय विषवृक्षनकीपवनलगेतन विषजलस्पर्शहुतेंजानोमन अरुजुशनैश्चरादिग्रहकहिये उन्हकीमंददशाजोलहिये इन्हकारणवातादिकदोष रक्तदोषप्रगटांहिसरोष पित्तरक्तयुतहोतहेंजवही दूषितकरतत्वचाकोतवही तातैंतनुमसूरकीन्याई वहुफुनसीउपजेंनरताई ताहिशीतलाभेदपछानैं जासलोककाकडावषानैं.

॥ अथमसूरिकापूर्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ जिंहमसूरकाउपजनलागे असविकारप्रथमहिंतनजागे ज्वरकंडूसोजात्वचमांहि गात्रभंगअरुचदरशांहि देहविवरणसीदीसनलागै नेत्रनवीचकष्टवहुजागै सोमसूरकापांचप्रकार वातजपित्तजकफजविचार त्रिदोषजरक्तजकहिएपांच भिन्नभिन्नभाषोलहुसांच.

॥ अथमसूरिकादिरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ चिकित्सारोगमसूरिकाताकेसकलप्रकार वंगसेनजैसेकहोंतैसेकरोउचार ॥ चौपई ॥ जिंहमसूरकारोगलषावै तासचिकित्साअसदरसावै विसरपीपित्तश्लेष्मकीजो जेऊचिकित्साताकसकरैसो. ॥

॥ अथवातजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तनुस्फोटरूषेरंगलाल अथवाश्यामवरणयहचाल पीडातीव्रकठिनलषपैये चिरकरपकैंसुवातजकहियें.

॥ अथवातजचिकित्सा ॥

॥ अथधूमः ॥ चौपई ॥ वांसत्वचासुरसाकरपास लाक्षजवानीयवविषलहुतास ब्राह्मीवरचसुवर्चलाआन पीसेगोघृतसंगमिलान प्रथममसूरकाकोदेधूप होइनमसूरकावातअनूप ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ चूराचंदनस्वेतमंगावै संगमोचरससमपीसावै आरंभमसूरकाकेमंझार पाणपीयमसूरकाटार अन्यच्च ॥ केवलपीसमोचरसलीजे मधुमिलायसोपाणपीजे जायमसूरकासर्वप्रकार प्रथमआदियहकरउपचार ।अथकफजमसूरिकावमनप्रकारः चौपई। कफीनरहींजुमसूरकालहियें आदिहिंताकोंवमनकरैये तातेंहोइमसूरकानास मध्यवमनतौपुरुषविनाश अस्थीगतमसूरिकाजोय सर्वदेहमोंव्यापतहोय तापरवमनकरावेनाहि करेतोयमपुरवाससिधाहि ॥ अथवमनकीऔषधिः ॥ वांसानिंववचकोगडपटोल मुलठमयनफललेसमतोल करैकाथमधुपायपिलावै होवेवमनमसूरकाजावै

॥ अथवातिकस्वभावमसूरिकाउपायः ॥

चौपई वातकरजोमसूरकाहोय तिसपररेचनाहितकरसोय वलअनुसाररेचकरवावै रोगजायरोगीसुखपावै अथकाथः चौ० सारवामुत्थरपाठाआन वलाजुकाइनिंवपुनठान विंकंकतधात्रीषदूरपटोल यहसवऔषधले

समतोल करैकाथपीवेजोतास होयमसूरकावातजनाश अन्यच्च चौपई दशमूलरासनाधानियांआन उशी रजवांहांमुस्थरठान गिलोयधमासमकाथवनावे पीवैवातमसूरकाजावै अथलेपनं चौपई वटरुंवलअंवव-हेडेजान सरीहसवनकीत्वचाप्रमान तिन्हकेसंगमंजीठरलावै सबसमपीसेघीउमिलावै लेपेवातमसूरका-जोय नाशहोयचितलषियेसोय काथः चौपई गिलोयकसीरफलवलाकोमूल लघुपंचमूलचंदनसमतूल अवरमुलट्ठीरासनापाय लेजुविकंकततासमिलाय वातमसूरकापाकमंझार यहसमकाथपियेदुखटार अ-न्यच्च चौपई गुडूचीद्राक्षमुलट्ठदशमूल अरुदाडिमसबलेसमतूल पाककालगुडसाथखुलावै रुजमसूर-कावातजजावै

॥ अथकफवातजमसूरिकाउपायः ॥

॥ चौपई ॥ पाणा ॥ वदरिचूर्णगुडलेजुमिलाय यहपाणापीजोहितलाय कफवातजमसूरिकानाश वंगसेनयोकीनप्रकाश' ॥

॥ अथपित्तजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अंगदाहविटभेदहैजास अक्षिपाकमुखपाकप्रकास ज्वरअतिवेगकरैजिसमाहि कोम-लस्फोटहोतातिसताहि रक्तजकेयहलक्षणगाय ग्रंथानिदानादियोजुसुनाय दाहतृषाजुअरुचिताहोय शीघ्रस्फोटजुपाकैसोय रक्तपीतकृष्णवरणलहीजें पित्तजकेयहाचिन्हकहीजें

॥ अथापित्तजमसूरिकाउपायः ॥

॥ काथः ॥ चौपई ॥ पटोलमूलइक्षुजढआन पीजैयहसमकाथविहान पित्तमसूरकाहोवैनाश सुख-उपजैतनुरोगविनाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ निंवपापडापाठालीजै दोचंदनबांसाउशीरजु-दीजै मुस्थरकौडजवांहापटोल धात्रीफलसबलेसमतोल करैकाथशरकरामिलाय पीवैपित्तमसूरका-जाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ वांसाद्राक्षछुहारेआन निंवकसीरजवांहांठान लाजाचंदनअवरप-टोल कीजेंकाथसभीसमतोल सितायुक्तजोपीवैतास होयमसूरकापैत्तिकनाश ॥ अथलेपः ॥ ॥ चौपई ॥ अश्वत्थन्यग्रोधलसूडाजान रुंवलसरींहत्वचासमठान घृतसोंपीसैलेपनकरै पित्त-मसूरकाकोदुखहरै ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ प्रियंगूनिंवपापडालीजै दोचंदनवांसातासंगदीजै कौडजवाहांआनजुपाय वस्तुसभीलेकूटमिलाय धात्रीफलमूलिकाउशीर यहसमकाथकरोमतिधीर पीवैकाथदाहकेसंग पित्तमसूरकाहावैभंग ॥ अन्यश्च ॥ चौपई ॥ फलकसीरइक्षूकोमूल करैका-थदोनोसमतूल शीतलकरशक्करामिलाय लाजाचूर्णपायपिलाय पित्तमसूरकाकोहोइनाश सुखउपजै-तनदुतीप्रकाश ॥ अन्यश्च ॥ चौपइ ॥ जवांहांपित्तपापडाआन कौडपटोलसभीसमठान पीवेकाथजु-प्रातवनाय कफपित्तमसूरकातातेंजाय ॥

॥ अथकफजलक्षणम ॥

॥ चौपई ॥ मुखतैंकफकोचलैप्रवाह जडताशिरपीडाहोइताह निद्राआलसहोतनभारी रुचनरहै-योंकीनउचारी भारीदेहरहेनितजास तंद्राअवरहोतहल्लास वडेस्फोटसानिग्धलषावै मंदपीडचिरपाक-दिषावैं श्वेतवरणकंडूयुतहोहि लक्षणाकफजइसीविधिजोंहि

॥ अथसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नीलवरणकेहोंहिस्फोट मध्यडूंघचिपटेअतिमोट चिरकरपाकहोततिसमाहि अतिपीडानरकोप्रगटाहि ॥ अथकफजसंन्निपातउपायः ॥ बहुतअवेंसन्निपातजजान रक्तजपंचमकरोंवषान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ किरायतामुत्थरवांसापाय निंवइंद्रयवअरुत्रिफलाय अरुपावैसंगयवासपटोल काथकैरसबहीसमतोल मधुमिलायकरताहिपिलावै कफपित्तमसूरकातांतेजावै ॥ लेपः चौपई ॥ रुंवलअवरसरीहत्वचाय खदरत्वचानिंवपत्रमिलाय यहसमलेपनकरहैजोय कफअरुपित्तमसूरकाषोय अथरसः ॥ वांसारसमधुपायपिलावै कफमसूरकातांतेंजावै काथः ॥ मुत्थरवांसानिंवपटोल कौडपापडालेसमतोल यवाहांधनियांआनमिलीजै गिलोयकिरायताताामोर्दाजै जहजोकाथपिलावेजास आममसूरकाकोहोइनाश ॥ अन्यच्च चौपई लालचुलाईमूलपटोल काथकैरेदोनोसमतोल रजनीआमलेचूरणपाय पीवैस्फोटविसर्पीजाय रोमंतीज्वरवातविनाशै दुखनाशैतनुरुजविनभासै अन्यच्च चौपई ॥ निंवपापडाचंदनदोय वांसाद्राचाकौडसमोय जवाहांधात्रीषस्सपटोल करेकाथसबहींसमतोल पायशरकरापीवैतास मसूरकाअंतरधसीनिकास ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ केवलक्काथत्वचाकचनार स्वर्णमखीचूर्णतामोंडार पीवेमसूरकाअंत्रजुहोय वाहिरनिकसेतांतैंसोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पटोलमूलअरुलालचुलाई करेकाथसमलेपवनाई धात्रीखदिरकोचूर्णपाय पीवैरुजमसूरकाजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पूतकरंजुरसधात्रीफलरस मधुशरकरामिलापीवैतस शोथसहितकफपैत्तिकजोय नाशहोयमसूरकासोय

॥ अथरक्तजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अंगोपीडतृषाअरुदाह पतलीविष्टाहोवैताह नेत्ररोगज्वरविनरुचिकहिये मुखपाकालालस्फोटलहैये रक्तमसूरकातासकोजान निदानग्रंथमतकियोवषान

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

चौपै कंठरोधतंद्रावकवाद रुचिविनहोयचिन्हइत्याद पिडकाचर्मकजातीजान चिकित्सानाहिनताकीमान

॥ अथरोमंतीनिदानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नामतासरोमंतीजानै धस्सलभंजललोकवषानै रोमरोमप्रतिफुनसीजान षसकेदानेहोतसमान कफअरुपित्तहुतेंप्रगटावै कासअरुचिज्वरप्रथमउपावै दाहमोहतंद्राकरैसोय धस्सललक्षणऐसेंहोय ! ?

॥ अथसप्तधातुगतमसूरिकालक्षणम् ॥

चौपई सप्तधातुजोदेहमंझार तंहमसूरकाकरैसंचारभिन्नभिन्नतिहलक्षणगाऊ तिनहीकोज्योंत्योंहिसुनाऊ

॥ अथत्वग्गतमसूरिकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जैसेंवुदवुदजलमंझार तैसोहोइस्फोटआकार जोकदाचितफूटैसोय जलहीतिन्हतैंप्रगटतहोय स्वल्पदोषतैंयहउपजावत यहत्वचगतसुखसाध्यकहावत !

॥ अथरक्तगतमसूरिकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जवमसूरकारक्तगतहोय लालस्फोटप्रगटकरसोय शीघ्रपकैंपुनरुधिरश्रवावै यहभीतौसुखसाध्यकहावै ॥

॥ अथमांसगतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कठिनसनिग्धस्फोटकजान अंगशूलचिरपकैंपछान तृष्णाअरुज्वरयहप्रगटावे कष्टसाध्ययहव्यथाकहावे ।

॥ अथमेदगतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मेदनामचरवीकोकहिये तांगतजमसूरकालहिये होंहीस्फोटमंडलाकार ऊंचेतनुतैंक-छुकनिहार सनिग्धघोरज्वरसहप्रगटावे स्थूलवेदनासहिदरसावे मोहवहुतसंतापजुहोय कष्टसाध्यअ-त्यंतजुसोय ॥

॥ अथअस्थिगतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मिंझहोतजोहाडमंझार मज्जाताकोंकरेंउचार देहसमानवर्णजिसहोय किंचितऊंचे-स्फोटहेसोय रूक्षचिपटास्फोटआकार असाध्यमसूरिकातासविचार पीडावहुतस्फोटतनुमांहि मो-हअरुचहोइकछुनसुहांहि सकलमर्म्मछेदीयततास शीघ्रप्राणयहकरहैनाश अरुतांकेहाडनकेवीच छि-द्रपडैंसोंप्रापतमीच ॥

॥ अथवीर्यगतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ सानिग्धस्फोटसपीडाजान दाहअरुचउन्मादपछान पंकवर्णपिटकाजिसहोय मोहरहेम-नमेंतिसजोय तनुमोजडताहोतअपार वीर्यगतीयोंकीनउचार वीर्यगतिअसाध्यसुकहीजे सप्तधातुगत-योंलषलीजे ॥ दोहा ॥ त्वचाअवरजोरक्तगतिकफअरुपित्तकीजान चारमसूरिकासाध्यहैबिनक्रिया-सुखीसुमान ॥ कष्टसाध्यवर्णनम् ॥ चौपई ॥ केवलवातहुंतेहेजोय अथवावातपित्ततेंहोय अथवाकफ-अरुवातकीजान यत्नतेंसाध्यमसूरिकामान ॥ अथअसाध्यमसूरिकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ प्रवालवर्णसमजासकोदेषे जंवूफलसमतासकोपेषे लोहजालकीहोवतन्यांई विवधवर्ण-होयजासकेताई असाध्यमसूरिकातासकोमानो ग्रंथनिदानकह्योसुपछानो ॥ अथमसूरिकाउपद्रवः ॥

॥ चौपई ॥ हिक्काकासप्रलापभनीजै मूर्छातृषाजुमोहकहीजै होयतीव्रज्वरप्रगटेदाह घूरणताव-हुउपजैताह मुखअरुनासानेत्रतेंजोय रक्तचलैजुश्वासपुनहोय घुरघुरशब्दजुकंठमंझार होतरहैसोवारं-वार इन्हेउपद्रवसाथलहीजै सोअसाध्यमनसमझपतीजै ऐसेंकोंजुवैद्यलषलही विनाचिकित्साहिंहतज-देही अरुकेवलनासाकरलेश्वास आवैविनमुखातिसहोइनाश अरुमसूरकाकेउपरंत तनुमेंशोथपरैलहु-तंत यहभीलक्षणअहैअसाध्य भाषसुनाईमहाउपाध्य अरुजुसुरोमंतीउपरंत उदरचलैअससाध्यकहंत ॥ दोहरा ॥ लक्षणसभीमसूरकाकीनेप्रगटवषान अवरसरोमंतीकेकहोंजानोवैद्यसुजान ॥ इतिमसूरि-कारोमंतीनिदानंसमाप्तम् ॥ अथरक्तजमसूरिकाउपायः

॥ चौपई ॥ रक्तकोपतेंप्रगटेजास मोक्षणरक्तचिकित्सातास ॥ अथलेपः ॥ चौपई ॥ विजोरातुरीकां-जीकेसंग लिपैसदाहमसूरकाभंग ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ पादमसूरकापादकरैदाह दाहनिवा-रचिकित्साताह तंडुलजलसोंधोवैतास पाददाहमिटदुखकोनाश ॥ अन्यश्च ॥ उपायः ॥ चौपई ॥ वदरीचूर्णगुडजुमिलावै रोगीकोंसोनित्यचटावै वातजपित्तजकफजजुतीन पकैमसूरकालषोप्रवीन अरु-तांकीपीडाहोइनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथगंडूषः ॥ चौपई ॥ जातीपत्रमंजीठमंगावै दा-

लहलदजंडीसंगपावै पूगीधात्रीफलजुमुलट्ठ चूर्णकरसमकरोइकठ सबसमपायसोंकरहैकाथ मधुपायगंडूषांताहुकेसाथ मुखब्रणकंठरोगमिटजावै दुखनाशैंरोगीसुखपावै ॥ अथनेत्रलेपः ॥ चौपई ॥ मुलठीमूर्वालेत्रिफलाय तज्जदालहलदपुनपाय नीलोत्पलमंजीठउशीर लोधरसमसबपीसोधीर जलसोंनेत्रणलेपलगावै नेत्रननैंमसूरकाजावै ॥ अथधूपः ॥ चौपई ॥ सुपारीदालहलदमंजीठ जोजतीपत्रविषलेवोईठ मौरपच्छसबहीसमलेय पीसेधूपसुरोगीदेय तनुतेरोगमसूरकाजाय श्रेष्टधूपयहदियोलषाय ॥ लेपः ॥ चौपई ॥ दोइरजनीशरमुत्थरउशीर सरीहभद्रमुत्थरलेधीर गजकेसरसबसमपीसावै तनुमेंलिपेमसूरकाजावै ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ जपस्वस्त्ययनहवनअरुदान द्विजगोशिवपूजापरमान गौरीपूजनपाठप्रयोग यहभीउपायश्रेष्टसबलोग गरुडोपनिषदपढैजुपढावै अरुकरेयंत्रजुकंठवंधावै विषविकारमसूरकाआदि रोगनरहैशास्त्रमिरयादि ॥ अन्यउपायः भोजनपानमर्दनमंझार पंचतिक्तयहश्रेष्टविचार ॥ लेपनम् ॥ चौपई ॥ दालहलदकाकाथवनावै तांकेसमतामोंघृतपावै पुनयहचूर्णताहिरलाय दशमूलवालकुठहरडामिलाय दालचीनीकरंजूलीजै कूटसबीसमचूर्णकीजै रासनाअवरवेहडमंजीठ समयहपायपकावोईठ मसूरकाऊपरलेपैसोय अपक्वपकैपक्वसुद्धसुहोय क्षुद्रमसूरकाभीहोईशांत निश्चययहमनधरोवृतांत जोब्रणदुष्टस्वदेहलषावै रुधिरनिकासेतवसुखपावै ॥ दोहा । रुजमसूरकाकीकहीसमझचिकित्सासार भाषसुनाइसबनकोवंगसेनअनुसार ॥ इतिमसूरिकारोगचिकित्सा

॥ अथमसूरिकारोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यमसूरकाभाषोंसुनाप्रवीन प्रगटवतावोंसबनकोंशास्त्रनकोमतचीन ॥ अथपथ्यम् ॥ चौपई ॥ रोगआदिलंचनकरवावै नाडीशिरकीरुधिरछुडावै अरुरेचनकरवावैतास प्रथमपथ्ययहकीनप्रकाश पुरातनसठीचावलजानो चणेमसुरयवमुंगपछानो मासकवूतरचिडालहीजै शुकटटीहरीजानपतीजै अवरममोलेकोजोमास एतेमासपथ्यलखतास केलेअवरककोडेजानो द्राक्षकरेलेपथ्यपछानो मधुकूपोदकपथ्यपछांन पवित्रपुष्टकरताजलजान अवरपुष्टकरताजोअन्न धूपअनारपथ्यकरमन्न गोहेभस्मजोमर्दनकहिये सोभीयाकोपथ्याहेलहिये क्रियाशोथब्रणकीहैजेती रुजमसूरकाकीलषतेती दोहा कहोंअपथ्यमसूरकासुनलीजैचितधार वैद्यकशास्त्रसोधकैपुनकीजैउपचार अथअपथ्यं दोहा वातस्वेदश्रमअन्नगुरुतिलमैथुनअरुक्रोध वस्तुअमलकटुजानियेअरुवेगनकोरोध इतिमसूरिकारोगेपथ्यापथ्यअधिकारः दोहा वरणयोरोगमसूरकाप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिचिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यवषान

॥ अथमसूरिकारोगेकर्मविपाकमाह ॥

॥ चौपई ॥ ऊंचहोइकर्मनीचजोकरै दीनजननकोपीडाधरै खरइत्यादिनीचजोजाति तिनकोपीडाहोइकरघाति प्राणीसोमसूरिकावरै नानादुःखदेहीमोधरै ॥ उपायः ॥ ताम्रआढकइकमहिषवनावै रूपेकेखुरताकोलावै शृंगरूपकांचनगलमाला नीलवस्त्रतांपरदरसाला सोइहविधसंकल्पकराइ दोषमसूरिकानिश्चयजाइ ॥ इतिमसूरिकाकर्मविपाकः ॥

॥ अथज्योतिषः ॥

॥ दोहा ॥ द्वादशपडैजुदेवगुरुहीनपडैतिहचंद तौभीरोगमसूरिकाव्यापैदेहप्रबंध तिहउपायज्योतिषकह्योचंदबलीकरदेय देवगुरूकीवंदनारोगहिमुक्तकरेय ॥ इतिज्योतिषंसमाप्तम् ॥

॥ अथशीतलारोगस्वरूपलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जबैविषमज्वरअत्यंतप्रगटाय कभीशीतलकभीगर्मकराय नेमनरहैफुनसीप्रगटावत तीनदिवससातनमोहोवत सोफुनसीकायाकोवरै ताहिनामसीतलाकरधरै सोसीतलाअठहिप्रकार सोसबवरतैदेहिमंझार ताहिक्रियासबग्रंथनमांहि देसअनुसारकरतकृततताहि

॥ अथशीतलायत्नः ॥

॥ चौपई ॥ आळीपकैतौइहकृतकार अरनेऊपलेखारमंझार सोविछायऊपरतिहलेटै शीतलारोगकायतेंछूटै ॥ पुनः ॥ वानिंबपत्रडालीकोंल्याय मखीतांसोंलेयउडाय ॥ पुनः ॥ शीतलाज्वरकेभीतरजाहि शीतलजलहिपिलावैताहि ॥ पुनः ॥ अथवाशीतलस्थानलेजाय शीतलस्थानमोताहिविठाय पवित्रहोयपूजनहितकरै अत्यंतऔषधीनाहिनधरै ॥ पुनः ॥ शीतलजलसोंहलदिपिलाय शीतलादानेथोडेप्रगटाय ॥ पुनः ॥ केलेजलअरुस्वेतचंदनकर वांसारसमहुवाकोंमथकर वामहुवासहितसंगडार शीतलावालिकीहितकार शीतलानिकलनपहिलेजोय पिलायविकारकोईनहिहोय

। अथशीतलावालेकीरक्षा ।

॥ चौपई ॥ जिहघरशीनलावालकहेरे ताहिराखनिंवपत्रचुफेरे चंदनवांसानागरमोथा गिलोयदाखकाडावरजोथा शीतलाज्वरनाशैइहविधसे अथवाजपहोमादिकरनसे ब्रह्मभोजशिवगौरिगणेश पूजनकरैहितलायमहेश जोशीतलासनमुखअष्टकपरै सोआगेउच्चारकरधरै.

॥ अथशीतलाष्टकम् ॥

ॐश्रीगणेशायनमः ॐ अस्यश्रीशीतलाष्टकस्तोत्रमंत्रस्यईश्वरऋषिरनुष्टुप्छंदः शीतलादेवताशीतलास्थितव्याध्युपशांतयेपाठेविनियोगः अथध्यानं ॐ नमामिशीतलांदेवींरासभस्थांदिगंवरां मार्जनींकलसोपेतां शूर्पालंकृतमस्तकाम् १ शीतलासेठिलाचैव रुणकीभुणकीतथा महिमामंदिलाचैव षट्नाम्न्यैतेनमोनमः स्कंदउवाच ॐभगवन्देवदेवेशशीतलायाःस्तवंशुभम् वक्तुमर्हस्यशेषेणविस्फोटकभयापहं १ ॥ ईश्वरउवाच ॥ वंदेहंशीतलांदेवींसर्वरोगभयापहां यामासाद्यनिवर्तेतविस्फोटकभयंमहत् २ शीतलेशीतलेचेतियोब्रूयाद्दाहपीडितः विस्फोटकभयंघोरंक्षिप्रंतस्यविनश्यति ३ यस्त्वामुदकमध्यतुधृत्वासंपूजयेन्नरः विस्फोटकभयंघोरंकुलेतस्यनजायते ४ शीतलेतनुजान्रोगान्नृणांहरसिदुस्तरान् विस्फोटकविशीर्णानांत्वमेकाऽमृतवर्षिणी गलगंडग्रहारोगायेचान्येदारुणानृणाम् त्वदनुध्यानमात्रेणशीतलेयांतिसंक्षयं ६ नमंत्रंनौषधंकिंचित्पापरोगस्यविद्यते त्वमेकाशीतलेधात्रिनान्यांपश्यामिदेवताम् ७ मृणालतंतुसदृशींनाभिहृन्मध्यसंस्थितां यत्वांविचिंतयेद्देवींतस्यमृत्युर्नजायते ८ श्रोतव्यंपठितव्यंवैनरैर्भक्तिसमन्वितैः उपसर्गविनाशार्थंपरंस्वस्त्ययनंमहत् ९ शीतलाष्टकमेतद्वैनदेयंयस्यकस्यचित् किंतुतस्मैप्रदातव्यंभक्तिश्रद्धान्वितश्चयः ॥ १० ॥ इतिश्रीस्कंदपुराणेशितलाष्टकंसमाप्तम् ॥ (–?!(०)?!–)

॥ अथशीतलाकेऔरभेद ॥

॥ चौपई ॥ कफवायूकरशीतलाहोय ताहिकोद्रवाकहेहैसोय कोद्रेकीसीआकृतजिसमे वायूकफयहमिलतातिसमे अंगअंगगर्मीसोवरै सबशरीरदरदसोपरै सातअथवावारादिनमाहि औषधविना-

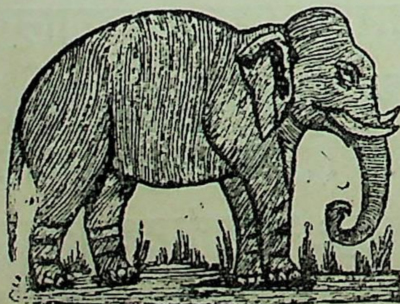
हीसुखउपजाहि लोकाचारतिहभोरीकहै गर्मीबहुवरकायमोरहै कायामोफुनसीप्रगटाय सर्ववालक-नइहहितभाय शीतलाकेइहहैसबभेद देसाचालजुवर्तनषेद ॥ इतिशीतलाधिकारःसमाप्तः ॥

॥ रोगधस्सल ॥

॥ चौपई ॥ धस्सलरोगजाहुकोजानो हसफनाममतफारसमानो दाणेसोछोटेप्रघटावे ऊपरत्व-चाशीघ्रवलपावे थोडीसीगरमीतनमेहोई आगेऔषधसुनिएसोई पुरातननिंवकाष्टमंगवावे रगडनीर-संगलेपचढावे मरमीदोषनेकविधहोई मलेखूपहटजावेसोई तत्तनीरसंगदेहधुलाय निर्वीतस्थानराखे-सुखपाय ॥

॥ अन्यप्रकाररोगखसरा ॥

॥ चौपई ॥ खसरारोगहिंदीमतहोई हसवःनामफारसीसोई ऊपरदेहछालकेजानो छोटेलालरं-गपहचानो लेसदारजलतामेहोई रोगहोतभयदायकसोई मुंगीचावलआदखुलावे ताकरदोषशीघ्रपक-जावे रोगपकेतवऐसाकीजे छाछसंगसोईचावलदीजे रोगदूरजवहींहोजावे छेइमासतकपालकरावे मांसकनकघृतखावेनाही ऐसेंकहाग्रंथमतमाही जेकरपालकरेनहिकोई मरोडारुधिरसंगतवहोई चले-पेटऔषधनहिजानो मरेशीघ्रनिश्चयकरमानो आदयतनऐसामनभावे रुधिरछुडायशीघ्रसुखपावे चौपई ॥ दाणारातसमैरखवावे गर्दभकोनितप्रातखुलावे रातसमैफुनिसर्वतकीजै कुमारीकोनितप्रात-हिदीजै अथवाचणेभिगोयरखाय फूलपतासेनित्यदिवाय आदशीतलाजवप्रघटाय बूकामोतींताहि-खुलाय छेदिनऊपरजाहिविचारे धूणीमध्यचीजदेडारे ग्यारबूरभाऊकाल्यावे मिठिधूणीसंगधुखावे ताछिनशीघ्रसोइसुकजाय सुगमयतनकरखेदहटाय जारांदिनतकमूत्रछुहावै इक्कीदिनतकपालरखावे इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांशीतलाऽधिकारकथनंनामषटचत्वारिंशोऽधिकारः॥४६॥



॥ अथकृमिरोगनिदानलक्षणनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ दोइप्रकारकेकृमिकहोंभाषोंग्रंथनिदान वाहरइकइकअंत्रहींइहविधिभेदपछान ॥ चौपई वाहरकृमिहैंचारप्रकार तिंहकोविवरोकरोंउचार इकमलतेंइककफतेंजानो रुधिरहुतेंविष्टातेंमानों चरक-ग्रंथमोंवीसप्रकार नामभेदकरकीनउचार

॥ अथमलजन्यकृमिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मलतेंकृमिउपजतहैंजेउ तिलप्रमाणतिलसदृशतेउ तिलकेवरणश्यामअरुस्वेत होंहिदु-रंगजानयहभेत केशोंकेआश्रयहोइजोय श्यामरंगतिंहहूंकोहोय वस्त्रनकेआश्रयहोइस्वेत पादनसहि-तलहोयहभेत एकोनामतिन्हनकोजान अतिसूक्षमसोलीषांमान कंडूपिडकाकरहैसोय गंडउदर्दतास-तेंहोय यहदुर्गंधअरुघुरककरावैं तिंन्हकोंयोंनिदानप्रगटावैं मधुरअमलद्रव्यभोजोजोय गुडसपिष्टभो-जीजोहोय अरुविरुद्धभोजीनरजेऊ व्यायामरहितदिनसोवैतेऊ तिसपुरुषाहिंयहकृमिप्रगटावैं आगेअ-वरप्रकारलषावैं ॥

॥ अथकफोत्पन्नकृमिनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसमाषगुडदधितेंमानो अरुअतिक्षारभक्षणतेंजानो इन्हतेंकफकरहोवतसोय कफो-त्पन्नयोंलषियतजोय आमाशयतेंउत्पतजानो निदानग्रंथमतकह्योसुमानो।

॥ अथरुधिरोत्पन्नकृमिनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ जोविरुद्धभोजननरकरै अवरअजीरणताउरधरै यातेंरुधिरोत्पन्नकहीजें पुनविष्टातेंक-ह्योंलहीजें ॥

॥ अथविष्टाजन्यकृमिनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ पीसेहूयेमाषजुषावै अमलअवरअतिगुडभुगतावै शाकअवरअतिलवणजुकोय षावैइन्हवस्तूंकोंजोय पक्वाशयतेंउत्पतिजिनकी ग्रंथनिदानकहीविधतिनकी ताकोंविष्टातेंकृमिजान वाहरकृमिकोकह्योनिदान

॥ अथयूकादिकृमिउपायः ॥

॥ चौपई ॥ पारारसधत्तूरमिलाय मर्दनकरैयूककृमिजाय ॥ अन्यच्च ॥ पानपत्रकोरसलेमलै यूकाकृमितनुहूंतेंटलै ॥ अन्यच्च ॥ भिडंगीचूरणकांजीठान शिरपरमलैयूककृमिहान ॥ अन्यच्च ॥ अतिपिष्टककोचूर्णकरै गौकेमूत्रमेलसोधरै शिरपरमलैयूककृमिनाशै शिरकंडूकोतुरतविनाशै ॥ अन्यच्च कुनटीपीसकटुतैलमिलाय शिरपरमलैयूककृमिजाय ॥ अन्यच्च ॥ विडंगगंधशिलासमलीजै गोमूत्र-कटुतैलरलीजै याकोंजोजनमर्दनकरै यूकालीषाकृमिसबहरै.

॥ कृमिनाशनधूप ॥

॥ चौपई ॥ अर्जुनतरुकेफूलमंगावै लांगुलीसित्थाअवरमिलावै विडंगउशीरविरोजापावै कूटसभीकरधूपवनावै रालामिलावैधूपधुषाय धूपसंगसवहीकृमिजाय यूकालीषामछरनाशै शय्याकोंदेच

डाविनाशै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ लाषभिलावेअरुश्रीवास स्वेतविष्णुक्रांतजढतास अर्जुनकेफलफूलमिलाय विडंगरालगुग्गुलसमपाय गृहभीतरयहधूपधुपावै मछरगुत्तीकुणमिटजावै अरुमंगुणंआदिकृमिनाशै वंगसेनयोंस्वमतप्रकाशैं ॥ दोहा ॥ कहींचिकित्सारोगकृमिवंगसेनकेभाय चतुरवैद्ययहसमझकैपाछेंकरैउपाय ॥ चौपई ॥ जाकेउदरमध्यकृमिहोंहि तांकेलक्षणऐसेंजोहि हृदयरोगअंगपीडाहोय शूलविवर्णभ्रमसंयुतसोय होयमंदज्वरतांकोजान भोजनभातअरुचतिसमान अरुउपजितहैंतिहअतिसार कफकरउपजैकृमिजुअपार ॥ अथकफोत्पन्नस्वरूपमाह ॥ कफकरआमस्थानमंझार होवतहैंकीनोनिरधार वृद्धहोंहिसोचारोउोर फिरैंउदरमोंलषयतघोर वधडीचर्मजैसीलषिजोय तद्वतरूपतिंहुनकोहोय केतेगंडोयोंइवलहिये नाममलहप्पतिंन्हनकोकहिये केतेधानांकुरुकीन्यांई केतेअणुसंगहोतलषाई केतेस्वेतरंगकेजानो केतेताम्रवर्णपहिछानो नामतिन्हनकोसातप्रकार सोसातोयोंकरोंउचार आंत्रादिकइकनाम कहीजै उद्रावेष्टकएकभनीजै एकहृद्यादिजुनामवषानै एकमहारुजनामपछानै चरमनामएकनकोमान दर्भकुसुमएकनकोंजान एकसुगंधीनामकहावै ऐसेंसातोनामलषावै घोरव्यथायहतनुमोंधरै ऐसेरोगप्रगटयहकरैं हृदयरोगमुखजलभरआवै अन्नअपचहोवतयोंगावै मूर्छाअरुचिताहिपुनहोय छर्दअफाराहोवतजोय ज्वरअरुकृशतापीनसकास कृमिइन्हरोगहिकरैंप्रकाश

॥ अथषड्विधरक्तजकृमयकथ्यंते ॥

॥ चौपई ॥ जिसनाडीतेंरक्तनिकास रक्तकृमीकोहोतहैवास सूक्ष्महोंहितंतुकोन्याई ताम्रवर्णविनपादलषाई नामतिंन्हनकेषटसीजान सोविवरेसोंकरोंवषान केशादिअवरजालोमाविधिकाहिये सलोमद्वीपपुननामभनैये उदंवरअरुसहसौरसजानो षष्टममात्रजुनामपछानो जवहीयहकृमिषटपरकार रक्तवीचकरहैंसंचार तववहिकुष्टरोगउपजावैं रक्तजकेयहलक्षणगावैं ॥ अथपुरीषजलक्षणम् पुरीषजलक्षणयहजुवतावैं पक्कहुयेसंगमलप्रगटावैं जवअतिवृद्धइन्हनकीहोय श्वासडिकारकरावैंसोय विष्टामोंदुर्गंधकरावत वृद्धहुयेइहभांतलषावत विष्टाकृमिस्थूलतांपावै स्वेतनीलपीतसुलषावैं सोऊपांचनामकरकहैं किंकेरुकजुमकेरुकलहै सौरणखसलूनाखकहीजै लेलिहपंचमनामभनीजै यहकृमिविष्टानर्मकरावत शूलकवजकृशताउपजावत देहकठोरपीतरंगकरै मंदअग्निरोमांचतनधरै अरुउपजावैंषुरकाविकार यहकृमिजानोवीसप्रकार ॥ दोहा ॥ कृमिनिदानलक्षणसभभाषेभलीप्रकार तासचिकित्साभाषहोंसुनलीजेचितधार ॥ इतिकृमिरोगानिदानलक्षणंसमाप्तम्

॥ अथकृमिरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्सारोगकृमिवंगसेनअनुसार समझलीजियेचित्तमोंपुनकीजेउपचार ॥ चौपई ॥ कृमिरोगीकोकहोंउपाय तीक्ष्णवस्तुरेचनसुखदाय इन्हउपायतेंकृमिनहिरहैं वैद्यकग्रंथमतोयोंकहै अथयवागूः चौपई वायविडंगकेचावलआन त्रिकुटावरचसुहांजणजान सौचललवणपीससमधरै सिद्धतक्रयवागू पानसुकरै कृमिसमस्तकोहोइहैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश अथतंडुलमांडम् चौपई विडंगअवरात्रिकुटापीसाय तंडुलमांडमिलायसुषाय कृमिरुजकोहोवैनाश होइअरोगतनुवलपरकाश अथक्वाथः चौपई सुपारीपीसदधिमधुमोंपाय करैक्वाथपीवेकृमिजाय अन्यच्च चौपई केसूपीसेरसकढवावै पत्रधतूरारससमपावै मुत्थरमूसेकरणीफलआन दालहलदीसुहांजनाठान सबमिलायकरकाथवनावै मघांवि-

डंगयुतप्रातपिलावै दोइमारगकेक्रामिसुनिवारै क्रमिउत्पन्नरोगसोटारै अथचूर्ण चौपई पिपलामूलमही-नपिसावै अजामूत्रसंगपीक्रामिजावै सकलक्रमीज्योंहोवैनास वंगसेनमतकीनप्रकास अथापिप्पल्यादि चूर्णम् ॥ चौपई ॥ पिपलींपिपलामूलमंगावै सैधवकालजीरापावै तजपत्रमरचसुंठीसितजीरा इकइकप-लयहलहुमतिधीरा कुडवएकदाडिमपीसाय दोइपलअमलवेतंतिहपाय सौंचललवणपंचपललीजै पीस-महीनकरचूर्णकीजै तप्ततोयवामदरासंग चूर्णयथाबलषायअभंग अर्शभंगदरगुलमविनाशैं ग्रहणीक्रमि-रुजकंडूनाशैं अरुचमंदाग्निरोगयहजावै आमशोथहरयोंलषपावै यातेंवडोनचूरणजान वंगसेनयोंकह्यो-वषान ॥ अथअविलेहः ॥ चौपई ॥ वीजपलासवृत्तरसकाढै मधुभिलायकरताकोंचाटै क्रमिरुजकोहोइहै-तवनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ पलासवीजसूकेजोलहियें चूर्णतक्रसंगपीक्रमिदहियें ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ विडंगचूर्णमधुसाथमिलाय प्रातहिंचाटैक्रमिरुजजाय

॥ अथत्रिफलाघृतम् ॥

॥ चौपई ॥ त्रिफलावरचात्रिवीपीसावै दंतीअवरकंवीलापावै घृतगोमूत्रमिलायपिलाय उदररोगक्र-मिनाशकराय ॥ अथविडंगघृतम् ॥ विडंगएकप्रस्थलषलीन त्रिफलापावोप्रस्थजुतीन अजवायणअरुले-दशमूल यथालाभयहलेसमतूल एकद्रोणजलपायपकावै पादशेषप्रस्थघृतपावै पुनपकायमिसरीसोंषा-य अथवाषंडलवणसंगपाय तातेंक्रमिसबनासेंऐसें इंद्रवज्रतैंराक्षसजैसें ॥ अथरसः ॥ चौपई ॥ मूसेक-र्णिपत्तररसलेय चंवेलीपत्ररसतामादेय तासमकांजीपायपिलाय तनुनेंक्रमिकोरोगनसाय ॥ अन्यच्च । वकायणपत्ररसमधुसमपाय प्रातहिंपियेरोगक्रामिजाय ॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ पारसीअजवायणकों-आन गुडमिलायकरगुटकाठान वासीजलसोंषावैप्रात रोगउदरक्रमिहोवैघात ॥ अथत्रिफलाघृतम् ॥ ॥ चौपई ॥ भषडअवरमघांयहहोय दोदोपलयहजानोसोय हरडआमलेवहेडेगिलोय इकइक-पलयहताहिसमोय चवकवावचीत्रिकुटाजान शतपुष्पाचित्रालषमान अवरहुंवायविडंगपछानो अर्ध-अर्धपलयहतंहठानो दोपलतिलकोतैलमंगावै प्रस्थएकत्रिफलारसपावै षंडप्रस्थइकपत्तकराय चूर्णमि-लावैवटीवंधाय चातुरजातकतासमेपाय सुंदरवासनधरेवनाय वलअनुसारनितप्रातिषावै क्रमिदु-र्वलताशोथमिटावै गुल्मउदरव्रणपांडुविनाशै अर्शकामलाज्वरयहनाशै प्रमेहभगंदरहोवेनाश नेत्रश्रे-ष्ठकरपुष्टप्रकाश अथवाहिंगपीसजलतास लेपकरैचनूनहोइनास

॥ अथक्रमिरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ क्रमीरोगकेपथअपथभाषोंभलीप्रकार सवहीरोगउपायमोंयहिमुख्यअधिकार ॥ अथपथ्यं॥ अडिल्यछंदः ॥ शिरअरुउदरविरेचनसोउरमानहो कफनाशनसुतडागनकेजलपानहो धूम्रपानअरु-चावलवांसोंकेलषो सठीआदीतंडुललालरंगकेभषों वैंतकूमलीसर्षपराईजानिये नवीनमोचरसचित्रा-भलेंपछानिये वाथूशाकपटोलजुमूषकमासरे कंडयारीफलनिंवपत्रलहुतासरे तिलतंवोलअरुहाल्योम-दरापानसुन वायविडंगहरीडतुषनकोतोयपुन कांजीउष्टरदुग्धमूत्रसुनलीजिये तिलसरषपकोतैलमूत्रगो पीजिये तीक्षणकटुजुकषायकरेलेरसलहो जंभीरीरसक्षारवस्तसबहीगहो अजमोदाअरुहिंगुभलेंपहिं चानिये एतीवस्तूंक्रमीरोगपथमानिये ॥ दोहा ॥ क्रमीरोगकेपथकहैकरोंअपथ्यवषान करैचिकित्सासम-भयहहोयरोगकीहान ॥ अथअपथ्यं अडिल्पछंदः ॥ वेंगजुविष्टामूत्रस्ववलकररोकनो विरुद्धअन्नअरु

पाणीतिंहकोंभोजनो लप्सीसीरादुग्धमांसघृतदधिलहो अवरसकलरसमधुरसाकदलगुडगहो दोहा ॥ अजीरणऊपरव्याधिनरभोजनषावैजोय इत्यादिकजुअपथ्यसबकृमीरोगलषसोय कृमिकोरोगवषानियोसहितनिदानउपाय अवरजुपथ्यापथ्यसबकहैलषोचितलाय ॥ इतिश्रीवंगसेनकृमिरोगनिरूपणंसमाप्तम् ॥

॥ कृमिरोगकर्मउपायः ॥

॥ चौपई ॥ हाथीपूर्वअश्वपरिहारत कृमीरोगतिहनरसंहारत जोइस्त्रीपतिमृतकेपाच्छे नीलवस्त्रपहिरतअंगआछे ताकोअवश्यकृमिरोगपछारै ताहिउपायनिश्चयउरधारै उपायः नीलवृषभअतिउद्यतमंगायघंटागलपटऊपरछाय विधिसंजुगतदानसोकरै कृमिरोगनकोंदूषनटरै

॥ अथकृमिरोगेज्योतिषम् ॥

दोहा जन्मकुंडलीअष्टघरचंदच्छीणवलजोइ सोनरहोवैच्छीणवलव्याधिग्रसततनसोइ तिहउपायज्योतिषकहैचंददानजपतास विधिविधानसोंसूर्य्यवलदेताकृमिहोइनास

॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथान्यप्रकारकृमिरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ कृमीउदरकेवीचपछांनो किर्मशिकमफारसमतमांनो अधिकमृतिकाखावेकोई पुरातनकणकखायकृमिहोई आममांसवकरीकाखावे ताजादूधकिर्मउपजावे मल्हप्पकिर्मअतिलंवेहोई हयातनाममतफारससोई जठरवीचसोईपहचांनो कदूंदाणःआंदरमांनो कृमीअधिकअतिछोटेहोई गुदावीचतुममांनोसोई कंवीलामासेसातमंगावे अर्धभागकयसूंमिलावै पलासवीजदोमासेलेवै छाछसंगफक्कीनितसेवे कदूंदाणःकिर्महटावे करेयतननिश्चयसुखपावे धूसरीवूटीकारसल्यावे घृतामिलायदिनतींनखुलावे वाविडंगदोतोलेल्यावे त्रिवीसातमासेसंगपाय रेठासोसतमासेआंनो छुहारातोलेतींनपछांनो करइकत्रखावेनरकोई सायंकालसमेहितहोई प्रभातहोतनिश्चयमनलावे कृमीउदरकेवाहिरआवे मुरदासंगत्रैमासेल्यावे तैलतिलोंकासंगरलावे प्रतिदिनजोनरखावेकोई मल्हप्पदूरनिश्चयसुखहोई वकांइनकेत्रैअंगमंगावे छिलकापत्रऔरफलल्यावे साडेदसदसमासेल्यावे वासीजलकेसंगपिसावे करेपाननिश्चयसुखहोई सकलभेदकृमिनासेसोई कटुखरवूजेकीजढल्यावे रगडनीरसंगगुदाचढावे छोटेकृमिदूरसबजांनो करेयतननिश्चयसुखमांनो ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांकृमिरोगाऽधिकारकथनंनामसप्तचत्वारिंशोऽधिकारः ॥ ४७ ॥

॥ अथअतीसाररोगानिदानकारणनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ भोजनकेजुविकारतैंहोवतहैअतिसार सबप्रकारवरणनकरोंग्रंथनिदानविचार ॥ चौपई ॥ भारीभोजनहूंतैंमानो अतिसनिग्धभोजनतैंजानो अरुअतिरौष्यहुतैंलषलहिये पुनअतिउष्णहुतैंसुभनैये अतीस्थूलभोजनतैंहोय अतिशीतलषायेतैसोय अरुवहुभोजनषावैजोई अतीसारतांकोंभीहोई अरुविरुद्धभोजनकरकाहियें आपहिंजेंऊसुखावतनहियें असेभोजनजोकोऊषावै ताकोंअतीसारहोइआवै अन्ननपचैअजीरणहोय ताकोंअतीसारहोइसोय विषसोंमिल्योजुभोजनकरै अतीसारताकोभीवरै किसहूतैंजोभयप्रगटावै अतीसारतासोंभीथावै शोकहुतैंभीहोइअतिसार जानलहोयहभीपरकार जोकरहैवहुमदरापान ताकोंभीहोइलषोसुजान ऋतुकेफिरैंभीहोइअतिसार अरुकामदोषहुतैंनिरधार जलक्रीडातैंभीतिसजानो वहुतरुदनतैंभीतिसमानो विष्टामूत्रवेगजवहोय तांकोंरोकरषैजोकोय इनकेरोकनतैंअतिसार होवतहैजानोमतिधार दोहा स्नेहस्वेदअरुवमनअतिरेचनवस्तिनिरूह इनकेअतिकरयोगतैंहोतअतिसारसमूह ॥ इतिअतीसारकारणम् ॥

॥ अथअतीसारलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमहिंअग्निउदरकरैशांत वृद्धधातुमिलिवातलषांत काचीविष्टातलैउतारै ताकोंनरअतिसारउचारै यहअतिसारघोरमहाव्याध षट्प्रकारकीहैसुउपाध इकअतिसारवाततैंहोय दूसरपित्तहुतैंहोइसोय तसिरकफसोंउपज्योजान चतुर्थत्रिदोषजतैंपहिचान आमहुतैंपंचमपहिचानो पुत्रादिकशोकहुतैंषटमानो

॥ अथभविष्यत्अतीसारलक्षणम ॥

॥ चौपई ॥ नाभिउदरहृदगुदामंझार होतप्रथमपीडासंचार अरुकुक्षिनपीडाहोइआवै असेलक्षणप्रथमजनावै अन्ननपचेअफाराहोय विष्टाभग्नकरैपुनसोय यहअतिसारआदिकेलक्षण जानलहोहेपुरुषविचक्षण

॥ अथअतीसारपूर्वरूपचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पूवरूपअतिसारकेचिकित्साकहोंवनाय जैसेंभाषीग्रंथमोंसुनलीजैचितलाय ॥ चौपई ॥ पूर्वरूपअतिसारमंझार लंघनकरनोहैहितकार लंघनलघुभोजनजोषावै सोभीहतकरहैलषपावै सुंठपायजलपक्कवनावै हितकारीलषताहिपिलावै मुंगीरसधनियांहितकारी जीरालवणतक्रदुखटारी खंडयूषतिसनामकहीजै अग्निमंदअतिसारहरीजै ॥ अथयूषवर्णनं ॥ चौपई ॥ विल्वकत्थधनियाजीराजान पाटासुंठतिलकरोमिलान यहषटवस्तुकूटजलपाय तसयूषकररुजहिपिवाय अतीसारप्रगट्योमिटजावै वंगसेनयोंप्रगटलषावै ॥ अथयवागूः चौपई ॥ अजमोदावालामंजीठ कमलपुष्पकेसरसुनईठ पीसयवागूमांहिपिलावै यहसबहिअतिसारकोंघावै जोअतिसारआमलषिजोय रोकनशीघ्रभलानहिंसोय जोअकालरोकैअतिसार सोउपजावैवहुतविकार शोथपांडुरोगउपजावै लिफगुल्मज्वरअर्शउपावै अलसकअवरअफाराकरै यहविकाररोकयोअनुसरै वालकवृद्धधातुजिसक्षीण वातलपितस्वभावजिंहचीन

इन्हकोअतीसारततकाल रोक्योवहुरुजकरैविहाल आमप्रवाहिजुरोक्योचाहै पाचनसोंरोकैसुखदाहै बंधनकारीवस्तुनसाथ नहिंरोकैसमझोयहगाथ जिसकोंशूलसहितअतिसार ताकोंभीक्रमकरनिरवार एकैवारबंधनहिकरै वैद्यचतुरअैसेंचितधरै ॥ इतिपूर्वरूपअतीसारचिकित्सा ॥

॥ अथनिदानानुसारेणवातजअतीसारलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ काचीविष्टावारंवार अल्पअल्पहोइहैसंचार थोहडीरक्तमिलतपुनहोय फेनलरूक्षजानपुनसोय कछुकेरंगलालभीहोवत पीडाउदरकरतयोजोवत शब्दयुदातेंहोवतरहैं जाकोंलोकबाउकेकहैं ॥ इतिलक्षणम् ॥

॥ अथवातजअतीसारचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातजअतीसारप्रगटैजव लंघनवहुतकरावैतिंहतव काहेरोगाजिसवधजांहि लंघनतांकोंशांतिकरांहि लंघनमलहिंपचावतअहैं वैद्यग्रंथसबहीयोंकहैं ॥

॥ अथउपायः ॥

॥ चौपई ॥ लाजामंडपरमहितजान यवागूवस्त्रछन्योहितमान अरुवहुगल्योभातलषलीजै तंडुलकणीगालपथदीजै सबअतिसारग्रहणीमंझार अधिकलवणसोकरैविकार काहेलवणसोंद्रावकलहियै दोषजहैअरुतीक्षणकहियै वृंताककसौंडीअरुकचनार वातजअतीसाराहितकार

॥ अथक्वाथः ॥

॥ चौपई ॥ पंचमूलकोंकाथसुधारै कपित्थविल्वपीसातिंहडारै चांगेरीअरुदाडिमपीस तामोडारोविश्वेवीस पुनताहीमोंतक्रमिलाय वातजरोगीकोंजुपिवाय अतीसारताकोहोइनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पंचमूलवलाविल्वकरथ सुंठउित्पलधनियांतरथ इन्हकोकाथवनायजुकरै सोवातजअतिसारकोंहरै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कटतृणमघांसुंठपहिचानो वलाजुधनियांहरडेंठानो करैक्वाथपीवैनरजोय आमवातअतिसारहिंखोय ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ वरचमुस्थरांअवरपतीस कोगडवीजसमकरलेपीस यहचूरणरोगाहिंजुफकाय वातजअतीसारामिटजाय ॥ दोहा ॥ चिकित्सावातअतिसारकीभाषीसहितनिदान समझचिकित्साजोकरैहोयनरोगीहान ॥ इतिवातजअतीसारचिकित्सा ॥

॥ अथपित्तज अतीसारलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ विष्टापीतजासकीहोय कछुकहरितलालरंगसोय कृष्णनीलभीरंगपछाने अरुदुर्गंधतासमोमाने मूर्छापाकतृषदाहअपार कहेजुलक्षणपितअतिसार

॥ अथपित्तजअतीसारचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पित्तजअतीसारमंझार यामोंभीलंघनहितकार लंघनअंतक्वाथयहदेवै सोभाषोंचितदेसुनलेवै ॥ अथक्वाथः ॥ चौपई ॥ प्रथमयवागूकोंकरलेय चंदनमुस्थक्वाथमिलेय सहितयवागूक्वाथपिलाय पित्तजअतीसारभगजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सुंठह्रीवेरअवरपटोल यहतीनोलेवेसमतोल इन्हकोक्वाथयवागूसंग देवहेवैपेत्तिकभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जिसकोंतृषा

दाहअतिसार तिसकोंधनीयांवालाडार अथवापाठाभीतंहपावे करैकाथव्याधहिपीवावै अतीसार-पित्तहोइनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सुंठइंद्रयवमुथरांआन वालाअरुपतीस-समठान इहकाथहिंपित्तजअतिसार नाशैसंयुतआमविकार ॥ अथपंचधान्यकाथः ॥

चौपई ॥ धनियांविल्वकत्थसुंठमंगावो वालामुथसमपीसावो पंचधान्ययहकाथपिलावे पैत्तिकअ-तिसारमिटजावे ॥ अथचूर्णम् ॥ कोगडत्वचआद्रकजुपतीस धावैफूलसमलेकरपीस तंडुलजलसोंपान-करावै पैत्तिकअतीसारभगजावे ॥ अन्यच्च चौपई ॥ महूकायफलअरुनसपाल अरुलोधरसमलेकरडाल सूक्ष्मपीसमषीरमिलावै तंडुलजलसोंप्रातहिंषावे पैत्तिकअतीसारहोइनाश रोगमिटेंतनुदुतिपरकाश ॥ अन्यच्च चौपई ॥ मंजीठविलकत्थदाडिमवीज सौंचलविडदोइलवणलहीज अरुपावैधावेकेफूल चूर-णपीसैकरसमतूल मधुमिलायतंडुलजलसंग पित्तअतीसारशूलहोइभंग ॥ अन्यच्च चौपई ॥ कोगडफ-लअरुकोगडछाल अरुपतीसपीससमडाल मधुमिलायतंडुलजलपान पैतिकअतीसारकीहान ॥ अथ-काथः चौपई ॥ सुंठकायफलमुत्थपतीस अरुकोगडयहसमकरपीस करैकाथमधुपायपिलाय पैतिकअ-तीसारमिटजाय ॥ अन्यच्च चौपई ॥ कोगडवीजलेपलपरिमान यहीकाथकरकीजैपान मिटैघोरपैतिक-अतिसार वंगसेनयोंकीनउचार ॥ अन्यच्च चौपई ॥ केवलधनियाकाथपिलावै पैतिकअतीसारमिटजावै अन्यच्च चौपई ॥ पलइककोगडवीजपिसावे किरायतामोचरसताहिमिलावे काथकरैरोगीकोदेय पैति-कअतीसारहरलेय ॥ अन्यच्च चौपई ॥ जवांहांवालाविल्वमंगावै रक्तचंदनसमकाथवनावै रोगीकोंपर-भातपिलाय पैत्तिकअतीसारमिटजाय ॥ अन्यच्च चौपई ॥ वालाचंदनमुत्थरआन जवांहाअवरकिराय-ताठान करैकाथपरभातपिलाय पैत्तिकअतीसारकोंघाय ॥ अन्यच्च चौपई ॥ चंदननागरलोध्रउशीर नी-लोत्पलडारोसमवीर काथपिवावैंपैतिकहरे अपनेमनमोंनिश्चयकरे ॥ अन्यच्च चौपई ॥ पाठामुत्थरमघां-मिलाय कोगडवीजदाइहलदीपाय यहीकाथपैत्तिकअतिसार दूरकरेमनधरोविचार ॥ अन्यच्च चौपई कोगडअरुतांत्वचाआनाय आद्रकमुत्थरवरचामिलाय यहषटयोगहिंरुजअतिसार व्याधहरैयहकाथप्रका-र ॥ दोहा ॥ अतिसारचिकित्सापित्तकीकहीग्रंथअनुसार कहोंचिकित्सासमझकैंरक्तपित्तअतिसार इतिपित्तअतिसारचिकित्सा ॥

॥ अथरक्तअतीसारचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोपैतिकअतिसारमझार क्रूरवस्तुकछुकरैअहार तिसकोहोयरक्तअतिसार रक्तपि-त्तहरकरउपचार सोंउपायअबकहोंसुनाय समझोअपनेमनचितलाय ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंवकरीदुग्धमंगावे तातेंडेउडाजलतिंहपावे अग्निउटायवस्तुयहआन उत्पलवालानागरठान पुनजुपृष्टपरणींतिंहघाल सबसमवस्तुपीसकरडाल दुग्धतोयमोंपीसपचावे जलैतोयजबदूधरहावे ऐ-सोकायपिलावैंजबही मिटैरक्तअतिसारसुतबही ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कोगडमुत्थरविल्वपतीस नागरधनियांपावेपीस दाडिमपाठाधावैफूल सबयहऔषधलेसमतूल काथकरैमधुपायपिलावै रक्तज-अतीसारमिटजावै दाहशूलआमरुजनाशै रोगमिटैंआरोग्यताभासै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कोगडविल्वकासनीपतीस मुत्थरयहसमलीजैपीस काथकरैप्रातहिंसुपिवावै शूलरक्तअतिसारमिटावै ॥ लघुह्रीवेरकाथः ॥ चौपई ॥ ह्रीवेरमुत्थरअवरपतीस धनियासुंठिविल्वसमपीस करैकाथदेवैहितमान

अतीसाररक्तपित्तहान ॥ अथवृहद्ह्रीवेरकाथः ॥ चौपई ॥ ह्रीवेरमुत्थरजुपतीस विल्वकत्थधनियांकोगड़-पीस धावैलोध्रमंजीठमंगाय नागरसमसबक्काथवनाय दीपनपाचनयाकोंजान आमअरुचशूलोद-रहान ज्वरअरुरक्तपित्तअतिसार एतेरोगहरैमनधार ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ दाडिमकोगड-त्वचाअनाय मधुमिलायचूरणयहषाय रक्तजअतीसारहोइनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ विल्वमोचरससमपीसावै अजादुग्धसोंसिद्धकरावै मिसरीपायसुचूरणषाय कलिंग-संगपुनलेहुमिलाय रक्तविकारजायअतिसार वंगसेनयोंकीनउचार ॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ केवलविल्वकत्थषीसमंगावै संगपुरातनगुडसुमिलावै गुटिकातासवनायषवाय रक्तजअतीसारमिटजाय आमशूलकुक्षिरोगनसावै रोगमिटैप्राणीसुखपावै

॥ अथनिरवाहीकीचिकित्सा ॥

॥ अथरसः ॥ चौपई ॥ वेरपत्रकपित्थरसआन लोध्रपीसमधुकरोमिलान दधिमिलायपुनप्रा-तहिंपीवै नाशैंदुखनिरवाहीथीवै ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ मघांपीपलींचूरणकीजै अथवाका-लेमरचलहीजै अजादुग्धसोंपीवैसोय निरवाहीदुखतनुतेंषोय तानादिनांलगपीवतरहै निरवाहिकअ-तिसारहिंदहै ॥ अन्यच्चरक्तचूर्णम् ॥ चौपई ॥ कोगडफलअरुकोगडछाल पतीसमोचरसआद्र-कडाल मधुमिलायतंडुलजलसंग पीवेप्रातहिंधारउमंग रक्तघोरअतिसारमिटाय वैद्यकग्रंथनकह्योसु-नाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ वधरीमूलछालकरचूर कूटश्यामतिलसमतिंहपूर मधुमिलायदुग्धसों-पीवै रक्तजअतीसारहतथीवै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ उत्पलअवरकमलकेकेसर अवरमुलट्ठी-कालेतिलधर मधूअवरशर्कराआन सबसमलेकरपीसोछान षावैरक्तप्रवाहिमिटावै शूलउदरतैंभाग्या-जावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ केवलपीसशतावरिआन अजादुग्धसोंकीजैपान रक्तजअतीसारभग-जावै होइआरोग्यजीवसुखपावै अथवाघृतसिद्धतांकेसंग पीवैरक्तजपित्तजभंग ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ उत्पललोध्रमुलट्ठमंगाय मधुमिसरीसोंपीसमिलाय अजादुग्धसंगपीवैतास अती-साररक्तहोइनाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कृष्णातिलोंकाचूरणकरै मिसरीपांचभागतिहधरै अजादु-ग्धसोंकरैहपान रक्तजअतीसारकीहान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ शलकीवदरीजामणछाल अंब-अवरअर्जुनलेघाल इन्हीसबनकीत्वचामंगावै पीसेमधुमिसरीजुमिलावै करेदुग्धसोंप्रातहिपान नाशरक्तअतिसारपछान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ गिलोयसारवालोध्रपिसावै मुलट्ठीमधुमिसरीजु-लावै काचेपयसोपीवैसोय रक्तजअतीसारकोंषोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सुंठरसांजनधवेफूल कोगडत्वचावीजसमतूल अरुतिंहपावैकूप्पतीस चूरणकरैलेयसमपीस तंडुलजलसंगपीवैतास शूल-रक्तअतिसारविनाश ॥ अन्यच्च ॥ मरचजवायणमुत्थआन शीतलजलसोंकीजैपान महिषिदुग्ध-भातदेपथ्य अवरहुंकरैनकछूअपथ्य नाशेरक्तजकोअतिसार वंगसेनमतकीनउचार ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ चंदनमधुमिसरीपीसाय तंडुलजलसंगप्रातपिवाय नाशैतुरतरक्तअतिसार दाहत-षाजुप्रमेहविडार ॥ अथरसः ॥ चौपई ॥ आंवआमलेजामणुपत्र कूटलेहुरसकरेइकत्र मधुअ-रुवकरीदुग्धमिलाय व्याधीकोंपरभातापिलाय दूरहोयरक्तजअतिसार वंगसेनमोंकीनउचार ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ मुत्थरअवरइंद्रयवआन करैकाथमधुकैमिलान शीतलकरकेपावैसोई

रक्तजअतीसारहतहोई ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कोगडवीजजुजेतेलेय अष्टगुणातामोजलदेय काथकरैपुनरसजुअनार तामोंपायपुनकाथसुधार अर्धकर्षतातेंपुनलीजे तक्रसाथरोगीकोंदीजे जोअवश्यकरमरणोजास तोभीनमरैलषोगुणतास ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंकोगडकाथवनावै रसअनारतांकेसमपावै करवावैपरभातहिंपान रक्तजअतीसारकीहान ॥ अथअविलेहः ॥ चौपई ॥ वालाविल्वकथअरुकचनार पीसमिलायमाषनजुनिहार चाटैशूलरक्तअतिसार अरुसंग्रहणीमिटेविकार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ केवलगजकेसरपीसावै माषनमिसरीतांहिमिलावै नितप्रतिचाटैरोगीसोय रक्तजअतीसारकोंषोय ॥ इति ॥

॥ अथजिसकीगुदावहुतरक्तपित्तअतीसारकरपकजावैतिसकाउपाय ॥

॥ चौपई ॥ रक्तपित्तवहुकरैउठान गुदापकैजिसकीयोंजान पटोलमुलट्ठकाथकरधरै गुदाता सतोंसिंचनकरै ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ वकरीदुग्धमषीरमिलोय गुदातासकीतासोंधोय मधुशर्करवकरीदुग्धमिलाय अचवावैगुदपक्कमिटाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मूषिकमांसउवालनकरै गुदाउपरहिंवांधसुधरै पाकीगुदाशुद्धहोइजाय वंगसेनमतकह्योउपाय

॥ अरुजिसकीगुदावाहिरनिकसेतिसकाउपाय ॥

॥ चौपई ॥ जासगुदावाहिरनिकसावै गोचरवीतिसपरमलवावै अवरचांगेरीघृतहैजोय मर्देगुदाभीतरहिंसोय अथवासीपीकोलेमास तैलजुलवणमिलावैतास ताकोंगुदाऊपरहीवांधे भीतरहोइउपायय- हसांधे ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्सासमक्षकैरक्तपित्तअतिसार आगेंकफअतिसारकीचिकित्साकरोंउचार इतिरक्तपित्तअतीसारचिकित्सा

॥ अथकफअतीसारलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफअतिसारकेकहैजोलक्षण निदानअनुसारलहोसुविचक्षण गौरवतातनुरहेनितयास अवरअरुचिताहोयहल्लास विष्टाश्वेतसघनपुनहोय कफअरुरक्तसहितलषसोय शीतलविष्टातनुरोमांच कफअतिसारचिन्हलषसांच ॥ इति

॥ अथकफजअतीसारचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथप्रथमउपायः ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंतिसेकरावैलंघन पुनकरवावैभक्षणपाचन पुनऔषधकरकरेउपाय चूर्णकाथअविलेहगुटाय ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाविल्वकथचित्राआन दाडिमहिंगुपाठासमठान कटतृणलीजैतासमिलाय विधिवतकाथकरेजुवनाय करैकाथविधिसोंपीवावै अतीसारकफकोभगजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ भषडेसालपर्णीकंड्यारी समलेकाथकरैजुसुधारी आमसहितकफकोअतिसार मिटेउदरतैंमहाविकार दीपनपाचनयाकोंजान अपनेमनयहनिश्चयठान अथचूर्णम् चौपई हरडहिंगुअरुवरचपतीस सौंचलसेंधासमलेपीस तप्तोदकसोंपीवैजोय अतीसारकफआमहिषोय ॥ अन्यच्च ॥ चवककुट्ठअवरजुपतीस विल्वसुंठहरडेंसमपीस कोगडफलकोगडलचआन काथकरैवाचूरणपान छर्दसहितकफकोअतिसार नाशहोयअैसेंचितधार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ चित्रावालामुथरपतीस विल्वकथनागरहरडेंपीस कोगडफलअरुत्वचापछान यहचूर्णसमलीजैमान तप्तोदकसोंरोगी-

पीवै कफकोअतीसारहतथींवै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ हरडवचंकटुमुथरमूल चित्रापाठासुंठसमतूल अवरजुकोगडतासमिलाय काथकरेवाचूर्णवनाय काथपीवैवाचूरणषावै कफकोअतीसारभगजावै अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिकुटापाठावरचामिलाय कुठकौडसमचूर्णवनाय तप्तोदकसोंपीवैजोय कफकोअतीसारहतहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिकुटासौंचलहरडपतीस वरचाहिंगुसमचूर्णपीस उष्णतोयसोकरहैपान कफकेअतीसारकीहान ॥ अन्यच्च चौपई ॥ पाठाकुठवरचमुथरचित्रा कौडलेहुसमचूरणमित्रा तप्तनीरसोंपीवैतास होवैअतीसारकफनाश ॥ अन्यच्च । चौपई ॥ चित्रापिपलापिपलामूल गजपीपलविडंगसमतूल वर्चगिलोयधनियांसमपाय कायफलपावैचूर्णवनाय तप्तनीरसोंकीजैपान कफकेअतीसारकीहान ॥ अथनागरादिचूर्णम् चौपई ॥ नागरकुठजवायणचित्रा पाठावर्चकोडसुनमित्रा धावेहरडाभिलावेगुटी सौंचलहिंगुफलकोगडगुटी विडअरुसेंधालवणकचूर अरुयवक्षारजुपुष्करमूर अरुडारेतिन्हमाहिपतीस यहसमचूरणकीजेपीस गोमूत्रसोंअच्छप्रमान गुटकाकरेतप्तजलपान गुटकेछांहिधरायसुकावे गुटकाएकनिताप्रतिषावै कफकोअतीसारमिटजाय पांडुरोगकृमिशोथमिटाय लिफगुल्मसंग्रहणीनासे दीपनहैपुनअर्शविनासै ॥ दोहा ॥ कहीकफजअतिसारकीसुष्टचिकित्साजोय याअनुसारहिंजोकरै दुःखअतीसारनहोय इतिकफजअतीसारचिकित्सा

॥ अथत्रिदोषजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ निद्रामोहतृषाप्रगटावै मुखसूकैअतिमलिनदिषावै विष्टाहोवतनेकप्रकार जाहित्रिदोषजचिन्हनिहार विष्टाचरवीशूरसमान रंगमांसजलवातिसजान असत्रिदोषजहोइअतिसार कष्टसाध्यकीनोनिरधार असेलक्षणजामोपेय कष्टसाध्यनाहूकांकाहिये जोवालवृद्धकोंहोइअसलक्षण जानोसोउअसाध्यविचक्षण.

॥ अथत्रिदोषजचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथचूर्णम् चौपई ॥ नागरशालिपरणिपहिचान पाठापृष्टपर्णिमनआन धनियांवालादोइकंड्यारी गोषुरुविल्वचित्राहितकारी यहचूरणजोभाषसुनायो सबअतिसारहिश्रेष्टकहायो ॥ अन्यच्च चौपई ॥ अषरोटमूलकीत्वचाउषार ताकोचूरणकरोसुधार तक्रमाथपीवैजोकोय अतीसारनाशतिसहोय अन्यच्च चौपई ॥ पाठापत्रपीसलेछान महिषितक्रमोंदेहुविहान तनुतेंअतीसारमिटजाय वैद्यकमतयोंकह्योसुनाय ॥ अन्यच्च चौपई ॥ आनवहेडेदग्धकरावै लवणमिलायसोचूरणषावै अतीसारसोंनाशैकैसें चक्रपाणिसोंराक्षसजैसें ॥ अन्यच्च चौपई ॥ वटप्ररोहकीजटामंगावै निहकोंकूटैछांहिसुकावै तंडुलजलसोंपीवैतास होवैअतीसारदुखनाश ॥ अन्यच्च चौपई ॥ नागरपद्मकेसरपुनधावै विल्वकथलोध्रजुसंगमिलावै चूरणघृतगुडलवणमिलाय देवेअतीसारमिटजाय ॥ अन्यच्च चौपई ॥ जंवूत्वचामोचरसनागर पाठाधनियांसमइकत्रकर घृतगुडलवणमिलायषुलावै अतीसारतनुतेंभगजावै अन्यच ॥ चौपई ॥ जामणअंवत्वचासमतूल मंजीठविल्वसमधावैफूल यहभीचूरणघृतगुडपाय लवणमिलायप्रातहीषाय अतीसारकोंनाशकरावै चरकऋषीयोंभाषसुनावै ॥ अन्यच्च चौपई ॥ कपित्थसुंठमरचांयहतीन घृतगुडलवणमिलायप्रवीण अवरजुपावैवायविडंग गुटकाधरेवनायसुचंग प्रातसमययहरोगीषावै अतीसारदूरहोइजावै चारयोगअतिसारकेकीजे अनुपानतिनकेसुनलीजै रसचौलेरी-

तक्रजुमान अबरबेरकांजीपुनजान षावैयूषजुइनकेसाथ भिन्नभिन्नसुनलेयहगाथ ॥ अथकाथप्रकारः ॥ ॥ चौपई ॥ अग्निमंथपरिसारणिपत्र काथकरैकरदोऊएकत्र मध्ययवागुक्राथमिलाय व्याधीकोंपरभातपिलाय रोगीकोंयहहर्षउपावै अतीसारकोदुखमिटावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अजमोदावालामजीठ केसरपद्मसुनोयहइठ करैकाथयवागूमोंपाय प्रातहिरोगीकोंपीवाय अतीसारसर्वहोइनाश सुखउपजैतनुदुःखविनाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सुंठविल्वधावेकेफूल मुत्थरलोध्रलेसमतूल यवागूपाययकाथयहपेय अतीसारसबनासकरेय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जोकफअधिकलषोजिहपरै महतपंचमूलवरचसमधरै करैकाथपरभातपिलाय अतीसारदुखभाग्योजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मुथ्रनागरह्वीवेरपतीस मजीठविल्वधावेलेपीस कोगडत्वचाकोगडफलपावै सबअतिसारयहकाथनसावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कोगडफलअरुत्वचामंगाय मुत्थरसमधरकाथवनाय मधुशरकरापायपीवावै अतीसारदुखभाग्योजावै

॥ अथअतीसारीकोंजलपानविधिः ॥

॥ चौपई ॥ सुंठमोचरसमुथरवाला विल्वसारत्राकोगडडाला इन्हकरजलपकायपीवावै अतीसारसबकोंयहघावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ विल्वकत्थवालापांचोमूल मुथ्रगिलोयसुंठसमतूल पाठापतीसाकिरायताठान कोगडत्वचअरुनांफलआन ह्रीवेरपुनतासमिलावै इन्हकरपक्कजुनीरपिलावै अतीसारसर्वहोइनाश छर्दशूलज्वरश्वासजुकास अथगुटिका चौपई ॥ अभयानागरमुथ्रमंगावै गुडसंगगुटिकापीसवनावै जोरोगीयहगुटकाषाय त्रिदोषजअतीसारमिटजाय कृमिविसूचिकाअरुचनसावत हरैअफाराग्रंथवतावत ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सुंठमोचरसधावेफूल पाठाविल्वकथमुथ्रसमतूल चूरणकरगुडसाथमिलाय गुटकाकरोसतिक्तापिलाय दुरत्ययअतीसारहोइनाश होइअरोग्यतनुदुतिवलभास ॥ अन्यच्च कोगडादिगुटिका ॥ चौपई ॥ कोगडअत्वरमंगायगिलोय कूटपीसयहपलदोदोय प्रस्थपायजलकाथकरावै पादचतुर्थरह्योलषपावै तवपलआठइंद्रयवआनै करमहीनतांहूमोंठानै मंदअग्निदेताहिपकावै सघनलषैगुटकेवंधवावै षावैनितनिजवलअनुसार सबअतिसारकोमिटैंविकार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अषरोटमूलकीत्वचाअनीजैं दालहलदपाठासंगदीजै यहतीनोपलपलपरिमान पीसतोयतंडुलतिंहठान गुटकाअत्तप्रमाणवंधावै छाहिसुकातंडुलजलषावै त्रिदोषजअतीसारमिटजाय अरुद्वंद्वजअतिसारनसाय अथअंकोटादिवटिका चौपई अंकोटदालहलदकोगडजो इन्हकीमूलत्वचालीजैसो सिंवलगूंदत्वचालेतास अनारत्वचालेकरीप्रकाश लोध्रपाठाधावेकेफूल सबयहलेपीसोसमतूल मधुमिलायकरवटकाकरै अत्तप्रमाणकरैलेधरै प्रातसमयतंडुलजलसंग पीवैअतीसारसबभंग अथपुटपाकप्रकारः चौपई जोअतिसारीऐसोकहिये जाकेउदरपीडनहींलहिये अरुतिसअग्निदीप्तदरशावै नानावरणअतिसारलषावै अरुचिरकालहुतैंअतिसार तिंहपुटपाककरैउपचार अथकोगडपाकः ॥ चौपई ॥ कोगडत्वचासनिग्धमंगावै ताहिकोलेकरतुरतापिसावै तंडुलजलसंगमर्देसोय जंवुपत्रपुटमोंधरवोय सोपुटकुशासाथवंधवावै तापरचीकडघणालगावै भस्मअग्निमोंदेयदवाय पक्वलषैनातेंनिकसाय शीतलहोयपीसमधुसंग षावैअतीसारसबभंग ॥ अथसुंठपुटपाकः ॥ चौपई ॥ हाछीसत्वासुंठमंगावै पीसछानघृतअल्परलावै गूंधकणकआटेपुटधरै ताऊपरगोवरलेपनकरै अग्निभस्ममोंसोऊपकावै शीतलकरसमामिसरीपावै षावैअतीसारसबजाय सर्वउपद्रवसहितमिटाय ॥ अथअविलेहप्रकारः ॥ कोगडअविलेहः ॥

॥ चौपई ॥ हाळीकोगडछालअनावै कूटपायजलकाथवनावै काथघणाजवहूआजान पतीसपीस-तिंहकरोमिलान मधुमिलायकरचाटैसोय अतीसारनाशसबहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कोग-डमूलत्वचशतपलआनै कूटद्रोणइकजलमोंठानै अग्निचढायउबालेसोय पादशेषरहिलीजैवोय पुन-कपडेसोताहिछनावै पुनमंदाग्निसमखोआवनावै पुनयहऔषधपीसमिलावै तिन्हकेनामयोंभाषसुना-वै सेंधाविडसौंचलयवच्चार मघांइंद्रयवधावैडार जीरायहसममधुजुमिलाय चाटैतागुणकह्योसुनाय पक्कअपक्वनानाअतिसार वातजपितजकफजनिवार शूलनिवाहीग्रहणीमान सबदुरजयअतिसारहिंहा-न वेरप्रमाणचाटपरभात महिषदहीभतपथरुजघात ॥ अन्यच्च चौपई कोगडत्वचाजुसतपलआनै द्रो-णपायजलकाथसुठानै पादशेषरहैवस्त्रछनाय पुनधरअग्निघणाकरवाय पुनपलपलऔषधयहआन पीस-छानतिंहकरोमिलान त्रिफलात्रिकुटाकोगडवीज वायविडंगभिलावेलीज पाठाविल्वमोचरसचित्रा वा-लामंजिष्टालेमित्रा अवररसांजनतांमोपाय वरचपीसकरताहिरलाय अरुसंगमेलोताहिपतीस सुंदरागु-डपावोपलतीस कुडवप्रमाणमषीरमिलावो कुडवप्रमाणतामोघृतपावो यहअविलेहअमृतसमजान चा-टैनितप्रतिसांझविहान त्रिदोषजअरुसबहीअतिसार रक्तपित्तसंग्रहणीटार पांडुरोगकृशतातनुजावै शोथकामलारोगमिटावै औषधषायतक्रघृतपीजे दहीयवागूवापीलीजे वापीवेजलदुग्धकेसाथ तिसअ-नुपानयहीसुनगाथ ॥ अथघृतप्रकारः षडांगघृतम् ॥ चौपई ॥ कोगडवीजमघांपुनजानो आद्रकला-षकौडपुनमानो दालहलदकीत्वचामंगाय यहषटवस्तुपीसघृतपाय मंदअग्निदघीउपकावै छाणधेरो-गीहिंपिवावै अतीसारत्रिदोषजजाय वैद्यकमतयोंकह्योसुनाय ॥ अथकोगडादिघृतम् ॥ चौपई ॥ कोगडत्वचाअवरफलआन लोध्रमघांसुंठीपुनठान दालहलदकौडपुनलेय इन्हसोंघृतकोंसिद्धकरेय षावैसर्वजांहिअतिसार वंगसेनयोंकीनउचार अथसंतांगघृतम् चौपई दालहलदलाज्वाअरुनागर इंद्र-यवअरुकोगडत्वचधर कौडमघांपुनताहिमिलावो इन्हसंगसिद्धजुघृतकरवावो मांडरलायपियेजनजोय सबहीअतीसाररुजषोय अथमहाविल्वतैलं चौपई तुलाप्रमाणविल्वकूटावै जलजुचतुर्गुणकाथकरावै पादशेषरहितवउतराय तासमदुग्धतासमोंपाय तिसीप्रमाणतैलतंहपावै पुनऔषधपायमंदाग्नितपावै सुंठकुठरहसनसुरदार मुस्थरवरचमोचरसडार इटासिटविल्वधावेकेफूल लोधरपीसपावैसमतूल योंप-कायतैलसोषावै अतीसारसबग्रहणीजावै अर्शरोगकोंदूरविडार अत्रयऋषियहकीनउचार ॥ दोहा ॥ त्रिदोषजहींअतीसारकीकरीचिकित्सागान अवद्वंद्वजअतिसारकीसुनहोकरोंवषान इतित्रिदोषजअ-तीसाराचीकित्सासमाप्ता

॥ अथवातपित्तजअतीसारलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कटुकादिकरसभोजनकरैं वातपित्तकोपदोऊधरैं विष्टाकाथकेरंगसमान पक्कअंवर-सहलदसमान अथवाकालारंगदिषावै असाविष्टासशब्दप्रगटावै पुनातिसमूत्रइहीरंगधरै द्वंद्वजअती-सारलषपरै शूलशोषदाहपाकप्रगटावै वातपित्तअतिसारकहावै

॥ अथवातपित्तजअतीसाराचिकित्सा ॥

अथकाथः चौपई काथकरैलघुपंचजुमूल पिपलींअरुधनियांसमतूल यहीकाथरोगी जव-पीवै वातपित्तदुखहरसुखथीवै अथचूर्णप्रकारः कायफलअवरमुलट्ठीईल लोधरपुनजानोनिस-

पाल कूटैपीसेकपडेछान तंडुलजलसंगकरहैपान वातपित्तअतिसारमिटावै रोगनाशरोगीसुखपावै ॥ अन्यच्च ॥ कलिंगदालहलदजुपतीस मुस्थरवरचलेयसमपीस तंडुलजलसोंचूरणषाय वातपित्तअतिसारमिटाय ॥ अथअन्यउपायः ॥ चौपई ॥ निकस्योधारोंतेंजोच्छीर तुरतउष्णसोपीवैधीर सोहरहैद्वंद्वजअतिसार वातपित्ततेंजेऊविकार इतिवातपित्तअतीसारचिकित्सा ॥

॥ अथकफपित्तअतीसारलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ कफपैत्तिकअतिसारकेलक्षणऐसेंजान वैद्यकग्रंथनिदानमोंतैसेंकरोंवषान ॥ चौपई ॥ बहुकटुअमललवणयुतभोजन बहुसनिग्धषावैअतिधरमन तातैंअग्नीस्थानमंझार कोपकरैकफपित्तविकार सनिग्धघणीविष्टासोकरै मंदवेगमंदपीडाधरै शालमलीरसवतरंगदिषावै वाकमलपत्ररंगदरशावै शंखचूरणवतवादरशात रक्तविंदुवायुक्तलषात क्षुधातृषातिसअल्पलषैयत ऐसेलक्षणताकेकहियत

॥ अथकफपित्तअतीसारचिकित्सानिरूपणम् ॥

अथकाथः दोहा शालिपरणीपृथकपरणीवालाविल्वकजान दद्दूनीरसपाकाथदेकफपैतिककीहान अन्यच्च दोहा मुलठीकोगडपृथकपरणीमुथरहलदीपीस मधुमिलायकरकाथदेकफपित्तजहोइषीस अन्यच्च चौपई मुथमूर्वाकोगडवर्चपतीस करैकाथसमऔषधपीस वंशलोचनमधुपीवेघाल कफपैत्तिकअतिसारहिंटाल ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ विल्वआंवगुठलीमंजीठ कोगडफलअरुत्वचलेईठ पायमोचरसपुनलहुलोधर अरुसमलेहुकमलकेकेसर अवरजुपावेधावेफूल पलासवीजलेसमकरतूल काथपियेवाचूरणषाय रक्तसहितकफपैत्तिकजाय अन्यच्च चौपई पाठाकोगडवीजमंगावै चित्रानागरसंगमिलावै काथकरैपीवैहितलाय चूरणतसजलहिंवाषाय कफपैत्तिकअतिसारमिटावै शूलविकारसाथभगजावै अन्यच्च चौपई लोधरपाठाचित्राचंदन दालहलदउत्पलदुखकंदन मुलठीलेसणकुकडेछाल पीवेक्काथतामोमधुडाल कफपैत्तिकअतिसारनसावै याहिचिकित्साइहविधिगावै अथलोध्रपुटपाकः दार्वीलोध्रअवरमुलट्ठी चंदनपाठाकरोइकट्ठी महीनपीसकरचूरणकीजै तंडुलजलसोंताहिरलीजै पुटपाककरोतिलपत्रोंसाथ सणसूत्रपलेटेयहसुनगाथ मृतिकालेपनतापरकरे अग्नीमध्यवनायसुभरे पक्कजानकरकाढसुलेय शीतलमधुयुतरुजिकोंदेय रक्तपित्तकफकोंअतिसार जायभग्योगुणतासविचार अथअविलेहः चौपई पृष्टपर्णीमुथवासालीजै हलदमुलट्टीयहसमकीजे चूरणमधुमिलायसुचटाय कफपैत्तिकअतिसारमिटाय पीडारक्तदूरहोइजावै वंगसेनयोंभाषसुनावै इतिकफपैत्तिकअतीसारचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथवातकफजअतीसारलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ वातश्लेष्मअतिसारकेलक्षणकहैनिदान सुनलीजैमनधारकैतिन्हकोंकरोंवषान ॥ चौपई बहुभोजनषावैजोमिष्ट अरुबहुकटुसनिग्धस्वादिष्ट इन्हतैंवातअवरकफदोय अग्निस्थलमोंकोपैसोय सोऊमंदअग्निकरडारैं काचींविष्टाघणीउतारैं फैणशब्दसंयुतसोहोय मदिरागंधसपीडासोय गुडगुडशब्दउदरमोंरहै मूर्छाषेदश्रमतंद्रागहै कटऊरूजानूअरुपीठ इन्हमोंह्वोइपीडासुनईठ ॥ इतिलक्षणम् ॥

॥ अथवातकफजअतीसारचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ धनियांमुथवालाविल्वजान सुंठधान्यपंचकयहमान पंचधान्यकाथयहदेय धनियांसुंठवाकाथकरेय इन्हसोंवातकफजअतिसार दूरहोयानिश्चयमनधार अन्यच्च चौपई ॥ करंजु-

वरचइटसिटविल्वजानो दालहलदइंद्रयवश्रानो विदारीगंधावडिकंज्यारी पंचकोलयुतकाथसुधारी नागरपिपलींपिपलामूल चित्राचवकलेहुसमतूल पंचकोलयहनामकहीजें काथवनायरोगीकोंदीजें वातकफकोश्रतिसारमिटावै वैयकमतयोंप्रगटजनावे अन्यच्च चौपई विल्वपाठाकोगडकेवीज हिंगूइटसिटसबसमलीज पाचनदीपनकाथपछान श्रतीसारकफवातजहान ॥ अन्यच्च चौपई ॥ कोगडत्वचाश्रवरफललीजै वालविल्वसुंठीसमकीजै चित्राश्रवरमंगायपतीस हरडेमुथरसमलेपीस विधिसोंकरैजुकाथपिलावे वातकफजश्रतिसारमिटावे ॥ अन्यच्च चौपई ॥ नागरलोधरपूतीसुरदार दद्धूनीरसकरकाथहिंडार पियेवातकफकोश्रतिसार जावैतुरतनलागैवार इतिवातकफजश्रतीसाराचिकित्सासमाप्ता

॥ अथछर्दश्रतीसाराचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंछर्दश्रतिसारकीजेउचिकित्सासार ग्रंथनमेंजेसेंकहीतेसेंकरोंउचार ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ विल्वकथश्रांवागिरीयहदोय करेकाथमधुसितामिलोय पीवेछर्दजायश्रतिसार यहश्रपनेमननिश्चयधार जैसेंश्रग्नीघीउजलावे तैसेंयहश्रतिसारमिटावे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ यवधनियांपुनलेहुपटोल करेकाथमधुमिसरीघोल पीवैशीतलकरजोतास करैछर्दश्रतिसारहिंनाश ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ जामनपत्रश्रांवदलश्रान कूटपीसरसलेवेछान वटश्रविरोहउशीरपिसाय सोरसतिन्हमोंदेहुमिलाय काथकरोवाचूरणषावो वाचाटोश्रतिसारमिटावो श्ररुमाष्योंतासंगरलावे मूर्छातृटज्वरछर्दगवावे रक्तप्रवाहिसोऊपुननाशै तनुदुतिहोइश्रारोग्यताभासे ॥ अथश्रविलेहः ॥ चौपई ॥ भूनमुंगलाजापीसाय मधुशरकरामिलायचटाय तृषाछर्दश्रतिसारमिटावे दाहश्रवरज्वरभाग्योजावै

॥ अथशोश्रथतीसाराचिकित्सा ॥

चौपई होयशोथश्रतिसारजासतन तासचिकित्साकहोलषोमन करैचिकित्साइंहश्रनुसार दूरहोयतांकोश्रतिसार ॥ अथचूर्णम् चौपई ॥ वडिंगमुथ्रपाठाजुपतीस दालहलदमरचकलिंगजुपीस जलसोंपीवैप्रातहिंजोय नाशशोथश्रतिसारहिंहोय ॥ अन्यच्च चौपई ॥ धनियांमुथ्रकिरायताश्रान चंदनवालागिलोयपुनठान चूरणजलसोंपीवैजोय शोथतृषाश्रतिसारज्वरषोय ॥ अथघृतम् चौपई ॥ सुंठकाथदशमूलवनावे तिंहघृतपावैश्रग्निपकावे श्रचैसोथश्रतिसारमिटाय ग्रहणीपांडुकामलाजाय यहसुंठीघृतकीनवषान वंगसेनमतलहोप्रमाण

॥ अथश्रामश्रतीसारतथापक्कश्रतीसारलत्त्तणम् ॥

॥ चौपई ॥ श्रन्नखाइजिहश्रजीरणवैरै गरिष्टवस्तुफुनभच्च्णकरै ताहीतेकफवातश्ररुपित्त तीनोकोपकरेंश्रतिचित्त तीनोमिलतबमलहिविगारै श्रामसहितमलबहीनिकारै याकोनामच्छृषिकत्रीश्रहै श्रामश्रतीसारयाहीकोवहै श्रनेकरंगमलचलैश्रपार मलतररहैश्रामडुबहार मलदुर्गंधीयुक्तसुश्रावै पिच्छलभाराश्रामकहावै ॥ अथपकलत्त्णम् विपरीतचिन्हएतेसवजाने गंधरहितमललघूपछाने रंगसुपेदमलचिकनाहोइ पक्कश्रतीसारकहतहैसोइ

॥ अथश्रामश्रतीसारतथापक्कश्रतीसारादिचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथयवागूः चौपई ॥ प्रथमयवागूकोंवनवावै श्ररुलूत्वकजोपीसमिलावै प्रियंगूश्रवरमुलठीश्रान श्रनारपत्रश्रंकुरलेठान सबसमचूरणकरैमिलाय यवागूमेंधरदहीरलाय पीवैप्रातहिंरोगीजोय सर्वश्राम-

अतिसारहिषोय ॥ अथक्काथः ॥ चौपई ॥ केवलमुत्थरकाथवनावै मधुमिलायपरभातपिलावै नाशहोयपक्कअतिसार वैद्यकमतयोंकीनउचार ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ लोध्रविल्वकथधावेफूल मुत्थरआंवगुटीइंद्रजवतूल महिषीतक्रसाथजोपीवै अतीसारपक्कहतथीवै ॥ अन्यच्च चौपई लोध्रमजीठविल्वकथसमतूल अरलूमहूजुधावेफूल कमलफूलकीतुरियांआन चूर्णकरैसबएकससमान तंडुलजलसोपीवैतास अतीसारकोहोइहैनाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पद्ममंजीठमुलट्टीआन विल्वकथजामणगुठलीठान पीसैंमाष्योंसंगमिलावै तंडुलजलसंगप्रातपिवावै अतीसारपक्कहोइनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मंजीठलोध्रधावेकेफूल दाडिमत्वचाआनसमतूल पीसितंडुलजलहिंपिवाय अतीसारतनुतैभगजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ दाडिमफलत्वचकहिनसपाल अरुदाडिमतरुकीलिवेछाल लोध्रमोचरसलेहुसमान यहचूर्णतंडुलजलपान अतीसारयहपक्कमिटावै रोगजायरोगीसुखपावै ॥ अन्यच्च ॥ लोध्रआद्रकअवरमुलट्ठजो पीसमिलावैमाष्योंसंगसो तंडुलजलसोंपीवैप्रात अतीसारभागैसुखगात ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ लोध्रअवरसुंठसमआनो अवरमुलट्टीतामोठानो चूरणतंडुलजलकेसंग अतीसारपक्कहोइभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जंवूवीजपुष्पकचनार दाडिमवीजविल्वकथडार न्हीवेरनागरअरुमुत्थर सिंगाडेकेलेकोमलपत्तर सतंडुलजलयहचूरणषाय गंगासमप्रवाहरुकजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मुत्थरसुंठमोचरसपावै पाठाअरलूताहिरलावै अरुडारेधावेकेफूल चूर्णकरैसबलेसमतूल रोकैगंगासमपरवाहि अतिसारनाशहोइजाहि ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मुत्थरकोगडवीजसमान विल्वकथलोध्रमोचरसठान अरुडारेधावेकेफूल चूरणपीसकरैसमतूल गुडमिलायजहचूरणषावै नदीप्रवाहरुकायदिषावै चूर्णषायदधिघुर्लकेसाथ वैद्यकग्रंथकह्योसुनगाथ ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अषरोटजढत्वचाचूरणजोय मधुमिलायतंडुलजलसोय पीवैनदीसेतुकीन्याय वांधेअतिसारदुखजाय ॥ अथपाचनषट्कम् चौपई ॥ सुंठपतीसहिंगुमुथआनै कोगडचित्रायहसमठानै यहचूरणतंडुलजलसंग पीवैअतिसारहोइभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मुत्थरपाठापिपलीआन इंद्रयवजुनेजत्रलठान चूरणपीवैतंडुलतोय अतिसारनाशतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सेंधालवणवरचपुनआनै कोगडवीजकौडसमठानै यहचूरणपीवैनरजाय अतीसारनाशतिसहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ एलाकोगडवीजपिसावै लोध्रपीसातिन्हसंगमिलावै चिट्टालोध्रपुनातिसपाय अवरहलदातिसमाहिरलाय यहचूरणपीवैजोकोय नाशैअतीसारसुखहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ शुंठपतीसविडंगमिलाय पाठाअरुविडलवणरलाय यहचूरणकरपीवैजोई अतीसारनाशतिसहोई ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कोगडहिंगुविल्वमुथरआन सुंठवरचपतीसलेछान यहषटचूरणजलसोंजान अथवाकांजीसोंकरैपान पाचनहैंअतीसारमिटावैं वंगसेनयोंभाषसुनावैं अथगुटिका चौपई धावेलोध्रप्रियंगुमंजीठ जंवूगुठलिमुलट्ठीइठ दाडिमतरुकीलीजैछाल गुटलीअवकपित्थनसपाल मुत्थरअवरमोचरसजानो कोगडत्वचाविल्वकथमानो आंवनवीनपत्रपुनपाय अरुआद्रकतिहमांहिरलाय यहचूर्णसबसमकरलेय तंडुलजलसोगुटीकरेय गुटकावलअनुसारषुलाय पक्करोगअतिसारमिटाय अथअविलेहः चौपई कोगडअलीविषापीसावै मधुमिलायकरप्रातचटावै पक्करुधिरअतिसारमिटाय वहचिरकालीतुरतहिंजाय अथलेपनम् चौपई सूक्ष्मपीसआमलेल्याय क्यारानाभीगिर्दवनाय सोक्यारा आद्रकरसभरै नदीवेगसोरोकनकरै अन्यच्च चौपई कोमलपत्रआंवकेआन आंवगुटीपुनताहिसमान लेपन-

नाभीऊपरधरै नाशरोगअतिसारहिकरै ॥ दोहा ॥ आमपक्कअतिसारकीकरीचिकित्सागान ऐसें-मनमोधारियेसबहींकामतमान इतिआमपक्कादिअतीसारसामान्यचिकित्सा

॥ अथआमअतीसारलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अजीरणकरतिसप्रगव्योजान होयदोषसोकहोंवषान सोऊदोषमलआममिलजावै दोइमिलअतीसारउपजावै

॥ अथकेवलआमअतीसारचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमहिंलंघनवमनकरावै इन्हकरशूलअफाराजावै वमनकरावनकीविधिएहु पिपलीं-लवणकाढजलदेहु रोगीकोंयोंवमनकरावै पुनहिंकाथचूरणकोंषावै ॥ अथषट्चूर्णम् चौपई ॥ सुंठपतीं-सहिंगुमुथचित्रा कोगडवहसमपीसोमित्रा तप्तनीरसोंपीजैयाहि अतीसारआममिटजाहि ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ मुत्थरपाठामघांपछान इंद्रयवजुतेजवलठान तप्तनीरसोंचूरणषावै अतीसारआममिटजावै ॥ २ ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सेंधाकोगडबोजपछान वरचकौडसमकरोंपिसान तप्ततोयसोंपीजैतास अ-तीसारआमहोइनाश ॥ ३ ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सुंठलवणविडअवरपतीस पाठाकोगडसमलेपीस चूर्णकरैतप्तजलसंग अतीसारआमकरैभंग ॥ ४ ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कोगडवीजलोध्रसंगपाय चिट्टालोध्रसंगरलाय तप्तोदकसोंपीवैजोय अतीसारआमहरैसोय ॥ ५ ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कोगडसुंठाविल्वयवजानो मुत्थरहिंगुएकसमठानो चूरणकरैतप्तजलपान अतीसारआमकीहान यह-षटचूर्णकहेसुनाय वंगसेनज्योंदियेलषाय ॥ ६ ॥ इतिआमअतीसारचिकित्सासमाप्ता

॥ अथभयशोकजअतीसारनिदानलक्षणम्

॥ चौपई ॥ धनवंधूकोशोकहोयजव प्रथमक्षुधाघटजाततासतव शोकहुतेंजोरुदनकरावै जलगल-नेत्रनासिकावहावै अन्नपचावनवन्हिजुकहिये सोजलताहिबुजावतलहिये निजथलतेंरक्तसोइचलावै सो-ऊरक्तगुंजाद्रवथावै रक्तसोऊविष्टासंगहोय अतिसारकरवावैसोय वानिगंधसगंधीहोय त्यागैवैद्यनऔ-षधकोय ऐसोरोगीहोयअसाध्य शोकनाशविनमिटेनउपाध्य आश्वासनकरहर्षत्रधाय शोकजभयज-तासतेंजाय याकीऔषधअवरनकोय एहीजानैनिश्चयसोय अथवावातजजोअतिसार तासचिकित्साक-रीउचार सोउचिकित्सायामोंकरै आवलहोइप्राणतौधरै ॥ इतिभयशोकोत्पन्नअतीसारलक्षणम्

॥ अथकल्याणअविलेहः ॥

॥ चौपई ॥ स्योनाकमघाअवरधावेफूल पाठालोध्रमंजीठजुतूल अवरमोचरसतामोपाय मधुअरु-शर्करालेजुमिलाय करअवलेहनिताप्रतिचाटे भयशोकजअतिसारकोकाटे कृमीअर्शअरुविषअतिसार तासउपाययहींसुविचार

॥ अथप्रवाहिकाऽतिसारनिदानलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ प्रवाहिकहींअतिसारकेकारणलक्षणजोय वैद्यकग्रंथनिदानमतभाषसुनावोंसोय ॥ चौपई भोजनजेऊअहितनरकरै तातनुवायुकोपवद्धधरै पीडाउदरतलैउपजावै वहुमलकुपितप्रवाहिकगावै तिहप्रवाहिकानामवषानै दाहसाहितसोंपित्तजमाने शूलसहितसोवातजजान कफसंयुक्तसुकफजप्रमाण

रक्तसहितजेऊद्दष्टावै ताकोंरक्तजभाषसुनावै ॥ दोहा ॥ स्नेहतेकफजपछानियेंरूक्षतेंवातजजान ती-क्ष्णउष्णसेंपित्तजाअवररक्तजामान ॥ इति ॥

॥ अथप्रवाहिकअतीसारचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ दधिघृतमधुपुनतैलमंगावे नागरमिसरीपीसरलावे सबमिलायमंथनतिस-करै पीवैरोगीतनुदुखहरै नाशेंप्रवाहिकहीअतिसार वंगसेनमतकीनउचार अथअन्यश्चउपायः चौपई वालाविल्वकोचूरणकीजे तासमतिलचूरणकरलीजे दधिघृतपायअमलकलुपावे मंथसमस्तव्याधीनर-खावै तातकालपरवाहीजाय वैद्यकमतयोंकह्योसुनाय अथचूर्णम् चौपई ॥ वालाविल्वकथगुडजुपुराना तैलमघानागरलहुस्याना यहचूरणचाटैवाखाय वातअधिकतौमधुसुमिलाय यातैंनिरवाहीकोनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पिपलींवामरचांलषलेहु दुग्धसाथरोगीकोदेहु प्रवाहिका रोगदूरहोइजाय होइआरोग्यदेहसुखपाय ॥ अथअविलेहः ॥ लोध्रविल्वमरचांयहतीन तैलपुरातनगुड-लषलीन पीसरलायजुचाटैतास निरवाहीकोहोवैनाश ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ धावैवेरपत्रसुपिसावै कपित्थलोध्रमधुसाथमिलावे दधिमिलायपीवेजोकोय परवाहिकारोगनाशतवहोय ॥ अथघृतम् चौपई त्रिकुटात्रिफलामुथरमंगाय चित्रागजपीपलविल्वपाय अवरजुलीजैकर्कटशृंगी पुनपावेछडगुडीचंगी छोटीकंड्यारीजुविडंग सबमिलाययहपीसनिसंग एकप्रस्थघृतमांहिपकावे दुग्धचतुर्गुणपायउटावै सोघृतपीवेप्रवाहिकजाय याहिचिकित्साकहीसुनाय इतिप्रवाहिकाअतीसारचिकित्सासमाप्ता

॥ अथज्वरातीसारचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ ज्वरसहितअतिसारजोतासचिकित्साजान वंगसेनशुभग्रंथमतताकोंकरोंवषान ॥ अथका-थप्रकारः चौपई ॥ ज्वरअतिसारयासतनुजाने पूर्वलंघनताकोमाने लाजामांडतासफुनदेय ज्वरअति-सारकोंनासकेरय ॥ अन्यच्च ॥ प्रथमहिधावेक्काथवनावै दाडिमसुंठपीसतंहपावै पीवजावेज्वरअतिसार वैद्यकमतयोंकीनउचार धनियांनागरउत्पलपाय पृष्टपर्णीवलाविल्वरलाय दाडिमअम्लपायकरपीवे ज्वरअतिसारकोंनासकरीवे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मुत्थरकिरायतासुंठपतीस कोगडवालासमकरपीस क्काथवनायजुरोगीपीवै ज्वरअतीसारनाशतिसथीवै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पाठामुत्थरकिरायताल्यावे गिलोयइंद्रयवपरपटपावे क्काथकरेपुनसुंठीदेहु ज्वरअतिसारहरैसुनएहु ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ धनि-यांसुंठगिलोयपतीस विल्वपाठाकोगडसमपीस उशीरिपापडाचंदनघाल करोक्काथमंदाग्निउवाल मधुमिलायकरपीवैतास ज्वरअतिसारछर्दतृषानाश ॥ अन्यच्च चौपई विल्वनागरमुत्थरगिलोयपतीस कोगडक्काथकरोसमपीस रोगीकोंप्रातहिंपीवाय ज्वरअतिसारशोथसहितजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ दशमूलक्काथनागरटंकचार पीसपायपीवेजुनिहार शोथसंग्रहणीज्वरअतिसार नाशहोंहिएतेजुविकार ॥ अथचूर्णं ॥ चौपई ॥ उत्पलअवरपद्मकोकेसर दाडिमत्वचापीसतामोधर चूर्णतंडुलजलसाथपिलावै ज्वरअतिसारनाशहोइजावे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कणागजकणालाजाआन मधुमिसरीसेंकीजैपान ज्वरअतिसारतृषातिसजावै छर्दउवाकीनाशकरावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ वालामुत्थरमंजीठउशीर ध-नियांसुंठविल्वलषधीर धावेलोधरपीसमिलाय चूर्णकरुवाक्काथपिलाय ज्वरअतिसारअरुचयहनाशै दीपनपाचनरक्तविनाशै ॥ अन्यचूर्णम् ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाकौडकिरायतचित्रा कोगडवीजनिंवसुन-

मित्रा पाठादालहलदजुपतीस वर्चसबनसमकोगडपीस पुनपावेतिसमार्कवचूर्ण पाछेऔषधसबकर-पूर्ण तंडुलजलसोंचूरणषाय वामधुसोंचाटैसुखपाय ग्राहीपाचनदीपनजान ज्वरअतिसारगुलमतृष-हान अरुचपलीहसंग्रहणीजावै शोथपांडुपरमेहमिटावै ॥ अन्यच्च ॥ पाठाविल्वगिलोयजुपाय मुत्थ-रसुंठकिरायताल्याय वलाकायफललेपंचमूल वालाकोगडलेसमतूल इन्हकाकाथधरेजुवनाथ रोगीकों-परभातपिलाय ज्वरअतिसारतासतेनासे शूलउपद्रवसभीविनासे श्वासकासकोकरहेंघात वमनहिं-नासकरेसुनवात ॥ इतिज्वरअतीसारचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथवर्जनीयअतीसारअसाध्यउपद्रवलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तृष्णादाहअरुचअरुश्वास हिक्कापार्श्वशूलअरुकास मूर्छावहुप्रलापजोकरै अफाराउ-दरशूलपुनधरै जाकीगुदाजुषुलगईहोय चीणहोयज्वरपीडतजोय ऐसोअतीसारलषपावै तांकोवैद्य-त्यागउठजावै वृद्धपुरुषअतिसारीजोय अरुतांकेतनुमोसोजाहोय ऐसोभीत्यागनकेयोग यहअसा-ध्यहैजानेलोग मूत्ररोधजाकोलषपावै वमनकरैसुअसाध्यकहावै हस्तपादकीअंगुलीजोई पकजावैं-ऐसोलषसोई विष्टाउष्णवहुतहोइजाकी वैद्यचिकित्साकरैनताकी मांसअग्निच्चीणजोलहिये ताको-जीवनदुलभकहिये ग्रहणीनिरवाहिजिसकोहोय हैअसाध्यजुउपायनकोय मलजोआवैशूलमांससम तृखादाहअरुचीफुनस्वासदम हिचकीपलसीसूलअनंत मूर्छाफुनमननाहिलगंत गुदापकैअग्निमंदहो-जाय मूत्रबंदतिहनहीउपाय साध्यअसाध्यसकलप्रकार वरणनकीनोरुजअतिसार समझनिदानचिकि-त्साठान सोहोइवैद्यजुजगतप्रमान ॥ दोहा अतीसारवरणनकियोजोयहषटपरकार अवरहुंभीवरण-नकियोसोलषइन्हअनुसार

॥ अन्यप्रकारअसाध्यलक्षणम् ॥

चौपई पकजंवूफलवरणहैजास मांसपिंडवतहोतप्रकास घृतअरुतैलवसाजोकहिये वेसवारदधिदुग्धसु-लहिये इनकेसमअतिसारजुहोय वैद्यत्यागजावेतिसजोय असाध्यविधीजोकीनउचार अवरप्रकारसुनो-अतिसार धोयमांसजलहोवतन्याई कृष्णनीलअरुलालदिषांई मुखमृदंगकोलेपनजैसे तदवतरूपजान-होतैसे अनेकवरणदेषेजिसमाहि मोरपुच्छकोवरणदिषांहि होयस्निग्धघनाजुअपार वैद्यजुत्यागेसोअति-सार

॥ अथसामान्यअतीसारचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ समान्याचिकित्साअतिसारकीभाषोंभलेंवनाय ज्योंभाषीवंगसनमोंसुनलीजैचितलाय ॥ चौपई ॥ प्रथमहरडपीपलीपिसाय उष्णजलहिंदेरेचकराय ॥ क्वाथः ॥ अरुजिसदीप्तअग्निवहुहोय अरुअतिसारअधिकहोईसोय त्रिफलामघाजुवायविडंग इन्हकाक्वाथदेयसुनिसंग इसक्वाथहिरेचनक-रावै व्याधीनरकोंसुखउपजावै अरुजिसशूलअफारेसाथ होवैअतीसारलहुगाथ पिपलींलवणतप्त-जलसंग वमनकरावैरुजहोइभंग ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ पाठाहिंगुजवायणपाय पंचकोलसेंधाजु-मिलाय चूर्णतप्तनीरसोंषावै शूलसहितअतिसारगवावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाहरडपतीसहिं-गुपुन सौंचललवणवरचाचितदेसुन यहचूर्णषायतप्तजलसंग अतीसारहोइजावेभंग अन्यच्च ॥ चौपई ॥ वरचाविल्वकथमघांलहीजै सुंठविडंगकुट्ठलषलीजै मरचअजवायणयहसमआन चूरणतप्तनीरसोंपान अतीसाररोगमिटजावै वंगसनयोंप्रगटजनावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ हरडपतीसहिंगुसमआन सौंच-

लसैंधावरचसमान यहचूरणतप्तोदकसंग अतीसारआमकरभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सुंठपीसएरण-रसपाय पीवेअतीसारमिटजाय शूलआमअतिसारमिटावै दीपनपाचनचूर्णकहावै ॥ अन्यच्च चौपई ॥ हरडवरचनागरसमतूल कोगडवीजपिपलामूल पाठाचित्रातांमोपाय महीनपीसकरचूर्णवनाय कौ-डपायजहचूरणकरै आमशूलअतिसारहिंहरै जोकफापित्तकोहोइअतिसार यहचूर्णनाशकरहैसुविकार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ भषडेएरणधनियांजान पुष्करमूलहरडयवठान इन्हसबहीकोचूरणकरै मधुमिलायषावैदुखहरै शूलग्रंथिसहितअतिसार नाशेजानलेहुमतिधार ॥ अन्यच्च चौपई ॥ विल्व-कथपाठासुंठमंगाय मुथ्रमोचरससबसमभाय चूरणकरगुडसाथमिलावै तक्रसंगपरभातहिंषावै उदर-रोगसबजांहिपलाय अतीसारनष्टहोजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कपित्थसुंठमरचकंकोल अरुजी-राआनोसमतोल चूरणकरसममिसरीपावै रोगीकोंपरभातषुलावै आमरक्तअतिसारविनाशै तनआरो-ग्यहोयदुतिभासै ॥ अथकाथः । चौपई ॥ सुंठपतीसमुत्थराल्याय करेकाथविधिसाथवनाय याकोंव्याधी पीवैजोय आमपचैअतिसारहिंषोय ॥ अथपंचधान्यकाथः ॥ चौपई ॥ धनिआंविल्वकथनागरवाला मुथरसमसमप्रातहिंकाला काथकरैरोगीजोपीवै नाशैअतीसारसुखथीवै आमशूलकोनाशेएहु पित्त-अधिकलषसुंठनदेहु ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सुंठपतीसहरडसुरदार मुत्थरवरचसभीसमडार काथवना-यअचैपरभात अजीरणअतीसारकरघात ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सुंठपतीसमुत्थरांआन धनियांतामों-करोमिलान दीपनलघुयहकाथपछानो अतीसारदुखहरतामानो तृषाशूलकोनाशकरेह वंगसेनभाष्यों-योंएह अन्यच्च चौपई मुत्थरमासेवीसप्रमाण सेरदोयिदुग्धमोंठान चतुर्थभागदुग्धरहजावै त्रिगुणपा-यजलकाथकरावै जलजलजायच्चीरजवरहै तबैउतारताहिकोंगहै पीवैअतिसारहोइनाश आमशूलको-करैविनाश अथकाथवाचूर्ण चौपई केवलकोगडछालमंगावै काथकरैवाचूर्णफकावै अतीसारदूरहोइजाय ग्रंथमतोंयोंकह्योसुनाय ॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ हरडसुंठमुत्थरसमआन पीसोगुडसोंगुटिकाठान षायत्रिदोषनकोअतिसार आमअफाराक्रमिरुजटार अरुचविसूचीसंधनपीर नाशहोंहिजानोमतधीर अथअविलेहः ॥ चौपई । गुठलीआंववित्वकथआन यवगोषुरुएरंडपछान हरडागिलोयपीसोसमभाय मधुमिलायचटणीसुचटाय रुधिरप्रवाहअतिसारविनाशै रोगरहितहोइतनुदुतिभाशै ॥ इतिसामान्य-अतीसारचिकित्सा

॥ अथअतीसारनिवृत्तिलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ निवृतहुयेअतिसारकेलक्षणकरोंउचार सोसबजानोचित्तमेंवैद्यजुकरैविचार ॥ चौपई जठराग्निजिसदीप्तहोय लघुतादेहरहैतिसजोय विष्ठाविनजोमूत्रउतारै कोष्ठशुद्धिसोपुरषउचारै गुदते-वायूचलेप्रकास अतीसारभाग्योतनतास

॥ अथसमस्तअतीसारेपथ्यापथ्याधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यअतिसारकेभाषोंसुनोसुजान पथ्यरहैरोगीतेऊताकीहोयनहान ॥ अथ-पथ्यं ॥ चौपई ॥ उदरलेपपुनमांडकहीजै निद्रालंघनवमनभनीजै जीरणशालीसठीजोय इन्हकेचा-वलपथलषसोय मसुरघियासंगरीकचनार माषोंकारसहैसुखकार ससाहरणअरुलवापछान रसइन्ह-मासनकोहितमान चुद्रमीनकरोसहितलह्यो वकरीदुग्धघीउपथकह्यो दहीतक्रगोकापथजानो कदली-

केफलपुष्पपल्लानो निकडीजामुनकाफललहिये लूणकशाकतैलपुनकहिये वकरीगायदूधकोमाषन शा- लूकंदविश्वापथलषमन आद्रककीवडिगंठीभली कपित्थवकुलअमलीकीफली विल्वअनारदहूनीजोय हाफूजायफलजीरेदोय कोगडधनियानिंवपल्लान अन्नपानदीपनलघुजान लाजामिसरीछूहारेद्राष हरडआमलेपथलषराष अतिसारकेयहपथजान अवरउपायकहोंपथमान अंगुलीदोयनाभिकेतरै अवरात्रिकुलथलजोलषपरै इन्हदोइठौरनपरयोंकीजै तप्तशस्त्रसोंदागकरीजै अर्धचंद्रइवदागअकार यह भीपथ्यकहोंअतिसार ॥ दोहा ॥ अतीसारकेपथ्यसबभाषेलहोसुजान जेतेकहेअपथ्यपुनतेतेकरोंवषान अथअपथ्यं ॥ स्वेदरुधिरमोच्चणइस्नान मैथुनजाग्रनवहुजलपान अंजनधूम्रपानसवार विरुद्धभोजन- वुटणासबच्चार कणकमाषयवचणेरवांहि आंवपेठामधुतांवूललषाहि विष्टामूत्रवेगकोरोकन षषर्डीवेरसु हांजणयहसुन गन्नेगलगलगुडजुनवीन मृगमदजानलहोपरवीन नालेरगिरीपत्रनकोशाक इटासिटवहु- षटिआईठाक तरडादिकजुकचालूकंद भारीअन्नादिकसबमंद अरुवहुलवणनाहिसोईषावै यहअति- सारीअपथ्यलषावै पथ्यअपथ्यकरेजुवषान अतीसारकेलषोसुजान ॥ दोहा ॥ अतीसारकेपथअपथ- सबहीकीनवषान समभ्फचिकित्साजोकरैहोवैरुजकीहान ॥ इतिअतीसारेपथ्यापथ्यंसमाप्तम् ॥ दोहा अतीसारवरणनकियोप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यवषान

॥ अथअतीसाररोगकर्मविपाकः ॥

॥ अथअतसारदोषकारणउपायानिरूपणम् ॥

॥ अथकारणम् ॥ चौपई ॥ यज्ञविषेंजोविघ्नउपावै दानकरतकोंरोकरषावै अरुपरछागचुरायजुषावत अरुव्राह्मणधनकोंहरलेजावत अरुवेदोंकीनिंदाकरै ताकोंअतीसारआवरै ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ सूर्यमूर्तस्वर्णवनवावै पुनपलअष्टताम्रसंगपावै अग्निमूर्ततांकीवनवाय पूजेदानोप्रीतलगाय रक्तपुष्प- मालापहिरावै मतीमानइहयतनकरावै रक्तवस्त्रऊपरउढाय सूर्याग्निमंत्रकरहवनकराय सोप्रतिमाब्रा- ह्मणकोंदय निजहिदोषतैंमुक्तिलषेय ॥ दोहा ॥ अतीसारवरणनकियोकारणसहितउपाय संग्रहणीके- दोषकोंभाषोंभलेंवनाय ॥ इतिअतीसारदोषकारणउपायःसमाप्तः

॥ अथअतीसारज्योतिषः ॥

दोहा ॥ जन्मकुंडलीकेविषेंशनिग्रहबुधपडजाहि सूर्यदृष्टहोइताहिघरअतीसारहोइताहि उपायः ताहि- उपायनरइहकरेबुधपूजाजपश्रेष्ट हवनतिलअपामार्गसोंदशावर्तसोइष्ट अंगभोंधारणश्रेष्टहैभूषनस्वर्ण- वनाइ स्वर्णदानफुनयथाविधिअतीसारनरहाइ गोहाअच्चतपूगफलगोरोचनमधजान सिर्पजलमोइक- त्रकरताहिस्नानपरमान पुनः षट्घरवाच्चाषिघराविषेचंदशुक्रसंजोग दधिसुतपूजावश्यकरस्वर्णदानहत- रोग पुनः जोशनिअंतरदशामोराहूकरेप्रयान तवनिश्चयकरदेहमोंअतीसारकीहान उपायः मंत्रशनैश्च- रजपकरेतिलदूर्वाहवनकरेह कालेतिलसुर्मासहितजलस्नानविधितेह ॥ इतिज्योतिषः ॥ इतिश्रीचिकि- त्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांअतीसाररोगाऽधिकारकथनंनामअष्टचत्वारिंशोऽधिकारः ॥ ४८ ॥

॥ अथसंग्रहणीरोगनिदानलक्षणनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ संग्रहणीवरणनकरौंलक्षणअवरनिदान पुनहिंचिकित्साभाषहोंसुनहोवैद्यसुजान

॥ अथसंग्रहणीसामान्यलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ छटीकलाजोपित्तधरग्रहणीजाकोनाम मध्याठिकाणातासकोपक्वाशयअरुआम ग्रहणीदुखितजुअग्निकरअग्निदुखितकरदोष नरकोंउपजेतासतैंग्रहणीरोगसरोष ॥ चौपई ॥ हूयेहूयेनिवृत्तअतिसार अरुमंदाग्निपुरुषनिर्धार अवरअहितभोजनकेषाये अरुनिदानअतिसारयुगाये इन्हहूतैंसंग्रहणीहोय जानलहोवुधजनयोंसोय वातपित्तकफयहजोतीन इकइकतैंभीहोतप्रवीन अरुयहइकठेहोवैजवै होवैग्रहणित्रिदोषजतवै लक्षणसंग्रहणीयहजानो निकसतकाचोअन्नपछानो कवहूंअन्नपकनिकसावै दुर्गंधसपीडाकरप्रगटावै कवहुंवंधजकवहुंघुलजाय तासनामग्रहणीलषपाय ॥ अथसंग्रहणीपूर्वरूपं पूर्वरूपग्रहणीअसलहिये आलसतृषादाहलषपैये वलहोइक्षयअरुतनहोइभारी चिरकरअन्नपचैसुविकारी

॥ अथवातजग्रहणीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कटुतीक्षणजुकनैलाषावै भोजनदुष्टजुरूषापावै अथवानिराहारजोरहै अथवाथोडाभोजनगहै विष्टामूत्रवेगजवहोय रोकैइन्हवेगनकोंजाय अथवाअतिमैथुनयोंकरै इन्हतेंवातकोपवडधरै उरकीअग्निवातसोंछावै सोऊवातग्रहणीउपजावै ताकोंदुखकरपचहैअन्न नांहिरहैमनतासप्रसन्न रूषातनुताकोहोइजावै तनुसनिग्धतावातसुकावै कंठअवरमुखसोषतरहै घुरघुरशब्दकानमोंलहै मंददृष्टहोइजावैजास पार्श्वऊरूपीडाकरतास चूलेग्रीवामोंदुषहोय हृदयपीडाहोवेतिसजोय कृशताअरुनिर्वलताहोवत वदनविरससबस्वादहिंषोवत गुदाचिरोतीतिसकीरहै सबरसकीअभिलाषागहै अन्नपाचनकोसमाहोयजव उदरअफाराहोयतिसतव तवतिसरोगीकेमनआवत लिफगुल्ममोहिदुखउपजावत दुखमाहीचिरकरविष्टाऊ पतलीहोवतहैतिसतांऊ कवहूंसूकीविष्टाहोय काचीशब्दफेनसंगसोय कासश्वासकरपीडतरहै वारवारविष्टाप्रगटहै असंसंग्रहणीवातवषांनी जानलहैंसोवैद्यविज्ञानी ॥ इतिवातसंग्रहणीलक्षणम् ॥

॥ अथवातसंग्रहणीचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अवैंचिकित्साकहितहोंवातजग्रहणीकेर वंगसेनशुभग्रंथकोभलैंसमभअरुहेर । अथक्वाथः ॥ चौपई ॥ पंचकोलकोक्वाथजुकहिये वातजग्रहणीमोंहितलहिये अरुमूलीरसरसजुअनार वातजग्रहणीमोंहितकार ॥ अथअअन्यक्वाथः चौपई धनियांवालासुंठपछान विल्वशालिपरणीपुनआन करैक्वाथपीवैनरजोय ग्रहणीवातअफाराषोय ॥ अथयवागूः ॥ चौपई ॥ कपित्थविल्वलुणकलषलीज तक्रअवरदाडिमकेवीज इन्हकरसिद्धयवागूजोय ग्रहणीवातपथ्यलखसोय ॥ अथतक्रफलनिरूपणं ॥ चौपई तक्रदीपनग्राहीलघुजांनो मधुरस्वभावहिंपितहरमानो उष्णरौक्षकषायजोअहै कफकोंहरैतक्रयोंलहै स्वादिकअमलस्वभावजुधरै वातजसंग्रहणीकोंहरै अथचूर्णप्रकारः चौपई नागरमुत्थरवरचपतीस सोंचलहरडेंलेसमपीस पिपलामूलजुपीसरलाय तक्तनीरसोंचूरणषाय वातजसंग्रहणीकोनाशै वंगसेनयोंभाषप्रकाशै अन्यच्च चौपई धनियांनागरविल्वपतीस मुत्थरदुपरणीवालापीस अवरजवानीवसारलीजै महीनपीसकरचूरणकीजै यहचूरणजलतक्तमिलाय षायदीपनपाचनसखदाय ॥ अन्यच्च चौपई ॥

सौंचलहरडवरचअरुहिंगु पायपतीसअवरजुकलिंगु चूरणपीजेजलतमाय वातजग्रहणीतांतेजाय गांठपीडछर्दमिटजावै वैद्यकमतयोंभाषसुनावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ नागरपिपलीकोगडबीज चित्रादोइकंड्यारीलीज सारवादोयअवरयवक्षार पंचलवणचूरणकरडार यहचूरणतक्रोदकसंग वामदरासोंपीदुखभंग वादधिमंडसाथयहसेवै वृद्धक्षुधाअग्नीकरलेवै कोष्टकेसबवात-नसाय अरुवातजग्रहणीभगजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाअजवायणलेहिंगु सेंधादोइजीरेले-संगु चूरणघृतनरलायकरषावै अग्निवधेअरुग्रहणीजावै ॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाहिंगुपिप्प-लामूल पंचलवणचित्रासमतूल दोयक्षारअजमोदापाय चवकपायकरचूर्णवनाय रसअनारदाणको-लेहु अरुरसहिविजोरातामेदेहु चूर्णपायदोइरसमंझार गुटिकावांधेसमभक्षविचार गुटकाषावैप्रातहिं-काल ग्रहणीवातहरैततकाल ॥ अथघृतप्रकारः ॥ दशमूलादिघृतम् ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंआनपीसदश-मूल देवदारुनागरसमतूल मघपीपलगजपीपलचित्रा सरलवृक्षइंदरयवमित्रा पिपलामूलअवरस-णवीज कोलमरचयहसमलेलीज कुलथराखाचूरणकरै चारद्रोणकांजीदधिधरै मंदअग्निधरताहिप-कावै चतुर्थभागजवहीरहिजावै पुनघृतलेआढकपरिमान ताकोंतिन्हमोकरोमिलान दोदोपलस-र्जीयवक्षार विडसेंधासौंचलसमुद्रडार षावैघृतवलअग्निवधावै वातजग्रहणीछिनमोंजाव ॥ अथअ-ष्टपलघृत ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलाविल्वगुडलेय इकइकपलहिंप्रमाणधरेय घृतपरमाणअष्टपलपावै मंदअग्निधरताहिपकावै षावैमंदअग्निकोंकरै नाशवातग्रहणीकोधरै ॥ अथपंचमूलघृतं ॥ चौपई ॥ पंचमूलअरुपिपलामूर त्रिकुटाहरडविडंगकचूर सैंधारहसनदोनोक्षार पुनजीरातिन्हमोलेडार चार-चारपलवस्तुजुपावै तोयचतुर्गुणपायपकावै चतुर्थभागजवहीजलरहै तासमानघृतपायजलदहै घृतस-मानपुनरसजुविजोरा पायपकावैपुनतिंहठौरा पुनआद्रकरसपायपकावै पुनमूलीरसपक्ककरावै पुनवा-राहिकंदरसपाय पुनगलगलरससाथपकाय पुनदाडिमरससाथपकावै तक्रसाथमदसाथउठावै पुनप-कवावैकांजीसंग धान्यतुषजलपकसुचंग ऐसेंसिद्धकरैघृतजोई कर्षप्रमाणसेवसुखहोई अग्निकरैघृ-तशूलमिटावै गुलमअफारपलीहाजावै श्वासकाससंग्रहणीनाश वातरोगकोकरैविनाश ॥ अथमहत्-अग्निघृतं ॥ चौपई ॥ पाठाचवकतेजवलचित्रा पंचमूलमघतवोमित्रा चारचारपलयहपरिमान अष्टप्र-माणपलमुथरांठान तीनमुष्टिकाह दमिलाय पुनपलअष्टअष्टदलपाय विष्णुक्रांतमालतीमगाय कने-रकरंजुकदंवदलपाय अर्कसतपरणीदलआन आषोटपत्रयहकूटमिलान चारद्रोणजपायपकावै चतु-र्थभागरहिजबलषपावै कौडपतीसदोदोपलआन कूटपीसजलकरोमिलान मुस्थरकोगडवीजविडंग मघांकुडवकुडवजलसंग सज्जीक्षारपुनहियवक्षार विडसेंधादोदोपलडार दहीमंडदाडिमरसआन घृतपावैआढकपरिमान अग्निमंददेघीउपकावै घृतजवरहैछाणधरवावै कर्षप्रमाणघीउनितषाय ऊप-रतेंजलउष्णपिलाय जवघृतपचैतवभोजनदेवै इसकरग्रहणीरोगहरेवै गुलमअफारालिःफनसावै वात-अवरकफरोगमिटावै मंदअग्निअरुअर्शविनाशै तनुकोवरणसकलपरकाशै पथमनिग्धभोजनअरुमास षावतरहैरोगहोइनाश ॥ अथसुंठीघृतं ॥ चौपई ॥ सुंठअवरदशमूलमंगावै समलेकूटेकाथवनावै घृत-तासमपावैसुपकाय कर्षप्रमाणप्रातउठषाय ग्रहणीपांडुरोगकरनाश ज्वरलिःफआमशोथसुविनाश अ-थचांगेरीघृतं चौपई ॥ सुंठपिप्पलीपिपलामूल चित्रागजपीपलसमतूल धनियांभषडेपाठाजान विल्वक-थअरुठानोअजवान सबसमलेकरअग्निपकावै जलचतुर्थभागजुरहावै तासमचांगेरीरसपाय तास-

मघृतमंदाग्निपकाय पुनाचतुर्गुणदधिसोंपकावै सिद्धहोयघृतछाणधरावै कर्षप्रमाणरोगीकोंदेहि वात-
अवरकफकोंहरलेहि मूत्रकृच्छ्रअर्शहोइनाश ग्रहणीपरिवाहिकसुविनाश गुदाभ्रंशअरुशूलअफार दूर-
होहिलषलेमतसार ॥ दोहा ॥ वातजकीचिकित्साकहीभाषीसहितनिदान याकोंसमझैचतुरनरकरै-
उपायपछान इतिवातजसंग्रहणीनिदानचिकित्सानिरूपणम्

॥ अथपित्तजसंग्रहणीनिदानलक्षणनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पित्तसंग्रहणीकहितहोंलक्षणसहितनिदान शास्त्रनमोंजैसेंलिषेतैसेंकरोंवषान चौपई कटुअ-
रुअमलविदाहकषारी इन्हतैंपित्तकोपकरभारी सोऊरोगग्रहणीप्रगटावै अवरअजीरणतेंहोइआवै वि-
ष्टानीलपीतरंगकरै षटेडिकारदुर्गंधअनुसरै कंठहृदयमोहोवैदाह होतअरुचवहुतृष्णाताह इतिलक्षणम्

॥ अथपित्तसंग्रहणीचिकित्सा ॥

दोहा नाशकअग्निजवकोपपित्तताकोलषोउपाय रेचनवमनग्राहीलघूतरतीक्षणवस्तुखुलाय अथचूर्णम्
॥ चौपई ॥ रसांजनधावेनागरलीज कोगडत्वचअरुकोगडवीज अवरमिलावोताहिपतीस सबऔषध-
इकसनकरपीस मधुमिलायतंडुलजलपान ग्रहणीअर्शअतिसारहिंहान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पाठाचि-
त्राकोगडवीज पुननागरतामोधरलीज इसकोकाथवाचूर्णकरै तसोदकसोंपीदुखटरै पित्तजअरुकफज-
ग्रहणीजाय उदरशूलकोनाशकराय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ नसपालसिंगाडेसमपीसावै जलसोंपीवत-
ग्रहणीजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ विल्वगिरीकाचूरणकरै सुंठअवरगुडतामोंधरै तंडुलजलसोंपीवैजोय
मंदअग्निपित्तग्रहणीषोय तक्रभातपथदेवैतास पैत्तिकग्रहणीहरसुखभास अथकृष्णात्रिऋष्युक्तचूर्णम्
॥ चौपई ॥ नागरमुथरसांजणलीज कोगडत्वचअरुकोगडवीज विल्वपाठाधावैजुपतीस पुनलेकौडसम-
लेकरपीस मधुमिलायतंडुलजलसंग पीवैरोगहोंहियहभंग पितग्रहणीगुदशूलमिटावै अर्शप्रवाहि-
करक्तनसावै कृष्णात्रेयऋषिकीनवषान अपनेमनमोंनिश्चयठान अथभूनिंबादिचूर्णम् चौपई ॥ किरा-
यताकौडमुथयहआनो त्रिकुटाइंद्रयवसमलेठानो इन्हतेंदुगुणाचित्रापाय कोगडत्वचलेषोडशभाय यह-
चूरणसूक्ष्मपीसावै षोडशभागतामोंगुडपावै शीतलजलसोंपीवैतास ग्रहणीपित्तकामलाविनाश पांडु-
प्रमेहअरुचज्वरनाशे भूनिंबादिचूर्णगुणभासै अन्यच्च चौपई पाठाविल्वत्रिकुटामुथचित्रा कोगडकौ-
डकिरायतामित्रा दाडिमधावेअवरपतीस सबसमलेचूरणकरपीस सबसमानइन्द्रजवपाय विधिवत-
चूर्णलेजुवनाय पीवैपितग्रहणीहोइभंग मधुमिलायतंडुलजलसंग हृदयदाहछर्दअतिसार ज्वरमंदा-
ग्निअरुचकोंटार ॥ अन्यच्चकिरायतादिचूर्णम् चौपइ किरायतात्रिकुटापिपलामूर मुत्थरचंदनपद्मकचूर
कोगडत्वचाअवरअजवांन कोगडफलपुनत्रायेमान कौडपटोलअवरसुरदार निंवपत्रएलापुनडार-
मिष्टसुहांजणवीजपतीस परपटमूर्वासमलेपीस मधुमिलायचाटेनरजोय अथवाघृतसोंपीवैसोय हृदय-
रोगग्रहणीज्वरजाय पांडुशूलगुल्मनरहाय अरुचकामलाअरुमुखरोग सन्निपातज्वरहरसुखभोग अथ-
चंदनादिघृतम् चौपई चंदनसारवापद्मउशीर पाठामूर्वालेमतिधीर स्योनाकफालसेअवरपटोल विष्णु-
क्रांतमुत्थरनिंवघोल कौडसप्तपरणीपहिचान उदुंवरापिप्पलवटजटआन पिपलामूलपलाक्षमिलावै दो-
दोपलयहऔषधपावै द्रोणप्रमाणजलपायपकाय पादशेषप्रस्थघृतपाय पुनकिरायतामघांजुलेय इंद्र-
यववीरापलपलदेय मंदअग्निकरघीउपकावै चारटांकव्याधीनितखावै पैतिकग्रहणीहोवैनाश वंगसेन-

मतकीनप्रकाश अथमसूरादिघृतम् चौपई मसूरपायजलक्काथकरावै पीसाविल्वघृतपायपकावै घृतपीवेकुक्षिरोगमिटाय ग्रहणीपांडुकामलाजाय अथअन्यच्चमसूरादिघृतम् चौपई मसूरएकशतपलपरिमान पलजुअष्टविलुकरथमिलान एकद्रोणभरजलतिंहपाय मंदअग्निसोंताहिपकाय पादइकशेषरहेजलजवै प्रस्थएकघृतधरातिंहतवै मंदअग्निकरताहिपकावै कर्षप्रमाणनिताप्रतिषावै प्रवाहिकअतीसारसु विनाशै संग्रहणीकोमूलानिकाशै अथकलिंगादिघृतं चौपई कलिंगफलनकोचूरणकरै प्रस्थपायघृतपक्कसुधरै पीवैपित्तजग्रहणीजाय रोगजायनरवहुसुखपाय दोहा पित्तसंग्रहणीकेकहेलच्चणअवरउपाय समझचिकित्साजोकरैताकोसबदुखजाय इतिपित्तसंग्रहणीनिदानोपायौसमाप्तौ

॥ अथकफजग्रहणीनिदानलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ कफसंग्रहणीकेकहेंलच्चणअवरनिदान पुनहिचिकित्साभाषहोंसुनहोपुरुषसुजान ॥ चौपई ॥ भारीअतिसानिग्धजोषावै अतिभोजनअरुशीतलपावै ऐसेभोजनकरजोसोवै ताऊपरकफकुपितहोवै सोऊअग्निमंदकरदेवै दुखकरभोजनताहिपचैवै ताकोंसंग्रहणीहोइआवै भारीहृदाजुसदारहावै छर्दउवाकीहोतीरहै मुखमीठाथुकथुकीसुगहै कफकरसंयुतमुखतिसहाय षांसीपीनसलषियतजोय भारीउदरअरुचहोइजास मिष्टडिकारजुआवहिंतास अंगपीडहोवतरहजाहि इस्त्रीसंगनभावैताहि विष्टाभग्नग्रामकेसंग काचीउतरेहोइमनभंग जद्यपिदेहपुष्टहोइजास तदपिनिर्वलतारहैतास आलससदादेहमेंरहै कफग्रहणयिहलच्चणकहै ॥ इतिकफग्रहणीलच्चणनिदानम् ॥

॥ अथकफजग्रहणीचिकित्सानिरूपणम्

॥ दोहा ॥ कटुकषायअमललवणसेंविधिवतअग्निवधाय कफकीग्रहणीनाशहोइकह्योग्रंथमतगाय ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाहरडयवच्चारकचूर पिपलामूलविजोराधूर सबचूरणसमलेपीसाय सलवणउष्णजलसोंपीवाय कफकीग्रहणीहोवैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ हरडसुंठवचकुठपतीस पिपलामूलविडंगसमपीस अरुमुतथरपीसपायतिंहचित्रा यहचूरणमदरासेंमित्रा अथवातसतोयसंगपीवै नाशकफजग्रहणीकोथीवै ॥ अथक्काथः चौपई ॥ पलासहरडचवकसुनमीता पिपलामूलमघांअरुचीता पाठाधनियांसुठंमिलाय अवरविजोरातामोपाय कर्षकर्षपरिमाणधरावै प्रस्थतोयधरक्काथवनावै पादशेषकाथजवरहै पक्कयवागूनासमगहै प्रातहिंरोगीकोंपीवाय कफग्रहणीनाशैसुखपाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हरडपीपलींपिपलामूल रहसनमरचेंसुंठकचूर पांचोलवणजुदोनोच्चार पुनहिंविजोरापीसोडार यहसमचूरणजलकेसंग पीवैअग्निवधैरुजभंग दोहा कफसंग्रहणीकीकहीसमझचिकित्साजोय त्रिदोषजग्रहणीकोकहोंसन्निजकहियेसोय इतिकफजग्रहणीनिदानलच्चणचिकित्सासमाप्ता

॥ अथत्रिदोषजसान्निपातसंग्रहणलिच्चणनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ संग्रहणीजुत्रिदोषकेलच्चणसमझनिदान भाषसुनावतहोंसकललषहोपुरुषसुजान चौपई सन्निपातत्रिदोषहिआषै तांकेलचणऐसेंभाषै निद्रापार्श्वशूलहोइजाय घटजलधूनवतविष्टाहोय आंद्राजासकूजतीरहै आलसनिर्वलताकोंगहै अडीहुईपतलीपहिचान अरुसनिग्धविष्टातिसमान अरुकटपीडाहोतिरहै कवूपुलवंधजकवुंगहै दशदिनवाषंद्रादिनपाछैं उदरछुटैजानायहआछैं अथवाहो

इइकमासवितीत छुटैपेटकरहोपरतीत दिनकोपैनिशकोहोइशांत निशकोपैदिनशांतिलषांत अती-सारकेचिन्हजुगाहि सोभीलाषियतग्रहणीमाहि यहसंग्रहणीअहैअसाध्य तीनदोषजिसलगीउपाध्य जिन्हलिंगोंकरजोअतिसार होतअसाध्यकियोनिरधार तिन्हलिंगोंयुतग्रहणीजोय जानलहोअसाध्यहैंसोय वहुकालीनग्रहणीलषपरै सोअवश्यनाशतनुकरै दोहा वातापित्तकफतीनकीग्रहणीकरीवखान जिहप्रकारवरणनकरैवैद्यकग्रंथनिदान इतित्रिदोषजसन्निपातसंग्रहणीनिदानलक्षणंसमाप्तम्

॥ अथत्रिदोषजग्रहणीचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ संग्रहणीत्रैदोषकीसुनोचिकित्सातास सोऊसकलवरणनकरोंजैसेंग्रंथप्रकाश अथघृतप्रकारः अथशतावरीघृतम् चौपई ॥ लेशतावरीउत्पलचंदन पद्मप्रियंगूयहदुखकंदन शालपर्णी अवरमघांपतीस तासमिलायकूटकरपीस पाठाविल्वअजमोदमंजीठ जीवंतीकलिंगसुनईठ इंदरयवअरुडारोचित्रा सबसमकूटपीसलेमित्रा इन्हकेकाथमांहिघृतपावै भलेंपकायकर्षभरषावै त्रिदोषजग्रहणीपितअतिसार रुधिरप्रवाहिअर्शकोटार अथचित्रादिघृतं चौपई चित्राहिंगुमघांगजपीपर मरचमुलट्ठीसुंठीतिंहिधर किरायताजीराचवकविडंग अजवायणसैंधाधरसंग त्रिकुटावल्लजवायणजान यवक्षारपुनकरोमिलान यहसबपलपलअर्धपिसावै प्रस्थप्रमाणघीउमोंपावै पुनदशमूलीक्काथकराय क्काथपायघृतअग्निपकाय पुनचांगेरीरसहिंपकावै कर्षप्रमाणप्रातघृतषावै त्रिदोषजग्रहणीशीघ्रनसाय आमरोगकुक्षिरोगमिटाय कृमिमंदाग्निअफारानाशै रोगजांहितनुदुतिपरकाशै ॥ अथमसूरादिघृतम् ॥ चौपई ॥ क्काथमसूरनकोकरलेय विल्वजीरानागरसंगदेय चतुर्थभागजवक्काथरहाय तांकेसमतामोंघृतपाय घीउपकायकर्षभरषावै त्रिदोषजग्रहणीभागीजावै ॥ अथमसूरादिक्काथः ॥ चौपई ॥ प्रथममसूरकाथकरवावै विल्वनागरपुनकलकवनावै कल्कलेक्काथमिलायपिलाय त्रिदोषजग्रहणीभागीजाय ॥ अथगोतक्रगुणनिरूपणं ॥ दोहा ॥ गोकीतक्रकेसभीगुणसोंवरणयोसनभाय जाकेसेवनतैंलषोंसबसंग्रहणीजाय ॥ चौपई ॥ ग्रहणीसंयुतजनहैजोय गोकीछाछताहिहितहोय ग्राहिकदीपनलघुतिसजान सेवनयोग्यसदापरिमान त्रिदोषजसबसंग्रहणीजाय कष्टसाध्यसोऊनरहाय जोऔषधकरहोयनशांत दाहअर्शजोयुक्तलषांत उसकोंतक्रसेवनयोग हरैरोगसमभ्षोंसबलोग ज्योंतृणभारहिंअग्निजलावै ज्योंरविसबअंधकारमिटावै त्योंसबग्रहणीतक्रनसावत वंगसेनऐसेसमभ्फावत ॥ अथतक्रप्रकारः ॥ चौपई ॥ गौअनकोविवरोलषलीजै ज्योंवैद्यकमोंलिख्योपतीजै पीनगायकीतक्रजुहोय वातजग्रहणीहरहैसोय श्वेतगायकीछाछजुलहिये पित्तजग्रहणीनाशककहिये रक्तगायकीतक्रजुजान कफग्रहणीकोकरहैहान कृष्णावर्णत्रैदोषमिटावै विवरोयहगौअनलषपावै गायनकोंवनमांहिचरावै जलपिलायमंदमंदचलावै तक्रहेतुतिन्हगायनकेरो लेयदूधग्रहणीहरहेरो वातजग्रहणीजिहलषपावै काचोदुग्धजमायमथावै पित्तग्रहणीमोंतनकपकाय दहीजमायपुनहिंरिडकाय कफजत्रिदोषजग्रहणीजानै पादहीनकरपयदधिठानै तनकअमलपावैपयमांहि वहुतजागतिसपावैनांहि तक्रहेतुदधिकठिनप्रमान मृदुलदहीपरिमाणनजान अल्पपायजलदधिरिडकावै माषनतासोंभिन्नकरावै सुंठीकोचूरणपीसाय पायतक्रमोंरुजिहिंपिवाय जोरोगीतनुरूषाजानै नेत्रस्वेतपुनतासपछानै तौमाषनसंयुक्तपिलावै सनिग्धतक्रहितकरतिसगावै दिनदिनप्रतीशनैशनैकर तक्रवधावतजायहृदयधर त्योंत्योंअन्नघटावतजावै क्षुधातृषामोंतक्रमिलावै श्रमअ-

रुवहुभोजननहिंकरै क्रोधनकरैनवाहनचडै मैथुनतजैरहैइकसार सेवेतक्रहरैसुविकार संग्रहणीसवशी-घ्रविनाशै यूतहुतेंज्योंलक्ष्मीनाशै जवग्रहणीकोनाशलषावै क्रमक्रमकरतवअन्नवधावै प्रथमहिंक्रमाजि-ह्अन्नघटायो तिसहीक्रमकरत्रवैहैवढायो पथसेवैजुअपथ्यहित्यागै रोगीसदापथ्यअनुरागै पथसेवीकोंत्रि-षजुकराल पचजावतिहैसोततकाल ग्रहणीसंयुतनरजोहोय ज्योंज्योंतक्रसेवहैसोय तक्रतुल्यनहिंअवर-उपाय जातेंसबसंग्रहणीजाय ॥ दोहा ॥ गायतक्रकेगुणकेहैसबहीकह्योप्रकार तक्रसेवनइहयतनकरग्र-हणीमिटेविकार इतिसर्वसंग्रहणीहरतक्रगुणःसमाप्तः

॥ अथत्रिदोषजआमादिसमस्तसंग्रहणीचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथकाथादिउपायः ॥ चौपई ॥ आंवअंवाडाजंवूजान इन्हकोंकाथकरैमतिमान पादशेषज-वक्राथरहावै तंडुलवासमतीतिंहपावै ताहिउवालैमांडवनाय रोगीकोंपरभातखुला-य आमत्रिदोषजग्रहणीजावै रोगजायरोगीसुखपावै ॥ अन्यश्चकाथः ॥ चौपई ॥ अषरोटमूलकीत्वचाउषारै धावैविल्वसुंठितिंहडारै काथकरैशीतलकरपीवै नाशआमत्रिदोषजथीवै ॥ अन्यश्च चौपई ॥ वालाविल्वसुंठीमुथ्रधावै धनियांतिन्हकेसंगमिलावै काथवनाययवागूपाय पीवैग्र-हणीरोगनसाय ॥ अन्यश्च चौपई जंबूदाडिमअवरसिंगाडे पाठावालविल्वकचनारे काथकरैपुनगुडजु-मिलावै भलीभांतकरताहिरलावै पुनमिलायसुंठीजोषाय सवप्रकारकीग्रहणीजाय ॥ अथचूर्णं चौपई अषरोटमूलत्वचभागलेतीन मजीठभागएकलषलीन चूरणकरतंडुलजलसंग कुक्षिरोगसवग्रहणीभंग ॥ अन्यच्च चौपई ॥ हरडवृचत्वचचूरणकरै तक्रसाथपीग्रहणीहरै आमरक्तकोरोगनसावै वंगसेनयोंप्र-गटलषावै ॥ अन्यच्च चौपई ॥ वालाविल्वमधुचूरणमिलाय चित्रापीसछाछमोपाय तिसेछाछमोचूरण-सोय पीवैरोगीग्रहणीजोय ॥ अथकपित्थाष्टकचूर्णम् चौपई ॥ अजवायणनागरपुनधावै पिपलामूल-मरचवचपावै जीराधनियांसौंचलजान दाडिमवीजमघविल्वपछान चतुर्जातकवल्लजवायणपावै यहसमवस्तुत्रिगुणठहरावै मिसरीषटगुणपीसधरीजै कपित्थअष्टपलजानपतीजै चूरणषायजायआतिसा-र च्छर्दईसभीसंग्रहणीटार गुल्मश्वासअरुचअरुकास हिडकीनाशैकीनप्रकाश कपित्थादिकयहचूर्णजान वंगसेनयोंकीनवषान ॥ अथगुडप्रकारःअथकल्याणगुडः॥ चौपई ॥ प्रस्थआमलेरसलेतीन तुलाअर्द्धगु-डलेपरवीन त्रिकुटाजीराचवकविडंग पिपलामूलगजपीपलसंग फालसंअरुअजमोदाजान त्रिफ-लासैंधाजवायणठान पाठाधनियांअरुलेचित्रा यहपलपलप्रमाणलषमित्रा त्रिवीअष्टपलपीसमिलावै मीठातैलअष्टपलपावै सवहीवस्तुइकठ्ठकराय मंदअग्निंताहितपाय अरुत्रिसुगंधजुतासरलीजै स्निग्ध-जुभाजनमाहिधरीजै चारटांकभरनितउठषावै सर्वप्रकारहिंग्रहणीजावै श्वासकासस्वरभेदविनाशै शोथ नपुंसकतारुजनाशै अरुवंध्याइस्त्रीजोषाय पुत्रजनैसुनहोचितलाय ॥ अथमहाकल्याणगुडः ॥ चौपई । पिपलामूलसुंठमघपीपल चित्राधनियांअरुगजपीपल त्रिफलाजीरामौंफविडंग अजमोदामरचजवा-यणसंग पत्रनीलनीलाइचीदोय सौंचलसैंधाविडजुसमोय समुद्रलवणसांवरपीसाय पांचलवणयह-तामोपाय अंमलतासइन्द्रजवपावै दालचीनीतजपत्रपिसावै कर्षकर्षइन्हकोपरिमान द्राक्षालेपल-चारसमान त्रिवीअष्टपलतामोंपावै तैलअष्टपलताहिमिलावै अर्धतुलाभरगुडजुमिला धात्रीफल-रसत्रिप्रस्थरलाय मंदअग्निधरताहिपकावै रुंवलफलसमगुटिकवनावै धात्रीफलवावधीसमान गुटके

करदेवलअनुमान सर्वप्रकारग्रहणीजाय सबप्रमेहहृदवातमिटाय पीनसअरुदुर्वलताजावै मंदअ-
ग्निकरभूषवधावै धातुक्षीणकोधातुबधावत आयुक्षीणआयुरवधावत क्लैनपुंसकताज्वरनाशै इतनेरो-
गहरैसुखभासै वंध्यापुत्रवतीहोइरहै गंधर्वन्यायरूपस्वरगहै यहजुमहाकल्याणगुडजानो अहैरसायण-
निजमनआनो जाकोंरक्तपित्तहृदरोग असननिंवपाठाकरयोग ॥ अथचित्रादिकल्याणगुडः ॥ चौपई
चित्राचवकविल्वजुगिलोय चांगेरीधावैसुनसोय धनियांपिपलामूलमंगाय पाठालोधरइटसिटपाय
कोगडत्वचावीजपुनजान न्हीवेरयहकरोमिलान पंचपंचपलइकइकलेय तोयचतुर्गुणमोंसोदेय अग्नि-
चढायपकावैजास चतुर्थभागजवरहिहैतास आद्रकरसदधिमंडअनावै दाडिमरसपुनताहिमिलावै
अर्धतुलाप्रमाणइन्हजान अर्धतुलापुनगुडातिहठान अर्धतुलापुनजलजुमिलावै शीतलकरयहचूरणपावै
त्रिफलात्रिकुटामुस्थरजान जवायणदोनोजीरेठान चूरणयहपलअष्टजुलीजै सिद्धशीतलगुडमाहिरली-
जै वलअनुसारानित्ययहषावै मंदअग्निसंग्रहणीजावै वातशोथकफज्वरअरुशूल पांडुश्वासकासनिर्मूल
अर्शप्लीहगुल्मयहरोग अल्पकालिचिरकालिअयोग एतेरोगनाशयहकरै पुष्टधातुवलतनुमोंधरै ॥ अथ-
मस्त्वादिकल्याणगुडः ॥ चौपई ॥ मस्तुआरनाललूणकरस अरुआद्रककोरसमेलोतस तुलाअर्धअर्ध-
परिमान तैलअष्टपलतामोठान अर्धतुलातेअर्धजुलेय आंवलेरसतिसमाहिजुदेय अर्धतुला-
गुडजलसमपाय मंदअग्निदेताहिपकाय पकैसुपत्तलासोप्रगटावै तवयहवस्तूपीसमिलावै कोगडकुठर-
सांजनपीस धावेत्रिकुटाचवकपतीस जवक्षारसेंधाचित्राजानो दालहलदपिपलामूलपछानो अर्धअ-
र्धपलयहसबपावै वलअनुसारनिताप्रतिषावै ग्रहणीअर्शश्वासअरुकास गुल्मप्रमेहहृदयरोगविनाश
उदावर्त्तपांडुकफवात इन्हरोगनकोयहकरघात पाचनदीपनयाकोंमानो करतावलअरुपुष्टपछानो
॥ अथकूष्मांडकल्याणगुडः ॥ चौपई ॥ पक्वकूष्मांडअनवावे त्वचावीजतादूरकरावै इकशतपलताको-
परिमान एकप्रस्थघृतमोसोठान ताम्रपात्रमोंपायपकावै मंदअग्निकरयोंलषपावै इकइकपलऔषध-
यहलेय पिपलींपिपलामूलधरेय गजपीपलधनियांकोगडचित्रा सुंठविडंगमरचसुनमित्रा त्रिफला-
अजमोदाअरुजीरा सैंधालवणलखोनरधीरा इकइकपलइन्हकोपरिमान त्रिवीअष्टपलयामोठान
तिलकोतेलअष्टपलपावै गुडपचासपलताहिमिलावै धात्रीफलरसप्रस्थजुतीन पकवावैमंदअग्निप्र-
वीन रुंवलवावधरीफलजान वागुटिकाआमलेप्रमान विधिसोंवासनमांहिरषावै वलअनुसारनिता-
प्रतिषावै ग्रहणीकुष्टअर्शज्वरजाय गुल्मभंगदरपांडुमिटाय हृदकोरोगअफारानाशै उदररोग-
कामलाविनाशै विसूचीअरुप्रमेहइकीस वातजरक्तजरोगहिषीस क्लैहलीमकपाकतनजाय
त्रिदोषजरोगनकोंसुनसाय व्याधिक्षीणवयक्षीणजुकोय अरुइस्त्रिनकरक्षीणजुहोय तिन्हकोंवयअ-
रुयौवनदेय वलअरुपुष्टधातुसुकरेय वंध्याइस्त्रीजोइहषाय पुत्रहोयबहुधासुखपाय ॥ अथ-
बहुशालिगुडः ॥ चौपई ॥ तिक्तात्रिवीविशालाचित्रा मुस्थरसुंठविडंगसुमित्रा कुंभीभषडेहरड-
कचूर पीसइकत्रकरोसमपूर यहसमस्तपलदोदोलेय अष्टपलताहिमिलावेदेय द्वादशपलशूरणतं-
हपाय वृद्धदारुषट्पलसुमिलाय इन्हकोंषंडषंडकरचूर दोयद्रोणजलभीतरपूर मंदअग्निकरक्वाथवनावै
पादशेषरहिवस्त्रछनावै तिंहरसतुलाप्रमाणगुडपाय तनकअग्निधरपुनउतराय पुनयहचूर्णताहिमिलावै
तिक्तात्रिवीजुचित्रापावै मुस्थरएलामर्चपछान तज्जनागकेसरपुनठान दोइदोइपललेचूर्णकरै गुडर-
लायवासनमोंधरै वलअनुसारगुटकासोषाय पथ्यरहैवहुरोगमिटाय वातपित्तकफदोषमिटावै द्वंद्व-

जदोषत्रिदोषहिंजावै संग्रहणीकामलाविनासै कुष्टप्रमेहअर्शयहनाशे पांडुभगंदरतनुतेटारै एतेगु-
णातिसमाहिविचारै वहुशालीइहगुडकोनाम रोगाविनाशैतनुसुखधाम ॥ इतिगुडप्रकारः ॥

॥ अथअष्टपलघृतम् ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटाचूरणकरै पलपलभरप्रमाणउरधरै पलप्र-
माणगुडउत्पलपावै अष्टजुपलघृतताहिमिलावै घृतसोषायप्रीतहृदलाय मंदअग्निअरुग्रहणीजाय ॥
अथविल्वादिघृतं ॥ चौपई ॥ विल्वचवकआद्रकरसचित्रा पीसअजापयमोंधरमित्रा घृततिंहपाय-
पकायषवावै मंदाग्निशोथग्रहणीभगजावै ॥ अथमसूरादिघृतं ॥ चौपई ॥ मसूरतुलाभरकरोक्काथ
प्रस्थप्रमाणपायघृतसाथ यहचूरणजोआगेंकहिये पावैपीसदुखहरलहिये पिपलीपिपलामूलमंगावै
चित्राचवकसुंठपुनपावै इन्हतेंदुगणादुग्धमिलाय मंदअग्निधरताहिपकाय कर्षप्रमाणानिताप्रतिषावै
ग्रहणीअर्शअफाराजावै वलअरुवरणदेहमोंकरै अग्निवधावैयहदुखहरै ॥ अथवृहत्चित्रकच्चारघृतं ॥

॥ चौपई ॥ कंञ्यारीचित्रासातोच्चार इन्हहूंतेंदुगुणाघृतडार पकायअग्निमृदुताकोंषावै तनुके-
रोगअनेकनसावै ॥ अथअन्यविल्वादिघृतम् ॥ चौपई ॥ वालाविल्वमोचरसल्याय मुस्थरइन्द्रयव-
तासरलाय अजादुग्धमोंपायपकावै पीवैग्रहणीरोगमिटावै ॥ इतिघृतप्रकारः ॥ अथमधूकपुष्पासवः ।

॥ चौपई ॥ मधूकपुष्पकारसनिकलावै मंदअग्निकरताहिपकावै चतुर्थभागमधुताहिमिलाय
शीतलकरकैप्रातपिवाय संग्रहणीरुजकाकरहैनाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश ॥ अथमध्वारिष्टआसवः ॥
॥चौपई ॥ नवीनमघांपीपलपीसावै मधुमिलायघटलेपकरावै अगरधूपपुनकुंभहिंदेय मधुअरुजलसोंक-
लसभरेय जलमधुआढकआढकजान पुनयहचूरणतामोंठान अर्धकुडवतिंहपायविडंग एककुडवमघ-
पिपलींसंग पुनयहकर्षकर्षपरिमान औषधचूरणतामोंठान तजअरुतजपत्रलषधीर मरचांकाहीतोखा-
च्चीर गजकेशरएलाअरुचित्रा मुथ्रसुपारीतजवलमित्रा पतीसअवरलषपिपलामूल तामेंडारैयहसमतूल
भूगाडेइकमासपर्यंत पुननिकासलेवैलषतंत मंदअग्निकरआसवकाडे पीवैरागहटैसुखवाडे ग्रहणीअर्श-
शोथज्वरजावै पांडुकुष्टहृदरोगनसावै कफकेरोगनाशसबहोंहि देहअंगसुंदरअनिसोंहि अथअन्यश्च ॥
मधूकपुष्पासवः । चौपई ॥ मधुकपुष्पद्रोणभरआन तातेंअर्धविडंगपछान तिसतेंआधोचित्रापाय भि-
लावेआढकताहिमिलाय तहांमंजीठअष्टपलपावै द्रोणतोयमोंताहिपकावै शीतलकरआढकमधुपाय
पुनयहधूपकुंभदेवाय एलाचंदनअगरपछान अरुमृणालयहधूपप्रमाण धूपदेयसबघटमोपावै मासएक-
भूगाडधरावै पुननिकासआसवकढवाय वलअनुसारपीयसुखपाय ग्रहणीस्थूलरोगपरमेह कुष्टथिंमशो-
थहरएह रक्तपित्तरुजहोवैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथदशमूलासवः ॥ चौपई ॥ दशमूलहलद-
जुवहेडेजीरा पांचपांचपललेसुनवीरा दोदोपलइन्हकोपरिमान पुनयहचूरणतामोंठान
प्रियंगूपुष्पमंजीठापिसाय मधुकालोध्रदोदोपलपाय घटमोंसबपावैलषतंत भूमिधरैअधमासप्रयंत
मंदअग्निआसवनिकसाय वलअनुसारपीयसुखपाय यहदीपनरक्तपित्तकोंहरै ग्रहणीमंदअग्निहतकरै
हृदयरोगकफरोगअफार पांडुरोगयहदूरनिकार ॥ अथपिंडासवः ॥ चौपई ॥ मघांवहेडेगुडयह
आन प्रस्थप्रस्थइन्हकोपरिमान प्रस्थएकजलमोंयहपावै इकमासकुंभयवमध्यरषावै मदअग्निकरआस-
वलेय पीवैरोगअनेकहरेय ॥ इतिआसवप्रकारः ॥ अथलोहसारकल्पः ॥ चौपई ॥ स्वरणमा-
च्छीमनसिलपीसावै सारलोहपरलेपलगावै अग्नितपायतक्कमोंडार ऐसेंपुठदेवेवहुवार ऐसेंमृतक-

लोहजवहोय पुनचूर्णकरलेवेसोय जोलोहापलअष्टप्रमान तैलजुघृतइकइकपलठान त्रिफलेकोरस-लेपलचार तक्रअमलपलचारोचार कर्षकर्षऔषधयहशाय तिन्हकोकहौंतोहिसमभाय त्रिकुटाअ-जमोदाजुकनेर विडंगलवणसेंधापुनसेर तिन्हमोंपिपलामूलमिलावै सबरलायकरषरलकरावै गुटका-बांधेवलअनुसार रोगीषावैनित्यनिहार ग्रहणीअर्शशोथमिटजाय प्रणामशूलहरअग्निवधाय ॥ अथअपराजितअविलेहः ॥ चौपई ॥ पतीसअर्धपलकूटोआन कोगडदोपलकरोमिलान भंगरामूल-कर्षइकलेय कूटप्रस्थजलमोंसोदेय पकायपादशेषजोरहे बकरीदुग्धसप्तपलगहे तामोंपायपुनहिंपक-वावै दुग्धचारपलतहांसुकावै पलत्रैदूधराषउतराय तामोचूरणपीसमिलाय सुंठइंद्रयवंमुथरपतीस अ-र्द्धअर्द्धप्रमाणलषीस कांजीअमलसोंचाटैतास अजादुग्धपुनपीरुजनाश ग्रहणीअतीसारयहनाशैं वि-नारोगअंगसबभाशैं ॥ अथक्षारप्रकारः ॥ अथभल्लातकक्षारः ॥ चौपई ॥ भिलावैत्रिफलापांचोलून तीनतीनपलगहेनऊन गृहकोधुआंदोइपलआन सबमिलायकरकठेठान जंगलीगोहनसाथजलावै घृतसोंपानकरेदुःखजावै ग्रहणीपांडुहृदरुजअरुशूल गुल्मउदावर्तहोइनिर्मूल ॥ अथदुरालभक्षारः ॥ ॥ चौपई ॥ दुरालभाअवरकरंजुसंगाय सप्तपर्णिपुनकोगडपाय वरचमैनफलमूर्वाल्याय पाठाअ-मलतासतहपाय यहसमचूर्णकरैवनाय गूत्रसाथगुटकाजुवंधाय गोहनसाथदगदकरसोय दुग्धसंगपी-जैसुखहोय ग्रहणीजायपुष्टवलथीवै दुरालभाक्षारयहनामकहीवै ॥ अथभूनिंवादिक्षारः॥ चौपई ॥ भूनिंवरोहिणीतिक्ताआन पटोलनिंवपापडाठान महिषिमूत्रसोंपीसमिलाय दग्धकरैसंगदुग्धपिलाय अग्निवधैग्रहणीहोइनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथद्विहरिद्रादिक्षारः चौपई ॥ दोनोहलदीवरचमं-गावै चित्राकौडकुट्टसुमिलावै मुथरयहसमचूरणकरै वत्समूत्रमेलकरधरै दग्धकरैपुनषावैसोय मंदअ-ग्निग्रहणीकोखोय ॥ अथमहाक्षारः॥ चौपई ॥ दशपललीजैयवकोक्षार दुगुणातामोंसेंधाडार त्रिवी-भिलावैचित्राजान त्रिफलातजइकलवणसमान थोहरअर्कदुग्धपुनलेय घृतअरुतैलइकत्रकरेय प्रस्थप्र-स्थइन्हकोपरिमान चूरणइन्हमोंकरैमिलान दग्धकरैपुनजलसंगपीवै वलअनुसारषायसुखथीवै ग्रह-णीगुल्मअर्शक्रमनाशै रोगजांयतनुदुतिपरकाशै ॥ अथवार्ताकक्षारगुटिका ॥ चौपई ॥ थोहरदंडचार-पलआन त्रिफलालवणत्रैकुडवसमान अर्कजुचित्राउरलालीजै गोहअग्निदग्धयहकीजै कंड्यारीरससों-गुटकाकरै भोजनांतसेवैसुखवरै भुक्तअन्नपाचग्रहणीजावै श्वासकासपुनअर्शमिटावै हृदयरोगविसू-चीनाशै पीनसहरैतनुसुखपरकाशै समस्तजातिसंग्रहणीजेती कहीचिकित्सासबकातेती ॥ दोहा ॥ सं-ग्रहणीकेरोगकीकहीचिकित्सएहु भाषोंपथ्यापथ्यअवसोचितसोंलषलेहु इतिसंग्रहणीरोगचिकित्सास-माप्त

॥ अथसंग्रहणीरोगेपथ्यापथ्यअधिकारानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ संग्रहणीअतिसारमोंभेदअल्पकरजान तौभीपथ्यापथ्यतिससमभ्फोकरोंवषान ॥ अथपथ्यम् ॥ चौपई सठीबासमतीजुपुरानी इन्हकेतंडुलहैंसुखदानी निद्रालंघनछर्दकरावै मुंगमसुरतूंवीरसषावै लाजामांडसजरानवनीत सजरीतक्रदहीसुनमीत माषनअजादुग्धकोंजानो तुरतनिकाल्योहोइसोमा-नो गोकामठानिकास्योमाषन बकरीदुग्धजहीरुजनाशन तैलतिलोंकोवकुलअनार शालुकंदसंगरीकच-नार कदलीपुष्पअवरफलजान जामननिंबअफीमप्रमान कपित्थदड्डूनीजाइफलजानो जीराधानियांलू-

णकमानो लवाससातीतरकोमास हरणचुद्रमत्सपथतास इन्हमासनकोरसनिकलावै संग्रहणीमोंपथ्य-
धरावै ॥ दोहा ॥ दोइअंगुलीतलनाभिकोऔरत्रिकुलमंझार शस्त्रतपायजुदागदेअर्धचंद्रआकार.

॥ अथसंग्रहणीअपथ्यम् ॥

॥ दोहा ॥ अपथ्यसंग्रहणीकेकहोदेषेग्रंथविचार व्याधीइन्हकोनाअचैतौहोइरहितविकार ॥ चौपई ॥
जागरणमैथुनवहुजलपान रुधिरमोचअरुधूमरपान श्रमअंजनवेगनकोरोकन विष्ठामूत्रादिकजोरोधन
कनकरवांहिमाषयवकेऊं कूषमांडतूंवीलषतेऊं षषडीमधुसुहांजणाजानो कंदसमस्ततांवूलपछानो
इचुवेरअरुआंवसुपारी दुग्धनवीनगुडतासकंच्यारी पत्रशाकवृंताकनलेर द्राचअमलतजिपहितहेर
इटासिटवहुतलवणसुनलीजै भारीअन्नवस्तुजुकहीजै स्वेदविरुद्धभोजनकरहान अपथ्यजुसंहग्रणीके
जान ॥ दोहा ॥ संग्रहणीकेपथअपथभाषेसुगमवनाय पथ्यगहेत्यागैअपथसोव्याधीसुषपाय ॥ दोहा ॥
ग्रहणीरुजवरणनकियोप्रथमहिकह्योनिदान मध्यचिकित्सावरणनकैपथ्यापथ्यवषान

॥ अथसंग्रहणीरोगकर्मविपाकः ॥

॥ अथसंग्रहणीदोषकारणउपायनिरूपणम्

अथकारणम् ॥ चौपई ॥ जोअत्यंतलोभअनुसार धनसंग्रहकरनेकप्रकार देवपितृअर्थनहिदेवै अ-
रुपरगौभूकोंहरलेवै अरुविनदोषस्वभार्यात्यागै ताकोंसंग्रहणीदुखलागै ॥ अथउपायः॥ चौपई ॥ चा-
रद्वारकोसदनवनावै चारकलशवहुद्वारधरावै चंदनसोंगृहसिंचनकरै मध्यतासहरिमूरतधरै स्वर्णमयी-
लक्ष्मीनारायण करैविराजमानअघघायण विधिवतपूजैप्रीतलगाय पीतपट्टअवरउढाय विष्णोरराट-
मंत्रकेसंग हवनकरैमनधारउमंग अरुनवीनगोवत्सासाथ करैदानलषलेयहगाथ चावलसठीकेजुमंगा-
वै तिलगोधूममुदगअनवावै मसुरकलायसर्षपाआन यहसबविप्रनदेवैदान देयसमूर्तिविप्रवरताहीं
संग्रहणीतेंमुक्तिलषाहीं ॥ दोहा ॥ संग्रहणीकेदोषकोकारणकह्योउपाय अर्शरोगवरणनकरोंकर्मविपाक-
लषाय ॥ इतिसंग्रहणीरोगनिरूपणंसमाप्तम् ॥

॥ अथसंग्रहणीरोगज्योतिषः ॥

दोहा ॥ जन्मलग्नसोंछठैघरचंदपडैगोजास अथवाहोवेचीणवलदशाभिहोवेतास कारणतिहउसजीव-
कोंसंग्रहणीआइवरेह चंद्रमाकीशांतिनिमितनरउपायसुकरेह उपायः तिलघृतलकरीयारकीहवनकरन-
हैयोग्यदधिसुतकीपूजाकरैभावभगतिसंजोग्य व्राह्मणकोंफुनयथाविधिभोजनखीरखुलाय मोतीधारण-
देहमोंशंखदानद्विजदाय पंचगव्यगजमदफटिकअरुनीलोत्पललेय सिपीपावेनीरमोंतिहनरस्नानकरेय
॥ इतिज्योतिषम् ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाश भाषायां संग्रहणीरोगाऽधिकारकथनं-
नामएकोनपंचाशत्तमोऽधिकारः ॥ ४९ ॥

॥ अथअर्शरोगनिदानादिनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अर्शरोगवरणनकरोंसंयुतसकलनिदान सहिताचिकित्सापथअपथसुनहोपुरुषसुजान
॥ दोहा ॥ प्रथमनिदानवषानियोशस्त्रानकेअनुसार अर्शहिंकोंववासीरकहिंसोऊषटपरकार

॥ अथसामान्यअर्शनिदानलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ छटीकलाजोग्राहणीदोषकुपिततिहहोग दोषकुपितहोतहैअर्शरोगकोयोग ॥ चौपई ॥ वातपित्तकफकुपितजुतीन मेदमांसत्वचदुखितसुकीन तातेंहोतजुअर्शविकार अंकुरउपजितनेकप्रकार अर्शनामववासीरकहीजै अरुजुमवेसीनामभनीजै सोयमवेसीषटपरकार भिन्नभिन्नसोंकरोंउचार एक वातअर्शपहिचानो दूसरपित्तअर्शमनआनो तीसरअर्शकफजकरकहिये चातुर्थिकसन्निपाततेंलहिये सन्निपातत्रिदोषहिंजान वातपित्तकफकठेमान पंचमअर्शसुरक्तविकार परमपरापरषटसुविचार शंख-ग्रीवन्याईवलतीन गुदामध्यहोवैलषलीन तहांअर्शचिन्हयोंजानो ग्रंथनिदानकह्योसुपछानो महुके-मांसमाहिसोकरें यातेंअर्शनामविस्तरें

॥ अथगुदाअनुसारअर्शप्रकारः ॥

॥ चौपई ॥ स्थूलआंद्रोंकेसाथजुवांधी गुदासार्धपांचअंगुलिसांधी वलजोतीनतासकेकहिये अंतरअर्धअर्धअंगुलिलहिये इकवलकोंपरिवाहनिजान दूसरिनामविसर्जनिमान तिसरीनामसंवर्णीहो-य तीनोवलयोंजानोसोय जोप्रथमेंवलकेमंझार महुकेअल्पकालसंचार अरुजोअल्पउपद्रवसंग औष-धतैसोहोवैभंग अरुजोगाढेउछ्रुतजाने क्षारनसोंतिन्हकोंहतठाने कर्कशकठिनपुष्टवडलहिये अग्निकर्म सोंनाशकरैयें उछ्रुतअग्रसूक्ष्मजिन्हमूल शस्त्रकर्मसोंहोइनिर्मूल जोकफवातहुतेंप्रगटावैं क्षारअग्नि-सोंदूरकरावैं रक्तपित्तकरजोप्रगटांहि केवलक्षारहुतेंवहजांहि वाहरवलकीअर्शसुसाध्य मध्यमवलकी-कष्टतैंसाध्य अंतरवलकीजानअसाध्य प्रारब्धकर्मतेंहोवैसाध्य अर्शरोगहोइवहुअस्थान नासाकर्णलिं-गमोजान गुदानाभिमेंहोवतसोय कहोंसरूपजुतिन्हकोजोय कोमलगंडोयोंकीन्याई अरुसनिग्धवि-नगुदालषाहीं लेपतैलजोआगेंकहै यहीचिकित्साइन्हकीअहै नासातैंजुप्रगटहोइआवे चिकित्साश-स्त्रकर्मकहिगावैं ॥

॥ अथअर्शसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ होतत्रिवलजोगुदामंझार वहिरमध्यअंतरानिरधार वाहरलेवलमहुकेजोय एकदो-षतैंजानोसोय वर्षांतरजुउपजितेजान यहसुखसाध्यकह्योपरिमान

॥ अथकष्टसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोवलमध्यहिंमहुकेजानै वर्षदूसरअंतरमानै याकोंकष्टसाध्यपहिचान प्रगटवषा-न्योग्रंथनिदान द्वंद्वजदोषहुतैंप्रकटात कष्टसाध्यतिसतैंजुकहात

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अर्शसहजजिहनरकोहोय अरुत्रिदोषतैंजानोसोय अंतरवलमोंमहुकेजान वहु वर्षनतैंउपजेमान ताहिनिदानअसाध्यवषानै इहप्रकारलषलेहुस्यानै

॥ अन्यप्रकारअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हस्तपादमुखनाभिमंझार गुदावृषणमोंलषनिरधार इन्हठौरनमोंसोजापरै सोअ-साध्यनिश्चयमनधरै हृदयअवरपार्श्वोंमोंशूल पकैःगुदाज्वरनाशनमूल इन्हलक्षणाकरकह्योअसाध्य के-तकअवरउपद्रवव्याध अंधवधरतालोचनश्राव पीनसनजलाकोपरभाव मोहतृषाअरुछर्दविकार अ-वरअरुचअंगपीडनिहार मुखदुर्गंधशिरपीडाकास गुणगुणवचनकष्टयुतश्वास अरुगदगदवाणीकों-कहै रसनारसकोऊस्वादनलहै गंधज्ञाननासानहींहोय यहलक्षणलाषियतहैंजोय तांकीशीघ्रचिकित्साकरै मततिसकोंयमआयनवरै ॥ दोहा॥ अर्शनिदानवषानियोजैसेंशास्त्रप्रमाण षटप्रकारवरणनाकियोजा-नोपुरुषप्रधान ॥ इतिअर्शरोगनिदानंसमाप्तम्

॥ अथवातअर्शनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ भोजनकटुककसौलाजोय रूषाअतिशीतलपुनहोय अतितीक्षणअरुमदरापान अतिमै-थुनकरनेंतेमान अतिभोजनलंघनतेंमानो शीतलदेशवासतेंजानो शीतलपौषमाघजोकाल इसतेंभी-होइअर्शकुचाल अतिआतपअतिवातसपर्श शोकव्यायामहुतेंलषअर्श वातअर्शकोयहीनिदान सम-झलहोहोपुरुषसुजान

॥ अथवातजअर्शलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातअर्शजाकोंहोइजवै गुदमहुकेसूकेहोइतवै मलनअवरचिचडीआकार श्यामरंग-कछुलालनिहार करडेपहुरेकैसेहोय गोजिव्हाइवजानोसोय अवरककोडैफलवतजान होंहिपरसपरभि-न्नलषान वक्रसुहोंहिफुटतमुखलहियें विंवाफलषजूरवतकहियें वेरकपासफलनआकार होवैसोऊकि-योनिरधार कोईइकआचार्यकहै कदंवपुष्पकीन्याईलहै कोइइकसरसोंवीजसमान भाषतहैंयोंलषो-सुजान ॥ वातअर्शपूर्वरूपम् ॥ वातअर्शमोंऐसेंजानो शिरकटिऊरूपीडामानो पार्श्वअवरमुंहडेजोदोय चूलेइन्हमोंपीडाहोय श्वासकासहृदरोधलषावै होयअरुचडिकारवहुआवै शब्ददुहूंकाननमोंहोय प्रवाहिकविष्टारवसोंवोय कवहूंवद्धविष्टाहोइजान देहत्वचारंगश्यामलषान नखविष्ठाअरुमूत्रजुतीन श्यामरंगहोइलषोप्रवीन नेत्रवक्रहोइजावैंतास गुल्मजुल्लिफउपद्रवभास वातअर्शकोकह्योनिदान पि-त्तजआगेकरोंवषान

॥ अथवातजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वातजमोंसनेहकोपान रेचनवमनधूपपरिमान अरुछेदनलवणादिकक्षार सोऊचार सुनकरोउचार ॥ अथलवणादिक्षारः ॥ चौपई ॥ लवणअर्कपत्रतिलतेल अमलदग्धकरयहसबमेल म-ध्यसंगवाउष्णजुतोय अथवाअमलसोंपीवैसोय वातजअर्शहोयहैनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश

॥ अथपित्तअर्शनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ भोजनकटुकअमलतेंजान लवणउष्णअतितीक्षणमान अग्निअवरआतपवहुसेवै वहु-व्यायामहुतेंलषलेवै अवरविदाहिअन्नजुपान तांतैकुपितपित्तकरमान उष्णदेशकालतेंजानो क्रोधअ-वरईर्षातेंमानो अरुमदपानहुतेंभीजान योंभाष्योंहैपित्तनिदान

॥ अथपित्तार्शलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तपीतरंगमहुकेजास अवरनीलरंगकृष्णप्रकास जलौकामुखशुकजिव्हान्याई यकृतखंडवततासकोगांई सूक्ष्मकोमलमहुकेजाने रक्तश्रावतिन्हतेंनितमाने दाहपाकज्वरस्वेदअपार मोहतृषामूर्छाजुविचार हरितपीतत्वचनखजिसहोय पित्तजलक्षणजानोसोय

॥ अथरक्ततथापित्तअर्शएकसमरूपनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ महुकनतेंवहुरुधिरप्रवाहि चलतोरहैलषोयोताहि कीलीन्यायहोयआकार अरुवटअंकुरन्यायनिहार अरुफलगुंजामुंगकीन्याई लालरंगतिन्हकोलषपाई आकृतपित्ततसपहिचानो अरुगाढीविष्टासीतलमानो रुधिरसदैवचलावतरहै रोगीवर्णमीडकसोलहै होयहीनवलविनउत्साह इंद्रयशक्तिहीनहोइताह कंठअवरविष्टाहोइकाली अथवाअग्निवर्णहोइलाली अधोवायुताकोनहिंआवै रक्तअर्शअसरूपलषावै

॥ अथद्वंद्वजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोकटिउरूपीडाहोय वातरक्ततेंजानोसोय श्वेतपीतसनिग्धविष्टाऊ गुरुअरुशीतलहोवतताऊ अवरासिथलतातनुमोंरहै मिलतरक्तकफलक्षणकहै रक्तपित्तकफरूपपछाने यातेंरूपनभिन्नवषाने ॥ इतिरक्तपैत्तिकअर्शरूपनिदानम् ॥ पैतिकअर्शहिंरेचकरावै वालाअरुआद्रकरसल्यावै अथवामधुतंडुलजलपीवै पैतिकअर्शजायसुखथीवै

॥ अथरक्तपित्तअर्शचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ चंदनअरुकिरायताआन धनियांतिक्ताजुआंहांठान इन्हकोकाथकरैजुवनाय पीवैरक्तअर्शमिटजाय ॥ अन्यच्च चौपई दालहलदत्वचनिंवउशीर काथकरैपीवैमतधीर रक्तपित्तअर्शमिटजावै वंगसैनयोंभाषसुनावै ॥ अन्यउपायः ॥ तिलनवनीतमिलायजुषाय रक्तअर्शतांकोमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ नागकेसरकोचूरणवनावै माषनषंडरलायजुषावै तांकोंरक्तअर्शनरहावै वंगसेनमतयाहिसुनावै ॥ अन्यच्च ॥ रसोंतदहीमोंघोलपिलावै नाशअर्शरक्तहोइजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अपामागचूर्णकरलीजै तंडुलजलसोंपानसुकीजे पानकरैदिनतीनप्रमान रक्तअर्शकीहोइहैहान ॥ अन्यच्च ॥ कमलफूलकोकेसरलेय मधुनवनीतमिलायकरदेय पद्मकेसरवामिसरीसंग षावैरक्तअर्शहोइभंग अन्यच्च ॥ चौपई ॥ वलापृष्टपर्णीयहदोय दुग्धकचेसोंपीवेजोय वामसूरमुंगकरकाथ पीवेइन्हअनुपानसाथ भोजनवासमतीकोकरै वाकोद्रमतंडुलपथधरै सांउककेचावलवाषावै साथअमलरसनितभुगतावै अथवालवाहरणजुवटेर सहामांसवासाथहिंहेर अर्शरक्ततासमिटजाय औषधपथयहकह्योसुनाय अथलेपः ॥ ज्योतिष्मतीकेवीजपिसावै जलसोंलेपअर्शपरलावै अथवात्रिकुटाभलेंपिसाय नवनीतमिलायलेपसोलाय रक्तअर्शकीहोइहैहान लेपकहैयहग्रंथप्रमाण ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई मंजीठमोचरसचंदनआन उत्पललोध्रतिलहुसमान चूरणअजादुग्धसोंपीवे रक्तअर्शनाशतवथीवै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कोगडत्वचाफलअवरपतीस मधुरसोंतसमलेकरपीस तंडुलजलसोंपीवैतास रक्तअर्शकोहोईनाश

॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पाठाविल्वजवायणआन सुंठइंद्रयवरसौंतपछान यहसमचूर्णषावैजोय वातरक्तअर्शकोंषोय ॥ अथघृतप्रकारः ॥ अथकुटजादिघृतं ॥ चौपई ॥ कोगडफलनीलोत्पललोधर धावैअरुपावोगजकेसर यहसमचूर्णघृतजुमिलाय मंदअग्निसौंतनकपकाय षावैअर्शरक्तहोइनाश शूलउदरकाकरैविनाश ॥ अथशतपुष्पाघृतं ॥ चौपई ॥ शतपुष्पाअरुभषडेआन वलादालहलदपुनठान पृष्टपर्णीवटजटामंगावै रुंवलपीपलजटामिलावै नागरयहदोदोपलजान. चारप्रस्थभरकाथप्रमान प्रस्थएकघृततामोपाय कर्षकर्षयहवस्तुरलाय जीवंतीमघमरचांलेह कौडकलिंगचंदनलषएह देवदारुचित्राअरुकेसर फूलशाल्मलीविल्वगिरिमुस्थर मंजीठमोचरसअवरपतीस शालपर्णीप्रियंगूपाठापीस जलकेकमलअवरथलकमल कब्यारीलघुभूआमलीकायफल लूणकरसदोइप्रस्थप्रमान घृतसाधैपुनकरहैपान त्रिदोषअर्शशोथमिटजावै शूलप्रवाहीरक्तजघावै मंदअग्निगुदअंशविनाशै रोगजायतनुसुखपरकाशै ॥ अथमहाचांगेरीघृतं ॥ चौपई ॥ वटरुंवलपिप्पलपहिचान वैंतपलचवदरीउरआन इन्हकेकोमलपत्रमंगावै तीनतीपलतोललषावै सौंफआठपलपुनठहराय दालहलददोयपलपाय दोयपलशालिपर्णीकोंलेय दोयपलकालशाकतहदेय यहसबकठेकरैसुजान दोयद्रोणजलपायपकान पादशेषतायरहैजवै आढकअर्धघृतपावैतवै चांगेरीरसघीउसमान अरुरसअमलघीउसमठान अन्नअन्नभरयहपुनपाय देवदारुमुस्थरसमभाय चित्राविल्वगिरीवचठान मघांकायफलआद्रकमान चंदनपिपलामूलरलावै कौडप्रियंगूपीसमिलावै हरडपतीसकोगडकेवीज फूलशाल्मलीयहलेपलीज यहसबपीसमंदाग्निरकावै वलअनुसारनिताप्रतिषावै रक्तअर्शज्वरप्रदरविनाशै वातगुल्मशूलकोंनाशै रक्तपित्तपरवाहीजावै अतिसारकृमछर्दमिटावै अरुचअरुपांडुहरैपुनकास मधुसोंपीवैअग्निप्रकाश पुत्रजनैजोवंध्याषावै तनुमोवलवीर्यप्रगटावै अर्शसन्निपातकोजाय वंगसेनमतकह्योसुनाय । अथकुटजअविलेहः शतपलकोगडत्ववामंगावै द्रोणएकजलपायपकावै अष्टमभागरहैजलजवै वस्त्रनछनायलेयसोतवै पुनयहऔषधपीसरलाय इकइकपलपरमाणधराय मुस्थरलोधरअवरमिलावै त्रिफलात्रिकुटाचित्राधावै अवरमोचरसवायविडंग कोगडवीजवरचधरसंग पतीसाविल्वकैंथफलपाय गुडपलतीसकुडवघृतथाय अरुमधुकुडवप्रमाणमिलावै मेलसभीअविलेहवनावै नितचाटैनिजवलअनुसार रक्तअर्शत्रिदोषजटार अम्लपित्तअतिसारनसावत पांडुअरुचग्रहणीकोघावत कासशोथकांमलाविनाशै मधुघृततक्रअनुपानप्रकाशै ॥ अथचित्रकादिभल्लातकअविलेहः ॥ चौपई ॥ चित्रात्रिफलामुस्थरमान पिपलामूलचवकपुनठान गजरीरलउत्पलजुगिलोय कुठेरकअपामार्गलषसोय दोयसहस्रभिलावेआन षंडषंडकरकरोमिलान एकद्रोणजलमौंसबपाय मंदअग्निधरताहिपकाय पादशेषजवजललषपरै छाणलोहवासनमौंधरै लोहसारचूर्णरेतावै अर्धतुलाभरताहिमिलावै दोयकुडवघृतपायरलाय पुनत्रिकुटादिकऔषधपाय त्रिकुटाचित्रात्रिफलाआनै सेंधाविडसांभरतहठानै सौंचलवायविडंगमिलाय पलपलयहसबऔषधपाय दालहलदइककुडवप्रमान शूर्णअष्टपलतामोठान मंदअग्निसोंताहिपकावै शीतलकरमधुकुडवरलावै चाटैनितनिजवलअनुसार अर्शरुजग्रहणीपांडुविडार अरुचगुल्मकृमिपथरीजाय शूलप्रमेहनाशकरवाय जराविनाशैत्रहुवलहोय सबरुजहरजुरसायणसोय ॥ अथक्षारसूत्रं ॥ चौपई ॥ थोहरअर्कदुग्धमंगवावै मालहकंगुणीत्रिफलापावै दंतीअवरमिलावैआन कोशातकीजुचित्राठान अरुसैंधासबसमघृतलेय सबइकठेकरभलैंरलेय तिसकेवीचसूत्रजुभिगोय महुकनऊपरवांधेसोय

अरुतिंहऊपरलेपलगावै मट्ठुकेमूलहुतेंगिरजावै ॥ अथक्षारविधिः ॥ चौपई॥ श्रेष्टनक्षत्रमेंनिरगुंडीआन विधिसोंताहिजलावैस्यान कुडवप्रमाणभस्मसोकीजै पुनआढकनिरगुंडीलीजै द्रोणएकजलमोसो-पावै तासक्काथविधिसोंकरवावै अष्टमभागरहैजोशेष छाणभस्मजुमिलायविशेष शंखचूरणकुडव-प्रमान तांहीमोसोकरोमिलान पुनसोमंदअग्निजुपकावै सघनहोययहऔषधपावै सर्जीअवरआनय-वक्षार सुंठमरचमघपीपरडार वचाचित्राविडलूणपतीस अष्टअष्टपलमेलोपीस पुनलोहेकेवासनपाय याकोंअग्निसमानलषाय अगस्तऋषीयहभाष्योचार इसकरअर्शगिरेंलषसार ॥ अथअभयारिष्टम्॥ ॥ चौपई ॥ अर्धप्रस्थजुभरहरडेलेय प्रस्थआमलैतामोंदेय दशपलकैंथजुताहिमिलाय इंद्रवारुणीपांच-पलपाय मरचमघांवालाजुविडंग एलालोध्रदांदोपलसंग चारद्रोणजलपायपकावै पादरहैगुडद्विशतप-लपावै सबमिलायघृतवासनपाय अर्धमासपर्यंतसुरषाय ताउपरंतयथाबलषावै अर्शपांडुग्रहणीकोंघावै कुष्टअवरसितकुष्टविनाशै प्लीहगुल्मशोथक्रमनाशै अरुचकामलाज्वरकोंघावै राजयक्ष्मकोरोगमिटावै पलपरिमाननित्ययहषाय सबहीअर्शदूरहोइजाय

॥ अथकफअर्शनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ भोजनसधुरसनिग्धतेंकहिये शीतलअमललवणगुरुलहिये अरुवहुवैठणतेंहोइसोय दिनकेसोवनतेंभीहोय शय्याआसनवैठनप्रीत तांकोभीहोवतसुनमीत कफनिदानयहभाषसुनायो आगेसन्निजअर्शदिखायो

॥ अथकफअर्शपूर्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ मट्ठुकेगुदमोंहोवतघनै पुष्टवडेजुथूलयुतभनै नीलवर्णपीडामंदसंग षुरकसहितहोवैं-मनभंग पनसअवरकरीरफलन्याईं स्पर्शप्रयहोवैतिन्हताईं अरुगोअस्तनइवआकार कासश्वासह्ल-द्राधविकार गुदानाभिनाभिकेनीचें पिच्छीलगीरहैतिन्हवींचें होइप्रसेकमुखगुदामेंझार होयअरुच-पीनससुविचार कृछ्रप्रमेहशीतज्वरहोय शिरभारीनिजजानैसोय होयनपुंसकतातिसमानो मंदअ-ग्निपुनछर्दपछानो आमविकारहुकेजोरोग होवतहैतिसकोंलहेंलोग मिंझअवरकफघृतकीन्याईं होवत-हैचिष्टातिसताईं विष्टामूत्रपीतरंगमानो रंगनखनकेपीतपछानो वक्रनेत्रताकेहोइजावै रूपअर्शकेकफको-योंगावै यहसबलक्षणपैयेजहां सन्निपातरूपलषतहा

॥ अथकफअर्शचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफजअर्शजामोंलषपावै आद्रककाथताहिपीलावै तोलाअदरकवजनसंगाय वतीसतोलेतिहमोंजलपाय अग्निमंदसोताहिपकावै चाररहैतौतांहिपिलावै ॥ इति ॥

॥ अथसन्निपातअर्शनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ जोयहसवकेकारणकहे इन्हसमस्ततेंहोवतलहे सन्निपातअर्शयोंजान अर्शपूर्वरूप-योंमान ॥ अथअर्शरोगसामान्यपूर्वनिरूपणं चौपई ॥ अन्नपचनहिनिर्वलहोय कुक्षिनमोंगुडगुडरवजोय कृशतावहुडिकारतिसआवत जांघोंमोंपीडालषपावत विष्ठाअलपहोतहैजास ग्रहणीपांडुशंकारहैतास

॥ अथअर्शभेदचर्मकीलनिदानं ॥

॥ दोहा ॥ श्लेष्मनामाकफकह्योमिलेव्यानजोवात दोनोमिलाविधएसीकरैगुदमोंकीलउपजात ॥ अथलक्षणं ॥ चौपई ॥ वातजरूक्षसपीडाजानो पित्तजरक्तकृष्णरंगमानो स्निग्धग्रंथियुतकफजसुकहिये देहसवर्णवरणतिसलहिये

॥ अथसहजअर्शलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अर्शात्रिदोषजलक्षणजेऊ सहजअर्शमोजानोतेऊ

॥ अथसर्वअर्शरोगसामान्यचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ कृष्णसर्पउष्ठरवराह जंवुकअरुविडाललषताह इन्हकीमिंझएकठीकरै ऊपरअर्शधूपयहधरै अर्शरोगशांतिहोइतास अवरधूपसुनकरोप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सर्पकंजुअरुनरकेकेश विडालचर्मभाषैंचिकतेश जंडिपत्रअर्ककोमूल यहसबवस्तूंकरसमतूल धूम्रअर्शकोंदेवैतास सुखउपजैरुजकोहोइनाश ॥ अथलेपनं ॥ चौपई ॥ कोशातकीहलदसुनर्लाजै लवणदुग्धथोहरसंगकीजै पीसमूत्रगोसंगमिलाय अर्शऊपरहीलेपलगाय अर्शरोगनाशहोइजावै अवरलेपसुनभाषसुनावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मघपिपलींसज्जीलषलीजै हलदरशंखचूर्णसमकीजै करंजुपत्रअरुतांकेवीज कोशातकीवीजसमकीज वीजधतूरविष्टारिछपाय थोहरअर्कदूधसुमिलाय गुंजाफलअरवांसावीज नीलातुत्थपीसपुनलीज सुरभीरससबपीसरलावै घर्षणकरतहांलेपलगावै अर्शरोगयहकरैविनाश दुखनाशसुखहोइपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ गोवरकाइकपिंडवनावै अथवासत्तुपिंडकरावै अथवासौंफपिंडकरलेय करैउष्णगुदापरवांधेय यांतैंअर्शगलतहोईजाय मुहुर्कगिरैकह्योसमुझाय ॥ अथजिसकीगुदामोंशोथशूलहोवै ॥ अरुमंदाग्निहोवैतिसकेवास्तेचूर्णम् ॥ चौपई ॥ त्रिकुटापिपलामूलविडंग पाठाचित्रासौंचलहिंग जीराविल्वजवायणजान सेंधाअरुविडलवणपछान हौवेरअरुपुष्करमूल वस्तुसबलेसमकरतूल वरचातिंतडीयहसमलेय नीकौचूर्णपीसकरेय मादराअथवाउष्णजुतोय इन्हसंगपीवैचूरणसोय अर्शरोगनाशहोयजाय वंगसेनग्रंथयोंगाय ॥ अथअर्शपातनचूर्णम्॥ ॥ चौपई ॥ हरतमूसलीशूरणचित्रा कोगडकृष्णाकिरायतामित्रा देवदालिसेंधाकरंजुपाय यहसमपीसुतक्रसोंषाय तक्रसाथहीपथ्यषुलावै पक्कमाषज्योंअर्शगिरावै ॥ अथतक्रफलम् ॥ चौपई ॥ जाकोंअर्शरोगजुलहीजे तांकोतक्रहिपानकरीजे तक्रतांहिवलवरणकरावै अग्नीवृद्धत्रिदोषमिटावै अन्यदर्शपातनचूर्णम् चौपई करंजुसुंठसेंधाअरुशूरण चित्राइंद्रयवकरसमचूरण तक्रसंगचूरणकरपान अर्शगिरैनिश्चयमनआन ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ गुडमघपीपलहरडामिलाय घृतभूनत्रिवीअरुदंतीपाय षावैअर्शपतनहोइजाहि निश्चययहधारोमनमांहि ॥ अन्यच्च चौपई ॥ अपामार्गकोमूलापिसावै तंडुलजलसोंतांहिपिवावै अर्शगिरैंअरुकुष्टविनाशै दुखमिटैतनुसुखपरकाशै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ तिलअरुहरडभिलावेआनै तीनोसमलेचूरणठानै गुडसोंयहचूर्णजोषावै अर्शश्वासकासालिफजावै ज्वरअरुपांडुरोगहोइनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथचूर्णपुटपाकः ॥ चौपई ॥ शूरणकीगंठी-

बडिलेय तांषरमृतिकालपकरेय अग्निपकावैलवणमिलाय कटुकतैलमोंताहितलाय खावैअर्शतास-मिटजावे नाशदुखतनुसुखप्रगटावै ॥ अन्यच्च ॥ ॥ तिलजुश्याहामशीतलजलसंग षावैअर्श-रोगहोइभंग दृढतादांतपुष्टतनुहोय कृष्णतिलनकोगुणयहजोय ॥ अन्यश्चउपायः ॥ चौपई ॥ कं-डयरीकेफलमंगवावै घृतसोंभूनत्रिकुटागुडपावै तक्रसाथजोयाकोंषाय सप्तरात्रिमोंअर्शमिटाय ॥ अ-न्यच्च ॥ चौपई ॥ हरडामिलावैगुडकेसंग पित्तकफअर्शसकंडूभंग ॥ अन्यच्च ॥ तक्र-विधिः ॥ चित्रामूलजलसोंपीसाय पात्रभीतरहिंलेपलगाय तांवासनमोदहीजमावै तासदही-कीछाछकरावै पीवैरोगीतक्रजुसोय ताकोंअर्शरोगक्षयहोय ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंपाठाकोंपीसावै जुआंहाअथवाविल्वमिलावै अथवासंगजवायणपाय अथवासुंठमेलकर-षाय अर्शरोगताकोहोइनाश मनमोदृढतारोगविनास ॥ अन्यउपायः ॥ चौपाई ॥ हरडअवरगु-डसमजुमंगावै गूत्रमध्यसोपायपकावै प्रातःकालताहिकोंषाय अर्शरोगनाशहोइजाय ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ कुशामूलसमवलाजुलेय चूरणपीसइकत्रकरेय तंडुलजलसोंपीवैजोय अर्शविकारता-कोहतहोय ॥ अन्यश्चउपायः ॥ चौपई ॥ कठनअर्शमहुकेजोजानै तिन्हकोरुधिरनिकासनमानै जोकोंसोंवाशस्त्राहिंसंग रुधिरनिकासैहोइरुजभंग यातेंआगेघृतपरकार सोंसुनलीजैकरोंउचार ॥ अथघृतप्रकारः ॥ अथउदकषट्पलघृतम् ॥ चौपई ॥ सुंठपिप्पलामूलमंगावै चवकमघांयव-क्षारमिलावै अवरजुलेचित्रेकामूल पलपलएकसभीसमतूल एकप्रस्थघृततांमोंदेवै तीनभागजलतांमो लेवै एकभागतिंहदुग्धरलावै इसघृतमोंमंदाग्निपकावै वलअनुसारयथाविधिषाय अर्शरोगानिश्चयहटजा-य कासपलीहाषांडुविडारै विषमतापतृषअरुचनिवारै बलअरुअग्निवधावैतास एतेगुणघृतकेनिप्रकाश अथपलासक्षारघृतं ॥ चौपई ॥ पलासभस्मजलप्रथमकढावै घृततेंत्रिगुणसोऊजलपावै त्रिकुटापुनर्ति-हपायपकाय पीवैअर्शगिरेंदुखजाय ॥ अथजवकादिघृतम ॥ चौपई ॥ चवकजुत्रिकुटापाठापाय धनियाअरुयवक्षारमिलाय जवायणपिपलामूलविडंग विडअरुसेंधाचित्रासंग विल्वहरडयहपलपल-पाय षाधप्रस्थघृतअग्निधराय चारगुणादधिपायपकावै सोघृतपीवैअर्शमिटावै मूत्रकृछ्रगुदभ्रंशन-सावै प्रवाहिकशूलगुदवंक्षणजावै ॥ अथन्हीवेरादिघृतं ॥ चौपई ॥ न्हीवेरउत्पलपुनआन लोध्रमं-जीठचवकपुनठान चित्रापाठाविल्वपतीस धावैदेवदारुसंगपीस मांसिसुंठमुथ्रयवक्षार दालहलदत-जसंगहिंडार पलपलइन्हहूंकोपरिमान घृतनचुगुणलूणकरसजान मंदअग्निकरघीउपकावै वलअनुसा-रनित्यघृतषावै अर्शपांडुग्रहणीआतिसार मूत्रकृछ्रज्वरअरुचविडार नाभितलेकोजायअफार गुदाशू-लप्रमेहकोटार यहत्रिदोषहरघृतपहिचान वंगसेनमतकीनवषान अथअग्निघृतं चौपई शतपंचाशतजु-भिलावेआनं एकद्रोणजलभीतरठाने अग्निचढायपकावैतास अष्टमभागशेषरहैजास तामोएकप्र-स्थघृतपावै पुनइहऔषधचूर्णमिलावै त्रिकुठागजपीपलहबुषाचित्रा पिपलामूलाहिंगुलषमित्रा पंचल-वणअजमोंदाठान दोनोक्षारचवकमनआन अर्धअर्धपलयहसबलेय सकलमिलावैतामोएह मंदअग्नि-करतासपकाय वलअनुसारानिताप्रतिषाय अर्शप्रमेहप्रवाहीजाय मूत्रकृछ्रगुदभ्रंशमिटाय नाभितलेको-जायअफारा गुदशूलविनाशैसुनयहप्यारा यहत्रिदोषहरघृत्तपाहेचान दुखहरैअतिसुखप्रगटान अथम हाअग्निघृतं चौपई अर्धसहस्त्रभिलावेआंनो द्रोणतोयमोंतिन्हकोंठानो काथअग्निपरधरवनवावै अष्टम-

भागरहैसुछनावै प्रस्थप्रमाणघीउतहडारै पुनचूरणयहपायसुधारै त्रिकुटापिपलामूलजुहिंग गजपीपल-चित्राधरसंग पंचलवणअरुदोनोंखार दोनोचवकअजमोदाडार इन्हकोअर्धअर्धपलआन चूर्णपीस-घृतकरोमिलान घृतसमदधिअरुकांजीपावै आद्रकरसघृततुल्यरलावै तासमरससुहांजणपाय घृतरलायपुनअग्निउटाय मंदअग्निकरताहिपकावै बलअनुसारनित्यउठखावै मंदाग्निअर्शकफवातविकार गुल्मप्लीहशोथरुजटार पांडुश्वासकासनरहावै संग्रहणीदुखमूलनसावै ज्योंसूरजसोंतमसबनाशै त्योंयहघृतअर्शाहिदिविनाशै इतिघृतप्रकारः

॥ अथतैलप्रकारनिरूपणम् ॥

॥ अथपिप्पलादितैलं ॥ चौपई ॥ मघपीपलजुमुलठीआन शताबरिवरचविल्वपुनठान कुठअरुचित्रापुष्करमूर देवदारुपुनलषोकचूर यहसममेलजुचूरणकरो तैलदुगुणमोमेलसुधरो इन्हतेंदुगुणादुग्धमिलाय अग्निमंदपरताहिपकाय याहितैलअनुवासनकरै अरुगुदतलेंधूपसोधरै गुदानिस्सरणगुदशूलमिटाय मूत्रकृच्छ्रप्रवाहीजाय कटीऊरूपृष्टकीपीर प्रमेहअफारविकारसमीर वक्षःपीडगुदशोथमिटाय-कवजरोगएतेनरहाय ॥ अथकासीसादितैल ॥ चौपई ॥ कासीसअवरदंतीकुठपाय सैंधाएलासंगमिलाय करवीरपाषाणभेदजुविडंग अर्कदुग्धतिलतैलजुसंग अग्निपकायतैलसुमेलाय महुकैअर्शगिरेंसुखपाय ॥ अथबृद्धकासीसादितैलं ॥ चौपई ॥ कासीसअवरसेंधामघपावै सुंठकुट्टलांगुलीमिलावै पाषाणभेदकरवीरपछान हरतालविडंगचित्रापुनठान मालकंगुणीतामोपाय वस्तूसबसमपीसमिलाय दंतीथोहरदुग्धमिलावै अर्कदुग्धतैलसमपावे इन्हतेंचतुर्गुणमूत्रगौलेय तैलपकावैअर्शमलेय अर्शगिरेतनुमोंसुखहोय निश्चयजानोमनमोंसोय॥ अथदंत्यादितैलं ॥ चौपई ॥ दंतीअरुकासीसमिलाय कनेरविडंगएलापुनपाय चित्रासेंधालवणपछान अर्कदुग्धमोंकरोमिलान तैलइन्हनमोंपायपकावै मर्दनकरैअर्शमिटजावै दंतीआदितैलयहकह्यो अवरसुनोजोइहविधलह्यो अथफलवरतीतैलं चौपई कटुतूंबीकोतैलकढावै अरुसुहांजणातैलमिलावै सिंगाडेरसलेताहिमिलाय निरगुंडीरसतामोंपाय गोवररसपुनकीजैसंग इंद्रयवहिंरसषायनिसंग यहसबचारचारपललेवै कर्षएकसेंधासंगदेवै दोईमोंसेदंतीकोमूल दोइमासेंसज्जीसमतूल सभीपीसतिलतैलमिलावै मर्दनऊपरअर्शकरावै अथवातैलभीगोयजुवांती गुदाचढायअर्शरुजघाती ॥ इतितैलप्रकारः

॥ अथमोदकप्रकारःअथमरचादिचूर्णमोदकः ॥

॥ चौपई ॥ मरचसुंठचित्रापुनआनो शूरणदुगुणदुगुणसबठानो सुंठमरचतेंदुगुणीपावै दुगुणसुंठतेंचित्रालयावै चित्रातेंशूरणदुगुणाय सबसमगुडमोदकबंधवाय बलअनुसारताहिकोंषावै अग्निवधैपुनअर्शमिटावै शूलगुल्मलिफहाइहैंनाश उदररोगसबकरैविनाश ॥ अथशूरणपिंडीमोदकः चौपई ॥ प्रथमहिंशूर्णसुकायपिसावै सोलांभागतासठहरावै अष्टभागचित्रापीसाय अष्टभागपुनसुंठमिलाय एकभागमरचांपुनठान समगुडबांधेपिंडसुजान बलअनुसारनित्यउठषावै अर्शरोगकोंनाशकरावै अथमहाशूरणमोदकः ॥ चौपई ॥ सोलांभागलेयजोशूरण अष्टभागचित्रेकोचूरण चारभागसुंठपीसाय दोयभागमरचांतहांपाय सुंठसमानयहऔषधठान त्रिफलकणाविडंगप्रमान

तालासपत्रअरुपपलामूल यहलीजोसुंठीसमतूल तालमूलीचित्रेसमपाय वृद्धदारुसमशूर्णलषाय मरचांसमभृंगअरुएला यहक्रमचूरणकरइकमेला इन्हतेदुगुणागुडसुमिलाय वहुधनिपुरुषनिताप्रतिषाय इसहीमोदककेअनुसार अगस्तपचायकीनसबछार इसहीकरजुभीमहनुमंत भोजनषाहिपचाहिअनंत अर्शशोथग्रहणीकफनाशै वातरोगकोमूलविनाशै जरानिवारेवुद्धिवढावै वलअरुपुष्टधातुकरवावै हिक्काश्वासकासहोइनाश राजयक्ष्मप्रमेहविनाश उदरविकारप्लीहादहै परमरसायणपुरुषनअहै ॥ अथअगस्त्यमोदकः ॥ चौपई ॥ हरडतीनपलत्रिकुटातीन तालीसपत्रपलडेढप्रवीन गुडपलअष्टसुकरैमिलान मोदककरैस्ववलअनुमान नितउठप्रातहिभक्षणकरै अर्शश्वासकासकोंहरै ग्रहणीनासैअग्निवधावै अगस्तउक्तयोंभाषसुनावै ॥ अथप्राणदामोदकः चौपई ॥ आद्रकलीजैपलजोतीन मरचचारपललेहुप्रवीन दोइपलमघपीपलतंहपाय इकपलचवकजुतासरलाय इकपलपत्रतालीसमिलावै केसरअर्धपलताहिरलावै दोइपलपिपलामूलरलाय लघुलाइचीइककर्षसमाय कर्षजुतज्जकर्षमृदाल एककर्षअजमोदाघाल चित्राइकपलताहिरलीजै महीनपीसकरचूरणकीजै कर्षएकभरजीराजान गुडपलतीसहिंकरोमिलान मोदकवांधेअक्षप्रमान अथवावांधैपलअनुमान षावैपीछैंभोजनकरै मद्यपानपाछैंअनुसरै अथवामांसरसपीवैसोय अथवादुग्धपानकरजोय अर्शमिटावैसर्वप्रकार मूत्रकृच्छ्रवातजरुजटार गलग्रहपांडुविषमज्वरजावै कृमिहृद्रोगअतिसारमिटावै गुल्मशूलछर्दकोंनाशै हिक्काकामलारोगविनाशै जिसरोगीकोंकवजरहाय तौसुंठस्थानहरीतकीपाय वातपित्तजोअधिकलषावै चतुर्गुणमिसरीगुडनाहिपावै ॥ अथकंकायणमोदकः चौपई ॥ हरडपांचपलइकपलजीरा इकपलमरचलषोनरधीरा इकपलमघदोइपिपलामूर चवकचारपलतामोपूर चित्राअष्टसोलांपलनागर यवक्षारदोयपलसुनचातुर पानअष्टपलतहांमिलावै शूरणसोलांपलसुरिलावै इन्हसमतेंदुगुणागुडपाय सवमिलायमोदकवंधवाय अक्षप्रमाणमोदककरलेय प्रातहिंभक्षणतासकरेय पाछैंतक्रजुकरहैपान वाजलपीवैपुरुषसुजान मंदअग्निकोंकरैप्रकाश अर्शपांडुग्रहणीहोइनाश कंकायणऋषिमहाऋषेश निजशिष्योप्रतिकीनउपदेश ॥ इतिमोदकप्रकाशः अथभल्लातकादिगुडः चौपई ॥ दोयसहस्रभिलावेआन द्रोणातोयमोंकरोपकान पादकशेषरह्योजवजाने छाणतुलाइकगुडतंहठानै गुडपकायशतपांचभिलावै करौछिन्नतंहमध्यमिलावै इंहप्रकारगुडसिद्धकराय पुनतामोयहचूरणपाय कर्षकर्षऔषधपरिमान त्रिफलात्रिकुटाअरुअजवान मुत्थरसैंधात्वकजुरलाय तालीसपत्रएलाजुमिलाय अरुकेशरसवपीसमिलावै वलअनुसारप्रातउठषावै कुष्टअर्शकामलाप्रमेह ग्रहणीपांडुलिफहरएह उदररोगश्वासकृमिनाशैं अवरभगंदररोगविनाशै ॥ अथभल्लातकादिअविलेहः॥ चौपई ॥ हाछेकपभिलावेआन आढकएकलषोपरिमान तिनकेदोइदोइखंडकरावै चतुर्गुणजलमोंपायपकावै पादशेषरहैतोवस्त्रछनाय चतुर्गुणदुग्धपुनपायपकाय एकअंसघृततामोडार षोआकरेविधिसोंसुविचार षोआकरमिसरीजुमिलावै सप्तदिवसकरयतनधरावै पुनषावैनिजवलअनुसार नाशहोयसवउदरविकार नीलवरणहोंइसघनेकेश कुंडलवालेसुंदरवेश नेत्रदृष्टहोइगरुडसमान कांतिचंद्रसमताकीजान वेगअवरवलतुल्यतुरंग मोरसमानस्वरहोयअभंग अग्निसमानहोयपरकाश इस्त्रीवल्लभजानोतास सदाअरोग्यतासतनुथीवै वर्षदोयशतत्रैशतजीवै अन्नपानमार्गमैथुनमांहि तिहसमानकोऊऔषधनांहि सकलरसायणकेयहराजा नीरोगहोयपूरणसबकाजा ॥ अथपटोलादिअविलेहः ॥ चौपई ॥ पटोलमूलत्रिफलाजु-

विडंग दंतीत्रिवीकौडधरसंग इटासिटअवरविशालाजान लोध्रनीलनीकरोमिलान अवरशातलातांमोपाय अम्लतासलेताहिरलाय यहसबहीदशदशपललेवै चारद्रोणजलमोंधरदेवै अग्निधरायपकावैसोय पादशेषरहेपकजोय कुडवप्रमाणतैलतंहपाय तुलाप्रमाणगुडताहिमिलाय त्रिवीअष्टपलचूर्णकरै तामोमेलअग्निपरधरै शीतलकरात्रिकुटापलपांच पीसरलावैयहलषसांच अवरत्रिजातकपलजोतीन सहीनपीसकरमेलप्रवीन शक्तीअरुकांतिसुवधावत कवजअर्शकफक्रमियहथावत पांडुकुष्टपरमेहविनाशै आंतरवृद्धजुअरुचकोंयाशै ॥ अथभिलावेविधिः ॥ चौपई बीजभिलावेकोइकलेय सोलांभागताहिजलदेय करेकाथसीपीपरिमान काथरहैतवकरहैपान ऐसैंइकइकानित्यवधावै पचासअयंतलगैंलषपावै काथचारपलतकजुवधाय दिनपचासतकयोंठहराय पुनसत्तरहदिनतकयोंजान पाचोपांचाभिलावेठान इसहिक्रमपुनतासघटावै एकभिलावेतकलषपावै अर्शआदिसबरोगविनाशै अहेरसायणसबजगभासै ॥ अथयोगराजगुग्गुलुः ॥ चौपई ॥ पिपलिपिपलामूलअनावै चित्राचवकसुंठपुनपावै वरचइंद्रयवकौडविडंग सर्षपजीरापाठाहिंग सम्हालूवीजभिडंगिपतीस गजपीपलदोयजवायणपीस धंनियांतेजवलताहिमिलाय यहसबसमलेचूर्णवनाय सबतेंद्विगुणात्रिफलाठान गुगुलपावैंसर्वसमान यहसबपसिमिलावैजोय श्रेष्टपात्रमोंधरियेसोय पुनतहपायमषीरमिलावै वलअनुसारनिताप्रतिषावै योगराजगुग्गुलइंहनाम अमृततुल्यपरमअभिराम वीर्यदोषपुरुषनकोहरै इस्त्रीयोनिदोषहतकरै अर्शवातगुल्मयहनाशै सबहीवातजरोगविनाशै नाभिशूलउदावर्त्तनिवारै अरुचहृदयकेरोगविडारै ग्रहणीत्तईकुष्टपरमेह अपस्मारकोंनाशेयह वातरक्तमंदाग्निविनाशै श्वासकासजुभगंदरनाशै अवरहुंसवव्याधमिटजावैं दोइशतवर्षजीवैसुखपावैं वातरोगपरकाथगिलोय तासोपीवैरोगीसोय काकोलिकाथसोपैतिकपीवै अमलतासकाथहिंकफीजुलीवै ज़ाकेतनुप्रमेहलषपावै काथशतावरिसोंयषावै जिंहदोइमंदारक्कविकार मधुसोंपीवैसमझ्फविचार आंतरवृद्धषांडुजिंहहोय मूत्रकृछ्ररोगीलषजोय अजादुग्धसोंपीवैतास कुष्टहिंनिंवकाथपरकाश शोथऊपरमूलीकेकाथ तासोंपीवैलषयहगाथ अनूषानयहगुगुलकहै वंगसेनमोजैसेंलहै ॥ इतियोगराजगुग्गुलुः अथत्रिकुटादिचूर्णं ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचित्राहरडबिडंग अरुतिलकालेमेलोसंग अवरभिलावेतामोपावै सहीनपीसकरचूर्णवनावै यहसमचूरणगुडजुमिलाय वलअनुसारतासकोंषाय अर्शशोथविषकुष्टविनाशै पांडुरोगकवजक्रमिनाशै आमवातगुदक्रमिपरमेह हृदयशूलकामलाहरै अस्थिशूलपार्श्वकोशूल आंतरवृद्धअरुचनिरमूल ॥ अन्यच्चत्रिकुटादिचूर्णं ॥ चौपई ॥ त्रिकुटापाठाचित्राहिंगुवरचचवकदोइहलदकलिंग गजपीपलअरुदोनोच्चार अजमोदापुनाविल्वकथडार सेंधालवणपिप्पलामूल पीसलेययहसबसमतूल एरंडतैलरलायसुपावै कर्षउष्णतोयसोंषावै अर्शभगंदरालिफपरमेह हृदयशूलशोथहरएह अरुचअरुपार्श्वशूलमिटजाय अस्थिपीडाकामला।मिटाय आमवातगुदक्रमिकोनाशै आंत्रवृद्धरुजपांडुविनाशै ॥ अथसमशर्कराचूर्णं ॥ चौपई ॥ सुंटकणामरचातजएला पानपत्रसबकरइकमेला इकइकतेदुगुणीयहलीजे तिन्हसमसर्कराचूरणसोकीजे प्रातहिंउठयहचूर्णषाय अर्शगुल्महृद्रोगमिटाय मंदअग्निअरुनाशैश्वास वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथलवणादिचूर्णम ॥ चौपई सेंधायवचित्राजुकलिंग निंवकरंजुमोलियेसंग यहसमपीसेंचूर्णवनाय दधीघुर्लसोंनितउठखाय सप्तदिवसमोंअर्शमिटावै वंगसेनमतसोइसुनावै ॥ अथकल्याणलवणं चौपई भिलावेदंतीत्रिफलादि

त्रा यहसमभागलेहुसुनमित्रा दुगुणासैंधालवणमिलाय सबहींकोरेठीकरपाय गोमयमंदअग्निजुपकावै षायदेषवलअर्शगवावै ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साअर्शकीरक्तअर्शसुनलेहु भाषतहोंमत-ग्रंथकाचितसोंसमझोएह ॥ इतित्रिदोषजादिअर्शचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथार्शरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अर्शरोगजोकहितहैताहिमवेसीजान तांकेपथ्यअपथ्यसबसुनहोकरोवषान ॥ अथपथ्यनिरूपणम् अडिल्यछंदः रेचनलेपनचावलसठीजानिये अवरहुतंडुललालकुलत्थपछानिये रुधिरमोक्षअरुक्षारकर्मअग्निकर्मजो शस्त्रकर्मपहिचानरसोंतापटोलसो चित्रधतूराइटसिटशूरणजानिये माषनवाथुशाकतक्रउरठानिये मरचअवरकंकोलवरचकोंजानरे धात्रीफलजुकपित्थभिलावेमानरे सरसोंकाजो तैलमूत्रगोमानहो ऊष्टरदुग्धजुमूत्रपथ्यपहिचानहो मांसनकेजोपथ्यभलीपरकारही तिन्हसब नोंकेनामकरोंउच्चारही गोधाऊष्टरकूरममूषिकसेहर षरदनचरअरुतर्षअश्वलषलेहुरे लवावटेराहरणस हैकोमाससुन काकशृगालअवरजोचाक्षुकमासपुन एतेकहेजुमांसपथ्यउरआनहो आगेंकहोंअपथ्यभलीविधिजानहो ॥ दोहा ॥ अन्नअवरजलवातहरअग्निकरणजोहोय समझोअपनेचित्तमोंअर्शरोगपथसोय ॥ अथअपथ्यनिरूपणम् ॥ अडिल्लछंदः ॥ मुरगावीतेंआदिजेतेजलजंतुरे इन्हकोमांसअपथ्यमत सलषतंतुरे मैदामांहरवांहिविल्वदधिजानिये घीयाकावजभारीवस्तुपछानिये आतपवहुजलपाननदीजलपानजो पूर्वदिशाकीपवनवहुतवैठानसो विष्टामूत्रहिवेगरोकजोराषहै यहसवकहेअपथ्यग्रंथयोंभाषहै ॥ अन्यछंदः ॥ जिसदिनविधिकरैच्चारतिसीदिननाहिंसोवै गुरुभोजनमैथुनकलहवहुतजल पीवनषोवै रक्तपित्तकेपथ्यअपथजोअगैंकहिने सोसबहीतुमरक्तअर्शकेमनलषलेने ॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यजुअर्शकेकीलचर्मकेजान वैद्यकग्रंथविचारकैऐसेंकीनवषान इतिअर्शरोगेपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः

॥ अथरक्तवमनअरुअर्शरोगकर्मविपाकदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ नरजोपितृव्यभार्यासाथ संगकरैजानोयहगाथ रक्तवमनइसदोषहिंहोय अथवाअर्शहोयलषसोय तासउपायकहोंसमझाय जैसेंकर्मविपाकलषाय ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ यज्ञकाष्ठकीशय्याकरै लक्ष्मीनारायणस्वर्णतहधरै पीतांवरऊपरउढाय पूजैनेकनैवेदचढाय गणेशकुंभनवग्रहजगलेय विष्णोरराटमंत्रहिंहवनेय विष्णुप्रीतिकरशय्यादान अर्शरक्तवमनहोइहान ॥ दोहा ॥ रक्तवमनअरुअर्शकोकारणकह्योउपाय भगंदररोगकेदोषकोंभाषोंसबहिंसुनाय ॥ इतिरक्तवमनअर्शरोगदोषकारणउपायःसमाप्तः ॥

॥ अर्शरोगज्योतिषः ॥

दोहा कर्कटराशिकेविषैदिनकरइस्थितजाहि दृष्टीहोवेशनीकीदशाभीहोवेताहि उपायः तवउपायसोनरकरेसूर्य्यपूज्यअतिचाहि मंत्रजपकरयथाविधिअथवाविप्रकराहि प्रथमअर्ककोकाष्टलैतिलघृतहवनकरेय गौदानगुडताम्रयुतअर्शहिंरोगहरेय मनाशिल्लाचीमुलट्ठलेकेसरयारप्रमान लकडीपद्मउशीरकीकमलपाइकरेस्नान इतिज्योतिषम् ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांअर्शरोगाऽधिकारकथनंनामपंचाशत्तमोऽधिकारः ॥ ५० ॥

॥ अथभगंदररोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ निदानभगंदरकोकहोभाषासुगमवनाय समझचिकित्साकीजियेदुःखरोगमिटजाय ॥ चौपई ॥ गुदालिंगकेमध्यस्थान उठैपिंडिकाप्रवलमहान नामतासुजगफोडामानै गुदालिंगकेमध्यपछानै पीडावहुप्रगटावैसोय रोगीपरमदुखीतवहोय सोफोडाफूटतहैजवै नामभगंदरभाषैंतवै ॥

॥ अथभगंदरपूर्वरूपानिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ जवैभगंदरउपजनचहै एतेचिन्हप्रथमसोगहै कटीत्रिकुलमोपीडउप कंडूदाहगुदाप्रगटावै ॥

॥ अथभगंदरकारणनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ रूषोअवरकसैलोषाय वेगकरैगुदमोंतववाय सोऊवातपिडिकाजुउपावै करैउपेक्षानरदुःखपावै दावलेपप्रथमनरकरै पकैसोफोडावहुदुःखधरै दारुणपीडाकरैहैसोय फैनलालरंगप्रगटतहोय ॥

॥ अथानुक्रमणिका ॥

॥ चौपई ॥ तांकेपांचभेदलषलीजै प्रगटवषानोसमझपतीजै वातजपित्तजकफजलहैये त्रिदोषजक्षतजपांचयहकहिये पांचोकेलक्षणअवकहों भिन्नभिन्नसमझायेचहों ॥

॥ अथवातजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रूक्षकसैलाजोनरखावै वातकोपकरतासकोधावै अपानदेशमेंकरप्रवेश गुदालिंगमधकरतेक्लेश वातपिंडिकाकैरविकार होंयछिद्रातिसनेकप्रकार उपेक्षाविनजोपाकेनांहि पकेतोपीडावहुप्रगटाहि विष्टामूत्रवीर्ययहतीन छिद्रनतेंश्रवैहैपरवीन तासनामशतयोनिभनीजै वातजसोऊभगंदरकहीजै

॥ अथपैत्तिकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पैतिकवस्तुयोसेवनकरै पिंडिकारक्तवरणसोधरै सोपिंडिकाशीघ्रपकजावै दुर्गंधउष्णपूयनिकसावै होंइपिंडिकाऊठशिरन्याई उष्टराशिरानामकहिगाई पैतिककेयहलक्षणजान लक्षणकफजसुकरोंवषान

॥ अथकफजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पीडाअल्पघुरकवहुहोय स्वेतवरणपिंडिकाहोइसोय पूयवहुतातिसनिकसतीरहै नामतासपरिश्रावाकहै कफजपिडिकालक्षणएह सन्निपातजलक्षणसुनतेह

॥ अथसन्निपातजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वहुव्रणवहुपीडावहुश्राव दीसतसोसमझोस्तनगाव अथवासिपीइवआकार सवूकवर्त्तितिसनामउचार त्रिदोषजतेतांकोपहिचान क्षतजपिंडिकाकरोंवषान

॥ अथक्षतजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कंटकादिकरघाउतेंजोय प्रगटैक्षतजपिंडिकासोय तासचिकित्साजोनहिकरै तौताहूमोवहुक्रमपरै सोक्रमछिद्रनेकप्रगटावैं पूयश्रावबहुधादरशावैं उन्मार्गीसोनामकहजै लक्षण-क्षतजअैसेंलषलीजै

॥ अथकष्टसाध्यअसाध्यनिर्णयः ॥

॥ चौपई ॥ अवरभगंदरकष्टजुसाध्य त्रिदोषजक्षतजहिंलहोअसाध्य जासभगंदरमोक्रमपरै विष्टामूत्रवीर्ययहश्रवैं शीघ्रकरैसोव्याधिहिनाश निदानग्रंथमोंकीनप्रकाश ॥ दोहा ॥ कह्योनिदा-नभगंदरकीलखनिदानकोभाय प्रथमचिकित्साआदिहीकरैतुभयनहिकाय इतिभगंदरनिदानसमाप्तम्

॥ अथभगंदररोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ चिकित्साकहीभगंदरकीमनमोंसमझविचार जैसीभाषीग्रंथमोंतैसीकरोंउचार

॥ अथभगंदरकीआदिउपायः ॥

॥ चौपई ॥ भगंदरफुनसीउपजैजबै तासउपायकीजियेतबै वटपत्रईटपुनसुंठगिलोय अरुपुन-र्नवासंगसमोय व्रणनहोयतबयहलेपाय भगंदरउपजनतैंरहिजाय ॥

॥ अथपक्वभगंदरउपायः ॥

चौपई पक्योभगंदरजबहीजाने क्षारदाहाक्रियाकोंठाने पुनऔषधकोंकरैउपाय सुनलीजैसोचित्तलगाय ॥ अथलेपः चौपई ॥ करहैकोपरक्तजोजबै पीडाबहुतहोतहैतबै तिलपीसदुग्धसोंलेपलगावै भगंदरव्र-णपीडामिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ पीसमुलट्ठीघृतसोंलाय भगंदरव्रणकीपीडाजाय ॥ अन्यच्च ॥ तिलअरुनिंबमुलठील्याय पीसदुग्धसोंलेपलगाय भगंदरव्रणकीपीडानासे जैसेगरुडजुसर्पविनासे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ बटमालतीपत्रमंगावै सेंधासुंठगिलोयमिलावै यहसमतक्रसाथपी-साय लेपनकरैभगंदरजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिवीमंजीठदंतीतिलमित्रा यहसमपीसोक-रोइकत्रा घृतमिनायकरलेपलगावै भगंदररोगनाशहोइजावै ॥ अथक्वाथः ॥ त्रिफलाषदरसमक्वा-थवनावै पीवैरोगभगंदरजावै ॥ अन्यउपायः ॥ जंबुकमांसमासपरयंत पकायषायरुजनसैनिरंत ॥ अथतैलम् ॥ चौपई ॥ न्यग्रोधादिकतैलपकाय वापकायघृततासोंषाय तौभीरोगभगंदरजावै यहनिश्चयनिजमनमोंल्यावै ॥ अथलेपनं ॥ चौपई ॥ दालहलदसूक्ष्मपीसावै अर्कजुथोहरदुग्धमि-लावै वटीभिगोयभगंदरद्वार पूरेतांकोंयत्नप्रकार नाशभगंदररुजकोहोय निश्चयकीजैमनमोंसोय ॥ लेपः ॥ त्रिफलारससंगअस्थिविडाल घसलगायजुभगंदरटाल ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कुष्ठत्रिवीतिलदंतीआन पीपलीसेंधारजनीठान त्रिफलानीलाथोथापाय मधुमिलायकरलेपलगाय शुद्धभगंदरहोवैतासों नाशरोगहोवैलषयासों ॥ अन्यच्च ॥ रसोंतत्रिवीदंतीनिंवपत्र मंजीठदुरज-नीतेजोवलधर यहसमचूरणपीसलगावै भगंदरव्रणनाडीव्रणजावै ॥ अन्यच्च ॥ माल्हकंगुणीला-गुलिआन मघांजुदंतीत्रिवीमिलान लोध्रदूर्वाकुठशतावरि तिलकाहीलेपीसवरावरि लेपल-गायभगंदरषोय निश्चयकीजैमनमोसोय ॥ अथअविलेहः ॥ चौपई ॥ त्रिफलाकणामधुतैलवि-ढंग यहसमनितचाटैरुजभंग कुष्टभगंदरक्रमकोनाश नाडीव्रणपरमेहविनाश ॥ अथतैलं चौपई ॥

चित्राअर्कत्रिवीहयमार पाठावरचलांगुलीडार माल्हकंगुणीअरुहरताल सौंचलअरुगिलोयपुनडाल अवरवावचीतासोंमेल सबतेपाछेपायजुतेल समसबकूटैतैलपकावै लायशुद्धअंगूरबंधावै ॥ अन्यच्च सेंधवइंद्रयवरजनीठान अर्कदुग्धलेकरोमिलान तैलपकायसुलावैतास रोगभगंदरहोइहैनाश तैलश्रेष्ठयहकीनवषान अपनेमनमोंनिश्चयठान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ दंतीलांगुलीलवणकनेर रजनीचित्रालीजैहेर अर्कदुग्धअरुपायविजोर कूटसभीकीजैइकठौर तैलमिलायपकायलगावै रोगभगंदरयातेंजावै ॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ त्रिफलागुग्गुलकणाजुलीजैं तीनपांचइकभागधरीजैं याहिगुटकाकरषावेजोय भगंदरगुल्मअर्शरुजषोय ॥ दोहा ॥ चिकित्साकहीभगंदरकीवंगसेनअनुसार समझचिकित्साजोकरेताकीवुद्धिउदार इतिभगंदररोगचिकित्सा ॥

॥ अथभगंदररोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ रोगभगंदरपथअपथसुनलीजैचितधार भाषोंभलीप्रकारसोंवैद्यककेअनुसार अथपथ्यं चौपई ॥ जाहिभगंदरकाचोहोय सोधनलेपनपथहैसोय रुधिरमोक्षलंघनपुनजानो काचेकेयहपथ्यपछानो जेऊभगंदरपकलहीजै वेधशस्त्रतांपथ्यकहीजै अरुक्षारकर्मताकोंसुखदाई पक्कभगंदरपथविधिगाई दोनोंकेअवपथ्यसुनाऊं चावलमुंगपटोलवताऊं वनमृगपक्षीकोजोमास वैतकूमलीपथलषतास लघुमूलिकाधतूरामानो घृतमधुअरुसुहांजणाजानो तिलसर्षपकोतैलभनीजै रोगभगंदरपथ्यकहीजै ॥ दोहा ॥ पथ्यकहेइसरोगकेसुनोअपथ्यप्रकार जोभाषैहैग्रंथमोंतिन्हकोंकरोउचार अथअपथ्यं दोहा ॥ व्यायामश्रमलपुनयुद्धसुनभारीवस्तुपछान पुनमैथुनजुअपथ्यहैरोगभगंदरमान ॥ इतिपथ्यापथ्यं दोहा ॥ भगंदररोगवषानियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिभगंदररोगः समाप्तः ॥

॥ अथभगंदररोगकर्मविपाकः ॥

॥ चौपई ॥ जोदेवनकीप्रतमादेषै ब्राह्मणश्रेष्टअरुगुरुकोंपेषै नमस्कारनाहीसोकरै तांकोंभगंदररोगआवै तांकोअैसासुनोउपचार भाषसुनावोभलीप्रकार ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ श्रीविष्णुमूरतविधिवतपूजाय अवरयथाविधिसुंदरगाय करसंकल्पविप्रवरदेय मुक्तदोषहोइआनंदलेय इतिभगंदररोगकर्मविपाकः॥ अथज्योतिषंभगंदररोगस्य

॥ दोहा ॥ जोकर्कटमोसूर्यपडेतांपरदृष्टीभौम रोगभगंदरहोइनरतिहउपायहैहोम सूर्य्यजापश्रेष्टब्राह्मणकरेप्रीतभावकरजौन देहसुनिर्मलहोइनररोगानिवृत्तीत्तौन ॥ इतिज्योतिषंसमाप्तम्

॥ भगंदररोगस्यअन्यप्रकारःकर्मविपाकः ॥

॥ दोहा ॥ अपनेकुलकीनारिसोंकरेभोगसंजोग ताहिदोषतेजानियोहोतभगंदररोग ॥ चौपई ॥ रोगभगंदरजवनरजाने भेडदानतवप्रीतसोंमाने भेडदानकाकरोविधान रोगभगंदरतातेहान भेडदानविधवहुतविचारी ग्रंथवृद्धितैंनाहिउचारी ॥ अन्यच्च ॥ दोहा ॥ आचार्य्यगुरुपत्निमेंकीनाजिसनरभोग ताहिदोषतिसपुरुषकोंहोतभगंदररोग ॥ दोहा ॥ रोगानिवारणकारणेगौतमकियाविचार नवग्रहरत्नवनायकेपूजाकरीउचार ॥ चौपई ॥ माणिकपद्मरागअरुहीरा वैडूर्यहरिततुमजानोवीरा मरकतमोतीमुंगाजान गोमेदमणीयहरत्नपछान स्वर्णपात्रमोंरत्नधराय नवग्रहपूजेमनचितलाय वेदाविदुषप्रतिदेवेसोई

रोगनाशतवनिश्चयहोई ॥ अन्यच्च ॥ दोहा ॥ अधिकारहोतजिसपुरुषकोधर्मकार्यअरुन्याय उनमोकूटजुकरतैहैरोगभगंदरपाय ॥ दोहा ॥ रोगनिवृत्तिकारणेकरेजोमूरतिदान तांप्रकारसवकहितहुंसोसुनियेधरकान ॥ चौपई ॥ भगंदरप्रतिमाकरेमहान ऊंचीबहुतनचौडीजान कटिमोवांधेशेलीतास पंगुपैरतिसकरेप्रकास फासीअंकुशहाथधरावे सुंदरआसनतासविठावे ग्रीवातांकीवैलसमान आकारकरेमानोंशिरजान इसविधप्रतिमालेजुवनाइ वस्त्रभूषणतासपहरनाई विधिवतपूजातासकरेय वेदविदुषप्रतितांकोदेय रोगभगन्दरतांतेंजाय कर्मविपाकदियोजुवताय मूरतिनेमकछूनहिंदेखा धातुमृत्तिकोनाकछुलेखा

॥ अथमूत्रकृच्छ्रनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ मूत्रकृच्छ्रवरनणकरोंजैसेंलिख्योनिदान प्रथमहिंताकारणकहोंतिन्हतैंउपजितमान अथकारणं ॥ चौपई ॥ तीक्ष्णऔषधसेवैजोय अतिव्यायामकरैपुनकोय रूषेभोजनमदरापान शीघ्रगामिवाहनचडिजान अतिव्यसनिजुअजीर्णधरै जलजंतुमांसभक्षणजोकरै अतीहिनिरतकरैजनजोय मूत्रकृछ्रइन्हकारणहोय अष्टभेदयाहिकेजान सोसबकरहोंप्रगटवषान अथअष्टभेदवर्णनम् चौपई वातजपित्तजकफजपछान सन्निपाततेंभीसोजान एकशल्यतेंजानोसोय एकपुरीषहुतेहोईजोय एकशुक्रतेंजानोतास इकपथरीतेंहोतप्रकाश ऐसेंअष्टप्रकारपछानो तिन्हकोविवरोप्रगटबषानो अपनेअपनेजुनिदानसमेत कुपितसमलहोइलषहोभेत नाभितलैसोकरैविकार मूत्रमार्गरोकैंवलधार मूत्रकृछ्रसहिततवहोय वातजलक्षणभाषोंसोय

॥ अथवातजमूत्रकृछ्रलक्षणम् ॥

चौपई नाभितलेअरुलिंगमंझार अंडनमोंहोईपीडअपार अलपमूत्रहोईवारंवार वातजलक्षणकीनउचार

॥ अथवातजमूत्रकृछ्रचिकित्सा ॥

॥ दोहरा ॥ कहोंचिकित्सामूत्रकृछ्रकीसुनलीजैचितलाय वैयचतुरसोईजानियेवरतेयाकेभाय अथचिकित्सा ॥ चौपई ॥ क्काथः॥ गिलोयसुंठधात्रीफलआनै असगंधभषडंसमलेठानै काथकरैप्रातहिंउठपीवै वातजकृछ्रनाशतवथीवै अवरशूलदुखहोवैनाश निश्चयआनोमनमोंतास ॥ अन्यच्च चौपई पुनर्नवाएरंडवलामंगावै द्राक्षफालसेसंगमिलावै पाषाणभेददशमूलशतावरी आनवस्तुसबपीसवरावरी कुलत्थअवरयवआनमिलावै इन्हसबकोपुनकाथवनावै तैलमिलावैपीवैसोय वावराहचरवीसंगहोय क्षक्षमिंझवासंगमिलावै वाघृतलवणमिलायअचवावै वातजकृछ्रशूलहोइनास दुखमिटैतनुसुखपरकास इतिवातजमूत्रकृछ्रचिकित्सा

॥ अथपैत्तिकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कष्टदाहअरुरक्तसमेत वारवारमूत्रेलहोभेत पीतवर्णमूत्रजिसहोय पैतिकलक्षणजानोसोय

॥ अथपित्तजमूत्रकृछ्रचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ शीतलजलस्नानपरमान शीतललेपनतिंहसुखदान पीवेघृतअरुदुग्धविकार वस्तिकर्मलेताहिविचार द्राक्षविदारिइक्षुरसपीवै पितजकृछ्रनाशतवथीवै अथतृणपंचककाथः ॥ चौपई ॥ कुशाकाशापुनशरजुउशीर इक्षुजटापावोमतिधीर यहसमकाथसुधारवनावै मिसरीपायप्रभातपिलावै पितज-

कृछ्रहिंतुरतविडारै वैद्यकमतयोंप्रगटउचारै पंचमूलतृणकोजुकाथ वस्तीशोधनहैसुनगाथ इन्हसंगदुग्धसिद्धकरपीजै मेधारुधिरविकारनसीजै अन्यच्च चौपई कुशाकासगोषुरुशतावरि कसेरुइक्षुविदारीतिहधरि शालीपायक्काथसमकीजै शीतलमधुमिसरीसंगपीजै पित्तजमूत्रकृछ्रहोइनाश रोगमिटैतनुदुतिप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ हरडेंअवरगोषुरुआन जवांहाअमलतासपुनठान पाषाणभेदपुनताहिमिलाय क्काथकैरमधुपायपिलाय पितजकृछ्रनाशतवहोय निश्चयमनमोंआनोसोय ॥ अथचूर्णम चौपई॥ ककडीवीजमुलट्ठमंगावै दालहलदसमचूर्णवनावै तंडुलजलसोंपीवैतास पितजमूत्रकृछ्रहोइनाश अथशतावरीघृतम् ॥ चौपई ॥ शतावरिकासकुशाजुविदारि इक्षुधात्रीफलभषडेडारि घृतअरुदुग्धमिलायपकावै मिसरीमेलयथावलषावै पितजमूत्रकृछ्रहोइनाश मनमोंनिश्चयआनोतास अथत्रिकंटकादिघृतम् ॥ चौपई ॥ भषडेएरंडकुशाशतावर इक्षुरसअरणीसवलेसमधर तासक्काथमोंघीउपकावै घृततेंअर्धगुडपायपिलावै मूत्रकृछ्रपथरीकरैनाश मूत्रघातपुनहोयविनाश इतिपित्तजमूत्रकृछ्रचिकित्सा

॥ अथकफजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नाभित्तलैअरुलिंगमंझार शोथहोयअरुगुरुताधार पिछ्रन्यायहोइमूत्रजुधार कफजकृछ्रयोंकीनउचार

॥ अथकफजमूत्रकृछ्रचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वमनस्वेदक्षारमदपान तक्रतीक्ष्णवस्तुपरिमान मर्दनतैलसुखदअतिजोय इन्हतैंकृछ्रकफजहतहोय ॥ चौपई ॥ केवललघुलायचीपीसावै गोमूतरवामदसोषावै वापीवैकदलीकेसंग कफजकृछ्रहोइजावैभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मुंगोंकीजोगुलियांकहैं तिन्हकोपीसचूर्णकरगहैं कफजकृछ्रकोंसोकरैघात तंडुलजलसोंखायप्रभात ॥ अथगुटिका ॥ त्रिफलात्रिकुटामुथरलीजै अवरगुगुलुतासरलीजै भखडेक्काथसोंखरलकराय मधुपायसुगुटिकातासवनाय वलअनुसारजुगुटिकाखावै कफकोमूत्रकृछ्रमिटजावै अवरप्रमेहजुमूत्राघात अस्मरीरोगजुकरैविघात इतिकफजमूत्रकृछ्रचिकित्सा

॥ अथत्रिदोषजकृछ्रलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ सर्वचिन्हकरसंयुतहोय कष्टसाथमूत्रेनरजोय सन्निपाततेंतांकोजान ऐसेंभाष्योग्रंथनिदान

॥ अथत्रिदोषजमूत्रकृछ्रचिकित्सा ॥

॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ कलिंगकंड्यारीधावेमुलट्ठ पाठादोअजवायणइकट्ठ यहसमचूर्णजलसोंखाय त्रिदोषजमूत्रकृछ्रनरहाय ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ उष्णदुग्धमोंगुडजुमिलावै पीवैकृछ्रत्रिदोषमिटावै

॥ अथशल्यकृछ्रलक्षणंअविघातजम् ॥

॥ चौपई ॥ वाणलगैजोमूत्रस्थान अथवादंडलगैतहांमान मूत्रकृछ्रसोऊउपजात याकेचिन्हकहैंसमवात मूत्रकृछ्रसोदारुणजानो ग्रंथनिदानकह्योसुपछानो

॥ अथअविघातमूत्रकृच्छ्रचिकित्सा॥

चौपई ॥ सितासहितपीवैघृतजोय अविघातकृच्छ्रनाशतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ करैनित्यजोमदरापान होइअविघातकृच्छ्रकीहान अन्यच्च ॥ शिलाजीतघृतदुग्धमिलाय पीवैअविघातकृच्छ्रमिटजाय ॥ अन्यच्च जोअविघातरक्तसंगहोय तासउपायकहोंसुनसोय धात्रीफलइक्षूरसलेय मधुमिलायकरपीवैतेय रक्तसहितअविघातनसावै वैद्यकशास्त्रजुइहविधिगावै ॥ अन्यच्च ॥ मूत्रकृच्छ्रअविघातजजान व्रणकीचिकित्साकरेजुस्थान वातकृच्छ्रकीक्रियाजुजेती अविघातजमोजानोतेती

॥ अथशुक्रजमूत्रकृच्छ्रलक्षणम् ॥

चौपई ॥ कुपितदोषसोंवीरजजोय मूत्रमार्गकोंरोकैसोय वीर्यसहितमूत्रनिकसावै कष्टहोयवहुधाकरलावै नाभितलैअरुलिंगमंझार शूलहोयनिश्चयमनधार

अथशुक्रविवंधकमूत्रकृच्छ्रचिकित्सा

॥ अथअविलेहः ॥ चौपई ॥ आनशुद्धशिलाजितपाय मधुमिलायकरनित्यचटाय शुक्रविवंधककृच्छ्रनसावै दुखनाशैतनुसुखप्रगटावै ॥ अन्यच्च ॥ एलाहिंगुमहीनपिसावै घृतदुग्धमेलकरनित्यपिलावै शुक्रविवंधककृच्छ्रनसाय वंगसेनमतादियोवताय अरुउत्तमप्रमदाकोंसेवै शुक्रविवंधककृच्छ्रहरेवै ॥ इतिशुक्रविवंधकमूत्रकृच्छ्रचिकित्सा

॥ अथपुरीषजमूत्रकृच्छ्रलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोनरविष्ठावेगरुकावै दुगुणवातउदरप्रगटावै शूलअफाराकारतसोवात मूत्रकृच्छ्रकोंसोउपजात

॥ अथविष्टाविवंधमूत्रकृच्छ्रचिकित्सा ॥

चौपई चूर्णम् ॥ भषडेअवरलेहुजवक्षार दोनोसमलेचूर्णसुधार जलकेसंगनिताप्रतिपीवै विष्टामूत्रकृच्छ्रहतथीवै अन्यच्च वाइसकाजेपीवैकाथ पुरीषजकृच्छ्रहनेयहगाथ इतिविष्टाविवंधकमूत्रकृच्छ्रचिकित्सा

॥ अथअश्मरीमूत्रकृच्छ्रलक्षणम ॥

॥ चौपई ॥ पथरीहोवैतिसकोकारण मूत्रकृच्छ्रहोइकीनउचारण ॥ अश्मरीजन्यप्रकारलक्षणम ॥

॥ चौपई ॥ पथरीहूतैअन्यप्रकार उपजितहैसुकरैविकार मूत्रकृच्छ्रशर्करावषाने तांकलक्षणयोंप्रगटाने पक्वपित्ततेंपथरीहोय वातप्रवलतेंसूकेसोय नाभितलैतेंक्षरतीजान तिसकरपीडहृदयमोंमान देहकंपकुक्षिशूलउपावे मूर्छामंदअग्निप्रगटावे दारुणमूत्रकृच्छ्रसोकरे वहुप्रकारदुखपीडाधरे ॥ अथचिकित्सा ॥ अश्मरीरुजकीचिकित्साजेती अश्मरीकृच्छ्रकीजानोतेती ॥ दोहा ॥ मूत्रकृच्छ्रनिदानयहभाख्योभलेवनाय जैसेंकह्योनिदानमोंतैसेंदीयोलषाय इतिमूत्रकृच्छ्रनिदानम्

॥ अथसामान्यचिकित्सामूत्रकृच्छ्रस्य ॥

॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ सप्तपर्णनिंवपलआन करंजुअमलतासपहिचान गडूचीकोगडकेतकीपाय काथसुधारेहेतलगाय तांहियवागूमधुजुमिलावै पीवैमूत्रकृच्छ्रमिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ गोषुरुअमलतासयहआनो हरडजवाहाकाशठानो कुशपाषाणभेदसमपाय करैक्राथमधुपायपिलाय

पथरीसहितकृच्छ्रमिटजावै होइअरोग्यरोगीसुखपावै ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ ककडीवीजआनपी- साय सेंधालवणदूसरीपाय कांजिकसाथपीजियेतास होवैमूत्रकृच्छ्रकोनाश ॥ अथकाथः ॥ केवलका थअतिवलाकरै पीवैमूत्रकृच्छ्ररुजहरै अथरसः मधुयुतकंड्यारीरसपीवै कृच्छ्रभगैतनुसुखियाथीवै ॥ अथ- काथः॥ त्रिफलावेरकूटसमलीजै कल्ककरैसलवणजुतपीजै मूत्रकृच्छ्रकोहोइहैनाश रोगजायवढ- सुखपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ यवएरणहरडेपंचमूल पाषाणभेदगुगुलसमतूल अवर- शतावरीतामोदीजै विधिसोंकाथवनायसुलीजै करैकाथगुडपायपिलाय मूत्रकृच्छ्ररोगामिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कुशाअरुकाशइक्षुशरमूल धात्रीफलउशीरसमतूल यहसमकाथकरैगुडपाय मूत्रकृच्छ्रमूत्रघातनसाय पथरीरोगनाशपुनहोय निश्चयआनोमनमोसोय ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ मिसरीअरुलैवैयवक्षार दोनोसमकरचूर्णसुधार षावैसकलकृच्छ्रहोइनाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश ॥ अथअविलेहः॥ चौपई ॥ मिसरीद्राक्षमनक्काआनै पाषाणभेदसमचूरणठानै मधुमिलायकरचा- टैसोय मूत्रकृच्छ्रनाशतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मेषशृंगीतृणपंचकधार विदारीकंदहलदपुनडार गिलोयसारवापीसोतास मरचपायनितषावैजास वातपित्तकोकृच्छ्रनसावै वैद्यग्रंथमतसोईसुनावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मघाशिलाजितएलापाय पाषाणभेदकुंकुमजुमिलाय ककडीवीजलवणस- मलेय यहसमचूर्णरोगीकोंदेय तंडुलजलसंगपीजैतास कृच्छ्रमृत्युकरताहोइनाश ॥ अथअविलेहः ॥ चौपई लोहचूर्णमधुसंगमिलावै करकेलेहप्रातनितखावै कृच्छ्ररोगकोहोइहैनाश मनमोआनोनिश्चयतास अथसुकुमारघृतम् चौपई तुलाप्रमाणपुनर्नवामूल शतावरिवलादर्भकोमूल विदारीगंधाअतिवलासु- जान असगंधभषडेतामोठान नागवलापुनतामोपाय अवरगडूचीलेजुमिलाय दशदशपलप्रमाणजोली जैं द्रोणपायजलपकसोंकीजैं पादशेषतांकोरहैजवैं अर्धाढकघृतपावैंतवैं मुलहट्टद्राक्षआद्रकमघजोय सेंधापलदोइदोइलषसोय कुडवजवायणगुडपलतीस एरणतैलगुडहिंसमदीस पायपकावैंघृतसोषाय भोजनकेपूर्वअचवाय राजाराजपुत्रघृतषावैं वहुइस्त्रीरमैंवडोसुखपावै मूत्रकृच्छ्रकटिशूलविनाशै गाढपुरीषशूललिंगनाशै योनिशूलगुल्महोइनाश वातजरक्तविकारविन श वलकरताजुरसायणजानो सुकुमारघृतयानामपछानो ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्सामूत्रकृच्छ्रकीवंगसेनअनुसार आगेयाकेपथअपथ- सुनहोंकरोंउचार ॥ इतिश्रीवंगसेनचिकित्साशास्त्रेमूत्रकृच्छ्ररोगचिकित्सासमाप्ता

॥ अथमूत्रकृच्छ्ररोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ मूत्रकृच्छ्रकेपथ्यअपथातिन्हकोंकरोंउचार बुद्धिमाननरवैद्यजोतिन्हकोलहैप्रकार ॥ अथपथ्यं ॥ ॥ चौपई ॥ जोयहवातहुतैंप्रगटावै ताकेपथऐसीविधिगावै स्वेदअवरवुदुणातनुलाय अरुतनुमर्द- नतैलकराय वस्तीकर्मकरायविधान तप्तनीरसोंकरैस्नान जोपित्तविकारहुतैंप्रगटावत पथ्यतासुनइ- हविधिगावत शीतलजलसोंकरैस्नान शीतललेपनशीतलपान जोकफविकारतैंउपज्योजानै पथ्यता- सइहाविधिपहचानै स्वेदवमनरेचनकरवावै तीक्षणक्षारउष्णभुगतावै जोत्रिदोषतैंहोयविकार ताकेप- थ्ययहीउरधार वातपित्तकफकेजोकहै सोउत्रिदोषजपथसवलहै असविकारकेपथ्यवषानो जैसेंग्रंथ- लिखेमनआनो लालपुरातनचावलकहै तक्रदहीपयगोकालहै मारूथलमृगपक्षीजऊ तासमासपथ्य लषतेऊ मुर्गाकोरसमिसरीजानो पुरातनकुष्मांडपहिचानो मोटाआद्रकभषडालहिये पटोलकुआ-

रगंदलपुनकहिये मूषिकविष्टालेपनलहो केसूउष्णटकोरसुगहो नालेरगिरीवादामपछानो वीजतालफलगिरीसुजानो एलादोऊतालफलआषै अवरछुहारेपथसतभाषै शीतलअन्नपानभुगतावै शीतरलतउपरवैठावै ॥ दोहा ॥ मूत्रकृच्छ्रकेपथ्यजोभाषेभलेवनाय भाषोंतासअपथ्यअवसुनलीजैचितलाय ॥ इतिपथ्यम् ॥ अथअपथ्यम् ॥ चौपई ॥ इस्त्रीसंगममदरापान गजघोडेपरचढनोमान श्रमकरनोअरुआद्रकभक्षण मछीलवंगहिंगुकोचक्षण भोजनविरुद्धअन्नअरुपान तैलाभ्यंगअपथ्यप्रमाण सरषपमाषअमलसबवस्तु मूत्रवेगविरुद्धअप्रशस्तु तीक्षणदाहकरौक्षजुवस्तु मूत्रकृच्छ्रमोंनाहिप्रशस्तु दोहा मूत्रकृच्छ्रकेपथअपथभाषैसबसमझाय त्रिदोषसमझकेपथगहेताकोंविघननकाय इतिपथ्यापथ्यं दोहा मूत्रकृच्छ्रवरणनकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यवषान इतिमूत्रकृच्छ्ररोगःसमाप्तः ॥

॥ अथमूत्रकृच्छ्रकर्मविपाकः ॥

अथमूत्रकृच्छ्ररोगदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥ अथकारणम चौपई ॥ विधवानारिरमतहैजोय मद्यपानपुनकरहैसोय तांकोमूत्रकृच्छ्ररुजहोई तासउपायकहोंसुनसोई ॥ अथउपायः चौपई ॥ कमलपंचपलस्वर्णवनावै तांपरस्वर्णसूर्यवैठावै कलशउपरधरपूजैजास अवरकलशदिगदिगपतितास तिन्हकलशनपरदिगपतिजजै सूर्यमंत्राकरहवनहिंसज्जै करसंकलपविप्रकोंदेवै मूत्रकृच्छ्रतेंमुक्तिलहेवै ॥ दोहा ॥ मूत्रकृच्छ्रवरणनकियोकारणसहितउपाय मूत्रघातकोंकाहितहोंसुनलेचित्तलगाय इतिमूत्रकृच्छ्रदोषसमाप्ता

॥अथमूत्रकृच्छ्ररोगज्योतिषः।

॥ दोहा ॥ जोऋषगृहमोशनीहोइदृष्टपरैसमराह तिहकारणनरभोगतामूत्रकृच्छ्रकोदाह शनीजापपरमानतिहहोमादिकमनलाय तांतेरोगनिवृत्तहोज्योतिषयोंप्रगटाय ॥ इतिज्योतिषं

॥ अथमूत्रघातनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ मूत्रघातवरणनकरोंसवहीचिन्हसमेत भेदत्रिदोषजतासकेज्योंनिंदानकहिदेत चौपई मूत्रकृच्छअरुमूत्रजुघात तिन्हकोभेदकरोंविख्यात मूत्रकृच्छ्रकष्टवहुकरै मूत्रवंधअल्पसोधरै मूत्रघातवंधवहुकरता अल्पकष्टकोंसोहैधरता ॥ अथमूत्रघातकारणं ॥ चौपई ॥ रूषीवस्तुजुभोजनकरै मूत्रपुरीषवेगरुकधरै अरुवीरजकोंवगरुकावै तांतेंदोषकोपप्रगटावै कुंडलकादित्रयोदशजोय मूत्रघातप्रगटावैसोय ॥ अथत्रयोदशमूत्रघातनामानि चौपई ॥ कुंडलकाजुप्रथमकोंजानो असटीलादूसरपहिचानो वातवास्तितीसरकोंजान मूत्रातीतचतुर्थपछान मूत्रजठरपांचमोंकहिये मूत्रोत्सर्गषष्टमोंलहिये सप्तमकोंमूत्रक्षयजान मूत्रग्रंथीअष्टमलषिमान मूत्रशुक्रनवमोसोकहिये उष्णवातदशमोयोंलहिये मूत्रसादिएकादशजानो विटाविघातद्वादशपहिचानो वस्तीकुंडलत्रयोदशकहिये मूत्रघातएतेलषलहिये

॥ अथकुंडलकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ भोजनरूषोजोजनकरत विष्टामूत्रवेगरुकधरत तांतेंनाभितलैजोवाय करैप्रवेशकोपप्रगटाय कुंडलरूपहोइपीडाकर अल्पअल्पमूत्तरताधरै मूत्रसहितपीडाभीहोय मूलघातकुंडलकासोय ॥ इति

॥ अथअसटीलामूत्रघातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वायुनाभीतलगुदारुकावै मुशलीवतहोइदुखप्रगटावै मूत्रमार्गसोमुशलीरोकै ऊंचीचं-चलहोइकरटोकैं मूत्रघातअसटीलाकहिये अैंसेयांकेलक्षणलहिये ॥ इति

॥ अथवातवस्तिमूत्रघातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोकोऊनरमूरषहोय वेगमूत्रकोंरोकैसोय तिसनरनाभितलैंहोयवाय कुपितनाभिकुक्ष-दुखउपजाय मूत्रहिंकोंसोरोकतजान ताहिवातवस्तीपाहिचान कष्टसाध्यभाषैंतिसताई मूत्रातीतसु नोयोंगाई इति

॥ अथमूत्रातीतमूत्रघातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोनरचिरकरमूत्ररुकावै पुनहिंशीघ्रमूत्रनकोंधावै मूत्रसमयमंदमंदमूतात मूत्रातीत-सोरोगकहात ॥ इति

अथजठरमूत्रघातलक्षणम्

॥ चौपई ॥ मूत्रवेगकोंरोकैजोय वायुअपानकुपिततबहोय गुदाआपनोत्यागैद्वार उलटउदरपूरै सविकार तीव्रपीडनाभीतलकरै जठरनामवाकोउच्चरै ॥ इति

॥ अथमूत्रोत्सर्गमूत्रघातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नाभितलैवानाभिमंझार अथवालिंगअग्रसुविचार रुक्यामूत्राजोपीडसमेत अल्प-अल्पनिकसैलहोभेत अथवारक्तसहितमूत्रावे मूत्रोत्सर्गसुनामकहावै ॥ इति

॥ अथमूत्रक्षयमूत्रघातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ क्षीणदेहजेऊनरहोय तांकोवातपित्तयहदोय नाभितलैसोइस्थितपाय सुतदाहपीडा-उपजाय सोदोइदोषमूत्राक्षयकरैं तांतेंनाममूत्राक्षयधरैं ॥ इति

॥ अथमूत्रग्रंथिमूत्रघातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नाभीतलैवानाभिमंझार वर्तुलअल्पगुटकाआकार ग्रंथरूपहोइउपजतसोय पथरी-समपीडाकरैसोय मूत्रग्रंथितांनामपछानो मूत्रशुक्रसुनहोसुवषानो ॥ इति

॥ अथमूत्रशुक्रमूत्रघातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ प्रथममूत्रकरजोनरकोय इस्त्रीसंगजुकरतहैसोय तांतेंवातकोपवडधरै मूत्रशुक्रतानर-कोंकरै मूत्रवर्णभस्मोदकन्याई शुक्रदोषतैंतांकोगाई मूत्रशुक्रतानामभनैये उष्णवातआगेंसुनलेये इति

॥ अथउष्णवातमूत्रघातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ आतपअतिमारगचलनेकर अतिव्यायामकरनतेंमनधर नाभितलैगुदलिंगमंझार कु-पितवातपितकरैसंचार तहांदाहपीडाउपजात मूत्रश्रावैंभाषसुनात रक्तवरणवाहलदीरंग मूत्रश्रवैंसक-ष्टमनभंग ॥ इति

॥ अथमूत्रसादमूत्रघातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोकफवातपित्तयहतीन नाभितलैजवइस्थितलीन तबैकष्टसोंमूत्रकरावै पीतस्वेतघणारक्तादिषावैं अथवाकेवलमूत्रकराहिं गोरोचनरंगवादरसांहिं अथवाशंखचूर्णसमहोय मूत्रसदाहप्रगटहोइजोय मूत्रसादयहनामकहीजे आगेंविटविघातसुनलीजे ॥

॥ अथविटविघातमूत्रघातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रूक्षअन्नभुकदुर्वलजोई वाततेंविष्टासूकीहोई सोविष्टारुकमूत्रदुआर प्राप्तहोयबहुकैरेविकार विष्टागंधमूत्रसोंआवै अथवाविष्टायुतप्रगटावै कष्टसहितमूत्रेनरसोय विटविघातनामातिसहोय ॥ १२ ॥

॥ अथवस्तिकुंडलमूत्रघातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ शीघ्रगमनलंघनकरजानो खेदहुतैंताडनतेंमानो अरुपीडनकरनाभीतास होइस्थूलगार्भइवजास सोनरदाहशूलकेसंग विंदुविंदुमूत्रेमनभंग अरुवहुपीडितधारचलावै सोरुजवस्तीकुंडलकहावै यामोपवनप्रवलवहुहोय दुरनिवाररोगलषसोय जोवहुदाहशूलसोहोई पितजघातजानहोसोई पीतरंगमूत्रतिसजान कफजकहोंपुनलषासुजान गौरवघणोसनिग्धताधरै स्वेतरंगकफतैंउचरै ॥१३॥इति

॥ अथमूत्रघातसाध्यअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मूत्रछिद्ररुक्योनहिंजवलो ताकोंसाध्यजानहोतवलो मूत्रछिद्ररुक्याजोजान सोअसध्यकीजैअनुमान दोहरा मूत्राघातलक्षणकहैजैसोंलिखेनिदान तासाचिकित्साकहितहोंसुनहोपुरुषसुजान इतिमूत्रघातनिदानंसमाप्तम्

॥ अथमूत्रघातरोगचिकित्सा ॥

॥ दोहरा ॥ कहोंचिकित्सामूत्राघातकीवंगसेनअनुसार चतुरवैद्ययहसमझकैपुनकरहैउपचार अथक्काथः ॥ चौपई ॥ कुशाअवरकाशानडजानो इक्षुइन्हनकीजढलेठानो क्काथवनायशीतलकरपीवै सिक्तापायपीवैसुखथीवै अन्यच्च ॥ चौपई ॥ गोधावतीवटपत्रीमूलकुटाय काथकरैघृततैलमिलाय अरुगोरसमिलायतिसपावै मूत्राघातकोदुखहतथीवै अन्यच्च ॥ चौपई ॥ केवलजढउशीरकीआनै करकेकाथशिलाजितठानै पीवैमूत्राघातहोइनाश निश्चयआनोमनमोंतास अन्यच्च पलप्रमाणगोधावतीआने कूटवनायक्काथतिसठाने मधुमिसरीयुतक्काथसुपीजे मूत्रघातकेरोगकोछीजे अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पंचांगगोषुरुक्काथवनावे सिताअवरमधुपायपिलावै होवैमूत्राघातरुजनाश दुखनाशैंतनुसुखपरकाश अन्यच्च चौपई पंचमूलकोक्काथबनावै गुडघतपायप्रभातपिलावै मूत्राघातकोंतुरतविडारै यहनिश्चयअपनेमनधारै अथचूर्णं चौपई शतावरिमूलजुचित्राआने शतभद्राएलापुनठानै पाषाणभेदकौडपीसाय तालमषाणाभषडेपाय कोंचकेंवीजसुआनमिलावै यहसमचूर्णपीसवनावै कर्षएकमदरासोंषावै पथरीजायरोगीसुखपावै होवैमूत्राघातकोनाश निश्चयआनोमनमोंतास अन्यच्च चौपई मयूरसिखाकोमूलपिसावै तंडुलजलसोंतिसकोषावै मूत्राघातरुजहोवैनाश दुग्धजुभातपथ्यदेतास अन्यच्च चौपई वायसीजीवकमूलयवक्षार सितातैलचूर्णमोंडार कोशकारकेरससंगपीवै मूत्रघातजावैसुखथीवै अथरसः चौपई मूत्राघात-

वाताधिकजानै कंडयारीरसपीवेसुखमानै अन्यच्च चौपई कुंकुमकेसरजलमोडार रात्रिभिगोयरपै हितधार प्रातहिंमधुमिलायकरपीवै मूत्रघातनाशैंसुखथीवै अन्यच्च चौपई तंडुलजलसोंचंदनपीवै पायशरकरादुखहतथीवै पितरक्तविकारतेंजास यातेंमूत्रघातहोइनाश अथदुग्धम् चौपई गोषुरइरंड-शतावरिआनै यहसमदुग्धमांहिलेठानै मंदअग्निसोंदुग्धकढाय पीवैमूत्रघातमिटजाय अथतैलं चौपई पाटलभस्मतैलसंगपीवै मूत्रघातरोगहतथीवै अन्यच्च चौपई पाषाणभेदएरंडकुशाकुटाय शालि-पर्णिपुनर्नवापाय अवरशतावरीसंगमिलावै इनसबकारसआनरलावै इन्हमोंसिद्धतैलकोंकरै अचवैमू-त्रघातदुखटरै वाइनसबकाकल्कवनावै दुग्धसाथपीवैदुखज.वै अथघृतप्रकारः चौपई धनियांगोषुरु-समकोकाथ पक्ककरैघृतताकेसाथ पीवैमूत्राघातदुखजाय ऐसेंजानोतासप्रभाय अथभद्रावहघृतम् चौपई पाठापाटलकुशाविदारी दोयपुनर्नवाकाशाडारी सरजुइक्षुइन्हकीजढलेय पुनयहऔषधतासमिलेय गोषुरुअवरवराहीकंद पाषाणभेदलीजैसानंद शालीमूलभिलावैआन सरींहमूलसबकाथहिंठान पाद-इन्हशेषरहैजवक्काथ घृतइकप्रस्थमेलियेसाथ तरककडीकेवीजजुपाय कमलपुष्पलेआनरलाय नीलो-त्पलकाकोलीवीज मुलट्ठकूष्मांडतहंदीज कर्कटीवीजघृतपायपकावै धायमूत्रकृच्छ्रादिमिटावै अथविदा-रीघृतं चौपई विदारिवासायूथिकाआन वरुणाअवरविजोराठान पाषाणभेदअरुअगरजुपावै कोगडनड पुनर्नवाल्यावै वरचवलाअतिवलाजुभेह शरसिंगाडेरहसनएह शालिपर्णिआमलेमिलाय इक्षुकुशा-काशाजढपाय कटतृणअवरजुचित्राआन नागरमोथाकरोमिलान दोइदोइपलयहऔषधमान द्रोणतो-यमेंपायपकान पादशेषरहैवहजवै छाणप्रस्थघृतपावैतवै रसधात्रीजुशतावरिदोय घृतसमानतिंहपावै-सोय षटपलताहिशरकरापावै पुनयहऔषधआनमिलावै मुलट्ठमघांजोवनीगणद्राष केसरगजकेसरक-ह्योभाष कास्मरीअवररेणुकापावै पुनजुयवाहांआनमिलावै एलाअवरफालसेजान कर्षकर्षयहऔषध-ठान सबतेदुगुणादुग्धमिलावै मंदअग्निसोंताहिपकावै नित्ययथावलतांकोपावै तांकोंगुणयोंभाषसुनावै मूत्राघातजुसर्वप्रकार नाशैनिश्चयमनमोंधार पित्तजसोंविशेषकरनाश तृषाछेदक्षतश्वासहरकास रा-जयक्ष्मशिरपीडनिवारै उन्मादमृगीतनुकंपविडारै रुधिरवमनउदररुजनाशै रजवीरजकोदोषविनाशै स्मृतवीरजपुष्टवधावै पुत्रजन्महोइवलअधिकावै वातजरोगसभीमिटजांहि विदारीघृतहिंरसायणमां-हि अथक्षौद्रार्धभागघृतम चौपई अर्धभागजुमधुकोआनै इकइकभागक्षीरघृतठानै एकभागशरकरा-मिलावै एकभागइक्षुरसपावै द्राक्षकोचवीजमघजान पलपलइन्हकोचूरणठान मंदअग्निपकायसोषा-वै पाछेगोकादुग्धपिवावै मूत्रघातजुसर्वप्रकार नाशहोयनिश्चयमनधार॥ अथमर्दनं चौपई कुकुटवसा-तिलनकोतेल यहदोनोसमकीजैमेल नाभितलैसोमर्दनकरै मूत्रघातरोगयहहरै दोहा मूत्रकृच्छ्रअरु-अस्मरीइनकीऔषधजोय मूत्रघानमोंदीजियोभिन्ननराखोकोय ॥ दोहा ॥ मूत्रघातरुजकीकहीसम-झचिकित्सासार यातेंआगेंकहितहोंपथ्यापथ्यधिकार इतिमूत्रघातरोगचिकित्सासमाप्ता

॥ अथमूत्रघातरोगेपथ्यापथ्यम ॥

॥ दोहा ॥ मूत्रघातकेपथअपथसुनहीपुरुषसुजान जैसेंभाषेशास्त्रमोंतैसेंकरोंवषान ॥ अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ वुटणातनुअपनेमलवावै घृतपीवैरेचनकरवावै तक्रअचैअरुस्वेदप्रमाण दुग्ध-

दहीपुनपथ्यपछान पुरातनकूष्माडपहिचानो रसमाषअन्नपथ्यकरमानो तंडुलरक्तपुरातनकहिये पटोलतालफलगिरीलहैये मारूथलमृगपक्षीमास तिन्हकारसपथकीनप्रकाश मोटाआद्रकहरडलहीजै द्राक्षमुनक्कापथ्यकहीजै नरेलगिरीवादामछुहारे यहसमस्तपथ्यलेधारे ॥ दोहा ॥ मूत्रघातकेपथ्यजोभाषेभलेंवनाय आगेंसुनोअपथ्यजोंतिन्हैतजैचितलाय इतिपथ्यं अथअपथ्यं चौपई लषोविरुद्धअन्नअरुपान मारगगमनअवरव्यायाम करीरनकफेलभक्षणजेऊ मैथुनरोकनवेगजुतेऊ दाहककावजरौद्यजुवस्तु अवरवमनजुनांहिप्रसस्तु ॥ दोहा ॥ मूत्रघातकेपथ्यअपथ वैद्यग्रंथअनुसार मनमोंसमझविचारकैकियेसकलउपचार ॥ इतिमूत्रघातरोगेपथ्यापथ्याधिकारःसमाप्तः ॥ दोहा ॥ मूत्रघातवरणनकीयोप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिमूत्राघातरोगःसमाप्तः ॥

॥ अथमूत्रघातरोगदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणम् ॥ चौपई ॥ जोदंपतिमैथुनमंझार मोहहुतेंकरैविघ्नगवार ताकोंमूत्रघातप्रगटावै सुनहोतासउपायवतावै ॥ अथउपायः ॥ चोपई ॥ जोधर्मिष्टक्षीणद्विजहोय अरुसतवक्तालषियेसोय तृप्तसोभोजनवस्त्रनतास करहैमनमोंधारहुलास अरुस्वर्णकीमूरतकाम वनवावैहाछीअभिराम पूजनकरब्राह्मणकोंदेय मूत्रघातदुखहरसुखलेय ॥ दोहा ॥ मूत्रघातकेदोषकोंकारणकह्योउपाय दोषअश्मरीकहितहोंसुनलीजैचितलाय ॥ इतिमूत्रघातदोषकारणउपायःसमाप्तः॥

॥ अथमूत्रघातज्योतिषः ॥

॥ दोहा ॥ शुक्रदशाकेअंतरेचंददशाजबआय मूत्रघातकीहान तवप्राणीकेजियधाय शुक्रचंद्रपूजनउचितजोतिषकियोवषान रोगहरणकेकार्य्यसबनिश्चयकरइहजान ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथअश्मरीरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ निदानअश्मरीकोकहोंपथरीभाषेंजास वातादिकसबहींकहेंसुनकरसमकोतास ॥ चौपई ॥ वातपित्तकफतीनउचार इन्हतेंहोइअश्मरीविकार चतुर्थअश्मरीशुक्रउपावै कफयाहीकोकारणगावै यमकेसमइसदुःखकोंजानो जैसेंयहप्रगटैसुवषानो वायुनाभितलवीर्यसुकावै अरुकफमूत्रासुकायदिषावै तांहूतेंपथरीप्रगटात तांदृष्टांतसुनोविख्यात जैसेंवायुधेनुपित्ताऊ सोषैगोरोचनउपजाऊ पथरीनामजासकोकहिये एकदोषतेंसोनहिलहिये सबदोषनकेआश्रयजानो सामान्यचिन्हयाकेयोंमानो ॥

॥ अथअश्मरीरूपसामान्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नाभितलैसोकरैअफारा पीडाकरहैबहुतप्रकारा छागलगंधमूत्राउपजावे मूत्रकृच्छ्न्याईनिकलावे अरुचीअवरज्वरहोतहेजास पूर्वरूपतिसकियोप्रकास ॥

॥ अथसामान्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ छिंन्नधारमूत्राकीहोय पथरीकरमार्गरुकजोय लालमणीइववरणलषावै मूत्रद्वारपथरीसुरुकावै रोकनतेबलमूत्रजुकरै तांकेवलतेंक्षतदिषपरै तिसक्षततेहोइरुधिरप्रचार योपथरीकोलषोप्रकार ॥

॥ अथवातजपथरीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ बातहुतेंबहुपीडाहोय कंपदांतपीडतहैसोय लिंगमलैअरुरतधुनकरै विंदुविंदुमूत्रेदुःख-धरै श्यामरंगवाअरुणादिषावै कंटकविद्धनदुःखउपजावै वातजपथरीऐसेंजान पित्तजकोंअबकरों-वषान ॥

॥ अथवातजअश्मरीचिकित्सा ॥

॥ अथशुंठ्यादिकाथः ॥ चौपई ॥ शुंठीअग्निमंथकोंल्यावै पाषाणभेदसोआनमिलावै वरुणत्व-चालतासमिलाय अवरगोषुरुआनरलाय हरडसुहांजणाअम्मलतास समकूटकाथसुनकीजैजास काथहिंलवणहिंगुयवचार पायपीवैअश्मरीनिवार मूत्रकृच्छ्रअरुउदरकीवात कटऊरुलिंगगुदादुःखघा-त ॥ अथएलादिकाथः ॥ चौपई ॥ प्रथमवैद्यलघुएलाआने पाषाणभेदरेवंदतिंहठाने मुठलऐरंड-भषडावासा समलेकाथकीजियेतासा पीसाशिलाजितकाथमिलावै अवरशरकरापायपिलावै वातजप-थरीहोवैनाश मूत्रकृच्छ्रहरसुखपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ वारुणत्वचागोषुरुनागर यहसमकाथ-बनायछाणधर तामोंपावैगुडयवचार मूत्रकृच्छ्रअरुअश्मरीटार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कुशका-शाइक्षुजडमंगवावै भिलावैअग्निमंथतिहपावै शतावरीगोषुरुसणअरुवासा पाषाणभेदसरींहफलता-सा यहसमकाथपिलायप्रभात नाशहोयरुजअश्मरीवात ॥ अथपाषाणभेदादिघृतम् ॥ चौपई ॥ पाषा-णभेदगिलोयभिलावे वरुणाफलयववेरमिलावे ब्राह्मीचंदननखमिलीजै कालरुलूणसोआनरलीजै अ-गरगजपीपलजुशतावरि शिलाजीतगोषुरुताहिधरि उशीरआमलेदोइकंड्यारी कुलत्थनिर्मलीफलस-मडारी काथकरैतांमोघृतपावै पवैवातजपथरीजावै ॥

॥ अथपित्तजपथरीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तकरदग्धनाभितलहोय पच्यमानइवलषयतसोय अरुपथरीकोजोअस्थान तप्तरक्तपीतकृष्णप्रगटान ॥

॥ अथपित्तजअश्मरीचिकित्सा ॥

॥ अथकुशादिघृतं ॥ चौपई ॥ कुशकाशाशरइक्षुजडलीजै कुष्टउशीरउतकटतिंहदीजै पाषाणभेद-जुविदारीकंद शालिमूलवाराहीकंद स्योनाककुरंटतासमोंपीवै अवरमोडयांआनरलावै पाठापाटल-भषडेपाय त्वचसरीहपुनर्नवाल्याय अवरवकमकीजडलेधरै यहसवसमलेकाथसुकरै दुगुणोंतांमो-घृउपकाव पाछेयहऔषधीमिलावै बीजनीलकमलजुमुलट्ठ शतावरिककडीबाजइकट्ठ पीसमिला-यसुघृतनितषाय पित्तजपथरीशीघ्रमिटाय ॥ अथयवागूः ॥ चौपई ॥ यवागूकरयवक्षारमिलावै पीवैपित्तजअश्मरीजावै यवागूक्षारपयआरुभोजन पित्तहरनतिहकरेसुयाजन ॥

॥ अथकफजपथरीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफकरनाभिपीडबहुहोय शीतलगुरुस्निग्धलषिसोय मूत्रस्वेतमाष्योंइवजान यह-पथरीबालकप्रगटांन नाभिमलैषैंचेसुखहोय तांतेंबालकसुखलहैंसोय महतीकुक्कुटअंडकीन्यांई क-फजअश्मरीतासकोंगांई ॥

अथकफजअश्मरीचिकित्सा

॥ चौपई ॥ गुग्गुलएलारेंवंदआन कुट्टमरचाचित्रासमठान देवदारुपुनवरुणमिलावै घृतबकरीकोपायपकावै तासपकाययथावलषाय कफजअश्मरीतांतेजाय ॥ अथगणघृतम् ॥ चौपई ॥ गणवरुणादियुतघृतजुपकाय वाभद्रादिगणलेयसमाय अथवापीपलीगणजोलीजै ऊषरादिगणवातिसदीजै इनगणयुतघृतलेजुपकाई खावेअश्मरीकफजमिटाई इतिकफजअश्मरीचिकित्सा

॥ अथशुक्रजपथरीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शुक्रअश्मरीबडेकेताहीं वीरजकेरीकैप्रगटाहीं नाभीतलैवानाभिमंझार वीर्यसुकावैवातविकार तांतेंपथरीउपजिनकहिये अंडनमोंसोजालषपैये नाभीतलेहोयपीडअपार मूत्रकष्टतेंकरतसुधार तांतेंप्रगटवीर्यपरवाहि तांतेंहोतसरकरातांहि तांतेंअधिकीपीडाहोय कहोंउपद्रवतांसुनसोय

॥ अथशुक्रजअश्मरीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ गुडयवक्षारमिलायजुषावै शुक्रअश्मरीशरकराजावै ॥ अथक्काथः ॥ चौपई ॥ तिलअपामार्गकदलीपालास विल्वअवरयहसमलेतास करैक्काथपयभेडामिलावै वाभेडमूत्रसोंताहिपिलावै कंकरीपथरीशुक्रविनाशै रोगजायतनुसुखपरकाशै ॥ अथचूर्णम् चौपई ॥ निवकंकोलनिर्मलीआन जीवंतीनीलकमलसमठान इन्हकेफलकोचूरणकरै गुडमिलायसमानिजढिगधरै तप्तनीरसोंपीवैजोय शुक्रअश्मरीगिरहैसोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पाषाणभेददोनोकंड्यारि अवरएरंडभषडेडारि तालमखाणकोलेमूल यहचूरणपीसोसमतूल दधिअरुदुग्धमिलायसुखावै शुक्रअश्मरीकंकरीजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ केवलहलदीचूरणकीजे गुडमिलायकांजीसोंदीजै शुक्रजकंकरीपथरीनाश वैद्यकमतयोंकीन्हप्रकाश ॥ इति ॥

॥ अथसामान्यअश्मरीचिकित्सा ॥

॥ चूर्णम् ॥ चौपई ॥ केवलकोगडदधिसोंपीवे नाशअश्मरीकंकरीथीवे ॥ अन्यच्च ॥ नालेरफलचूर्णदुग्धकेसंग पीवैहोयजुअश्मरीभंग ॥ अथरसः ॥ चौपई ॥ गोषुरसुंठवारुणाआन करैकाथसमतीनोठान करैक्काथपावैयवक्षार पीवैपथरीकंकरीटार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सुंठवारुणाभषडेपाय कपोतवंकापुनताहिमिलाय पाखाणभेदसबसमकरकाथ पीवैगुडयवक्षारहिसाथ होयअश्मरीकंकरीनाश दुखनाशैतनुसुखपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ वारुणमूलक्काथसोकीजै सुहांजणमूलक्काथवापीजै पथरीकंकरीहोवैनाश निश्चयआनोमनमोंतास ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सुंठभषडेएरंडवीज वारुणत्वचलेक्काथकरीज जोरोगीयहप्रातहिपीवै नाशकंकरीपथरीथीवे ॥ अथघृतं ॥ चौपई ॥ पंचमूलतृणभषडेआन दशदशपलइन्हकोपरिमान द्रोणपायजलतिन्हेपकावै पादशेषवहजवैरहावै छानप्रस्थघृतपायपकावै पुनतामोंयहसमझरलावै भषडेवीजपीसगुडपाय षावैकंकरीपथरीजाय ॥ अथमर्दनतैलम् ॥ ॥ चौपई ॥ वारुणपत्रत्वचाफलमूल यहलीजैतीनोसमतूल अवरभषडेतासमोपाय विधिसोंक्काथधरेसुवनाय करैक्काथसंगतैलपकावै नाभीतलेमर्दनकरवावै कंकरीपथरीशूलनिवारै यहनिश्चयअपनेम-

नधारै ॥ अथकुशादितैलं ॥ चौपई ॥ कुशाअग्निमंथनडआन शरउशीरभषडेइक्षुठान कपोतवंकाअ-गरपुनपावै शिलाजीतगजपीपलधावै वंदाकशतावरिअरुलूडार पाषाणभेदअमलतासविचार यहस-मलेयकूटकरडारै काथकरेतिंहितेलसुधारै ताहियथावलपीयमलावै रोगजायतनसुखप्रगटावै कंकरीरु-जकोहोइहैनाश मूत्रकृच्छ्रजोप्रदरविनाश योनिशूलअरुवीरजदोष नाशहोवेमनमोसंतोष जोवंध्याती-यानितयाकोंषाय गर्भहोयताकोंसुखदाय ॥ अथचूर्ण चौपई ॥ आद्रकअगरहरडयवक्षार यहसमली-जैपीससुधार दधिमंडहिंमेलताहिजोषावै रोगअश्मरीतांतैजावै ॥ अथकाथः चौपई ॥ रक्तअधिकहोवै जिसताई इंहप्रकारताकाथसुनाई पद्मनालतालकुशकाश इक्षुजढपायकाथकरतास मधुसितापायकाथ जोपीजै सर्वप्रकारकअस्मरीछीजै ॥ अन्यच्च ॥ तालमषाणाककडीवीज कंदविदारीतामोदीज मधुमिसरीयुतचूरणखाय रोगअस्मरीतांतेंजाय ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ वारुणत्वचाभस्मपलअठ यवक्षारचारपलकठ दोयपलगुडजोतामोपाय इककर्षतषततोयसोंषाय कंकरीपथरीतनुतेंजावै दुःखमिटेवहुसुखप्रगटावै ॥ अथवरुणकगुडः चौपई ॥ कृमिकीटविनावरुणाजोहोय तरुणसनिग्धजा नपुनसोय स्थानपवित्रहिंउत्पतजास श्रेष्ठनत्वत्रत्वचालेतास तुलाप्रमानत्वचासोलीजै चारतुलाप्रमाण जलदीजै पकायपादशेषजबरहै वस्त्रछनायकाथसोगहै पुनगुडतुलाप्रमाणमिलावै मृतिकावासनदृढ-हिंपकावै जबहींताकोंसघनपछानै इन्हऔषधकोंचूरणठानै सुंठीककडीवीजमंगावै कणागोषुरचंद-नपावै पाषाणभेदअरुत्रिपुसावीज कूष्मांडकुनटीधरलीज द्राक्षसुहांजणावाथूपाय एलाहरडविडंग-मिलाय शिलाजीतयहपलपललीजै चूर्णपीसतासमोंदीजै नित्ययथावलताकोंषावै पथ्यषायतांतैसु-खपावै तिसतेंअश्मरीमूत्रकेद्वार निकसपडेनिश्चयमनधार ॥ कलथकुलत्थादिघृतम् चौपई ॥ प्रथमबा-रुणाकोकरहैकाथ क्वाथकुलथविडंगधरसाथ क्वाथसभीसमघृतकोपाय मंदअग्निसोंताहिपकाय सेंधाका-थहिंसंगपकावै पुनशरकरायवक्षारमिलावै कूष्मांडअरुगोषुरबीज यहसमपीसोघृतमोंदीज पकावेनित्य यथावलषावै कष्टसाध्यअश्मरीमिटावै मूलकृच्छ्रअरुमूलजुघात मूलवंधनाशेविख्यात ॥ अथशर्करादि-पंचमूलघृतं ॥ चौपई ॥ शरकुशकाशइक्षुजुउशीर पंचमूलइन्हकेलेधीर यहसमतोयचतुर्गुणपाय प्रस्थघृतअरुगोषुरुमिलाय मंदअग्निसोंसिद्धसुकरे अनुपानशर्करातांकोधरे नित्ययथाबलतांकोंषावै अश्मरीमूत्रकृच्छ्रदुःखजावै ॥ अथवरुणकघृतं ॥ चौपई ॥ वरुणात्वचातुलाभरआनो कूटद्रोणजलमोंसो-ठानो पकावैपादशेषरहैजवै प्रस्थएकघृतपावैतवै कदलीविल्वतृणपंचकमूल पाषाणभेदगिलो-यजुतूल लेयवरचतरककडीवीज वारुणत्वचातासमोदीज पलासक्षारअवरतिलक्षार यूथिकामूलपी-सपुनडार कर्षकर्षइन्हकोपरिमान पकायमंदअग्निहितजान पुरातनगुडवाकांजीसाथ षावैघृतयह-सुनतुमगाथ षाययथावलअश्मरीनाश मूत्रकृच्छ्रशरकराविनाश.

अथअश्मरीअसाध्यलक्षणम्

॥ चौपई ॥ नाभीअवरवृषणमंझार शोथहोतजोतासविचार बद्धमूत्रासिकताकीन्याय जोनिकसे-सुअसाध्यकहाय ॥ दोहा ॥ अश्मरीरोगनिदानयहभाष्योंसबहिंसुनाय तासाचिकित्साकहितहोंसुन-लीजेचितलाय इतिअश्मरीरोगनिदानंसमातम्

॥ अथअश्मरीउपद्रवः ॥

॥ चौपई ॥ दुर्बलताकृशताकुक्षिशूल पांडुवर्णहृदयदुःखमूल मूत्रघातवतउष्णजुवात उपद्रवपथरीकीनविख्यात वमनअरुचितृष्णापहिचान चिन्हअसाध्यकरेंव्याख्यान

॥ अथतैलप्रकारः ॥

॥ चौपई ॥ वीरवृक्षअरलूविल्वआन पाषाणभेदपाटलपुनठान अग्निमंथवंदाजुउशीर एरंडपद्मकाष्टलषधीर कुशकाशाइक्षुशरजढलेय तालमषाणगोषुरुदेय वानरवेलदोवंजुलशतावरी काश्मरीश्रीपर्णिकपोतवंकधरी सबकोमूलवराबरलीजै चतुर्गुणजलहिकाथसोकीजै चतुर्थपादकाथरहैजव छाणतैलतांकेसमतिंहतव मंदअग्निदेताहिपकाय पात्रसानिग्धहिधरोवनाय मर्दनतैलकरावेसोय वस्तीकर्मकरैपुनजोय अश्मरीअवरशरकराजावै मूत्रकृच्छ्रमूत्रघातनसावै ॥ अथपुनर्नवादितैलं ॥ चौपई ॥ लेपुनर्नवाअवरगिलोय भीरुसटीयवक्षारसमोय मुस्थरवरचलवणलेतीन रहसनकुट्टकायफलचीन जवायणहिंगुअरुपुष्करमूल अजमोदशतपुष्पालेसमतूल मुलठीअवरविडंगपतीस पंचकोलसबलीजैपीस कर्षकर्षसबकोपरिमान तैलएकप्रस्थलेठान दोयप्रस्थगोमूत्रमिलावै दोयप्रस्थकांजीतिंहपावै मंदअग्निसोंताहिपकाय वस्तीकर्मयथाबलषाय अश्मरीमूत्रकृच्छ्रमिटजावै अरुशरकरारोगनरहावै कटउरुकुक्षपीडानाशै लिंगनाभितलपीडविनाशै वंक्षणकीपीडामिटजाय कफवातआमशूलनरहाय अंत्रवृद्धरोगनरहावै बंगसेनयोंप्रगटलषावै दोहा कहीचिकित्साअश्मरीबंगसेनअनुसार आगेंयाकेपथअपथ्ुनहोंकरोंउचार इतिअश्मरीरोगचिकित्सासमाप्ता

॥ अथअश्मरीरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पथरीकेअबपथअपथभाषतहोंसविचार तिन्हकोंजानोवैद्यजनपुनकरिहैंउपचार अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ घृतअरुदुग्धतैलअरुक्षार पथरीरुजकेपथ्यविचार इन्हकरपथरीरोगनजाय देजवाबवैतिसछेदकराय तिसतेंपथरीवारनिकारै आगमलहमतासुधारै अथवादेवयोगतेंपथरी मूत्रमार्गमेंआवैउतरी विडीसंगतिसवारनिकास रोगीकेमनहोतहुलास ॥ चौपई ॥ वस्तीकर्मस्वेदअरुलंघन वमनमद्यअरुजानोरेचन पुरातनचावलअवरकुलत्थ यवकोकोटाजानोपथ्य मारूथलमृगपक्षीमांस तिन्हमांसनकोरसपथतास पुरातनपेठाभषडेलहिय पाषाणभेदपुनपथ्यकहैये पुनआद्रककोपथ्यपछान पथरीकेपथकीनवषान ॥ दोहा ॥ पथ्यअश्मरीरोगकेभाषेभलेवनाय आगेंकहोंअपथ्यसबवैद्यशास्त्रज्योंगाय ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ कावजरूक्षअन्नअरुपान तजअवरखटेआईजान वीरजमूत्रवेगइहदोय राषेरोकअपथलषसोय ॥ दोहा ॥ पथ्यअपथ्यजुअस्मरीसबकोकहेसुनाय पथ्यगहैत्यागेअपथसोनरचतुरकहाय ॥ इतिपथरीरोगेपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः ॥ दोहा ॥ अश्मरीरोगनिदानकहिपुनाहिचिकित्सागाय पथ्यापथ्यबषानपुनसबहिनकह्योसुनाय ॥ इतिअश्मरीरोगःसमाप्तः ॥

॥ अथअश्मरीरोगदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ ऋतुअंतस्नाताभार्याहोय अप्रीतसक्रोधढिगजायनजाय ताहिरीगपथरीप्रगटावै तासउपायसुनायेंगावै ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ गौअरुवृषभवस्त्रादिसिंगारै पूजनकरै-

भलीप्रकारै ब्राह्मणवरकोंदेवैदान पथरीदुःखतेंहोइकल्याण ॥ दोहा ॥ पथरीदोषबषानियोकारणसहि-तउपाय प्रमेहरोगवरणनकरोंबहुप्रकारसमभाय इतिअश्मरीरोगदोषकारणउपायःसमाप्तः ॥

॥ अथअश्मरीरोगज्योतिषं ॥

॥ दोहा ॥ देवगुरूकेगृहविषेंबुधजुबैठाहोय तांपरदृष्टदिनकरपडीपूर्णप्रभअतिसोंय जापहोमअरु-ब्रह्मयज्ञबुधानिमित्तहैसार रोगअश्मरीकोहरैयोतकोऊनविचार इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथान्यप्रकारकथनम् ॥

॥ रोगसोजगुर्देदी ॥ चौपई ॥ गुर्देसोजजाहुकोहोई आमासगुर्दामतफारससोई लक्षण-तापतृषाअतिलागे शिरपीडाउन्निंद्रलजागे मूत्ररोगताकोहोजावे हाथपैरसुस्तीप्रघटावे सज्जेभाग-सोजजवजांनो कलेजेतकपीडातवमांनो खब्बेभागसोजजवहोई मूत्राशयतकपीडासोई जेकरगरमी-अधिकदिखावे वासलीकतेंरुधिरछुडावे पिंनीपछपैरपरकीजें जौउवालातिसपाणीदीजें जेकरसर-दीअधिकदिखावे ताहूकेहितवमनकरावे कुलथभखडामोठमंगाय परस्याउसानऔषधसंगपाय सत-सतमासेलेवेकोई मिठीसौंफताहिसंगहोई कौडेसोएसंगरलावे जुआंइनवन्नजुआंइनपावे सुंठीसं-गताहुकेकीजें करेकाथकोसातिसदीजें एरनतेलसोईमंगवावे ऊपरगुर्देमर्दनभावे कुलथउवालतै-लतिलपाय पीसलेपपीडापरलाय जौआवकरताहिपिलावे रोटिसुवककठिननाखावे

॥ अथरोगनलउतरना ॥

॥ चौपई ॥ नालउतरदुखजाकोहोई फितकनाममतफारससोई शीघ्रयतनकरखेदहटावे वि-नायतनकैसेंसुखपावे रोगीसीधालंवापावे नाडपर्तपरहाथलगावे दवायनाडभीतरजवहोई करेदाघ-लोहेकासोई उलटाछातिभारसुलावे खडाहोएनाहर्कतपावे तुचातहांकीचीरेकोई रेसमसंगसिए-सुखहोई मुंगीकारसताहिखुलावे हर्कतऔरएकनांभावे पादअंगुलीऊपरकोई देवेदाघसीख-संगसोई सज्जानलउतरेतवजांनो खब्बेपादपरदाघपछांनो उतरेनलखब्बाजोकोई दाघपादसज्जे-परहोई वातिकेरोगफितकजोजांनो करेजतनदुखदूरनमांनो ताहियतनऐसामनभावे दाघहाथपरशी-घ्रकरावे नाडीस्थांनछोडकरकोई करेदाघनिश्चयसुखहोई दच्छिणवांमविधीजोपाछे करेदाघसुखउप-यतआछे वृषणवीचजलपीलाहोई यतनवहुतसुखकरेनकोई चीरानीचेवृषणलगावे नलीलगायनीर-निकसावे दाघलिंगकेपासलगाय छिद्रवंदकरसुखउपजाय निंवपत्रलेसागवनावे तडकेघृतसोंताहिवं-धावे यत्नमवंदताहीछिनहोई विनायतनसुखभोगेसोई ॥

॥ अथरोगपत्थरी ॥

॥ चौपई ॥ रोगपत्थरीजाकोहोई मूत्राशयवागुर्देसोई रेगनाममतफारसमांनो संगसमानःक-रकेजांनो रेगसंगगुर्दाजोहोई छोटीपथरीगुदेसोई अधिकहोएमूत्राशयमाही दोषसंगऊनाधिकताहीं औरयतनविधनेककरावे विनचीरेवाहिरनहिआवे चतुरवैद्यजोचीरेकोई नातरवीरजहांनीहोई मूत्रा-सयजढकाटीजावे मूत्रखारकरयत्नमनआवे जेकरलिंगद्वारफसजावे अथवाअतिपत्थरलखपावे क-रऔषधटुकडेकरसोई विनचीरेसुखकवहुंनहोई मूत्ररोधपीडाप्रघटावे ताहियतनकरसुखउपजावे म-

बछोटीवडीलेदोई मुलट्ठीरतकभखडासोई पाषाणभेदसोसंगरलावै वांसामहुआपत्रमंगावै तोले-तीनकाथसमकीजैं सिलाजीतदोमासेदीजैं मिसरीमासेसातमिलावै सीतलकरनिततहिपिलावै जूहीज ढचूरणकरवावै दूधसंगदसमासेखावै मूत्राशयजोरेतलहोई निश्चयदूरहोतदुखसोई इलाचीकुलथभखडा ल्यावै पाषानभेदसुहागासंगपावै वल्लजुआंइनहरडमंगाय सुंठीसकलवरावरपाय मधूमेलचटनीनित-खावे पथरीसकलभेदकीजावे नामवहुफलीबूटीहोई छायावीचसुकावेकोई चूरणकरसतमासेखावे सर्क रसोंदुखदूरहटावे पथरीहोएतोडकरसोई वाहिरकरेसीघ्रसुखहोई नर्मावृत्तमंगायजलावे निकसेलूणनी-रसंगखावे सकलभेदकादोषहटाय पुटकंडेकावालूणखुलाय गाजरजांगलीवालूणखुलावे छाछसंगद-समासेखावे रोगीसीधालंवापाय पारासतमासेमंगवाय लिंगद्वारभीतरपहुंचावे खडाहोएमूत्राशयजावे दोईघडीतकऐसाहोई छोटीपथरीवाहिरसोई तौफुनिपारावाहिरआवे वडीहोएतवचीरनभावे

॥ अथरोगखुर्कमूत्राशयकी ॥

॥ चौपई ॥ मूत्राशयखाजजाहुकोहोई जर्वमसांनाकहिएसोई पलासवीजसोईमंगवावे संघाडाता-केसंगरलावे सतसतमासेदोइमंगाय चौदांमासेमिसरीपाय दिनइक्कीतकचूरणखावे खुर्कमसांनेकीह-टजावे पलासवीजसोईमंगवावे छिलकानारसुपारीपावे सतसतमासेलेवेकोई काथपांनसीतलहित-होई खाजमसांनेकीहटजावे निश्चययतनकरेसुखपावे

॥ अथरोगयत्क्ष्मलिंगका ॥

॥ चौपई ॥ जाकोयत्क्ष्मलिंगमेहोई कुरूहजकरनामाकहुसोई रजोवतीजोनारीजांनो मैथु-नकरेयत्क्ष्मतवमानो अतिचिरकालयत्क्ष्मदढपावे शीघ्रयतनकरखेदहटावे किक्करकाछिलकामंगवाय करेकाथपुनियत्क्ष्मधुलाय धोवेतीनवारनितकोई आगेमल्हमलावेसोई गंधकपारासुर्माल्यावे नीला-थोथासंगरलावे मुरदासंगताहिसंगहोई सुरथीकनलालीजोसोई दूधपथरीतांसंगजानो भागवरावर-चूरणमानो मोममिलायलेपकरसोई यत्क्ष्मदूरनिश्चयसुखहोई

॥ अथरोगप्रदरः ॥

॥ चौपई ॥ प्रदररोगजाकेतनुहोई वौलुलदमनामाकहुसोई ऊंचीजागाहर्कतपावे भीतरयत्क्ष्मरुधि-रनिकसावे अथवारुधिरऋतूकाहोई शेषरहेफुनिवाहिरसोई रुधिरमूत्रकेसंगाहिआवे आगेयतनकरेसु-खपावै वांसेकारसमधूमिलाय प्रतिदिनचाटैप्रदरहटाय भखडादानेपांचमंगावे गंनेकीजढतांसंग-पावे स्यालीधनिआंवांसापाय दारुहर्दलदाखमिलाय पाषानभेदकुलथीसंगहोई वीजमखारःमेलो-सोई एरनकीजढसंगरलावे साडेत्रैत्रैमासेपावे करेकाथजवसीतलभाय चौदांमासेमधूमिलाय सिला-जीतदोमासेपावे जाविधप्रतिदिनकाथपिलावे अरनीलीवूटीपत्रमंगावे मासेसातपीसकरल्यावे मासे-दसचीनीखंडपाय खावेचूरणप्रदरहटाय दोईतीनवादस्तलगावे रुधिरवंधनिश्चयसुखपावै सतमासेगूंद-कतीराल्याय फडकर्डीअर्धभागसंगपाय घूनस्याउसानमंगवावे कपूरपुष्पनारकापावे सतसतमासेस-भीमंगाय पीसयथाविधकुर्शवनाय नारजांगलीरसनिकसावे मासेसाततताहुसंगखावे प्रतिदिनऔष-धसेवनकरिए प्रदररोगताहीछिनहरिए ॥

॥ अथरोगजलनमूत्रकी ॥

॥ चौपई ॥ जलनमूत्रकेवीचपछानो हिर्कतुलवौलनामकरमानो मूत्रसमेदाहादिकहोई अथवाजदमहोएदुखसोई शीघ्रयतनकरदोषहटावे नातरदोषअधिकवलपावे षष्टाखारीतीत्तणहोई इनसेपालकरैनरसोई मूत्रसंगजललेसलआवे अतीजलनपीडाप्रघटावे कफकालत्तणमांनोसोई आगेपित्तजलत्तणहोई मूत्रलालवापीलामांनो तडफडाटअतिकालीजानो पित्तजलत्तणऐसाहोई वातिकलत्तणआगेसोई अफारामूत्राशयमेजांनो थोडीपीडासंगपछानो लत्तणजहांतीनप्रगटावे संनिपातकाकोपदिखावे संनिपातकालत्तणहोई अतिअसाध्यदुखदायकसोई रमलमर्चवांसामंगवावे पाखानभेदजढसोसनपावे कवाबचीनीजढएरणपाय भषडामेलभागसमल्याय करेक्काथजवसीतलहोई सिलाजीतसंगपीवेसोई कफकाकोपदूरतवजानो आगेजतनऔरहितमानो जढसतावरीवर्चमंगावे जौखारसोसंगरलावे अनूपानकुलथीजलहोई प्रतिदिनचूरणसेवेसोई हरडभखडामघांमंगावे अमलतासमेलसमपावे प्रतिदिनक्काथकरेनरकोई एरनतेलमेलहितहोई कफकाकोपदूरतवजानो आगेपित्तजऔषधमानो वालासुंठीहलदील्यावे वावडिंगसोसंगरलावे दसदसमासेऔषधहोई करेक्काथजवशीतलसोई मासेसातमखीरमिलावे जौखारदोमासेपावे प्रतिदिनपांनकरेनरकोई पित्तजदोषदूरतवहोई मुलठीदाडिमहलदील्यावे मासेतीनतीनसमपावे तोलेदोकदलीरसहोई तांसंगचूरणसेवेकोई पित्तजदोषदूरतवमानो आगेवातिकयतनपछानो त्रिफलाअंवलतासमंगावे मुत्थरघ्यारभखडापावे मासेतीनतीनसमहोई करेक्काथजवसीतलसोई मासेसातमखीरमिलावे सिलाजीतदोमासेपावे प्रतिदिनपांनकरेनरकोई वातिकदोषदूरतवहोई धनिआंवालाहरडमंगावे पषांनभेदकरंगुलसंगपावे करेक्काथ सक्करसंगपाय पीवेवातिकदोषहठाय मासेतीनवोलमंगवावे मधूमेलनितचटनीखावे संनिपातपरऔषधकीजें आगेऔरयतनसोलीजें मुलठीसंगभखडापावै दसदसमासेक्काथचढावै एरणतेलदसमासेपाय पीवेसंनिपातदुखजाय इलाचीमघजौखारमंगावे पाखांनभेदअरुफडकडीपावे लेसमचूरणसेवेकोई तंडुलजलसोअतिहितहोई तोलेढाइप्रतिदिनखावे संनिपातकादोषहटावे

॥ अथरोगवहुतआउनामूत्रका ॥

॥ चौपई ॥ मूत्रअधिकजाहुकोहोई सलसलवौलनामहैसोई अतीगरमीषुष्कीतनुजाको अतिजलपांनमूत्रअतिताको चारसेरकटुसौंफमंगावे किक्करगूंदसेरदसपावे मैदासेरदोईमंगवाय आठसरसक्करसंगपाय गोघृतमेलकडाहवनावे दोईवखतइकसेरखुलावे तिलकालअरुकणकमंगाय अलसीवीजकसुंभापाय तीनोसेरसेरइकलीजें आधसेरसुंठसंगदीजें करइकत्रचूरणवनवावे सर्वतसक्करसेरमिलावे गोलीतोलेतीनवंधाय दोइवखतसेवेदुखजाय ॥

॥अथरोगवंदहोनामूत्रका ॥

चौपई ॥ जाकोमूत्रवंदहोजावे असरवौलसीनामकहावे मूत्राशयवागुर्दाजोई पथरीतहांखेदकरसोई दोहा रोगअश्मरिजोकहातांकोयतनविचार सोईकरदुखदूरहैमूत्ररोधदुखटार चौपई औरभेदऐसासुनसोई ऋतूवतलेसदारजोहोई मूत्रद्वारसोईलपटावे मूत्रवंदकरखेदादिखावे गर्भतेलजोऐसेहोई वि-

चूंकुट्टसतावरजोई नारायणजोतैलकहावे कऊतैलवाएकमंगावे लिंगद्धारभीतरपहुंचाय च्यतूवतदोष-शीघ्रहटजाय सुंठीमुत्थरकुट्टमंगावे कट्टसौंफवांसासंगपावे लेसमपीसटकोरकराय मूत्राशयऊपरतव-दुखजाय यत्नमहोएमूत्रासयमाही रुधिरपाकहोजावेताही तांकरमूत्रबंदहोजावे रगसाफनकारुधिरछु-डावे दोपिंनीपरपछकराय दूधअजागोताहिपिलाय खारीखट्टातीच्छणहोई इनसैंपालकरेनरसोई ग्राह-कभोजनसोनहिखाय गाढाअरुमिस्सानहिभाय मूत्रसयनिकटनाडलखपावे सोजातहांमूत्ररुकजावे सतमासेतुंमाजढल्यावे तप्तनीरसंगताहिखुलावे चलेपेटमूत्रखुलजाय रोगदूरनिश्चयसुखपाय अजादू-धइकसेरमंगावे दोतोलेएरनतेलमिलावे नित्यप्रातपीवेनरसोई रोगदूरनिश्चयसुखहोई मूत्ररोधकोरोग-दिखावे वासलीककारुधिरछुडावे पाकीस्थांनपरजोंकलगाय गर्मनीरकीधारापाय गर्मतेलसोऊपर-लावे सोजहोएतवसोजहटावे ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांमूत्ररोगाऽधिकार-कथनंनामएकपंचाशत्तमोऽधिकारः ॥ ५१ ॥



॥ अथप्रमेहरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंप्रमेहनिदानकोसोहैबीसप्रकार भिन्नभिन्नविवरेसहितजानोपुरुषउदार ॥ चौपई ॥ बीर्यचलेजोइंद्रीद्वार तासनामपरमेहविचार सोप्रकारसुनहोचितलाय भाषसुनावोंसबसमझाय

॥ अथप्रमेहसामान्यकारणम् ॥

॥ चौपई ॥ जातेंहोयप्रगटप्रमेह तांकेकारणजानोएह बहुवैठणकेसुखतेंहोय चेष्टातनुत्यागनसुख-नोय स्वप्नसुखोंतेंउपजतजान नवीनउदकपीवनतेंमान भेडुवकराग्राम्यकहीजै मत्सकूर्म्मऔदकलख-लीजें चक्रवाकहंसादिकजैते आनूपनिकटजलवसहैतेते अरुनवान्नपानतेंहोय दधीदुग्धवहुजानोसोय अनूपदेशजलजीवनमास ताकोवहुहितकरेग्रास गुडविकारषंडादिकजेते सोप्रमेहउपजावैतेंते गुडकृ-तवस्तूभक्षणजेती जेऊअपूपादिकलषतेती इन्हतेंहोतप्रमेहसंचार कफकृतभक्षसुकरैविकार वातपि-त्तकफकहेजुतीन इन्हकारणकरकुपितसकीन कोपतेंदुषितकरेंसवधात नाभीतलेहोयआनविख्यात शरीरधातुसवक्याजोकहिये लसीकवसारसअंवूलहिये शुक्ररक्तअरुमेदजुमास मज्जाओजकियोपर-काश कारणयहसामान्यपछानो वीसभेदयाकेलखमानो कफकृतभेदसुदशअनुमाने पित्तजभेदषटसु-नोस्याने वातजभेदलषोतुमचार ऐसेंभेदवीसपरकार दोषनाभितलप्रापतजवै मूत्रदुष्टप्रमेहकरतवै कफकृतजोदशभेदवषाने सोसबसाध्यहैलषोस्याने पित्तजभेदजुषटपरकार कष्टसाध्यसोकीनउचार वातजभेदचारजोकहै सोसबहीअसाध्यलखलहै

॥ अथइन्हकेपूर्वरूपवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ तालूजिव्हादांतगलवीच मैलबहुतउपजैज्योंकीच हाथपायमोंउपजैदाह देहसनि-ग्धहोतहैताह तृषाहोयमुखस्वादीरहै जटिलकेशनखवृद्धजुलहै मूत्रमलनअरुवहुतोआवै मूत्रवरण-लषभेदबतावै

॥ अथकफजदशनामभेदवर्णनम् ॥

चौपई ॥ उदकमेहइक्षुमेहपछानो सांद्रमेहसुरामेहवषानो पिष्टमेहअरुशुक्रजुमेह सिकतामेहशीतल-षलेह मंदमेहअरुलालाजान कफजभेदयहदशपहिचान ॥ १० ॥ अथउदकप्रमेहलक्षणं ॥ चौपई ॥ निर्मलशीतलगंधविनाई नीलवरणपतलोजलन्याई उदकप्रमेहयाहिकोंजान इक्षुप्रमेहसुकरोवषान १ अथइक्षुप्रमेहलक्षणं चौपई कछुकमलनअरुपिछलजोय मधुरइक्षुरसवतहैसोय इक्षूमेहताहुकोंकहि-ये सांद्रमेहपुनआगेलहियें ॥ २ ॥ अथसांद्रप्रमेहलक्षणं ॥ चौपई ॥ वासीमूत्रजुजेदिनकेर रात्रिसमय-वासीसोहेर रात्रिजुज्योसोदिनमंझार वासीमूत्रजतासउचार दधिकीन्यायप्रातहोयमूत प्रगटसांद्रप्र-मेहइहसूत ३ अथसुरामेहलक्षणं चौपई जोमदरासमवर्णलषावै सुरामेहताहूकोंगावै ऊपरनिर्मलअध-घनजान मदरामेहजुतासपछान ४ अथपिष्टप्रमेहलक्षणं ॥ चौपई चंदनादिपीत्तसमस्वेत स्वेतवर्णमूत्र-लहुभेत वहुमूत्रेरोमांचतनहोय पिष्टमेहजानोतुमसोय ५ अथशुक्रप्रमेहलक्षणं ॥ चौपई शुक्रवर्णमू-त्रेनरजोय शुक्रमिलतमूत्रेपुनसोय शुक्रमेहताहुकोजानो सिकतामेहकहोंसुपछानो ६ अथसिकताप्रमे-

हलक्षणं ॥ चौपई ॥ सिकताइवकणकणकेजान मूत्रेसिकतामेहपछाण ७ अथशीतप्रमेहलक्षणं चौपई अतिशीतलमूत्रेहैजोई मधुरमेहशीतलषसोई ८ अथमंदप्रमेहलक्षणं चौपई मंदमंदमूत्रेनरजोय मंदप्रमेहजानहोसोय ९ ॥ अथलालप्रमेहलक्षणं चौपई लालाइववहुतंतुनिकासै अरुपुनपिछलसोपरकाशै लालमेहतासकोकहिये कफजभेदयोंदशलषलहिये इतिकफजदशप्रमेहलक्षणं

॥ अथकफजप्रमेहचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ प्रमेहचिकित्साकोंकहोंवंगसेनअनुसार चतुरवैद्ययहसमभकेपुनकरहैउपचार अथकाथः ॥ चौपई ॥ हरडकायफलमुस्थरआन अर्जुनलोध्रजवांहांठान पाठापुनआनोजुविडंग सबसमकूटलेहुइकसंग करैकाथपायमधुपीवै कफजप्रमेहनाशतवथीवै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ दोनोहलदीतगरामिलाय विंडंगअवरतिहकुष्ठरलाय अर्जुनशालजवायणलीजै समसबकूटकाथयहकीजै मधुमिलाकरपीवैजोय कफजप्रमेहनाशतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ दालहलदकुठ्ठवायविडंग धावैषैरअगरधरसंग चंदनस्वेतआनसुरदार सबसममलीजैकाथसुधार मधुमिलायकरपीवेतास कफजप्रमेहहोयतवनाश अन्यच्च ॥ चौपई ॥ दालहलदपाठात्रिफलाय अग्निमंथहरडेंजुरलाय मूर्वाभषडेसबसमआन करैकाथमधुसंगमिलान प्रातहिरोगीपीवैसोय कफजप्रमेहनाशतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ गिलोयजवायणहरडउशीर जामनचित्रापावोधीर सप्तपर्णिआमलेमिलाय करैकाथमधुपायपिलाय कफजप्रमेहहोयहैनाश बंगसेनयोंकीनप्रकाश इतिकफजप्रमेहचिकित्सा ॥

॥ अथपित्तजषट्प्रमेहभेदनामवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ क्षारप्रमेहनीललषलहिये कालप्रमेहहरिद्राकहिये मंजिष्ठप्रमेहसुरक्तप्रमेह पित्तजमेहभेदषटएह ॥ ६ ॥ अथक्षारप्रमेहलक्षणं ॥ चौपई ॥ क्षारेजलइवगंधजुआवै क्षारस्पर्शवर्णदरसावै क्षारन्यायजिंहलक्षणलहिये क्षारप्रमेहनामतिसकहिये ॥ १ ॥ अथनीलप्रमेहलक्षणम् ॥ चौपई ॥ पंर्खीनामनीलडीजोहै तांकेतुल्यमूत्ररंगहोहै नीलप्रमेहतांहिकोंजानो आगेकालप्रमेहपछानो ॥ २ ॥ ॥ अथकालप्रमेहलक्षणं ॥ चौपई ॥ मूत्रवर्णजिसहोवैस्याह कालप्रमेहजानहोताह ॥ ३ ॥ अथहरिद्राप्रमेहलक्षणं ॥ चौपई ॥ हलदीवर्णकटुमूत्रजुजास प्रमेहहरिद्राजानोतास अवरदाहकरनरकेताईं ऐसेलक्षणतासकेगाईं ॥ ४ ॥ अथमंजिष्टाप्रमेहलक्षणं ॥ चौपई ॥ मंजीठतोयतुल्यरंगजानो आमगंधजिसकीतुममानो ऐसेलक्षणहोतहैजास सोमांजिष्टप्रमेहप्रकाश ॥ ५ ॥ अथरुधिरप्रमेहलक्षणं ॥ चौपई ॥ रुधिररंगइवमूत्रेजोय उष्णसलूणाजानोसोय रक्तप्रमेहतासकोंकहिये योंनिदानग्रंथमतलहिये ॥ इतिपित्तजषटभेदप्रमेहलक्षणम् ॥

॥ अथपित्तजप्रमेहचिकित्सा ॥

॥ काथः ॥ चौपई ॥ चंदनअर्जुनलोध्रउशीर यहसमकाथकरोमतिधीर मधुमिलायकरपीवैसोय पित्तप्रमेहनाशतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ हरडआमलेमुथ्रउशीर यहसमकाथकरोनरधीर मधुमिलायकरपीवैतास पित्तप्रमेहकोहोइहैनाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पटोलनिंवआमलेमिलाय पायगुडूचीकाथवनाय मधुमिलायकरपीवैजोय पित्तजप्रमेहनाशतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सरींहजुअर्जुनधनियांआन अरुगजकेसरयहसमठान काथमिलायमखीरजुपीवै पित्तजमेहनाशतवथीवै ॥ अन्यच्च

॥ चौपई ॥ पद्मप्रियंगूउत्पलआन अरुकेसूसमकाथहिंठान मधुमिलायकरपीवैतास पित्तजमेहकरै-यहनाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अश्वत्थवैतपाठायहआनो असनकाथसमसबलेठानो मधुमि-लायकरपीवैसोय नाशप्रमेहपित्तकोहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ दूर्वासेंधामुत्थसिंगारे करंजु-कायफलचहियतडारै समलेसभीजुकाथवनाय मधुमिलायकरप्रातपिलाय शुक्रप्रमेहहोयतवनाश दुखजावैतनुसुखप्रकाश ॥ अथरसः ॥ चौपई ॥ रसगिलोयकोंपीसकढावै मधुमिलायकरप्रात-पिलावै होयपित्तप्रमेहकीहान यहअपनेमननिश्चयठान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥
रसआमलेजुवस्त्रछनाय चूरणहलदीसाथपिलाय होवैपित्तजमेहविनाश निश्चयमनमोंआनोतास इतिपित्तजप्रमेहचिकित्सा

॥ अथवातजचारप्रकारनामभेदलक्षणवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ वसामेहमज्जापरमेहु अरुमधुमेहजानियेएहु हस्तिप्रमेहचतुर्थपछान तिन्हकेलक्ष-णकरोंवषान ॥ अथवसाप्रमेहलक्षणं ॥ चौपई ॥ चरवीमिलतमूत्रजोकरै चरवीरोगमूत्रसोधरै वातजवसाप्रमेहसुकहिये कह्योनिदानग्रंथलखलहिये ॥ १ ॥ अथमज्जाप्रमेहलक्षणं ॥ चौपई ॥ मज्जामिश्रितमूत्रेजाई मज्जावरणपुनजानोसोई सोयहमज्जामेहकहीजै इसआगेमधुमेहभनीजै ॥ २ ॥ अथमधुप्रमेहलक्षणम् ॥ चौपई ॥ रूषोमधुरजुमधुइवलहिये मधुप्रमेहताहूकोकहिये ॥ ३ ॥ ॥ अथहस्तिप्रमेहलक्षणं ॥ चौपई ॥ मदवोलहस्तीकीन्याई वेगरहितमूत्रलषपाई वहूमूत्रप्रगट-तहैजास हस्तीमेहजुकीनप्रकाश चारभेदयहवातजकहै ज्योंनिदानग्रंथमतलहै ॥ इतिवातजप्रमे-हलक्षणम्

॥ अथवातजप्रमेहचिकित्सा ॥

॥ अथअविलेहः ॥ चौपई ॥ पटोलकंवीलाकोगुडशाल अगरपृष्टपर्णीलेडाल सप्तपर्णीजुवहेडे-आन सबसमकोंचूरणकरठान मधुमिलायकरचाटेजोय कफवातापित्तमेहहरसोय ॥ अथकाथः ॥ ॥ चौपई ॥ द्राक्षाअमलतासत्रिफलाय करेकाथमधुपायपिलाय वातजफेनप्रमेहमिटावै वंगसेनयोंप्रगटजनावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ चित्रासमगिलोयकरकाथ पाठाकोगडहिंगुचूर णसाथ पीवैवातजमेहनसावै रोगजायरोगीसुखपावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ तिक्ताकुठसम-चूरणठान घृतसोंपीवैवडीविहान वातजमेहहोयतवनाश निश्चयआनोमनमोतास ॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलायहसमल्यावै इन्हदोइसमलेगुग्गलपावै गोषुरकाथहिंगुटकावांधे वलअनुसारताहिकोंसांधे दिनप्रतिताहिवढायघटाय वातप्रमेहदेहतेंजाय वातरोगऔररक्तजुवाय मू त्रदोषवातादिकजाय ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ सुंठमुत्थरैअरुसुरदार महीनपीसकरचूर्णसुधार अवर-जुमेंधानामोपाय चूरणमधुमिलायसोषाय वान्यग्रोधादिकाथकेसंग वातिलतैलसोंपीरुजभंग वहु-धाघृतकोपानजुकरै वातप्रमेहयाहितेंटरै ॥ इतिवातजप्रमेहचिकित्सा ॥

॥ अथकफजप्रमेहउपद्रवः ॥

॥ चौपई ॥ अन्नानपचैअरुचिताहोय पीनसकासछर्दपुनजोय अरुहोवैनिद्राकानाश कफजउपद्र-यकीनप्रकाश अथपित्तजप्रमेहउपद्रवः चौपई नाभितलैवालिंगमंझार वहुपीडाकरहैसंचार मूर्छात-

ष्णाज्वरअरुदाह अरुविटभेदहोतहैताह अन्नपचेतेंअम्लाडिकार पित्तउपद्रवकरोविचार
॥ अथवातजप्रमेहउपद्रवः ॥ चौपई ॥ कंपहृदयग्रहनिद्रानाश शूलशोषहोइश्वासअरुकास सबरसभ-
क्षणइच्छाहोय वातप्रमेहउपद्रवसोय ॥ इतिवातजउपद्रवः ॥

॥ अथअसाध्यप्रमेहलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मुखतेंलालांचलैंअपार आलसदेहजुशिथलनिहार युक्तउपद्रवजानोजोय मेहअसाध्यप-
छानोसोय जाकेतनुपिंडिकापरकाश लषेअसाध्यजुनिजमनतास जोमधुमेहीपुरुषकहावै सोभीअ-
साध्यअहैलषपावै अरुजिसपित्तजहोयप्रमेह पुत्रनकोंभीहोवेतेंह सोपरमेहअसाध्यकहावै अरुअसा-
ध्यदुर्वलहिंलषावै अरुचिरकालहिंकोहोइजास मेहअसाध्यलषोपुनतास

॥ अथषट्प्रकारप्रमेहलक्षणम् ॥

चौपई अत्यंतमूत्रचलैदिनरात निर्बलहोइअतिमूत्रकहात जाहिमूत्ररंगघृतहिसमान घृतप्रमेहतूंजा-
नसुजान जाकोमूत्रमृदुमिसरीन्याई रंगशर्कराप्रमेहसोगाई जाहिमूत्रपरवीरजपरै पिंडिकाप्रमेहना-
मतिहधरै मूत्रजाहिकोदधीसमान गंधसोइतिहतक्रपछान पीकसमानमूत्रजोवहै वायुप्रमेहजानतू-
अहै षट्प्रकारप्रमेहजुअहै ऋषिअत्रीमतसोइहकहै

॥ अथपिंडिकादशभेदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ प्रमेहउपद्रवाकरहैजोय प्रथमचिकित्साकरैनसोय होयपिंडिकादशोप्रकार तिन्हके-
नामकरोउच्चार एकश्राविकानामकहीजै कछपिकादूसरीभनीजै तीसरीनामतालिनीजानो विनिता-
नामचतुर्थीमानो अलिजीपंचमनामकहैयै छटीमसूरिकानामभनैये सर्षपिकासप्तमीपछान नामपु-
त्रिणीअष्टमजान सविदारिकानवमीकहैं नामविद्रधीदसमीलहैं यहपिंडिकाहैदशोप्रकार इन्हकेलक्षण-
करोउच्चार ॥ अथश्राविकालक्षणं ॥ चौपई ॥ संधमर्ममांसलस्थान ढूंघकटोरइवप्रगटान ताहिश्रा-
विकाकहेनिदान कछपकापुनकरोंवषान ॥ अथकछपिकालक्षणं ॥ चौपई ॥ कूरमन्याईंरचनाजास-
ऊंचेवहीअंगहोईतास सोकछपिकाजानपतीजै कहोंजालिनीसोलषलीजै ॥ अथजालिनीलक्षणं ॥
॥ चौपई ॥ तीव्रदाहअरुपीडासंग वहुफुनसीउपजैतिसअंग जालीन्यायफैलसोजाय यहलक्षणजा-
लिनीकहाय ॥ अथविनितालक्षणं ॥ चौपई ॥ पृष्ठउदरवापीडसमेत उठेपिंडिकालषयहभेत नीलोव-
र्णतासकोलहिये विनिताकोलक्षणयहकहिये ॥ अथअलिजीलक्षणं ॥ चौपई ॥ जोपिंडिकाश्यामरंग-
होय अथवालालवर्णहोयसोय अरुसुस्फोटसहितदर्शाय अलिजीनामसुकह्योसुनाय ॥ अथमसूरि-
कालक्षणं ॥ चौपई ॥ जोफुनसीमसूरिदलिन्याय सोमसूरिकाकहीसुनाय ॥ अथसर्षपिकालक्षणं ॥
॥ चौपई ॥ जोसर्षपकेदानेन्याय होंयसुसर्षपिकाजुकहाय ॥ अथपुत्रिणीलक्षणं ॥ चौपई ॥ एक-
पिंडिकाजोवडीभाषी तासनिकटवहुफुनसीआषी तांकोनामपुत्रिणीआषै सुनहुविदारिकायोंकविभाषै
॥ अथविदारिकालक्षणं ॥ चौपई ॥ होइजुपिंडिकाकठिनमहान कंदविदारीकेजुसमान सोविदारि-
कानामकहीजै ग्रंथनिदानजुमतलषलीजै ॥ अथविद्रधिलक्षणं ॥ चौपई ॥ जिहआकारददरीइवहोय-
नामविद्रधीजानोसोय यहदसभेदपिंडिकाकहै ग्रंथनिदानहुंतेलषलहै गुदापृष्टहृदयमुहुंडेजास शिर-

अरुमर्मसंधिहेतास इन्हीस्थानमोंउपजेपिडका वैद्यजुत्यागकरेतवजिसका यहपिंडिकामेहमोंहोय विनाप्रमेहहोयभीसोयं दोषदुष्टचरवीजिंहलहिये अरुमंदाग्नियुक्तजोकहिये सोअसाध्यनरंकीनवषांनं सुनोउपद्रवपिंडिकामान ॥ अथपिंडिकाउपद्रवः ॥ चौपई ॥ तृषामोहमदहिकाश्वास संधमर्मअरुसं-कुचमांस कासविसर्पअवरज्वरजानो उपद्रवपिडकाएतेमानो मासमासप्रतिइस्त्रीजोय होइरजस्व-लाजानोसोय तांकोयहदुःखनाहिनथीवै रजकेगएसुखीसकहीवै ॥ इतिदशभेदपिंडिका ॥

॥ अथनीरोंगताललक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जाकोमूत्रातिक्तकटुहोय अरुनिर्मलमूत्रेजनजोय तिसपुरुषहिआरोग्यपछान यहप्रमेह-काकह्योंनिदान ॥ दोहा ॥ ऐसेंमेहनिदानकोवरणयोभलीप्रकार समझचिकित्साजोकरैताकीवुद्धिउ-दार इतिप्रमेहनिदानंसमाप्तम्

॥ अथसामान्यप्रमेहचिकित्सा ॥

॥ अथक्वाथः ॥ चौपई पाठामूर्वाकेसूआन फरवांहिंजरांहाकपित्यपछान अरुसरींहयहसमसमआनै करैक्वाथपीवैजुविहानै होयप्रमेहरोगकोनाश निश्चयआनोमनमोतास ॥ अन्यच्च चौपई ॥ मुत्थरदाल-हलदत्रिफलाय करैक्वाथमधुसाथपिलाय होयप्रमेहरोगकीहान यहनिश्चयअपनेमनमान ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ कोगडदानहलदअरुमुत्थर अननदेवदारुयहसमधर करैक्वाथमधुपायपिलाय रोगप्रमेहना शहोजाय ॥ अथचूर्णं ॥ चौपई ॥ त्रिफलाचूरणमधुजुमिलाय भक्षणकरैप्रमेहनसाय ॥ अन्यच्च ॥ शिलाजितचूर्णमधुसोंषावै रोगप्रमेहनाशहोइजावै ॥ क्वाथः दालहरिद्राअवरमुलट्ठ त्रिफलाचित्राकरो-इरुट्ठ यहसमक्वाथहिपीवैजोय नाशप्रमेहरोगकोहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ दालहलदीत्रिफलामुथ्रडार विशालायहसमक्वाथसुधार पीवैहलदीतामोदीजे अवरमखीररलायसुलीजै होयप्रमेहरोगकोनाश दुखनाशेसुखहोयप्रकाश ॥ अथन्यग्रोधादिचूर्णं ॥ चौपई ॥ न्यग्रोधअसनअश्वत्थमंगावै रुंवलजंडी-आंवरलावै श्योनाकअमलतासप्रियाल कपित्थजामणअर्जुनडाल धावेमहूमुलट्ठमिलाव वरुणालोध्रव-कायणपावै पटोलमेषशृंगीपीसाय दंतीचित्राआढकीपाय करंजूत्रिफलाअरुसुन्दार अवरभिलावेको फलडार यहसमचूरणपीसरलावै मधुमिलायकरतांकोषावै त्रिफलकेजलसाथसुपीवै वीसप्रकारमेहहत-थीवै अवररोगहुंकुष्ठविनाशै पुष्टहोयतनुदुतिपरकाशै अथगोषुरादिचूर्णं चौपई गोषुरुकणांमुत्थरांआन-गुडूचीउदंवरपत्रपछान अंकुरदर्भदुर्वादलपावै रोहितपत्रपुनर्नवालयावै कालाश्यामाशारवाजान देवदारु आद्रकपुनमान कंवीलापाठामरचविडंग भिडंगीदाइहलदीधरसंग लघुकंड्यारीएरणमूल चित्राकटुदं-तीसमतूल यहसमभागलेहपरवीन पीसोचूरणकरोमहीन लोहचूर्णदुगुणोतिंहपाय सबइकत्रकरलेहु-मिलाय कर्षप्रमाणनिताप्रतिषावै अपनेमनमोनिश्चयल्यावै तप्ततोयवामदरासंग षावैवहुतरोगहोईभंग वीसप्रेमहशोथहोइनाश हलीमकअर्शपांडुजुविनाश प्लीहाशूलरोगइहनाशै होयआरोग्यदेहदुतिभासै जासमूत्रगुटिकाकरषावै रोगजांहिंवलपुष्टिवधावै ॥ अथदाडिमादिघृतं ॥ चौपई ॥ दाडिमवीजतंडुल-जुविडंग रजनीचवकचित्राधरसंग सुंठीजीरात्रिफलपाय कणाभषडेवीजमिलाय वृद्धामलीलोध्रतासमों-दीजै महीनपीसकरचूरणकीजै जवायनधनिआंसेंधाजान कर्षकर्षलवैहितमान चूरणकरैप्रस्थघृतपावै मंदअग्निसोताहिपकावै पानकरैपुनभोजनसाथ षावैअरुभोजनकैरपाथ नाशप्रमेहवीसपरकार मूत्रकृच्छ्र-

धातनिरवार मूत्रनिवंधज्वरअश्मरीजावै शूलअफाराकामलाघावै दाडिम्यादिजुघृतयहलह्यो अश्विनिकुमारनयहघृतकह्यो ॥ अथसिंघामृतघृतं चौपई ॥ कंट्यारीगिलोययहदोय शतशतपललाजैसुनसोय ऊषलकूटद्रोणजलपाय मंदअग्निसोंताहिपकाय पादचतुर्थआयजवरहै वस्त्रछनायपात्रमोंगहै प्रस्थएकघृतताहिमिलावै पुनयहचूरणतामोपावै रासनात्रिफलात्रिकुटुविडंग अवरजुचित्राधराहितसंग करंजुत्वचावडपांचोमूल कर्षकर्षलेवेसमतूल पायपकायसोकर्षप्रमान तिहउठषावैवडीविहान तंडुलशालीदुग्धहिसाथ निजहितजानभच्चयहपाथ प्रमेहअवरमधुमेहविनाशै भंगदरमूत्रकृछ्रकोनाशै अंत्रवृद्धआलस्यविडारै कुष्टच्चईविशेषकरडारै ॥ अथधन्वंतरिघृतं चौपई ॥ लेदशमूलकरंजूदोय देवदारुहरडलखसोय वरुणादंतीचित्राआन पुनर्नवाविल्वकदंबपछान अवरगिलोयतासमोदीजै रक्तपुनर्नवाआनमिलीजै निंवभिलावेपुष्करमूर पिपलामूलपुनपायकचूर दशदशपलयहचूर्णकरै आनद्रोणजलभीतरधरै यवकुलत्थलेवेरकुटाय प्रस्थप्रस्थयहतामोंपाय पकायपादशेषजवरहै वसनछनायपात्रमोंगहै प्रस्थएकघृतताहिमिलावै पुनयहचूर्णतामोंपावै निचुलभिडंगीवचत्रिफलाय गजपिप्पलजुविडंगमिलाय पूतीककंबीलाआद्रकजान कर्षकर्षइन्हकोपरिमान वस्तूयहसबपीसरलाय मंदअग्निसोंसिद्धकराय यहघृतनित्ययथाबलषावै योंधन्वंतरिभाषसुनावै प्रमेहसकलअरुकुष्टविनाशै वालरक्तअरुविद्रधिनाशै गुल्मशोथअर्शहोइनाश उन्मादअपृगीउदररोगविनाश ॥ अथअर्जुनादिघृतं ॥ चौपई ॥ अर्जुननिंवमजीठभिलावै वरचपटोलजवायणपावै चंदनमुत्थरअगरउशीर गोषुरुसोमवल्कसुनवीर निंवपटोलहरिद्राआन यहसबसमघृतकरोमिलान अथवातैलमिलायपकावै षायप्रमेहवातकफजावै ॥ अथगोषुरादिअविलेहः ॥ चौपई ॥ गोषुरुकेवलपत्रजुमूल शतपललेवैयहसमतूल ऊषलमांहिजुपायकुटाय चारद्रोणजलभीतरपाय पकायपादशेषजवरहै वस्त्रछनायतासकोंगहै पलजुपचासशरकरापावै मंदअग्निधरताहिपकावै सघनहोयजबहीतिसजानै दोदोपलयहचूरणठानै त्रिकुटापानपत्रत्वकएला त्रपुसीफलजाफलकरमेला अष्टजुपलतिंहवासापावै पीससभीतिसमांहिरलावै नितउठचाटैवलअनुसार प्रमेहमूत्रकृछ्रनिरवार मूत्रनिबंधमूत्राकोदाह वीर्यदोषहरतालषताह रुधिरमेहमधुमेहविनाशै अश्मरीरोगहिलषयहनाशै शिलाजितसोनमषीयहजान इन्हतेइकसेवेजुसुजान तौभीहोयप्रमेहविनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथत्र्यूषणादिचंद्रप्रभावटी ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलादोनोचार चित्रातीनोलवणजुडार मेषशृंगीअरुकर्कटशृंगी हरिद्रादोयदोयसारिवाचंगी एलाचवकविडंगरलाय गजपीपलपुष्करमूलजुपाय गजकेसरसोनमचीलीजै अवरजवायणमुथदीजै वस्तूसवसमभागसुआने सबसमानलोहचूर्णठाने लोहचूर्णतुल्यशिलाजितपाय तांसमगुग्गुलुआनमिलाय विधिसोंकूटेपुरुषसुजान अच्चप्रमाणनिताप्रतिमान मधुयुतखावेभाक्तिसंयुक्त प्रमेहरोगतेंहोयनिर्मुक्त ॥ दोहा ॥ प्रमेहचिकित्सायहकहीबंगसेनअनुसार आगेयाकेपथअपथसुनहोकरोंउचार ॥ इतिप्रमेहचिकित्सासमाप्ता ।

॥ अथनीरोगतालच्चणम् ॥

॥ चौपई ॥ निवृत्तप्रमेहलच्चणहैयह पतलामूत्रजलसमलखलेह कडवाअरुतीच्णहोइजाइ ताहिअरोगनिश्चयकरभाइ

अथप्रमेहरोगेपथ्यापथ्यअधिकारानिरूपणम्

॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यप्रमेहकेकहोंसुनोसज्ञान समभूपथ्यपुनदीजियेअरुलषलेहुनिदान ॥ अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ प्रथमहिरेचनताहिकरावै दीपनवस्तूंपुनभुगतावै मोठकणकचावलसबजान फुल्लीधान्य-पथ्यपरमान स्वांककंगुणीकोद्रमजेऊ इन्हकेतंडुलपथलषलेऊ कुलथचणेमुंगीरसजान पुरातनगुड-मदरापहिचान तक्रककोडकरेलेजानै मिसरीतालमखाणामानै जामुणफलसुहांजनाकहिये रुंवलफल-जुधतूरालहिये लषोमोचरसपथ्यनवीन लसुनभषडेलौंगप्रवीन तीतरलवाकवूंवरमास ससामोरतोता-लहतास अरुभगेआडहरणकोमास एतेमांसपथ्यकहैतास मूसेकरणीकोजोशाक सोभीपथ्यलहोसत-वाक कमलबीजभेहपुनजानो त्रिफलाअवरगिलोयपछानो हिंदवाणाअरुलायचीजान कपित्थलुहारे-बदामपछान तीक्ष्णअवरकसैलीवस्तु गजाश्वपृढव्यायामप्रशस्तु वातपित्तकफदोषविचार देवैपथ्यवै-द्यसुनिहार ॥ दोहा ॥ पथ्यजुकहैप्रमेहकेपुनअपथ्यसुनलेहु तीनदोषअनुसारधरयथायोग्यलषएहु ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ मूत्रवेगरोकनपहिचान स्वेदअवरजुधूमकोपान रुधिरमोक्षादिनहीकोसौन कांजीतैलअवरवहुलौन वहुदृढआसनवैठनकहिये नवीनजोअन्नअपथ्यलहैये नवीनदहीअपथ्यकरजान गुडषटेआईसकलपछान अरुसमस्तजलजीवनमास कीन्हअपथ्यप्रमेहप्रकाश ॥ दोहा पथ्यअपथ्यप्र-मेहकेसमभूकरैपरकाश वहुप्रकारपरमेहहैपथ्यापथ्यलषतास इतिप्रमेहरोगेपथ्यापथ्यंसमाप्तम् दोहा प्र मेहरोगवरणनकियोप्रथमहिकह्योनिदान पुनाहिचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान इतिप्रमेहरोगःसमाप्तः

॥ अथप्रमेहदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

प्रथमप्रमेहरोगसंख्यानिरूपणम् ॥ कर्मविपाकमतं ॥ चौपई ॥ इकमधुमेंहपुनसांद्रजान पयोदधी-अवरइक्षुपहिचान शीतमेहमंदमेहपछानो लाक्षारसअरुनीलसुजानो हृद्रलकालमज्जालषपावै रक्तमेहमांजिष्ठलषावै गजमदमेहक्षुद्रसुनपावो जलअरुशुक्ररक्तसितगावो क्षारसुरासैकतपुनमान इतीप्रमेहरोगपरिमान यहसतवैद्युपदेशपछानै सुनयोकारणपापवषानै ॥ इतिसंख्या ॥ अथसमस्तप्र-मेहकारणं ॥ चौपई ॥ मैथुनसर्वजीवोंनरकरै ताकोजलप्रमेहसचरै विमातागामीकोंमधुमेह रजस्व-लागामीक्षारलषेह रतिनिष्फलकारीमदलहै मित्रतियागामीशुक्रहिगहै गोपीगामीसैकतहोय इक्षु-कांसिहरताहिंलषजोय वस्त्रचोरकोंसीतप्रमेह सुरासोउगामीहैतेय ॥ इति दोहा ॥ मातुभगिनिस्वभगिनिस्नु-षाअवरहुंदुहितामान भ्रातृभार्यामातुलीगुरुतीयगामीजान इत्यादिपापपुरुषैंप्रगटशेषरहैजुप्रमेह इन्ह-पापनमोंनारचैंअपनोहितलषलेह ॥ अथसमस्तप्रमेहदोषउपायः॥ चौपई ॥ इकपलस्वर्णधनुषवनावै विधिसोंपूजैप्रीतिलगावै गणपतिस्वामिकार्तिकलषलेह अश्विनिकुमारजानपुनतेह अरुदिगपालपूर्ण-कुंभपर इन्हकोपूजनकरैप्रीतधर करैदानविप्रहिवरदेह नष्टहोंहिसबहिपरमेह दोहा प्रमेहरोगवरणन कियोकारणसहितउपाय अंडवृद्धकेदोषकोंभाषोंसुनचितलाय इतिप्रमेहरोगदोषकारणउपायःसमाप्तः

॥ अथप्रमेहज्योतिषम् ॥

॥ दोहा ॥ जोगुरुपडेसुनीचग्रहमकरकुंभकेमाहि दशाभीहोवेदेवगुरुप्रमेहरोगहोइताहि इसव्याधीकर-सोइनरव्याकुलचित्तधरेय पूजाअर्चावदनाजपगुरुमंत्रपडेय ॥ इतिज्योतिषम्

॥ अथउपदंशरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उपदंशनिदानवषानहोंसुनहोपुरुषसुजान पांचभेदपुनअवरजोभाषेग्रंथनिदान ॥ चौपई ॥ वादफिरंगनामउपदंश यामोनाहिनआनोशंस सोउपदंशजुपांचप्रकार तांकोविवरीकरोंउचार सोउपदंशलिंगमोंहोय महाप्रकारकहींजैसोय ॥ अथपांचप्रकारउपदंशवर्णनं ॥ ॥ चौपई ॥ हस्तघातकरएकोजानो नखदंतघाततेंदूसरमानो काहैकलहाकिसूसोंहोय तांनखदंतघातकरजोय लिंगमध्यघाउउपजावैं तासोंवादफिरंगप्रगटावें विनप्रच्छालनलिंगजुरहै तीसरभेदसुयातेंकहै सेवेकामवहुकरैषेद तांतेंलहोचतुर्थीभेद इस्त्रीयोनिदोषतेंहोय पंचमभेदलहोतुमसोय यहीभेदहोंइपांचप्रकार वातजपित्तजकफजविचार सन्निपाततेंचौथाजानो रक्तहुतेंपंचमपहिचानो पांचभेदयहकियेप्रमान तिन्हकेलक्षणकरोंवषान ॥

॥ अथउपदंशरोगेशिक्षा ॥

॥ दोहा ॥ उपदंशचिकित्साकहितहोंसुनलीजैंचितधार प्रथमहिंसमभक्षविचारकैपुनकीजैउपचार ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ सुउपदंशहायजोसाध्य रोगीवलीजुरहितउपाध्य तौतांलिंगमध्यकीनार वेधेनांतैरुधिरनिकार अथवाअधिरजलौकासंग निकलावैहोवैरुजभंग जोनिर्वलक्षशरोगीहोय औषधसोंउपायकरसोय अवरपकणतेंरच्छाकरै काहेपक्योलिंगगिरपरै ॥

॥ अथवातजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोफटाकलिंगपरपरैं भेदस्फुरनकष्टवहुधरैं सपीतकृष्णवातदरशावें वातजतेंसुफटाककहावें ॥

॥ अथवातजउपदंशचिकित्सालेपः ॥

॥ चौपई ॥ पुंडरीकमुलट्ठसरलसुरदारु अगरकुठएलापुनडारु द्राक्षरासनासंगमिलावें लेपकरैवातजामिटजावे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ निचुलएरंडवीजकोंआन यवअरुकणकसतूसमठान घृतमिलायलेपसोकरै रोगफिरंगवातकोटरै ॥

॥ अथसरक्तपित्तजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोफटाकवहुतेगलजांहि दाहकैरंगलालदिषांहि काचेमांसन्याईजोलहियै रक्तसपित्तजसोऊभनैयें ॥

॥ अथपित्तजउपायलेपः ॥

॥ चौपई ॥ उत्पलपद्मसरजअरुभेह अर्जुनवैंतमुलट्ठसमएह पीसयाहिकोलेपलगावै उपदंशरोगपित्तजमिटजावे ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ घृतपयसरकराइक्षुरसजोय इन्हसमसोंउपदंशहिधोय पित्तजबादफिरंगनसावै यहअपनेमननिश्चयल्यावे ॥ अन्यच ॥ गेरीसुरमाअवरउशीर मंजीठमुलट्ठीपावोधीर चंदनउत्पलआनमिलाय पद्मकाष्टतिसमाहिरलाय पीसिघृतवातैलकेसंग लेपपैत्तिकरुजहोयभंग ॥

॥ अथरक्तपित्तजउपायः ॥

॥ चौपई ॥ अमलतासकोकीजेकाथ ताकोंधोवैतासकेसाथ रक्तपित्तउदंशमिटावै रोगजायव्याधीसुखपावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कंदवनिंवअर्जुनवटआन अश्वत्थउदुंवरवेतपछान जंवूशालइन्हसमकोकाथ धोवैताकोंतासकेसाथ अरुइन्हकेचूरणघृतमोपाय लेपैरक्तपित्तमिटजाय अथवाइनसंगघृतजुपकाय पीवेपित्तजरोगनसाय अथवाइनकोचूर्णकीजे खावैरक्तपित्तरुजछीजै ॥ अन्यश्चलेपः ॥

॥ चौपई ॥ दालहलदकीत्वचामंगावे शंखनाभिअरुलाखरलावे अवररसोंतसमचूरणकरै गोवररसमधुघृतमोंधरै दुग्धतैलतामध्यमिलीजै उपदंशहिऊपरलेपसुकीजै उपदंशरोगताहूतेंजाय व्रणसदाहशोथमिटजाय ॥

॥ अथकफजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ बडेफटाकशोथयुतलहियें घणोंहोहिसहषुरकलषैयें स्वेतवरणअवतेरहैंजान कफतेंतिन्हकीउत्पतमान

॥ अथकफजउपायलेपः ॥

॥ चौपई ॥ लाजाअरुधनियांमघलीजै समलेपीसतैलमोंदीजै तनकउष्णकरलेपलगावै कफजरोगउपदंशमिटावै ॥ ३ ॥

॥ अथत्रिदोषजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोफटाकनानाआकार नानावरणश्रवैंजुअपार पीडातिन्हमोअधिकीहोय रोगत्रिदोषजजानोसोय त्रिदोषजकोंअसाध्यकरजानो कष्टसाध्यअवरनपहिचानो

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

चौपई कामासक्तमूढलषपरै जोउत्पतकालइलाजनकरै चिरहूयेसोजाकृमदाह पाकलिंगहोइकरगिरजाह मरणप्राप्तनरहोवैसोय करेनचिकित्साप्रथमहिंजोय अवरभेदअंकुरकीन्याई मांसांकुरलिंगपरप्रघटाई उपरोउपरीअंकुरहोंहि सबइकट्ठेमिलजांहिलषोंहि कुकुटशिखाइवलाललषावैं लिंगसंधमोंजोप्रगटावै वर्त्तकान्यायहोयसोभासै रसश्रावैंबहुपीडप्रकाशैं इन्हकोंभीत्रिदोषजजान अहैंअसाध्यसुमनमोंठान

॥ अथइस्त्रीउपदंशलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ यहउपदंशरोगजोकह्यो इस्त्रिनकोंभीहोवतलह्यो भगपरकुलथन्यायजुफटाक लालवरणहोवैंलहोवाक लालकमलपत्रोंकीन्याई होयफटाकलहोतिन्हताई ॥ दोहा ॥ कह्योनिदानउपदंशकोजैसेंलिख्योनिदान तैंसेंसबवरणनाकयोजानोवैद्यसुजान ॥ इतिउपदंशरोगनिदानम् ॥

॥ अथसामान्यउपदंशचिकित्सालेपः ॥

॥ चौपई ॥ वटदाडीअर्जुनपुनलोधर हरडैंहलदीजंवूसमधर पीसेविधिसोंलेपलगावै यहउपदंशहिंश्रेष्टकहावै ॥ अथकाथः ॥ त्रिफलकाथरसभंगरापाय धोयलिंगउपदंशमिटाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पटोलनिंवभूनिंवत्रिफलाय इहकाथहिंकिथषैरमिलाय अथवागुगुलचूर्णषावै वात्रिफलेकोचूर्णमिलावै प्रातहिंउठजोपीवैतास होयसर्वउपदंशहिंनाश ॥ अथलेपः ॥ चौपई ॥ नीलोत्पलकुमुदपद्मयहआन सौगंधकपद्मपीससमठान इसचूर्णकोलेपनकरै सबउपदंशरोगनिरवरै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ वंधूक-

पत्रवादाडिमत्वचा चूर्णसुपारीवायहरचा लेपकरैउपदंशमिटाय होइआरोग्यव्याधीसुखपाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सौराष्ट्रीगेरीमुरदासंग नीलाथोथाकरइकसंग कासीसरसौंतमनछलहरताल सेंधारेवंदचहसमडाल मधुरलायलेपसोकरै रुजउपदंशसर्वयहहरै ॥ अन्यच ॥ मुरथरभस्ममनछलहरताल लेपकरैउपदंशहिटाल ॥ अन्यच्च ॥ रसौंतसरीहवाहरडमिलावै मधुसौंलेपउपदंशमिटावै ॥ उभारा ॥ कासीसलोधरसमचूर्णपिसावै लिंगधोयतांपरउभरावै यहउपायभीश्रेष्टपछान होयरोगउपदंशकीहान लेपः करवीरमूलपीसजलसंग लेपैहोइउपदंशकोभंग अन्यच्च त्रिफलादग्धभस्मवनवावै मधुसौंलेपउपदंशमिटावै ॥ अथकरंजादिघृतम् चौपई करंजुनिंवअसनअरुशाल जंवूवटदाडीसमडाल इन्हसमकाथहिंघीउपकावै षायलायउपदंशमिटावै ॥ अथभूनिंवादिकाथः ॥ चौपई ॥ भूनिंवनिंवत्रिफलाजुपटोल वैरकरंजधात्रीसमतोल इसकाथहिंसंगघृतजुपकावै षायलायउपदंशनसावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिफलाअर्जुननिंवरलाय अश्वत्थगुगुलुआनमिलाय खैरकत्थपुनरास्नापावै अक्षप्रमाणगुटीवनवावै गुटिकाएकनिताप्रतिखाय लिंगविकारसभीमिटजाय ॥ अथगृहधूमादितैलं चौपई ॥ गृहकोधूमहलदपद्ममेल यथोत्रलेयमेलमधुनेल पकायतैलपुनलेपजुकरै शोथपीडउपदंशहिंहरै शुद्धहोयअंगूरवधावे रोगमिटैरोगीसुखपावे ॥ अथजंवूतैलं ॥ चौपई ॥ जंवूकरंजूधात्रीवेंत इन्हसबकेपत्रसमलेत उत्पलपद्मवलाअतिवला अगरआंवुगुलीप्रियंगुरला लाक्षमुलट्ठीचंदनलोधर त्रिवीसभीसमकरोइकत्र वत्समूत्रमोपीसमिलाय अक्षभागयाकेठहराय प्रस्थतैलतिसपायपकावै लेपैलायउपदंशमिटावै ॥ अथकौशातकीतैलं ॥ चौपई ॥ लेकौशातकीलताअरुवीज अरुनागरतीनोसमलीज इनसौंतैलपकायलगाय मांसगिरैसोऊठहराय शुद्धहोयव्रणपूर्णथावै रोगजायरोगीसुखपावै

॥ अथलिंगार्शलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कुकुटशिखाइवअंकुरमास लिंगसंधकेमाहिजोभास लिंगअर्शताहीकोंजान तांकीऔषधकरोंवषान लिंगकोशकेअंतरमाहि संधीवापर्वसंधिताहि उपजेवर्तीकोपत्रिदोष अर्शलिंगतिसराखोघोष पिछलअवरसपीडाजान कठिनचिकित्साताकीमान

॥ अथलिंगार्शचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सज्जीनीलाथोथालीजै रसौंताशिलाजितमनसिलदीजै हरितालसुरमासंगमिलावै लेपैमांसांकुरमिटजावै उपदंशचिकित्साजेतीज नो अर्शरोगकीभीसोऊमानो ॥ चौपई ॥ लौंगजावत्रीजाइफलआन दोइदोइटांकजानपरिमान अजमोदादशटंकमिलावै पाराढाईटंकरलावै चारथानजुभिलावेपाय कूटपीसकरचूर्णवनाय गुडपुरातनसमसबपावै चतुर्दशगुटकातासवनावै दिवसचतुर्दशताकोंषाय रोगउपदंशनाशहोइजाय गेहुंचणकरोटीघृतसंग विनालवणषावैरुजभंग ॥ अथधूम्रपानम् ॥ ॥ चौपई ॥ सिंगरफमासेत्रीसधरावै पांचमासेरसकपूरमिलावै फूलसुपारीलेदशमासै कैंमरकस्सअष्टसंगतासै हाफूमासेपांचप्रमाण वैरकत्थदशमासेठान पुडीचतुर्दशताकीकीजै तंवाकूज्यायचिलमधरपीजै लोनविनारोटीघृतसंग षावेहोयरोगकोभंग जोउपदंशमध्यमुखआवै कथ्यलायचीमुखधूडावै ॥ अथउभारा ॥ चौपई ॥ नीलाथोथाभस्मसुपारी मुरदासंगकत्थसमडारी सूक्ष्मपीसेधूडाकरे श्वेतककेतकदिनधूडेदुखटरै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ चरमपुरातनभस्मसुकीजै भस्मसुपारीतामोंदीजै

थ्यतीनोसमभाय लिंगऊपरेनित्यधूडाय केतकदिनअसकरअभ्यास होईउपदंशरोगकोनाश ॥ अन्याच गुटिका चौपई मुरदासंगभिलावैल्यावे अजवायणपुरासानिरलावै त्रिफलालोध्रसुंठतिलठान पीस-दुगुणगुडपायपुरान पांचटांकगुटकावंधवावै तप्तोदकसोंरोगीषावै दिनाचतुर्दशलगलषषावै असऔ-षधउपदंशमिटावै लवणजुअमलवातनहिंषाय उपदंशमिटैव्याधीसुखपाय ॥ अन्यच्च चौपई पांच-टांकलेजंगहरीर दशटंकनीलाथोथाधीर वीसटांककथपरपटजान निंबूरससंगपरलकराण द्वादश-प्रहरसुखरलकरावै कोकनवेरसमगुटीवंधावै तीनदिनालौंगुटकाषाय लवणविनातापथ्यधराय रुज-उपदंशहोयहैनाश निश्चयआनोमनमोंतास । अथमलहमः चौपई काहीकहेलामाईराल लोध्रटंकपंच-पंचडाल नीलाथोथाटांकजुएक द्वादशटांकधरमोमविवेक चौवीसटांकघृतपीसरलावै मलहमला-यउपदंशनसावै दोहरा उपदंशचिकित्सायहकहीवंगसेनअनुसार चतुरवैद्ययहसमझकैपुनकरहैउपचार ॥ इतिउपदंश चिकित्सा समाप्ता

॥ अथउपदंशरोगेपथ्यापथ्य अधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ पथ्यापथ्यउपदंशकेकहिंहोंतासप्रसंग जाकोनामप्रसिद्धजगभाषैंवादफिरंग ॥ अथप-थ्यं ॥ चौपई ॥ वमनविरेचनलेपनमान यवचावलकणकघृतदुग्धपछान लिंगमध्यकीनाडीजोय ता-कोरक्तमोच्चपथसोय अरुजोंकोकररुधिरकढावै यहभीपथ्यतासकोगावै मारूथलमृगपच्छीमास सुहांज-णफलीपटोललषतास मूलीवालकरेलेकहिये वस्तुकसैलीतीच्चणलहिये माष्योंअवरकूपकाताेय एतेप-थ्यताहिलषजोय दोहा पथ्यकहेउपदंशकेलषलेवोचितधार तांकेसुनोअपथ्यपुनसोअबकरोउचार अ-थअपथ्यं ॥ दोहा ॥ मैथुनतैलगुडषेदतक्रभारीअन्नपछान अमलसमस्तअपथ्यअसयाहिरोगकेमान इतिउपदंशरोगेपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः ॥ दोहा ॥ उपदंशरोगवरणनकियोप्रथमहिकह्योनिदान तासचिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यवषान इतिउपदंशरोगःसमाप्तः

॥ अथउपदंशरोगकर्मविपाकः ॥

॥ चौपई ॥ जोनरसंध्याहीनलषावै ताकोउपदंशरोगप्रगटावै ॥ उपाय ॥ सोनेकोइकपात्रवनाय ब्राह्मणकोदेवैहरषाय जोअसमर्थहोइहैकोई कलसदुग्धभरदेवेसोइ उपदंशहुतेंमुक्तकहावै कर्मविपा-कग्रंथयोंगावै ॥ इतिउपदंशरोगकर्मउपायः

॥ अथउपदंशरोगज्योतिषः ॥

॥ दोहा ॥ लग्नसूर्यआठहिशनीवारहिभौमजुहोइ उपदंशरोगतिहनरवैरेपीडतच्चीणवलसोइ तीना-ग्रहकोजपकरेब्राह्मणजज्ञकरेय यथाशक्तदानसुकरेगृहपीडासुहरेय ॥ इतिज्योतिषम्

॥ अथशूकरोगनिदाननिरूपणम् ॥

दोहा ॥ भाषोंशूकनिदानकोंसुनलीजैचितधार भेदवहीउपदंशकोप्रगटकरोंउच्चार ॥ चौपई ॥ शूक-भेदउपदंशपछानो अवरभेदभीसुनोवषानो मूढलिंगमिरजादात्याग लिंगवृद्धकरनेकोंलाग औषधउ-च्चणलिंगपरलावे अधिकव्याधततैंप्रगटावैं असेंभीहोइशूकविकार तांकोलच्चणकरोंउचार अष्टाद-शतिसभेदवषाने ग्रंथनिदानहुतेंलषमाने गौरीसरसोंकीजान्याई फुनसीवहुतलिंगप्रगटाई सरषपकाक-हियेसोव्याध कफअरुवातजयहीउपाध कठिनजुटेढीफुनसिलहै सोअष्टीलीनामकहैय सोके-

बलवातजकरजान कफतेंहोहिसुकरोंवषान फुनसीमिलतहोंहिलिंगसारे स्वेतवरणसोकफजउचारे ग्रंथितनामतासकोगायो ग्रंथनिदानहुतैंलषपायो जंबूफलकेरंगसमान रक्तपित्ततेंतिन्हकोजान कुंभिकानामव्याधसोभनी श्यामफटाकसुअलिंगीगनी जोफुनसीअतिलंबीलहिये मध्यहुतेंचीरीलषपैये तासनामअवमंथकहीजै कफअरुरक्तहुतेंसुभनीजै कलीकमलन्यायरंगलाल रक्तपित्ततेंहोयविशाल नामतासपुष्करकाअहै अवरव्याधपुनऐसेंकहै रक्तमुदगमाषपरिमान अजीरणरक्तपित्ततेंजान उत्तमनामव्याधसोकहिये ऐसेलच्छणतासलषैये जोसूच्छमछिद्रेंसहितलषावै चारोउरोलिंगदरशावै वातरक्ततेंजानोसोय नामतासशतयोनिकहोय यातेंहोवतहैत्वकदाह पाकहोअरुज्वरउपजाह त्वकपाकशूकतिसनामभनीजै अर्बुदआगेंरक्तकहीजै रक्तश्यामबहुहोहिफटाक अर्बुदरक्तनामसतवाक नाभितलैसोपीडाकरै अर्बुदनामचिंन्हअसधरै स्पर्शहुतेंपीडाअतिमाने स्पर्शहानितिसनामवषाने मांसदोषतेंउपजितजोय अर्बुदमांसजानियेसोय जाकोमांसगलतहोइगिरै अरुपीडाबहुतीसोकरै मांसपाकनामतिसजानो आगेअवरसुनोंसुवषानो संन्निपाततेंउपजितजोय अवतरहेपीडाकरैसोय ऐसेलच्छणहोवतजास शूकविदध्रीजानोतास जोफुनसीश्यामहोयगिरपरैं व्याधनामतिलकालकधरैं यहसबव्याधजुवरणसुनाई अर्बुदमांसपाकजोगाई अरुतिलकालकव्याधजुकही यहत्रैव्याधअसाध्यसुसही अवरसमस्तव्याधजोभनी कष्टसाध्यसोशास्त्रहिंगनी ॥ दोहा ॥ शूकनिदानवषानियोंजैसेंलिख्योनिदान प्रथमचिकित्साजोकरैताकीहोयनहान इतिशूकरोगनिदानंसमाप्तम् ॥

॥ अथशूकरोगाचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्साशूककीजोउपदंशसमान यातेंअल्पवषानिसोसमझैवैद्यसुजान ॥ चौपई ॥ शूकरोगमोंऐसेंमान रक्तमोच्छरेचनहितजान रक्तजलौकनकरनिकसावै अथवानाडीवेधकरावै नाडीस्वेदउपनाहप्रमाण स्निग्धस्वेदमृदुधावनजान ॥ अथऔषधप्रकारः ॥ त्रिफलाक्काथसंगगुग्गुलपीवै शूकरोगनाशतवथीवै ॥ लेपः ॥ त्रिफलालोध्रसंगतैलपकाय लेपैंशूकरोगमिटजाय अन्यउपायः विसर्पिरोगकीऔषधजेई शूकरोगमोंहितकरतेई अवरवलाकोतैलप्रमान तैलपृथकपरणीपुनजान यामोरक्तजुअधिकलहीजै औषधरक्तविदध्रीकीजै अथतैलं दोदोहलदिहरडपुनजान गृहकोधूमसभीसमठान तिन्हसोंतैलपकायलगाय शूकरोगनष्टहोइजाय ॥ अन्यच्च ॥ कुचलात्रिफलालोध्रसंगाय इनसंगसिद्धसुतैलकराय ताहितैलकोलेपनकीजै कुंभिकाअलजीरोगहरीजै वाइनवस्तुकोरोपनकरै कुंभिकाअलजीपिटकाहरै ॥ अथलेपः ॥ चौपई ॥ गुंजाभस्मसियाहीआन दोनोहलदमुलट्ठीठान मनछलअवरलेहुहरताल सबयहऔषधसमलेडाल पीसैघृतमधुसंगमिलावै लेपकरैरुजसूकनसावै ॥ अन्यच्च ॥ रसोंतजुपाराअरुकासीस लेपेंहोयशूकरुजषीस ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साशूककीवंगसेनकेभाय पथ्यापथउपदंशकेयाकेसोऊलषाय ॥ इतिशूकरोगःसमाप्तः

॥ अथफिरंगकीउत्पत्तिनिदानलच्छणयत्नाः

॥ चौपई ॥ फिरंगनामइकदेशकहाय होतप्रगटतिसदेशमोआय बहुवर्तेतिसदेशकेमाहि फिरंगनामतिसवैद्यसुगाहि ॥ दोहा ॥ गंदरोगयहहोतहयाहीनामफिरंग पुरुषातियासंयोगतेंजानोहोतनिसंग ॥ दोहा ॥ फिरंगरोगकीउत्पत्तिकहोंअतिइस्त्रीसंग गर्मीककेंमंदहोइवाऔरपुरुषकरसंग १

जिहजोनीगर्मीवैरतिहसंगहोतविकार यागर्मीवालपुरुषजिहमूतेतिहकरधार अथवाभोजनताहिसंगपवनकोपकरजाय अथवाक्षीणवलपुरुषहोयभोगकरेअतिभाय अत्यंतभोगवंधेजनहितिहकारणयहहोय वायूकोपप्रगटातहैकायपीडकरसोय ४ वायुकोपसेंपित्तकफतीनोंउलटेहोन कोपकरेअतिरूपकरफिरंगरोगकरतौन आगंतुकव्याधीजानियोदोषनेमनाहियास लक्षणकरतिसजानकेकरतवैद्यपरकास फिरंगरोगत्रैविधकह्योवाह्याभ्यंतरएक इकअंतरइकवाह्यहींजानोतासविवेक आगंतुकजोनामहैफिरंगवायुसोंजान त्रिविधनसेंजोकायमेंताहिधसैसोमान ६ फिरंगरोगजिसहोतजोनारीतासंगवरणनकरै विनविचारजोवरणनकरोफिरंगरोगतिसम्रानसुवरे

॥ अथशरीरकीत्वचाकेवाहरहोउसकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ फुनसीबहुइंद्रयपरकरै स्फुटनआदिसबचिन्हसोधरै पीडाअल्पताहिमोमाने सुखहिसाध्यतिहवैद्यपछाने यत्ननाहिहोवतहितसार वैद्यकग्रंथप्रमाणविचार

॥ अथशरीरकीसंधिमेंऔरनसोंमेधसिजायउसकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ भ्रमरआदिकेदंशकीन्याई दम्मटपडेशरीरमोंजाई आमवातकीपीडाजैसे होवतताहिशरीरमोतैसे शोथसहितकटिजंघापीर कष्टसाध्यनरजानसुधीर

॥ अथशरीरकेअंतरवाहरहोयउसकालक्षण ॥

चौपई त्वचासंधिकेलक्षणजोय जिसरुजमोसबदेषेंसोय इनलक्षणजोबहुदिनहरै सोमहाकष्टअसाध्यकरकहै

॥ अथफिरंगवायुकाउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ कायाक्षीणवलजातारहे नाकगलैअग्निमंदकरवहै मांसरुधिरवलसूकतजाय हाडरहैअतिवक्रदिषाय याहिउपद्रवमंदविचार सर्वसरीरक्षीणकरडार ॥

॥ अथफिरंगवायुकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ रसकपूरकेखानेऔरवनानेकीविधिः ॥ रसकपूरचाररतीपरमान कनकआटकीटिक्कियठान भीतररसकपूरधरलीजे गोलीकरैवीचसोकीजे लवंगपीसतामोंलिपटाय मुखधरशीतलजलनिंगलाय दांतनलगैतिहगोलीसंग इहविधिखायजुपुरुषनिसंग नागरवेलपत्रफुनचावै नौनषटाईवर्जकरभावै खेदनकरेधूपनहिधरै इसीरीतत्रैदिनतककरै फिरंगवायुकीहोवेहान निश्चयकरकैमनमोंजान ॥

॥ अथसंप्रसारणगुटिका ॥

चौपई पाराटंकखैरइकटंकभर अकरकरादोटंकताहिधर सहितटंकतीनपरमाण पीसमिलायगोलीसत्तठान नित्यप्रभातइकगोलीखाय सीतलजलऊपरातिहभाय फिरंगवायुजावैदिनसात नौनखटाईवर्जकहात ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पाराशुद्धदोटंकपरमान गंधकशुद्धताहिसमजान तांबूलदायटंकतिहपाय खरलकरैमहीनपीसाय कजलीकरसतपुडियांकरै एकपुडीनितधूनीधरै फिरंगवायुजावतिहकारण मनमोजानबुद्धवंतविचारण ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पीतपुष्पिवलापत्रमंगावै रसकाढटंकपारापावै हाथमलैदोनोमिलचाहि तवतकमलैजोसूकतजाही पाछेहाथदोनोसेकाय पसीआवैजवतकभाय इसीरीतसोंसतदिनकरै फिरंगवायुसवतनुतेहरै नौनखटाईवर्जकरजान भावप्रकाशमोंकियोवषान ॥ पुनः ॥ ॥ चौपई ॥ निंवपत्रअठटंकधरीजै हरडछालइकटंकमिलीजै एकटंकभरआमलेपाय हलदीटंकजुअर्ध

रलाय यासबकोमहीनपीसाय मासेचारनितसतदिनखाय कांजीजलऊपरहितपांन अंतरवहरफिरंग-नसान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ चोबचीनीकाचूरणकीजै मासेचारमधुसंगसुलीजै चाटैताहिफिरंगनसाय नौनखटाईवर्जकराय अन्यच्च चौपई ॥ एकटंकपाराशुद्धलिआवै कुरंटकरससोंखरलकरावै पांचटंकगुगलतिहपाय अकरकराकुष्ठत्रिफलाल्याय टंकटंकइहसबपीसावे मधुघृतदोदोपलजुमिलावे कर्षप्रमाणनिताप्रतिषावै अथवामर्दनदेहकरावै फिरंगरोगहोयमूलतेनास कह्योग्रंथजोभावप्रकास वर्जेलौनखटाईजोनर भावप्रकाशकह्योइहहितकर ॥ अन्यच्च चौपई ॥ रेचनरक्तछुडानपरमान फिरंगरोगकोहोवैहान ॥ पुनः॥ चौपई ॥ पाराशिंगरफनीलाथोथा हीराकसीसपावेसमजोथा आंवलेसारगंधकफुनजान येसबदारूखरलकरान एकसमानजवसबहिंहोवे वुहरैअथवालेपेसोवै यातेफिरंगवायुसवजाय सर्वग्रंथइहकियेवनाय ॥ अन्यच्च ॥ घृतकोंएकशतपाणीधोवै लेपैफिरंगरोगतनुखोवै अन्यच्च ॥ नीलाथोथामोमरलाय दोनोघृतमोलेयपकाय लेपकरैदेहीदुखहरै फिरंगवायुकोनाशसुकरै ॥ अन्यच्च ॥ कटूतैलइकटंकजुल्याय मोमपांचटंकतिसपाय वेरकवीलादोधेलाभरलेय सिंधूरसोरामुरदासंगतेय दोदोटंकइइतीनोल्याय सवमहीनअतिपीसकराय पीतलपात्रमोंतिसपावे मंदअग्निसोंमेलमवनावे खूववनायडवीमधधरै कजलोदेयफोडेसबहरै उपदंशइत्यादिकरोगविनाशै मलहमनामशुभग्रंथप्रकाशै ॥ अन्यच्च सिंधूरआधपावलेयमंगाय गोघृतसेरभरताहिमिलाय देहीलेपकरैतिहसंग ऊपरपलेटपरालीअंग तीनदिवसइहलेपसुकरै चीरखायअतिहितमनधरै व्रणमातरहराविस्फोटफिरंग चकत्तेसवहिसुकावैअंग अन्यच्च ॥ चौपई पारासीसादोयसमलेय खरलकरैपुनकजलिकरेय कनकतुषकाचीइम्मलीआन निंवपत्रसमपीसकरान निंबूरससोंखरलसुकरै दोयटंकभरगोलीधरै कायाऊपरवस्त्रपुनडार इकगोलीअग्नीपरधार सातदिवसइहधूनीलेय सर्वप्रकारकोरोगहरेय इसउपरंतक्षीरनितखाई इक्कीवाचौदादिनताई अथवात्रिफलाखैरसारसम जाविस्त्रिलेयजुकाथकेरतिम मुखधोवैपुनधूनीलेय फिरंगवायुकीतुर्नहरेय अन्यच्च कालाजीराअरुकुष्ठआन दोनोलेत्रैटंकपरमान पुरातनगुडत्रिगुणाकरमेल कूटसभ गोलीकररेल इकसंध्याइकप्रातसुखाय फिरंगरोगकोलेयनसाय रोटीकनकघृतसोचुरडाय खावैरोगफिरंगजुजाय अन्यच्च शिंगरफछेमासेपरमान दसमासेजुसुहागाठान अकरकरादसमासेलेय मोममासेदसमहीनकरेय गोलीरत्तीप्रमानवनाय इकगोलीनितनेमकराय वेरकोलेसंगधूनीदेय तौफिरंगकोवातहरेय अन्यच्च ॥ शिंगरफचारमासेमंगवाय मनसिलसमयहलेयपिसाय वेरअग्नसोंधूनीदेय स्थानवातविनवस्त्रधरेय फिरंगवायुइहधूनीजाय भावप्रकाशमोकह्योवनाय

॥ अथरसकपूरजोमुखआयाहोयउस्काजतन ॥

॥ चौपई ॥ दोपलगूलरप्लक्षवटजान वेतअवरवक्कलपरिमाण काडाकरकुरलेतिहकरै सूजनउोष्टमुखतुर्तसुहरै ॥ पुनः ॥ चौपई ॥ पांचटंकजीरामंगवाय खैरसारदोटंकमिलाय जलसोंपीसलेपतिहकरै तौमुखपायरोगसबहरै ॥ इतिफिरंगरोगउत्पत्तियत्नःसमाप्तः ॥

॥ अथान्यप्रकारफिरंगरोगकथनम् ॥

॥ चौपई ॥ वादफिरंगरोगजोकहिये आतशकनामफारसीलहिये श्वेतरंगकेदाणेहोई खुष्कहोतरंगकालासोई तीक्षणपित्तरुधिरकफजानो जलनहोतदुखदायकमानो आदयतनकरशीघ्रहटावे तौफुनिरेचकऔषधहोई आगेलेपलिखाकरसोई हलदीमैंदीहरडमंगावे करेफसदवाजोंकलगावे

अथवअतृवीताहुसंगपावे गुलाबपुष्पकेसरसंगहोई कपूरमेलपीसेनरसोई पावेनीरलेपकरवावे तीनवारदिनवीचलगावे अकीयानामघासइकहोई धनिएरससोपीसेकोई छालेऊपरलेपकरावे छालेदूरसीघ्रसुखपावे एरनपत्रफडकडील्यावे पीसनीरसंगलेपचढावे गिरीरतककीलीजीसोई पीसनीरसंगटिक्कीहोई तैलवीचधरतैलजलावे तैललेपकरछालाजावे छिलकानिंवमंगावेकोई नीलोफरमुत्थरसंगहोई वरूलपत्रजढपन्हील्यावे चंदनलालआमलापावे आठसेरजवहींरहजाय सेरदोईघृतगोकापाय चाडअगनपरसोगडकावे रहेशेषघृतकाथजलावे सोघृतलेकरमर्दनकरिए सकलदोषनिश्चयकरहरिए चंदनलाललोध्रमंगवावे जाईपत्रभागसमपावे गोघृतमेललेपकरसोई छालादूरसीघ्रसुखहोई छिलकाप्रथमनिंवकाल्यावे छिलकाजामनपाडलपावे जलकेसंगपीसिएसोई घृतमिलायमर्दनसुखहोई चिरायतासुंठगिलोइमंगावे धमाहमेलसमऔषधपावे नौमासेनितचूरणखावे सीतलजलसोंदोषहटावे निंवपरूलपत्रमंगवावे दारुहर्दलकौडमिलावे तरायमांनजढसोसनलीजें गिलोकिरायतातासंगदीजें करेकाथसीतलहोजावे मासेसातमखीरामिलावै पीवेप्रातशीघ्रसुखहोई उपदंशरोगहटजावेसोई सुहागावावडिंगमंगवावे कृष्णमूसलीसिंगरफलावे दोदोतोलेऔषधलीजें सातोभागवरावरकीजें एकभागकाधूमलगावे ऐसीविधकररोगहटावे गिठप्रमाणगर्तइकहोई वींचआगपरराखोसोई निकसेधूमतोऐसाकरिए चक्कीकापुडऊपरधरिए ऊपररोगीवैठेआय रजाईऊपरताहिउढाय विधिवतधूमलगावेकोई दिवससाततकऐसाहोई जाविधधूमताहुपरलावे रोगदूररोगीसुखपावे करैपालऔषधहितहोई जाविधरोगदूरकरसोई ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांउपदंशाऽधिकारकथननामद्वापंचाशत्तमोऽधिकारः ॥ ५२ ॥



॥ अथअंडवृद्धिकीउत्पत्ति ॥

॥ चौपई ॥ जाहिवस्तुमारुतकुपजावै भोजनसीतलजलतरआवै मलमूतरकोवेगरुकावै युद्धकरै-अतिभारउठावै मार्गचलितअंगसबतोडत औरक्षोभमेंचित्तजुजोडत इनकारणवायुअतिकोपत अंग-नसांनीचेकररोकत पेटऔरजांघनकीसंधि सोचकरैपीछेरगवंधि अपनेठौरमेंवैठसुजाय किसीसमैवा-हरचलआय जबसोजैतबबाहरआवै वायूअधिकतबअंतरजावै इहप्रकारअंडवृद्धीकारण ग्रंथवागभट-कियोउचारण.

॥ अथअंडवृद्धिरोगनिदानवर्णनम् ॥

॥ दोहा ॥ अंडजुवृद्धनिदानकेभेदजुसातप्रकार सोसमस्तविवरेसहितसुनहोकरोंउचार ॥ दोहा ॥ वातकहारविहारकरकुपितहोतजववात नसआंद्रोंमेप्राप्तहोअंडवृद्धिउपजात ॥ चौपई ॥ उर्द्धगतीजा-कीजवहोय ऐसाक्रुद्धतवातजुसोय लिंगजंघनाडिनकीसंध प्राप्तहोयसोहोवेंवंध अंडवृद्धिकरतीहैजोय सप्तप्रकारभेदलषसोय वातजापित्तजकफजपछान त्रिदोषजरक्तजमेदजमान मूत्रजसप्तमजानपतीजे ऐसेंसातोभेदलखीजे.

॥ अथवातजअंडवृद्धिलक्षणम् ॥

॥ चौपई पूर्णअंडषालकीन्याय दिषियतसोरूषोदरशाय विनाहेतुपीडाउपजावे वातजअंडवृद्धसुकहावै

॥ अथवातजअंडवृद्धिचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ त्रिवीसुघृतसोंखावैजोय यहरेचनहितकरहेंसोय ॥ अन्यउपायः ॥ एरंडतैलदुग्धके-संग मासपर्यंतषायरुजभंग ॥ अन्यच्च ॥ एरंडतैलसगुगुलषावै वागुगुलमूत्रसंगअचावै अंडवृद्धवातज-होइनाश तासउपायकियोपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ नारायणितैलभक्षणकरै अरुमर्दनतांकोअनुसरै अंड-वृद्धवातजहोइनाश निश्चयआनोमनमोंतास.

॥ अथपित्तजअंडवृद्धिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ उदुंवरफलवतदाहसमेत पित्तजअंडवृद्धलहुभेत.

॥ अथपित्तजअंडवृद्धिचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ रक्तजलौकासंगनिकासे पित्तजअंडवृद्धसोऊनासे ॥ अथलेपनम् ॥ चंदनपद्ममुलट्ठउशीर नीलोत्पलइकसमलेधीर पीसदूधसोलेपनकरो दाहशोथअंडनपरिहरो ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ वटअ-श्वत्थपलक्षउदुंवर कपीतलइन्हकीत्वचावरोवर पीसेगोघृतसंगमिलीजै लेपकरैरोगसोंछीजे अथवाइ-नकाकाथवनावे सीतलकरातिससेचकरावे तांतेंअंडनशोथनसाय वंगसेनमतदियोवताय ॥ इति ॥

॥ अथकफजअंडवृद्धिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शीतलअंडसनिग्धलषावे कंडूअरुगुरुताप्रगटावै पीडअल्पहोतहैजास कफजअंडवृद्ध-लषतास.

॥ अथकफजअंडवृद्धिचिकित्सा ॥

॥ लेपनम् ॥ देवदारुगोमूत्रहिंसंग लेपनकरैहोयरुजभंग ॥ अथकाथः ॥ देवदारुकोकाथवनावे गूत्रमि-लापीवैदुखजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटासेंधाचार समयहपावोकाथसुधार पीवेअंडवृद्ध-

रुजनाश ताकोगुणयहकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ केवलत्रिफलाकाथवनावै सहमूत्रप्रातपीवैरुजजावै ॥ लेपः ॥ चौपई ॥ वरचसर्षपायहसमलीजै पीसमूत्रसोंलेपनकीजै अंडवृद्धकफजहोइनाश सुखउपजमनहोयहुलास स्वेदउष्णलेपनपरसस्तु अरूहितकररुषीसबवस्तु ॥ इति ॥

॥ अथत्रिदोषजलक्षणम् ॥

चौपई जाहिवातकफअधिकवषावै अंडसूकदेहीप्रगटावै नेत्रपीतत्वरणहोतविकार द्वंद्वजअंडवृद्धसोधार

॥ अथकफवातद्वंद्वजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ लेपनम् ॥ लेसुहांजणात्वचापिसाय गोघृतसंगसुलेपलगाय वातजकफजरोगसोनाशे सुखउपजैदुतितनुकीभासै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सरलकुष्ठअगरसुरदार सुंठएकसमपीससुधार गोमूत्रअरुकांजीसंग लेपनकरैशोथहोइभंग ॥ अथहरीतकीभक्षणं ॥ चौपई ॥ हरडेंमूत्रहिंपायपकावै लवणतेलसोंप्रातहिंषावै कफवातजकोशोथनिवारे तासउपायजानलषधारे

॥ अथरक्तजअंडवृद्धिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ सहितस्फोटश्यामरंगहोय पित्तकेचिन्हसकललषसोय रक्तजअंडवृद्धसुकहावै मेदजकेलक्षणपुनगावै

॥ अथरक्तपित्तजअंडवृद्धिचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ दाहपित्तहरऔषधजोय याहिरोगमोंहितकरसोय अधिकवेगरक्तजोजाने रक्तमोक्षसजलौकाठानै शीतललेपनयापरकरै पकैंनाहिरक्षाउरधरै अरुरेचनकीऔषधजोय मधुशरकरासंगषावैसोय अवराशिरोरेचनकरवावै रक्तसपित्तजरोगनसावै ॥ रुधिरनिकासनअन्यप्रकारविधिः ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंमूत्रतप्तसोकरै पुनउतारानिजनिकटहिंधरै तामोंवस्त्रगाटलीभय करेटकोरअंडपरतेय पुनहिंधानअग्रकेसंग चौभेदेवैद्यनिसंग इंहप्रकारसोरुधिरनिकाशै रोगजायतनुसुखपरकाशै ॥ इति ॥

॥ अथमेदजअंडवृद्धिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफलक्षणसंयुतलषपैये मृदुलतालफलइवसुकहैये मेदजअंडवृद्धसोजान मूत्रजअंडवृद्धयोंमान

॥ अथमेदजअंडवृद्धिचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ रासनाअवरमुलठ्ठपटोल वासाअमलतानासमतोल एरंडवलागिलोयमिलाय मंदअग्निधरकाथवनाय एरंडतैलामिलायपिलाय मेदजअंडवृद्धरुजजाय ॥

॥ अथमूत्रजअंडवृद्धिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोनरगमनमार्गमोंकरै वेगमूत्ररोकनसोधरै ताकोंमूत्रजअंडविकार होइजलपूर्णमसकआकार मूत्रकृछ्रवतपीडाहोय तासउपेक्षाकरेनकोय तातेंहोतअफारातास सोअसाध्यहैकरहैनाश ॥ दोहा ॥ अंडवृद्धकोयहकह्योमनमोंसमझनिदान करैचिकित्सासमझकेतांकीहोयनहान ॥

॥ अथमूत्रजअंडवृद्धिचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सीतलवस्तुनरसेवनकरै जवधणियांकोपथ्यअनुचरै काथसौंफगुलखैरमिलाय पीवैमूत्रजरोगमिटाय ॥

॥ अथसामान्यचिकित्सा ॥

चौपई ॥ एरंडतैलविशालापाय दुग्धमिलायसुताहिपिलाय शूलसहितअरुसहितअफार अंडवृद्धि-त्रिदोषजटार क्वाथः चौपई एरंडवलागिलोयमुलट्ठ रासनाभषडेकरोइकट्ठ करोक्वाथरोगीकोदेय अंडवृ-द्धरुजनासकरेय अंगुष्टतर्जनीदोनोसंग पकडवृचणदेदागनिसंग इहविधिवातविकारनिकासे तांतेंअंड-वृद्धरुजनाशे ॥ क्वाथः चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलापिपलामूल देवदारुसबलेसमतूल विधिसोंकीजैक्वाथसु-धार पुनमिलायसेंधाअरुक्षार तीनमासपर्यंतपिलावै वातजकफजअंडरुजजावै ॥ अथचूर्णम् चौपई मूलविशालाचूरणकीजे एरंडतैलदुग्धसोंपीजे सप्तदिवसपर्यंतपिलाय अंडवृद्धरोगमिटजाय अथलेपः मूलभिडंगीकोपीसाय जलमिलायकरलेपलगाय अंडवृद्धरुजअरुगंडमाल नाशहोंहिजानोततकाल ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जलसीपीगर्भहिगोघृतपाय सातदिवसलगधूपधराय पुनतिहसेंधालवणमिलावै विधिसोंतांकोलेपकरावै अंडवृद्धरुजहोवैनाश दुःखनाशेतनुसुखपरकाश अन्यच्च लजालूमूलगृध्रविष्टाऊ लेपनकरेरोगमिटजाऊ अथशतपुष्पादिघृतम् चौपई शतपुष्पगिलोयीलेसुरदार चंदनदोनोरजनीडार दोनोजीरेत्रिफलापावै नागवल्लीरासनामिलावै गुग्गुलवृच्चत्वचापहिचानो मांसीवरचकुट्ठपत्रजुठानो ए-लाककडश्रृंगीचित्रा असगंधशिलाजीतठानोमित्रा सेंधाकौडतगरजुविडंग पतीसइंद्रयवठानोसंग यह-सबकर्षकर्षपरिमान सबमिलायकूटेमतिमान प्रस्थएकघृतताहिमिलावै प्रस्थप्रस्थरसइन्हकोपावे नि-वपत्रवांसादलजान एरंडकंड्यारीरसठान प्रस्थएकतिहदुग्धमिलावै मदनपत्ररसप्रस्थरलावै मंदअग्नि-धरसिद्धसुकीजे वलअनुसारप्रातउठपीजे अंडवृद्धरुजसर्वप्रकार नाशहोयनिश्चयमनधार अथगंधर्वह-स्ततैलम् ॥ चौपई ॥ शतपलएरंडमूलमंगावै पंचसुठीयवआढकपावै द्रोणएकजलपायपकाय पादशेषसमदुग्धमिलाय प्रस्थजुपावेएरंडतेल एरंडजढपलचारसुमेल त्रैफलआद्रकरससंगदीजै सिद्ध-होयपुनप्रातहिंपीजै दुग्धसाथपथ्यतिसषावै अंडवृद्धरोगमिटजावै ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साअडंवृद्ध-कीवंगसेंनअनुसार आगेसुनयाकोकहोंपथ्यअपथ्यअधिकार ॥ इतिअंडवृद्धिरोगचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथअंडवृद्धिरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा अंडवृद्धकेपथअपथभाषोंसोलषलेय चतुरवैद्यप्रथमहिंसमझपुनऔषधरुजदेय ॥ अथपथ्यं ॥

चौपई ॥ रेचनवस्तीकर्मलहीजे रुधिरमोक्षपुनस्वेदभनीजे लेपनमर्दनइटसिटजानो एरंडतैलपथ्य-लषमानो मारूथलमृगपक्षीमास तंडुललालजानपथतास भषडेअरुसुहांजनेफली पटोलहरडपथ-औषधभली वृंदांकागिरंजनमुमरजुलसण तांवूलपानलषलेवोलवण तक्रतप्तजलत्रिकुटाकहिए अवरपु-रातनमदरालहिए जोजोआमवातापितकहे सोसोपथ्ययाहिकेलहै अवरहुंदीपनअन्नजुपान तेसब-इनकोंपथ्यपछान भुजानाडिकोरुधिरछुडावै वंक्षणअर्द्धचंद्रदागदिवावै ॥ दोहा ॥ अंडवृद्धकेपथ-जितेसबहीकीनवषान याकेजेउअपथ्यहैंसोसुनपुरुषसुजान ॥ अथअपथ्यम् ॥ चौपई ॥ जलकेजीवन-कोजोमास दधिअरुमाषअपथलहुतास अरुपिष्टान्नअपथ्यहीलीजै भारीवस्तुअपथ्यभनीजे वीर्यवेगरो-कनजोकह्यो सोभिअपथ्ययाहिकोंलह्यो ॥ दोहा ॥ अंडवृद्धकेपथअपथकहेसभीसमझाय समझचिकि-त्साजोकरैतांकोंभयनहिंकाय ॥ अंडवृद्धिरोगपथ्यापथ्यधिकारःसमाप्तः दोहा अंडवृद्धवर्णनकियोप्रथम-हिकह्योनिदान पुनाहिचिकित्सावरणनकैपथ्यअपथ्यवषान ॥ इतिअंडवृद्धिरोगःसमाप्तः

॥ अथअंडवृद्धिरोगेदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोवहुतेमृगपच्छींघावै अरुपच्छिनकेअंडेषावै तिसकोंअंडवृद्धहोइरोग ताउपायलषोयोंलोग ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ विष्णुमूर्त्तस्वर्णकीठान पंचामृताहिकरायस्नान कमलअष्टदलसाजविराजै विधिवतजजैसमग्रीसाजै पुनसबलोकपालनकोजजै विष्णुमंत्रकरहवनहिसजै ब्राह्मणश्रेष्टप्रथमजुसेवै सोसंकल्पकरतांकोदेवै याहीरोगतेंमुक्तीहोय समझलेहुअपनेमनसोय ॥ दोहा ॥ अंडवृद्धकेरोगकोकारणकह्योउपाय श्लीपदरोगवरणनकरोंसुनियेसोचितलाय इतिअंडरोगकारणउपायःसमाप्तः

॥ अथअंडवृद्धिज्योतिषम्॥

॥ दोहा ॥ सूर्य्यजुहोवेकर्कटहितिहपरमंगलदृष्ट अंडवृद्धहोईताहिनरनिश्चयकरजहश्रेष्ट सूर्यकीअर्चाकरैविधिसोंविप्रमनाई असेकारणप्रीतकरअंडवृद्धनरहाई ॥ इतिअंडरोगज्योतिषम् ॥

॥ अथऊरूस्तंभरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ ऊरूस्तंभनिदानकोशास्त्रकेअनुसार वरणनकरोंसुसमझकेसुनलीजैचितधार ॥ चौपई जोअतिशीतलवस्तुकहैये जोअतिउष्णअवरद्रवलहिये कठिनस्निग्धगुरूअतिहोय इन्हवस्तुनकोंसेवैजोय अतिजागरनसयनअतिकरै अथवाबहुश्रमषेदहिंधरै कफवातसमेदासंचितहोय इकठेदोइहोइधावैंसोय पित्तकोंहतसुऊरूनमंझार प्राप्तिहोयकरकरैविकार चूलनकेहाडोंकोंभरैं ऊरूस्तंभसकफसोकरैं ऊरूशीतलहोंहिअतिचेत वडभारीहोइपीडसमेत ऊरूस्तंभयाहिकोनाम आढ्यकहितकोइयहदुखधाम

॥ अथपूर्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ निद्रापीडाज्वररोमांच छर्दअरुचहोइजानोसांच जंघाऊरूपीडाहोय पूर्वरूपजानोतुमसोय यामोजोअपनेअज्ञान वायविकारशंकामनआन तैलादिकमर्दनजोकरै तांतरोगपगनमोंपरै चरणनमोंपीडाउपजावत सुप्तहोंहिदोइपादलषावत कष्टसहितसोपायउठावै जंघाऊरूदुखप्रगटावै पृथवीऊपरपायधरैजव अतिपीडापादनहोवैतव छितिसपर्शचरणनकोंज्ञान नहिंहोवेमनअसैंआन जोपगटेढेभग्नलषान दूसरकरहोवैंसवाधान

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पीडादाहकंपवहुहैजव ऊरूस्तंभअसाध्यलषोतव नवीनजवहिंसोजानोसाध्य जवैपुरातनतवैअसाध्य ॥ दोहा ॥ ऊरूस्तंभवखानियोग्रंथनिदानविचार समझचिकित्साजोकरैतांकीबुद्धिउदार ॥ इति ॥

॥ अथऊरूस्तंभरोगचिकित्सा ॥

दोहा चिकित्साऊरूस्तंभकीवंगसेनकेभाय सोलीजैचितधारकैतांकोंकहोंसुनाय चौपई जिनऔषधकरकफअरुवात नाशहोंइसोहितकरख्यात तिन्हसोंतासचिकित्साकरै ऊरूस्तंभरोगपरिहरै ॥ अथकाथः चौपई हरडभिलावैसुंठागिलोय दालहलददशमूलसमोय अरुपुनर्नवासंगमिलावै करकाथपीवैदुःखजावै अन्यच्च अथदसमूलतैलं चौपई चित्राम्रिफलालेदशमूल देवदारुपुटकंडातूल सठीएलाहरढमिला-

यशालपर्णीतिसमाहिरलाय रहसणभार्गीजोपृष्टपर्णी उशीरविशालापावोअरणी कांयांकोठीमालतीली-
जे कसीरजवायणतीनोदीजै अवरकरंजूअरगमिलावे गिलोयशतावरिमोरठापावे पंचपंचपललेपरि-
मान सातद्रोणजलतामोठान मंदअग्निसोंकाथवनाय अष्टविशेषरहैयवआय पावैतैलजुआढक-
मान पाछेकल्कजुपायसुजान त्रिकुटाचित्राजुदेवदार वरचकुष्ठशतपुष्पाडार अश्वगंधामुत्थरवायविडंग
शालपर्णीपिप्पलीपाठासंग श्यामाकजुआद्रकदंतीपाय अम्लवेतपुनहिंगुरलाय कर्षकर्षयहचूर्णपावे
मंदअग्निसोंसिद्धकरावे शीतलसिद्धरहेयवतेल स्निग्धपात्रमोंतांकोठेल षावेमर्देवलअनुसार एतेरोग-
करेनिरवार उरूस्तंभचिरकालिकजाय आमवातक्षुद्रवातनसाय शीतवातसोदूरनिकारे एतेगुणवंगसेन
उचारे ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ चूरणपीसेंपिपलामूल मघांभिलावैफलसमतूल मधुमिलायकरषावे-
सोय ऊरूस्तंभनाशतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ रहसनमिसरीहरडगिलोय दालहलद-
श्यामाकसमोय दोइकंड्यारीसुंठीमरच तिक्ताअजमोदाकरसरच चवकजवायणसहचरिठान
एरंडअजकरणीपुनजान देवदारुअरुजानपतीस यहसबऔषधसमलेपीस मधुमिलायकरषावैतास
ऊरूस्तंभरोगहोइनाश पृष्टअवरकटिपीडाजावे उदररोगअरुशूलनसावे आमवातकफवातनिरवारे
वातरक्तअरुस्वासविडारे आंत्रवृद्धशीघ्रयहजावैं वैद्यशास्त्रयोंप्रगटसुनावैं ॥ अथक्काथः ॥ चौपई ॥
मघांभिलावेपिपलामूल यहसमऔषधलेसमतूल करैकाथमधुपायपिलाय ऊरूस्तंभरोगमिटजावे
॥ चूर्णम् ॥ चौपई ॥ जीराचित्राचवकमंगाय दालहलदलीजैसमभाय मधुमिलायकरचूरणषावे
ऊरूस्तंभरोगनरहावे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिफलालेवैपिपलामूल कौडचवकलीजैसमतूल
मधुमिलायकरचाटैजोय ऊरूस्तंभरोगहतहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिफलाकौडजुयहसम-
चार मधुमिलायचाटैसुनिहार ऊरूस्तंभरोगमिटजावे वंगसेनयोंप्रगटलषावै ॥ अन्यच्च चौपई ॥
वर्धमानपिपलीमधुसंग वागुडसोंषावैरुजभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ गुग्गुलशि-
लाजीतमघआन सुंठीयहसमचूरणठान पीवैताहिगूत्रकेसंग वादशमूलीरससोचंग ऊरूस्तंभरोगहो-
इनाश वंगसेनयोंकह्योप्रकाश ॥ अन्यच्च अथसैंधवतैलं ॥ त्रिफलात्रिकुटाकुष्ठमिलाय रहसनभार्गीवर-
चरलाय सेंधासुंठमघांजुकचूर कौडयवायणतांमोपूर नीलनीनीलकमलकेफूल मुलट्टीधनियांपुष्कर-
मूल शालपर्णीरेवंदपतीस अम्लवेतदालहलदीपीस सबसमरस्तूकीजैमेल कांजीसमतिसपा-
वोतल मंदअग्निसोंसिद्धकराय स्निग्धपात्रमोंधरेवनाय खावेमर्देलेनसवार एतेरोगकरेनिर्वार आम-
वातकृमिरोगनसाय उदरप्लीहागुलमहटाय ऊरूस्तंभअरुपक्षाघात वाणीस्तंभहरेसुनबात शिरोरोग-
मंदाग्निविडारे वैद्यग्रंथमतयाहिउचारे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिफलामघांचवकपीसावे कटुकायहस
मचूर्णवनावे मधुमिलायकरषावैसोय ऊरूस्तंभरोगहतहोय ॥ अथघृतादि ॥ चौपई यादुखपरसुंठी-
घृतषावे वाचित्राघृतकोंअचवावे अमृतादिगुग्गुलवाषाय सैंधवादिवातैलखुलाय इन्हकरऊरूस्तंभवि-
नाशे दुखजायतनुसुखपरकाशे ॥ अथतैलम् चौपई ॥ कुष्ठविरोजाघीउपिसावे दालहलदगजकेसर-
पावे अजगंधाअसगंधरलाय सर्षपयहसमऔषधपाय सतैलामिलायपकायसुषावे मधुसोंऊरूस्तंभ-
मिटावै ॥ दोहा ॥ ऊरूस्तंभचिकित्साकहीवंगसेनअनुसार आगेयाकेपथअपथसुनहोंकरोंउचार इति
ऊरूस्तंभचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथऊरूस्तंभरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ ऊरूस्तंभकेपथअपथसुनलीजैउरधार जैसेंभाषेग्रंथमोंतैसेंकरोंउचार ॥ अथपथ्यं चौपई ॥ रौष्यवस्तुअरुस्वेदपछानो कोद्रमयवकोटामनआनो तंडुलरक्तकुलत्थलहीजै सुआंकसुहांजणाजानपतीजै पटोलकरेलेलसणवषाने काकमाचीवृंदाकपछाने वेंतंकमूलीवाथूशाक धतूरानिंवपत्रलषवाक अमलतासकेपत्रजुजानो षलमाष्योंअरुरेचनठानो तैलादिकमर्दनहैंजोय हरडतप्तजलमानोसोय जेजेवस्तुवातकफहरैं सोसबवस्तुपथ्यलेधरे रक्तमोक्षअरुवमनलहीजे इत्यादिकसबपथ्यकहीजे दोहा इन्हतेंजोविपरीतहैसोईअपथ्यपछान ज्योंलषपायोग्रंथमोंतैसेंकीनवषान ॥ इतिऊरूस्तंभरोगेपथ्यापथ्यम् ॥ दोहा ॥ ऊरूस्तंभवषानियोप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यनवषान इतिऊरूस्तंभरोगःसमाप्तः ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांऊरूस्तंभाऽधिकारकथनंनामत्रिपंचाशत्तमोऽधिकारः ॥



॥ अथक्षुद्ररोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ क्षुद्ररोगवरणनकरोंचौतालीसप्रकार भिन्नभिन्ननामोंसहितलक्षणकरोंउचार ॥ अथनामानि ॥ चौपई ॥ अजगल्लिकायवप्रख्याजानो अंधालजीअरुविवृतामानो कछपीवाल्मीकिकाकहिये इंद्रविद्धागर्दभिकालहिए पाषानगर्दभषेंनसिकाजान जालगर्दभअतिवेल्लिकामान कक्षागंधनामनीयोय अग्निरोहिणीचिप्पलहिलोय कुलीरअनुशयामनलषलीजै विदारिकाशर्करावुर्दजुभनीजै दारीकदरअलसयहजानो इंद्रलुप्तदारुणकपहचांनो अरुअरुंषिकापलितसुलहिये पुनयुवानपिडकाजुभनैये पद्मनिकंटकजंतुमणिजान माषिकतिलकन्यछप्रमान व्यंगनीलिकाप्रसुप्तभनीजै परिवर्तिकामनसमझपतीजै अवपाटिकीनामकहिगावत निरुद्धप्रकाशकावैद्यवतावत अरुनिरुद्धगुदनामप्रकाश अहिपूतनपुनजानोतास गुदकंडूकहिनामसुनायों अरुगुदभ्रंशनामकहिगायों अरुशूकरदंष्टरनामपहिचान क्षुद्रचौतालीनामयेंजान.

अथक्षुद्ररोगचिकित्सानिरूपणम ॥

॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्साक्षुद्रकीभिन्नभिन्नपरकार वंगसेनजैसेंकहीतैसेंकरोंउचार.

॥ अथअजगल्लिकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मुंगप्रमाणगांठतनुपरैं वरणसमानसनिग्धताधरैं पीडारहितहोतहैंसोय कफअरुवातदोषतेहोय यहबहुधावालनउपजात अल्पहोतवडियनकेगात.

॥ अथाजगल्लिकाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमजलौंकनहूंकेसाथ रुधिरनिकासैलषयहगाथ पुनसीपीसौराष्टरकआन कल्हारलेयसमलेपनठान होवेजोअजगल्लिकानाश अन्यलेपपुनकरोंप्रकाश ॥ अन्यलेपः ॥ श्यामालांगलकामूर्वाय यहसमलेपअजगल्लकाजाय जोयहरोगपकहोइजानै ब्रणरुजकीजुचिकित्साठानै ॥ अन्यच्च ॥ फटकडीसोंफक्षारजुलीजै लेसमपीसमहीनकरीजै लेपकरैअजगल्लिकाजाय भावप्रकाशमतदियोवताय ॥ अन्यच्च ॥ जोअजगल्लिकाकठिनपछाने क्षारयोगतिसमाहिप्रमाने.

॥ अथयवप्रख्यालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कठिनहोथजोयवआकार ग्रंथिप्रगटसोमांसमंझार सोभीकफअरुवाततेंजानो अंधालजीपुनआगेमानो

॥ अथयवप्रख्याचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमहितांकोदेवैस्वेद पुनइहलेपकरैंमिटखेद मनछलकुष्ठअवरसुरदार लेपकरैतीनोसमडार यवप्रख्याकोहोवैनाश पकेचिकित्साब्रणकरैतास.

॥ अथअंधालजीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ सीधीफुनसीमंडलसंग घणीहोयपूयश्रवैसुअंग जहभीकफजवाततेंजान योंनिदानमोकीनप्रमान.

॥ अथअंधालजीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ यवप्ररुयाकीचिकित्साजेती अंधालजीमोलषहोतेती.

॥ अथविवृतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ फुनसीविवृतमुखहोइरहै रुंवलपकसुआभालहै इहभीमंडलसहितलषावै केवलपित्तकृतसोऊकहावै उपजेफुनसीदेहसमेत ग्रंथनिदानवतायोभेत

॥ अथविवृताचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जामधुरौषधघृततैलपकावै मर्दनतेंरुजविवृतजावै ॥ अन्यच्च ॥ रुजपित्तविसर्पिचिकित्साकही विवृतमुखीकीजानोसही

॥ अथकच्छपीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ होयग्रंथितनुषटवापांच कठिनकूर्मवतजानोसांच यहभीकफमारुततेंलहिये यातेंकछपीनामसुकहिये

॥ अथकच्छपीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ श्वेदनलेपनहितकरजाने परिपक्कहोयतिसभेदपछानें व्रणवतक्रियाजुकीजैपाछे तातेंकछपीरुजहोयआछे

॥ अथवल्मीकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ ग्रीवांहाथपादगलकक्ष अरुसंधिनमोंग्रंथिप्रतक्ष वृद्धहोतरहैवरमीन्याई वातपित्तकफतेंप्रगटाई होयअनेकमुखवरमीन्याय निशदिनश्रवेंग्रंथिसमुदाय रोगाविसर्पीचलहैंजैसे पीडसहितपुनचलहैंतैसे हाथपादवल्मीकजुहोय वहुछिद्रनकरसंयुतजोय शोथसहितयवदेषेंजिसको वैद्यत्यागजावेतवतिसको जोचिरकालकहोतयहरोग जानोंताहिअसाध्यअयोग

॥ अथवल्मीकचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वल्मीकरोगजाकोलषपावै शस्त्रसाथजुताहिचिरावै अग्निगुल्लदेपूरेंक्षार तासचिकित्साकरीउचार ॥ चौपई ॥ मनशिलअगरइलाचीआन चंदनलालभिलावेमान चंवेलीपातनिंवकेपत्तर चुक्रमिलायसबकरोइकत्तर हरितालपीसकरताहिरलाय मंदअग्नितिसहेठजगाय इनमेंतैलपकायसोलावै वल्मीकरोगशोथयुतजावै ॥ इतिमनशिलादितैलम् ॥

॥ अथइंद्रविद्धालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कमलफुलडोडीकीन्याई वहुफुनसीगिरदैप्रगटाई ऐसीजवतनुउपजैंजोय वातपित्तेंजानोसोय

॥ अथइंद्रविद्धाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पित्तविसर्पिचिकित्साजेऊ इद्रविद्धारुजजानोतेऊ ग्रंथवृद्धितेंनाहिवषान समझलीजियेकरअनुमान

॥ अथगर्दभिकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ उठैगोलमंडलजोपृष्ट लालवरणप्रगटैअतिधृष्ट तांपरफुनसीवहुप्रगटावे छिद्रनसंगरंगलाललषावे होतछानणीइवआकार वातपित्ततेंउठैविकार गद्दोधाणांयाकोंकहैं यानामहिंसवहीजनलहैं

॥ अथपाषाणगर्दभलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दांतहनूंकीसंधिजुजोय तापरइस्थिरसोजाहोय सनिग्धमंदपीडायुतलहिये कफअरुवाततेंप्रगटतकहिये

॥ अथजालिगर्दभलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोविसर्परोगकीन्याई सबतनुमेंसोजाप्रसराई पकेसोतांहिदाहज्वरकरै यहदुखपित्तहुतेंलषपरै

॥ अथगर्दभजालगर्दभपानगर्दभचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ एतेरोगप्रगटहोयजास करैचिकित्साऐसेंतास चिकित्सापित्तविसर्पीजोय इन्हहूंकीभीकरहैसोय जोयहरोगपक्कलषपावै तासाचिकित्साऐसेंगावै मधुरऔषधजुमुलट्ठीआदि घृतपकायलेपेमिरजादि ॥ अन्यलेपः ॥ चौपई ॥ नीलीलीजैअवरपटोल इन्हमूलनलेजलसमतोल घृतरलायलेपसोकरै गर्दभादिरोगसबहरै ॥ यत्नः ॥ चौपई ॥ जोंकलगायरुधिरनिकसावै अथवालेपनगर्मलगावै पाछेव्रणकेयतनकराय पाषानगर्दभरोगनसाय

॥ अथपनसिकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ करणमध्यपिंडिकाजुहोई पीडातीव्रस्थिररहैसोई यहकफवातहुतेंप्रगटावै ऐसेंग्रंथनिदानवतावै

॥ अथपनासिकाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमनिंवकेपत्रवंधावै तांपाछेपुनलेपलगावै हलदकुठतिलमनसिलपाय पीसलेपकरताहिपकाय चीरादेतिसपाककढाय मल्हमलायपनिसिकाजाय

॥ अथइरिवेल्लिकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोशिरात्रिषैजुपिंडिकाहोय ज्वरकरअतिपीडाकरसोय तांहित्रिदोषजतेंपहिचानो इन्हप्रकारलक्षणतिहजानो

॥ अथइरिवेल्लिकाचिकित्सा ॥

चौपई मधुरौषधघृतसिद्धजुहोय लेपनपानकरेरुजषोय पित्तविसर्पिचिकित्साजेती इरवेल्लीरुजजानोतेती

॥ अथकक्षालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वाहूकफमुंहडेमंझार पार्श्वमाहिभीहोंतविकार उठैपिंडिकाइन्हअस्थान श्यामवरणपीडायुतमान केवलपित्तकोपतेजानै कक्षालीतिसलोकवषानै

॥ अथकक्षाचिकित्सा ॥

चौपई रोगविदारिकाऔषधजेऊ कक्षारोगमोजानोतेऊ दधीलेपमार्जारचटाय लवणसेकदेखेदहटाय

॥ अथगंधनामनीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ एकपिंडजोतनुपरहोय सीसेन्याईचमकेसोय पित्तकोपतेंताहिपछान ऐसेंभाषैग्रंथनिदान

॥ अथगंधनामनीचिकित्सा ॥

चौपई पित्तविसर्पिचिकित्साकही गंधनामनीरुजमोसही अवरभेदातिसकीनवषान गर्दभरुजकीऔषध जान

॥ अथअग्निरोहिणीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कुक्षीभागवहुहोंयस्फोट छालेन्यायलसेंअतिषोट मांसविदारकरैवहुदाह अग्निसममानतेजहोइताह अरुज्वरदेहमाहिउपजावै सन्निपाततेंसोप्रगटावै द्वादशपंदरावादिन-सात यहदुखरहैतोकरहैघात ताहिकलवत्रालोकवषानै इन्हहूंलक्षणकरजोजानै

॥ अथअग्निरोहिणीरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अग्निरोहिणीकहियेजोय रोगकलवत्राजानोसोय इसमोपित्तविसर्पीजेऊ करैचिकि-त्सायाकीतेऊ लंघनरक्तमोक्षपहिचान यहभीयाकोहितकरमान अरुशीतललेपनाहितकार यहनि-श्चयअपनेमनधार इनयत्नोसेंसिद्धनहोय तासउपायकरैनहिकोय असाध्यरोहिणीतासकोगाही वै-द्यविचारकरैमनमाही

॥ अथचिप्पलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नखमांसविषेंइस्थितजोहोय वातपित्तपीडाकरदोय नखसोंपकावैंकरहैदाह अंगु-लिवेष्टनभीकहिंताह

॥ १६ ॥ अथअंगुलिवेष्टनरोगचिकित्सा तिसकोंचिप्पभीकहतेहै ॥

॥ चौपई ॥ पत्रकश्मरीकोमलसात तांऊपरवांधेनरविख्यात चिप्परोगनाशतिसहोय निश्चयकी-जैमनमोंसोय ॥ अन्यच्च ॥ कदररोगक्रियाजोकही चिप्परोगमोंजानोसही

॥ अथकुलीरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अविघातहुतेंदोषप्रवेश षहुरोस्वेतकरेंनखवेश तांकेनामकुनखभीकहैं इहप्रकारल-क्षणतिसलहैं

॥ अथकुनखरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ हरडेंधनियांदाडिमफूल सूक्ष्मपीसलेहुसमतूल विधिसोंतापरलेपलगावै कुनखरोगदू-रहोइजावै ॥ अथधूडा ॥ चौपई ॥ गृहकोधूमअवरहरताल मूलचुलाइसमयहडाल सूक्ष्मपीसवरूरैता-स दुर्गंधिसहितकुनखकोनाश ॥ लेपः ॥ चौपई ॥ हरडहरिद्रादोइसमलीजै लोहपात्रघसलेपनकीजै कुनखरोगअरुचिप्पनिवारै ऐसेंनिश्चयमनमोंधारै

॥ अथअनुशयीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पादनपरपिंडकागंभीर अल्पशोथउपजावैपीर अंतरमोयाकैपडैपाक असउच्चरैवैद्यसतवाक

॥ अथअनुशयिचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कफविद्रधीकीचिकित्साजेती अनुशयिरुजमोजानोतेती देषवैद्यसोलेयविचारी ग्रंथवृ-द्धितेंनाहिउचारी

॥ १९ अथविदारिकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ विदारिकंदइवतिसआकार कुक्षिवंखनसंधकरैसंचार रक्तहुतेंभीतासकोजाने अवर-भेदतिसनाहिवषाने सोऊत्रिदोषजहोतीअहै लक्षणतांकेअैसेंकहै

॥ १९ अथविदारिकाकक्षादिरोगचिकित्सा ॥

चौपई ॥ रक्तनिकालैदेवैखेद यातेंमिटैकक्षालीषेद ॥ अथलेपः ॥ लेसुहांजणासमसुरदार लेपैरोगवि-दारिकाटार ॥ अन्यच्च ॥ विल्वपुनर्नवाकोलेमूल दोनोपीसलेयसमतूल पक्कजानशस्त्रकेसंग चीरेहोय-सोऊरुजभंग ॥ अन्यच्च चौपई कै जैचूर्णनिंवपटोल घृतअरुतिलमिलायसमतोल लेपैहोइविदारिका-नाश अवरलेपपुनकरोप्रकाश ॥ अन्यच्च चौपई ॥ क्षीरीवृक्षषदरसमकाथ रुजथलधोवैतांकेसाथ मधु-रौषधसोंघीउपकावै लेपैरुजाविदारिकाजावै

२० ॥ अथशर्करार्वुदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नाडिमांसकफकेमंझार मज्जाचरवीमध्यविचार इहठौरनमोंइस्थितहोय वातग्रंथिउप-जावैसोय तेऊग्रंथिफूटहैजवही रसमधुघृतइवश्रवैहेतवही जोवहग्रंथिवृद्धतापावै रोडसमानवहुगांठ-उपावै अरुतनुकोसबमांससुकावत पवनवृद्धतायोंलषपावत उपजितनाडिनकेमंझार नानावर्णजुतास-विचार इससूंतेजुगंधभीआवै रहैआर्द्रसोरुधिरप्रगटावै

॥ अथशर्करातथाशकरार्वुदचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ चिकित्साकछूपामाजोय कुष्ठविचरचकाकीजोसोय इसहीरोगमोंसोपरिमान अवरहुंभीसुनकरोंवषान ॥ लेपः ॥ श्वेतसर्षपाअवरशतावर अरुसुहांजणापीसवरावर लेपैअर्वुद-शरकरानाश रोगकक्षालीआदिविनाश ॥ अन्यच्च ॥ सरषपदालहलदवचआन समयहलेपैहो-यरुजहान अथतैलम् कांजुतैलकोमर्दनकरै रोगशरकरातांतेंहरै वाकटुओषधतैलपकावै मर्द-नकरैरोगमिटजावै

॥ अथपाददारीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अतिश्रमनकरवभवानरजोय पादतलेवातजव्रणहोय तांतेंपीडाउपजैतास इंहप्र-कारसोकीनप्रकाश ॥

॥ अथपाददारीरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सनेहस्वेदयामोंहितजान यहनिश्चयनिजमनमोंआन ॥ अथलेपः ॥ चौपई ॥ मोम-वसामज्जाघृतक्षीर यहसमलेयकरैमतिधीर पाददारीरुजहाइहैनाश दुखमिटैहोइसुखप्रकाश ॥ अन्य-च्च चौपई ॥ सजिव्हजुसैंधामधुघृतपाय अथवातैलकटुपायपिलाय पाददारीदुखकोहोइनाश तांकों-गुणयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ कुम्भारगंदलमज्जासमलीजै पादऊपरेलेपनकीजै पुनऊपरसोंवांधेसोय पादविषैंकृमिपडैनकोय ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ मधुसैंधागेरीघृतराल गुडगुगुलसमतामोंडाल लेपपादऊपरसोकरै पादस्फोटरोगकोहरै ॥ अथअपो-दिकादितैलम् ॥ चौपई ॥ मूलीमारिषनिंवकरकारु एलवारुमोचरसडारु इन्हकीभस्मजुइन्हकी-काथ विल्वलवणतैलधरसाथ समयहपायपकायलगावै पाददारीरोगमिटजावै ॥ अथउन्मत्ततैलम् ॥

॥ चौपई ॥ बीजधत्तूरेकोग्रनवावे माणकंदक्षारजलसमपावे कटुतैलमिलायलेपसोकरै पाददारीरुजपीडाहरे.

॥ अथकदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कंकरकेचुभनेकरजान अरुकंटकादिक्षतपगमान तबपादनकिल्लकीन्याईं गांठउठैपीडाअधिकाईं कफअरुवातहुतेंयहजाने भौरडीनामजुलोकवषाने

॥ अथकदररोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमहिंशोधनकरेउपाय इंहउपायनिकसावैवाय अथवाउष्णजलसिंचनकरै अस-उपायकरदुःखकोहरे ॥ अन्यउपायः ॥ अग्नीअथवातैलकेसंग देवेदाघहोयरुजभंग ॥ अन्यच्च ॥

॥ चौपई ॥ अरुशस्त्रहिंसंगछिदव्रणकरै पुनतांपरजुलेपयहधरै तेजोवतीशिलाजितग्रान रोचनग्रवररसांजनमान इन्हसमसोंतिलतैलपकावै लेपैतिसअंगूरहोइआवै चिप्परोगकीयहक्रियाजान वंगसेंनमोंकीनवषान

॥ अथअलसलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पादनकीअंगुलीगलजांहि कंडुदाहदुखहोइतिंहमांहि कर्दमदुष्टस्पर्शतेंहोय वीचीनामकहैंसबकोय.

॥ अथअलसरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अलसनामवीचीकोजान पदअंगुलिमूलपकैंपहिचान ॥ तस्यउपायः ॥ कांजीसाथअंगुलीधोवे वीचीरोगनाशतवहोवे ॥ लेपनम् ॥ निंबअवरतिलपीसलिपावे वीचीरोगनाशहोइजावे ॥ अन्यच्च ॥ काहीवंशलोचनसमपीस लिपैवरूरैवीचीपीस ॥ अन्यच्च ॥ हरडपीसलाक्षारसपाय लेपैअलसरोगनरहाय ॥ अन्यउपायः ॥ मोक्षणरक्ततासकोकीजे अलसरोगताहोतेंछीजे ॥ अन्यच्च ॥ कंड्यारीरसतैलपकावे तहांलगायअलसमिटजावे ॥ धूडा ॥ वंशलोचनजुशिलाजितकाही पीसवरूरेवीचीजाही ॥ लेपनम् ॥ करंजुवीजरोचनहरताल रजनीसबसमपीसोडाल लेपकरेवीचीरुजनाशै पादअंगुलीसुंदरभासै ॥ अन्यच्च ॥ रुधिरमोक्षभीहितकरजान वंगसेंनमतकीनवषान ॥

॥ अथइंद्रलुप्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रोमनमूलवातपितदोय कुपितप्रवेशकरेंहैंसोय तिन्हकररोमसभीगिरपरें पुनकफरक्तआयसंचरें सोदोऊअसवलप्रगटावें पुनरोमनकोंनहिंउपजावें इंद्रलुप्तजोलोकनिहारें नामवालचरप्रगटउचारें

॥ अथइंद्रलुप्तरोगचिकित्सा ।

॥ चौपई ॥ इंद्रलुप्तरोगजोलहिये ताहिवालचरटटरीकहिये तासचिकित्साअसैंमानो नाडीछेदमूर्द्धकीजानो ॥ अथलेह्यलेपः चौपई ॥ नीलाथोथाकाहीमरच अवरशिलाजितताांमोंसरच करैलेहपुनलेपलगावे इंद्रलुप्तरोगनरहावे अथलेपः मुस्थरदालहलदसमपीसै लेपैइंद्रलुप्तरुजषीसै मूलासिग्रुसुरद्रुमलेदोय तीनदिनागोमूत्रभिगोय गोवरसोंतिसपूवघसाय लेपैइंद्रलुप्तमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ कौडप-

टोलरसलेपैजोय नाशइंद्रलुप्तकोहोय ।। अन्यच्च ॥ गुंजापीसलेपजोकीजै इंद्रलुप्तरोगतनुच्छीजै ॥ अन्यच्च ॥ वालचरेकोस्थाननिहार पछकरावेवारंवार पाछेगुंजालेपलगाय वालचराकरमूलतेंजाय अन्यच्च ॥ दालहलदकोरसजुकढावे हस्तिदंतकीभस्ममिलावे लेपैइन्द्रलुप्तमिटजाय वंगसेंनमतादियो- वताय कंड्यारीरसलेमधूमिलाय लेपैरोगवालचरजाय ॥ अन्यच्च ॥ गुंजामूलफलअवरमिलावे लेपै- रोगवालचरजावे ॥ अन्यच्च ॥ गुंजापत्रमुलट्ठविषपीस कांजीसोंलेपैरुजषीस ॥ अन्यच्च ॥ गोषुरअ- वरतिलनकेफूल मधुघृतसोंलेपैसमतूल इंद्रलुप्तनाशतवहोय घणेकेशउपजैंतहांसोय ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ हाथीदांतभस्मजुकीजै रसोंतदुग्धघृतसंगमिलीजै लेपैइंद्रलुप्तमिटजाय हथेलीहाथरो- मप्रगटाय ॥ अन्यच्च ॥ भंगरारसगोच्छीरलिपावे जन्मैकेशवालचरजावे अन्यच्च चौपई चातुषपादपशु- जोहोय रोमत्वचानखलीजैसोय शृंगअस्थिपुनयहसमलीजैं तिन्हकीभस्मसंगतैलरलीजैं लेपकरैहोइरु- जकोनाश अवश्यरोमउपजैतनुतास अन्यच्च चौपई करवीरमालतीचित्राआन करंजुएकसमतैलहिंठा- न ताहिपकायलेपजोकरे रोगवालचरतांसोंहरे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अर्कअवरथोहरपयआन लांगलि- भंगरावांसाठान अजामूत्रगोमूत्रमिलाय तुंमांस्वेतसर्षपापाय भूनिंववरचइकसमसवलीजैं तैलमिलाय पक्कसोंकीजै लेपैकूर्मपृष्टसमान टटरीदूरकेशप्रगटान ॥ नसवार ॥ चौपई ॥ मुलठ्ठमहूत्रिफलासमभाय तैलदुग्धसैंताहिपकाय लेनसवारवालचरजावे वालेपैशिरकेशदिखावे मुछदाढीकेजन्मेकेश इन्द्रलुप्तकोरहैनलेश इति

॥ अथदारुणकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शिरमोंवहुतषुरकप्रगटावैं केशस्थानषुहुरोहोइजावे यहकफवातकोपतेंजान असेंभाषैग्रंथनिदान.

॥ अथदारुणकरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ स्निग्धस्विन्नअरुश्वेद्‌करावे अवपीडनाशिरवस्तिधरावे अभ्यंजनतिसमाहिकरीजे इन्हउपायकरदारुणकछीजे नाडीमस्तकरुधिरनिकासै दारुणकरोगयाहितेंनाशै ॥ अन्यउपायः चौपई कोद्रमतृणकीभस्मसुकीजे तासच्छारजलसोगहलीजे ताहीजलसोंधोवैसोय रुजदारुणकनाशतवहोय ॥ लेपनम् ॥ चौपई ॥ प्रपुंनाटवीजअरुधात्रीफल अमलतासलेहकोमलदल पीसैमधुसोलेपलगाय रोगनाशदारुणहोयजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ गुंजाफलमधतैलपकावे शिरलेपैतौभीमिटजावे ॥ अन्यच्च ॥ भांगुरेरससोंतैलपकावै लेपनकैरोगमिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कोद्रमतृ- णकीभस्मकरावे मधुयुतशिरमोंलेपलगावे तातेंहोवतदारुणकनाश वंगसेंनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च तैलम् अथजात्यादितैलम् चौपई ॥ मालवांसाफलकटुतैलपकावै लिपैकपालव्याधमिटजावै ॥ अन्यच्चतैलम् अथजात्यादितैलम् चौपई ॥ माल- तीचित्रासारिवाहेर निंवकरंजूअवरकनेर गुंजाफलपुनउत्पलपाय सवसमलेकरकाथवनाय काथतुल्यक- टुतैलमिलीजै पुनपाछेयहकल्करलीजै चंदनरक्तकिरायताआने दोनोरजनीत्रिफलाठाने गोवरअग्निसों- सिद्धकरेय मलेसुदारुणकरोगहरेय अवरअरुंषिकारोगमिटाय केशमूलकेरोगनसाय श्वेतकेशकों- करेजुश्याम जातिआदिजिसतैलकोनाम ॥ चौपई ॥ कोशातकीदंतीकोमूल चित्राचूर्णकरलेसमतूल तैलमिलायपकावैतास लिपैरोगदारुणकनाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ उत्पललोहचूर्णत्रिफलाय

सारवालवणमुलट्ठीपाय भंगुरायहसबहीसमकीजै तैलमिलायपक्कसोलीजै लेपैरोगदारुणकनसाय अरुदूषिकारोगमिटजाय

॥ अथअरुंषिकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शिरमोब्रणवहुमुखकेहोंहि गंलेरहैंऐसेलषवोहि कफअरुरुधिरकोपतेंजानो कृमीकोपतेंअवरपछानो

॥ अथअरुंषिकाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जलौकारुधिरमोक्षहिततास प्रथमउपायसुकीनप्रकाश ॥ अन्यउपायः चौपई ॥ षदरनिंवजंवूसमआन इन्हकीत्वचाकाथसोठान सेंधापायप्रक्षालनकरैं रुजअरुंषिकातांतेंटरैं ॥ लेपनम् ॥ खदिरनिंवजंवूत्वचलीजै समपीसगूत्रसंगलेपनकीजै रोगअरुंषिकातांतेंजाय ग्रंथकारमतादियोवताय ॥ अन्यच्च ॥ निंवकाथगोवररससंग लवणपायरुजसोहोइभंग ॥ अन्यच्च अथमांसीशिरोभ्यंगतैलम् ॥ चौपई ॥ भूतकेशीकोकाथवनाय कटूतैलपलचारमिलाय वावचीमनशिलगंधकलीजै अवरसिंधूरलेआनमिलीजै कर्षकर्षपरमाणधरावै मंदअग्निसोंसिद्धकरावै मर्दनतैलकोनरजाय रोगअरुंषिकानाशेंसोय रोगविचर्चिकापामाजाय शिरकेब्रणसबदेतनसाय अन्यच्च पलपिन्याकपुरातनआन कुक्कुडविष्टागूत्रपिसान लेपकरैअरुंषिकाजाय यहउपायभीकह्योसुनाय ॥ अन्यच्च ॥ कुट्ठसुंन्नठीकरोमंभ्कार चूरणकरसुतैलमोंडार लेपनसोंअरुंषिकाजावै असउपायतांकोलषपावै ॥ अन्यच्च ॥ थोहरदुग्धअर्कपयर्लाजै पत्रधतूरेगूत्ररलीजै लेपैरोगअरुंषिकाजाय शिरकंडूशिरकोव्रणधाय ॥ अथहरिद्रादितैलम् ॥ चौपई ॥ दोनोरजनीत्रिफलापाय चंदननिंवसभीसमभाय इन्हसोंतैलपकायलगावै रुजअरुंषिकाहतहोइजावै प्रथमरुजीशिरमुंडकराय पुनपाछेयहतैललगाय यहविधिरोगहरैततकाल विनमुंडनचिरकालनिहाल ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ शालिपर्णीथोहरपयआन अजवृत्तिकाछिन्नासमठान पलपलभागइन्होकापाय केशभस्मकर्षइकठाय मछीपूरेवीसमिलावै मधुमक्षिकासोवीसरलावै चतुर्गुणागोमूत्रमिलीजै कटूतैलतिसमाहेरलीजै इन्हमोतैलपकायलगाय रुजअरुंषिकादुष्टव्रणजाय दुष्टदंतनखक्षतसुनिवारै ब्रणसूकैंजुविसरपीटारै

॥ अथअकालजरापलितलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ क्रोधशोकश्रमयुतजुशरीर तांतैंगरमीहोइसुनधीर सोगरमीशिरमोंचडजावै शिरकेशनकोंस्वेतकरावै सोऊपित्तभुरडीप्रगटावै याविधियाकेलक्षणगावै जरापलितजिसकेतनुहोय रोगत्रिदोषजजानोसोय महीनरूक्षअरुसूक्षमकेश जरापलितकोजानोवेश

॥ अथपलितचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पलितस्वेतकेशकोंकहैं तासचिकित्साऐसेंलहैं ॥ लेपनम् ॥ दोइप्रमाणधात्रीफलआन दोहरडवहेडाएकप्रमान लोहचूर्णकर्षएकजोपावै आंवगुटीपांचकर्षमिलावै लोहपात्रभंगरारसपाय आठपहरसोषरलकराय केशनऊपरलेपनकरै स्वेतकेशश्यामरंगधरै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ लोहचूर्णभंगरात्रिफलाय कृष्णामृतकाइक्षुरसपाय लोहपात्रमोंमासपर्यंत षरलकरैयहलोवृतंत सोंकेसोंपरलेपलगावैं स्वेतकेशश्यामहोइजावैं ॥ अथअन्यउपायः ॥ अथचंदनादितैलम् ॥ चंदनमूर्वात्रिफलाल्याय

नीलकमलवटजटारलाय मुलट्ठप्रियंगूसारिवादोय सुंठछडगुडीपायगिलोय अवरजुपावेलोहेचूर्ण सबसमपीसकरेतिसपूरण भांगुरेरससोंतैलपकावै नस्यलेयवासिरमलवावै इंद्रलुप्तअरुपलितविनासे उपजितकेशबहुकांतिप्रकाशे ॥ चौपई ॥ धात्रीफलविजयाकेफूल लोहचूर्णतीनोसमतूल इन्हकेजलसोंधोवेकेश स्वेतकेशहोंइश्यामजुवेश नर्कनसेंज्योंगंगास्नान स्वेतरंगयोंभाग्योजान ॥ अन्यच्च ॥ नीलीपत्रभंगरात्रिफलाय लोहासमभेडमूत्रपिसाय स्वेतकेशपरलावैजोय पलितजायश्यामरंगहोय अन्यच्च निंववीजभंगरारसपाय वहेडेअसनवृक्षरसथाय इन्हसमतैलमिलायपकावै लेनसवारपलितमिटजावै भोजनउष्णकरैपुनसोय केशनरंगश्यामअतिहोय ॥ अथकेतक्यादितैलम् ॥ चौपई ॥ केतकिभंगराउत्पलआन श्यामात्रिफलानीलिकाठान गिलोयसहचरीअर्जुनफूल तिलश्याभलोहचूर्णसमतूल मदनफललेअरुपद्मकलीजै महीनपीसकरचूर्णकीजै इन्हकेसंगहितैलपकावे पुनत्रिफलेक्काथपकायवनावै पुनभंगरेरससाथपकाय लायपलितउपजिन्हकजाय ॥ अथनीलविंदुतैलम् ॥ चौपई ॥ अंजनमुलट्ठीसारवाआन अगरउत्पललेत्रिफलाठान नीलीपत्रमुस्थरातिलकाही रसोंततालपत्रलषुताही कूरमपित्तासिंसुपाजान नीलाथोथाभंगराठान लोहचूर्णभूतकेशीलीजै अंवगुटीगोपुरुसंगदीजै जंवुअसनअर्जुनकेफूल यहसबऔषधलेसमतूल अवरमैनफलताहिमिलाय कर्षकर्षपरमानधराय प्रस्थएकातिलतैलमिलावै प्रस्थएकतिहदुग्धरलावै धात्रीफलजुवहेडेकोरस प्रस्थदोयदोयपावोतिस भंगरारसदोप्रस्थरलावै लोहपात्रमोंताहिपकावै शिरमर्दनअरुलेनसवार एतेगुणसुनताहिविचार सितकेशनकेऊपरलाय श्यामरंगअलसयहोइजाय जहांइकवूंदयाहिकीपरै सोअस्थानश्यामरंगधरै वलीपलितवालचरनाशै आयुरनेत्रनज्योतिप्रकाशै बलअरुवरणकरतहैसोय नामजुनीलविंदुइहहोय विश्वामित्रऋषीयहकह्यो जगकोहितअपनेपनगह्यो ॥ अथकश्मरीआदितैलम् ॥ चौपई ॥ काश्मरिसहचरिकुसमभंगावै जंवूअर्जुनफूलअनावै मदनफलआंवगुटीसोआन त्रिफलामहूफूलसमठान इन्हसमतैलमंगायरलावै तैलतेंदुग्धचतुर्गुणपावै दुग्धसमानभृंगरसपाय मलेसुकेशश्यामरंगथाय आयूवर्षएकशतहोय निश्चयकीजैमनमोंसोय अथकेशरंजनतैलम् चौपई ॥ काश्मरिमूलसहचरीफूल केतकीमूललेहुसमतूल भंगरालोहचूर्णत्रिफलाय यहसमतैलजुपायपकाय सोइतैललोहपात्रमोंपावै पृथवीमोंइकमासदवावै पुनकेशनकोंमर्दनकरें भ्रमरन्यायश्यामरंगकरैं ॥ अथकैटभतैलम् ॥ चौपई ॥ केतकिकुट्ठभंगरात्रिफलाय दालहलदसोंनमचीपाय वृक्षमयनफलत्वचातिलस्याह लोहचूर्णनीलीलषताह आंवगुटीपुनतिहसमआन वरचभांगरारसलेठान इन्हसबसमसोंतैलपकावै मर्दनकरैपलितमिटजावै अवरहुइंद्रलुप्तहोइनाश विदेहनृपतयहकीनप्रकाश ॥ अथमयूरपित्तादितैलम् ॥ चौपई ॥ मयूरपित्ताअंवगुटीसोआन मालतीनीलिकाउत्पलठान भंगराकाहीसुरमालीजै तैलसंगपकसोकीजै लोहपात्रमोंधरागडावै मासपर्यंतदवायरखावै केशनपरसोमलैवनाय पलितजायश्यामरंगथाय ॥ अन्यच्च ॥ ॥ अथमधुकतैलम ॥ प्रस्थएकभंगरारसलयाय प्रस्थदुग्धतिसमाहिरलाय मुलठीउत्पलतामोंपावै कुडवएकतिलतैलपकावै शिरमर्दनअरुलेनसवार पलितरोगक्षणतेंयहटार

॥ अथयुवानपिंडकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ सिंवलतरुकांटेकीन्याई मुखशेंवाहरकिल्लप्रगटाई यहकफवातरक्ततेंजान यहवहुधाहोंइपुरुषयुवान

॥ २९ ॥ अथयुवानपिडकाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ नाडीवेधजुरुधिरछुडावे तांतेंपिडकारोगमिटावै वालेपनमालिशकरैसुजान मुखपिडकातिसहोवतहान ॥ अथमुखलेपनविधिः ॥ चौपई ॥ अंगुलीभागचतुर्थकजाने मुखपरलेपनइसविधिठाने स्थितराखेयवशूकेसाय वहशूकेंत्वचदूखितहोय ॥ अथलेपनम् ॥ लोध्रधनिआंवरचमिलाय महीनपीसकरलेपलगाय वागोरोचनमरचैंसंग लेपैयौंवनपिडकाभंग क्षुद्ररोगकीऔषधजान कुंकमआदीतैलप्रमान आगेभेदयथाविधकह्यो भावप्रकासग्रंथमतलह्यो कुंकमदोनोचंदनमान लोध्रउशीरवकमसंगजान चंदनपीतमजीठमिलाय मुलठ्ठीकमलपत्रसंगपाय गोरोचनहलदीसंगलीजे लाचदालहलदीतहदीजै षलासपुष्पगेरीसंगपाओ वर्चनागकेशरसुमिलाओ मधुमालतींताहिमिलाय वटांकुरश्वेतसर्षपापाय अत्तप्रमानसकलयहलीजै दूधचतुर्गुणतामोदीजै दोइप्रस्थतैलफुनिपाय मधुरअग्नदेताहिपकाय सोइतैलमुखमर्दनकरे युवानपिडकादिछाईदुखहरे ॥ अन्यश्चलेपः ॥ चौपई ॥ सेंधासर्षपवरचमलीजै लोध्रपीसकरलेपनकीजै अथवारुजिकोवमनकरावे यौवनपिडकातासमिटावै

॥ अथपद्मिनीकंटकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पद्मोंकेकांड्योंकीन्यायी मुखसमस्तषहुरोहोइजायी पीतवर्णबहुखुरककरावैं पद्मनीकंटकनामजुगावैं वातअवरकफतेंयहजान योंनिदानमोंकीनवषान

॥ अथपद्मनीकंटकरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ निंवक्काथरोगमंझार छर्दउपायपरमहितकार अरुनिंवक्काथसिद्धघृतजोय मधुयुतहितकरयामोंहोय निंवअमलतासससमदोय इन्हकोवुटणाभीहितहोय ॥ अन्यच्च ॥ मसूरसाथघृतदुग्धरलावे मुखलेपनादिनसप्तकरावे पद्मिनीकंटकरोगनसाय वंगसैंनमतदियोवताय ॥

॥ अथजंतुमणिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पीडाविनमुखऊपरजान रूषेमंडलजोप्रगटान देहसहतजासकोलहियें नामजंतुमणितांकोकहिये रक्तअवरकफतेंयहजानो आगेंमाषिकरूपवषानो ॥ अथजंतुमणिउपायः ॥ ॥ तथातिलमहुके किल्लनीलिकाव्यंगकर्कसादिचिकित्सा ॥ चौपई ॥ प्रथमशस्त्रसोंतिन्हैउषारैं अवरअग्निसोंतिहकोंजारैं तिलमहुकनकोकह्योउपाय किल्लउपायकहोंसमझाय नाडिवेधपुनवुटणालावै लेपेमुखरुजकिल्लमिटावै ॥ पिटकालेपः ॥ चौपई ॥ लोधरधनियांवरचमंगावै मुखपरयहसमलेपकरावै होइनवीनपिटकाकोनाश अवरलेपपुनकरोंप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ स्वेतसर्षपासेंधालोधर वरचसभीसमपीसवरावर मुखलेपैपिटकानहिरहै असउपायतांकोयौंकहैं पिटकावमनहोयपुननाश असउपायतिसकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ गोरोचनसहमरचपिसावे लेपैपिटकारोगनसावे ॥

॥ अथमाषिकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ माषजुदाणेइवहोंइस्याह पिंडकामांसहोंयलहुताह स्थिरपीडाविनदेहमंझार मुहुकेनामसुकीनउचार ॥

॥ अथमाषिकाउपायः ॥

जंतुमणीविधकीनवषान माषिकरुजविधसोइप्रमान भिन्नभिन्नसोनाहिउचारी ग्रंथवृद्धिपुनदेषविचारी

॥ न्यछलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ छोटीबडीकृष्णरंगसोई पीडाविनअंगनपरहोई ऐसोचिन्हलोकजोजानै तांकोलस्सणनामवषानै ॥ न्यछउपायः ॥ चौपई ॥ युवानपिटकामोकहेउपाय न्यछरोगमोंकरेवनाय भिन्नभिन्नसोनाहिवषाने ग्रंथवृद्धिजिसतेंवहुमाने

॥ अथव्यंगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ क्रोधषेदकरकुपितजुवाय पित्तयुक्तमुखप्रापतजाय पीडरहितमंडलवडसोय श्यामवरणउपजावतवोय छाईनामलोकातिसकहैं ऐसेलक्षणतांकेलहैं ॥ व्यंगरोगउपायः ॥ ॥ चौपई ॥ अर्जुनत्वचामंजीठसमान मधुरलायलेपैमतिवान व्यंगनामछाईमुखजोय यालेपनतेंहतहोइसोय ॥ अन्यश्चलेपः ॥ चौपई ॥ स्वेतअश्वनखभस्सजुलीजै नवनीतमिलायलेपसो कीजै होवैरोगव्यंगकोनाश यहउपायलषलीजैतास ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ रक्तचंदनकुष्ठवेहुमसूर लोध्रप्रियंगुवटांकुरपूर अरुमंजीठसमलेपनकीजै मुखकांतिहोयछाईछीजै ॥ अन्यच्च ॥ ससारुधिरलेपमुखकरै व्यंगरोगतांतेंपरिहरै ॥ अन्यच्च ॥ केवलमधूमंजीठलिपावै मुखतेंछाईरोगनसावै तिलनतैलमर्दनअभ्यास तौभीहोयव्यंगरुजनाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ विजोराजढगोबररसआन अवरशिलाजितपीसमिलान घृतरलायकरलेपैसोय व्यंगजायकांतीमुखहोय पिटकाअवरश्यामतानाशै जायनीलिकादुतिपरकाशै ॥

॥ अथनीलिकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोयहव्यंगनीलरंगहोय नामनीलिकाकहियेसोय

॥ अथनीलिकाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वेरगिरीगुडमधुकेसंग नवनीतमेलकरलेपअभंग अथवावरुणत्वचाकोल्याय अजमूत्रसोंपीसवनाय लेपनकरव्यंगनीलिकाजावै वंगसेनमतयाहिसुनावै ॥ अन्यच्च ॥ जातीफलकोकल्ककरीजै लेपैव्यंगनीलिकाछीजै जातीफलकटुतैलकेसंग लेपैरक्तपित्तहोयभंग

॥ अथश्यामतिललक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ श्यामतिलोंइवहोवैसोऊ वातपित्तकफतेंलखवोऊ तिलनामासबातिन्हकोगावै ऐसेंवैद्यकग्रंथवतावै पीडाविनहोयदेहसमान तिलकालिकअसलक्षणजान.

॥ अथश्यामतिलउपायः ॥

॥ अथलेपनम् चौपई ॥ कुवलयदलसरपुंषउशीर चंदनदभिसमपीसोधीर मुखपरलेपनकरैवनायतिलपिटकामुखकालकजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अर्कदुग्धरजनीसंगपीस मर्दनकरलेपैदुखखीस सुखकालककाचिरकीमिटजाय ऐसेंतांकोकह्योउपाय ॥ अन्यच्च गोवररसघृतमनछलआन विजोरारससमलेपनठान तिलश्यामतावदनकीनाशै मुखकीसुंदरकांतिप्रकाशै अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पीतचंदनवटपत्रमंगावै पत्रमालतीसंगपिसावै रक्तचंदनकुष्ठलोध्रपिसाय लेपैकिल्लश्यामताजाय तिलकव्यंगहों-

यहिसवदूर मुखइवकमलहोयदुतिभूर ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ यवउशीरलेचंदनमुलट्ठ लोध्रसरजरसक-रोइकट्ठ पीसताहिघृतगुडजुमिलावै पुनगोमूत्रमिलायपकावै तांकोमर्दनकीजैजोय नीलकाव्यंगदूषिका-षोय मुखलावैमुखकमलसमान वंगसेंनमतकीनवषान ॥ अन्यच्च ॥ कालीयकवटरजनीदोय तिंदुककु-ष्ठपलच्चसंजोय मुलट्ठीचंदनरक्तमिलाय प्रपुंडरीकपद्मसमभाय कुंकुमअरुमंजीठसमआन अरुकपित्थ-दलतांमोठान यहसमपीसेदुग्धलिपाय अथवाइन्हसेंतैलपकाय मर्दनकरैश्यामतानाशै तिलकेव्यंगदू-षतानाशै मुखकीकांतिचंद्रसमहोय निश्चयकीजैमनमोंसोय ॥ अथमंजिष्ठादितैलम् चौपई ॥ मंजिष्ठा-केसरवचलोधर लाचाचंदनवकमसंगधर सरषपमुलट्ठीगेरीजान प्रपुंडरीकशिलाजितमान करपासवी-जगिरिताहिरलाय दोकर्षकर्षयहऔषधपाय कुडवएकतिंहतैलमिलावै चारकुडवअजापयपावै मंदअग्निसोंताहिपकाय तलेउतारमधुकर्षदोपाय सप्तरात्रिमुखलेपैतास पिटकातिलकेव्यंगविनाश कालकमुखकोहोवैनाश मुखकीकांतिचंद्रसमभास पद्मनिकंटकदूरनिवारै रोगजंतुमणिकोंयहटारै ॥ अथकनकतैलम् चौपई ॥ कुडवतैलमहुकाथमिलाय मंदअग्निसोंताहिपकाय उत्पलकेसरअवरमंजी ठ प्रियंगूचंदनसमलहुदीठ चूर्णयहमिलायजोलावै मुखकीकांतिस्वर्णइवथावै अभीरूव्यंगनीलिका-नाशै असप्रकारयहतैलप्रकाशै.

॥ अथप्रसुप्तलच्चणम् ॥

चौपई वातहुतेंपितवृद्धजुथावै तनुप्रापतहोइत्वचासुकावै पुनअंगनमोंसोजाकरै अल्पकंडुपांडुरंगधरै

॥ अथप्रसुप्तचिकित्सा ॥

॥ अथकुंकुमादितैलम् ॥ चौपई ॥ कुंकुमदोनोचंदनपाय उत्पललोध्रमंजीठरलाय दोइरजनीजु-उशीरमुलट्ठ सारवागेरीवकमजुकुष्ठ पद्मकाष्टगोरोचनलीजै पीससभीतिसमाहिरलीजै प्रियंगूस्वर्णम-षीगजकेसर कालीयकसबकर्षकर्षधर प्रस्थतैलमोपायपकावै मर्दनकरैश्यामताजावै तिलकेपिटकाव्यं-गविनाशै नीलीअरुमुखदूषिकानाशै दुष्टछायीविवर्णतादूर कमलकेसरइवमुखदुतिभूर.

॥ अथपरिवर्तलच्चणम् ॥

॥ चौपई ॥ मर्दनपीडनअविघातनकर लिंगचर्म्ममोवातकरेघर फैलैवातलिंगमोंजवैं ग्रंथीलिंगमणीतलतवैं मांसग्रंथसालटकणलागै पीडादाहततहांवहुजागै गांठसकंडूकठिनजोहोय तवकफतेंजानोतुमसोय

॥ अथपरिवर्तरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ घृतलगायलिंगकोंवांधे स्वेदउपजायवहुतविधिसांधे त्रयरात्रीवापांचपरयंत वातहरनकरऔषधतंत अरुसनिग्धपथ्यसोषावै वातहरनजुउपायलिपावै

॥ अथअवपाटिकालच्चणम् ॥

॥ चौपई ॥ वलातिकारकरकैनरजोई इस्त्रीवालारमैजुसोई अथवामर्दनपीडनकरै वावेगघातशुक्रनरधरै तिसकरलिंगचर्मफटजाय दुखपीडाउपजैअधिकाय वाततेंरूच्चजुअवर-कठोर सूच्मकृष्णरंगदुखघोर पित्ततेंरक्तपीतरंगजान दाहतृषातिसमोंअतिमान कफतेंक-ठिनस्निग्धहैजोय कंडूयुतअतिपीडाहोय

॥ अथअविपाटिकारोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ घृतहीषावैघृतकरैपान घृतकोमर्दनहैसुखदान अरुपुनस्वेदनहैहितकार तासचि-कित्साकीनउचार

॥ अथनिरुद्धप्रकाशलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ होयसकोपप्रगटैयवजाय चर्मलिंगसंकोचकराय मूत्रमार्गतवहीरुकजावै बडेकष्टसोंमूत्रजुआवै मांसमूत्रद्वारेजोहोय सहितकष्टनरमूत्रेसोय

॥ अथनिरुद्धप्रकाशचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ लोहेकीवाकाष्टकीमान नलीघडावैपुरुषसुजान उभयमुखीसोनलीजुहोय सिसुमारवसासोंभरियेसोय वावराहचरवीसंगभरै सोनलीलिंगछिद्रमोंधरै ताकरछिद्ररोधमिटजावै बहुघृतसोंतिहपथ्यषुलावै रोगीकोंतवसुखप्रगटात तासचिकित्सायहविख्यात ॥ अन्यच्च ॥ सीवनिछोडेवंधेतास क्षतजक्रियापुनकीजैजास वातघ्नवस्तुकोंषावैसोय दुखनाशैसुखप्रगटतहोय ॥ अन्यच्च ॥ देवदारुअरुगंधकलीजे वरचमेलकरतैलपकीजे ताहितैलकोलेपलगाय रोगनिरुद्ध-प्रकाशमिटाय

॥ अथनिरुद्धगुदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वेगरोकणेगुदामंझार वातास्थितहोइकरैविकार सोसिमटावतगुदकोद्वार होइविष्टासह-कष्टअपार यहबहुदुस्तरजानोव्याध कहिनिदानयहमहाउपाध

॥ अथनिरुद्धगुदचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वातहरनऔषधसंगतेल पकायलगायरोगकोंठेल वानिरुद्धप्रकाशप्रकार करैनिरुद्धगुदरुजकोंटार

॥ अथअहिपूतनलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मूत्रपुरीषयुक्तअस्थान नहींधोवैनहींशौचविधान तहांरक्तअरुकफप्रगटा-वत श्रवैसपुरकस्फोटउपावत गलैतवैस्फोटनकीठौर बहुधायहवालनदुखघोर

॥ अथअहिपूतनरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ धात्रीजोवालककीहोय पिलावैदूधनिजस्तनधोय ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलाषद-रलेयकरक्काथ वालकव्रणथोवैतिससाथ तातेंरोगनिवारणहोय निश्चयकीजैमनमोंसोय ॥ अन्यच्च ॥ शंखसौवीरमुलट्टीआन यहसमपीसलेपसोंठान रक्तअधिकजोजानैजवै जलौकनरक्तनिकासैतवै ॥ अन्यच्च ॥ करंजूत्रिफलातिक्ताआन इन्हसमसोंघृतकरैपकान तिलघृतकोंजोमर्दनकरै रोगजायरोगीसुखधरै ॥ अन्यच्च ॥ काहीरोचनअरुहरताल नीलातुत्थरसोंतजुडार अमलसंगलेप-जोकरै व्रणकंडूनाशेंदुखटरै ॥ अथघृतपानम् ॥ चौपई ॥ पटोलपत्रअरुलेत्रिफलाय रसोंतस-हितघृतलेहुपकाय रोगीनितउठपीवैतास रोगजायतनुसुखपरकाश ॥

॥ अथवृषणकंडुलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोस्नानहीननरहोय तनुमलदूरनकरहैजोय तिसकेवृषणोमोंमलहोय तिसकरकंडू-तिंहथलजोय कंडूतेंजुस्फोटप्रगटावै श्रवैंरक्तकफतेंलषपावै ॥

॥ अथवृषणकंडुरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वृषणजुकंडूहोवतजास अहिपूतनचिकित्साकीजैतास अरुकुष्टचिकित्साभाषीजैसी याहीकीपुनकीजैतैसी ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सरजकुष्टसेंधामंगवाय सर्षपस्वेतसभीसमपाय सूक्ष्मक-रमर्दनकरतास रोगवृषणकंडूहोइनाश

॥ अथगुदभ्रंशलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ निरवाहीहोवेअतिसार वाहरनिकसेगुदाबिचार जाविधजोदुर्वलनरहोय गुदाभ्रंश-कहियेलषसोय वातकोपतेंतांकोजानो धातूक्षयतेंअवरपछानो वालनकोअत्सयकरहोय निश्च-यजानोमनमोसोय

॥ अथगुदभ्रंशरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ गुदाजासकीवाहिरआवै सनेहलेपकरभीतरपठावै भीतरप्रवेशकियोजवजानै एडीपगसोरोकनठानै ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ कमलनीकेकोमलदलआन पीसशरकरातासमठान इ-सचूर्णकोंषावैजोय रुजगुदभ्रंशनाशतवहोय ॥ दर्मनः चौपई ॥ वसागौकीगुदामलावै याहियतनगुद-भीतरजावै निश्चयकरलषयहउपदेश दुखनाशेगुदकरैप्रवेश ॥ अन्यच्च ॥ मूषिकवसाजुमर्दनकरै तौभी-गुदप्रवेशहीधरै ॥ अन्यच्च ॥ मूषिकमांसगुदापरवांधै वस्त्रसोंनीकीविधसांधै भीतरहींगुदकरैप्रवेश नि-जमनधारोयहउपदेश ॥ अथतैलमूषिका ॥ चौपई ॥ मूषिकमांसकुडवइकआन चित्रापलइकतांमोठा-न दशमूलमिलावोपलजोपांच पलजुभिलावैजानोसांच त्रिफलाडालोपलजोतीन प्रस्थतैलतिहपायप्र-वीन मंदअग्निसोंताहिपकाय तैलमलैगुदाभीतरजाय गुदाशूलदुष्टव्रणनाश अत्रिऋषीयहकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मूषिकमांसजुशतपलआन द्रोणपायजलताहिपकान पादशेषसमतैलमिलाय दुग्धचतुर्गुणतामोपाय मूषिकशिरकोकलकजुलीजै आनतैलमोपूरणकीजै मंदअग्निसोंतासपकावै ताहिपकायगुदामलवावै गुदाभ्रंशशूलहोइनाश ऐसेंलषोचिकित्सातास

॥ अथशूकरदंष्ट्रलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पाकत्वचाहोयरक्तपर्यंत ज्वरपीडाहोइलहोवृतंत कंडूदाहहोतपुनताहि मंदहो-तताकीसबचाहि शूकरदंष्टररोगयहजान्यो इहविधिक्षुद्ररोगप्रगठान्यो

॥ अथशूकरदंष्ट्ररोगचिकित्सा ॥

॥ अथलेपः ॥ सरषपरजनीतालकोमूल यहपीसैसबलेसमतूल लेपकीजियेयाकोंतास शूकरदंष्टरहोइहै-नाश ॥ अन्यच्च ॥ भंगरामूलरजनीसमठान लेपकरैहोइसोरुजहान ॥ अन्यच्च ॥ कमलमूलकोचूरण-कीजै गोघृतसोंउठप्रातहिपीजै शूकरदंष्टररागंनसाय वंगसेंनमतदियोबताय ॥ अन्यच्च ॥ भंगरामूल-हलदीसमभाय सीतलजलसेंपीसवनाय लेपेशूकरदंष्ट्रविनाश वंगसेंनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ ॥ अश्वत्थजटारविवारमंगावे जलअश्वत्थकेसंगपिसावे लेपेशूकरदंष्टरजाय जैसेंगजगणसिंहनसाय

॥ अन्यच्च ॥ सरीषत्वचालेमूलीवीज सूर्यावर्त्तधतूरदलदीज ब्राह्मीरससोंतैलपकाय मर्देशूकरदंष्टरजाय कंडूकुष्टदूरतेंनासे कछूदद्रूवअरुविनाशे वलअरुवरणकरेअतिभाय कृष्णात्रयचराषिदियोवताय विसरपीकीजुचिकित्साजेती शूकरदंष्टरकीलषतेती ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साक्षुद्रकीभिन्नाभिन्नपरकार जैसेंहैवंगसेनमोंतेसेंकरीउचार ॥ इतिक्षुद्ररोगचिकित्सा ॥ दोहा ॥ चौतालीसप्रकारकोक्षुद्ररोगयोगान इन्हकोंसमझैवैद्यजोताकीबुद्धिमहान ॥ इतिक्षुद्ररोगनिदानंसमाप्तम् ॥

॥ अथक्षुद्ररोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ क्षुद्ररोगकेपथअपथहैंत्रिदोषअनुसार जैसोदोषलषैप्रवलतैसोकरैविचार ॥ दोहा ॥ क्षुद्ररोगवरणनकियोप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान इतिवंगसेंनेक्षुद्ररोगाःसमाप्ताः

॥ अथक्षुद्ररोगकर्मविपाकः ॥

॥ चौपई ॥ मातृगामीनरहैजोय ताहिक्षुद्रनिश्चयकरहोय अतिकरनरकजोनिमोपरै प्रायश्चित्तसोपापीकरे ॥ उपायः ॥ वीसनिष्कसुवर्णपरिमान ताकीमूरतकुवेरकीठान कालेवस्त्रताहिअंगधरै यहाविधमनमोनिश्चयकरै उत्तरदिसामुखकलसबैठाइ मंत्रकुवेरसोंयज्ञकराय पूजनकरैब्राह्मणहिमनावै क्षुद्ररोगऐसेंनरहावै ॥ इतिकर्मविपाकः ॥

॥ अथज्योतिषम् ॥

॥ दोहरा ॥ सूर्य्यजुहोवेशनीघरतिहपरमंगलदृष्ट शत्रुभावकोरूपहोयतीनोमाहिसुइष्ट तिहउपायप्राणीकरैतीनोग्रहइहभांत जपपूजाअर्चासहितक्षुद्ररोगहोइशांत ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथान्यप्रकारकथनं रोगछाई ॥

॥ चौपई ॥ छाईरोगवीचमुखहोई कलफनाममतफारससोई रुधिरविगाडदोषप्रगटावे टुडीतलेरुधिरनिकसावे पाछेंरेचनऔषधदीजें औरयतनविधिकागेंकीजें पेठापुष्पमंगावेकोई खरगोसदूधसंगपीसोसोई करेलेपछाईहटजावे वाकुर्कटकारुधिरलगावै गिरीहिनकूनमंगावेकोई केशरजलसंगपीसोसोई मलेखूपकरलेपचढावे छाईरोगशीघ्रहटजावे गंधकसज्जीहलदील्यावे सुहागावीजपवातरपावे मखीरवरावरसबकेहोई गोमूत्तरमेसेडोसोई प्रभातरगडकरलेपचढावे छाईरोगशीघ्रहटजावे दुधलभत्तलवूटील्यावे कांजीपायपीसकरलावे निश्चयसत्यप्रतिज्ञाहोई छाईरोगदूरकरसोई ईसवंदमहदीमंगवावे सीसालूणताहिसंगपावे तीनोसतसतमासेहोई उौरऔषधीमेलोसोई जंगहरीडमुसबरल्यावे अंजरूततताहीसंगपावे तोलाडूडडूडसमहोई पीसनीरसंगराखोसोई मासेसातनिताप्रतिषावे छाईरोगशीघ्रहटजावे मूलीवीजकलौंजील्यावे दारुहर्दललूनमिलावे वकरेकापित्तासंगपावे मलेखूपछाईहटजावे एरणकाष्टमंगावेकोई जालभस्मकरलेपोसोई नारीगर्भवतीजांजांनो ताकोयतनप्रातननहिमानो रोगसिंम चौपई सिंमरोगदेहीपरहोई वैहकनामफारसीसोई दोइभेदकारोगकहावे कालारंगश्वेतलखपावे स्यांमयतनऐसामनभावे अकहलरगकारुधिरछुडावे पछिरेचकऔषधहोई वातदोषहटजावेसोई श्वेतरंगसोकफप्रघटावे कफहरऔषधताहिसुखावे रुधिरछुडावनताकोनाही ऐसेंकहाग्रंथमतमाही पित्तजऔषधसोनहिभावे फुलवहरीयतनकरेसुखपावे साध्यसतारांवर्षवखांनो ऊपरहोए-

असाध्यपछांनो लछ्नणदेखयतनमनभावे सूईलेकरताहिचुभावे रुधिरचलेतवऐसाकीजें दिवसतींन. लगपाचनदीजें सुंठीधनिआंताहिखुलावे करेलेपदुखदूरहटावे संखिआलेनिंवूरसपाय करेखरलफुनिले. पचढाय पारातोलाढूडमंगावे गंधकत्रैतोलेसंगपावे धतूरकारसतांसंगहोई कजलीकरमर्दनकरसोई पलासभस्मचूनामंगवावे गोमूत्रमेलकरसोगडकावे सघनहोएलेपकरसोई सुकावेधूपवैठकरकोई दोइपहरकेपाछेभावे गोघृतमलकरस्नानकरावे वातजासिंमकृष्णहैसोई रुधिरछुडायशीघ्रसुखहोई लूंवडीकाफुनिमांसखुलावे कुष्टहरनकीऔषधभावे आदीकारणकुष्टकाजांनो शीघ्रजतनकरदू. रपछांनो भलावेरगडनीरसंगलावे सिंमदूरकरसुखउपजावे छाईसिंमएकसमहोई भेदहोएआ. गसुनसोई कालीसिंमखाजप्रघटावे छाईवीचखाजनहिआवे

॥ रोगमौके ॥

॥ चौपई ॥ मौकेरोगदेहपरहोई सौलूलसिंमसःनामासोई दोइभेदकारोगपछानो कोमलअरुकर. डाकरजांनो लेसदारकफगाढाहोई वातदोषवसवरतीसोई चित्तशक्तिवलहीनदिखावे तौकफत्वचावी. चनिकसावे रोमद्वारकरवाहिरसोई मौकेरोगताहिकरहोई आदयतनकररुधिरछुडावे पाछेरेचकऔष. धखावे जुसांदाकासवेलकादीजें वातदोषसबवाहिरकीजें त्रिवीहरीडखंडसंगपावे शीघ्रक्वाथकरता. हिपिलावे करेयतनहटजावेसोई नातरसकलदेहपरहोई छाछीगंधकसोमंगवावे तासमवीचवावची. पावे गोमूत्रमिलायपीसकरसोई दिवससातलगराखेकोई तौफुनिलेपकरैसुखपावे वैठधूपमेताहि. सुकावे नीलाथोथारतकमंगाय गोमूत्रमिलायपीसकरलाय खुष्कहोएघृतमर्दनकरिए मौकेरोगता. हिछिनहरिए वीजधतूरेकेमंगवावे चंचरवीजताहिसंगपावे वीजलालमरुएकेहोई गोमूत्रमिलायपी. सिएसोई कोलालेमौकेरगडावे करेलेपदुखदूरहटावे हरतालऔरसज्जीमंगवाय चूनेकाजलवीचरलाय रगडलेपगाढाकरसोई जढसमेतदुखवाहिरहोई ॥

॥ रोगतिल ॥

॥ चौपई ॥ तिलसमानज्येविंदूहोई वर्शनमशमतफारससोई सूखमलालरंगप्रघटावे ऊपर. त्वचाविंदुवतभावे छाईरोगपरऔषधहोई करशीघ्रहटजावेसोई

॥ रोगजख्म ॥

॥ चौपई ॥ यख्मनाममतहिंदीहोई जराहतनामफारसीसोई छईभेदआगेप्रघटावे प्रथमशस्त्रकर. यख्मदिखावे दूसरअंगटूटकरहोई तीसरयख्मचोटकरसोई चौथाअस्थिमांसकरमांनो पंचममांस. त्वचातेंजांनो छेमांयख्मआगकरहोई छईभेददुखदायकसोई यख्महोएतवऐसाकीजे षटेआइकवहुं. नतांकोदीजें यख्महोएतवऐसाभावे शीघ्रतिलोंकातेललगावे जेकरयख्मपुरातनहोई भीतरहोगल. जावेसोई जवतकयख्मह्वदेनहिआवे तवतकयतनकरेसुखपावे निर्वसीजढजलपायघसाय आस. पासपरलेपचढाय तांकरयख्मसंकोचनहोई मिलेयख्महटजावैसोई कीकरननामकाष्टइककहिए सो. मूसेकासोटालहिए रगडनीरसंगऊपरलावे तींनघडीतकयख्महटावे मांसवीचतीररहजावे ताहूकेहि. तयतनवनावे शिरमछीझींगेकाहोई पीसयख्मपरवांधेकोई फसातीरसोवाहिरआवे शीघ्रयतनकरखे. दहटावे कुकडवाखरगोशजोहोई अथवाचिडामारकरसोई दोटुगडेकरतांहिवंधावे फसीचीजसो.

वाहिरश्रावे सातवारविधऐसीकरिए होवेसुखदुखपीडाहरिए जीराश्वेतभुंनकरलीजे सीसालूणताहिसं-गकीजें खीराअथवातरजोहोई मलेताहुपरखावेसोई फसीचीजसोवाहिरश्रावे यद्मदूरपीडाहटजावे कटोराजलपेठेकालीजें त्रैमासेजौखारसंगदीजें रुधिरपेटकावाहिरश्रावे श्रागेयतनश्रौरमनभावे काग-पंखलेभस्मवनावे ऊपरयद्मवुहारापावे वाकुत्तेकीजीभजोहोई तांकीभस्मवनावेकोई ऊपरयद्मवुहा-रापावे पुरातनकरडायद्मह्टावे

॥ रोगपादमरोड ॥

॥ चौपई ॥ पादमोचपीडाजोहोई शीरीयःनामफारसीसोई पैरतिलकउलटापडजावे मरोडसो-जपीडाप्रगटावे ताहियतनऐसाहितमानो रुधिरछुडायशीघ्रसुखजानो नस्तरअथवाजोंकलगावे तात-कालदुखदूरहटावे जेकरपीडपुरातनहोई यतनश्रौरविधकरिएसोई गजप्रमानजमीनखुदावे श्रग्नीता-केवीचजगावे तप्तहोएतवऐसाकीजें श्रग्निदूरजलछाट्टादीजें श्राकपत्रनीचेधरसोई वीचपैरधरपरसा-होई कपडाऊपरपादवंधावे गोडेतकपैरतांहुमेपावे तीनवारविधऐसीकरिए रुधिरदोषहरपीडाहरिए त्रिफलाजलअथवाजललीजें वस्त्रभिगोयपैरपरदीजें दिवसतीनलगराखेकोई दिनचौथेविधऐसीहोई हलदीसीसालूणपिसावे गोघृतमेललेपकरवावे पादमोचदुखदूरहटाय निश्चयतनुकरेसुखपाय श्रोर-यतनइकऐसाहोई मलेशीघ्रगावघृतकोई तौफुनिहलदीहालमल्यावे पीसनीरसंगलेपचढावे सायंका-लसमाजवश्रावे श्राकदूधतवलेपचढावे अथवादूधथोरकाहोई करेलेपदुखनाशेंसोई मैनफलसिर्का-पायपिसावे करेगर्मफुनिलेपचढावे ऊपरवस्त्रवंधावेकोई पीडादूरशीघ्रसुखहोई मुसवरमूत्रपायवंधवावे पीडादूरशीघ्रसुखपावे जेकरकठिनचोटतनुलागे पीडाकिसीश्रंगपरजागे हलदीषडिश्रामिट्टील्यावे चंदनलालनीरसंगपावे पीसलेपपीडापरकीजें पीडादूरशीघ्रसुखलीजें कुश्रारकंदकेपत्रमंगावे वीच-श्रगनधरताहिपकावे सज्जीहर्दललूणपिसाय गर्मपत्रकेऊपरपाय गर्मागर्मवांधिएसोई पीडादूरसहज-सुखहोई जेकरश्रस्थीसोटुटजावे अथवाछेकदेहपरभावे दिवससातलगऐसाकीजें पाषानमुमेश्राई-तांकोदीजें पक्कीइट्टपीसकरल्यावे चाउलदूधकेवीचपकावे खावेश्रस्थीद्दढवतमानो पीडासकलदूर-पहचानो लागेचोटपीडश्रतिहोई तांपररुधिरछुडावेसोई सर्षपकुष्ठलूणमंगवावे रोहीवूटीतांसंगपावे कालीभिटीतांसंगहोई पीसनीरसंगबांधेसोई भस्मलूणवागर्मकरावे ऊपरसेकताहुपरलावे तप्ततैलघृतनीरजोहोई तांकेसंगजलेजोकोई अथवाश्रग्निसंगजलजावे तांहूकहितयतनवनावे एरणपत्रनीरानिकसाय शीघ्रलेपकरपीडहटाय चिटेश्राईकुकडांडकीलावे करेलेपदुखदूरहटावे मानुषरुधिरपच्छकरलीजें श्रंगजलेपरलेपनकीजें संगवसरीजलपायघसावे ऊपरलेपक-रेसुखपावे यद्महोयपाकपडजावे गोघृततैलमेलकरलावे श्रनारफलहूंकाछिलकाल्यावे विजोरामाजूसंगरलावे कागजभस्मताहिसंगहोई अलसीतैलवीचसमसोई मलदनकरे-शीघ्रसुखपावे निश्चयजलनपीडहटजावे छिलकाविल्ववृत्तकालीजें पीसनीरसंगमर्दनकीजें जामनपत्रनारकेल्यावे पीसनीरसंगलेपचढावे श्रतिफटाकऊपरपडजावे सरेरोगकारुधिरछुडावे श्रमलतासलौरेचकदीजें पूरवयतनलिखासोकीजें दाघस्वेतवाकीरहजावे तांहूकेहितयतनव-नावे त्रिफलागिटकानिकालेकोई कांजीरसभांगुरेकाहोई कांसपात्रमेसोगडकावे मलेदाघसब-दूरहटावे किन्नदेहपरनिकसतसोई जुवाश्रवस्थामेंश्रतिहोई रगसाफनकारुधिरछुडावे पिनीऊ-

परपछकरावे अरजीजसुपेदासोमंगवावे मुरदासंगताहुमेपावे कागजभस्मभागसमहोई सिकैंसंगलेपकरसोई सरीहवृत्तकाछिलकाल्यावे मुलट्ठीनिंवपत्रसंगपावे पीसनीरसंगलेपेकोई किन्नदूरसहजेसुखहोई अकरकराहलदीमंगवावे खरवूजाकौडामेलसुकावे पीसनीरसंगमर्दनहोई मुखकेकीलदूरकरसोई आमलेतोलेढाईमंगावे एकसेरजलतांमोपावे रातभिगोयप्रातमललीजें खंडतोलेढाईसंगकीजें पीवेदोषदूरहटजावे नातरअकहलरुधिरछुडावे तांपररेचकऔषधदीजें आगेऔरभेदसुनलीजें जेकरकफजदोषप्रगटावे सायंकालसमेवलपावे स्वेतरंगकेकीलपछानो कफहरऔषधरेचकमानो त्रिकुटामासेसातमंगावे दसमासेमधूमेलकरखावे ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांक्षुद्ररोगाऽधिकारकथनंनामचतुःपंचाशत्तमोऽधिकारः ॥ ५४ ॥



॥ अथश्लीपदरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ श्लीपदरोगवषानहोंजैसेंकह्योनिदान तांकेलक्षणसमझकेकरोउपायसुजान ॥ चौपई ॥ ज्वरअरुपीडासंयुतजेऊ वंक्षणउरुसंधनमेंतेऊ क्रमकरसोजापादनठोर गमनकरौनिशदिनअरुभोर रोगसुश्लीपदताहिवषानै वैद्यकशस्त्रनमांहिप्रमानै कोइइकवैद्यइंहभांतबतावै हस्तकर्णचक्षुओष्टलषावै नासालिंगजुइंहअस्थान शोथहोयहैलषोसुजान सोऊश्लीपदतीनप्रकार वातजपित्तजकफजनिहार

॥ अथश्लीपदरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ श्लीपदरुजजेऊकहीचिकित्साकरोंवषान समझलीजियेचित्तमोंसुनहोपुरुषसुजान ॥ चौपई ॥ श्लीपदरोगजाहिंप्रगटावै तासचिकित्साऐसेंगावै लंघनरेचनलेपनजानो स्वेदरक्तमोक्षणपहिचानो कफहरउष्णऔषधीजेऊ श्लीपदरुजपरहितकरतेऊ

॥ अथवातजश्लीपदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ विननिमित्तजोपीडविचार ज्वरहोवेतिसवारंवार शोथस्फुटनपीडयुतहोई कृष्णवरणरूषोपुनसोई अरुहोवैसोज्वरकेसंग वातजलक्षणलषोअभंग

॥ अथवातजश्लीपदउपायः ॥

॥ चौपई ॥ स्नेहस्वेदउपनाहपछानो चतुरंगुलगुल्फकेऊपरजानो नाडीवेधकरेसोस्थान श्लीपदवातजमोंहितजान ॥ अन्यच्च ॥ एरणतैलगोमूत्रमिलाय एकमासलगनित्यपिलाय वातजरोगजुश्लीपदजावै यहअपनेमननिश्चयल्यावै ॥ अन्यउपायः चौपई ॥ कासमर्दवृक्षजढआन तिंहसुकायकरचूणरठान गोकेघृतसोंपीवैतास होवैवातजश्लीपदनाश सुंठदुग्धसोपथ्यजुदीजे वातजरोगसुश्लीषदछीजै

॥ अथपित्तजश्लीपदशोथलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पीतवरणयोंशोथलहीजै सहितदाहज्वरमृदुलभनीजै पित्तजताहीश्लीपदजान ऐसेंशास्त्रनकह्योवषान

॥ अथपित्तजश्लीपदरोगउपायः ॥

॥ चौपई ॥ पित्तजश्लीपदजाहिलषावै तासउपायसुनोयोंगावै देवदारुघजुअग्नीसंग श्लीपदपित्तजहोवैभंग अंगूठकेऊपरनाडीकहिए रुधिरछुडावनतातैंलहिए ॥ लेपनम् ॥ मंजीठमुलट्ठीरासनाआन अहिस्त्रापुनर्नवाकरोमिलान कांजीसाथसुलेपलगावै पित्तजरोगश्लीपदजावै ॥ अन्यश्च उपायः ॥ गुल्फनाडिकोंवेधजुकीजै रुधिरमोक्षइहविधिसुनलीजै अरुऔषधपित्तहरकोंसेवै पित्तजश्लीपदनाशलषेवै

॥ अथकफजश्लीपदशोथलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शोथसनिग्धस्वेतरंगहोय भारीअरुइस्थिरहोइसोय पांडुवरणजुन्यायप्रकाशै कफजश्लीपदऐसेंभासै

॥ अथकफजश्लीपदरोगउपायः ॥

॥ चौपई ॥ श्लीपदकफजजासतनलहिये तासचिकित्साऐसेकहिये पादांगुष्टनाडिकोंवेध रक्तनिकासोजानोभेद तातेंश्लीपदरोगविनाशै दुखजावैतनुसुखप्रकाशै चूर्णम् हरडगूत्रसंगसोपीजै कफ-

कोश्लीपदतांतेंछीजे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ एरंडनागरअवरगिलोय देवदारतिन्हवीचसमोय इहसबकोसमचूर्णकीजे सर्षपतैलसाथसोपीजे कफजश्लीपदहोवैनाश निश्चयकीजैमनमोतास ॥ अन्यच्च ॥ वागिलोयकोचूर्णकीजै सर्षपतैलसाथनितपीजै अथवासुंठीदेवजुदार महीनपीसकरचूर्णसुधार सर्षपतैलसाथकरपान श्लीपदकफजहोततिसहान ॥ अथलेपः ॥ देवदारुचित्रासमलीजै लेपैश्लीपदकफकोछीजै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सर्षपसुंठपुनर्नवापाय कांजीसोंयहलेपलगाय कफजश्लीपदहोवेनाश निश्चयआनोमनमोंतास ॥ अथकाथः ॥ अषरोटत्वचाकोकाथवनावै गूत्रमिलायपीवैरुजजावै

॥ अथसन्निपातश्लीपदअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वल्मीकन्याईजुउत्पतिजास कंटकयुतहोयवृद्धप्रकाश सोऊत्रिदोषजश्लीपदजानो असाध्यजुलक्षणतासपछानो इकसंवत्सरऊपरजास दिनवधजावैंलषियेतास अरुसोजावहुवृद्धलषावत अरुसोजेमोंश्रावदिषावत वातपित्तकफकेजोलक्षण इकठेजांमोंहांहिविचक्षण षुरुकसाहितअरुकफयुतहोय इन्हचिन्हनअसाध्यलषसोय ॥ पुनः ॥ अतिउन्नतजोश्लीपदजानो श्रवतरहेकंडूयुतमानो कफकीवृद्धिजासमोलहिए असाध्यश्लीपदताकोकहिये ॥ अथान्यप्रकारः चौपई इकशास्त्रज्ञातायोंआषै त्रिदोषजशोथहिंकोंयोंभाषै सोकेवलकफहीतेंजानै भारीअरुजोवडोपछानै गुरुत्वमहत्वविनाकफनाहीं तातेंकफकरशोथलषाहीं ॥ अथअन्यप्रकारः चौपई ॥ सजलपृथवीपैयताजिन्हदेश सोबंगालादिदेशकहेस सदापुरातनजलतहांरहै जलनवीनसूकतनहिंलहैं सोऊजलबहुदिनकेमांहि होंयपुरातनशंसेनाहि काहेसकलऋत्तूमंझार शीतलदेशरहैंसुविचार तिन्हशीतलदेशनकेमांहि रोगश्लीपदबहुप्रगटांहि अरुकफकृतभोजनजोषांहि रहैंविहारनकफकृतमांहि तिन्हकोंभीयहहोवतरोग जानलहोयहकफकोयोग अरुजुस्वभावकफीजिंहलहियै ताहीश्लीपदहोत्तलषैये ॥ दोहा ॥ रोगश्लीपदसोकह्योजैसेंकहैनिदान तैसेंसमझोचतुरनरकरोंचिकित्सागांन ॥ इतिश्लीपदरोगनिदानम् ॥

॥ अथसामान्यश्लीपदचिकित्सा ॥

॥ अथलेपः ॥ चौपई ॥ सहदेवीमूलतालकोमूल कांजीसोंपीसेसमतूल तांकोंविधिसोंलेपनकरै रोगश्लीपदतनुतेंटरै ॥ अथघृतम् ॥ पिंडारकतरुवंदाजढआन पीसेसहघृतकीजैपान श्लीपदचिरकादारुणजावै यहनिश्चयनिजमनमोंल्यावै ॥ अन्यश्चउपायः ॥ चौपई ॥ धत्तूरेकेवीजमंगावै वर्धमानमघांज्योषावै शीतलजलसोंपीवैतास श्लीपदसबप्रकारकोनाश अथवासर्षपतैलहिंसंग पीवेश्लीपदहोइसबभंग ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ पूतिकरंजूकारसपीजै वारसजीयापोतालीजै रोगश्लीपदनाशपछान अपनेमनयहनिश्चयठान ॥ अथचूर्णम् ॥ सातपानकेपत्रमंगावै सलवणभुन्नकरकल्कवनावै तप्तनीरसोंकीजैपान श्लीपदरुजकीहोवतहान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ रजनीचूर्णगुडजुमिलाय गोमूत्रसोंनित्यपिलाय वर्षएककोश्लीपदजावै अवरजुकंडूकुष्टनसावै ॥ अथअविलेहः ॥ पुनर्नवात्रिफलामघमधुपाय चाटेश्लीपदाचेरकोजाय ॥ चूर्णम् ॥ दोनोवलादुग्धसोंपीजैं रोगजुश्लीपदतांतेंछीजैं ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सप्तपर्णकीत्वचामंगाय वांसवीजसमचूर्णवनाय एकमासपर्यंतसुपीवै नाशश्लीपदरुजकोथीवै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ हरडेंएरणतैलमं

झार पककरैपुनचूर्णसुधार गोमूत्रसोंपींवैतास होयश्लीपदरुजकोनाश ॥ अथमोदकः ॥ चौपई ॥ दंतीअरुचित्रामघपिप्पल यहसमपीसोअर्धअर्धपल वीसहरडपुनपीसमिलावै दोइपलगुडमधुसंगर-लावै मोदकवांधयथावलषाय रोगश्लीपददारुणजाय ॥ अथपिप्पलादिचूर्णम् ॥ मघपीपलसुं-ठीसुरदार त्रिफलाअरुपुनर्नवाडार दोदोपलयहऔषधलीजैं वृद्धदारुसबकेसमदीजैं चूर्णयह-कांजीसोंपान नितउठषावैकर्षप्रमान श्लीपदवातरोगमिटजावै अरुभस्मकरुजनांहिरहावै ॥ अथ-वृद्धदारुचूर्णम् ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलाचवकगिलोय दालहलदगोषुरुसंजोय वरुणाअरुअलं-वुसाठान यहसबलेसमभागप्रमान सबसमवृद्धदारुणकोचूरण करोइकत्रसबनकोंपूरण कांजीसोंइक-कर्षप्रमान षावैहोवैश्लीपदहान आमवातस्थूलताजाय अरुचवातजकफरोगमिटाय गुल्मकुष्ट-कोहोइहैनाश इहप्रकारगुणजानोतास ॥ अथनिर्गुंड्यादिचूर्णम् ॥ चौपई ॥ निर्गुंडीतिंतडीकपछान अग्निमंथपुनलीजैजान इन्हतीनोंकेपत्रपिसावै मूलपुनर्नवाकोंसंगपावै वकायणत्वचागोषुरठान इकइकपलइन्हकोंपरिमान पाषाणभेदतिसमाहिरलाय पीससभीइककल्कवनाय सबतेंद्विगुणविधा-रालीजै सबइकपात्रमोकठेकीजै शालिमंडपुनतांमोपाय सभीइकठेधरेवनाय सर्षपतैलमध्यदि-नसात धरराषैघटमोंइंहभांत तांनंतरसर्षपतैलहिंसंग कर्षप्रमाणपीयरुजभंग दिनइक्कीसपानकरजोय श्लीपदवर्षपचासकोषोय ॥ अन्यच्च ॥ पिप्पल्यादिचूर्णं ॥ चौपई ॥ मघपीपलत्रिफलासुरदार सुंठी-अरुपुनर्नवाडार यहसमदोयदोयपललीजैं सूक्ष्मपीससुचूर्णकीजैं सबसमवृद्धदारुपीसाय करइकत्रकर्ष-इकषाय कांजीसेतोपींवैतास श्लीपदगुल्महोइहैनाश उदावर्तभस्मकरुजजावै अजीर्णपांडुमंदाग्नि-मिटावै ॥ अथकाकादिन्यादिच्चारः ॥ चौपई ॥ काकादनीकंड्यारीकंड्यारा लवाकाकजंघाम-दारा कदंवपुष्पिशुकनाशाडार यहसबसमलीजेंहितधार सबमिलायदग्धयहकीजे भस्मगूत्रसंगच्चार-लहीजै काकोदुंवररसतिंहपावै क्काथमैनफलपलजुमिलावै शुकतरुकोरसमेलेतास यथावलषावैश्ली-पदनाश अपचीगंडमालविषजावै अरुचसंग्रहणीरोगमिटावै इन्हऔषधहितैलसिद्धकर लेनसवार-रोगसोऊहर ॥ अथस्वरसादिघृतम् चौपई ॥ सुरसात्रिफलात्रिकुटाजान देवदारुगजपीपलठान सब-हीलवणविडंगमिलावै चित्राहौजुचवकरलावै गुगुलवरचपाठायवच्चार पिपलामूलसंगातिसडार कर्षकर्षइन्हकोपरमान षटपलवृद्धदारुतिंहठान प्रस्थएकदशमूलीक्काथ दधिमंडप्रस्थप्रस्थघृतसाथ मंद-अग्निसोंपायपकावै तीनकर्षमात्रानितषावै श्लीपदअपचीअर्बुदनाशै अंतरवृद्धगंडमालविनाशै ग्रह-णीशोथगुदरोगनसावै अग्निवधेजुउदरक्रिमिजावै कफअरुवाततेंउत्थतजोय मांसरक्तकेसंयुतहोय अव-रमेदकेआश्रयजानो ऐसोश्लीपदनाशपछानो ॥ अथदंतीघृतम् ॥ चौपई ॥ तृवीअवरलेदंतीमूल पलपलयहठानोसमतूल चित्रात्रिफलाविडंगपतीस अर्धअर्धपलपावोपीस पलइकथोहरदुग्धमिलावै एककुडवघृतपायपकावै खावैविंदुमात्रघृततास होवैश्लीपददारुणनाश ॥ अथवृद्धदारुघृतम् ॥

॥ चौपई ॥ वृद्धदारुत्रिकुटासमभाय घृतअरुकांजीपायपकाय षावैरोगजुश्लीपदनाशै अग्निवधे-वहुचुधाप्रकाशै ॥ अन्यच्च अथमहावृद्धदारुघृतम् ॥ वृद्धदारुसोदोयपलआन सुंठीइकपलकरोमिलान दालहलदपुनर्नवापाय मघपीपलत्रिफलाचित्राल्याय अर्धअर्धपलइनकोलीजै प्रस्थएकघृतआनमली-जै मंदअग्निसोंतासपकाय खावेश्लीपदरोगनसाय वातगृध्रसीकोजुनाश आमवातकटिशूलविनाश पांडुअवरजोशोथमिटाय अग्निअवरवलवर्णवधाय ॥ अथविडंगादितैलम् चौपई ॥ वायविडंगमरच-

सुरदार चित्राअर्कसुंठपुनडार सबहीलवणपीसतिहदीजै तैलमिलायपकायसुलीजै वलअनुसारतैलसो-षावै श्लीपदरोगनाशहोइजावै यवकटुतैलकूर्मकोमास ऐसोपथ्यदीजियेतास श्लीपदइहप्रकारनहिं-जावै अग्निक्रियाकरताहिमिटावै ॥ दोहा ॥ चिकित्साश्लीपदरोगकीवंगसेंनअनुसार भाषसुनाईसब-नकोंभाषारचीसुधार ॥ इतिश्लीपदरोगचिकित्सासमाप्ता

॥ अथश्लीपदरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

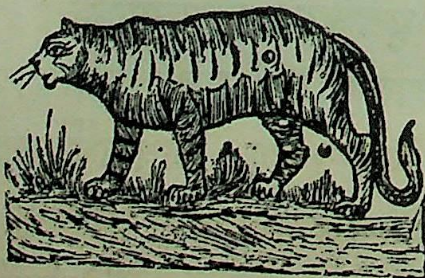
॥ दोहा ॥ श्लीपदरोगविचारकेपथ्यापथ्यपछान जैसेंभाषेग्रंथमोंतैसेंकरोंवषान ॥ अथपथ्यम ॥ ॥ चौपई ॥ रुधिरमोक्षस्वेदअरुलेपन लंघनछर्दअवरपुनरेचन पुरातनसठीतंडुलपथ्य यववृं-ताकपटोलकुलत्थ लसनपुनर्नवासुहांजणाजान वालमूलिकापथ्यपछान अवरकरेलेएरंडतैल पक्क-तोयसोभीपथमेल कटुदीपनतीक्षणजोवस्तु श्लीपदरोगहिंपथ्यप्रशस्तु दोहा ॥ पथ्यश्लीपदरोग-केकीनेभलेंउचार तांकेसभीअपथ्यअवसुनलीजैउरधार अथअपथ्यम् चौपई पिष्टअन्नअरुदुग्धविकार घृतदधितक्रलहोमातिसार गुडविकारजेतेलषलीजै मिसरीसक्करषंडकहीजै जलजीवनकोमासपछानो गु-रुसनिग्धभोजनलषमानो विंध्याचलनदियनकोतोय सिंधुनदीजलजानोसोय दोहा श्लीपदपथ्यापथ्य-सबभाषेसकलवनाय वैद्यचिकित्सातवकरैप्रथमहिपथ्यधराय श्लीपदरोगवषानियोप्रथमहिं-कह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिश्लीपदरोगःसमाप्तः ॥

॥ अथश्लीपदकर्मविपाकनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोब्राह्मणकेंदेवैगारी घटादिभारदेवैसिरभारी श्लीपदरोगताहिनरहोय तासउपायक-होसुनसोय ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ सुवर्णएकपलकुंभवनावै धान्यरासिपरताहिधरावै तहां-ब्रह्माविष्णुरुद्रकोंभजै गोघृतादिकरहवनसुसजै देइविप्रकोंदाक्षिणायुक्त श्लीपदरोगसेंहोवेमुक्त ॥ इतिश्लीपदकर्मविपाकः ॥

॥ अथश्लीपदज्योतिषम् ॥

॥ दोहा ॥ मंगलवुधअरुशुक्रजोतीनइकठेहोन जन्मकुंडलीचक्रमोंपडैइकत्रहितोन रोगजुश्लीपद-जांनियेहोतअवश्यसंजोग तीनोंकीपूजाउचितभावकरतकटरोग इतिज्योतिषम् ॥ इतिश्रीचिकित्सा-संग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांश्लीपदाऽधिकारकथनंनामपंचपचाशत्तमोऽधिकारः ॥ ५५ ॥



॥ अथस्त्रीरोगनिदाननिरूपणम् ॥ प्रथमप्रदररोगनिदानवर्णनम् ॥

॥ दोहा ॥ प्रदररोगनिदानसुनजोइस्त्रिनकोंहोय जोलच्छणयाकेकहेप्रगटवषानोसोय ॥ चौपई ॥ प्रथमहितांकेकारणकहों जिन्हकारणकरउपजितलहों इस्त्रिनकोंहोइरक्तप्रवाहि प्रदररोगनामहैताहि सोविरुद्धभोजनतेंजानो अतिमद्यादिपानकरमानो अतिमैथुनअतिशोकजुकरै अतिमारगचलनोश्रमधरै होवतगर्भपाततेंसोऊ वहुतभारचुकनेकरहोऊ भोजनपरभोजनकरजोई अश्वसुआरीवहुधरसोई अतीक्रुशदिवास्वप्नअविघात होतअजीरणतेंविख्यात इन्हकारणतेंप्रदरप्रगटावे वृद्धहोयवहुरुजउपजावे

॥ अथप्रदरसामान्यलच्छणम् ॥

॥ चौपई ॥ स्त्रीकोरुधिरनानापरकार चलतरहैऋतुमांहिसंचार तिसकरहाडजुफूटतजाने सर्वशरीरमोंपीडामाने असेोकारणजिहहोइजाय प्रदररोगतिंहकह्योसुनाय

॥ अथवृद्धप्रदरउपद्रववर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ दुर्वलताश्रममूर्छाकरै तृषादाहप्रलापजोधरै तंद्रापांडुवरणकरसोय तातेंइहप्रकाररुजहोय याकेभेदहैचारप्रकार तिन्हकोविवरोंकरोंउचार कफजअवरपित्तजलषपैये वातजसन्निपातसुभनैये

॥ अथकफजलच्छणम् ॥

॥ चौपई ॥ पीतवरणहोयरक्तप्रवाह अन्नगवेधुकारसरंगताह आमात्यपिछजुरक्तनिकाशै कफजप्रदरइहभांतप्रकाशै

॥ अथकफजप्रदरचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रदररोगजोइस्त्रिनहोय प्रा[illegible]ननारिनकोंसोय तांमोंयत्नभलीविधकरै अदाहिवमनश्रेष्ठलषधरै रसइक्षूगंगाजलपान तर्पणवस्तूहितकरमान ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ सौराष्ट्रीत्रिफलापीसवनाय आनवस्तुतिहमाहिरलाय लोध्रमुलट्ठीनिंवगिलोय मुस्थरसमचूर्णकरसोय मधुरलायकरबावैनास कफजप्रदरहोवैतवनाश ॥ अन्यच्च । चौपई ॥ दालहलदकोकल्कवनावै मधुमिलायकरतासखुलावै श्वेतप्रदरकांकीजैनाश वंगसेंनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च रोहीतकमूलचूर्णमधुसंग पीवैस्वेतप्रदररुजभंग ॥ अन्यच्च ॥ आमलकीवीजचूर्णपीसाय मधुशरकरामिलायसोषाय स्वेतप्रदरकोहोवैनास रोगजायमनहोयहुलास ॥ अन्यच्च ॥ काकजंघाअर्ककरपास इन्हकेमूलसमपीसोतास तंडुलजलसोंपीवैसोय पांडूप्रदरनाशतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ गजकेसरकोंचूरणकीजें तक्रसाथतींनदिनपीजे स्वेतप्रदरकोहोइहैनास निश्चयकीजैमनमोंतास

॥ अथपित्तजलच्छणम् ॥

॥ चौपई ॥ पीतनीलअरुणतसाऊ रक्तजवारंवारश्रवाऊ पैत्तिकलच्छणएतेजान ग्रंथनिदानमेंकीनप्रमान दाहादिपित्तकेलच्छणजेते प्रदरपित्तमोंलषहोतेते

॥ अथपित्तजउपायः ॥

॥ चौपई ॥ हरणरुधिरशरकरामिलाय अरुमधुमेलताहिपीवाय पित्तजप्रदरनाशतवहोय निश्चयकीजमनमैंसोय ॥ अन्यच्च ॥ लोध्रमजीठअरुधावेफूल नीलोत्पलसवलेसमतूल चूर्णपीवेदुग्धकेसंग

प्रदरपित्तकोहोवेभंग ॥ अन्यच्च ॥ सुंठमुलट्ठीचूर्णकीजै मधूशर्करासंगमिलीजै दधियुतपीवेनारीजोय पित्तजप्रदरनाशतिसहोय ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ चंदनवकमउशीरमुलट्ठी लाचाधावैकरोइकट्ठी नीलोत्पलककडीकेवीज कदलीफलवदरीफललीज पद्मकाष्टपद्मकोकेसर अवरवटजटासबहीसमकर चूर्णकरमधुसंगमिलावै तंडुलजलसोंपीदुखजावे अन्यच्च ॥ कपित्थपत्रवांसाकेपत्र मधुशर्करासोंपीसइकत्र नितप्रतिइस्त्रीपीवैतास पित्तजप्रदरहोइतवनाश ॥ अन्यच्च अशोकत्वचासहदुग्धपकावै शीतलपीवैपित्तजजावै ॥ अन्यच्च वलाअंसुमातिअवरउशीर कौडमुनक्कापावोधीर दुग्धसंगजोपीवेनारी प्रदररोगतिसनाहिविचारी ॥ अन्यच्च ॥ मुलट्ठीचंदनकुरंटकेवीज चूरणतंडुलजलसोंपीज प्रदरपित्तकोंकीजैनाश वंगसेंनमतकीनप्रकाश ॥

॥ अथवातजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रूक्षअरुणरंगफेनलजोय अल्पअल्पश्रवपीडाहोय ऐसोरक्तश्रवैजिसनारी तांकोंजानोंवातविकारी

॥ अथवातजप्रदरचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मघांमंडमहूसमआन मुस्थरजवलेकलकवनान गुडजलसंगजुपीवेतास प्रदररोगतिसहोवतनास ॥ अन्यच्च ॥ मुलट्ठीउत्पलककडीवीज अवरशतावरीतांमोंदीज विदारीकंदइक्षुकोमूल यहसबलेपीसोसमतूल पुनशतधौतघृतताहिमिलावै योनिअंगाशिरलेपनलावै वातजप्रदरहोइहैनाश अवरउपायकहोसुनतास ॥ अन्यच्च ॥ मुद्गपर्णिसोंतैलपकावै ताहितैलकोंवस्त्रलगावै योनिमध्यपुनधारैसोय वातजप्रदरनाशतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ नीलोत्पलजीराजुमुलट्ठ सौवर्चलमधुमेंकरोइकट्ठ दधिसोंचूर्णपीवेतास वातजप्रदरहोइहैनाश ॥ अन्यच्च ॥ तिलचूर्णशूकरवसारलाय दधिघृतसंयुततासपकाय मधुयुतपीवेप्रदरनसावै यहनिश्चयअपनेमनल्यावै ॥ अन्यच्च ॥ रसकुलत्थरसशूकरमास यहमिलायसमपीवेतास वातजप्रदरनाशतवहोय मनमोंनिश्चयल्यावैसोय ॥ अन्यच्च ॥ सुंठमुलट्ठीतैलमिलाय मिसरीपुनदधितासमषाय संगमधाणीमंथनकरे पीवेवातप्रदरतिसटरे ॥ अन्यच्च ॥ निंवतैलदुग्धकेसंग पीवेवातप्रदरहोयभंग

॥ अथसन्निपातजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मधुघृतइवहरतालवरणजो प्रगटहोयअसरूपरक्तसो तासवरणमज्जाइवभासै सन्निपातअसरूपप्रकाशै सन्निपातकोंजानअसाध्य याकोंलषियमहाउपाध्य

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तनिरंतरश्रवतोरहै तृष्णादाहअवरज्वरलहै इस्त्रीक्षीणरक्तहोइजावै दुर्बलतावहुतनप्रगटावै असइस्त्रीरोगणिलषपाय वैद्यचिकित्सातजउठजाय

॥ अथशुद्धरजोलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जाहिमहीनेमोंइकवार इस्त्रिनहोवेरक्तप्रचार अल्पनहोयबहुतनहिंहोय पाचरात्रिलगरहिहैसोय याहिशुद्धरजकरैंउचार अवरहुंचिन्हशुद्धरजनार सहरुधिरइवरक्तनिकासे अथलाचा-

रसइवभासै अरुवस्त्रनकोंरंगसुधरै तिसरक्तकोंभीश्रेष्टउच्चरै ॥ दोहा ॥ प्रदररोगवरणनकियोवैद्यक-केअनुसार इहविधिचिन्हपछानकैपुनकीजैउपचार ॥ इतिप्रदरनिदानम् ॥

॥ अथत्रिदोषजादिसर्वप्रदरउपायः ॥

॥ चौपई ॥ अवस्थातरुणतियाहेजोय पतिसेवनजिसकियानहोय तांकोउपजैप्रदरविकार अल्प-उपद्रवतासविचार रक्तपित्तविधानकेसंग औषधिवैद्यकरेतिसचंग ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलादालहलदअरु-वासा बचदूर्वाअरुकोंडयवासा यहसमकाथहिंमधुजुमिलावै शीतलकरपुनताहिपिलावै सर्वप्रकारप्र-दरहोयनाश तासचिकित्साकीनप्रकाश ॥ अन्यकाथः ॥ चौपई ॥ ढालहलदकिरायतामुत्थर विल्व-रसौंतभिलावैसमधर अर्कदलवासासंगमिलावै काथकरैमधुपायपिलावै प्रदरसर्वसहशूलविनाश अव-रहुंज्वरकोहोवेनाश ॥ अन्यच्च ॥ अथयूषघृतम् ॥ चौपई ॥ महुमाषकोयूषवनाय यहवस्तूतिसमाहिर-लाय रासनामुत्थरमघाजुपावै अवरविल्वतिसमाहिरलावै घृतसिद्धकींजेइनकेसंग पीवेप्रदररोगहोय-भंग ॥ अन्यच्च ॥ काश्मरीमुद्गगुडूचीआने वदरीफलजुमुलट्ठीठाने दुग्धपायघृतसिद्धकराय पीवेघृतरु-जप्रदरनसाय ॥ अन्यच्च ॥ मूसेकीविष्टापीसावै दुग्धसाथतांकोंपीवावै रुधिरनदीप्रवाहमिटजाय सु-खअरुशांतिप्रगटहोयआय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ चौरोलमूलरसौंतापिसाय मधुरलायकरतांकोंषाय तंडुलजलसोंपीवैसोय नाशसर्वप्रदरकोहोय ॥ अन्यच्च ॥ कुशामूलतंडुलजलसंग तीनदिवसपीवैरुज-भंग ॥ अन्यच्च ॥ अम्मीबीजचूर्णकरलीजे दोइदिनतंडुलजलसोंपीजे सर्वप्रदरकोहोइहैनाश तास-उपायकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ नीलोत्पलअरुतांकोमूल तंडुलरक्तजवायणतूल अवरजवाहांगेरीठान यहसमचूर्णकरोसुजान मधुमिलायकरचाटैसोय नाशप्रदररोगकोहोय ॥ अन्यच्च ॥ रसौंतवालाच्चा-चूर्णकीजे अजादूग्धसोंतांकोपीजे प्रदररोगकोहोइहैनाश दुःखजायतनुसुखप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ मूष-कविष्टादाधिसोंपीजै प्रदररोगतासकोछीजे लोहितप्रदरनाशहोइजाय असगुणतांकोकह्योसुनाय ॥ अन्यच्च ॥ चौलेरीमूलकोचूर्णकींजै मधुरलायदुग्धसंगपीजै प्रदररोगजोसर्वप्रकार नाशहोयमननि-श्चयधार ॥ अन्यच्च ॥ वालाअवरकुशाकोमूल चूर्णकीजैसमयहतूल तंडुलजलसोंपीवैतास प्रदररो-गहोयतांकोनाश ॥ अन्यच्च ॥ पलचारमुलट्ठीआंनपिसाय पलप्रमाणतिहशर्करापाय तंडुलजलसोंक-र्षप्रमाण पीवेनितहोयप्रदरकीहान ॥ अथघृतम् ॥ काश्मरीवटजटादोदंतीआन घृतइन्हकेसंगकरो-पकान नितहीपीवैघृतकोंजोय रुधिरप्रदरनाशतवहोय ॥ अथपुष्पानुगचूर्णम् ॥ ॥ चौपई ॥ पाठाजं-बूअंबमंगावै पाषाणभेदअंवष्टकीपावै रसौंतमोचरसमुत्थरपतीस वाल्हीकपद्मकेसरसंगपीस लोधर-गेरीसुंठीठान मरचकायफलपीसमिलान कटुकीकोगडविल्वजुधावै मंजीठकायफलद्राच्चरलावै अर्जु-नरक्तचंदनजुमुलट्ठ पुष्यनच्त्रमांहीकरकठ मधुरलायतंडुलजलसंग पीवेहोयरोगयहभंग प्रदरअर्श-भागैअनिसार येत्रिदोषरुजदोषनिवार श्वेतनीलरंगपीतप्रदरजो नाशहोयमनलेहुसमझसो अथअ-शोकघृतम ॥ चौपई ॥ अशोकत्वचाप्रस्थइकआन आढकजलमोंकैरेपकान पादशेषरहैसोजवै तले-उतारछाणिएतवै पुनअजाच्चीरतंडुलजलआनै जीवकरसभंगरारसठानै यहसबघृतसमताहिरलावै पुनयहचूर्णपायपकावै जीवनीयद्राच्चफालसेघाल रसौंतमुलट्ठशतावरिडाल मूलअशोकचुलाईमूल अ-र्धअर्धपलयहसमतूल पलजांअष्टशरकरामिलाय पुष्यनच्त्रमंदाग्निपकाय वलअनुसारतासकोंषावै सुनहोएतेरोगनसावै प्रदरनीलसितकृष्णविनाशै कुच्चिशूलकटिशूलसुनाशै योनिशूलमंदाग्निमिटावै

पांडुरुजकृशतानरहावै कासश्वासरोगहोइनाश आयुर्बलप्रगटेतनुतास श्रीभगवानविष्णु यहभाष्यों लोकनकेहितहितसोंआष्यो ॥ अथशीतलकल्याणघृतम् ॥ चौपई ॥ कुमदअवरपद्मकजुउशीर गोधूमरक्तशालीलेवीर मुदगपर्णित्रपुसकेवीज कदलीफलमुल हलेलीज काकोलीअरुजीवकआने शालपर्णीपुनमुत्थरठाने नीलकमलअरुकंदविदारी ताल कोमूलशतावरीडारी पायवलाअतिवलाकोमूल वस्तूलेवेसबसमतूल अवरजुकाश्मरीमेलेआन अर्ध अर्धपलसकलसमान प्रस्थजुघृतपयप्रस्थजुचार दोयप्रस्थजलतामेडार पायपकायनिताप्रतिषावै प्र दरगुल्मरक्तमिटजावै रक्तपित्तहलीमकनाशै कामलावातरक्तसुविनाशे मंदज्वरअरुचपांडुभ्रमजोय याघृतपानहुतेंनहिहोय ॥ अथशाल्मलीघृतम् ॥ चौपई ॥ शालमलिपुष्पनकोरसआन पृष्टपर्णिरसता मोंठान काश्मरीचंदनरसवाचूर्ण प्रस्थएकघृततंहकरपूरण मंदअग्निसोंताहिपकाय षावैप्रदररोगमि टजाय अथचूर्णम् चौपई गजकेसरअरुचंदनचूर तोषाचीरशरकरापूर यहसमचूरणषावैजोय नाशप्र दररोगकोहोय ॥ अन्यच्च ॥ अथशतावरीघृतम् ॥ चौपई ॥ शतावरीरसलेप्रस्थप्रमान प्रस्थएकघृतता मोठान प्रस्थदोयतिसदुग्धमिलावे इनवस्तुनकोकल्करलावे जीवनीयगणवलामुलट्ठी नागवलादोय सारिवाकठी चंदनपद्मकभषडेलीज कंदविदारिकौंचकेवीज शालपर्णिअरुपृष्टजोपर्णी कर्षकर्षसबव स्तूभरणी काश्मरीपावेपलपरिमान पावशर्करासबहिसमान मंदअग्निसोंसिद्धकराय वलअनुसारनि ताप्रतिषाय रक्तपित्तअरुहिकाश्वास वातजपित्तचयीअरुकास अंगदाहशिरदाहजुहोय रक्तपित्ततें उपज्येजोय मूत्रकृछ्रसबप्रदरविकार इनरोगनकोंमूलतेंटार ॥ इतिप्रदररोगचिकित्सा ॥

॥ अथयोनिरोगउत्पत्तिलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ मिथ्याहारविहारकरस्त्रीकोयोनिविकार वायुपित्तकफदुष्टहोइऋतुवीर्यदेनाविगार ऋत वावीजदोषतेंहोवतयोनीरोग अथवादैवकेदोषतेंजानोत्रिविधयोग सोहैवीसप्रकारकीग्रंथनिदानसुकीन सोसबलिखीविचारकेलक्षणनामसुचीन तांहूकीसबउत्पत्तिनामप्रमानसुजान चर्कऋषीजहविधकहे भिन्नभिन्नतिहमान चौपई उदावर्तविप्लुतावंध्यजान परिप्लुतवानलाकरीप्रमान लोहितक्षयादुप्र जाविनी पुत्रघ्नीअरुपित्तलावामिनि अत्यानंदाकर्णिनीकहिये कर्णिकाअतिचरणालहिये अनार्त्तवस्त नीखंडिताजान अंडिनीविवृतासुचिवक्रामान अथयोनिनामविभागलक्षणम् ऋतुमेंलहूजुकष्टमेंआ वे रुधिरफेनयुतचलेवधावे उदावर्तसोयोनीकहिये निश्चयकरयहमननोलहिये १ जाहिऋतूनहिआवे कवही वंध्यायोनिनामतिहतवही २ जोयोनीनितपीडारहै विप्लुतयोनिताहूकोकहै ३ मैथुनमाहिभग पीडाहोय परिप्लुतयोनिजानियोसोय जाहियोनिकठोरअतिहोई शूलरहैनितवानलासोई ५ जाहियो निदाहबहुरहै रक्तचलेलोहितक्षयाकहै ६ जाहियोनिश्रवकुपितसोरहै दुप्रजाविनीनामसुकहै जिह योनिरुधिरपवनसंयुक्त वीर्यचलेसोवामिनीरक्त ८ नाभिगर्भस्थिरजातारहै पुत्रघ्नीनामतिंहयोनी कहै ९ जाहियोनिमोदाहवहुहोइ पक्वजाइज्वरपित्तलासोइ १० मैथुनसेंजिसतृप्तसुनहि अत्यानंदायोनीकहाही ११ कलीफूलसीजोनजिहहोई रुधिरकफचलैकर्णिनीसोई १२ प्रथम पुरुषतेंजाहूयौंन त्यागेवीजसुकर्णिकातौन १३ जाहियोनिवीर्यनहिरहे अतिचरणायोनिगुणिज नकहै १४ अर्धेसमभगदीर्घअकार अनार्तवयोनिताहिविचार १५ जाहित्रियाकुचछोटे जान अस्तनीयोनिताहूकिमान १६ जिसकीयोनिखंडितहोय मैथुनमेंअधलटकेसोय

खंडितयोनिताहिकोजान आगेअंडनीकरोंवषान १७ जाहियोनिछिद्रसूक्ष्महोई अंडनीयोनिकहियतसोई १८ जाहियोनिछिद्रदीरघहोई विवृतायोनीकहियेसोई १९ जाहूंमुखसूईसमजान सूचीवक्त्रायोनिसुमान ॥ २० ॥

॥ अथइस्त्रीकेयोनिरोगोंकाक्रमयत्नः ॥

॥ चौपई ॥ तगरकंड्यारीसेंधालौन देवदारुकुठकाढातौन तैलपायपकायइहराखै ताहितैलतूंबाभगराखै विप्लुतारोगताहितैंजाय योनिविकारसोमोच्चरहाय पित्तहरऔषधसोंघृतमाहि भगसेंकैपित्तरोगनसाहि आमलीरसमोंमिश्रीडाल दशदिनपीभगदाहकोंटाल भांगरेकीजढचूर्णकीजै तंडुलजलसोंपीदुखछीजै राधपडतयोनीहटजाइ भावप्रकाशमोंकहीवनाइ नींवपत्रकिरमालापत्र वांसापत्रपटोलकेपत्र जलमोंमलयोनीतिहधोइ योनिदुर्गंधतवरहैनकोइ ॥

॥ अथान्यस्त्रीरोगनिदानम् ॥

॥ दोहा ॥ इस्त्रीरोगनिदानकीव्याख्याकरोंवनाय योनिदोषयाकोंकहैंताहिदेहुसमझाय ॥ चौपई ॥ प्रथमहियाकेकारणआषों ग्रंथनिदानमतीसमभाषों ॥ अथकारणनिरूपणम् ॥ चौपई ॥ अलक्ष्यपुरुषजोसंगजुकरै अरुक्षतदोषहुतेंसंचरै अरुपराचीनकर्मअनुसार वीर्यदोषतेंभीसविचार इन्हकारणतियंयोनिनमाहि केतकबहुतरोगप्रगटाहि भेदयाहिवातादिकचार अवरभेदभीकरोंउचार वातजपैत्तिककफजपछान सन्निपातजसोकरोंवषान

॥ अथइस्त्रीकेयोनिदोषचिकित्सा ॥

अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ वरचकलौंजीजीराआन मघवांसासेंधापुनठान अजमोदाचित्रायवक्षार यहसबसमलेशर्कराडार यहचूर्णपीवैजलसंग योनिशूलहोइजावैभंग अन्यच्च ॥ रासनावांसाअसगंधपिसावै दुग्धमिलायपकायसुषावै योनिशूलकोहोइहैनाश निश्चयकीजैमनमोंतास अन्यउपायः गुडूचीदंतीत्रिफलाआन इन्हसमक्काथकरैजुसुजान योनीतासक्काथसंगधोय शतपुष्पामूलजुलेपेसोय अंतरप्रविष्टयोनि होइजास वाहरनिकसेलषियेतास ॥ अन्यच्च मूषकवसालेपजोकरै वाहरनिकसीभीतरवरै अथवातयुतयोनिदोषनाम दोहा उदावर्त्तावंध्याविप्लुतापरिप्लुतावातलाजोय इनपांचनमोंजानियोवातजपीडाहोय

॥ अथवातजयोनिदोषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ फैनजरजसकष्टजोत्यागै नष्टहोयरजपीडाजागै पुरुषसंगअतिपीडाहोय वंध्याभीहोइजावैसोय कर्कसयोनिजुअकडीरहै सूचिवेधइवपीडालहै वातजयोनिदोषयहलह्यो पैत्तिकसुनोजिसीविधिलह्यो इतिवातजयोनिदोषलक्षणम् ॥

॥ अथवातजयोनिदोषचिकित्सा ॥

॥ अथगुडूचीघृतम् ॥ चौपई ॥ गुडूचीत्रिफलानिशामंगाय अभीरुशुकनासासंगपाय श्रीपर्णीजुद्राक्षविल्वजान कासमर्दकाफालसेठान अवरसहचरीआनमिलाय वस्तूलेसबकल्कवनाय यहसबकर्षकर्षपरमान प्रस्थपायघृतकरैपकान मर्दनपानकरैनित्यजास वातविकारयोनिकोनाश ॥ अन्यच्च ॥ प्रस्थएकतिलतैलजुलीजै एकप्रस्थगोमूत्रमिलीजे दुग्धचतुर्गुणतामोपाय गडूच्यादिसबकल्करलाय मंदअग्निसोंतैलपकावै भगराखेसबरोगनसावै

॥ अथपैत्तिकयोनिदोषनाम ॥

॥ चौपई ॥ लोहितक्षयाइकयोनिजान दुःप्रजायोनीदूसरीमान तीसरीवामनीयोनिकहिये पुत्रघ्नीसुचतुर्थीलहिये पित्तलापंचमीयोनीजोय पित्तपीडाइनयोनिमोहोय

॥ अथपैतिकदोषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तसदाहसक्षोभनिकासै इस्थितगर्भहिंतुरतविनाशै रक्तयोनिकोक्षयहोइजावै योनिसुपीतवरणदरशावै दाहपाकज्वरयुक्तरहान पैतिककेयहलक्षणगान

॥अथपैत्तिकदोषचिकित्सा॥

॥ चौपई ॥ शतावरीघृतजुवलाकोतेल मलैयोनिदुःखपित्तजठेल ॥ अन्यच्च ॥ काश्मरिसमकोगडकरकाथ घृतजोपकावैतांकेसाथ ताहीघृतकोमर्दनकरे पित्तजरोगयोनितेटरे रक्तविकारयोनिकोजाय इसप्रकारतिसकह्योउपाय ॥ अन्यच्च ॥ पित्तप्रदरकीऔषधजेती पित्तजयोनिमोजानोतेती ॥ अन्यच्च ॥ स्निग्धस्विन्नहोययोनीजवहि दुस्थितकोस्थितकरियेतवही मधुरौषधसोंघृतवातेल सिद्धकरैपिचुधारेमेल अथवावेसवारातिहधारे पित्तजरोगयोनिकेटारे

॥ अथकफजदोषलक्षणम् ॥

चौपई ॥ मैथुनकरजोतृप्तनमानै शीतलयोनिसकंडुपछानै पुरुषसंगतैंप्रथमहिजोय वीर्यत्यागजुदेवेसोय यातेंवीर्यहिंप्राप्तनथावैं तासयोनिपिछ्ललालषपावैं एतेलक्षणकफजपछान सन्निपातजसुनकरोंवषान

॥ अथकफजदोषचिकित्सा ॥

अथकफजयोनिदोषनाम दोहा अत्यानंदाकर्णनीचरणअतिचरणामान इनचारोंकफवेदनाजानोवैद्यसुजान ॥ चौपई ॥ कफजविकारयोनिदरशावै औषधउष्णरौक्षहितगावै ॥ वर्तिका ॥ मघमरचांकुट्ठलवणशतावर करेपीसवर्तिकावरावर अवरमाषतिसमाहिरलाय प्रादेशमात्रजुवर्तिवनाय तांकोयोनिमध्यलेधरै कफजविकारयोनिकोहरै

॥ अथसन्निपातजयोनिदोषनामलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ अनार्त्तवाअस्तनीखंडिताअंडनीविवृताजोय छटीजुसूचीवकत्रारोगत्रिदोषतेंहोय चौपई एलाधावैजंवूल्यावै मंजीठसर्जरससमपीसावै इसचूरणकोमर्दनकरै दोषदुर्गंधयोनिकोहरै ॥ अन्यच्च ॥ सर्वसुगंधवस्तुकोआन चूर्णकीजैतिन्हकोजान योनिमांहिमर्दनसोंकीजे दोषदुर्गंधयोनिकोछीजे योनिरोगयववातजजाने स्नेहस्वेदतिसमोहितमाने वातहरणऔषधलषपावे तिनसोंघृतवातैलपकावै ताहितैलपिचुराखेभगमों वातजरोगनाशहोयक्षणमों ॥ अथजोनिविकारनाशनधूपः चौपई ॥ जंबूधावेपत्रमंगावे शूरणपत्रसमपीसमिलावे धूपयोनिकोंदेवैतास सर्वविकारयोनिहोइनाश ॥ अथलक्ष्मणाघृतम् चौपई ॥ लक्ष्मणाचंदनलीजैलोधर उशीरपद्मकाष्टतांमोंकर दोनोरजनीवचकपूर कुठपद्मकेसरसंगपूर दोइसारवामालतीफूल मुलट्ठमांसीविडंगलेतूल देवदारुअरुपाठालीजे पर्पटमुस्थरतांमोदीजै शतपुष्पासमलेहुमिलाय कर्षकर्षयहचूरणपाय घृतएकप्रस्थपयप्रस्थजुचार यहपकायकरलेहुसुधार होयपुष्टवरषावैतास नाशवालग्रहकीनप्रकाश वंध्यापायपुत्रतिसहोय योनिदोषतिसरहैनकोय अथवाइनकेकाथकेसंग पकावेघृतजोषायनिसंग ॥ अथफलघृतम् ॥ चौपई ॥ दोइसहचराजुत्रिफला-

आन शुकनासापुनर्नवाठान दोनोरजनीअवरगिलोय शतावरिमेदरासनाजोय कर्षकर्षयहचूरणपाय प्रस्थएकघृतताहिमिलाय चारप्रस्थपयपायपकावै षावैनारिदुःखयोनिमिटावै विवृतनिस्वृतयोनिविकार नाशहोंयनिश्चयमनधार अवरदोषभीनाशजुहोय नारीगर्भप्राप्तहोयसोय ॥ इतियोनिरोगचिकित्सा ॥

॥ अथकंदरोगकारणम् ॥

॥ चौपई ॥ कंदरोगकेकारणकहों दिवास्वप्नकोपुनलहों अतिव्यायामअतिमैथुनजान दांतअवरनखक्षततेंमान भगमोंउपजितकुचलाकार कंदरोगतिसनामउचार योनिहुतेंपूयरक्तनिकास कंदरोगइहविधिलषतास सोभीवातजपैत्तिकजान कफजअवरसन्निपातजमान

॥ अथवातादिकंदरोगलक्षणम् ॥

॥ अडिल्यछंदः ॥ फूटीरूषीयोनिरहैसोवातजकहिये दाहरोगज्वरयुक्तहोयसोपैतिकलहिये नीलपुष्पइवकंडुसहितसोकफजपछानो सर्वलिंगसंयुक्तरहैसन्निपातजमानो ॥ इतिकंदरोगनिदानम् ॥

॥ अथकंदरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ स्नेहक्रियावातजमोंठान पित्तजमोंरेचनपरमान कफजहोयतौवमनकरावै त्रिदोषजतोउपनायसुनावै ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलाकाथमधुभगमोंपूर कंदरोगहोइजावेदूर ॥ अन्यच्च ॥ गेरीसुरमारजनिविडंग कायफलआंवगुलीधरसंग मधुरलाययोनिकोंपूर कंदरोगहोइजावेदूर ॥ अन्यच्च ॥ हरडनिंवसोंपूरेजोय कंदरोगनाशतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ शूरमांसवामींडकमास षावेहोइकंदकोनाश ॥ अन्यच्च ॥ मूषिकमांससोंतैलपकावै वस्त्रभिगोययोनिधरवावै कंदरोगकोहोवैनाश तासचिकित्सा- ॥ अन्यच्च ॥ जलसीपीमांसतिंतिडीपकावै लेपेकंदनाशहोइजावे वैद्यचतुरजोउष्णादिवाकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ य तौभीकंदरोगनरहाय इतिकंदरोगचिकित्सा ॥

॥ अथस्त्रीसोमरोगनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ सोमरोगजोइस्त्रिनहोय तांककारणवरणोंसोय अतिमैथुनअतिगमनतेंजान अतिहीशोकतेंताहिपछान अरुविषदोषहुतेंप्रगटावै अभिचारहुतेंयहकारणगावै इन्हकारणजलतनुमंभार क्षोभप्राप्तिहोइकरैविकार श्रवतश्रवतमूत्रअस्थान असप्राप्तहोवैलषमान निर्मलशीतलजलगंधविन अत्सयकरश्रवहैनिशदिन तातेंतनुदुर्बलहोइजाहि शिरषालीजिसहोवतताहि मुखअरुतालुसूकतोरहै मूर्छाजृंभांकोंवहिगहै त्वचाजुरूष्यप्रलाषसुनावै क्षुधावधैसोनाहिअघावै भक्ष्यभोज्यचोक्षअरुलेहि भोजनचाहकरहैजोएहि इन्हभोजनकरतृप्तनथावै सोमरोगयानामकहावै सोमरोगइस्त्रिनकोंहोइ तनुसमर्थिनाषोवैसोइ सोमनामअर्थयहजान इहविधिभाषेग्रंथनिदान इस्त्रिरोगनिदानवषान्यो ज्योंनिदानभाष्योंत्योमान्यो ॥ दोहा ॥ इस्त्रीरोगनिदानकीभाषाकरीविचार करैचिकित्सासमझयहजातेंमिटैविकार ॥ इतिस्त्रीसोमरोगनिदानम् ॥

॥ अथस्त्रीसोमरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कदलीकेफलपक्कमंगावै मधुशरकरामिलायमथावै धात्रीफलरसषायषवाय सोमरोगनाशहोइजाय ॥ अन्यच्च ॥ चूर्णमाषमुलट्ठीआन विदारीकंदशर्कराठान यहसमदुधमिलायजुपीवै सोमरोगनाशतवथीवै ॥ अन्यच्च ॥ विदारिशतावरिसमपीसाय फलकदलीको-

पकमिलाय दुग्धसाथकरहैसोपान होवतसोमरोगकीहान पीडासहितसोमरुजजानै तालीसपत्रए-लासंगठानै मदरासंगजुपीवेनारी सोमरोगनहिरहितविचारी ॥ दोहा ॥ इस्त्रिरोगउपाययहवंगसें-नअनुसार समभचिकित्साजोकरैउठैनकोपविकार इतिस्त्रीसोमरोगचिकित्सा ॥

॥ अथस्त्रीमूत्रातीसारलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ सोइसोमरजसंयुतहोय वारवारतियमूत्रेसोय जोसोमरोगबहुदिनरहै मूत्रअतीसार-तांहिकोकहै मूत्रवधनसेंवलनरहाय मूत्रअतीसारतांहिकोगाय ॥

॥ अथस्त्रीमूत्रातीसारचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ तालवृक्षकीजढहिंमंगाय विदारीमुलछछुहारापाय समऔषधपीसमहीनसुकरै मि-सरीसहितमिलायसुधरै एकटंकभरषायप्रभात मूत्रअतीसाररोगनरहात ॥ अन्यच्च ॥ पवाडजढले-तंडुलरसपाय पीवैमूत्रअतिसारनसाय ॥ अन्यच्च ॥ मूसलीश्वेततालवृक्षमूल केलापकरलायसमतू-ल दूधसंगपीवैजोकोई मूत्रातीसारनाशतिसहोई ॥

॥ अथभगसंकोचनउपायः ॥

॥ चौपई ॥ तुंवीपत्रलोधरसमपीस भगलेपेसंकुचितसुदीस ॥ अन्यच्च ॥ वैंतकूमलीकोकरकाथ गाढाहोयभगधोयतिससाथ ॥ अन्यच्च ॥ मूषकवसायोनिमलवावै कन्याइवनारीदरशावै ॥ अन्यच्च ॥ फलपलासरुंवलफलआन पीसतैलमधुकरोमिलान लेपनयोनितासकोंकरै योनिसंकुचतगाढताधरै ॥ अन्यच्च ॥ मुंद्रफूलखैरसारमिलाय हरडजायफलमाजूपाय अवरसुपारीआंनरलीजै सबसमवस्तू-चूरणकीजै महीनपीसवस्त्रसोंछान योनिधरैसंकोचप्रमान ॥ पुनः ॥ कौंचजढहिकाकाढाकरै भगधोवै-संकोचअतिधरै ॥ पुनः ॥ भंगपीसपोटलीवनाय भगमोराषसंकोचकराय ॥ पुनः मोचरसाअतिपीस-बनावै योनिधरैसंकोचकरावै पुनः आंवलेजढबंवूलजढआन वेरजढअरुवांसाजढमान माजूफल-कुरंटऔटाय तिहजलधोइसंकोचकराय पुनः दधिसुंठीलियोनीधोवै संकोचभगनिश्चयकरहोवै पुन-फटकडीकाजोफूलमंगाय माजूफलतिहसाथरलाय पोटलिकरभगमोंजोसरै योनिसंकोचानिश्चयकरधरै

॥ अथलोमसातनविधिः ॥

॥ चौपई ॥ दोइभागशंखकोचूरण हरतालएकभागकरपूरण कदलीकेरसलेपैतास लोमसमस्त-नकोहोइनाश ॥ अन्यच्च ॥ भागपांचशंखकोचूरण हरतालएकभागतहांपूरण पलासभस्मइकभाग-पछान सबहीइकत्रचूरणठान यहलेपेजुरोमगिरजांहि अवरहुंभीयोंभाषसुनाहि ॥ अन्यच्च ॥ शंख-चूर्णकरपूरमिलाय यवक्षारमनछलहरतालरलाय यहसमतैलपकायमलावै निर्मूलसमस्तलोमहोइजावै

॥ अथस्तनकठोरकरणविधिः ॥

॥ चौपई ॥ कणाअवरअलंवसाआन दोइसमतैलहिंकरोपकान कुचनमलैअरुलेनसवार कठ-नस्तनश्रीफलआकार ॥ अन्यच्च ॥ श्रीपर्णितैलकुचमर्दनकीजै अरुनसवारतासकीलीजै कठन-स्तनगजकुंभन्याय होवेंताविधिकहींसुनाय

॥ अथस्तनरोगनिदानं ॥

॥ चौपई ॥ नारिनकेस्तनदोयप्रकार अदुग्धसदुग्धजुताहिविचार गर्भनिश्रवरप्रसूताजोय तास-तियास्तनदुग्धसुहोय गर्भप्रसूतीज्ञाननजाने तासतियास्तनअदुग्धसुजाने विवृतनाडीमुखकेद्वार दोष-करैस्तनमोसंचार मासरुधिरकोदूषितकरे स्तनमोंशोथआनसोधरे शोथवृद्धपीडायुतजोय जैसेंरुधिर-मांसपिंडहोय जैसेलच्छणविद्रधिजान स्तनरुजमोंतुमसोइपछान वाह्यविद्रधीपांचप्रकार लच्छणरक्तज-विनाविचार

॥ अथस्तनरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ रोगपीडाजिसकेस्तनहोइ जलौकनरक्तनिकालेसोइ ॥ अन्यच्च ॥ विद्रधिरुजकीऔ-षधजेती वैद्यविचारकरैसबतेती ॥ अन्यच्च ॥ स्तनरुजदेषेआमविकार उपायकरेमतिकेअनुसार पि-त्तहरनसबऔषधजोय तिहसंयोगहिंकरेजुसोय व्रणवतक्रियाजुकीनीपाछे स्तनरुजहोवततातेंआछे अन्यच्च ॥ लेमघचूर्णजलमोंपाय तप्तलोहातिसमाहिवुझाय तासहिजलकोकरहैपान स्तनरुजकीति सहोवतहान अन्यच्च चौपई वरुणापत्रपीसजलसंग घृतसोंलेपकरेरुजभंग अन्यच्च विशालामू-ललेपजोकरे स्तनकीपीडातातेंटरै ॥ अन्यच्च ॥ कुआरगंदलरजनीलेपावै लेपैस्तनपीडामिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ लेहुककोडीवंध्यामूल धत्तूरेफलकरसमतूल स्तनकेऊपरलेपैतास होयशूलपीडाकोनाश

॥ अथस्तनवृद्धकरणउपायः ॥

॥ चौपई ॥ कोमलवरणापत्रमंगावै करमर्दनकररसनिकसावै सोइस्तनपरमर्दनकीजै स्तनकी-वृद्धीहोंहिलषीजै

॥ अथकुसुमजननविधिः ॥

॥ चौपई ॥ गृहाचिरइस्थितयज्ञजुमाल तिसआंवपत्रपीसजलनाल पीवैकुसुमजुउपजितनार यहनि-श्चयकीजैचितधार ॥ अन्यउपायः चौपई ॥ मरचापीवैमदरासंग कुसुमप्रगटहोयनारीचंग ॥ अन्यच्च ॥ कटुतुंवीकेवीजपिसावै दंतीवीजअपामार्गरलावै मघांमयनफलगुडसमपाय पीसवर्त्तिकाकरोवनाय थो-हरदुग्धयवच्चारमिलावै योनीमध्यसोवटीधरावै तौभीकुसुमप्रगटहोइतास तासउपायअसकीनप्रकाश अ न्यच्च मालकंगुणीपत्रपिसावै भुंनघीउसोंजाहिवनावै शीतलजलसोंकीजैपान कुसुमनारिकोउपज्योमान ॥ अन्यच्च ॥ सुरराजवृच्छकेवीजपिसावै जलसोंपियेकुसुमप्रगटावै ॥ अन्यच्च ॥ जोइस्त्रीकोपुषपन-आवै मछीमांसभच्छणरुजजावै पुनः नितकांजीवातिलवामाष नितसेवनदधिहोइच्छतखाष ॥ पुनः ॥ अथवामालकंगुणीराई विजयसारफुनवर्चमिलाई शीतजलसोंपीसैताहि दिनसातषाइपुषपवलआहि इतिकुसुमजननविधिः ॥

॥ अथवंध्याचारप्रकारवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ वद्धकुच्छागर्भश्रावाकहिये गर्भपातमृतवत्सालहिये वद्धकुच्छित्रियसातजुदोष तांकोव-र्णोरोगफुनमोष जिहत्रियगर्भमुखतिलकतहोय वीरजतांमोपडैनसोय तांहिपरीच्छाइहविधजानो च्छतू-कालसिरपीडामानो औषधयाविधकरैसुत्रीय कर्पासवीजसुहागालीय मुर्गीअंडेसंगतिहपीस गहरा-खरलगोलीकरलीस सोगोलीपोटलकरवाहि तीनदिवसच्छतानिसदिनमाहि जोनीकेभीतरतिहर

चौथेदिनमज्जनफुनकरै तिर्यकमुखतिहरोगविनाशै गर्भआशातिहउदरप्रकाशै दूसरवायूज्योनिविकार गर्भमुखहिंसोवंधकरडार तिहकरऋतूसमयमंझार मस्तकपीडाहोयअपार ताहिऔषधीयहविधजानो तिलअरुतैलहिंगसमआनो तीनदिनवसटंकटंकप्रमान चौथेदिनसोस्नानप्रधान इहविधआशगर्भप्रगटावै इस्त्रीवंध्यागर्भसुपावै तीसरमासवृद्धिकरगर्भ मुखबंधहोतनारीविधसर्भ ताहिपरीचाभोगमंझार हृदयपीडहोवतसुविचार चिकित्सातांकीइहीप्रमान हाथीनषकीभस्ममंगान कौडेतेलमोताहिमिलावै ऋतकालजोनीमोलावै चौथेदिनास्नानकररहै गर्भरहैइहउपायऋषकहै चौथोरोगकीटककरभाषै सोभीरजसबपूर्णचाषै तिसकरभोगसमेविचार कटिमोपीडाहोतअपार ताहिउपायसज्जीसाबून ऋतुत्रैदिवसनितधोवैजून कीटमरैआशामनधरै गर्भहोयइस्त्रीविधकरै पंचमदाहयुतदोषविकार सोदाहशुक्रकोंरक्तकरडार ताहिपरीचायोंहिउचारै भोगसमैपीडापगधरै तिहउपायगुडकालाजीरा दालचीनीगुटिकाकरधीरा ऋतूकालत्रैदिवसमंझार जोनिमाहिनिसदिनतिहधार पुनगर्भधारकीहोवैआश ग्रंथकारमतकियोप्रकाश षटसोंसीतलजिहजोनीपरै सिथलपडैकछुसुधनाहिधरै कुर्कुटविष्टामघामंगाय गुटिकाकरऋतुकालसमाय तीनदिवसजोनीमोराखै सिथलहरैफुनगर्भप्रकाशै मातृदोषतासमोकहै सर्वअंगतिसपीडारहै भयमेंरोमखडेहोइजावै स्वप्नअधिकशांतीनाहिआवै मणिअरुमंत्रतंत्रप्रधान टूणाऔषधजानप्रमान तिसकरहोवैगर्भकीआश सातप्रकारइहकीनप्रकाश पुनमृतवत्साकहीप्रमान जांहीबालकहोवतहान तिहउपायप्रायश्चित्तहिकहै कर्मविपाकमतीसोलहै गर्भश्रावगर्भपातमंझार इस्त्रीउपायजानमनधार ॥

॥ अथगर्भउत्पादनविधिः ॥

॥ चौपई ॥ पुष्यनक्षत्रकेमंझार पुतलीस्वर्णपुरुषआकार स्वर्णअष्टपलकीकरकोय अष्टजुपलपयलीजैसोय अग्निमध्यपुतलीसुतपाय ताहुदूधमोंलेयबुझाय ऋतकेसमयर्पीवेपयसोय चिरंजीवपुत्रहिंप्राप्तहोय ॥ अन्यउपायः चौपई लक्ष्मणावटजटादुग्धपीसाय विंदुवामनासाजुचढाय ऋतुकेसमययहकरैविधान कंन्याजन्मेतियकोंमान ॥ अन्यच्च ॥ वलाअतिवलाअवरमुलट्ठ पायशरकरापीसइकट्ठ मधुघृतदुग्धमिलायजुपीवै पुत्रप्राप्ततिसनारीथीवै ॥ अन्यच्च ॥ गजकेसरपूगीफलआन दोनोसमयहचूरणठान दुग्धसहितपीवैऋतुकाल सुंदरउपजैतांकोंबाल ॥ अन्यच्च ॥ इसीकाथसमपयघृतपाथ ऋतुकालपीवेतीयगर्भधराय ॥ अन्यच्च ॥ मघांमरचआद्रकगजकेसर यहसमपीसैकरैइकत्तर घृतसोंपीवैऋतुकेकाल गर्भधरैसुंदरहोइबाल वंध्याभीजोपीवैयाहि गर्भधरैनिश्चयलषताही ॥ अन्यच्च ॥ दधिघृतदुग्धतिलनकोतेल करसोंमथैपात्रमोंमेल सहमघचूर्णपीवैऋतुकाल जन्मेतांकोसुंदरबाल ॥ अन्यच्च ॥ नितइकपत्रपलासकोलीजै तांकोसूक्ष्मचूरणकीजै दुग्धसहितनितगर्भणिपीवै पुत्रपराक्रमितांकोथीवै ॥ अन्यच्च ॥ पुष्यनक्षत्रकेमंझारै मूललक्ष्मणाकोजुउषारै कन्यासोंजुपिसावैसोई दुग्धसघृतसोंपीवैजोई स्नाताऋतजोकरहैपान जन्मेपुत्रताहिकोमान ॥ अन्यच्च ॥ कुडवएककलीजैतिलतेल कुडवएकवृषमूलसोमेल यहपकायऋतअंतमंझार पीवैताहिजोवंध्यानार पुत्रहिंप्राप्तनारिहोइसोय यामोंसंशयनाहिनकोय ॥ अन्यच्च ॥ पुत्रजीवमूलसपत्रपिसावै पीसदुग्धमोंताहिपकावै ऋतांतनारिपीवेतिसजोय दीर्घायुपुत्रप्राप्ततिंहहोय ॥ अन्यच्च ॥ पुष्यनक्षत्रजाहिं

दिनआवैं सितकंड्यारीमूलपिसावे दक्षिणनासाकेसोद्वार पीवैपुत्रजन्मेतिसनार ॥ अन्यच्च ॥ वटकीजटाअसनप्रवाल चूर्णकरैसमतीनोडाल गौसवर्णवत्साइकरंग पिवेतासदुग्धकेसंग पोवेपुष्यनक्षत्रहिंमांहि जन्मेपुत्रशास्त्रयोंगांहि रोमराजीवामेअंगजास जानलहोकन्याहोइतास रोमराजदिहनेअंगजोय पुत्रताहिइस्त्रीकोहोय ॥ इतिगर्भोत्पादनविधिः ॥

॥ अथपौरुषीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ शालीतंडुलदुग्धकेसाथ भोजनकरैजुनरसुनगाथ अथवामाषकोभोजनकीजै दृढ़होएवीर्यसोसुनलीजै आनंदयुक्तपुरुषहोयजवै दृढधीर्यतुमजानोतवै योनिरोगकहेवीसप्रकार उनतेंयोनिजुशुद्धनिहार ऋतुकालयुग्मदिनजानेशुद्ध विचारभोगकरअपनीबुद्ध ताहिसमेकुक्षीमंझार स्थितवीर्जहोयदेषविचार भोगसमेयहमंत्रउचारे सोहमलिखथोजुग्रंथमझार मैथुनश्रमनहिजवतकजाय ऊर्धमुखहोयनारिरहाय अधिकवीर्जतेंसुततुमजानो ऋतूअधिकहोयकन्यामानो ऋतवीर्जहोयजवहीसमान तांतेंभिंडुलाउत्पतजान वीर्जपरेदोयधराहोय उत्पतयुग्महोततवसोय इसविधइस्थितगर्भकीजान आगेऔषधकरोंवषान अथमैथुनसमयकामंत्र ॐआहिरसिआयुरसिसर्वतः प्रतिष्टासिद्धयता न्विद्धातुब्रह्मवर्चसाभवे दितिब्रह्माप्रजापतिर्विष्णुः सोमः सूर्यस्तथाश्विनौभगोथमित्रावरणोवीरं ददतु मेसुतं इसमंत्रकाभोगसमेउचारणकरे अथफलघृतं चौपई मुत्थरकुठकौडत्रिफलाय दोनोरजनीवरचमिलाय मघकाकोलीक्षीरकाकोलि मेधारासनादंतीघोली देवदारुप्रियंगुमुलट्ठविडंग अजमोदविशालाउत्पलसंग दोइचंदनजुसारवादोय वंशलोचनशतावरिसंजोय महामेदाकटफलअरुहिंग जातीपुष्पशरकरासंग यहकर्षकर्षघृतप्रस्थमिलावै चतुर्गुणदुग्धसुपायरलावै पुष्यनक्षत्रजवैलषपाय गोमयअग्नीताहिपकाय ताम्रपात्रमोताहिधरावै अथवासुष्टकलशमोपावै यहघृतपुरुषपानकरैजोय बृषभन्यायइस्त्रिनमोंहोय वंध्याइस्त्रिपीवैजास गर्भधरैनिश्चयकरतास अस्थिरगर्भापीवैजोय इस्थिरगर्भनारिसोहोय अल्पायुपुत्रवतीजोपीवै चिरायुपुत्रजन्मेसुखथीवै फलघृतनामयाहिकोजान भारद्वाजऋषिकीनवषान इतिफलघृतं अथमहाफलघृतं चौपई मंजीठमुलट्ठकुठत्रिफलाय मेदावरचअरशर्करापाय अजमोदादोइरजनीआन क्षीरकाकोलीउत्पलठान हिंगुकौडअसगंधदोइचंदन कुमुदद्राक्षसमयहदुःखकंदन कर्षकर्षइन्हकोपरिमान घृतइकपायप्रस्थसुनस्यान दुग्धशतावरिरसषुनलीजैं चतुर्गुणघृतमोपायपकीजैं इसघृतकोजोऊनरपीवें इस्त्रिनमोंबृषभइवथीवै वंध्यापियेपुत्रतिसहोय कन्याजननीसुतजनैसोय अस्थिरगर्भाषावैजास इस्थिरगर्भहोइहैतास मृतपुत्रानारिजोषाय जीवनपुत्ररहेंसुखपाय अल्पायूसुतहोइदीर्घाय इतन्योकोंयहघृतसुखदाय मूललक्ष्मणावैद्यसुजान सोभीयहघृतकरैमिलान ॥ अथशतावरिघृतं ॥ चौपई ॥ लेयशतावरिअवरविदारी भषडेमाषमकरटीडारी भिन्न भिन्नइन्हकोंकरैकाथ काथप्रस्थप्रस्थघृतसाथ चारप्रस्थसंगदुग्धमिलावै मंदअग्निसोंताहिपकावै जोगुणपूर्वघृतकरैवषान सोऊयाकंघृतमोंजान अन्यउपायः चौपई विधारामूलघृतदुग्धपकावै पियेपुरुषअसगुणलषपावै ताहूकेवीर्यकेसंग उपजैपुत्रसुष्टबहुचंग ॥ इतिगर्भोत्पादनपौरुषीचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथगर्भवतीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ छर्दहोयअंगपीडाजास थुकथुकीरहेनिरंतरतास रोमहर्षसबतनमोंदेषें स्तनमोंश्यामताआनसुपेषे मनमोंग्लानिहोवतजास उदरशब्दबिनरहेतिनतास नेत्रकुक्षिहोयमैलनिषिद्ध गर्भणीलक्षणजानप्रसिद्ध

॥ अथइस्त्रीगर्भप्रथममासादिचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ गर्भिणीप्रथममासमंझार करतरहैसुनयहउपचार मुलट्ठीशाकवृक्षकेबीज काकोलीसुरदारुलीज दुग्धसंगनितकरेजुपान चिकित्साप्रथममासकीमान पुनद्वितीयमयमासपरयंत अस्मंतकश्यामतिलपयतंत त्रितीयमासयहकरउपचार सोमवल्लीशतावरीडार दोनोयहसमपीसरलावै दुग्धसाथपीवैयोंगावै चर्तुथमासयहकरउपचार वंदांपयस्यादुग्धाहार पंचमसारवाउत्पलप्रियंगु यहसमपीसपियेपयसंग षष्टममोंयहकरउपचार अंनतासारवारासनाडार पद्ममुलट्ठीपीसमिलावै दुग्धसाथसमपानकरावै सप्तममोंसिंघाडेभेह द्राक्षमुलट्ठीसितामिलेह यहसमपीसदुग्धसोंपान करवावैऐसेंलषमान अष्टमविल्वकंक्ष्यारीदाय कपित्थपटोलइक्षुसंजोय यहमूलदुग्धासिद्धकरैपान मैथुनअष्टममोंनहीमान जोअज्ञानसोंमैथुनकरै तौगर्भपतितहोइभूपरगिरै अथवाबालअंधहोइजावै वधरमूकवाकुवजाथावै नवमेमासमाहियोंजान अनंताअवरमुलट्ठीआन सारवाअवरपयस्यापावै दुग्धसाथयहचूरणपिवावै दशममासजबप्रापतथीवै सुंठपकायदुग्धसोंपीवै यहजुचिकित्साकीनउचार गर्भिणिकोबहुहैहितकार ॥

॥ अथगर्भशूललक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मासएकादशप्रविशैजवै शूलहोयगर्भिणिकोतवै

॥ अथगर्भशूलयानीशूलेचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ तांकीऔषधकरोंवषान सुंठदुग्धसोंकरहैपान ॥ अन्यच्च ॥ शिवाक्षीरकाअरुसुरदार उत्पलमजीठमुलट्ठीडार यहसमपीसदुग्धसंगपान शूलशांतिहावैयोंजान ॥ अन्यच्च ॥ सिताविदारीकाकोलीय क्षीरकाकोलीसमयहकीय अवरमृणालतासमापाय चूर्णपीसमहीनवनाय दुग्धसाथयहकीजैपान द्वादशमासशूलकीहान ॥ अन्यच्च ॥ कासाकुशाएरणकोमूल गोषुरमूलसभीसमतूल दुग्धमिलायपकावैतास खायेससिताशूलहोइनाश ॥ अन्यच्च ॥ कसेरूउत्पलपद्मसिंगारै एरंडजीवनीशतावरिडारै इन्हसमसोंजुदुग्धपकाय पायशरकरापीदुःखजाय ॥ अन्यच्च ॥ उदुंवरविल्वप्रियंगुलेलीजै अवरवटजटापायपकीजै गर्भिणिनारपानकरैतास होइहैगर्भशूलकोनाश ॥ अन्यउपायः ॥ पतितगर्भजोहोवैनार तांकोभाषोंसुनउपचार करहेसोयमद्यकोपान तासविकारसबहोवेहान ॥ अन्यच्च ॥ मुथसिंगाडपद्मकलीजै उत्पलषष्टींतंडुलदीजै मुद्गमुलट्ठीतासमोपावै दुग्धशर्करापायपिलावै गर्भशूलकीपीडाजाय अवरगर्भच्युतपीडमिटाय हिंगुमघांपाटलीपतीस चवकभिडंगीसुंठीपीस मेदारासनासबसमलीजै पीसलेपजोनिपरकीजै कोमलयोनिहोयहैतास योनिशूलभीहोवैनाश ॥ अन्यच्च ॥ भंगरामूलविल्वमदरासंग लेपैयोनिशूलहोयभंग ॥ इतिगर्भशूलचिकित्सा ॥

॥ अथगर्भणीज्वरअतीसारचिकित्सा ॥

॥ अथक्काथः ॥ चौपई ॥ चंदनमुहूंउशीरमुलठ्ठ पद्मसारवाकरोइकठ्ठ इन्हसमहूंकोकीजैक्काथ पीये-शरकराअरुमधुसाथ गर्भिणिनारीकोज्वरजावै तासचिकित्सायोंलषपावै ॥ अन्यच्च ॥ चंदनलोधरद्राक्षमंगावै सारिवासमकोक्काथवनावै पायशरकरापीवैतास गर्भिणिज्वरकोहोवेनाश ॥ अन्यउपायः ॥ अजाक्षीरसोंसुंठमिलावै गर्भिणिनारिविषमज्वरजावै ॥ अन्यच्च ॥ अवअवरजंबूसमक्काथ लाजास-त्तूमेलोसाथ मधुरलायपुनचाटैसोय संग्रहणीनाशगर्भिणिकोहोय ॥ क्काथः ॥ वालाअरुलूवताउंउ-शीर रकतचंदनधनियांपर्पटवीर मुथरजवांहागिलोयपतीस कीजेक्काथसभीसमपीस ज्वरनाशैपीयेगर्भिणिनार जायअतीसाररक्तअतिसार ॥ अन्यउपायः गोधामांसपकायजुषाय वातपित्तकफजमिटजाय ऐतेरोगहोयंहैनाश अवरवालग्रहदोषविनाश ॥ अन्यच्च ॥ पारावतकीविष्ठाआन तंडुलजलसोंगर्भि-णिपान गर्भपातउपरंतविकार नाशैगर्भश्रावनिरवार ॥ इतिगर्भिणिज्वरचिकित्सा ॥

॥ अथगर्भिणीउपद्रवः ॥

॥ चौपई ॥ जवइस्त्रीकोगर्भगिरजावै सोकारणइहदुःखप्रगटावै दाहशूलहोयपसलीपीर पृष्टपीडहोयजानोधीर जोधर्महोयवहुनविचार मूत्रमंदहोइउतरेधार सोउउपद्रवनामवषानो गर्भगिरेतेंउत्पतजानो

॥ अथगर्भिणीस्त्रीकेअफारेकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ वरचरसोंतहिंगुकालालौन इनमैदूधऔटावैतौन पीवेइस्त्रीअफाराजाय चर्कऋषीइह-कहैउपाय

॥ अथगर्भिणीकेमूत्रउत्तरणेकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ कुशामूलपुनदूर्वामूल तीजोपायतिहकासजढतूल गौदुग्धमोंताहिपकाय पीवेइस्त्री-मूत्रछुडाय

॥ अथगर्भश्रावगर्भपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिन्हकारणतैंगर्भश्रवावै तिन्हकारणकोंप्रथमसुनावै अविघातहुतेंभयतेजान तीक्षणभोजनतेंपुनमान तीक्षनपानहुतेंभीसोय गर्भश्रावइस्त्रिनकोंहोय मासचारलगद्रवेसुश्रावै पंच-मषष्टशरीरगिरावै

॥ अथगर्भश्रावगर्भपातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ गर्भश्रावकेआदिउपाय करैतुगर्भश्रावनहिंथाय शीतलजलसिंचनअरुस्नान शीतललेपन-शीतलपान अरुशरकरासहितपयपीवै इन्होउपायकरश्रावनथीवै ॥ अन्यच्च ॥ रक्तकमलकोमूलमंगावै सितामुलठ्ठीतिलजुरलावे दुग्धसाथयहकीजेंपान पतितागर्भसोस्थिरकरमान ॥ अन्यच्च ॥ कुठशालिपरणीकोमूल छागमूत्रसोंपीसमतूल गर्भपातसोनाशविकार वैद्यकशास्त्रहिंकीनउचार ॥ अन्यच्च ॥ जीवनीयगणयुतजुपकावे अथवादुग्धपकायपिलावे तातेंगर्भनासनहिहोय वंगसेंनमतजानोसोय

॥ अथजिसइस्त्रीकावायुकर्केगर्भसूकजाइ ॥

तिसकालक्षणयत्न ॥ चौपई ॥ जिहइस्त्रीवायूगर्भसुकाय पेटवैटसूकादरसाय इहकारणतिसकर-णेजोग दूधमांसरसपुष्टकरभोग दूधपानकरैरुचिलाइ गर्भविकारउपरतेंजाइ

॥ अथगर्भणीमूढगर्भनिदानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मासलखोजोवालकगर्भ जोइस्त्रीनवदशमोंसर्ब वालकउपजैथाराहिंवार रोगगर्भनिश्चयजियधार गर्भश्रावकेकारणजोय उनकरमूढगर्भभीहोय जोइस्त्रीउदरमोंवायूकोपे कुक्षियोनिबहुशूलजुरोपै मूत्रबंधदुष्टताकरै चारप्रकारमूढतावरै सोप्रकारपवनकरजानो चारअथवाअष्टकरमानो कीलकप्रतिखुरपरिघअरुवीज मूर्द्धवाहुचरणपसरीज आठप्रकारवालककुक्षिरहै गर्भवासइहविधिबुधकहै पवनकोपतेंशय्यात्यागे योनीद्वारमोंआनसुलागे तांतेंमूढजुगर्भकहाय निदानग्रंथमतादियोवताय अधमैंभिन्नभिनतिंहलहौं आठप्रकारकेलक्षणकहौं

॥ अथकीललक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ चरणभुजाअरुशिरयहतीन योनिद्वारहोयआनसुलीन योनीमुखमोंकीलकीन्याय आनलगेसोकीलकहाय

॥ अथप्रतिखुरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हस्तपादभगवाहरआय तौजानोप्रतिखुरलषपाय योनिमूढमेंअर्गलन्याय लागैपरिघसुनामकहाय ६

॥ अथवीजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ योनिमूढदोभुजशिरअटके वीजगर्भतिहजानबुद्धकरके योनिमूढमेंपीठजुअटके अथवापसलीताहीअटके योनीमूढतवनीचेजाय पसलीपीठयवहिअटकाय आठप्रकारमूढगर्भहिकहै उत्पत्तिताहिपरीक्षाअहै

॥ अथअन्यप्रकारमूढगर्भलक्षणम् ॥

चौपई ॥ वातमूढगर्भरुजकरै योनिजठरमोंपीडाधरै मूत्ररोधवातप्रगटात योनिमध्यप्रगटतउत्पात डिंगोटेढोगर्भसुकरै वालकआनद्वारमोंधरै योनिद्वारसोवालरुकावै नहिनिकसेवहुदुःखप्रगटावै शिरअरुजठरपीठसोंसोऊ एकहस्तइकभुजसोंवोऊ अथवादोइकरदोइभुजसंग एकोपादद्विपादनसंग योनिजअंगनभगकोद्वार रुकेवालदुःखदेतअपार

॥ अथमूढगर्भअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शरीरनसासबहोवतश्याह मूढगर्भकेलक्षणताह नीचेशिरहोयनारीतास यवनकरैयहकष्टप्रकाश तांतेंनारिशीतलहोयजावै निरलज्जहोइवहुव्याकुलपावै गर्भनाशतासकोकरै अथवागर्भहिसोपरिहरै यहगतितांकीकीनवषान आगेंसुनहोंपुरुषसुजान केतीनारिनकोजुस्वभाय गर्भहुतेंवहुरुजप्रगटाय केतीकोजुगर्भहोइनाश रोगदूरहोइजावैतास

॥ अथमूढगर्भचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मूढगर्भनारीजवजाने शीघ्रचिकित्सातांकीमाने दाईचतुरजुऐसीहोय वालकवहुतजनावेजोय ऐसीकोतत्कालबुलाय करैचिकित्सातांकीआय अपनोहस्तयोनिमोधरै डींगोवालकसूधाकरै जीवतवालकवाह्यनिकारे पाछेऔषधयोनिमोधारे यातेंगाढीभगहोइजाय ऐसीऔषधकरैवनाय

॥ अथमृतगर्भनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ पिताभ्रातवासुतवास्वामी जासतियाहोययमपुरगामी अथवाकोऊधनहरजावै अथवाचोटशरीरलगावै इनकारणहोयकष्टजुभारी तातेंमृतगर्भाहोयनारी उदरमोंवालकमृतहोयजवै बहुतकष्टहोयनारिनतवै

॥ अथमृतगर्भलक्षणम् ॥

चौपई ॥ जासउदरवालकमरजावै उर्धश्वासदुर्गंधसुआवै अचलगर्भहोयशोथशरीर प्रसववेदनानहिंहोयधीर वैठनपर्सामूत्रसुजान इनकानासजोहोवतमान उदरकठोरअरुसीतलजास भ्रमतृष्णाक्रमपीडातास वरणतासपीतवास्याह उदरवालमृतलक्षणताह जतनकरैपरजामेंनाहि असइस्त्रीमृतप्राप्तथाहि

॥ अथमूढगर्भमृतगर्भचिकित्सा ॥

चौपई ॥ जाकोगर्भमृतहोयजाय चतुरवैद्यतिसकरैउपाय चिकित्सायोनिद्वारसोकरै चातुरताअपनीअनुसरै शस्त्रसाथतिसगर्भछिदावै ऐसेवालमृतकनिकसावै जैसेनारीकीरक्षाहोय करैचिकित्साऐसेंसोय जीवतवालजुगभलषावै अरुतांकीमातामरजावै तौनारीकोउदरछिदाय जीवतवालकोंनिकसाय अरुतिर्यकगर्भनारीजिसहोय तासउपायकहोंसुनसोय तासगर्भमर्दनअनुसार आनधरावैयोनिद्वार अरुनारीकीरक्षाकरै असचतुराइअपनीधरै उदरगर्भमृतराहिननदेय शस्त्रछेदवाहिरकरतेय अथवाऔषधवेगअनुसार वाहिरमृतकगर्भसुनिकार मृतकगर्भजोनहिनिकसावै तौतांकीजननीमरजावै

॥ अथअन्यप्रकारमृतगर्भलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिसइस्त्रीउदरवालमरजाय तिसतेयोनीमुखहिरुकाय कुक्षिशूलवापूर्वविकार ताहीमृतवालकमनधार

॥ अथमृतगर्भयत ॥

॥ चौपई ॥ जिहगर्भहिमोंवालकमरै दाईताहिजुगतीयहकरै भगमोंपैनानस्तरडाल मृतवालगर्भकेअंगउखराल जुगतीसेंतिहवाहिरनकरे नहिकाटैतवइस्त्रीमरे पुनः उष्णनीरकरभगकोधोवै घृतवातैलकेसंगभिगोवै मर्दनकरैजुसहजसुभाय फिरशूलादिकनाहिरहाय ॥ पुनः कटुतुंवीपत्रअवरलेलोधर समपीसैदोनोअतिहितकर लेपकरैयाहीभगहीको दुःखकाटसंकोचसुभगको ॥ पुनः ॥ पलासपापडाफलजुउदंवर कायफलसमकूटोअत्यंतकर तिलतैलरालइभगामोंलेपै गाठीहोइभगकछूनरोपै याहीविधइकीसदिनकरे भगकोकवीरोगहिंवरै ॥ पुनः ॥ सर्पकांचलीकुष्ठफुनसरसों तीनइकत्रपीसअतिहितसों कटुतैलमेलभगधूनीदेय रोगसकलइस्त्रीहरलेय पुनः कलिहारीकीजढऔटाय तिहजलहस्तपादलेपाय मृतबालककादोषहरैसो भावप्रकाशमतकहासुहितसों.

॥ अथगर्भच्यवनचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कष्टवतीनारीजोहोय प्रसूतगर्भहोवेनहिसोय तांकोसुनोउपायवताऊ मंत्रयंत्रआदिकदर्शऊ अथमंत्रः ओंइहामृतश्चसोमश्चचित्रभानुश्चभाविनि उच्चैश्रवाश्चतुवर्गोमंदिरेनिवसंतुते इदममृतमपांसमुधृतंचैतबलघ्युगर्भमिमंविमुंचतिस्त्री तदनलयवलार्कवासवस्तेसहलवणांबुधैर्दिशंतुशांति मुक्तापाशाविपाशांच मुक्तासूर्येणरश्मयःमुक्तःसर्वभयाद्गर्भएह्येहिमाचिरमाचिरस्वहा इतिमंत्रः ॥

॥ अथयंत्रः ॥

१६	२	१२
६	९	१४
८	१८	४

॥ चौपई ॥ मंत्रपडैजलपरसतवार ताहिपिलावैकष्टनिवार अरुलिखयंत्रदिषावैतास मुंचगर्भहोइ-सहितहुलास ॥ अन्यउपायलेपः ॥ फालसेजढशिलाजीतमंगावै वाशालिपर्णीजढकोंपीसावै नाभिना-भितललेपनकरै मुखसोंहोइप्रसूतिदुखटरै ॥ अन्यच्च ॥ लांगलिमूलतुषजलहिपिसावै हाथपादले-पेसुखपावै ॥ अन्यच्च ॥ तालमषाणेकीजढआन सितासहितचर्वणमुखठान सोचर्वणतियकांनोपूर सुखप्रसूतिहोइदुःखहोइदूर अन्यच्च अपामार्गकीशिखामंगावै योनिलेपप्रसूतलषावै लेपपाठामूलफाल सेमूल लेपेहोइप्रसूतिविनशूल अन्यच्च मूलशालिपरणीअनवावै नाभिनाभितलयोनिलिपावै सुखप्रसू तगर्भिणीनारी यहनिश्चयअपनेमनधारी अन्यउपायः ॥ अंगुलीमाहीलपेटेकेश अंगुलीकंठकरेपरवेश घर्षणतेसुखउपजेनारी प्रसूतजनेच्छणतेंसुविचारी ॥ अन्यच्च ॥ केवलपाठापत्रपिसावै ताहिदुग्ध-सोंनारिपिवावै सुखसोंप्रसूताहोवैसोय यहनिश्चयआनोमनजोय ॥ अन्यच्च ॥ वांसापत्रकोरस-निकलावै योनीलेपकरेसुखपावै ॥ अन्यच्च ॥ मुलठीअवरावियोरामूल पीसोमधुमिलायसमतूल पीवेतांकोघृतकेसंग सुखप्रसूतहोवैदुःखभंग ॥ अन्यच्च ॥ इक्षुकोउत्तरमूलमंगावै इस्त्रीतनुसमतंतु-मिनावै सोवांधेगर्भिणिकटमाहि सुखप्रसूतिहोसंशयनाहि ॥ धूपः ॥ कटुतुंवीवीजसरषपसमआन सर्पकंजलेआनमिलान यहतीनइकत्तरपीसवनाय कटुतैलमिलायभगधूपधुषाय सुखप्रसूतिताहोवेनार यहनिश्चयअपनेमनधार ॥ अन्यच्च ॥ भुर्जपत्रगुग्गुलसमआन पीसेचूर्णसमदोऊठान गर्भणिऊरूम-ध्यधुषावै सुखप्रसूतिहोवैदुःखजावै

॥ अथइस्त्रीप्रसूतिक्रयाउपायः ॥

॥ चौपई ॥ चतुरतीप्रयसूतिमंझारै स्वहस्तसाथवालकहिनिकारै गर्भणिकेदोइपार्श्वदवावै वालककोवाहिरनिकसावै कंपावैगर्भणिकोजोय तौभीजन्मवालकोहोय अरुमर्दनतैलयोनिमोंकरै तौभीजन्मवालकोपरै

॥ अथइस्त्रीप्रसूतानंतरउपायः ॥

॥ चौपई ॥ बालकवाहरनिकसरहैजवै उदरउष्णतोयसिंचयतवै अवरजुयोनिनिपीडनकरे योनितेरुधिरवाह्यकरधरे यातेंउदरविकारविनाशें वैद्यकमतयाभातिप्रकाशें अरुरच्छाकरेवातविचार मतउपजैकोइरोगविकार जाहिसमेरच्छानहीकरे मकल्लकरोगआनसंचरे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ लंघनस्वेदनमर्दनजान यहविधरात्रीतीनप्रमान कटुतीच्छणउष्णवस्तुकेसंग दुग्धकाढलेवेअतिचं-ग पायशर्करापीवेनारी अवरजवागूपियेविचारी उदरशुद्धिकरतांकेपाछे यवच्छारआनमनधारेआ-छे उष्णजलवाघृतकेसाथ पीवेनारीयहसुनगाथ

॥ अथप्रसूतानंतरमकल्लकरोगउत्पत्तिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जाहिस्त्रियाकोवालकहोय रूक्षवस्तुवातलचरैजोय तीक्ष्णवस्तुपिपलामूलादि मिलैनाहिजोहैरेउपाधि तांकोवायुनाभिकेनीचे वादोनापसलीकेवीचे रोकेरुधिरजुगांठउपजाय मकल्ल-कनामतासकोगाय हृदयअवरजोनाभिमंझार उदरपकाशयकोपरिहार गांठकरैअरुशूलतिहवरै अवरअफारमूत्रवंधकरै तांकोवैद्यमकल्लककरकहै कठिनरोगगुणियनतिहलहै

॥ अथमकल्लकरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ त्रिकुटाअवरत्रिजातकलीजै धनियांपायजुचूरणकीजै पुरातनगुडकेसंगजुखाय रोगमकल्लकतातैंजाय ॥ अन्यच्च ॥ यवअरुकोलकुलत्थमिलाय मुद्गमाषषशमूलरलाय आढकजल-सोंक्काथवनावे पादशेषरहेवस्त्रछनावे तक्रमेलकरयूषजुकीजै कर्षप्रमाणघृतमोंभुनलीजै जीरालवणजुसं-गरलाय शालीभातकेसाथखुलाय अथवाकीजैनारीपान रोगमकल्लकहोवतहान अवरप्रसूतीरुजसब-नाशै जैसेशंकरत्रिपुरविनाशै ॥ अन्यच्च ॥ अग्निमंथप्रसारणीलीजै मेषशृंगीनिर्गुंडीदीजै अवरसुंठले-स्वरसकढाय कटूतैलमोंभुंनवनाय हिंगूजीरकतासरलावे ताहिस्वरससोंपथ्यखुलावे अथवाकीजैनारी-पान रोगप्रसूतीहोवतहान ॥ इतिमकल्लकरोगचिकित्सा

॥ अथअन्यप्रकारप्रसूतिकारोगनिदानम् ॥

दोहा मिथ्याहारक्लेशकरविषमआसनफुनजान रोगप्रसूतीहोतहेअजीर्णतेंतियमान चौपई प्रसूतिसम-यजन्मेजोवाल पवनप्रवेशकरैतिंहकाल तांतेंकीजैतनाविचार होयनजायवातसंचार जोकदाचित-प्रविशवात कुक्षस्थानकरैउत्पात शूलअफाराज्वरप्रगटावै अंगमर्दतृष्णाउपजावै तनुभारीजुकंपअ-तिसार शोथप्रलापहोवेतिसनार वालकजन्मह्युयेउपरंत जेजाकोनहिंयत्नकरंत तिसइस्त्रीयहहोय-विकार तांतेंकीजैयत्नविचार यहप्रकारप्रसूतिवृतंत भाषसुनायोसबहिलहंत कछुआगेभीकरोंवषान जिन्हकरजोगप्रसूतीहान ॥ इतिप्रसूतिकानिदानम् ॥

॥ अथप्रसूतिकारोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ दशमूलक्काथसंगचूर्णपतीस पीवैहोइप्रसूतरुजषीस ॥ अन्यच्च ॥ यवलेकोलकुल-त्थरलाय अवरजुशालीमूलमिलाय यूषवनायजुपीवैनारी रोगप्रसूतीदेतजुटारी अन्यच्च अगुरपिप्पली-पिंपलामूल देवदारुमुत्थरसमतूल महीनपीसतक्रकेसंग यूषवनावेवहुअतिचंग घृतपाययूषजोपीवे नारी प्रसूतीरुजसबदेतजुटारी ॥ अथपिप्पल्याद्यंघृतम् ॥ मघांपिप्पलामूलजुआने चित्राचवकगजपी-पलठाने धनियामुत्थरवरचमिलाय हरडहरिद्राभार्गीपाय देवदारुइंद्रयवलीजै दोयजवानीविल्वकथ-दीजै पंचकोलअरुकुलत्थविडंग वृहतीपंचलवणधरसंग यहसबवस्तुभागसमलीजै प्रस्थएकघृतता-मोंदीजै प्रस्थदोयदधिदुग्धमिलावे मंदअग्निसोंताहिपकावे घृतकोमर्दनकरेशरीर रोगप्रसूतिहरेसो-धीर प्रसूतिरोगसबनाशैतैसें इंद्रवज्रतेंपर्वतजैसें जोनिरोगहैवीसप्रकार मर्दनतेंसबटारैनार ॥ अन्यच्च लघुकंड्यारीएरणमूल सुंठीकणाकाथसमतूल मधुमिलायकरपीवैतास होयप्रसूतिरोगकोनाश ॥ अन्यच्च ॥ पंचमूलिकोकाथवनावै सलवणतैलउष्णसंगपिलावै होयप्रसूतिरोगकोनाश ऐसोंगुणल-षलीजैतास ॥ अन्यच्च अवरवातहरकाथपिलावै वंधनस्वेदमर्दनकरवावै ॥ अन्यच्च ॥ नीलनीवल्कल-

कल्कवनावे घृतवाकांजीसंगपिलावे प्रसूततियाकोशूलविडारे यहनिश्चयअपनेमनधारे ॥ अन्यच्च ॥ वायविडंगकाचूर्णकीजै वासीजलवाघृतसंगपीजे कृमिजरोगनारिनकोजाय वंगसेनमतदियोवताय ॥ अन्यच्च ॥ सहचरीमुथ्रकौडपटोल विल्वगडूचीवालातोल क्वाथकरेमधुपायपिलावे ज्वरअरुशूल-प्रसूतिकोजावे अन्यच्च ॥ वालाधनियांमुथ्रउशीर स्योनाकवलाअरुपर्पटधीर चंदनरक्तगिलोयजवाहां अवरपतीसरलावेताहां यहसमकीजैक्वाथवनाय पीवतरोगप्रसूतीजाय गर्भणीरुजकोभीयहटारे ग्रंथका-मतयाहिउचारे ॥ अन्यच्च ॥ पंचमूलक्वाथमंझार लोहतपायतांहिमोंडार पीवेयहभीहितहैतास अवर-उपायकरोंप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ तप्तलोहमदरामोंपावे सोपीवैप्रसूतरुजजावे ॥ अन्यच्च ॥ गिलोयसहचरीमुथ्रनागर तजपत्रवलापंचमूलधर यहसमक्वाथमधुपायपिलावै वातविकार-प्रसूतीजावे ॥ अन्यच्च ॥ कुलत्थसहचरीपुष्करमूल क्वाथकरेयहलेसमतूल हिंगुलवणसोंता-हिपिलावै रुजप्रसूतिसहज्वरभगजावै ॥ अन्यच्च ॥ मुत्थरगुडूचीसहचरीआन भद्राउरुकटसुंठीठान यहसमक्वाथमधुसहितापिलावै प्रसूतिशूलज्वरनाशकरावै ॥ अन्यच्च ॥ वरचकुष्ठसुंठसुरदार मघांकाय-फलमुत्थरडार हरडकिरायताधनियांजवाहां गोखुरुगजपिप्पलदेताहां अवररलावेकर्कटशृंगी कौडधमा-हापायसुचंगी जीराश्यामगिलोयपतीस कंड्यारीसमऔषधपीस अष्टविशेषक्वाथसोकीजे सेंधाहिंगुस-हितसोपीजे प्रसूतीशूलवातमिटजावै ज्वरमूर्छाकासकंपशिरघावै प्रलापदाहतृष्णाहोइनाश अतीसार-तंद्रासुविनाश ॥ अन्यच ॥ दशमूलमिलायजुदुग्धपकावै पादशेषशरकाररलावै इहविधिनारीपीवैतास प्रसूतिउपद्रवहोवैनाश अन्यच्च सुंठपिप्पलीपिप्पलामूल एलाहिंगुभिडंगीतूल रासनावरचजवायणपती स यहपीवेघृतसोंसमपीस अथवायाकोक्वाथपिलावै रोगप्रसूतीकोमिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ वातहरनसों-दुग्धकढाय दशदिनपियेप्रसूतदुःखजाय अथशिरोरोगउपायः चौपई विजोरामूलमल्लकामूल मुथ्रविल्व पीसेसमतूल लेपेसीसरोगमिटजावे तांकोगुणअैसेलखपावे ॥ अथरेचनचूर्ण चौपई त्रिकुटाहोवेरचवक-चित्राय पिपलामूलविधारापाय दोइरजनीजीरायवच्चार तीनोलवणपीसतिंहडार यहसमचूर्णतप्तजल-संग पीवैरेचनहोंहिअभंग ॥ अन्यच्च अथपंचजीरकगुडः ॥ होवेरशतावरीजीरालीजै वदरीफलपुनधनि-यादीजै दोयजवानीमेथिकापावे हिंगुपत्रीकर्दवरलावे चवकापिप्पलीपिप्पलामूल चित्रापावेतामोतूल पलपलभरसववस्तूपाय सभीकूटकरकल्कवनाय मुत्थरशुंठीकुष्ठपुनलीजे चारचारपलमानधरीजे शत-पलगुडघृतप्रस्थमिलावे एकप्रस्थतिहदुग्धरलावे मंदअग्निसोंलेयपकाय वलअनुसारनिताप्रतिखाय रो-गप्रसूतीतांतेंजाय योनीरोगसवदेतहटाय अथखंडनागरं चौपई लेवेघृतपलअष्टप्रमाण दोयप्रस्थति-हदुग्धमिलान सुंठीअष्टपलपावेतास खंडरलावेपलपचास मंदअग्निसोंतासपकाय पाछेचूर्णयहजुमिला-य धनियांपावेपलजोतीन शतपुष्पापलपंचसुलीन त्रिकुटामुथ्रचवकविडंग भंगुराअरुदोयजीरसंग पंचपं चजहभागधरावे खंडमाहिजोपीसरलावे स्निग्धपात्रमोंधरेवनाय वलअनुसारनिताप्रतिखाय तृषाछर्दजु रदाहजुशोष श्वासकासकोकरेजुमोष अरुचीप्लीहाकृमिरुजहरे कामअग्निसंदीपनकरे प्रसूतीरुजसवदेत-हटाय औषधिसिद्धदियोजुवताय अथसौभाग्यसुंठी सुंठीपलजुअष्टपीसाय घृतपलवीसलेतासमिलाय आढकदुग्धतासमोंपावे खंडपचासपलआनरलावे शतावरीत्रिकुटाजीराआने त्रिसुगंधयवानीमुथ्रठाने शतपुष्पाचवकअवरलेचित्रा पलपलपीसलेपात्रोमित्रा मंदअग्निसोंसिद्धकरावे लोहरूपकरपात्रधरावे वलअनुसारप्रातउठखाय प्रसूतीरुजसवदेतहटाय आयूवलअरुवरणप्रकाशें वलीपलितकोदूरविनाशें

युवाअवस्थास्थिरकरराखे अग्निवृद्धीकरग्रंथजुभाखे रोगमकल्लकशूलविडारे आमवातकेरुजसबटारे सौभाग्यकरीयहसुंठीजानो वंगसेनमतकह्योसुमानो इतिप्रसूतिकाचिकित्सा

॥ अथप्रसूतिउपद्रवः ॥

॥ चौपई ॥ ज्वरअतिसारजुशोथअफार तंद्राशूलअरुचीविचार वलक्षयक्षीणमांसकोयोग कफ अरुवातकेउपजैंरोग उपरंतप्रसूतीउपद्रवजानो वैद्यकमतकहेसोईपछानो

॥ अथक्षीरशोथलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ केतेरोगस्तनमंझार प्रगटावतकफवातविकार जिन्हकरदुग्धनष्टहोइजावै कृशताजो-स्तनमोंदरशावै रक्तमांसइस्थितहोइदोष दुग्धस्तनकरडारेशोष

॥ अथक्षीरविवर्धनविधिः ॥

॥ चौपई ॥ भूमिकूष्मांडकोमूल सूक्ष्मपीसेमैदेतूल दुग्धसाथधात्रीपीवाय वधेदुग्धवालकतृताय ॥ अन्यच्च ॥ कमलअवरतंडुलसमआन दोनोसूक्ष्मचूरणठान दुग्धसाथपीवैतिसजोय दुग्धवधैवा-लहिंसुखहोय ॥ अन्यच्च ॥ आनेवनकरपासकोमूल कटुतुंवीमूललेहुसमतूल यहचूर्णकांजीकेसंगपीवै दुग्धवहुतधात्रीस्तनथीवै ॥ अन्यच्च ॥ कंदविदारीरसकोपीवै तोभीदुग्धअधिकबहुथीवै ॥ अन्यच्च ॥ मघांसुंठअजवायणआन दोइरजनीदोइजीरेठान विडसौंचलअरुपिपलामूल चवककरोचूर्णसमतूल कांजीसाथहिंपीवेनारी आमवातकफजायविकारी अग्निवधैपयहोयनिरोग सोदुग्धपानहोइबालकयोग ॥ अन्यच्च ॥ सेफालपत्रअरुथोंहरपत्र अषरोटपत्रसमाचित्रपत्र कांजीसंगपकायपिवावै दुग्धवधैकफ-वातनसावै

॥ अथगर्भदूरकरनेकाउपाय ॥

॥ चौपई ॥ तालीसपत्रअरुगेरीलीजै दोदोटंकप्रमाणधरीजै महीनपीसशीतलजलपावे ऋतुचौथे-दिनपानकरावे तासनारकोंगर्भनहोय निश्चयजानोमनमोसोय ॥ अन्यच्च ॥ ऋतूसमेदिनचौथेमाहि पर्पटमधुघृतआनोताहि महीनपीसभगलेपनकरे नारीगर्भकभीनाहिधरे ॥ अन्यच्च ॥ गाजरवीजकलौं-जील्याय पुरातनगुडकेसाथखुलाय गर्भगिरेनारीसुखपावे वैद्यग्रंथमतयाहिवतावे ॥ अन्यच्च ॥ चौले-रीजढपीसवनाय तंडुलजलसोंपानकराय ऋतूसमेंदिनपीवेपांच होवतवंध्याजानोसांच ॥ अन्यच्च ॥ ऋतूसमेंजढनिंवकीलेय विधिसोंभगमोंधूनीदेय तासतेंवंध्याहोवतनारी ग्रंथकारमतदेंषविचारी अन्यच्च कटुतुंवीसर्षपसपकंज तीनइकत्रकीजैसंग कटूतैलमोपायपिसाय भगमोंधूनीदेयवनाय गर्भपातहो-वेतत्काल विधवाकोमनहोयनिहाल पीपलवायविडंगसुहागा तीनोसमपीसिइकभागा ऋतूसमेदिन-पांचहींखाय गर्भउदरमोनहीरहाय गुडपुरातनइकटंकसुलीय ऋतूसमेदिनपंद्रांपीय इसकरतांको-गर्भनरहै भावप्रकाशमतयेहीकहै ॥ अन्यच्च ॥ निंवोलितेलतूंवाभरलेय पांचदिवसयोनीमोंदेय स्त्री-कोगर्भरहैनहिजान चर्कचिकित्साकीनप्रमान ॥ इतिगर्भपातनउपायः ॥

॥ अथइस्त्रीपुरुषवशीकरणचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वटपीपललूतागृहआन निजऋतरुधिरसाथपीसान सोसुकायगोरोचनपावै नारीमाथे-तिलकलगावै जिसजिसपुरुषकोदेषैसोय सोसोपुरुषतासवशहोय

॥ अथपुरुषरुचिउपजावनविधिः ॥

॥ चौपई ॥ रजनीदोइकमलकोकेसर देवदारुसमपीसनिकटधर नारीयोनिलेपकरैसोय तातैंबहु-रुचपुरुषहिंहोय ॥ अन्यउपायः ॥ नाडिसहितजोकमलपिसावै दुग्धसाथगुटिकाबंधवावै योनिमांहिं-गुटिकाधरैसोय सुरकन्यासमनारीहोय

॥ अथमुखसुगंधकरणउपायः ॥

॥ चौपई ॥ शुष्कइंदीवरफूलमंगावै तंडुलजलसंगतासपिसावै सायंसमेताहिकोंषाय मुखसुगं-धहोवैलषपाय

॥ अथदेहवल्लीपलितनिवारणउपायः ॥

॥ चौपई ॥ निरगुंडीअवरधतूराआन वांसाश्रीफलएकसमान इन्हकेपत्रमरकटीमूल अरुकोमल-दूर्वासमतूल रजनीश्वेतसर्षपापाय सबसमपीसनवनीतमिलाय देहमलैझुरडीहोइनाश वंगसेनमत-कीनप्रकाश ॥

॥ अथस्त्रीपुरुषविद्वेषनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ पुरुषतियाकोहोयविद्वेष तासकोवरणौंग्रंथजुदेष विद्वेषहोतहैंतीनप्रकार भिन्नभिन्नसौं-करोंउचार दैवदोषतेंएकहिजानो अदत्तपुरुषकृतदूसरमानो तंत्रमंत्रअरुऔषधिजोय करेसपत्नी-तीसरसोय लगननक्षत्रविरुद्धजोहोय विवाहकरेनरतांमोंजोय तातेंउपजितजोयविकार दैवदोषकृ-ततासविचार कालनेमनहितांकोजानो किसीसमेमोंउत्पतिमानो

॥ अथविद्वेषदैवदोषचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ तंडुलभातकीपुतलीदोय लेवनायअपनीबुधजोय गंधधूपवस्त्रादिकजेते आनैयुक्तकरे-सबतेते घृतवर्तीकोदीपजगावे मालाशुक्लपुष्पपहिरावे चारवर्णकीध्वजावनाय चारकोणमोंतास-धराय नारीपूजनदर्शनकरे चतुपथमार्गमाहितिसधरे अर्द्धप्रदोषसमेयहकीजै तातेंद्वेषरोगसबछीजै याहिमंत्रतिससमेउचारे आगेलिखियोग्रंथमंझारे ॥ हुंहुंवशीकुरुष्वस्वाहा ॥ ऐसीविधकोंकरेजुकोई दैव-दोषतेंमुक्तसुहोई

॥ अथअदत्तपुरुषकृतद्वेषचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ लाजावंतीमूलमंगाय गजमदअरुकर्पूरमिलाय अंगमोनारीलेपनकीजे अवरनारीनव-संगमिलीजे मनोहरधूपधुषायेअंग ऐसीनारीनवलेसंग भूषणवस्त्रपहिरेगात अरुशृंगाराकियेसुनवात गृहभीतरयहखेलकोंधारे परसपरसुंदरवचनउचारे आपसमेकरेवस्त्रक्रीडा घरकीजोसबत्यागेव्रीडा ऐ-सीखेलजोदेखेजवही वसीहोयनरताकेतवही कुमारीभोजनपाछैदेवे ताहूतेंनरकोवसलेवे ऐसीविधको-मनमोधारे अदत्तपुरुषकृतदोषनिवारे

॥ अथसपत्नीकृतविद्वेषचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ श्वेतपुनर्नवाकोलेमूल मयूरशिखायुप्रियंगूफूल अम्लसंगतिसक्काथवनाय दुग्धआनाति-समाहिरलाय योनीधोवेतांकेसाथ यहविधिपाछैकरसुनगाथ पिष्टअवरलेशूकरमास वितास्तिप्रमाण-पुतलीकरतास गंधधूपदीपादिकजेते आनयुक्तकरसबहीतेते पुतलीपूजनविधिवतकरे अपनेमनमो-

निश्चयधरे रात्रीप्रहरएकपरिमान मंत्रनकरत्यागेश्मशान कुमारीभोजनकीजैपाछै तांतेंमनमोंसुखहोय-आछै यहमंत्रतिससमेउचारे निश्चयकरअपनेमनधारे ॥ मंत्रः ॥ अघौराद्यप्रियंजननी हुंहुंवशीकुरुष्व-स्वाहा ॥ ऐसीविधीवनावेजोई द्वेषसपत्नीकृतहरसोई नागार्जुनयहतंत्रउचारे सोइलिखेयाग्रंथमंझारे इतिस्त्रीरोगनिदानचिकित्सा

॥ अथस्त्रीरोगेयोनिरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यरक्तपित्तकेसोऊप्रद्रकेजान पुननलिखेंयहजानकैलीजैसमझपछान ॥ दोहा ॥ वातव्याधकेपथअपथजेऊप्रथमवषान योनिरोगकेसोलखोअवरहुंसुनोसुजान पथ्यम् सठीचावलमुंग-भनीजै लाजासत्तूकनकलहीजै दुग्धमषीरखंडनवनीत चंदनकस्तूरीलहूमीत कदलीफलधात्रीफलजा-नो अवरपनसफलद्राक्षपछानो कस्तूरीकर्पूरजोचंदन विधिसोइन्हकोकीजेलेपन वुटणाशीतलपवनप-छान अरुसुगंधजलकोइस्नान अथगर्भणीपथ्यम् दोहा ॥ तृसराहिताप्रियवचनपुनरुचिप्रियकरनविहार अन्नपानप्रियपुनलषोएतेपथ्यविचार ॥ अथगर्भणीअपथ्यम् ॥ चौपई ॥ स्वेदवमनअरुवस्तुजु-खार रात्रिगमनवहुषेदविचार कठनासनअरुकलहपछान अप्रियदर्शनगुरुभोजनमान शोक-क्रोधभयव्रतनिराहार मार्गचलनअपथ्यविचार कावजकटुतीक्ष्णजुकषाय असभोजनजुअपथ्य-कहाय मोक्षणरक्तमहिषकोमास सीधाशयनअपथलषतास अकालजाग्रनपुनसुनलीजै गर्भणितियाअ-पथ्यकहीजै भारउठानवातलजोषाय वामनकुवजांधजुवालकजाय जोतियापित्तलवस्तूषाय सझुरडी-कृशकपोलसुतजाय जोतियाकफकरवस्तूषावै सहस्वेतकुष्टपांडुसुतजावै ॥ दोहा ॥ योनिरोगअरुगर्भ-णीपथ्यापथ्यअधिकार वरणसुनायेसमझकैलीजैनिजउरधार इस्त्रीरोगवषानियोप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिस्त्रीरोगेपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः ॥

॥ अथकर्मविपाकेयोनिविकारदोषकारणउपायौ ॥

अथकारणम् ॥ चौपई ॥ जोतियभर्तासंगमंझार संतुष्टनकरहैनिजभरतार योनिविकारताहिप्रगटावै तासउपायजोभाषसुनावै ॥ अथउपायः । चौपई ॥ कामदेवकीप्रतिमाजोय रूपेकीवनवावैसोय तिथि-त्रयोदशीताहिपूजाय ब्राह्मणकोंदेवैहितलाय योनिदोषतेंमुक्तिकहावै कर्मविपाकग्रंथयोंगावै ॥ दोहा ॥ योनिदोषवर्णनकियोकारणसहितउपाय प्रदरदोषकेरोगकोंभाषोंसुनचितलाय ॥ इतियोनिरोगदोष-कारणउपायौ ॥

॥ अथकर्मविपाकेप्रदररोगदोषकारणउपायौ ॥

॥ अथकारणम् ॥ चौपई ॥ जोभरतातेंभोजनआदि षावैमिष्टअन्नवहुस्वादि प्रथमस्वामिवि-नदीएजोय आपहिंषावैऐसीसोय अरुपरवधूकलंकलगावै यारप्रीतकरसुतहिंमरावै तांकोप्रदररो-गप्रगटात करहोंतासउपायविख्यात ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ सोपयस्वनीगौमंगावै वत्ससे-हितभलैंपूजावै करसंकल्पविप्रकोंदेय रक्तश्रावप्रदरमिटतेय इस्त्रिनकेयहदोषसुनाये अरुउपा-यकहिप्रगटजनाये जोअसमर्थदानमोंहोय कैरेकरायपाठजपसोय ॥ दोहा ॥ इस्त्रिदोषवषानियो कारणसहितउपाय जैसीग्रंथमतीकहीभाषारचीवनाय

॥ अथयोनिविकारदोषमाह ॥

॥ दोहा ॥ जोतियहोवेकुटिलमनपतिवैरनदुराचार योनिविकारातिहातियाकोंआनकरैपरिहार तिहउपायज्योतिषकह्योनिश्चयकरजियजान भोरउठतसतप्रक्रमापतिकोंईश्वरमान चरणधोएपदपूजकरताहिकैजलपान चालीदिनकेअंतरेयोनिरोगकीहान ॥ इति

॥ अथकर्मविपाकेस्त्रीरोगगर्भस्त्रावदोषकारणम् ॥

॥ अथकारणम् ॥ चौपई ॥ जेऊसपत्नीवैरअनुसार बालकहूंकाकरैसंहार तांकोगर्भस्त्रावहोइजाय तांकोंऐसेंकहोंउपाय ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ स्वर्णजनेऊदशवनवावै पलप्रमाणकेयोंलषपावै पुनयारांपलरूपालेय तांकोंपात्रघडायधरेय गांढअवरसमयज्ञपवीत मोतीयुक्तकरैसहप्रीत पंचगव्यसोंतिन्हैन्हिलाय घृतवारजतपात्रधरवाय पुनश्रीविष्णुचतुर्भुजजजै अरुपुनविष्णुमंत्रकोभजै गोघृतमिसरीतिलमंगवावै विष्णुमंत्रसोंहवनकरावै सहितदक्षिणाविप्रहिंदेय गर्भस्त्रावकेदोषमिटेय ॥ दोहा ॥ गर्भस्त्रावकेदोषकोकारणकह्योउपाय प्रसूतइस्त्रीजोदुग्धविनताहिंकहोंसमझाय ॥ इतिगर्भस्त्रावउपायःसमाप्तः

॥ अथस्त्रीगर्भस्त्रावज्योतिषम् ॥

दोहा ॥ दोइमासजबजानपडगर्भउदरमोहोय फुनउपायसोतियकरैभावभगतसंजोय सातोग्रहकीवंदनामासमासक्रमनेम जपपूजाअर्चासहितब्रह्मभोजअतिप्रेम तृतीयमासशुक्रहिकैरैविधविधानसोंसेव सूरजभौमअरुदेवगुरुचंदशनीबुधदेव सातोंमासनसातग्रहपूर्वविधानसोंभाव दोषदूरदशअंतरेपूर्णगर्भठहराव पतिहितनेममनाइगुरुप्रेमभावजियजान गर्भश्रावकोदोषहरैहोतसर्वकल्याण ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथकर्मविपाकेप्रसूतास्त्रीदुग्धरोगकारणउपायौ ॥

॥ अथकारणम् ॥ चौपई ॥ जोकौदुग्धमांगनेआवै तिंहनहिदेयनिराशपठावै तिसीदोषहोवैपयहीन तासउपायसुनोपरवीन ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ स्वर्णश्रृंगिरूपषुरीजान असगौपूज्यदेयद्विजदान अरुद्विजचरणनकोजलपीवै कुचहिंलगायदोषविनथीवै ॥ दोहा ॥ दुग्धहीनतियदोषकोकारणकह्योउपाय स्तनपाकजजोदोषहैसोसुनहोचितलाय ॥ इतिप्रसूतास्त्रीदोषकारणउपायौसमाप्तौ

॥ अथकर्मविपाकेस्त्रीरोगस्तनपाकदोषकारणम् ॥

॥ चौपई ॥ मत्तजुयौवनकरतियहोय कुचपरपुरुषदिषावैसोय स्तनपाकदोषताहिप्रगटावै तासउपायसुनोयोंगावैं ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ गौरीकोव्रतकरहैसोय सिंधूरआदिसोंपूजैजोय अरुबहुअन्नदानसोकरै स्तनपाकदोषतांतेंनिरवरै ॥ दोहा ॥ स्तनपाककोदोषअरुकारणकह्योउपाय दुग्धहीनतादोषकोंभाषोंसुनचितलाय ॥ इतिस्तनपाकदोषकारणउपायौसमाप्तौ

॥ अथान्यप्रकारकथनम् विधमैथुनकी ॥

॥ चौपई ॥ जात्रिधवलवीरजकोहोई कुब्बत्तवाहनामकहुसोई मुजांमअत्तकरसोइकहावत वीर्यपातबहुरोगनसावत योगीश्वरमतऐसाहोई वीर्यरुधिरमेभेदनकोई वीरजसकलदूरहोजावे सोनरनिश्चयकरमरजावे अथवासिथलइंद्रिआंहोई निजनिजकामकरेंनहिसोई जेकरवीरजथिरतापावे

रोगरहितवहुआयुदिखावे तांकरवीरजरक्षाकरिए आगेकारणसोमनधरिए नीचेवृषनमासजोहोई आव तरुधिरताहुमेंसोई मैथुनवलकरश्वेतपछानो वीरजनामरुधिरगतजानो जोभोजनऔषधवाहोई वीरज-वृद्धीकरसुनसोई गरीवदामदाखमनभावे अंजीरफगूडाखंडसुखावे तिलसक्करठागिरिहोई सिंवल-वीजछिन्नजढसोई दूधछुहाराकेलाजानो मेथीमिसरीमधूपछानो सर्वतघृतगोकामनभावे हलवांनमां-सवाअंडेखावे कुक्कुटअजावृषनजोहोई अंडेचटकआदहितसोई उटंकनवीजअंजीराजानो रूमीकटू-सौंफहितमानो केसरकुट्टइंद्रजौहोई आद्रकत्रिकुटाहालमसोई सलगमवीजगोंगलूजानो गंढवीज-मूलिआंमानो दारचीनीजढपांनसुखाय वहमनअकरकरामनभाय दोइमूसलीहिंगूभावे अजुआनभ-खडास्यालीखावे छिलकाजढकिक्करकाभाय कौंचवीजखिरनीजढखाय गिलोईविल्ववीजमनभावे भस्मफुलादकांतवाखावे गूंदसिंहाडाचंदनजोई सुलट्ठीतवासीरहितहोई वांसाऔरआंवलाजानो वीरजवृद्धीकरसवमानो औरसंजोगीऔषधहोई वीरजवृद्धीकरसुनसोई कुचलेतोलेतीनमंगावे भिगोयदूधछिलकाहटजावे तौपुनिमर्चपुटकंडाल्याय तोलाडूडडूडसमपाय कटूसौंफाडिडतोलापावे गो-लीमासेतीनवंधावे प्रभातएकनितखावेकोई निश्चयवीरजवृद्धीहोई भखडाकौंचवीजमंगवावै सौंफवि-धारासंगरलावे जढकिक्करकीसंगरलाय लेसमचूरणपीसवनाय आधसेरगोदुग्धमंगावे तासंगप्रातनिता-प्रतिखावे तोलेपांचमाषणमंगवाय अर्धभागघृतगोकापाय इक्कीमासेमधूमिलावे करइकत्रदिनदिन-प्रतिखावे सेरदूधऊपरकरपान निश्चयवीरजवृद्धीमान अलसीमेथीवीजमंगावे तोलतीनतीनसमपावे मासाडूढमर्चसंगपाय नीरपायकरक्काथचढाय मधूमेलपीवेनितकोई निश्चयवीर्यवृद्धीहोई कुलंजनसुं-ठीलौंगमंगावे दालचीनीगजपिप्पलपावे क्योडामूलीवीजमंगाय वीजगोंगलूसंगरलाय कटूंगिरीज-ढपन्हीपावे पत्रसंभालमघांरलावे चीजवहोटीतासंगदीजें तोलेचारचारसमलीजें नारंगी-कागुद्दापावे गिरीचिलगोजासंगरलावे छेछेतोलेदोइमंगाय अवरकलौंजीसक्करल्याय कोकनऔ-षधसंगरलावे सतारांतोलेतींनमिलावे मधूमेलनितसेवेकोई निश्चयवीरजवृद्धीहोई इक्कीमा-सेप्रतिदिनखावे त्रैतोलेतकसेवनभावे देषवलावलसवकोई स्तंभनवीरजवृद्धीहोई माउललहमअर्क-वनवावे गोकादूधताहुमेपावे रसगन्नास्यालीरसपाय नीरदाखकासंगरलाय गोघृतमेलतोलकरल्यावे पंदरापंदरातोलेपावे करइकत्रफुनिसोगडकाय होवेचासऔषधीपाय दोकंडेआरीकीजढल्यावे श्वेतमू-सलीकीजढपावे तिंदुकगिरीताहुमेपाय तोलाडूडडूडसमल्याय छव्वीतोलेनीरमिलाय चाढअगन-फुनिसोगडकाय चौथाहेसाजवरहजावे मलेसुद्धकरपुनेरखावे मिसरीतोलेसाठमंगाय करेचासताहू-मेपाय तौफुनिऔषधपीसरलावे संघाडागरीवदांममंगावे कौंचवीजपुटकंडाल्याय धनिआंककडसिं-गीपाय तोलेचारचारसमलीजें तोलेतीनमर्चसंगदीजें कबाबचीनीदारचीनीपाय लौंगपानजढ-लाचीलयाय मघजलपत्रीसंगरलावे दसदसमासेतोलमिलावे दोतोलेनितसेवेकोई संध्यासमेवीर्यअति-होई देहपुष्टसबदोषहटावे इतनावलगिनतीनहिआवे पाकविक्रमाजीतिजोई सेवनकरेअधिकवल-होई गूंदखैरकासुंदरल्यावे सेरदोईघृतवीचभुनावे कवावचीनीजलपत्रीलयाय दारचीनीजढपानमि-लाय अकरकरासोसंगरलावे चौदांचौदांमासेपावे जैफललौंगमंगावेकोई तोलेतीनतीनसमहोई असगंधमूसलीकालील्यावे सुंठीछेछेतोलेपावे कंकोलचारतोलेसंगपाय शक्करमिसरीदूधमंगाय दोदोसेरताहुमेपावे पीसऔषधीसभीरलावे गूंदमेलघृतपायपकाय दोईवखतनितसेवनभाय विक्रम-

जीतीपाकवनावे सेवेवीरजवृद्धीपावे उटंकनवीजगिरीमंगवावे दोतोलेफुनिऔरमिलावे कौंचवीज-असगंधमंगाय किक्करजढसतावरीपाय कबाबचीनीवहुफलीमंगावे सतसतमासेतोलमिलावे मासे-तीनलौंगसंगपाय पीसदूधघृतसंगमिलाय चाडअगनपरचासवनावे कस्तूरीतोलेदोइमिलावे सुंठी-तोलेतीनमिलाय करइकत्रवरपाकवनाय दोइवखतसेवेनितकोई वीरजवृद्धीवलअतिहोई अजावृ-षनलेचीरवनावे पांचसेरगोदुग्धमिलावे गडकायदूधआधारहजाय तौतिलकालेवीचरलाय सोतिल-छायावीचसुकावे इक्कीमासेप्रतिदिनखावे अर्धभागमिसरीसंगपाय वीरजवृद्धीवलप्रगटाय भखडावी-जमषाराल्यावे मिश्रीमेलभागसमपावे दसदसमासेपीसवनाय दूधमेलफुनिसोगडकाय मैथुनकर-पीवेनरकोई वीरजवृद्धीवलअतिहोई मीचकवीजपीसकरलीजे अजामूत्रत्रैभावनदीजे अजामूत्र-संगपीसेकोई लिंगलेपकरवलअतिहोई पांचसेरगोदुग्धमंगावे दोतोलेघृतवीचरलावे वदांमछुहा-रापिस्तालीजे गरीचिरौंजीतामेदीजें मिसरीवहूफलीमंगवावे सुंठीकुशममूसलीपावे तोलाएकएक-समषावे विधिवतमावाताहिवनावे रातसमेदोतोलेखाय वीरजवृद्धीवलप्रगटाय पांचोअंगकोंचके-ल्यावे वीजउटंकनवीचरलावे लेसमचूरणपीसेकोई अर्धभागमिसरीसंगहोई दूधसंगदिनदिनप्रति-खावे निश्चयवलवीरजप्रघटावे जैफललौंगनाजफलल्याय ईसवंददारचीनीपाय तोलाडूडडूडसम-पावे चूरणसोंवलवीरजआवे तिलमखीरलेपीसवनाय त्रैमासेनितचटनीखाय निश्चयवलवीरजप्रघ-टावे सुगमकरसुखउपजावे संघाडावीजमखाराल्याय वीजाविल्वफुनिकौंचरलाय मूलीवीजउटंकन-ल्यावे गंडेवीजकौडकेपावे लेसमचूरणखंडरलाय सेवेवलवीरजप्रघटाय सुगमयतन-ऊंटकटारेकीजढल्यावे लजालुकीजढसंगरलावे कृष्णमूसलीकौंचमिलाय वोडवृत्तकी-दाडीपाय दारुहर्दलतामेदीजें लेसमऔषधचूरणकीजें भागवरावरखंडरलाय दूधसंगत्रै-मासेखाय मोचरसलेकरकडाहवनावे अथवाकडाहचिरौंजीखावे जंगीहरडहरडवाहोई कडाहक-रेनितसेवेकोई असगंधकडाहनिताप्रतिखावे निश्चयवलवीरजप्रघटावे कुकडांडकीजरदील्याय गड-कायदूधसेवेवलदाय दारचीनीमघजैफलल्यावे कस्तूरीमेभागसमपावे पीसमधूयुतराखेकोई लिंग-लेपकरअतिसुखहोई भेडहोएवावकराहोई इनकापित्तापीसोसोई लिंगलेपकरसूकेजवहीं मैथुनक-रसुखउपजेंतवही गुंजाश्वेतमधूमंगवावे लिंगलेपकरसुखउपजावे जाप्रकारमैथुनमनभावे नारीअधि-कमनोरथपावे

॥ अथवीरजस्तंभनविधिः ॥

॥ चौपई ॥ जाप्रकारविधस्तंभनहोई इमसाकनाममतफारससोई दोईमूसलीकौंचमंगावे उटंक-नवीजमषारापावे रहसनछिलकाविल्वमिलाय भागवरावरखंडरलाय प्रतिदिनचूरणसेवेकोई वीरज-स्तंभनकरसुखहोई कृष्णधतूरेकीजढल्यावे राखेमुखस्तंभनमनभावे केशरसंगहफीममिलावे सा३त्रै-त्रैमासेपावे जैफलमर्चजलपत्रीपाय सतसतमासेतोलरलाय तोलाडूडलौंगसंगपावे कस्तूरीमासेदो-इमिलावे करइकत्रगोलीवंधवावे मासाअर्धप्रमाणवनावे प्रतिदिनगोलीएकखुलाय मैथुनसुखस्तंभ-नमनभाय निश्चयवलवीरजप्रघटावे तुलसीभंडधतूराल्यावे गोलीपारामेलवंधावे राखेमुखस्तंभनतव-भावे वलवीरजप्रघटावैसोई तैलधतूराआनेकोई करपदसींसमलेसुखहोई कौंचउटंकनवीजमंगावे मो-चरसकृष्णमूसलीपावे भखडाजढसतावरीपाय गिटकहरीडभागसमल्याय सिंवलरसनिकालकरलवे

वारवारसतभावनदेवे तौफुनिदूधभावनादीजें सातवारविधऐसीकीजें चूरणखंडमेलकरखावे दिनचौ-दांतकवलप्रघटावे जवतकषट्टाखायनसोई तबतकवीर्यपातनाहोई

॥ मैथुनकरणेकीविध ॥

चौपई ॥ निर्वातस्थानमैथुनमनभावे प्रसंनहृदाभयशोकनपावे भोजनऊनअधिकनाहोई संध्यासमाप्राततजसोई मैथुनकरकडाहनरखावे चूरीखंडदूधमनभावे ग्रीषमऋतदिनमैथुनकीजें मैथुनांतजलकबहुंनपीजें निर्वातस्थानउष्णजलसंग करेस्नानमलधोवेअंग अजावृषनलेचीरवनावे अजादूधमेपायपकावे मर्चलूणताहीसंगपाय मैथुनांतसेवेवलदाय मैथुनांतजलपीवेकोई स्निग्धतादूरउष्णताखोई मैथुनांतनिद्रानहिल्यावे शीतलकालमैथुनमनभावे मैथुनकरअतिहीसुखपाय वीर्यपातवहुदोषनसाय

॥ वीर्यदूरकरणेकीविध ॥

॥ चौपई वीर्यनासकरविधीजोहोई कताशैहवृतकहिएसोई षटेआईवस्तुअधिकनरखावे वीरजवलकोदूरहटावे मोरसीसकीमिंझजोहोई खावेकामनाशकरसोई नीलोफरकपूरजोजानो हफींमगुलावदोषकरमानो वल्लजुआंइनसोनहिखावे ईसवगोलछाछनहिभावे जीराश्वेतकृष्णमिलदोई विजयावीजनसेवेकोई पालकसागमसरनहिभावे महिषीमांसमटरनहिखावे जउोअन्नचीनाजोहोई घीआतरचीरातजसोई सकलसर्दतरजोफलजानो कदूआददोषकरमानो मर्जगोशमुत्थरांजोई सुदावकलौंजीहितनहिसोई वहेडाकाचमाचनहिभाय वीर्यनाशकरकवहुंनखाय असवारीअथवापैदलधावे अतीखेदकरवीर्यनसावे परसाअधिकअजीरनहोई वीर्यनाशकरमानोसोई जोनरकत्थपानसंगखावे सोनिश्चयवलवीर्यहटावे

॥ योनिसंकोचनविध ॥

॥ चौपई ॥ माजूचौदामासेल्यावे सतसतमासेऔरमिलावे लौंगफडकडीजैफलल्याय मांईखूनस्याउनपाय इलाचीपुष्पधातकीलीजें सिंगरफदारचीनिसंगदीजें हरडकौंचजढसंगमिलावे वहेडानागरमोथापावे तोरीपुष्पताहिसंगपाय अर्कसौंफलेपीसवनाय गोलीवांधताहुकीराखे मैथुनसमेंश्वादातिसचाखे मदिरासंगरगडसोंलीजें रूईभिगोयवीचभगदीजें वाचूरणकरभगमेंपावे भगसंकोचनशीघ्रदिखावे खरगोशजीवकापित्ताल्याय रूंइसंगभगभीतरपाय अगरदोइतोलेमंगवावे राखेभगकछुधूंमलगावे भगसंकोचननिश्चयहोई आगेयतनऔरविधसोई

॥ योनीकीदुर्गंधदूरकरणेकीविध ॥

॥ चौपई ॥ पावदवोईफुर्जमंगावे अंवकनेरपत्रसंगपावे इनकारसनिकालकरलीजें जैफलपीसताहुमेंदीजें चाढअगनपरसोगडकावे सघनहोएविनधूपसुकावे सोघृतमेलमलेभगजोई दुर्गंधीदूरस्वछताहोई पांचोअंगअंवकेल्यावे मौलकनेरहर्डसंगपावे अनारनिंबकाछिलकापाय रगडनीरकद्वतैलमिलाय चाढअगनपरतैलपकावे मर्दनकरदुर्गंधीजावे जूहीपुष्पतैलकदुपाय पकावेतैलशुद्धहोजाय दिवससातलगमर्दनकरिए भगदुर्गंधीनिश्चयहरिए

॥ विधगर्भदूरकरणेकी ॥

चौपई गर्भदूरकरविधीजोहोई अकीमासाखतनकहिएसोई बांझककोडामाजूल्यावे एरणजढगिलोइजढपावे साडेत्रैत्रैमासेलीजें लवाछेईमासेसंगदीजें चूरणभागतीनकरलेवे गर्भदूरादिनादिनप्रतिसेवे प्रथम-

दांतबालककाल्यावे राखेपासगर्भनहिपावे आगेऔरविधीसुनऐसें चलेवीर्जनारीकाजैसे इनजालऊौ- रतकरनामाकहिए सुगमग्रंथमतआगेलहिए गोभीकारसपाराल्यावे पांनपत्रयुतखर्लकरावे गोलीकर- नारीकोदेवे वीर्यपातताहीछिनलवे पारामासेतींनमंगावे सुहागामासेइकलीयावे कपूरदोइमासेसंग- पाय चंवेकाछिलकामंगवाय मासेसातताहुमेपावे एकोमघसोसंगरलावे करेखर्लकजलीकरसोई लिंगलेपकरअतिसुखहोई मैथुनघडीतींनकेपाछे वीर्यपातनारीकाआछे काकजंघकाकीडाल्यावे पां- नपत्रयुतनारीखावे वीर्यपातताहीछिनजांनो सुगमयतनकरसुखबहुमांनो ॥

॥ स्तनकठोरकरणेकीविधि ॥

॥ चौपई ॥ स्तनकठोरविधजैसीहोई हिफजपिस्तांननामकहुसोई जीराश्वेतअसगंधमंगावे म- कनातीसताहिसंगपावे कांजीरसमेंपायपिसाय करेलेपकुचकठिनकराय प्रथमतिनोंपरसूईचुभावे थो- डाथोडारुधिरचलावे तौफुनिलेपकरेसुखहोई कुचकठोरअतिवढतनसोई तींनवारदिनलेपकरावे रात- समेंदृढवंधनभावे दिवसतींनलगऐसाकीजें आगेपथ्यलिखानितदीजें गोकादूधसेरदसल्यावे आधसे- रघृतगोकापावे घृतसमआटाकणकमिलाय छुहाराजैफलमिसरीपाय असगंधखैरकाकाष्टमिलावे कंको- लभागसमसंगरलावे चौदांचौदांमासेपाय सुंठीतोलाडूढमिलाय करइकत्रसोदूधपकावे सेरदोइजब- हींरहजावे खुराकएकादिनदिनप्रतिभाय दिनचालीकछुऔरनखाय चौदावर्षउमरजबहोई जाप्रकार विधसेवेकोई उमरवीचकुचकठिनरखावे वढतनाहिनिश्चयमनल्यावे छिलकासोअनारकाल्याय कटू तैलमेंपीसरलाय स्तनऊपरमर्दनहितहोई कठिनहोएकुचवढतनसोई सूखमस्तनवाहोएकुमारी ताहू- कोहितजुगतउचारी चरवीगजमादीकील्यावे तासमचरवीमहिषीपावे मर्दनकरेगर्मकरजोई कठिनहों- एकुचवढतनसोई कदलीकुठदोईसमल्यावे महिषीमखनस्तनकोलावै मर्दनकरस्तनलेपचढाय कुचक- ठोरकरडेप्रघटाय अथवालिंगलेपसोकीजें करडाहोएसत्यसुनलीजें

॥ वालदूरकरणेकीविध ॥

॥ चौपई ॥ वालदूरकराविधीजोहोई दफजमोयकरकाहिएसोई हरतालकलीचूनामंगवावे छेछे- मासेदोइपिसावे सज्जीमासेतींनमिलाय नीरपायदिनतींनरखाय ऊपरजलत्रैअंगुलहोई निथारलेहुदिनतीसरसोई तौफुनिसोइऔषधीपाय दिवसतीनलगफेररखाय फुनिनि- थारजलओषधपावै जाप्रकारविधतींनवनावै तौफुनिकुर्कटकापरल्यांय जलभिगोंयलखवा- लछुडाय जाप्रकारनिश्चयमनकीजें तौफुनितैलतिलोंकालीजें तोलेचारनीरजवहोई तोला- एकतैलतिलसोई चाढअगनपरतैलपकावे जलेनीरसोतैलरखावे मर्दनकरेतैलजवकोई झडेंवालफु- निप्रघटनहोई अथवातित्तरचरवील्याय वालदूरकरलेपचढाय वाकुचलाजलपायघसावे वालदूरकर- लेपचढावे तौफुनिवालप्रघटनाहोई सुगमजतनकरनिश्चयसोई ॥

॥ अथवालकालेकरणेकीविधि ॥

॥ चौपई ॥ कृष्णकेशकरविधीजोहोई षजावनाममतफारससोई सिक्कालेपत्रेकरलीजें कागदके- समपतलेकीजें तौफुनिखोपाएकमंगावे खोपाचीरपत्तरपावे करेवंदमुखजुगतसमांन कणकवीचरा- खेमतिमान छेइमासलगराखेकोई तौफुनिखोपालीजोसोई खोपावीचकडाहीपावे आगजगाकर

खूपरलावे शिरदाढीपरमर्दनकीजें पलासपत्रवाएरनलीजें रातसमेबांधेनरकोई प्रभाततैलतिलमर्दनहोई कृष्णकेशकोमलअतिजानो दिनइक्कीतककल्पपछानो छिलकाहरडवहेडाल्यावे आमलछिलकासंगरलावे छेछेतोलेतोलमिलाय तौफुनिजढनीलोफरल्याय तासंगछिलकालेहुअनार नौनौतोलेतोलविचार तौफुनिरसभांगुरेकाल्यावे पीसऔषधीतामेपावे लोहेकाएकपात्रमंगाय वीचऔषधींवंदकराय कणकवीजधरराखेकोई छेइमासलगहितहैसोई तौफुनिशिरदाढीपरलावे पूर्वरीतकरपत्रवंधावे कृष्णकेशकोमलअतिजानो एकमासलगकल्पपछानो

॥ अथस्थिररखणाकालेवालोंका ॥

॥ चौपई ॥ कृष्णकेशस्थिरविधीजोहोई निगादास्तनस्याहमोयकहुसोई त्रिफलातिलकालेमंगवावे भस्मफुलादमुलट्ठीपावे लेसमचूरणपीसवनाय मखीरसंगअथवाघृतपाय दसमासेनितसेवेकोई कृष्णकेशफुनिश्वेतनहोई एकवर्षलगप्रतिदिनखावे कृष्णकेशफुनिश्वेतनआवे षटेआईमैथुनसेवेनाही निश्चयजोगसिद्धिकरताही वीजवावर्चासोईमंगावे भांगुरेरसमेपायसुकावे जाविधइक्कीभावनहोई छायावीचसुकावेसोई तौफुनिपीसछानकरलीजें भांगुरेरससोंगोलीकीजें गोलीमासेसातवंधावे वर्षएकलगप्रतिदिनखावे षटेआईमैथुनसोनहिभाय रहेपथ्यपरऔषधखाय कृष्णकेशपरऔषधखावे श्वेतकेशफुनिकबहुनाआवे छिलकानिंवपुरातनल्याय संभालूकीजढसंगरलाय फुलादभस्मताहीसंगपावे तीनोतोलबराबरल्यावे चूरणकररसभांगुरेपाय गोलीमासेतींनवंधाय एकवर्षलगसेवनभावे रहेपथ्यपरखिचडीखावे औषधजोगसत्यसुनसोई श्वेतवालफुनिकवहुंनहोई औरदोषसबनासनभाय सुभाबगर्मलखकवहुंनखाय प्रतिदिनतैलतिलोंकाल्यावे मर्दनकरेश्यामतापावे हरडआंमलेकाजलल्याय प्रतिदिनधोवेनिश्चयपाय कोमलकृष्णवालतवजानो होवेंअधिकसत्यमनआनो

॥ अथदेहमोटाकरणेकीविध ॥

॥ चौपई ॥ जाविधतनुमोटाजोहोई फर्वहिवदननामकहुसोई नागवलावूटीमंगवावे तोलइकत्तीतोलेल्यावे केसरजढपन्हीकील्याय साजजहिंदीकुठ्ठमिलाय चित्राछडदोचंदनल्यावे अगरघारतजसंगरलावे इलाचीदोईसुंठमंगवाय गुलधावानागरमोथापाय नीलोफरसोसनजढआनो वाविडंगसमभागपछानो सतसतमासेतोललिआवे तौफुनिकेशरनागमंगावे पद्मकच्छद्धिवृद्धिल्याय दसदसमासेसंगरलाय गिलोईमासेतींनमिलावे नीरएकमणकाथचढावे रातभिगोयप्रातगडकाय पांचसेरघृतसंगरलाय जलेकाथजबघृतरहजावे सेवनकरवलपुष्टीपावे कछुदेहीपरमर्दनहोई निश्चयतनमोटाकरसोई बातविआधीसकलहटावे वाचूरणमधुकेसंगखावे सेवेघृतवलवृद्धीपावे संभालुजढसाखामंगवावे घडेवीचधरवंदकरावे नीचेछिद्रकरैनरकोई पातालयंत्ररसलीजोसोई मासेसातसोइरसलीजें मधूमेलनितसेवनकीजें मोटातनुवलवृद्धीपावे सुगमयतननिश्चयमनभावे कालेतिलअसगंधमंगाय लेसमअग्नीवीचपकाय एकभागसितखंडरलावे गोलीतोलेतीनवंधावे प्रतिदिनगोलीएकोखाय वलवृद्धीतनमोटापाय अधिकमासनिश्चयवधजावे सुगमयतनवलवृद्धीपावे ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांस्त्रीरोगाऽधिकारकथनंनामषट्पंचाशत्तमोऽधिकारः ॥ ५६ ॥

॥ अथवालरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ वालकरोगनिदानकोंवरणोसमझविचार जैसेंकह्योनिदानमोंतैसेंकरोंउचार चौपई वालककहेजुतीनप्रकार तांकोविवरोकरोंउचार एकक्षीरभोजीपहिचान भोजीअन्नदूसरोजान भोजीउभयतीसरोकहिये क्षीरअन्नजोभुक्तालहिये अन्नक्षीरदोषतेंवाल रोगीहोवतहोतविहाल पुनवालग्रहकोदोषसंयोग उपजितहैवालनकोरोग सबरोगनकोकारणजान दांतोंकोंउद्भेदपछान ज्योंविडालपृष्टभंगजुलहिये त्योंदंतभेदवालनकोंकहिये काहेदांतभेदमोंजान प्रगटेएतेरोगमहान ज्वरपतलीविष्टाअरुकास नेत्ररोगशिरपीडप्रकाश अवरविसरपीरुजप्रगटावत छर्दरोगइत्यादिलषावत वालरोगजोस्तनअनुसार प्रगटहोंयवालनसंसार वातपित्तकफतीनविकार धात्रीदुग्धसुकरेंसंचार तिसदोषसंयुक्तदुग्धजोपीवे तासविकारबालकोंथीवे तिंहकेलक्षणभाषसुनाऊं अवरदोषरोगप्रगटाऊं ॥

॥ अथबालकस्तनपानाविधिः ॥

॥ चौपई ॥ उपज्योबालकजान्योजवे वेदविहितकरमंगललवे जातकर्मकियेहुयेउप्रंत स्तनपानविधीकासुनोवृतंत प्रथमदूसरेदिनत्रैकाल मधुमिसरीजुचटावेबाल तीसरादिनअचौथामाना बालस्तनकरवावेपान ॥

॥ अथस्तनपानमंत्रः ॥

॥ चत्वारः सागारः पुण्याः स्तनयोः क्षीरवाहिनः संतुतेसुभगेनित्यं बालस्यायुर्बलप्रदाः पिवन्बालोमृतरसंपयस्तन्यंशुभानने दीर्घमायुरवाप्नोतिदेवाः प्राश्यामृतंयथा इतिमंत्रः चौपई ॥ जन्मसमेषट्रात्रमंझार रक्षावलिक्रियाकरेंविचार जावतवांधवतासकेहोइ जागरहेमुदसुंयुतसोइ दशमेदिनकरेमंगलाचार बालककोंवरदायिविचार एकादशदिनउत्सवअनुसरे बालकनामकरणसबकरे

॥ अथस्तनपानचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ बालकजन्म्योहोइजोकोय जास्तनपानकरैनहिसोय सेंधाहरडआमलेआन बहुतमहीनचूर्णलेठान मधुघृतपायाजिव्हामलैतास सोस्तनपानकरैसहुलास

॥ अथस्तनादिदुग्धविकाररोगनिदानम ॥

॥ चौपई ॥ प्रसूतीइस्त्रीकृशजोहोय षेदअजीर्णजोकरैसोय विषमजुचेष्टाकरतलहैये इन्हकरतिसबहुरोगसुनैये शूलशोथज्वरहोइअतिसार वलक्षयतंद्राउदरअफार होयअरुचिइत्यादिकरोग प्रगटेंकफक्तवातसंयोग विविधअन्नजोधात्रीषावे अथवाभारीषायअघावे तिंहकरदुग्धदुष्टहोइजावत रोगसोबालककोंउपजावत दुग्धसोवातजपित्तजजानो कफजअवरद्वंद्वजलषमानो तीनदोषजयहपांचप्रकार तिंहूकेलक्षणकरोंउचार दुग्धकसैलावातजकहिये लवणामलकटुपित्तजलहिये पिछलघणाकफजलषलीजैं द्वंद्वजदोइलिंगनसुभनीजै त्रिंलिंगनतेंत्रिदोषजजान दोषदुग्धयोंकीनवषान

॥ अन्यप्रकारदुग्धपरीक्षा अथअशुद्धदुग्धलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ धात्रीदुग्धसप्तविधजानो लवणतंतुयुतअम्लपछानो कटुकअवरजोफेनिलहोय मांसकेधावनजलवतजोय पीतवर्णएकजोकहिये दुग्धअशुद्धसप्तविधलहिये

॥ अथशुद्धदुग्धलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शुद्धदुग्धकह्योचारप्रकार घृतमधुतैलकोवरणविचार कषायस्वादएककोजान चारवि-धीयहकीनवषान

॥ अथशुद्धदुग्धपानगुणः ॥

॥ चौपई ॥ लवणदुग्धपानकरेवाल सोमलनिर्गमकरेतत्काल अम्लदुग्धजोपानकरेजव वालकमुखकोपाककरेतव मांसधावनजलवतयाहि पीवेवालछर्दकरेताहि फेनिलदुग्धपियेजबवाल श्वासकासकरेतत्काल कटुपीतदुग्धकरतजोपान मूत्रवृद्धिकरवालकमान

॥ अथशुद्धदुग्धगुणः ॥

चौपई घृतकोवरणदुग्धजुहोय बालकपुष्टकरेनितसोय तैलवरणजुदुग्धसुजान बालककोंसुकरेबलवान मधूवरणदुग्धजवजाने बालककोराजासमठाने दुग्धकसैलापीवेवाल रोगरहितहोइजायनिहाल अथ-अन्यप्रकारवातादिभेददुग्धपरीक्षा ॥ चौपई ॥ दुग्धकसैलावातविकार जलपरतरेजुतासविचार कटूअम्लअरुलवणजुहोय पीतरंगतंतुयुतजोय पित्तविकारतेंतासकोजान आगेकफजकरोंसुवषान कफविकारतेंदुग्धजोहोय घणापिछलजलडूवेसोय द्वंद्वत्रिदोषजकेजुविकार जानलीजियोमतिअनुसार अथ-शुद्धदुग्धपरीक्षा ॥ चौपई शुद्धदुग्धजलमोजवपावे पांडुवरणतवहींदर्शावे मधुरदुग्धवहुतवरणतेंरहित जानलहोशुद्धबालकविहित ॥ अन्यच्च ॥ दुग्धशोषचिकित्सालक्षण इस्त्रीरोगमोंदेषविचक्षण

॥ अथवातजक्षीरपानदोषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दुष्टस्तनजुवातकरहोय सोऊदुग्धवालपियेकोय तांकोतनुस्वरकृशहोइजावे विष्टावा-तमूत्रवंधथावे

॥ अथवातजचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोधात्रीपयवातविकार दशमूलक्काथदिनदिनआहार अरुवातहरणऔषधकेसंग घृतपकायपींवैपयचंग अरुमृदुरेचनवालकरावे तासचिकित्साऐसेंगावे

॥ अथपित्तजक्षीरपानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तदुष्टजुस्तनकरैपान वालकश्रमसंयुतहोइमान विष्टापतलीलोचनपीत सबअंगउ-ष्णतृषारहनीत

॥ अथपित्तजाचिकित्सा ॥

चौपई पित्तजदोषजुदुग्धमंझार पटोलशतावरिचंदनडार गिलोयनिंवसमक्काथवनावै धात्रीसहशरकरापिलावे वालहिंकोंभीदेवेसोय पित्तजदुग्धविकारहिंषोय अन्यच्च निंवकौडगणसारवापाय त्रिफलामुत्थरआनरलाय इन्हसमसोंघृतदेऊपकाय पित्तजदुग्धविकारनसाय अरुवालहिरेचनकरवावें शीतललेपस्तनपरलावे

॥ अथकफजक्षीरपानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोकफदुष्टदुग्धकोंपीवै कफीरहैमुखलालाथींवे जडताछर्दवहुसोयोरहे मुखनेत्रनअभ-रूणसुगहे यहत्रिदोषकेलक्षणतीन भाषसुनायेलषोप्रवीन

॥ अथकफजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जोकफदोषधात्रीपयहोय मुलहठसेंधाघृतपीवेसोय राडापुष्पलेस्तनलेपाय ताहुतेवालकोवमनकराय धात्रीकोंभीवमनकरावै विनविकारदुग्धप्रघटावै

॥ अथत्रिदोषजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तीनोलक्षणजामहिहोय तिहत्रिदोषजानदुधसोय त्रिदोषदुष्टधात्रीपयजानो बालककोंभ्रमतृष्णामानो अरुचीवमनमुखपाकाविकार ज्वरादिरोगसबतासविचार विष्टाआमजतांकोहोय अनेकवर्णरुजसंयुतसोय अवरविवंधवालकोंजानो अलसकनामसुदुग्धपछानो

॥ अथत्रिदोषजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जोत्रिदोषजदुग्धविकार तांकोंयतनकरैउच्चार त्रिदोषशमनवाऔषधजेती क्रमतेपानकरैसबतेती अवरपियेमुस्तादिकक्काथ वालकधात्रीयहसुनगाथ ॥

॥ अथदुग्धशुद्धकरणचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ धात्रीदुग्धशुद्धयर्थपछान मुदगयूषकरवावेपान ॥ अन्यच्च ॥ देवदारुवरचभिडंगिपतीस गिलोयकिरायतामूर्वापीस सुंठसारवापाठाकोड क्काथकरैसमऔषधजोड धात्रीकोंयहक्काथपिलावे दुग्धतासशुद्धहोइजावे ॥ अन्यच्च ॥ देवदारुवचभार्गीपीस अवरगडूचीपायपतीस यहसमक्काथकरेजवपान धात्रीपयतवशुद्धपछान ॥ अन्यच्च ॥ पाठामूर्वामुस्थरपाय ॥ कोगडसुंठीदारुरलाय अवरकिरायताकठाकीजै क्काथकरैयहधात्रीपीजै क्काथपियेपयशुद्धसुहोय वंगसेंनकहिदीनासोय ॥ अन्यच्च ॥ कौडसारिवावालालीजै करेक्काथधात्रीनितपीजै ॥ अन्यच्च ॥ गणहरिद्रादिवचादीजोय तांकोपानकरेनितसोय इनतेंदुग्धशुद्धहोइजाय ग्रंथकारमतदियोवताय ॥ अन्यच्च ॥ देवदारुमुथ्रमूर्वाजानो पाठासुंठगुडूचीमांनो कौडकिरायतासारिवाजोय अवरइंद्रजवजानोसोय यहदशवस्तूकीनवषान दुग्धशुद्धयहकरतसुमान सुंठनिंबपाठाअरुदारु मूर्वाअसनकौडपुनडारु अवरगुडूचीपायपटोल करैक्काथयहसबसमतोल पीवैधात्रीकाथजुयाहि दुग्धशुद्धहोइजावैताहि ॥ इतिदुग्धशुद्धिविधिः ॥

॥ अथदुग्धलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ धात्रीदुग्धमिष्टजोहोय सुष्टवरणलखलीजैसोय शुद्धदुग्धसोजानपतीजै बालककोसुखदानकहीजै इतिस्तनदुग्धरोगानिदानचिकित्सा ॥

॥ अथदुग्धजककूनकरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ दुग्धदोषजिसवालककहिये तांकेनेत्रनकंडूलहिये अचीकूटअरुमस्तकनासा मलतरहैवालकलषतासा सूर्यप्रभानाहिसकैनिहार नेत्रउघारसकैनविचार अस्रूश्रवतरहैनितजास रोगककूनकजानोतास ॥

॥ अथदुग्धककूनकरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ ककूनकरोगवालहिंप्रगटावै आश्चोतनविधितासकरावै ॥ अथआश्चोतनविधिः ॥

॥ चौपई ॥ भंगराहलदीसुंठीलीजै कर्कटश्रृंगीतामोंदीजै कल्ककरीवटपत्रलिपाय पुटपाकक-

रैरसतासकढाय आश्चोतनकीजैनेत्रोंतास रोगककूनकहोवतनास ॥ अन्यच्च ॥ आद्रकहलदीभंगराल्याय कल्ककरीवटपत्रलिपाय पुटपाकविधिकरतांकोबांधे गोबरलेपनतापरसांधे अग्निभस्मधरदीजेजोय तसहोयतबकाढेसोय पुनपरस्वेददीजियेतास होयककूनकरोगविनाश अरुमातास्तनकांजीसंग वाकटुवस्तुहिंधोयानिसंग सोऊस्तनबालकहिपिलावै अवरहुंयहउपायप्रगटावै मातादुग्धकटोरीपाय दीपशिखापरउष्णकराय तासोंनेत्रबालकेधोवै नाशककूनकरुजकोहोवै ॥ अथनेत्रलेपः ॥ चौपई ॥ त्रिफलालोध्रपुनर्नवाल्याय आद्रककंड्यारीदोइपाय यहसमपीसनेत्रलेपावै ककूनकरोगअवरकफजावै ॥ अथअंजनम् ॥ दोनोरजनीलोध्रमुलट्ठ कौडनिंबपत्रजुइकट्ठ यहसमलेयमहीनपिसाय ताम्रचूर्णपुनतामोंपाय षरलकरैनेत्रनमोंडारै रोगककूनकदूरानिवारै ॥ अन्यच्च चौपई त्रिकुटातालकमनछलआन करंजुबीजविडंगपीसान यहअंजनजोनेत्रनपावै नेत्रनकीकंडूरुजजावै अन्यच्च ॥ दालहलदमनछलजुविडंग गेरीचंदनलाचधरसंग कांजीपायषरलसोकीजै नेत्रनमोंअंजनपुनदीजै अथवालेपनलावैसोय ककूनकरोगनाशतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ मनछलशंखनाभिमघलीजै मधुपायरसोंतवरतीसमकीजै नेत्रनमोंसोअंजनकरै रोगसभीनेत्रनकेहरै ॥ अन्यच्च वृद्धदारुकोस्वरसजुलीजै आश्चोतनमधुसंयुतकीजै रोगककूनकतासतेंजाय ग्रंथकारमतदियोवताय अन्यच्च मुथ्रगेरीआनपीसाय अजादुग्धसोंलेपलगाय रोगककूनकनासैंतैसे शिशिरऋतुमेंपंकजजैसे इतिककूनकचिकित्सा

॥ अथगर्भिणीदुग्धपानपारिगर्भरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ माताजासगर्भिणीहोय तांकोदुग्धबालपियेजोय तांकोंरोगबहुतप्रगटाहिं तिंहकीगिनतीभाषसुनांहि मंदअग्निभ्रमतंद्राश्वास कोष्टवृद्धछर्दअरुकास होयअरुचतिसबालकताईं इहप्रकारतालक्षणगाईं पारिगर्भसोनामकहाय ग्रंथनिदानादियोजुवताय

॥ अथगर्भिणीदुग्धपानचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ गर्भिणिपयजोपीयकुमार रोगताहिबहुप्रगटाविकार दीपनपाचनकफहरवस्तु देवैतासउपायप्रसस्तु

॥ अथतालूकंटकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोतालूकेमांसमंझार कंटकहोइसोकफजविकार कंडानामतिसलोकउचारैं तालूमोंकंटकजुनिहारैं अरुमध्यतालुडूंघपडजावै शिरमूर्द्धनीडूंघदरशावै इसकरकष्टबहुतदरसात दुग्धबालकहिंपियोनजात अरुपतलीसीविष्टाभासै नेत्रनकंठमुखपीडप्रकाशैं वमनकरैबहुतृष्णाहोय ग्रीबाधारसकैनहिसोय

॥ अथतालूकंटकतालुपाकचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ तालूकंटकजाकोहोय कंडानामकहैंसबकोय सूक्ष्मपीसलेययवक्षार माष्योमेलचटायकुमार अरुतांकेतालूपरमलै कंटकतालुतुरतसोटरै ॥ अन्यच्च ॥ हरडेंवरचकुठसमलीजै पीसमषीरताहिमोंदीजै तांकोंबालचटावैजोय कंटकतालूहरहैंसोय अन्यउपायः सारवालोधरतिलजुमुलट्ठ काथकरैसमलेयइकट्ठ करूलीकरवावैमुखधोवै कंटकरोगनाशतवहोवै ॥ अन्यच्च ॥ फेनसमुद्रसेंधाल्याय तालुमलेरुजकंटकजाय ॥ अन्यच्च ॥ अथवाकेवलसेंधालीजै तालूमलेरुजकंटकछीजै

॥ अथबालकांतिआयुरुपायः ॥

॥ चौपई ॥ ब्राह्मीहरडकुठवचआन समपीसैमधुघीउमिलान वालहिंनित्यचटावैसोय आयुवरणकांतिअतिहोय

॥ अथस्तनपानदोषउपायः ॥

॥ चौपई ॥ मूर्वावरचसर्षपसुरदार त्वचावेरजंवूकीडार पाठात्रिकुटासबसमलीजै मधुमिलायचटनीसोकीजै बालककोंसोनित्यचटावै सभीस्तनपानदोषमिटजावै अन्यच्च प्रियंगुसज्जीसेंधासमपाय मधुमिलायनितवालचटाय क्षीरपानदोषमिटजावै होइआरोग्यवालसुखपावै जोविडंगमेलकरदेय कृमिभीनाशहोयलषलेय

॥ अथबालकक्षीरवमनउपायः ॥

॥ चौपई ॥ पीवतपीवतक्षीरजोवाल डारैवमनकरैततकाल दोइकंड्यारीफलरसआन पंचकोलचूरणतिंहठान मधुघृतपायचटावैतास क्षीरपचैलहैवालहुलास ॥ अन्यच्च ॥ प्रियंगुसज्जीसेंधाल्यावे अरुविडंगतिसमाहिरलावे महीनपीसकरमधुयुतकीजै बालककोंयहनित्यसुदीजै दुग्धरोगअरुकृमीहरजानो अपनेमनमोंनिश्चयठांनो ॥ अथक्षीरजीर्णउपायः ॥ मुलठीसेंधावायविडंग मधुमिलायकरलेहसुचंग बालकदुग्धजीर्णजवहोय लेहचाटहोयपाचनसोय

॥ अथमहापद्मरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वालकमस्तकगुदाविकार प्रगटवायुकरपद्मप्रकार तीनदोषसेंप्रगटतसोइ प्रथमकनपटीहृदयमोहोइ हृदयउतरगुदद्वारमेंआवै गुदाद्वारसोंहृदयमोजावै हृदसेंउठतमस्तककरेवास पद्मरोगलक्षणगिनतास

॥ अथअन्यप्रकारनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ पद्मवरणजुविसरपीहोय तांकोंवरणोंसुनहोसोय नाभितलैअरुशिरहोइजोइ प्राणनकोनाशकहोइसोइ जोमस्तकतेंहृदयकोंआवै हृदयहुतेंजुगुदाकोजावै सोभीविसर्पीनाशकप्राण असअपनेमनमोंपहिचाण

॥ अथविसर्पिपद्मरोगउपायनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ हलदीत्रिफलानिंवपटोल पीसपिलावैयहसमतोल क्षतविस्फोटविसरपीजाय अरुज्वरनाशैतासप्रभाय ॥ अथलेपः ॥ सारंवाउत्पलअरुकल्हार दोइचंदनमजीठपुनडार परपुंडरीकमुलट्ठपछान सर्षपयहसमलेपनठान विसर्पीरोगहोयहैनाश निश्चयकीजैमनमोतास ॥ अन्यच्च ॥ वटअश्वत्थउदुंवरलीजै पलक्षवैंतजवूसमकीजै इन्हसबहीकीत्वचापिसाय पुनयहऔषधपीसमिलाय मंजीठमुलठीअवरउशीर चंदनपद्मकाष्टसुनत्वीर सबहीपीसेलेपनकरै लालीदाहपीडपरिहरै विस्फोटविसरपीव्रणमिटजाय यहलेपनजानोसुखदाय ॥ अन्यच्च ॥ गृहकोधूमहलदकुट्ठलेय राईचंदनइंद्रयवदेय पद्मउशीरसभीसमलीजै रोगीवालहिंलेपनकीजै थिम्मविसरपीपामाजाय इसकेगुणायहकहेसुनाय स्नान वरचकुठविडंगसमभाय इन्हकोकीजैकाथवनाय क्काथसाथवालहीहिलावै ददरीपामविसरपीजावै

॥ अथमुखपाकचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ आम्रसारलोहरजगेरी पीसरसौंतकरोनिजनेरी मधुसोंवालककोंहिचटाय परमौषधमुखपाकनसाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अश्वत्थत्वचाअरुपत्रमंगाय यहदोइसमसूक्ष्मपीसाय मधुमिलायवालकाहिंचटावै यहऔषधमुखपाकनसावै ॥ अन्यच्च ॥ दालहलदमुलट्ठीआने जातीपत्रहरडपुनठाने मधुमिलायकरलेपलगावे वालककोंमुखपाकनसावे

॥ अथमुखलालास्रावउपायः ॥

॥ चौपई ॥ सारिवालोध्रतिलजुमुलट्ठी काथकरेसमलेकरकट्ठी करेकुरूलीवामुखधोय लालास्रावनाशतवहोय

॥ अथाजगल्लिकारोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिह्विकायामोफुनसिअपार लालचीकनीवहुतविकार पीडानाहिकफवातसेंहोई अजगल्लिकानामजानियोसोइ

॥ अथअजगल्लिकाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमजलौकनहूंकेसाथ रुधिरनिकासेलषयहगाथ पुनसीपीसौराष्ट्रकआन कल्हारलेयसमलेपनठान होवेजोअजगल्लिकानाश अन्यलेपसुनकरोंप्रकाश ॥ अन्यलेपः ॥ श्यामालांगलिकामूर्वाय यहसमलेपअजगल्लिकाजाय ॥ अन्यच्च ॥ जोयहरोगपक्कहोइजावे व्रणरुजकीजुचिकित्साठाने ॥ अन्यच्च ॥ फडकडीसोंफदेवदारुलीजै लेसमपीसमहीनकरीजै लेपनकरेअजगल्लिकाजाय भावप्रकाशमतदियोवताय

॥ अथगुदापाकलक्षणोपायः ॥

॥ चौपई ॥ गुदावालजवहोवतपाक पित्तकोपतेंसुनहोवाक ॥ उपायः ॥

दालहलदहरडेंसितजीरा तजपत्रमुलट्ठसमपीसोवीरा मधुमिलायगुदलेपनकरै गुदपाकनाशतुरतहिंलषपरै ॥ अन्यच्च ॥ शंखीसुरमाअवरमुलट्ठ यहसमपीसोकरोइकट्ठ गुदऊपरयहचूर्णवरूर गुदपाकरोगहोइजावैदूर ॥ अन्यच्च ॥ सितचंदनघसपानकरावे तौभीगुदापाकमिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ शंखमुलट्ठसमकांजीसंग लेपनकरैपाकगुदभंग ॥ अन्यच्च ॥ गोजिव्हादंतीलेपाय गुदापाकनाशहोइजाय गुदापाकरोगमोजान पितनाशनसबक्रियाप्रमान रसौंतपानअरुलेपरसौंत गुदापाकमोश्रेष्टवहोत

॥ अथअन्यगुदारोगप्रस्तारुकनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ दुष्टअम्लजोमाताषावै तातेंदुग्धदुष्टहोइजावै वालकदुग्धजुपीवैतास पित्तगुदाकरदोषप्रकाश उदरजलौकाइवव्रणहोय गुदामांहिलखलीजैसोय सोव्रणलालीदाहसमेत प्रगटहोतजानोयहनेत अरुज्वरकासप्रगटहोइआय पतलीविष्टापीतकराय दारुणवडोरोगयहलहिये प्रस्तारुकनामयाहिकोकहिये

॥ अथप्रस्तारुकरोगउपायः ॥

॥ चौपई ॥ ऊपरगुदाजलौकालावे रुधिरनिकालैरोगनसावै ॥ अन्यच्च ॥ चीरीवृत्तकाथकेसंग धोवैगुदाहोयरुजभंग ॥ अन्यच्च ॥ विल्वइंद्रयववालाआने अवरमोचरसतांमोठाने अजादुग्धइन-साथपकाय तीनरात्रतकवालपिवाय संग्रहणीरक्तकासमिटजावे अवरप्रस्तारुकतासनसावे ॥ अन्यच्च चंदनअरुदोसारवाआन शंखनाभिसमलेपनठान तौभीनाशरोगयहहोय निश्चयकीजैमनमोंसोय अ-थवातासअवलेहवनावे वालककोंयहनित्यचटावे ॥ अन्यच्च ॥ असनवृत्तपुष्पपीसाय जलसोंगुटिकावां-धवनाय भातपिछसोंपीवैतास नाशहोयरुजसुखपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ लाजावंतीजढकोंआन सरज-वृत्तजढसमलेठान पीसचूर्णकटुतैलमिलाय लेपैगुदापाकमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ सरजवृत्तकोचूर्णकीजे तिलतेलगुदामेंलिघूडार्दीजे तौभीगुदापाकमिटजाय तासचिकित्साकहीसुनाय

॥ अथविद्रीगुदारोगउपायः ॥

॥ चौपई ॥ लेआमलेसातपलपीस सातपुठगोमूत्रदीस धूपसुकायलेपगुदकरै विद्रीरोगदोषनिरवरै

॥ अथगुदाशोथउपायः ॥

॥ चौपई ॥ मरचचूर्णमाखनकेसंग गुदालिपायशोथरुजभंग ॥ अन्यच्च ॥ देवदारुकूष्मांडकेवीज मुत्थरइंद्रयवआनमिलीज पीसतैलसोलेपकराय शोथजायरोगीसुखपाय ॥

॥ अथअहिपूतनालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मूत्रपुरीषयुक्तअस्थान नहिधोवैनहीशौचविधान तहांरक्तअरुकफप्रगटावत स्रवैंसधुर-कस्फोटउपावत गलैतवैफोटनकीठौर वहुधायहवालनदुखघोर

॥ अथअहिपूतनारोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ धात्रीजोवालककीहोय पिलावैदूधनिजस्तनधोय ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलाषदिरलेयकर-क्काथ वालकव्रणधोवैतिससाथ तातेंरोगनिवारणहोय निश्चयकीजैमनमोंसोय ॥ अन्यच्च ॥ शंखसौ-वीरमुलट्ठीआन यहसमपीसलेपसोठान रक्तअधिकजोजानैजवै जलौकनरक्तनिकासैतवै ॥ अन्यच्च ॥ करंजूत्रिफलातिक्ताआन इन्हसमसोंघृतकरैपकान तिसघृतकोजोमर्दनकरै रोगजायरोगीसुखवरै ॥ अन्यच्च ॥ काहीरोचनअरुहरताल नीलाथोथारसोंतजुडार अमलसंगलेपजोकरै व्रणकंडूना-शैदुखटरै अथघृतपानम् चौपई पटोलपत्रअरुलेत्रिफलाय रसोंतसहितघृतलेहुपकाय रोगीनितउठ-पीवैतास रोगजायतनुसुखप्रकाश

॥ शय्याऊपरवालकमूत्रतिसकाउपाय ॥

॥ चौपई ॥ जहांमूत्रकोंहोइअस्थान धानोकेतुषतापरठान तिनतोहनकोंअग्निलगावै तिंहचीकनीमृ-त्तिकाजुभुनावै मृतकापीसमधुघृतसमपाय वालहिदेयशय्यानमूताय अन्यच्च चौपई सितसर्षपसमची-चवहोठी पीसैमधुघृतकरैइकठी वालहिंकोपुनसोऊचटाय शय्यामूत्रदोषमिटजाय कूर्मतैलभीयापर-जान अहैश्रेष्टअपनेमनआन

॥ अथवाललोमशातनउपायः ॥

॥ चौपई ॥ शतपुष्पाकुठसेंधाल्याय समयहलेयजुअम्लपिसाय घृततैलपायतनुबुटणामले रोमसमस्तवालकेटलै ॥ अथवालककृशताउपायः ॥ चौपई ॥ मसूरअन्नलेपीसवनाय वासीजलतिसमाहिरलाय तैलपायतनुबुटणाकरै कृशताअकुरडीतनुतेंहरै

॥ अथउपशीर्षरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शिरमोंकुपितहोतजववात सवर्णशोथशिरमोंउपजात पीडारहितशोथशिरजोय रुजउपशीर्षकहावैसोय गर्भवासमेंउत्पतिजास अवरवाह्यभीजानोतास पिडिकाअर्वुदविद्रधिजेऊ पाछेंकेहेरोगलषतेऊ जिसवालहियहकरैंसंचार वातचिकित्सातिंहहितकार

॥ अथउपशीर्षरोगउपायः ॥

॥ चौपई ॥ चूर्णम् ॥ हरडवरचरजनीत्रिकुटाय यहसमचूरणकरोवनाय दूधसाथयहचूर्णपिलावै उपशीर्षादिरोगमिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ पक्कजायउपशीर्षरोग चिकित्साविद्रधिकरणेयोग

॥ अथवालकदंतोत्पत्तिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वालकदंतमूलअस्थान ताआश्रयहोइवातमहान उरपतदंतनहोनेदेय अरुवहुरोगउपावैतेय

॥ अथवालकदंतोत्पत्तिउपायः ॥

॥ चौपई ॥ गजपीपलमघपीपलआन धावेफूलआमलेरसठान मधुरलायसमचूरणकीजै दंतस्थानउपरसुमलीजै उपजैदंतहोयरुजहान अवरउपायकहोंसुनमान ॥ अन्यच्च ॥ तीतरलवामाससमआनो धूपसुकायसुचूरणठानो मधूरलायसोतहांमलाय उपजेंदंतवालसुखपाय दूधदांतजवउपजनलागें तांउपायमोंनाअनुरागें उपजपडेगेदंतजुजवै आपहिंपीडानाशैतवै

॥ अथवालकदंतोत्पन्नशुभाशुभफलनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ वालकजन्मलेतहैजवै नवीनदंतउपजैतिसतवै मासमासकोफलदिषराऊं जैसेंशास्त्रनतेंलषपाऊं दंतसमेतजुजन्म्योजानै तिसवालककोंराक्षसमानै सर्वलोककोंभयउपजावै यहफलशास्त्रतांकोंगावै शीघ्रसुनिजमाताकैनाश मासमासफलकरोंप्रकाश प्रथमद्वितीयतृतीयजुमास जन्मेंदंतवालपितुनाश यद्यपिपितासूर्यसमहोय तौभीजानोमरहैसोय सोवालकहैयमहिसमान निश्चयहरेपिताकेप्रान चतुर्थमासजन्मेजोदंत निजभ्राताकाकैरजुअंत पंचममासदंतप्रगटावैं मातामातुलतौमरजावैं षष्टममासउपजेलषपैरे मातुपिताकेधनकोंहरै सप्तममासप्रगटहोंइजोय संतापगुरूअरुदासहिंहोय अष्टमनवदशमएकादश द्वादशत्रियोदशअवरचतुर्दश इन्हमासहिंजोउपजैंदांत वहुशुभअहैकैरेसुखशांत

॥ अथमासउपद्रवशांतिउपायः ॥

॥ चौपई ॥ याहिउपद्रवकेमंझार शांतिकर्मवहुधाहितकार जपअरुपाठकरैजुकरावै यथाशक्तिदानसुखपावै हवनशांतिविधिवतसोकरै याहिउपायउपद्रवटरै शांतिकरनसामर्थनजवलग वालदर्शकरहैनहिंतवलग धात्रीकेगृहछोडेतास शांतिकरैतवल्यावैपास उपरंतशांतिवरब्राह्मणजान सदक्षिणवालकतिंहदेयदान करसंकलपवालसोदेवै मोलदेयपुनवालकलेवै पुनदधिलाजामधुजुमंगाय वालक-

केमुखऊपरलाय चुंबनतीनवारमुखकरै पुनतानंतरअसअनुसरै सधात्रीबालकनाउचडावै अथवाग-जपरदोयवेठावै तवक्षीरषंडघृतसाथमिलाय धात्रीब्राह्मणकाभुक्ताय इहप्रकारजवयहविधिकीजै कस-लउपद्रवकोफलछीजै कुटुंबसहितबालकसहुलास होवेनिश्चयकीजैतास इतिअकालदंतोत्पत्तिउपायः

॥ अथसोयाबालकजोदांतसोंदांतघसायशब्दकरै ॥

तिसकोंदंतठाठारोगकहिये ॥ तांकोनिदान ॥ चौपई ॥ जोरूषाभोजनबालककरै अरुस्वभाववातलनिजधरै वातसकोपतिसनाडिमंझार तहांआयसोकरैसंचार बालकसोयेदांतोंसाथ शब्दकरैजानोयहगाथ ॥ तांकोउपाय ॥ चौपई ॥ कर्कटशाकपयपायपकावै बालकचरणतलैलेपावै दंतठाठारुजताहिनरहै सुखसोंबालकनिद्रागहै ॥

॥ अथसोकारोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वर्षउप्रंतबालकहेजोय योनिदोषतेंरोगीहोय मंदअग्निबहुविष्टाकरै पिंजरअस्थिप्रगट-लषपरै सोकाआदिरोगबहुलहिये तासचिकित्सासुनयोंकहिये दुग्धअवरमांसरसजोय अवरस्नेहव-स्तिहितहोय ॥

॥ अथअन्यशोकारोगलक्षणचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ देहद्वारकफसाथरुकावैं विष्टापतलीज्वरप्रगटावैं पीनसअरुचश्वासअरुकास सूक्यो-जायबाललषतास ॥ चौपई ॥ पंचकोलतिक्तासमकीजै मधुघृतमोंसोपीसरलीजै दिनसवारचटावैता-स होवैउनरोगनकोनाश ॥ अन्यच्च ॥ सैंधात्रिकुटापाठाआन पुनगिलोयसमचूरणठान मधुघृतमे-लचटावैतास होवैउन्हरोगनकोनाश ॥

॥ अथअन्यप्रकारशोकारोगलक्षणचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अतिकृशदुर्बलहोयजुबाल क्षुधाताहिलागेजुविशाल ताबालहिंयहचूरणदीजै रोगतासकोयातेंछीजै ॥ चूर्णम् ॥ यवगेहूअरुकंदविदारी यहसमचूरणकरोसुधारी घृतरलायबाल-कहिंषवाय पाछेदुग्धपकायपिलाय मधूशरकरादुग्धपिलावै रोगनकोदुखतांतेंजावै ॥ ॥ असगंधघृतम् ॥ चौपई ॥ असगंधलेयक्वाथतिसकीजै पादशेषरहैसोपुनलीजै दशगुणता-मोदुग्धमिलाय क्वाथतुल्यघृतपायपकाय सोघृतनित्यबालजोषावै होइबलवानपुष्टदरशावै ॥ अथ-रासनाघृतम् ॥ चौपई ॥ रहसनअसगंधऋषभविडंग काकोलिदोयदोजीरेसंग मुद्गपर्णिसंगता-सामिलाय समघृतपायमंदाग्निपकाय मलैदेहबालहिंजुषवावै पुष्टहोयबालकसुखपावै ॥ अथगौ-रीघृतम् ॥ चौपई ॥ गौरीवरचलोधरजुमुलट्ठी दोयपर्णिअरुऋषभइकट्ठी चंदनासितालाक्षजीव-कजो छिरणीउत्पलमेदपद्मसो पद्मकाष्टकुमुदकाकोलि पंचक्षीरतरुत्वचसमतोलि दोइसारवा-तुल्यघृतपाय चतुरगुणदुग्धजलपायपकाय मलैषुलावैबालकतांई पुष्टहोयसबरुजामिटजाई ॥ अथ-लाक्षाघृतम् ॥ चौपई ॥ लाक्षासरलअरुकुष्ठाविडंग दोइरजनीलोधमुलट्ठीसंग कैंथरसोंतसरीहके-बीज लघुलाइचीगजकेसरलीज पद्मकाष्टतालीसपत्रजो सबसमपीसैवस्तलेयसो सबसमलेघृतपाय-पकावै नितप्रतिबालहिप्रातषुलावै उदरकीटसर्पविषजाय अस्फोटाविसर्पीलूतनसाय मूत्रदोषगंड-

मालानाशै वालपुष्टहोइवलपरकाशै ॥ अथचांगेरीघृतम् ॥ चौपई ॥ चांगेरीस्वरसआढकपरिमान प्रस्थएकघृतकरोमिलान अजादुग्धइकप्रस्थरलावे अवरवस्तुसबकल्कमिलावे अवरमिलावेआनमंजीठ धावैलोध्रकपित्थलेईठ उत्पलसेंधाकुष्ठत्रिकुटाय मुथ्रविल्वसमसबकूटाय यहकल्कजुपावेघृतमंझार मंदअग्निसोंतासमुधार वालषायग्रहणीअतिसार इत्यादिकवहुरोगनिवार ॥ अथपाठाघृतम् ॥ चौपई ॥ पाठाकुष्ठसरलसुरदार गजपीपलमघचित्राडार सुंठतेजवलरजनीदोय कौडइंद्रयववरचसमोय मरचवराहकांताजुविडंग नागजिंहाअजमोदासंग हरडपतीसविजोरेमूल दाडिमत्वचसबलेसमतूल करैकाथअजादुग्धमिलावै समक्काथहिंघृतपायपकावे षायवालअतिसारनसाय अरुचअरुमंदाग्नीमिटजाय पांडुगुल्मशोथनरहावै क्ूससोंकास्वरभेदमिटावै अवरदीनताआदिकरोग नाशहोहियाघृतसंयोग वालकपुष्टहोयवलवान तेजस्वीहोइनिश्चयमान ॥ अथसोमघृतम् ॥ चौपई ॥ स्वेतसर्षपावरचमुलठ्ठी ब्राह्मीद्राक्षअसगंधइकठ्ठी शंखपुष्पीपुनर्नवाआन पयस्याकाश्मीरीफलठान दोइसारवाफालसेपावै शतावरीपाठाहलदमिलावै अपामार्गभंगुरासुरदार सौंचलश्यामागेरीडार वांसापुष्पदोदोपलमंजीठ सबसमलेदशमूलीईठ पायद्रोणजलक्काथजुकरे तलेउतारछाणपुनधरे पादशेषक्काथरहैजव प्रस्थदोयघृतपावैतव घृतसुसिद्धकरधरैवनाय द्विमासउप्रंतजुगर्भणिपाय षातरहैषटमासप्रयंत तांकोंगुणसुनहोसबसंत सर्वज्ञपुत्रजन्मेतिसनारि सबरोगविनाहोइरहितविकारि रहितवालग्रहहावैसोय वरणसुष्टवलसंयुतहोय माताहीकीकुक्षिमंझार सुंदरवाणीकरैउचार नारीपुरुषजेऊयहषावै योनिवीर्यदोषमिटजावै वंध्यायाकोंषावैजोय पंडितशूरपुत्रजनेसोय गदगदस्वरमूकताविनाशै ऐसेगुणयाकेपरकाशै सप्तरात्रिजोषावैतास श्रुतिधरहोयकरोविश्वास यहजुसोमघृतजिंहगृहमांहि धद्योहोयअग्नीभयनाहि अरुतांकेगृहवालनमरै निरोगवालपुष्टवलधरै ॥ अथघृतखानेकामंत्र ॥ ॐनमोमहाविनायकायामृतंरक्षममफलसिद्धिंदेहिरुद्रवचनेनस्वाहा ॥ अथअष्टमंगलघृतम् ॥ चौपई ॥ वरचकुष्टब्राह्मीकोंआन सितसर्षपसारवापछान सेंधामघअष्टमघृतपावै सिद्धकरैवालकहिंषवावै मासप्रयंतपिलावैतास वालकश्रुतधरहोइजगभास अरुविशालवुद्धिसोहोय डरपिशाचराक्षसनहिंकोय जिंहवालहिंपरछांमांकहिये जाकीदेहसूकतीलहिये तांकोदोषदूरहोइजाय अष्टमंगलघृतहैसुखदाय ॥ अथकुमारकल्याणघृतम् ॥ चौपई ॥ शंखपुष्पीवचब्राह्मीआन त्रिफलाकुष्ठद्राक्षपुनठान सुंठसरकरावलाकचूर जीवकजीवंतीतिंहपूर जवाहांविल्वसुरसाअरुमुत्थर लघुलाचीगजपीपलतिंहधर दाडिमलीजेपुष्करमूल कर्षकर्षसबलेसमतूल इन्हकीक्काथवनायसुधारै प्रस्थएकघृततामोंडारै प्रस्थएककंड्यारीकाथ चारोप्रस्थदुग्धधरसाथ सिद्धकरेघृतवालषुलावै वलहोइपुष्टवरणप्रगटावे मंदाग्निपछामांक्रमिरुजनाशै अलक्ष्मीदंतरोगसुविनाशै दंतजन्मनकेजोरोग नाशहोंहिजानोसबलोग अवरहुंरुजवालककेजावै ताघृतगुणयहप्रगटजनावै मज्जावसाँअवरपुनतेल जोइन्हऔषधमोकरमेल ताहिपकायजुवालषवावै वालककेसबरोगमिटावै ॥ अथषदिरघृतम् ॥ चौपई ॥ षदिरजुअर्जुनअरुतालीस स्पंदनकुष्ठलेहुसमपीस तासक्काथमोंघृतपयपाय वालककोंसुपकायषुलाय शोथविकारवालकोजाय षदिरजघृतयोंकह्योसुनाय ॥ अथसिद्धाकघृतंक्षीरभोजिनोवालस्य ॥ चौपई मुथ्रसितसर्षपामंगाय ब्राह्मीवरचशतावरिपाय अपामार्गसारवापछान मघकुष्ठसेंधारजनीठान इन्हसोंसिद्धकरैघृतपीवे सर्ववालरोगहतथीवे अथमधुकघृतंक्षीरान्नभोजिनोवालस्य अन्नभोजीजोवाल

कैहोय मधुकवरचत्रिफलाघृतसोय तांकेसर्वरोगमिटजाहि यामोंरंचकसंसानाहि ॥ अथद्विपंचमूला-दिघृतम् अन्नभोजिवालस्य॥ चौपई ॥ दशमूलतगरमरचेंसुरदार मधुकविडंगद्राक्षसमडार इन्हस-मकाथतुल्यघृतपावै अरुसमतांकेदुग्धमिलावै मंदअग्निसोसिद्धसुकीजै अन्नभोजीवालककोंदीजै वालककेसबरोगविनाशै आयुरहोइवलवुद्धिप्रकाशै ॥ अथवचादिघृतम् ॥ चौपई ॥ वरचदोयकं-ड्यारिमुलट्ठी पाठाकोडपतीसइकट्ठी अरुमुत्थरसमपीसजुधरो इन्हकेसाथसिद्धघृतकरो दन्तजन्म-मोंयाकोंजान श्रेष्ठअहैयहघृतपरिमान ॥ अथश्यामाघृतम् ॥ चौपई ॥ श्यामाजपाअतिमुक्तासमतूल इन्हहूंकेजोआनोफूल तिन्हकेकाथहिघीउपकावै चूर्णमुलट्ठीपायपिवावै श्वासकासरक्तपितजाय तृषामूर्छाशिशुनरहाय ॥ अथनागरघृतम् ॥ चौपई ॥ नागरत्रिवीपुनर्नवाल्यावै वडिकंड्यारीसुवहां-पावे काचमाचीअरुदंतीलीजै अवरजवानीतांमोंदीजै भिडंगीनिचुलफलहिंपुनआन कर्षकर्षसम-यहसबठान अर्धप्रस्थघृततांहिमिलाय दुगुणोजलतिंहपायपकाय शुद्धकरैघृतवालपिलावै श्वासकासवा तजरुजजावै ॥ अथक्षीरद्विधादिघृतम् ॥ चौपई ॥ दोनोक्षीरजीरासुरदार मघांजवाइणविल्व-जुडार तिक्तअवरपिप्पलामूल कर्षकर्षलेवैसमतूल कांजीप्रस्थप्रस्थघृतपाय मदराप्रस्थपायसु-पकाय वालकनितप्रतिषावैतास वालकरोगसहसोकानाश ॥ अथविभीतकतैलम् ॥ चौपई ॥ विभीतकत्वचाकुष्ठहरताल मनछलपुनसबहीसमडाल इन्हमोंतैलमिलायपकावै कानोंपायपा-कनरहावै अरुकानोंकीगंधनिवारै मलैतुकंडूपामविडारै ॥ अथलाक्षातैलम् ॥ चौपई ॥ लाक्षारससमतैलमंगाय दधिमंडचतुर्गुणतांमोंपाय रहसनचंदनकुष्ठसुरदार दोरजनीमुथशतावरिडार असगंधमुलट्ठीरेंवंदलीजै मूर्वातिक्ताइकसमकीजै तैलमांहिसोपायपकाय वालहिमलैग्रहभयज्वर-जाय वलअरुवरणपुष्टतनुहोय निश्चयकीजैमनमोंसोय

॥ अथवालकरतांजनीवातपित्तकफकीऔषध ॥

॥ चौपई ॥ यलाहजडीरतमुंढीआनो गेरीमिरचमंजीठजुठानो श्यामस्वेतजीरेदोइघाल जढसरषपकीलीजैछाल चंदनरक्तसभीसमलेय महंदीजलसोंवालहिंदेय सातदिवसतकवालपि-वाय विनालूणगेहूंघृतखाय रोगरतांजनिआदिनरहे निश्चयअपनेमनमोंगहे

॥ अथवालकज्वररोगचिकित्सानिरूपणम्

॥ चौपई ॥ ज्वरादिरोगकीऔषधजेती वालककोंप्रमाणहैतेती परमात्राघटायकरदेवे असें-वैद्यसमझमनलेवे वालकमोंवलथोडाहोय ताहियथावलदेवैसोय जोजातमात्रवालकलषपैये विडं-गप्रमाणमात्रालषलैये मासमासप्रतितासवधावै ग्रंथकारमतजाहिवतावै जन्म्योवालकजवहीजानै तासचिकित्साइहविधिठानै मासमासप्रतिवायविडंग देतोरहैइसविधीनिसंग तांतेंउदरकुमारमंझार कृमिनहिंपडैंउठेनविकार वर्षउपरंतमात्रापरिमान वेरगुटीसमदेयसुजान अन्नक्षीरभोजीजुकुमार तासमात्रायोंकीनउचार तांतेंअधिकजुवालकलहिये उदुंवरसमतिसमात्रालहिये क्षीरभोजीवालक-होइजास औषधषावैमातातास अथवाधात्रीकोंजुपुलावै जाकोदूधपिएसोषावै अरुवालकहूं-कोंभीदेवै जोअन्नक्षीरभोजीलषलेवै कोऊऔषधवालपिलावै कोऊस्तनमोंलायचटावै जोकेवलअ-न्नभोजीलषलीजे तौवालकहींकोंऔषधदीजे जोस्तनपानअभावलषावै तौगौवकरीदुग्धपिलावै

॥ अथवालकज्वरउपायः ॥

॥ चौपई ॥ जोवालककोंज्वरप्रगटावे तांकोंयहमघचूर्णचटावे मधूशरकराचूर्णमघपाय वालचटावैज्वरमिटजाय

॥ अथवालकसमस्तज्वरनाशनक्काथः ॥

॥ चौपई ॥ हरडमुथ्रनागोरीआन निंवपटोलमुलट्टीठान यहसमक्काथजुवालहिंदेवै ज्वरसमस्तनष्टलषलेवै ॥ अथज्वरकोधूप ॥ चौपई ॥ लाक्षावरचकुठ्ठयहआन गजचर्मभेडचर्मलषमान स्वर्णमच्छीनिंवपत्रमंगावे सवसमपीसमधुघीउमिलावै धूपदेयवालककोंसोय नाशसमस्तज्वरनकोंहोय ॥ अन्यच्च ॥ सितासर्पकंजहिंगूआन निंवपत्रतेजवलठान अजालोमवरचपुनपावै लसनमरचशृंगीजुमिलावै समसवलेपीसैमधुपाय देयधूपसवहीज्वरजाय ॥ अन्यच्च ॥ निंवस्वेतसर्षपपुनआन मृतकागौकुच्छिरोमपछान मधुमिलायधूपसोदेय सर्वज्वरकोनाशकरेय ॥ अन्यच्च ॥ मूर्वाहलदीसर्षपलीजे श्वेतअपराजितामुत्थरदीजै अरुकिरायताआनमंजीठ महीनपीसशतपुष्पाईठ अजादुग्धलेतासरलाय सुंदरवुटनावालमलाय सर्वप्रकारज्वरहोवतनाश ग्रंथकारमतकीनप्रकाश.

॥ अथवालकअतिसारचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मंजीठसालमलीपुनलेधावे पद्मकेसरसवहीसमपावै पीसयवागूमेलपिलाय अतीसारवालककोजाय ॥ अथक्काथः ॥ चौपई ॥ विल्वकथधावैपुष्पमंगावै गजपीपलसवहीसमपावै वालालोध्रआनरलीजे क्काथकरेंवाचटणीकीजै करैक्काथमधुपायमिलाय जोलघुवालकताहिचटाय होवैअतीसारकोनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ नागरमुत्थरअवरपतीस वालाइंद्रयवसमलेपीस क्काथकरैदेवैजोवाल कुच्छिरोगनाशैअतिसार ॥ अन्यच्च ॥ अषरोटमूलधावेकोमूल विल्वकथनागरलेसमतूल क्काथकरेशीतलकरदेवै अतीसारकुच्छिरोगमिटेवै ॥ अन्यच्च सारवालोध्रमंजीठजुधावै यहसमक्काथकरैसुपिलावै वालकअतीसारहोइनाश निश्चयआनोमनमोतास ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ पटोलमूलआद्रकवचसंग अजमोदामघवायविडंग यहसमचूर्णकरैवनाय उष्णतोयसोंवालपिलाय नाशहोयआमअतिसार यहनिश्चयनिजमनमोंधार ॥ अन्यच्च ॥ अंवगुटीमधुसाथचटावै वालकअतीसारमिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ शालिपर्णिपृथकपरणीजो वेरत्वचायहलीजैसमसो करेक्काथवालहिदेसोय त्रिदोषजअतीसारदुखषोय

॥ अथज्वरादिसहितअतीसारउपायः ॥

॥ क्काथः ॥ दोनोरजनीअवरमुलठ्ठ वांसाइंद्रयवसमएकठ्ठ क्काथसुकरवालकहिंपिलाय ज्वरअतिसारवमनमिटजाय श्वासकासनाशहोइजावत होयआरोग्यवालसुखपावत ॥ अथअविलेहः ॥

॥ चौपई ॥ विल्वधनियांलोधरअरुधावै वालाअवरइंद्रयवपावै मधुमिलायवालकहिंचटाय ज्वरसंयुतअतिसारमिटाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ लोध्रइंद्रयवधनियांधावै मुत्थरआमलेवालापावै पीसमधूकेसाथचटाय ज्वरअरुअतीसारमिटजाय

॥ अथवालकसंग्रहणीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ हलदीचव्यदेवदारुकंडेआरी गजपिप्पलपृष्टपर्णीडारी महीनपीसशतपुष्पापाय मधुघृतमेलजुवालचटाय संग्रहणीपांडूज्वरजावे अतीसारहरभूषलगावे

॥ अथवालकछर्दिकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ चतुरजातककोचूर्णकीजै गोगोवररसतांमोंदीजै मधूरलायचटावैसोय वालकछर्दनाशतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ सुंठीमघअरुपाठाजान मरचभिडंगीमधुसमठान वालहिंनित्यचटावैसोय कफअरुकासछर्दहतहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ विडंगमघसुरमासितपाय लाजाशृंगीमरचरलाय मधुमिलायचटवावैतास कासछर्दकोहोइहैनास ॥ अथअविलेहः ॥ चौपई ॥ आंवगुटीसैंधासमलाजा मधुरलायअविलेहसुसाजा वालहिंनित्यचटावैतास होवैछर्दरोगकोनाश ॥ अन्यच्च ॥ मुलट्ठीत्रिकुटासितापिसाय विजोरेरससोंवालचटाय छर्दरोगकोहोइहैनाश ऐसोगुणातिसकीनप्रकाश

॥ अथवालकअफारेकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ सैंधानोनसुंठअरुलाची सेकीहिंगअरुभार्गीसाची चूर्णघृतवापानीसोंलेय अफारशूलवालकहरतेय

॥ अथवालकमूत्रषोलनेकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ पीपलमिरचपुनछोटीलाची सैंधानोनपीसैंसमसाची मिश्रीसहतामिलायचटावै तौमूत्रवंधसोखोलकरावै

॥ अथवालकछर्दअतीसारउपायः ॥

॥ काथः ॥ चौपई ॥ सरलदेवदारुजुविडंग कोगडनिंवजवायणसंग सप्तपर्णीअरुपायपटोल कीजेकाथसभीसमतोल घृतमधुपायपिलावैतास सबअतिसारछर्दहोइनाश वामधुघृतसोंचूरणषावे रोगजायवालकसुखपावे ॥ अथविलेहः चौपई ॥ प्रियंगूवेरागिरीजुमुलठ्ठ मुत्थरसुरमाश्वेतइकठ्ठ यहसममधुसोंमेलचटाय छर्दतृषाअतिसारनसाय ॥ अथकाथः चौपई ॥ कंड्यारीफललेहुत्वचाय मघांपिप्पलामूलरलाय लेसमऔषधकाथवनावै वरूरवंशलोचनसुपिलावै वमनमूर्छाश्वासजुकास ज्वरअतिसारपीनसहोइनाश ॥ लेहः ॥ धनियांककडश्रृंगिपतीस गजपिप्पलसबहीसमपीस मधुमिलायजुचटावैजोय अतीसारछर्दहतहोय ॥ चूर्णम् ॥ चौपई ॥ केवलवालाचूर्णपिसावै मधुशरकराजुताहिरलावै तंडुलजलसोंपीवैतास अतीसारछर्दतृषाज्वरनाश ॥ अन्यच्च ॥ केसरकमलमंजीठपिसाय मधुशरकरातासरलाय तंडुलजलसोंवालपिलावे वालककेसबरोगनसावे नाशेछर्दअवरअतिसार वैद्यकमतयोकीनउचार ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ पत्रअंवजामनकेआन पत्रच्चीरितरुकोमलठान मुलठ्ठपद्मकंदकुशमूल अरुपतीससबलेसमतूल काथकरैमधुशरकरापाय वालहिंदेयतृषाज्वरजाय ॥ अथचूर्णम ॥ चौपई दाडिमवीजअवरसितजीरा नागकेसरसुनलेहुवीरा पीसैमधुशरकरामिलाय वालकचाटैतृषाज्वरजाय अन्यच्च ॥ चौपई ॥ ककडश्रृंगीमुत्थरपतीस यहसममधुमिलाईयेपीस मधुमिलायचाटैवाषाय ज्वरअरुकासछर्दमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ केवलपीसपतीसमंगावै मधुसोंछर्दकासज्वरजावे ॥ अन्यच्च ॥

मुस्थरश्रृंगीकणापतीस वांसाचूर्णमधूसोंपीस वालहिंप्रातचटायनिहार कासनाशहोइपांचप्रकार अथवा-लककाउपायः अथकाथः चौपई वालचीरभोजीहोइजोय तांकोंप्रगटकासरुजहोय तासमातावाधात्रीता-ई काथपिलावैयहजुवनाई प्रथमहिंकरैमाषकोकाथ मघश्रामलेभूनघृतसाथ पीसमिलायजुप्रातपिलावै अरुथोडीवालकहींपिवावै सर्वप्रकारनकीजोकास निश्चयजानोहोवैनाश ॥ अथअविलेहः ॥ चौपई ॥ द्राक्षमघांनागरसमपीस मधुसोंचाटैंकासहोइषीस ॥ अन्यच्च ॥ कंड्यारीपुष्पकेसरमधुलाय चाटैंकास-चिरकालकजाय ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ केवलधनियांपीसमंगावै तांकेसमशरकरामिलावै तंडुलज-लसोंपीवैतास तौभीहोयकासकोनाश ॥ लेहः ॥ चौपई ॥ मघांजवांहाश्रृंगीश्रान वंशलोचनअरुद्रा-क्षाठान मधुघृतमेलचटावैतास श्वासकासज्वरहोथविनाश तमकश्वासनाशपुनहोय निश्चयश्रानो-मनमोंसोय ॥ अन्यच्च ॥ द्राक्षजवांहामघापिसाय अरुहरडेसबहीसमभाय मधुघृतपायसोचूर्णचटावै श्वासतमकश्वासभीजावै पांचरात्रित्रैरात्रिमंझार नाशैकासरहैनविकार ॥ अन्यच्च ॥ श्रृंगीगेरीहिंगुप-छान लघुलाचीसुंठमुलट्ठीठान मधुमिलायकरचाटेजोय हिडकीकासरहैनहिकोय

॥ अथवालकरक्तातिसारतथाप्रवाहिकाअतिसारचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वालाशर्करामधुजुमिलाय तंडुलजलसोंवालपिलाय रक्तप्रवाहिकहोवतनाश वालककेम-नहोतहुलास ॥ अन्यच्च ॥ मुलट्ठीलाजाशर्करासाथ अवरमधूतिसमाहिरलाय वालककोंजुचटावेतास रक्तप्रवाहीहोवतनास ॥ अन्यच्च ॥ मुलट्ठीतिलकोकल्कवनावे मधुतैलसितातिसमाहिरलावे वालकको-यहनित्यचटाय रोगप्रवाहिकातासतेंजाय

॥ अथवालकहिडकीरोगउपायः ॥

॥ चौपई ॥ जंवूतिंदुककेफलफूल घृतमधुसोंमेलोसमतूल वालहिंनित्यचटावैतास होवैहिडकीरु-जकोनाश ॥ अन्यच्च ॥ मघमुलट्ठमधुशरकरालीजै विजोरारसयुतवालकदीजै हिक्काअवरछर्दहोइनाश निश्चयकीजेमनमोतास ॥ अन्यच्च ॥ कौडअवरमधुमेलचटावै हिक्काछर्दरोगभगजावे ॥ अन्यच्च ॥ गेरी-मधुरलायजुचटाय छर्दरोगवालककोजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पंचमूलघृतदुग्धपकाय वालककोय-हनित्यपिलाय होवताहिक्कातासतेंनास ग्रंथकारमतकीनप्रकाश

॥ अथवालकशिरोरोगलेपः ॥

॥ चौपई ॥ वेरचुलाईकपित्थपछान काकमाचीदलइन्हकेआन वालकसिरपरलेपनकरै सिरकोरो-गवमनपरिहरै यहअपनेमननिश्चयधार ग्रंथकारमतजाहिविचार

॥ अथतुंडीरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नाभीस्थानहोयवातविकार पीडासंयुतशोथअफार तुंडीरोगनामतिसजानो अवर-पाकनाभीपरमानो

॥ अथवालकनाभिरोगचिकित्सा ॥

उत्थितनाभिवालकीजाय अथवाशोथनाभिपरहोय मृतकामिंडसअग्निभषाय लालहोयपयसाथ-सिंचाय तांकीदेयइवाडजुतास निकसेखेदनाभिरुजनाश पकैनाभिवालककीजाने तासचिकित्सा-

ऐसेठाने वकरमिंगणभस्मकरावै तांहिवरूरैपाकनसावै अथवाक्षीरवृक्षत्वचआन पीसवरूरैहोइक-ल्यान ॥ अन्यच्च ॥ वाचंदनचूरमहीनवरूर पाकनाभिकोहोवैदूर ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ रजनीलोध्र-प्रियंगुमुलठ यहऔषधसमकरोइकठ घृतवातैलहिंपायपकावै नाभिमलैवालकसुखपावै

॥ अथवालकरात्रिरोदनचिकित्सा ॥

॥ चौपई मघत्रिफलाकोचूर्णकीजै मधुघृतसंयुतवालकदीजै रोदनरात्रीकामिटजावे अपनेमनमों-निश्चयल्यावे अन्यच्च ॥ छुछुंदरीविष्टामाषमिलावे विल्वपत्रअरुहरिद्रापावे इंद्रयवअरुविजयापत्र पी-ससभीसमकरोइकत्र रात्रीधूपधुखावेजास रुदनत्रासमिटजावेतास

॥ अथवालककेनवग्रहोंकीउत्पत्तिनामलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वालग्रहोंकीउत्पतकहों प्रथमनामतांहूकेलहों स्कंदग्रहस्कंदापस्मार शकुनीरेवतीपूतना विचार अंधपूतनाशीतपूतनाजान मुखमंडिकानैगमेयवखान अथउत्पत्तिः स्वामीकार्तिकरक्षाअर्थ नव-ग्रहशिवकीनेजुसमर्थ तिनकोरूपअतित्रियासमान सुंदरअवरपुरुषसममान स्वामिकार्तिकअग्निसमजोइ जाकेहितकरग्रहसंजोइ महादेवजोप्रगटकरे स्वामिकार्तिकसंगसुधरे स्वामिकार्तिककोइकसखा विशाखनामतासकोरखा सुनस्वामिकार्तिककर्ताहरी तिनमिलकरविनतीशुभकरी हमभूखेकछुभोज-नहोइ जांतेंतृप्तरहेंसबसोइ षटमुखशिवसोंविनतीकरी कृपादृष्टहोइशंकरहरी आज्ञादईतवजगके-ईश्वर पशुपक्षीमृगजीवजोजलचर मानुषआदीतिर्यगजोई सवदेवनवसजोनीहोई देवमनु-ष्यपरस्परदोय परोपकारसमवर्तेसोय होमयज्ञपूजाकरैंजवहिं देवप्रसन्नहुयेसवतवहिं सीतउष्णव-र्षाशुभकरै मनुष्यप्रसन्नताइनकरधरै सोदेवहिसवकोपकोधारै कालपाइपशुपंछीकोमारै उष्णकाल-गर्मीसंतापै सीतकालमोंसीतसुव्यापै तिहकरमानुषशुभहितकार होमजज्ञदेवनवलिहार परस्परउन-कीवृत्तीहोय उनतेंभिन्नवतावोंसोय देवापितरगुरुब्राह्मणजोई अवरजुअतिथीजानोसोई इनकीपूजाज-पनहिंकरैं भोजनादिशुभभेटनधरैं कांसिकेपात्रफूटेहोई उनमेंभोजनकरेजुकोई ऐसेलक्षणजिनघर-देषो उनकेवालकनकोंदुखरेषो जोदेवनकोंवलिनहिदेवै तांकेवालकदुषहिधरवै सोतुमकोंदेवै-वलिभेट तांतेंभूषहरोसबपेट जोतुमकोवलिभेटनहोई उनकेवालकमारोसोई ऐसीशिक्षाशिवजी-कीनी वालग्रहोंनेमानसुलीनी वालग्रहवलिलेनेकारण निश्चयखेदकरैतिहवालन इतिवालकग्रहउत्पत्तिः

॥ अथसामान्यग्रहयुक्तवालरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ क्षणमोंकांपेक्षणमोंरोवै विष्टाभग्नभग्नस्वरहोवै माताकोंनखदांतविदारै निजतनु-भीविदारकरडारै पीडेदांतउर्द्धकोंदेषै जृंभतभोयेंचलावतपेषै मुखतेंफैननिकासैसोय कृशतनुरहैअ-ग्निमंदहोय चर्वनउोष्टकरेअरुत्रास मलिनअंगअंगशोथप्रकास निर्वलतावहुतनुमोंधारे ऊंचेंकरजो-शब्दपुकारे संज्ञानष्टतासकीहोय रात्रीजाग्रतदिनमहिसोय रुचीनहोवतपूर्वन्याय स्तनभोजनतिसना हिसुहाय तनुतेंमत्सरुधिरगंधआवै सामान्ययुक्तग्रहवालकहावै

॥ अथसाध्यअसाध्यकष्टसाध्यग्रहलक्षणम् ॥

चौपई ग्रहवर्तेवालकतीनप्रकार सोसुनहोअवकहोंविचार कारणहिंसाइकग्रहजानो रतिकामसुपीडतदू-सरमानो पूजाकांक्षितइकग्रहहोई तीनविधीग्रहवर्तेसोई तिनतीनोंकासुनोविचार संयुतविवरेकरोंउचार

॥ अथहिंसात्मकग्रहगृहीतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हिंसकग्रहगृहीतकेलक्षण सोसुनहोअबकहोंविचक्षण वालकनासाश्रवतमहान जिव्हास्फुटिततासकींजान शब्दकरेअरुदुखितजुहोय अश्रुपूर्णलोचनजोय दुर्वर्णहीनवचनकृशजानो पूतिगंधतिसदेहपछानो मूत्रजुविष्टाअपनाजोई ग्रहणकरेनहिसमभेसोई अपनेहथकरआपकोमारे अवरनकेपरक्रोधकोधारे शस्त्रअवरकाष्टादिकजाहि प्रहारकरेजिनकरतनमाहि अथवाअग्नीप्रविशेजोय वाजलकूपपरेजायसोय दाहतृषातनुव्यापैजास छर्दनपूजदुर्गंधीतास रक्तश्रवेसबमार्गद्वार ऐसोबालकरोगविचार वैद्यत्यागजावैतिसवाल अपनेमनजानेतिसकाल ॥इतिहिंसकग्रहलक्षणम॥ अथरतिकामपीडितग्रहगृहीतलक्षणम् ॥ चौपई ॥ पीडतकामरतीग्रहजोय तासगृहीतजुवालकहोय तांकेलक्षणदेऊवताय सोसुनियेंअपनेचितलाय लालापरतिअतिस्त्रीसंग गंधपुष्पप्रियभूषणअंग हृष्टशांतचिततासकोहोय कष्टसाध्यरुजजानोसोय

॥ अथपूजाकांक्षितग्रहगृहीतस्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पूजाकांक्षितग्रहकह्योजोय तासगृहीतसुनोतुमसोय दीनम्लानताहिमुखजानो शुष्कओष्टगलतालूमानो भयभीतहोयकरदेषेजोई अतिदीनहोयकररोवेसोई अन्नपानअभिलाषाजवहि दंतअन्ननहिखावैतवही ऐसेलक्षणदेषोजास सुखहिसाध्यतुमजानोतास ॥

॥ अथसाध्यअसाध्यकष्टसाध्यग्रहसंहारकचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ हंतुकामग्रहजोयगृहीत सिद्धमंत्रकरेहवनसुनीत ग्रहजुहिंसकतासतेंजाय वागभट्टमतादियेवताय पीडतकामरतीग्रहजोय तासगृहीतजुवालकहोय वलीअवरदेयवहुदांन पीडतकामरतीग्रहहांन पूजाकांक्षितग्रहलगेजास स्थाननिरंतरसोकरेवास मार्जनसेचनजिसघरहोय अग्निसदाजिस्नानिकटरहेजोय ऐसेघरमोंदिनजोतीन वासकरैतिसरोगनचीन पत्रपुष्पवीजशुभजोय अन्नअवरसर्षपाहोय यहसववस्तूजिसघरमाहिं दीपकतैलपूरजगेताहिं सेवेमद्यजुमैथुनमास जिसघरमेंनहितासनिवास ऐसेघरमोंताहिविठाय पूजाकांक्षितग्रहमिटजाय

॥ अथसामान्यवालग्रहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ लसननिंवपत्रमंगवाय लाक्षवांसत्वचघीउरलाय धूपधुषायवालककोंदेय सामान्यवालग्रहनासकरेय ॥ अन्यच्च ॥ सेतीसर्षपवांशत्वचाय निंवपत्रलाक्षारसभाय घृतरलायकरधूपधुषावै सामान्यवालग्रहभाग्योजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सर्पकंजासितसर्षपआन केसरअरुनिर्माल्यसुमान घृतमिलायसोधूपधुषाय ग्रहसामान्यनाशहोजाय ॥ अन्यच्च ॥ सिंहव्याघ्रहस्तीरिछछाल सर्पकंजलेंघृतमोंडाल बालकआगेधूपधुषावै ग्रहसामान्यदूरहोइजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ दशांगकरंजुसर्षपकुठआन जवायणवरचभिलावेठान घृतमिलायधूपसोदेय ग्रहसामान्यजायलषलेय ॥ अन्यच्च ॥ काकजंघाकपित्थपहिचान महास्वेताकरंजुपुनठांन क्षीरवृक्षकदंवसमलीजै घृतमिलायधूपसोदीजै सामान्यग्रहकीपीडानाश निश्चयकीजैमनमोंतास ॥ इतिसामान्यग्रहचिकित्सा ॥

॥ अथस्कंदग्रहयुक्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिहस्कंदग्रहकरैसंचार तावालहिंअसहोंहिविकार श्रवैजुलोचनएकैजास एकअंगकंपतरहैतास अर्द्धदृष्टिकरदेषैसोय मुखटेढाराषतहैवोय रुधिरगंधआवैतिसदेह रोदनअल्पकरैलषतेह पीडतदांतत्रस्तअतिरहै ग्रहस्कंदचिन्हयोकहै ॥

॥ अथस्कंदउपायः ॥

॥ चौपई ॥ एरंडकेपत्रनकोकाथ वालन्हवावैताकेसाथ रोगस्कंदग्रहनांहिरहावै यहनिश्चयनिजमनमोंल्यावै अन्यच्च एरंडमूलमोंतैलपकावै देहमलैस्कंदग्रहजावै ॥ अन्यच्च ऊंटछागभेडगौवाल पीसएकसमघृतमोंडाल वालकआगेधूपधुषावै वालकतैंस्कंदग्रहजावै अन्यच्च विविधभक्षवलिभटैंवनावै रक्तपुष्पस्रग्गंधचढावे, कुर्कटपक्षीवलीवनाई आनधरैग्रहचंडकेताई रक्तध्वजातिहऊपरधारै याविधिस्कंदग्रहकिउचारै शालीभातनैवेदचढाय पाछैवालस्नानकराय रात्रीतीनचौराहेमांहि वालस्नानकरावैतांहि स्वामिकार्तिकपूजाअनुसरै गायत्रीमंत्रसंगहवनजुकरै तौस्कंदग्रहदूरपलावै यहनिश्चयअपनेमनल्यावै ॥ अन्यच्च चौपई वल्लीइंद्रसोमजोवल्ली मूलमृगादंनिगांठहैभल्ली वंदावृक्षअर्कविल्वजोय सबहीधागेमांहिपरोय वालककेगलसोऊडारै इहविधिग्रहस्कंदनिरवारै ॥ अन्यच्च चौपई ॥ गुगलदालहलदकुठएला रहसनलाक्षरैवंदकरमेला मंजीठशिलाजितअगरमिलावो वालाचंदनसमपीसावो ऊपरदेहवालककेमले ग्रहस्कंदताहीतेंटलै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ विल्वअग्निमंथतरकारी पाटलवासाचहियेडारी एरंडपत्रअवरकासीस अस्फोटासमलीजैपीस सायंकालवुटनामलवै ग्रहस्कंदवालहितजदेवै ॥ अन्यच्च ॥ जीवनीपायजुघृतहिंपकाय पीयेजुवालस्कंदग्रहजाय ॥ अन्यच्च ॥ तैलसौंफमोपायपकावै देहीमलैस्कंदग्रहजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौराहमोंरात्रीतीन वालस्नानकरायप्रवीन प्रथमशालीयवचौराहेधार स्नानकरावैतहांकुमार ग्रहस्कंदकोदोषनरहै यहअपनेचितनिश्चयगहै

॥ अथस्कंदग्रहस्तोत्रम् ॥

॥ चौपई ॥ याकेसाथवालकपरझाडाकरै उोंरक्षामतः प्रवक्ष्यामि बालानांग्रहनाशिनीम् अहन्यहनिकर्तव्यायाभिः षड्भिरतंद्रितैः १ तपसांतेजसांचैवयशसांतथा विधानंयोज्यतेदेवः सतेस्कंदः प्रसीदतु २ ग्रहसेनापतिर्देवोदेवसेनापतिर्विभुः देवसेनारिपुहरःपातुत्वांभगवान्गुरुः ३ देवदेवस्यमहतः पावकस्यचयःसुतः गंगोमाकृतिकानांतुसनेशर्मप्रयच्छतु ४ रक्तमाल्यांवरःश्रीमान्रक्तचंदनभूषितः रक्तदिव्यवपुर्देवः पातुत्वांक्रौंचनाशनः ५ ॥ इतिस्कंदग्रहचिकित्सा ॥

॥ अथस्कंदापस्मारग्रहलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ चेष्टाजासनष्टहोइजावै मुखतेंवहुतीफेनचलावै यवहीसुरतहिंप्रापतहोय रोदनअतिहीकरहैसोय पूजरक्तवतगंधतनआवै स्कंदापस्मारचिन्हयोंगावै लोकप्रसिद्धउभाइसकहै अरुअठाराहनामकहिगहै

॥ अथस्कंदापस्मारचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ विल्वशिरीषदूर्वापुनआन सुरसादिगणतांमोठान इनकेजलकरस्नानकरावै ग्रहस्कंदअपस्मारमिटावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अष्टमूत्रसोंतैलपकावै वालककेतनुनित्यमलावै ग्रहस्कंदअपस्मा

रविडार यहनिश्चयअपनेमनधार ॥ अन्यउपायः ॥ चौपई ॥ चीरवृत्तकोकाथवनावै काकोलीगणका-थमिलावै तिंहमोंघृतपकायसुघुलाय स्कंदापस्मारतुरतग्रहजाय ॥ अन्यच्च चौपई ॥ गिलोयवरचहिंगु-समलीजै बालककोंयहचूरणदीजै ग्रहस्कंदअपस्मारमिटाय इहप्रकारबालकसुखपाय ॥ अन्यच्च चौपई उलूगृध्रविष्टासमआन हाथीनखनरकेशसुमान वृषभरोमलेसभीमिलाय घृतमिलायकरधूपधुखाय ग्रहस्कंदअपस्मारमिटावै रोगजायबालकसुखपावै ॥ अन्यच्च चौपई ॥ दुग्धभातकीबलीवनाय पात्रमा-हितिसआनधराय लेरसमांसरुधिरतत्कालहि सबयहमेलदिखावैबालहि वलीस्कंदअपस्मारकीकरे बटजुवृत्तकेमूलसुधरे पाछैबालस्नानकराय चतुष्पथमेजुतुरतहींजाय यहमंत्रातिससमेउचारै सोइह-लिख्योशुभग्रंथमंझारे मंत्रः स्कंदापस्मारसंज्ञोयः स्कंदस्यदयितःसखा विशाखः सशिशोरस्य शिवा-यास्तुशुभाननः यहयत्नकरेजुविधीअनुसार अपनेमनमोनिश्चयधार स्कंदापस्मारग्रहजाय होइ-निरोगबालकसुखपाय ॥ अन्यच्च ॥ कुनटीमर्कटीअवरअनंता अरुलीजैचौथीसमविंवा सूत्रपुरोय-बालकगलडारे ग्रहस्कंदअपस्मारानिवारे रात्रिचौराहिकरायस्नान स्कंदापस्मारकीहोवैहान इतिस्कं-दापस्मारग्रहचिकित्सा

॥ अथशकुनीग्रहयुक्तलक्षणम् ॥

चौपई अंगसभीढीलेहोइजास गंधविहंगआवैतनतास अरुभयत्रस्तरहैसोवाल देहहोंहिव्रणअवैंविशाल सदाहपाकस्फोटतनपरै शकुनीग्रहअसलिंगसुधरै रक्तविकारताहिसभिभाषैं लोकरतांजनिचंदरीआषैं

॥ अथशकुनीग्रहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अंबकपित्थवैंतसमलेय क्काथसमभक्षकरवावैतय तासोवालस्नानकरावै शकुनीग्रहभा-ग्योंकहुंजावै जोइसक्काथहिंतैलपकाय मलेवालतनशकुनीजाय अथवामधुरगणतैलपकावे मलेवा-लतनशकुनीजावे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मुलहुउशीरजुवालाआन सारवालोधरउत्पलठांन पद्मकाष्ठ-गेरीमंजिष्टा अवराप्रियंगूपाययथेष्टा समजलपीसैलेपनकरै शकुनीदोषदुखपरिहरै ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ स्कंदापस्मारकेधूपकहैजो अरुताकेघृतकहैतेऊसो अरुव्रणरुजकेतैलपथ्यजे शकु-नीग्रहकेभीजानोते ॥ अन्यच्च ॥ नागदंतीदोनोकंटयारी सहदेवीलक्ष्मणाशतावरी इन्हकोंसूत्रपुरो-यगलडारे ग्रहशकुनीकोंइहविधिटारे ॥ अन्यच्च ॥ तिलतंडुलजुपुष्पहरताल मनसिललीजैभलेंसम्हा-ल कुंजरस्थानभेटयहदेय शकुनीकोंविधभलीमनेय शकुनीग्रहकोंवलियहदीजै तांकोदोषदुखयों-छीजै ॥ अन्यच्च ॥ सरींहसर्षपाखेतपछान गुगुलकुठसमपीसोंआन शीतलजलसोंलेपनकरैं शकुनीदोषदुःखनिरवरै ॥ अन्यच्च ॥ पूजाउपायः ॥ चौपई ॥ शकुनीग्रहकीपूजाकरै गंधपुष्पधूपअ-नुसरै दीपअवरनैवेद्यचढावै इसमंत्रसाथपूजैदुखजावै ॥ अथपूजामंत्रः ॥ अंतरिक्षेतुयादेवीस-र्वालंकारभूषिता अधोमुखीतीक्ष्णतुंडाशकुनीतेप्रसीदतु पुनः दुर्दर्शनामहाकाया पिंगाक्षीभैरवस्वरा लंबोदरीशंकुपर्णी शकुनीतेप्रसीदतु ॥ इतिशकुनीग्रहचिकित्सा ॥

॥ अथरेवतीग्रहयुक्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ व्रणस्फोटतनव्यापतलहिये पाकगंधतनआवतलहिये रक्तश्रावभग्नविष्टाऊ दाहज्वररे-वतीलषाऊ यामोंभीरक्तजठहरावें चंद्रीऔरताजनीमावें

॥ अथरेवनीग्रहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अजगंधाअरुककडश्रृंगी सारवाहोइविदारीचंगी दोइपुनर्नवासाथमिलाय काथ-करैबालहिन्हलाय ग्रहरेवतीदूरहोयजाय इहविधिकह्योउपायसुनाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ ककोली-गणघृतजुपकावे बालककोंयहनित्यपिलावे तांतेंरेवतीग्रहकोटारे अपनेमनमोनिश्चयधारे ॥ अन्यच्च ॥ कुठसरजसमदोनोमेल इन्हसंगलेपकायकरतेल बालककेतनऊपरमले ग्रहसुरेवतीयातेंटले ॥ अन्यच्च कुलत्थशंखचूर्णसमआन इन्हसमकोलेपनतनठान ग्रहरेवतीदूरहोइजावे होइनिरोगबालकसुखपावे ॥ अन्यच्च ॥ गृद्ध्रअवरउल्लूविष्टाऊ यवअरुवरचसभीसमपाऊ दोनोसंध्यामोंघृतपाय धूपदेयरेवति-ग्रहजाय ॥ अन्यच्च ॥ शुक्लपुष्पदूधभतलाजा वलिदेवेरेवतिग्रहजासा संगदीपपूजाकरबाल स्नानक-रायरेवतीठाल ॥ अथस्नानमंत्रः ॥ नानावस्त्रधरादेवीचित्रमाल्यानुलेपना चलत्कुण्डलिनीश्यामारेवती-तेप्रसीदतु उपासतेयासततंदेव्योविविधभूषणा लंबाकरालविनतातथैवबहुपुत्रिका रेवतीशुष्कना-साचतुभ्यंदेवीप्रसीदतु ॥ इतिरेवतीग्रहचिकित्सा ॥

॥ अथपूतनाग्रहयुक्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ टेढादेषैत्रिष्णदाह अतीसारज्वरप्रगटैताह उद्विग्नरुदनअरुनिद्रानाश पूतनाग्रहल-क्षणयहभास

॥ अथपूतनाग्रहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कपोतवंकावारुणापछान निंबअरलूआस्फोताआन करैकाथसंगबालन्हलावे ग्रह-पूतनाभागीजावे ॥ अन्यच्च ॥ अर्जुनपनसवृक्षत्वचल्याय वेरगिरीतिसमाहिरलाय बालककोंयह-धूपधुखावे ग्रहजुपूतनाभागीजावे ॥ अन्यच्च ॥ कुर्कुटअस्थीसर्षपश्वेत घृतमिलायकरधूपसुहेत ता-तेंपूतनाहोवतनाश कह्योग्रंथमतभावप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ कुठतगरतालीसपिसाय मर्दनबालक-तनकरवाय अथवाश्वेदकरावेतास ग्रहजुपूतनाहोवतनाश ॥ अन्यच्च ॥ पलासवृक्षकोमूलमंगाय कु-शामूललेसरलाय दूर्वामूलसप्ततिसपावे तंडुलतामंगआनरलावे बालककोंयहधूपजुदीजे रोगपूतना-तुरताहिछीजे ॥ अन्यच्च ॥ देवदारुवचाहिंगूआने गिरीकदंबएलापुनठाने स्पंदनकुठखदिरतालीस वीजसम्हालुचंदनपीस मर्दनधूपनकीजैजास ग्रहजुपूतनाहोवतनाश ॥ अन्यच्च ॥ वरचवयस्थामनछल-हरताल गोलोमीकुठसरजरसडाल इन्हसमसोलेतैलपकावे मलेबालपूतनामिटावे ॥ अन्यच्च ॥ वंश-लोचनगणमधुरजुलेय दोनोघृतमोंइकठेदेय घृतपकायबालकहिंपवावे ग्रहपूतनासुभागीजावे अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कुठखदिरतालीसजुलीजे अर्जुनस्पंदनआनामिलीजे समयहपीसघृतसाथमिलाय धूप-धुखायपूतनाजाय ॥ अन्यच्च ॥ हाथीहाडघसलेपलगावे ग्रहपूतनाभागकरजावे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अजगंधानाकुलीमंगाय गिरीमैनफलकुंभीपाय उडंववृक्षत्वचाकोलीजे सभीपीसकरकठीकीजे कुर्कुटअस्थीसर्षपास्वेत घृतमिलायदेधूपसुहेत ग्रहजुपूतनाभाग्योजाय इहउपायपुनकह्योसुनाय अन्य-च्च ॥ वटकदंबकुटयहलीजै गिरिकदंबहिंगुरेवंददीजे एलादेवदारुपुनपाय यहवस्तूसमभागरलाय नाभिपीसकरलेपनकरै दोषपूतनाग्रहकोंहरै अन्यच्च मत्समांसभातसंगजान मृतिकावासनमोंयहठान शून्यसदनमोवलियहदेवे ग्रहपूतनादोषहरेवे अथवाकुसरमांसवलिदेय तांतेंपूतनादोषहरेह अन्यच्च

काकादनीकंदूरीआन चित्रफलापुनरलकांठान यहवालककेकंठमंझार पावैदोषपूतनाटार ॥ अथझाडेकामंत्रः ॥ मलिनांवरसंवीतामलिनारूक्षमूर्द्धजा शून्यागाराश्रयादेवीबालकंपालुपूतना ॥ इतिपूतनाग्रहचिकित्सा ॥

॥ अथअंधपूतनाग्रहयुक्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ छर्दकासज्वरत्रिष्णाहोय वसागंधआवैतनवोय अतिरोदनस्तनसोंकरेद्वेष अतीसारदुःखहोयविशेष अंधपूतनाग्रहयोंजान लक्षणजांविधग्रंथनिदान ॥

॥ अथअंधपूतनाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ तीक्षणवृक्षणकोकरैकाथ वालन्हलावैतांकेसाथ अंधपूतनातांसोजावै होइनिरोगवालकसुखपावै ॥ अन्यच्च ॥ मदराकांजीकुठहरताल मनशिलअवरमिलावैनाल तासोंतैलपकायमलावै अंधपूतनातासोंजावै ॥ अन्यच्च ॥ मघांशालिपर्णिपिप्पलामूल मुलठ्ठकंड्यारीलैसमतूल मधुरवर्गतिसमाहिरलाय मंदअग्निसोंघृतजुपकाय सोघृतमर्दनवालषुलावै अंधपूतनाग्रहनसजावै ॥ अन्यच्च ॥ सर्वगंधकोलेपलगाय अंधपूतनाताहितेंजाय ॥ अन्यच्च ॥ कुर्कुटविष्टासर्पत्वचाय छागचर्मवचकेशरलाय धूपधुखावैवालकआगे अंधपूतनातांतेभागे ॥ अन्यच्च ॥ काकादनितुंवीत्रिफलाय वरचसहिताशिरपरवंधवाय अंधपूतनातांतेंजावै होइनिरोगवालकसुखपावै ॥ अन्यच्च ॥ कुरुकुटिमरकटिविंवीआन अवरअनंताकरोमिलान सूत्रपुरोयवालगलमेल अंधपूतनाग्रहकोंठेल ॥ अन्यच्च ॥ पक्कआममांसरुधिरचौराहे देववलिअंधपूतनाजाहे अथवाअन्नवलीतिसदेवे अंधपूतनारोगहरेवे ॥ अन्यच्च ॥ सर्वगंधजलस्नानकराय तांतेंअंधपूतनाजाय अथझाडेकामंत्रः करालपिंगलामुंडाकाषायांवरवासिता देवीवालमिमंप्रीतासंरक्षत्वंधपूतना ॥ इतिअंधपूतनाचिकित्सा ॥

॥ थअशीतपूतनाग्रहयुक्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कंपकासक्षीणतनकहिये अतीसारछर्दपुनलहिये नेत्ररोगदुरगंधीतास शीतपूतनाइहविधिभास

॥ अथशीतपूतनाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ विंवीसुरसाविल्वकपित्थ वरचवलाअरुनंदीवृक्ष अवरभिजावैसंगमिलाय करेकाथवालहींन्हलाय शीतपूतनातांतेंजावै होइनिरोगवालकसुखपावै ॥ अन्यच्च ॥ वस्तमूत्रगोमूत्रमिलाय मुस्थरदेवदारुकुठपाय सर्वगंधधरतैलपकावै मलेशीतपूतनाजावै ॥ अन्यच्च ॥ कौडसरजषदिरजुपलास अर्जुनइन्हकीत्वचानिकास करेकाथघृतदुग्धपकावै देहमलैपुनताहिपिलावै अरुवहऔषधसूत्रपुरोय गलधरशीतपूतनाषोय ॥ अन्यच्च ॥ गृध्रउल्लुकीविष्टाआन सर्पकंजअजगंधाठान निंवपत्रमधुसंगमिलावै धूपैशीतपूतनाजावै ॥ अन्यच्च ॥ विल्वअवरगुंजामंगवावै काकादनीपुरोयगलपावै शीतपूतनाजावैतास निश्चयवालकहोतहुलास ॥ अन्यच्च ॥ मुंगभातरुधिरमदराय वलिदेवेजलकेतटजाय अरुपुनतहांस्नानकरावै शीतपूतनातनुतेजावै ॥ अथझाडेकामंत्रः ॥ मुद्गौदनाशनादेवीसुराशोणितपायिनी जलाशयाजलरतापातुत्वांशीतपूतना ॥ इतिशीतपूतना ॥

॥ अथमुखमंडकाग्रहयुक्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मुखप्रसन्नवर्णजोभासै नाडिनकरमुखव्यासतप्रकाशै मूत्रगंधवहुभोजनकरै मुखमंडिकाग्रहयोंलषपरै ॥

॥ अथमुखमंडिकाग्रहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कपित्थविल्वअरणीमंगवावै वासाअरुएरंडमिलावै कुवेराचीपावोतिन्हसाथ विधिसोंकीजैतांकोकाथ तासोंबालकस्नानकरावै मुखमंडिकादहतेंजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ स्वरसपत्रभंगरेकेआन असगंधअवरअजगंधाठान इन्हसंगचरवीतैलपकावै मर्देमुखमंडिकामिटावै ॥ अन्यच्च ॥ मुलट्ठीअवरदुग्धतुमजानो वंशलोचनगणमधुरपछानो अवरपंचमूलसुनगाथ घृतजुपकावेभिन्नइनसाथ सोघृतमर्देवाजुखुलावे ग्रहमुखमंडिकाभागीजावे ॥ अन्यच्च ॥ कुठसर्जरसवचारलाय घृतसोंमेलेधूपधुखाय ग्रहमुखमंडकाहोवतनाश वालककेमनहोतहुलास ॥ अन्यच्च ॥ वंशलोचनअरुकुठमुलट्ठ समयहतीनोकरोइकट्ठ इन्हसंगघृतपकायपिलावै मुखमंडिकादोषनसावै ॥ अन्यच्च ॥ इंद्रवल्लीगोजिव्हाआन सर्पकंजवालकगलठान मुखमंडिकाग्रहनहिरहावै होइनिरोगवालकसुखपावै ॥ अन्यच्च ॥ पारासुरमाअरुसिंदूर मनछलरक्तपुष्पतिंहपूर पांचवर्णकीध्वजावनाय वलीमाहिंसोआनधराय चीरसघृतसबवस्तूलेवै यहवलीगोशालामोदेवै पुनतिंहठौरकरायस्नान मुखमंडिकाहोयग्रहहान ॥ झाडकामंत्रः ॥ अलंकृतारूपवतीसुभगाकामरूपिणी गोष्ठमध्यालयरतापातुत्वांमुखमंडिका ॥ १ ॥ इतिमुखमंडिकाग्रहचिकित्सा ॥

॥ अथनैगमेयग्रहयुक्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ छर्दकंपमुखशोथमूर्छाऊ पीडितदांतऊर्ध्वदरशाऊ यहनैगमेयग्रहलक्षणकहै जोवालनमोंप्रगटतलहै ॥ दोहा ॥ बालकरोगनिदानकोंवरणयोंभलीप्रकार समझचिकित्साजोकरैवडोवैद्यसंसार ॥ इतिबालरोगनिदानं ॥

॥ अथनैगमेयग्रहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ विल्वअग्निमंथयहआन प्रतकरंजूतामोंठान क्राथकरैफुनिवालन्हलाय ग्रहनैगमेयदूरहोइजाय ॥ अन्यच्च ॥ मदिराकांजीधनियांलीजै इन्हकोसेकटकोरजुकीजै ग्रहनैगमेयभागकहुंजाय दुःखजायसुखप्रगटैआय ॥ अन्यच्च प्रियंगूसरलअनंतामुत्थर शतपुष्पागोमूत्रइकत्तर दधिमंडअमलअरुकांजीपाय इन्हकेसाथहिंतैलपकाय वालकतनपरमर्देसोय ग्रहनैगमेयदूरतवहोय अन्यच्च ॥ गणमधुरदुग्धसमूलीकाथ घीउपकावैताकेसाथ वालषवावैमर्दनकरै ग्रहनैगमेयदेहतेंटरै ॥ अन्यच्च ॥ जटिलावरचगिलोयमंगाय गोलोमीसंगताहिरलाय सूत्रपुरोयवालकगलडारै ग्रहनैगमेयदेहतेंटारै अन्यच्च स्वेतसर्षपावरचमंगाय हिंगुकुठअजमोदापाय तंडुलताहिमिलावेसंग वुटणामलेसुवालकअंग पुनचीरवृचकेतलेन्हलाय ग्रहनैगमेयतुरतमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ ककडउल्लूगृध्रजुतीन इन्हकीविष्टालेयप्रवीन वालकआगेधूपधुषावै ग्रहनैगमेयतुरतमिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ तिलतंडुलअरुपुष्पमंगावै व्यंजनविविधभांतकेपावै अजामासरुंगवलिजुवनाय चीरीवृचमूलदेजाय ग्रहनैगमेयदूरहोइजावै होइनिरोगवालकसुखपावै ॥ झाडकामंत्रः ॥ अजाननश्चलाक्षिश्चकामरूपीमहायशा वालंपालयतंदेवोनैजमेयोहिरक्षतु ॥ इतिनैगमेयग्रहचिकित्सा ॥

॥ अथसर्वग्रहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ महामुंडीअरुवालालीजै विधिवतक्काथतासकोकीजै बालस्नानकरावेतास ग्रहसर्वतिसहोवतनाश ॥ अन्यच्च ॥ अश्वत्थमहूअरुविल्वपछानो अवरसप्तछदलेपुनठानो इनकेपत्रनकोकरक्काथ स्नानकरावेक्काथहिसाथ बालग्रहसबहोवतनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ त्वचासप्तछदआनपिसाय मूर्वातिक्तातासरलाय वुटणावालककेतनुमलै सर्वग्रहतिसहूंकेटलै ॥ अन्यच्च ॥ सप्तछदअरुनिंवकेपत्र चंदनहलदीकरेइकत्र महीनपीसतनुलेपनकरे बालककेग्रहतनुतेंहरे ॥ अन्यच्च मृत्तिकागौगोवरलेय बालककोयहधूपसुदेय बालग्रहसबशीघ्रनसाय बालककोज्वरदेतहटाय ॥ अन्यच्च बालग्रहोंकीशांतीअर्थ बलीकर्मकरदेषसमर्थ पीडावालग्रहजबजाने मंत्रतंत्रकरदूरपछाने ॥ अथमंत्रः ॐनमोभगवतेगरुडीयत्र्यंबकायसत्यवस्तुतः हुंफट्स्वाहा ॐकंटंयंशंवैनतेयायनमः ॐह्रैंह्रींच्च इतिमंत्रः ॥ दोहा ॥ बालकदेहप्रमाणकीमालापुष्पवनाय तीनबारलेतांहिकोंबालकतेंभरमाय ॥ चौपई ॥ भातवलीइकमुष्टिप्रमान देयजुबालककोहितजान तांतेंरोगसभीग्रहजाय वंगसेनमतदियोवताय ॥ अन्यच्च ॥ स्कंदसर्वग्रहस्वामीजोय सर्वरोगमोंपूजेसोय अथवारेवतीपूजेनित्त तांतेंरोगहटेसुखचित्त ॥ अन्यच्च ॥ वैद्यजुबालकीरक्षाकरे मंत्रतंत्रपरनिश्चयधरे ॥ अथमंत्रः स्वस्तितेषण्मुखः स्कंदोमहाभागाचैरेवती दिशःसूर्योतरिक्षंचस्वस्तिंकुर्वं,तुसर्वदा तेजसाब्रह्मणश्चायंविष्णोरिंद्रस्यतेजसा सिद्धानांतेजसाचैवरक्षतोसिसुखीभवति इनोमंत्रोंकररक्षाकरे सर्वग्रहहरधूपः ॥ चौपई सर्पकंजलसनमूर्वाय स्वेतसर्षपावरचमिलाय निंवपत्रविडालविष्टाऊ अजारोममेषशृंगीपाऊ यहसमलेमधुघृतसुमिलाय धूपदेयसवग्रहमिटजाय सर्वज्वरनकोहोवैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश इतिबालग्रहचिकित्सासमाप्ता

॥ अन्यप्रकारकथनम् ॥

॥ दोहा ॥ प्रथममासकेबालकोंपीडालखेंमहान शकुनीग्रहकरयुक्ततवजानेवैद्यसुजान ॥ चौपई ॥ कासशब्दयुतहोवेश्वास गृध्रपक्षीकीआवेवास मीटेनेत्रवहुचेष्टावाल रक्तमूत्रमलहोवेंलाल ताहिनिमित्तयहवलीवनावे ताहितेंबालकअतिसुखपावे बहुतप्रकारकीपायसकरे तिलतैलसंगशुभदीपकजरे लेह्यचोष्यभक्ष्यभोज्यजोचार यहप्रकारकेकरेंसुहार पीतवस्त्रध्वजशोभनधरे गंधआदिलेपूजनकरे जायकरंजवृक्षकेपास सातदिवसवलिकरहैयास नखगोदंतकोधूपधुखावे शकुनीग्रहपीडामिटजावे ॥ अन्यप्रकारः ॥ दोहा ॥ अवरग्रंथमतपूतनाग्रहणकरेजोवाल तिहकारणवलिकहतहूंसुखीहोयज्योंवाल ॥ चौपई ॥ बालपीतमुखहोयेजवै शकुनीग्रहलपलेवेतवै रक्तमालगंधधूपधुखाय तिलतैलनकोदीपजगाय विविधअहारपायसपुनकरे तिलअरुमद्यमांससंगधरे ॥ अन्यप्रकारः ॥ चौपई ॥ जाहिस्थानमैनामनकह्यो पूतनाशकुनितालखलह्यो धूपमेषशृंगकाजानो वलीकालमध्यान्हपछानो जोजोवर्णजासग्रहहोय पुष्पध्वजादीतारंगसोय मधुमांसफलअंनजोभावें सोवलिताहिनिमित्तकरावें जिसहिस्थानमोवलिनलषेजव प्रथमविधीसमजानलियोतव ॥ इतिप्रथमदिवसमासबालग्रहचिकित्सा ॥

॥ अथप्रथमवर्षग्रहलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ प्रथमवर्षमैजानिएनंदनीग्रहजोकराल ताहिजनितपीडाकहैबालकहोतविहाल ॥ चौपई नष्टवाकभूमीपरगिरें नेत्रचलेंबहुरोदनकरें अंगदाहजहलक्षणजान योगसारमेंकियोप्रमान ॥ सवैया

गुडभातदहीपुनमाषलियेतिलकोंपुनचूरणसंगमिलावें घृतपूपवनायजुमत्सगहैंमदिराअरुसंगहिमांस-रलावें यहपूर्वदिसावलियाएधरें ग्रहपूजनवालकतेंकरवावे पंचपल्लवतेंहितस्नानकरै सुखिबालक-हैग्रहतेछुटजावे ॥ दोहा प्रथमदिवसअरुमासपुनप्रथमवर्षपुनजान मदनानामजुपूतनाप्रविशेवालक-आन ॥ चौपई ॥ मदनाबालग्रहणकरेंजवै प्रथमदेहज्वरप्रगटैंतवै गात्रशोषस्वेदआनाह छर्दीकंपअन्न-नहिनचाह मूर्छाबहुतहोतहैजास अवरहीनसुरहोवेतास दोहा ॥ बलिविधानवरणकरोंग्रंथनकेअनुसार सुखउपजेंजिहवालकोंग्रहकोहोतनिवार ॥ चौपई ॥ नदीदोतटकीमृतकाल्यावे सुंदरपुतलीतासवनावे स्वेतभातअरुध्वजावनाय स्वेतपुष्पगंधधूपधुखाय स्वेतलेपतिहअंगलगावे स्वेतफूलगलमालजुपावे पांचदीपपुनताहिजगावे नैवेद्यधूपकरताहिधरावे ॥ दोहा ॥ पूर्वदिसामेंजोधरेसावधानबलिदान प्रातकालविधिसोंकरेबालकहोतकल्यान ॥ चौपई ॥ राजसर्षपाकोंजुमंगावे अवरउशीरजुतासरलावे निंवपत्रशिवकोनिरमाल मार्जारअवरपुरुषकेवाल गौकोघृततिहसंगमिलावे देवेधूपबालसुखपावे तीनदिवसविधिजाहिवनाय शांतीजलकरस्नानकराय भोजनब्राह्मणकोंकरवावे दुग्धसाथअरुखंडरलावे अपनीशाखामंत्रपढावे तांजलमार्जनबालकरावे ॥ शन्नइंद्रइति प्रथमवर्षमासदिनजाने ताहिमंत्रकररच्छाठाने ॥ उँह्रींश्वेतस्वाहा ॥ इतिप्रथमदिवसमासवर्षविधिः ॥ दोहा ॥ द्वितीयमासदिनवर्षमेंभीषणाकरेसंचार धूपलेपवलिकहितहैंप्रयोगसारअनुसार दिवसदूसरेबालकोंग्रहणभीषणाजान लच्छणसोवरनणकरोंजोग्रंथहिंपरिमान ॥ चौपई ॥ भीषणाग्रस्तवालजवहोय गात्रसंकोचवालअतिरोय कासवालचेष्टाहरजानो दिवसदूसरेलच्छणमानो अपामार्गअरुवरचमंगावे मूत्रपीसअंगलेपलगावे गोदंतशृंगकेशनरल्यावे धूपतेंभीषणाग्रहमिटजावे ॥ दोहा ॥ लेनचित्रककोकह्योनषगोशृंगसुजान धूपहुतेंग्रहटलतहैंअवरग्रंथमतमान ॥ अन्यच्च ॥ नारायणीयेतु ॥ चौपई ॥ स्यामतुलसीअजामूत्रकेसंग लेपकरेग्रहहोवेभंग अपामार्गवीरणकोमूल चंदनसबसमलीजेंतूल गौकोशृंगदंतनरकेश धूपकरेहरेग्रहकोक्लेश मत्स्यमांसमदभच्छ्यवनावे पुष्पमालअरुदीपजगावे गंधधूपवलिऊपरधरे पूर्वविधीसवतांमोकरे लेपनमंत्रस्नानअरुदान सोसबविधियहकरीप्रमाण ॥ इतिद्वितीयदिवसग्रहहरं अथद्वितीयमासविधिः प्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ मासदूसरेवालकोमकुरानामहिजान प्रयोगसारमतजानकेलच्छणकरोंवखान ॥ चौपई ॥ ग्रीवास्कंदस्वेदबहुआवैं शीतदेहपुनपीतलखावैं मुखसूकेबहुहोतडकार अवरअरुचिबहुहोतविकार खिचडीचावलतिलहीगिलावे पूडेदुग्धयहवलीवनावे कृष्णपुष्पमलेआगरचंदन वलीकरेमकुराग्रहभंजन ॥ दोहा ॥ फूलकुशुंभेकेकहेधूपनिंवदलजान जाहिवलीकेदानसेंबालकरोगकीहान नारायणीयेतु वलीखीरकीजानियेदीपतैलकोजान मंत्रलेपस्नानादिसबपूरबकरेवखान इतिद्वितीयमासविधिः ॥ अथद्वितीयवर्षग्रहीतविधानं प्रयोगसारे वर्षदूसरेपूतनावालककरेंविकार पूर्वदिशाजोवलिकरेंग्रहकोहोतनिवार ॥ चौपई ॥ सर्पकंजकोधूपसुकरे रात्रीसमेसर्वग्रहटरै गंधादिकविधिसवहिवनाय पल्लवपांचस्नानकराय औरविधीजोपाछेकही सोनिश्चयजानोतुमसही ॥ इतिद्वितीयवर्ष० अथद्वितीयमासवर्षविधिःरावणसूनुप्रोक्ता ॥ दोहा ॥ द्वितीयमासदिनवर्षमेंबालमोंकरहैधाम रावणसुतावरणनकरै स्तनदायीतिहनाम कवित्त ज्वरप्रगटावैहाथपादनसकुचावै औरभोजनकोनचावैकृशदेहसोलखातहैं दंतदंतसोंघसावैनैनखोलनकोंनचावेऔरछर्दीप्रगटावेवहुरोवतादिनरातहै बहुतडरपावेदरसावेरोगनेत्रनकोछेजतेगिरावेयहलच्छणप्रघटातहै वैद्यतहांजावेलखपावेरोगवालहूं-

क्योंयातेलखपावैताहिपूतनासुहातहै ॥ चौपई तंडुलएकजुप्रस्थपिसावे पुतलीसुंदरतासवनावे भात-
श्वेतधरपूपवनाई ध्वजात्रयोदशदीपजगाई मत्स्यमांसयुतवलीवनावें पश्चिमदिक्मोताहिधरावें
॥ दोहा ॥ सांजसमेदिनतीनहीविधिकरवलीवनाय तांकरपूतनाटलतहैंवालकअतिसुखपाय प्रथममा-
सदिनवर्षभीजोविधिकरीवखान शांतिमंत्रपुनधूपहीस्नानादिकसबमान ॥ इतिद्वितीयदिवसमासवर्षवि-
धिः अथतृतीयदिवसमासवर्षग्रहहरविधिः तृतीयदिवसविधिःप्रयोगसारे दोहा दिवसतीसरेपूतनानाम
चंडालीजान सोलक्षणवरणनकरोंप्रयोगसारमतमान चौपई श्वासकासमुखशोषदिषावे उद्वेगअरुचिय-
हचेष्टापावे हस्तिदंतगोदंतमंगाय अजाक्षीरसंगलेपलगाय ॥ दोहा ॥ राईअरुदलनिंवकेधूपदेयजिस-
काल पूतनाग्रहमिटजातहेसुखीहोतहैवाल ॥ अन्यच्च ॥ नारायणीये क्रियाकालगुणोत्तरेविधिलक्ष-
णम् ॥ चंडालीग्रहीतवालजवजाने अंगशोषजृंभापुनमाने गात्रोद्वेगशब्दअरुत्रास होतअरुचियहल-
क्षणपास ॥ दोहा हस्तिदंतगोदंतलेकेशरअंजनपाय घृतमिलायपयलेपतेंवालकग्रहमिटजाय ॥ चौपई
नखशुभपत्रनिंवकेल्यावे धूपतेंवालकअतिसुखपावे मत्स्यमांसमदभक्षवनाई पुष्पमालअरुधूपधुखाई
गंधाक्षतपुनदीपजगावे वलीकरायवालसुखपावे ॥ दोहा ॥ लेपमंत्रवलिस्नानहैअवरविशेषविधान
प्रथमदिवसवरणनकियेसोसबयाहिप्रमान ॥ इतितृतीयदिवसगृहीतवालग्रहहरविधिः ॥ अथ-
तृतीयमासविधानं प्रयोगसारे दोहा ॥ मासतीसरेवीचहीगोमुखीपूतनाजान योवालहिंलक्षणकरेंसो-
अबकरोंवखान चौपई निद्रावहुतवालवहुरोवे वारवारमलमूत्रजुहोवे गौकीगंधदेहमेंआवत अवरक-
भीमधुगंधवतावत तिलप्रियंगुकुलथमाषरलावे मोदकपिन्नीसंगमिलावे वरुअरुफूलजपाकेपावै वली-
कालमध्यान्हवतावै सर्षपतैलकोधूपधुखाई ग्रहजुपूतनातवमिटजाई ॥ अन्यच्च ॥ नारायणीयेतु ॥
॥ चौपई ॥ कंगुकुलत्थमांसपुनल्यावे मोदकदुग्धशाकजुमिलावे पिष्टदीपादिक्पूर्वपठानो
वलीकालमध्यान्हसुजानो पांचरात्रविधिस्नानकरावे सर्षपधूपवालसुखपावे ॥ अन्यच्च ॥ क्रियाकाल-
गुणोत्तरे नारायणीयेवा ॥ दोहा ॥ गौतमीग्रहकोनामहैस्नानपंचदलजान प्रथमदिवसविधिसब-
करैमंत्रादिकवालेदान ॥ इतितृतीयमासविधिः ॥ अथतृतीयवर्षगृहीतवालग्रहहरंप्रयोगसारे ॥ दोहा व-
र्षतीसरेपूतनाधनदाजांकोनाम इहलक्षणसबजानियेंजबकरेवालमेंधाम ॥ चौपई ॥ अंगपीडज्व-
रनेत्रमिटावें शोषवहुतचितहारनचावें वामपादनितफरकतजोइ यहलक्षणतिसवालकेहोइ मत्स्यसु-
रादधिमांसमंगावे मुद्गअवरतिलकल्कवनावे पुतलिपिष्टकीवेद्यसुधारें कलशधरेंपुनविधीविचारें पूर्व-
दिशामेंवलीधरावे ग्रहतवटलेंवालसुखपावें मोरपंखनखसंगभलीजे धनदाग्रहततछिनहिपतीजै
॥ नारायणीयेतु ॥ चौपई ॥ वटकानामपूतनाजानो तासनिमित्तजुवलीवखानो तिलकुलथमा-
षमत्स्यमदपावे दधीमांसलेसंगरलावे कलसधारप्रतिमाजुपूजाय उतरदिगवलिजायधराय ॥ सवैया ॥
पांचपल्लवकेसंगस्नानकरें नदिकूलकीमृत्तकाआनधरें मोरपंखनकोपुनधूपधुपावें प्रतिमाशुभतासवनाय
धरावें वलिदानसनानजुमंत्रसभीलखसोदिनपूरवमेंजोवतावें विधितीसरेवर्षकीजानलियोहमेंसोईकही
जोइग्रंथवतावें ॥ इतितृतीयवर्षपूतनाविधानं ॥ अथतृतीयदिवसमासवर्षेगृहीतपूतनाग्रहहरंरावण
सूक्कुमारतंत्रे ॥ दोहा ॥ दिवसतीसरेवर्षहिंमासतीसरेजान ग्रहणवालकोंपूतनायोगिनीनामसुमान
॥ चौपई ॥ पूर्वदेहमेंज्वरप्रगटावें कंठशोषवकवादकरावें मीटतनेत्रवमनवहुधारे अरुचिअन्नअं-
गरोमसंचारें प्रस्थमात्रपुनचूर्णमंगाय प्रतिमासुंदरतासवनाय ॥ दोहा ॥ रक्तवर्णकोभातहोरकहिं-

पूपवनाय रक्तध्वजाअनुलेपहैंरक्तपुष्पलखपाय उत्तरदिशमोजानियेअथवापश्चिममान वलीकरेंग्रहट-लतेंहैहोतवालकल्यान ॥ चौपई ॥ शांतिस्नानवलिदानवतावें भोजनब्राह्मणकोंकरवावें मंत्रवि-धीसबसोइकहाइ प्रथमदिवसमेंजोइवताइ ॥ इतितृतीयदिवसमासवर्षेषुगृहीतवालग्रहहराणि चतुर्थे-दिवसेगृहीतवालग्रहहरंप्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ दिवसचतुर्थमेवालग्रहकटकोलीतिहजान चेष्टादे-खजुवालकीतांतेंरोगपछान ॥ चौपई ॥ चित्तउदासदिन्नेत्रपसारें अरुचिडकारमुखफेनहिडारें सर्षकंजगजदंतमंगावे लेपमूत्रगजसंगलिपावें सर्षपनिंवनरकेशसुधारें धूपहुतेंग्रहकोंनिरवारें नाराय-णीयेतुक्रियाकालगुणोत्तरे ॥ दोहा ॥ दिवसजुचौथेवीचहीपूतनाकरेसंचार वलिविधानवरणनक-रोंग्रंथनकेअनुसार ॥ छंदः ॥ कुलथमाषकाकोलीसिर्षपजाहीकीशुभवलीकरे गजदंतसर्पकीकंज-जुलेवेनरमूत्रसेंलेपधरे द्रोणपुष्पराइनिंवकेदलधूपसुवालकरावतहैं यहविधीकरावेंग्रहमिटजावैवालक-पुनसुखपावतहैं ॥ चौपई ॥ लेपनमंत्रअवरवलिदान स्नानधूपअरुकालपछान प्रथमदिवसमैजोसबकहे चतुर्थदिवसमैसोसबलहें इतिचतुर्थदिवसगृहीताविधानं अथचतुर्थमासोक्तमुच्यतेप्रयोगसारे दोहा ॥ मासचतुर्थेवीचहिंपिंगलानामपछान वालहिलच्छणजोकहेसोसबकरोंवखान चौपई अंगशोषभुजावहुत-हिलावें अरुचिवहुतजलपानसुचावें शोषदेहदुरगंधसुहोइ तासचिकित्साकरहेंनकोइ इतिचतुर्थमासवि-धानं अथचतुर्थवर्षविधानंप्रयोगसारेच दोहा वर्षचतुर्थेवीचहीचंचलायाकोनाम सबलच्छणवर्णनकरेंकरे वालमेंधाम चौपई ज्वरप्रगटेंपुनहोवतश्वास अंगसादवहुहोवततास अन्नकृष्णातिलवस्त्रधरावे पूतनाहि-तयहवलीकरावें मेषशृंगकोधूपधुखाइ तांकरवालकअतिसुखपाइ ॥ नारायणीयेतु सवैया वलिकृष्णहि-आनवनायधरै तिलकृष्णहिताहिकेसंगरलावें वलिदाननिसामुखजानलहें मेषशृंगकोधूपवनायधुरवावें दलविल्वपलाशकंदवनकेवटपीपलताहिकेसंगरलावे वलिदानस्नानविशेषसभीलखसोइजुपूरवमाहिंव-तावें ॥ दोहा ॥ दिवसचतुर्थजुमासहीवर्षपूतनाजान मुखमंडिकाअरुभीषणानामसुकरेवखान ॥ चौपई वालकमैजबकरेसंचारा ताशरीरज्वरहोतअपारा गात्रभंगगतिभंगहेजोई दुर्वलश्वासकासअतिहोई श्या मवर्णनहिनेत्रउघारे अरुचिजुलच्छणतासउचारे सोरठा तिलकोपिष्टवनायपुतलीतासवनायधर नेत्रअ-पांगवनायविल्वकंटसोवेध्यवर चौपई प्रस्थभक्तपूरीसमकीजें अर्द्धप्रस्थकेपूपभनीजें श्वेतपुष्पध्वजाश्वेत पछानो गंधादिकसबश्वेतहिंमानो तीनकालमोंवलीकराय पश्चिमदिकमोंजायधराय योगरत्नावल्यांतु-पांचपल्लवसंगकरेजुसनान ब्राह्मणभोजनअरुवलिदान अवरविशेषविधीसबजान प्रथमदिवसमोंकरीव-खान इतिचतुर्थदिवसमासवर्षेषुगृहीतपूतनाहरं अथपंचमदिवसगृहीतोक्तंप्रयोगसारे ॥ दोहा दिवस-पंचमेवीचहीअहंकारीतिसजान ग्रहणकरेजववालकोंलच्छणकरोंवखान ॥ चौपई उर्द्धदृष्टिदृढमुष्टिवंधावै जृंभावहुतश्वासप्रगटावे मेषशृंगवचमनशिलल्याय हरताललोध्रकोलेपलगाय सिद्धार्थनिंवदललशुनमं-गाय करेंधूपग्रहतेंछुटजाय क्रियाकालगुणोतरे नारायणीयेतु दोहा हंसमातृकापंचमैदिनमोंकरीवखान मत्स्यादिकजुअहारहैंताहिकरेवलिदान चौपई मंत्रयंत्रअरुलेपनजोई स्नानदानवलिधूपसुहोइ प्रथमदि-वसकोजोइविधान सोसबपंचमदिनमेंजान मासचतुर्थदिवसविधिकहि सोसबपंचमदिनमोंलहि इति-पंचमदिवसग्रहीतवालग्रहहरंविधानं अथपंचममासगृहीतवालग्रहहरंप्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ मासपंचमे-वीचहीवडवाकरीवखान ग्रहणवालकोजवकरेसोइलच्छणतुमजान ॥ चौपई ॥ अरुचिदेहकृशरोदनकरें मुखशोषवहुतचेष्टावहुधरे मांसशाकअरुमत्स्यमंगाय वहुविधपिष्टविकारवनाय मध्यान्हवलीदिशदच्छि

धरैं पूतनावालगृहीतनिवारैं ॥ नारायणीयेतु दोहा मलिनाताम्रानामदोनारायणिमतमान नटाकंचु-कीनामपुनतंत्रांतरमतजान मंत्रयंत्रवलिदानहीगंधलेपपयस्नान प्रथममासमेंजोकहेसोसबयाहिप्रमान इतिपंचममासगृहीतवालकग्रहहरम् अथपंचमवर्षगृहीतवालकग्रहहरप्रयोगसारे ॥ दोहा । कंठशोषवहु-मूत्रहैंगात्रसाधहोएजास विकृतवर्णहोवालकोलत्तणहोवेंतास ॥ चौपई ॥ मत्स्यमूलका-मांसपकावैं खिचडीदधियवसंगधरावैं पायसमदरातिलहिंरलाय विधिकरपूजातासकराय वलीसातदिनयाविधकरैं स्वछंदपूतनातातेंटरैं ॥ दोहा ॥ गोदंतजुराईकेशलैलशुनहितास-मिलाय तीनकालयहधूपतेंपूतनाग्रहमिटजाय ॥ नारायणीयेतु ॥ चौपई ॥ पूतनाधावनीना-मपछानो मंत्रतंत्रवलिदानसुमानो पांचपत्रसोंस्नानकरावै प्रथममासविधियौंहिवतावै इतिपंचमवर्षगृ-हीतवालग्रहहरं अथपंचमदिवसमासवर्षपूतनाहरणविधिः ॥ दोहा ॥ पांचदिवसपुनमासभीवर्ष-विडालीजान नामतासवरणनकियेलत्तणकरोंवखान ॥ चौपई ॥ प्रथमवालकोंज्वरप्रगटावैं हिडकीश्वासशूललखपावैं गात्रभंगवालकपुनसोई खानपानरुचितासनहोई तंडुलप्रस्थकोचूर्णकरावैं प्रतिमासुंदरतासवनावैं शुक्लभातपुनपूपवनाय स्वेतपांचध्वजतासधराय स्वेतपुष्पअरुचंदनलीजें पांचदीपपुनतासधरीजें सायंकालजुवलीकरावैं पश्चिमदिगमोंतासधरावैं चतुर्थदिवसवर्षमा-समैंजोई धूपकह्योलषलीजैसोई शांतीब्राह्मणभोजनदान मंत्रयंत्रयोकरेवखान पंचममैंसोसब-हिवताये योंसवप्रथममासमोंगाये ॥ इतिपंचमदिवसमासवर्षेषुवालगृहीतपूतनाहरम् ॥ ॥ अथषष्ठदिवसमासवर्षगृहीतवालग्रहहरप्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ षष्टदिवसकंटकारि-कावालहिकेरप्रसार जोलत्तणहोवालहिंसोअबकरोंउचार ॥ चौपई ॥ पूतनायाकोकरेसंचार अंगहलावतवारंवार हसेवहुतपुनरोदनकरे मोहहोतयहलत्तणधरे गजदंतकुष्टसिद्धार्थमिलावें गुग्गुल-घृतसोधूपधुपावे यहवस्तूकोलेपलगाय ग्रहहटेवालकसुखपाय ॥ नारायणीयेतु ॥ मत्स्यमांस-कीवलीवनाय प्रथममासमोंदिईवताय स्नानमंत्रयंत्रसवजानो धूपदीपगंधादिकमानो वालग्रहहरवि-धिहेंजेती प्रथमदिवसकीजानोतेती ॥ क्रियाकालगुणोत्तरेतु ॥ दोहा ॥ फेक्कारीजोपूतनाषष्ट-दिवसमोंजान प्रथमदिवसविधिसवकहीनामविशेषपछान ॥ इतिषष्टदिनगृहीतविधानम् ॥ अथ-षष्टमासोक्तविधानंप्रयोगसारे ॥ चौपई ॥ षटमासमेंवालकोकोपकेर पद्मातिसनामसुग्रंथउचरे सुर-भंगऔरोदनवहुतकरें पुनकुक्षिमैशूलहिकोसंचरें शिखिकुकुटभेडुकोमासधरें मदमाषहिंभातकुलथ-भरें वलिदानविधानवनायकरे तिहतेंअतिखेदतेंवालउधरे ॥ क्रियाकालगुणोत्तरे ॥ वलीजुसुंदरकरहे-जास सर्षपअवरछागकोमांस विविधप्रकारकेपुष्पवखाने विशेषविधीयहतामोंजानै ॥ नारायणीयेतु ॥ ॥ दोहा ॥ छटेमासमोपूतनापंकजाकरीवखान गंधपुष्पवलिवस्त्रसबपूरवकहेसुजान मंत्रतंत्रवलिदा-नहींस्नानदानसबजान प्रथमदिवसमोंजोकहेसोसबकरोप्रमान ॥ इतिषष्टमासगृहीतवालग्रहहरं ॥ अथषष्टवर्षगृहीतवालग्रहहरणं ॥ प्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ षष्टवर्षयमुनागृहीवालहिंकेरसंचार जोवा-लकचेष्टाकरेसोअबकरोंउचार ॥ चौपई ॥ पीडावहुतहासपुनकरे अन्नखानमोंरुचनाधरे पायसपूडे-घृतजुमिलाय मत्स्यमांसमददधीरलाय पुनमोदकताहूपरकरे वलीचुराहेमेंजाधरे गोखुरशृंगरोम-तिहल्यावें धूपकरेंतेग्रहमिटजावे ॥ नारायणीयेतु चौपई ॥ सतूंसुंदरलेजुवनाय तीनरात्रवलिदानकराय चौराहेमेंकरेस्नान पंचपत्रजोकरेवखान ताहीतेंग्रहपूतनाजाय नारायणीमतदियोवताय ॥ क्रियाकालगु

णोत्तरेतु ॥ दोहा ॥ वडेतिलनकेतैलमों दीपकअवरजगाय वलीकरावेंधूपपुनपूर्वकह्योसोभाय ॥ इतिषष्टवर्षगृहीतवालग्रहहरणं ॥ अथषष्टदिवसमासवर्षगृहीतवालग्रहहररावणसूनूप्रोक्तेकुमारतंत्रे ॥ दोहा ॥ षष्टवर्षदिनमासमैंशकुनीपूतनानाम सोलच्छणवर्णनकरेंकरेजुवालमोंधाम ॥ चौपई॥ प्रथमतासहींज्वरप्रगटावें गात्रशोषअरुकंपलषावें वालककोंवहुहोवतकास अरुचिअवरवहुहोवतश्वास हस्तपादअरुनेत्रमोंजानो संकोचवहुतयहलच्छणमानो तंडुलप्रस्थकोचूर्णपिसावें पुतलीसुंदरतासवनावें श्यामवरणकोभातसुधारे पूरीपांचतिहिसंगसंभारे मत्स्यमांसपायसपुनपावे ध्वजाकृष्णयहपांचधरावे अर्धपिष्टकेपूपवनाय सांझसमेयहवलीकराय पश्चिमदिकमोंजायपसारे तांतेपूतनाग्रहजुनिवारे नारायणीयेतु ॥ प्रयोगसारेवालग्रहहरं॥ दोहा पुतलीपूर्ववरनणकरीभातमत्स्यअरुमास पर्प्पटपूडेप्रस्थसमवलिप्रमाणलखतास॥ दोहा ॥ दिशाजुउतरहींकहींसंध्याकालपछान विधिवतपूजनजोकरेहोवतग्रहकीहान ॥ अन्यच्च ॥ दिवसमासवर्षमेंजानो जोचतुर्थमैंसोसबमानो गोश्रृंगलसुनइत्यादिकजोय धूपकरेंग्रहतांतेखोय ब्राह्मणभोजनशांतीस्नान अवरमंत्रसोकरोंवषान ॥ ॐ ह्रींफट्स्वाहा ॥ इतिषष्टदिवसमासवर्षगृहीतपूतनाहरंप्रयोगसारे सोरठा दिनाहिसातमेंजानमुक्तकेशीहैनामअस सोअवकरों वषानलच्छणहोवेंवालतस ॥ चौपई ॥ जृंभणरोदनहोवेंकास शब्ददेहतेआवेवास गोमयपीसमूत्रगौसंग लेपकरेतिसवालकअंग नखगोघृतसंगधूपधुखावें ग्रहनिवारवालकसुखपावें ॥ क्रियाकालगुणोतरे चौपई रोदनवालकअतिसैंकरें पूतनालच्छणअधिकसुधरें कुष्टहरिद्रावचमंगाय पीसमूत्रसोंलेपलगाय व्याघ्रनखकोधूपधुखावे वलिदेयोगिनिग्रहमिटजावें सोअववलीजुकरोंवखान मांसमद्यअरुमत्सपछान सुंदरभच्छतासपुनधरे गंधपुष्पमालापुनकरे धूपदीपपूजनतिहिंकरें तांतेंग्रहनिवृतसुखधरें ॥ दोहा ॥ लेपनमंत्रविधानसबस्नानादिकवलिदान प्रथमदिवसवरणनकियोसोईलखोपरमान ॥ इतिसप्तमदिवसेग्रहीतवालग्रहहरं अथसप्तमदिवसोक्तप्रयोगसारे॥ दोहा॥ माससप्तमेवालकोंग्रहणशीतलाजान जोलच्छणवरणनकरेसोअबकरोंवखान॥ चौपई ॥ निराहारहोअंगकंपकरें तनमालतीफूलगंधतिहिंसरे वहुरोवतदंतसोशब्दधरें वहुकासश्वासहिंकोंप्रगटावें इहलच्छणवालककेहिदिखावे तवैपूतनाशीतलालखपावें जहजानजुवैद्यविचारधरे वलिदानविधानहितासकरे ॥ चौपई॥ मांसशाककुलथमाषमंगावे मद्यपूपतिलसमसबपावें रात्रिसमेंवलिदानकराहिं पूतनाताहिसमैभगजाहि ॥ नारायणीयेतु ॥ चौपई ॥ कमलपुष्पकुलथमाषहींशाकपिष्टपुनपाय वलीकरावेंवालकोंसुखीताहितेंहोय इतिविशेषः ॥ क्रियाकालगुणोतरेतु ॥ चौपई ॥ मत्स्यभातअरुमांसरलाय कुलथमाषमद्यतिलतिहपाय पिष्टचक्रवाकपुनधरे सुंदरफूलताहिमेंभरे ॥ दोहा ॥ अवरविशेषवरनणकरेंमंत्रयंत्रवलिदान पूर्वदिवसमोंजोकहेसोतुमकरोप्रमान ॥ इतिसप्तममासग्रहीतविधानं अथसप्तमवर्षगृहीतविधानंप्रयोगसारे ॥ दोहा वालकसप्तमवर्षमैंजातवेदग्रहिनाम जहलच्छणातिहहोतजवकरेवालमेंधाम ॥ चौपई ॥ अरुचिवहुतवालकोहोई हसैजुलच्छणजानोसोई मत्स्यमांसदधिमधुसंगलीजें घृतमिलायपायसपुनकीजें खिचडीमोदकतासधरावें चौराहेमैवलीधरावें पुनातिहस्थलमैकुंडसुधारें हवनतिलनकेसंगजुडारें सहस्त्रमंत्रकीसंख्याजानो तीनपांचरात्रविधिठानो ॥ मंत्रः ॥ ॐ कूष्मांडेभगवतिसुरागिणिसुमंडिते जुहतन्मुंचमुंचदहदहपचपच ॐ सर सर वालकाधयागछंतुस्वाहा ॥ दोहा ॥ लीजेंपत्रजुनिंवकेराईतासमिलाय धूपकरेंजववालहींग्रहजुतासमिटजाय ॥ नारायणीयेतु चौपई ॥ नामग्रहहि-

कोईनिषेधजानो वलीतासहितकहोंसोमानो पूपपूरीयांधरेवनाय चौद्रअवरयहतासमिलाय पंचपल्लव-सोजुकरेअस्नान गोशृंगरोमखुरधूपपछान क्रियाकालगुणोत्तरेच ॥ दोहा ॥ रैंनदिवससोयोरहैंलक्षणवा-लपछान हवनकरावेंवालतेंसोइमंतरकरोवखान ॥ तद्यथा ॥ ॐकूष्मांडेभगवतिसुरागिनिमुंडितजुहुया-न्मुंच २ दह २ पच २ सर २ वालिकेगछ २ स्वाहा ॥ मंत्रः चौपई ॥ दुष्टग्रहैकरजवलखपावें विधिवत-वालतेंहवनकरावें सर्षपपत्रनिंवकेलीजें ग्रहहरधूपवालकोदीजे सप्तरात्रपुनहवनकरांहिं दुष्टवालग्रहस-बभगजांहिं सबसमानपूर्वविधिगाई वर्षसप्तमेसोइवताई प्रयोगसारेतु ॥ दोहा ॥ हवनमंत्रवरणनकि-योअधिकलखोसुमहान यंत्रमंत्रबलिदानसभीप्रथमदिवसकोजान ॥ इतिसप्तमवर्षगृहीतवालग्रहहर-विधानंसंपूर्णं अथसप्तमदिवसमासवर्षेषुगृहीतपूतनाहररावणसूनूप्रोक्तंकुमारतंत्रे ॥ दोहा दिवसमा-सअरुवर्षमेंकरेसप्तमेधाम रावणसुतवरणनकियोशुष्करेवतीनाम चौपई प्रविसेंवालपूतनायोई प्रथम-देहज्वरप्रगटैंसोई अंगभंगरुचिहोएनयाको रोदनकंपप्रगटहैंतांकों इहलक्षणजबवालकेजाने वलिक-रायवालहितमाने प्रस्थप्रमानजुपिष्टपिसावें सुंदरपुतलीतासवनावें पूरीसातहिंतासवनावें ध्वजासात-अरुदीपजगावें मत्स्यमांसअरुभातवनाय विविधपुष्पपुनतासधराय दिशउत्तरवलितांकीधरे ग्रहीपूत-नाताहिनवरे ॥ योगरत्नावल्यांतु दोहा ॥ पंचदिवसहींवालतेंवलीकरावेजोय पश्चिमदिशमेंसोधरेंसुखी-बालकतवहोय ॥ चौपई ॥ दिनमासवर्षजुचतुर्थवखाने सोसबसप्तममेहिपछाने गोशृंगलशुनइत्यादि-कजोई धूपवालकहितमानोसोई ब्राह्मणभोजनशांतिस्नान प्रथमदिवसविधितामोजान पूजामंत्रअवर-बलिदान सोइमंत्रअवरकरोंवखान ॥ ॐह्रींफट्स्वाहा ॥ इतिसप्तमदिवसमासवर्षेगृहीतविधानं ॥ अथाष्टमदिवसमासवर्षगृहीतविधानं ॥ तत्राष्टमदिवसगृहीतोक्तंयथाप्रयोगसारे ॥ दोहा दिनजोअष्टमे-वीचहींयमुनाग्रहीपछान जोलक्षणहोयवालकोसोअबकरोवखान ॥ चौपई ॥ मुखजिव्हाफूटीलषयास शब्दकरैउपजैबहुत्रास इहलक्षणवालकलषपावें तासहेतबलिदानकरावें खिचडीअरुकुलथमाषवनाय पायसपूपतिहसंगधाय करविधानवलिदानकरावे प्रयोगसारमतयाहिवतावे राईनिंवदलधूपधुषाई वालकग्रहततछिणमिटजाई क्रियाकालगुणोत्तरे चौपई क्षणक्षणसुप्तजागपुनहोइ लक्षणवालकजा-नोसोइ खिचडीअवरपूपिकाकीजे पायसवलिसंगतासधरीजें विधिवतहवनकरावेंजवे ग्रहनिवारहोयबा-लकतवे विविधभांतकीवलिवनाय पुष्पमालशुभधूपधुखाय शुचिवस्त्रसंयममनधरे अर्द्धरात्रवलिदानसु-करे याहिमंत्रसोंबलीकराय सोइमंत्रअवदेऔंवताय मंत्रः ॐमुंच २ पच २ दह २ जय२ वालिकेस्वाहा दो-हा रैंनदिवससोजोरहेंमोहजुहोतअपार स्नानधूपग्रहवालहरसोइकरैउपचार चौपई पंचपत्रसोस्नानकरावे मंत्रयंत्रवलिदानजोगावे विशेषप्रथमदिवसमोगाई अष्टवर्षमोलखोसुभाई इत्यष्टमवर्षगृहीतबालकग्रह० हरवि० अथाष्टमदिवसमासवर्षगृहीतपूतनाहरं रावणसूनूप्रोक्तंकुमारतंत्रे दोहरा दिनमासवर्षयोआठमें नामविडालिकाजान करेप्रवेसजववालहिंसोइलक्षणकरोंवखान ॥ चौपई प्रथमवालहींज्वरप्रगटावें अं-गभंगदिनदिनदरसावें खोलेनेत्रनरोवेसोई जिव्हाशोषशिरपीडाहोई अद्विरोगनहिभोजनचावें वा-लकलक्षणएतेंगावें तंडुलप्रस्थकोचूर्णपिसावे सुंदरपुतलीतासवनावे पूरीक्षीरणमधुसंगधरे घृतदुग्ध-खेलधानकीकरे अवरमेषकोमांसमंगावे पापडगुलगुलेताहिंमिलावे ध्वजारक्तदीपपुनधरे विविध-गंधचामरपुनकरे रक्तवर्णकेपुष्पमंगावे मंत्रविधानतेंवलीवनावे संध्यासमेवलिकरेविचक्षण धरेपूर्वसं-धीदिशदक्षिण कृष्णअष्टमीतिथीपछान मंत्रकह्योसोकरोवखान ॐनमोनारायणायत्रैलोक्य विद्रावणा-

यज्वल २ ॐह्रीं फट्स्वाहा अनेनमंत्रेणपूजादिवलिहरणांतेकर्मकुर्वीत दोहा धूपलशुनगोशृंगकोअवर-विशेषपछान चतुर्थमासदिनवर्षमैजोविधिकरीवखान चौपई ब्राह्मणभोजनशांतिस्नान प्रथमदिवसक-हेंसोमान कृष्णअष्टमीकरीवषान वलिदानकरावैवैद्यसुजान शास्त्रार्थबहुततासमैंलह्यो ग्रंथवृद्धिसैसोन-हिकह्यो योगरत्नावल्यांतु दोहा जृंभग्रहीकोनामहैदक्षिणदिशाहिजान पंचरात्रिबलिदानतेंबालहिहोत-कल्याण इतिविशेषः इत्यष्टमदिवसमासवर्षेषुगृहीतहरं अथनवमदिवसमासवर्षेषुगृहीतहरं तत्रनवम-दिवसोक्तंप्रयोगसारे अष्टदिवसविधवर्णनकरीनवमैसोइपछान लक्षणभिन्नवर्णनकरेसोअवकरोंवखा-न चौपई ओष्ठदंशचितहोएउदास मुष्टिवंधपुनउपजैत्रास वल्कजुचंदनकुष्टमंगावे वर्चसर्षपालेपल-गावे नखकेशनरधूपजोकरे ग्रहजुपूतनातांतेंटरे नारायणीयेतु ॥ दोहा ॥ महामर्षीग्रहनामहैकरेबालसं-चार दुर्गंधअंगवहुश्वासहींहोवतवालविकार पूर्वविधिजुवर्णनकरीसोसवतांहिप्रमान स्नानदानजपहो-मसब वालकहेतपछान क्रियाकालगुणोत्तरेतु चौपई सर्षपस्वेतजुअगरमिलावे ताहिद्रव्यसंगलेपलगावे मत्स्यसुराअरुमांसरलावे विविधभांतकेभक्ष्यवनावे गंधधूपअरुदीपजगावे पुष्पमालअरुतांहिधरावे विधिवतबालकबलीकरावे ताहितेंबालकअतिसुखपावे दोहा मंत्रयंत्रअरुलेपहैअवरविशेषविधान प्रथ-ममासवर्णनकरेसोसबकरेप्रमान इतिनवमदिवसगृहीतबालग्रहहरं अथनवममासग्रहीतबालग्रहहरं प्रयोगसारे दोहा नवममासमैपूतनाकुंभिकर्णिकाजान लक्षणबालककोंकरेंसोसबकरोंवखान चौपई प्रथमबालकोंज्वरप्रगटाई पीतदेहदुरगंधजुआई अरुचिवहुतबालप्रगटावे बालकलक्षणग्रंथवतावें मांसदुग्धकुलथमाषरलाय मत्स्यमांसयहबलीवनाय ईशानदिशाबलिदानकरावे मध्याह्नकालबालसुख-पावे क्रियाकालगुणोत्तरेतु दोहा दुग्धपानबालनकरेछर्दहोततत्काल पूतनाकृतपीडालखैंजहलक्षणहोवे-वाल चौपई बालकचेष्टाजबलखपावे तासहेतबलिदानकरावे खिचडीभातअरुकुलथमंगावे मत्स्यमां-सदधिक्षीरमिलावे तिलकोचूर्णताहिमेंधरे गंधपुष्पसंगपूजनकरें मध्याह्नकालबलिदानकराय पूर्व-दिशामैजायधराय इसविधबालहिंवलीकरावै तातेंबालकअतिसुखपावै मंत्रादिकयोविशेषवखाने प्रथमदिवसकेसोसबजाने इतिनवममासगृहीतबालग्रहहरं अथनवमवर्षग्रहीतबालग्रहहरं प्रयोगसारे दोहा नवमवर्षमैंबालकोंकलहंसीग्रहीमान गृहीतबाललक्षणकरेसोअबकरोंवखान चौपई दाहअंगकृ-शतादरसावें भयमानेज्वरकोंप्रगटावें दधीपूपपूरीसंगकरे पांचरात्रबलितांकीधरे तुलसीराईलसुनमि-लाय वर्चपीससमलेपलगाय गोरोमदंतनिंवदललयावे धूपतेंबालग्रहमिटजावे क्रियाकालगुणोत्तरेतु सोरठा दधीअरुभातमिलायमत्स्यखीललेधानकी विधिकरबलीधरायपीरहरेतबबालकी चौपई लशुनव-र्चसर्षपपुनमानें कुष्टबालकोंलेपनठाने भृंगराजगजदंतमंगावें नखकेशपत्रनिंवकेपावे धूपबालकोनित्य-कराई तांकरबालकग्रहमिटजाई पांचरात्रविधिबालकरावे पूतनाग्रहतांतेंभगजावें दोहा मंत्रयंत्रबलि-दानविधिअवरविशेषविधान प्रथमदिवसवर्णनकरेसोविधियाहिप्रमान इतिनवमवर्षग्रहीतबालग्रहह-रं अथनवमदिवसमासवर्षगृहीतबालग्रहहरं रावणसूनुप्रोक्तेकुमारतंत्रे नवममासदिनवर्षमैंमदनाग्रही-पछान वालहिंलक्षणजोकेरंसोसबकरोंवखान चौपई अधमानछर्दिअरुज्वरप्रघटावें तृष्णाश्वासकासद-रसावें शूलगात्रभंगहोवतजास बालकलक्षणकरेप्रकाश सो० प्रस्थहिंचूर्णपिसायपुतलीतासवनायकर पूजनतासकरायबालकआगेतांहिधर चौपई मांसभातपर्पटपुनल्यावे इक्षुमूलिकामत्स्यधरावे यासमंत्र-करवलीकराय सोइप्रगटकरदियोंवताय अथमंत्रः ॐनमोभगवतेवासुदेवाय कृष्णमंडलेवलिमादाय-

हन २ हुंटुफ स्वाहा दोहा दिवसचतुर्थत्रिमासमैंधूपजुकिएवखान गोशृंगलशुनइत्यादिसवसेइजास-
मैजान सो० ब्राह्मणभोजनजान मंत्रस्नानशांतिकही दिवसमासकीमान प्रथमवर्षमोंयोलही योगरत्ना-
वल्यांतु दोहा दिवसमासपुनवर्षहींनवमेग्रहीपछान अजिकायोगिनींनामतिहलच्छणकरोंवखान चौपई
अंगभंगवकवादकरावें छर्दिनेत्ररोगप्रगटावें ग्रहीग्रहीतवालजवजाने वलीतासहितकरेजुठाने पूजनक-
रदिशउत्तरजाई देवेसोइजुपूर्ववताई इतिनवमदिवसमासवर्षेषुगृहीतपूतनाहरम् अथदशमदिवसमा-
सवर्षेषुग्रहोक्तवालग्रहहराणि तत्रदशमदिवसोक्तंप्रयोगसारे दोहा दशमदिवसकेवालकोंग्रहणरोदनी-
जान जोबालकलच्छणधरेसोअबकरोंवखान चौपई स्यामवर्णश्वासबहुआवे सहितकासचेष्टालखपावे
सिद्धार्थकुष्टकोलेपलगाय निंवपत्रपुनधूपधुखाय ताकरग्रहकीहोवेहान प्रयोगसारमतकियेवखान सवै-
या मदमांसहिंमित्सकोसंगवनावे वलिवालकतेंनिशिकालधरावें अपामार्गकुशखसचंदनल्याय जल-
सोंसतबारहिंसेचकराय जबतीनाहिकालसनानकरावै सुखीवालकरेग्रहतेंछुटजावे× सो० प्रथमदिवसतें-
जांनदशमवर्षलगजोकही जोसबअधिकविधानसोलखलीजेंतासमहि चौपई मंत्रयंत्रवलिलेपवखाने
प्रथमदिवसकेसोसबजाने यहविशेषविधियामोगाई सोईग्रंथमेंतासबताई क्रियाकालगुणोत्तरेतु चौपई
वचाअधिकलेपमैजानो निंवपत्रकोधूपहिमानो लाखमत्स्यकीबलीधराय भक्तकोद्रवपथ्यखुलाय ना-
रायणीयेवलिविशेषाः चौपई ॥ कोद्रवभक्तपुनलाजापावैं कुलथमाषकरवलीवनावै त्रयोदशादिनविधि-
तासकराय धूपादिकतेंग्रहमिटजाय इतिदशमदिवसगृहीतवालग्रहहरं अथदशममासप्रोक्तंप्रयोगसारे
॥ दोहा ॥ दशममासमेंबालकोग्रहणतामसीजान जोलच्छणतांतेंकरेसोसबकरोंवखान चौपई अंगकंप-
अरुनेत्रमिटाय दुग्धपानकोंचितनहिचाय रक्तपीतरंगभातवनाई मत्स्यमांसमदसंगमिलाई अवरपूत-
नाऊपरधरे घंटाध्वजापिष्टकेकरे मध्याह्ववलीउत्तरादिशधरे त्यागपूतनातांकोकरे क्रियाकालगुणोत्तरेतु
॥ सोरठा ॥ तामसीनामवताय अवरविशेषविधानसब योवहकरेवनाय प्रथमवर्षकेजानतव इतिदश-
ममासोक्तं अथदशमवर्षगृहीतोक्तंप्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ दशमवर्षकेवीचहींदेवदूतीग्रहीजुमान गृहीत-
बाललच्छणकरे सोसबकरोंवखान ॥ चौपई ॥ दौरेवालवेगवहुधरे उत्तानसैनचेष्टायहकरे विष्टामूत्रहो-
तहैजास वहुरवालकोंआवेहास चलोचलोचलजाहिपुकारे वारवारजहशब्दउचारे पीडाअंगअंग-
होयजास नेत्ररोगपुनउपजेंतास भागग्रहणमेंश्रद्धाहोय वचनकर्षवालकरेंसोय कोद्रवकोशुभभातव-
नावे कुलथमाखपूपसंगधरावे मोदकमत्स्यमांसपुनलीजै रुधिरअवरपुनसंगधरीजै पुष्परक्तवस्त्रअरुधरे
वलीकालतीनयहकरे मंत्रयाहिसोंवलिकराय सोइमंत्रकोदियोंवताय ॥ ॐमुंच २ नियोजय २
आगछ २ बालकेस्वाहा ॥ चौपई ॥ जाहिमंत्रसंगहवनकरावे दिनजुतीसविधिग्रंथवतावें
॥ क्रियाकालगुणोत्तरेतु ॥ चौपई ॥ पक्कमांसअरुमत्स्यमंगावे अवरपूरियांसंगधरावे दधिकुलथमा-
खपूपवनाई भक्तकोद्रेकोलेजुमिलाई लाजाअवरपोलिकाजानो वलीकरेवालकहितमानो करवी-
रपद्मतगरनषल्यावे गुगलकेशरकुष्टधुखावे तिलतैलनसोंदीपजगाय पंचगव्यकरस्नानकराय बालक-
तेंजहविधीकरावे ग्रहतेंछुटेंवहुरसुखपावे होममंत्रयहअधिकपछाने होमकरैअरुसबहितमाने मंत्रयंत्र-
अवरबलीदान प्रथमकहेसोकरेप्रमान ॥ इतिदशमवर्षेप्रोक्तं अथदशमदिवसमासवषपूउच्यतेरावणसू-
नूक्तकुमारतंत्रे ॥ दोहा ॥ दशमदिवसपुनमासमैवर्षरेवतीनाम इहलच्छणतवहोतहैकरेजुबालमोधाम
॥ चौपई ॥ प्रथमबालकोज्वरप्रगटावे शूलश्वासकासलखपावे अन्नद्वेषपुनहोवेजास इहलच्छणसब-

×सारप्रयोगमांततरयाविधउत्तमवैद्यौविचारितगावै

होवैंतास पिष्टप्रस्थजाएकमंगाई पुतलीतांकीलेजुवनाई अष्टांगकंटकीवृच्छमंगाय लेपनसोकरवलीवनाय भातकरेगुडसंगरलावे पूरीपंचविंशतीपावे पंचविंशतीध्वजाधराय संख्यातांसमदीपजगाय रक्तपुष्पातिहिंऊपरधरे वलिचुराहेमैंपुनकरे तीनकालयहकरेप्रमान मंत्रसाथसोकरोंवखान ॥ मंत्रः ॥ उंनमोभगवतेवासुदेवायहन २ जुंफट्स्वाहा ॥ गोशृंगलशुनइत्यादिकजोय करेधूपवालकसुखिहोय दिवसचतुर्थमासवर्षाई सोसबविधीयासमोगाई शांतिस्नानअरुब्राह्मणभोजन प्रथमदिनमासवर्षलखेजन ॥ रत्नावल्यां ॥ दोहा ॥ दशदिनवर्षजुमासमेंग्रहणवालकोहोय लच्छणहोयजुवालमैंकथनकरोंअवसोय ॥ चौपई ॥ ज्वरछर्दिकंपरोदनवहुकरे नेत्ररोगदुरवलताधरे पांचरात्रवलिदानकराय पूर्वदिशाविधिसंगधराय वैद्यवालहितहीजवजाने पूर्वविधिसवतांमेठाने इतिदशमदिवसमासवर्षोक्तंसमाप्तम अथएकादशमासवर्षग्रहीतवालग्रहहराणिकर्माण्यभिधीयंते ॥ तत्रैकादशमासग्रहीतविधानंप्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ मासएकादशवालहींग्रहीराच्छसीमान जोलच्छणहोयवालकोंसोसवकरोंवखान चेष्टावालकयाविधहोई नेत्रअंधजुहोवैहैदोई तासउपायवैद्यनहिकरे तांतेंवालकनिश्चयमरे ॥ इतिएकादशमासग्रहीतोक्तं ॥ अथैकादशवर्षग्रहीतवालग्रहहरं ॥ प्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ वर्षएकादशवालकोंग्रहणबालिकाजान जोलच्छणबालहिकरेसोसबकरोंवखान ॥ चौपई अच्छिरोगपुनहोवतकास काकशब्दबहुहोवतश्वास कुलथमाषपूपगुडसंगकरे मोदकपूरीतिसमोंधरे मतस्यपक्कमांसपुनच्छीर शाकसंगवलिकरेसुधीर तीनकालवलिविधतवकरे पूतनाबालतांहिनहिवरे सिद्धार्थनिंवकोधूपधुखाय तबाहिंवालतेंग्रहभगजाय क्रियाकालगुणोत्तरे ॥ दोहा ॥ मंत्रयंत्रवलिदानाविधिप्रथमदिवसकीमान मधुरतैलकरदीपहैजांहिविशेषपछान इत्येकादशवर्षोक्तं अथैकादशदिवसमासवर्षग्रहीतोक्तं रावणसूनुप्रोक्तेकुमारतंत्रे ॥ दोहा ॥ एकादशदिवसमासहीवर्षअर्चिकाजान ग्रहणवालकोंसोकरेलच्छणतांकेजान ॥ चौपई ॥ प्रथमवालहिंज्वरप्रगटावे अन्नद्वेषमुखशोषलखावे गात्रभंगरोदनवहुकरे ऊर्द्धदृष्टिलच्छणयहधरे माषपिष्टकीपुतलीकरै वलीवनायाविविधसोधरैं शुक्लवस्त्रअरुध्वजाजुस्वेत पुष्पस्वेतधरेतांकेहेत पूरीपंचविंशत्तीकरे दीपप्रकासमानतिहिंधरे अवरवस्तुकोयाहिप्रमान कुमारतंत्रतेंकियोप्रमाण प्रातकालमैंवलीवनावे दच्छिणदिसमैंजायधरावे यासमंत्रकरवलीकराय सोईमंत्रअवदियोंवताय अथमंत्रः उंनमोभगवतेनारायणाय चंद्रहास वज्रहस्तायज्वलदुष्टग्रहाय उंन्हांफट्स्वाहा ॥ चौपई गोशृंगलशुनपुनतासमिलाय वालककोंयहधूपधुषाय चतुर्थदिनमासवर्षमोकही सोविधिसर्वतासमोगहि पूर्वदिवसवर्षकेजान ब्राह्मणभोजनशांतिस्नान योगरत्नावल्यां सोरठा अलसिकाग्रहीपछानएकादशमोंसोकरे अवरविशेषपछान जोविधपूर्ववर्णनकरि इत्येकादशदिवसमासवर्षग्रहीतपूतनाहरं अथद्वादशमासवर्षोक्तं तत्रद्वादशमासोक्तंकथ्यतेप्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ मासद्वादशेवीचहींग्रहपंचालिकाजान जोलच्छणकरहैवालकोंसोअबकरोंवखान चौपई अरुचिवहुतहोतहैस्वास अवरबालकोंउपजेंत्रास तिलकुलथमाषदहींकेसंग मोदकअन्नवलीरुजभंग मध्यान्हसमैंदिशपूरवधरे पूतनाग्रहवालनहिवरे नारायणीयेक्रियाकालगुणोत्तरे दोहा पांचालीग्रहिकोनामहैतिलपूपकबलिदान मंत्रादिकजुविशेषविधिप्रथमदिवसकीजान इतिद्वादशमासोक्तं अथद्वादशवर्षोक्तंप्रयोगसारे दोहा वर्षद्वादशेबालकोग्रहजुवायवीजान लच्छणहोवेबालकोंसोअबकरोंवखान चौपई मुखसूकेअरुटेढाहाय वहुरअंगमोंपीडाजोय रक्तवस्तुसबबलीवनावे करेवलीबालग्रहजावे क्रियाकालगुणोत्तरेतु सो० वायवीग्रहीकोनामबलीविशेषपछा-

नियै गंधपुष्पवलिदानरक्तवर्णकेसोकहे ॥ चौपई ॥ स्नानमंत्रकरवालनुल्हाय सरसोंत्रौनिवधूपधुखाय मंत्रयंत्रअवरवलिदान प्रथमदिवसविधितांमोंजान ॥ इतिवर्षोक्तं ॥ अथद्वादशमासवर्षोक्तंकुमारतंत्रे ॥ दोहा ॥ दिवसमासपुनवर्षमैद्वादशग्रहीपछान अद्भुतानामहिपूतनापीडाकरेमहान ॥ चौपई ॥ ग्रहण-वालकोकरेजोआई प्रथमदेहमैज्वरप्रगटाई रोदननेत्ररोगप्रगटावैं वारवारपुनहाथचलावैं रोमहर्षव-हुश्वासहिजानो एतेहिलक्षणवालपछानो

प्रस्थएकतंडुलहिपिसावै पुतलीशोभनतासवनावे त्रयोदशपूरीसुंदरकरे तासमानपूडेतिहधरे मत्स्यमां-सपापडपुनठाने धूपदीपतेरांतिहमाने दक्षिणदिशवलीजोधराइ मंत्रसाथसोदियोवताइ ॥ मंत्रस्तु ॥ ॥ ॐनमोनारायणायज्वलद्धस्तायहन २ शोषय २ मर्दय २ तापय २ हन २ दुष्टसत्वानांहुंफट्स्वाहा ॥ ॥ चौपई ॥ ब्राह्मणभोजनशांतिस्नान धूपादिकयौंकरेवखान दशदिवसमासवर्षमोंकही सोसवविधी-तासमेंलही ॥ योगरत्नावल्यांतु ॥ चौपई ॥ द्वादशदिवसवर्षपुनतास पीतलाग्रहीनामहैजास योगिनी-वालग्रहणयोकरे ज्वरपीडारोदनवहुधरे अरुचिपीतवर्णस्वरखोवे निद्रादेहशून्यताहोवे सप्तरात्रवली-विधिसोकरे उत्तरदिशमोजायसुधरे जहविधानवालककरवावे तांतेततछिनग्रहमिटजावे ॥ इतिद्वाद-शदिवसमासवर्षोक्तं ॥ अथत्रयोदशदिवसमासवर्षग्रहीतोक्तंप्रयोगसारे ॥ रत्नवल्यांच दोहा ॥ त्रयोद-शदिवसमासपुनवर्षपूतनानाम भद्रकालीवरणनकरीकरेवालमोधाम ॥ चौपई ॥ ज्वरअतिनिद्रावाल-हिजानो वामवक्षमोंकंपपछानो पीडाअरुचिपुनहोवेंश्वास पीतवर्णचेष्टालखतास पूर्वदिशामे-आश्रयहोय सुखदपूतनावालहिंसोय वलीविधानजोकरोंवखान सोसवतांमोंकरेप्रमान षोडसवर्षहि-विधीवताई सोईत्रयोदशवीचजुगाई ॥ अथत्रयोदशवर्षग्रहीतवालग्रहहरोक्तंप्रयोगसारे दोहा ॥ वर्षत्र-योदशवालकोंग्रहणयचिणीजान योलक्षणहोयेंवालकोंसोअबकरोंवषान ॥ चौपई ॥ हृदयशूलअरुज्वर-प्रगटावे रोदनअरुपुनहासलखावे शालीकोलेभातवनाइ अवरलियेंकुलथमाषरलाइ खिचडीदधि-अरुपायसकीजै मांसमत्स्यमदसंगधरीजै मध्याह्नसमैंवलिदानकरावैं दिवसतीनग्रहतेंछुटजावैं घृतम-र्दनऔपालकरावे वालकत्यागपूतनाजावे ॥ क्रियाकालगुणोत्तरे ॥ सोरठा ॥ लाजापायससोंयवलीकरावे वालकों गंधपुष्पलखवोयअवरविशेषविधानसव ॥ दोहा ॥ तिलतैलनसोंदीपहीपंचगव्यकोस्नान वलि-दानादिविशेषसबप्रथमदिवसकेजान ॥ इतित्रयोदशवर्षोक्तंयोगरत्नावल्यांतु ॥ दिवसमासअरुवर्षमें-करेवालमोधाम चतुर्दशयोवर्णनकरीताराश्रीतिसनाम ॥ चौपई ॥ ज्वरअरुचीमुखशोषलखावें नेत्रव्य-थातिहलक्षणगावे पश्चिमदिशमेंवलीधराई वालकतासहेतसुखपाई शोडशवर्षवलीदानवताये प्रयोग-सारमततामोगाये जोसमविधितासमोगाई सोआगेहमदियेंवताई अथचतुर्दशवर्षग्रहीतोक्तंप्रयोगसा-रे दोहा ॥ वर्षचतुर्दशवीचहींस्वछंदाग्रहीजान तागृहीतलक्षणकरेसोसबकरोंवखान ॥ चौपई ॥ रुधि-रचलेमुखआवेंवास नाभिशूलपुनउपजिततास एतेलक्षणवालपछाने चिकित्सातासहेतनहिठाने ॥ क्रियाकालगुणोतरेतु सोरठा ॥ सुनंदाग्रहीकोनामअवरविशेषविधानहि पूर्वकहीसवजानकीजेहैसो-तासहि ॥ इतिचतुर्दशवर्षोक्तं योगरत्नावल्यां ॥ अथपंचदशदिनमासवर्षग्रहीतोक्तं ॥ दोहा ॥ दिव-समासअरुवर्षहीदशपांचनमोंजान सर्वसुखीकरवालकोंपीडितलखोमहान ॥ चौपई ॥ अरुचिहोतज्वर-प्रगटेंजासा कासवहुतपुनहोवतश्वासा दक्षिणदिगवलीदानकरावें तांतेवालकअतिसुखपावें षोडश-वर्षविधितांमेजान सोआगेमेंहोतविधान ॥ अथपंचदशवर्षग्रहीतोक्तंप्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ वर्षपांच-

दशवीचमैंवारुणीग्रहीपछान ग्रहणवालकोजवकरेलच्चणकरोवखान ॥ चौपई ॥ निद्रावहुतहोतपुनत्रास एतेलच्चणहोवततास कृशरापूरिमाषमिलाय पायसपूडेसंगरलाय कुलत्थमाखतासमोंधरे तीनरात्रवलियाविधकरे पुनधूपलेपचंदनकोठाने ग्रहनिवारजुवालकोजाने ॥ क्रियाकालगुणोत्तरे ॥

॥ दोहा ॥ वर्षपंचदशमध्यमैपूतनाकोपीजान जोलच्चणवालहिधरेसोसबकरोंवखान चौपई जवहिंवालसंचारसुकरै निश्चेतनहोयेभूमिगिरे ज्वरवहुकठिनहोतहैंयास अतिनिद्रापुनउपजेतास कुलथमाषसंगखिचडीधरे मद्यमांसअरुपायसकरे पूपपूरियांतासधरावे पीतरंगकेफूलभ्कडावे स्नानपंचगव्यकेसंग मुस्थरवचधूपरुजभंग सांभ्कसमेदिनतीनजुकरे बलीदानवालकसुखधरे मंत्रयंत्रवलिअवरविधान प्रथमदिवसकेंसोसबजान इतिपंचदशवर्षोक्तं अथषोडशदिवसमासवर्षोक्तं योगरत्नावल्यां ॥ षोडशदिनअरुमासमेंवर्षकुमारीनाम लच्चणसोवर्णनकरोंकरेवालमेंधाम ॥ चौपई ॥ नयनमीटैपुनपुनजुउघारें ज्वरकोवेगशोषमुखधारें नैनृतदिशवलीदानकरावे सातदिवसविधिसंगधरावे शांतीजलसोस्नानजुकरे मंत्रसाथग्रहतासनवरे मृतकादोनोतटकील्यावे प्रतिमादेवींकिजुवनावे स्नानगंधपुनधूपधुषाय पुष्पदीपनैवेद्यधराय वडेपूपअरुलड्डूकरे भातदहीगुडसंगहिधरे चारवर्णकीध्वजारंगाय पुनआगेंतिहदीपजगाय पुष्पधूपपुनचंदनधरे सर्वदेवकोपूजनकरे सांभ्कसमैवलीदानकराय मंत्रसंगसोदियोंवताय मंत्रः ॐनमोभगवतेनारायणाय वालंमुंचमुंचस्वाहा दोहा याहिमंत्रवलिदानकोशास्त्रहिकियोवखान जहांविशेषवरणयोनहीसोतहांकरेप्रमान ॥ अथषोडशवर्षग्रहीतवालग्रहहरंप्रयोगसारे दोहा षोडशवर्षकेवीचहींग्रहीदुर्जयाजान वालकलच्चणजोकरेसोसबकरोवखान चौपई ॥ हसेदेहमेकंपसुधारे चलोचलोयहशब्दउचारे खिचडीरौंगकुलत्थमिलाय तिलखलघीवरसंगधराय दधीमेलवलिदानसुकरे तीनदिवसदिशउत्तरधरे नखगोश्रृंगलशुनपुनठानो धूपहितेंवालकसुखमानो नारायणीयेतु सो० धन्वायसीग्रहीनाम बलीकालमध्यान्हहें नखगोश्रृंगीजान धूपविशेषविधानसब क्रियाकालगुणोतरेतु दोहा षोडशवर्षकेवचिहींधनदाग्रहीकोजान ग्रहणवाललच्चणकरेसोतुमकरोप्रमान चौपई दिवसरातवहुहासकरावे छोडछोडयहशब्दकहावे अंगनमोंतिहकंपधराय वारवारकरपादचलाय खिचडीभातमांसतिलदीजें कुलत्थपूपदधिसंगधरीजें गंधपुष्पअरुदीपजगाय विधिकरवालहिंवलीधराय नखवालीजेगोकोश्रृंग मेषश्रृंगवालींजेंचंग भिन्नभिन्नयोधूपधुखाय ताकरवालकअतिसुखपाय तिलतैलनसोंदीपकजरे स्नानपंचगव्यसेंकरे मंत्ररूपजिहकवचधराय पूर्वदिशावलिदानकराय दिनयोतीनमध्याह्नहिकाल यहविधिकरसुखिहोवेंवाल मंत्रयंत्रजोअवरवखाने प्रथमदिवसकेसोसबजाने ॥ इतिषोडशवर्षग्रहीतवालग्रहहरं अथसप्तदशवर्षग्रहीताविधानंप्रयोगसारे दोहा ॥ वर्षसप्तदशवीचहीकुमारीग्रहीपछान जोलच्चणवालकधरेसोसबकरोंवखान ॥ चौपई ॥ अरुचिकंपअरुछर्दीतास कासवहुरातिसहोवेश्वास यहलच्चणवालकजवगहे तासचिकित्साग्रंथनकहे ॥ क्रियाकालगुणोतरे ॥ दोहा ॥ कालिकाग्रहीकरनामहैअवरविशेषविधान पूर्वकहीसोंजानियेग्रंथनकोमतमान वालचिकित्सासोकहीवंगसेनअनुसार जैसीलखीसुधारकेतैसीकरीउचार इतिवालकदिनमासवर्षचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथान्यप्रकारकथनम् ॥

॥ चौपई ॥ वालचिकित्साजाविधहोई तदवीरअतफालनामकहुसोई जन्महोतरच्चामनलावे प्रथमनासिकाकर्णभुंजावे एरणतेलवूंदइकल्याय मधूमेलतालूपरलाय तांकरउदरशुद्धहोजावे वीचअंधे-

रेवालरखावे थिंदावीचनासिकालाय तप्तनीरसंगताहिधुलाय तांकोथोडादूधपिलावे अतीदूधअति-दोषदिखावे रोदनअधिकवमनहोजाय ताहियतनऐसामनभाय हिलावेवालकनाचनचावे थकित-होएतवशयनकरावे अतिनिद्राआजावेजवहीं वालकशुद्धहोतहैतबहीं जोवालककोदूधपिलावे सोभीसुखनिद्रामनलावे पिलावैदूधहिलावेसोई पचेदूधदुखनासेहोई वारवारदाइस्तनदेवे एकोस्तन-इकवारनदेवे जोएकोस्तनदूधपिलावे सोवालकविंगाहोजावे जोवालककोदूधपिलावे सोभोजन-माडानहिखावे खट्टाखारासोनहिखाय अतीगर्मक्रमिकरनहिभाय रुधिरविगाडजाहुतेहोई रेचकरू-क्षनसेवेसोई प्रतिदिनइछाभोजनखावे अतिचिंतादुखदूरवहावे थोडादूधजाहुकोहोई जीराखेतमं-गावेसोई सीसालूणसौंफसंगपाय छाछसंगचूरणनितखाय स्तनकेवीचदूधजंमजावे गरमीहोए-पीडप्रगटावे कतीरागूंदमोमसंगपाय घृतमिलायमर्दनसुखदाय जेकरसरदीदोषदिखावै धतूराएरण-पत्रमंगावे स्तनकेऊपरवंधनकीजें दूधऔरदाईकादीजें खिचडीमुंगसाथघृतहोई मांसआदिरससे-वेसोई सुंदरफुलकातुंडुलखाय करेपथ्यवालकसुखपाय वालकपेटनर्महोजावे दाईग्राहकऔषध-खावे वाविडंगदधिमेलखुलाय पेटनर्मनिश्चयहटजाय जेकरवमनदूधनिकसावे करेयतनदुखवमनह-टावे मूंडजीवकाघरजोहोई तांकीमिटीलेवेकोई न्हापेकाडोडासंगलीजें वाजराअंनताहुमेदीजें काचमिलायकाथवनवावे वूंदवूंदमुखवालकपावे रहेशेषदाईकोदेवे वमनदूरवालकसुखलेवे जेकर-पेचसपेटदिखाय करेयतनपेचसहटजाय भडिंगीदेवदारसंगवावे गिलोमेलजलकाथवनावे दाईपा-नकरेदुखजाय पेचसबट्टदूरसुखपाय वाविडंगमुत्थरसंगवावे हरडमेलनितचूरणखावे थोडाचूरणदूध-मिलाय वालककोदेवेदुखजाय जेकरवालकरोगीहोई वालरोगयुतमानोसोई जलपत्रीजैफलदोईमं-गावे तोलाएकएकसमपावे केसरमासेपांचमिलाय खुवटीकाकीडाइकल्याय पीसगर्मकरगोली-होई मसरप्रमाणवांधिएसोई जलकेसंगप्रातनितदेवे वालरोगनिश्चयहरलेवे गिटकाअंवअरुजामन-ल्यावे नागरमोथाहरडमिलावे करचूरणमधुसंगमिलाय ग्राहकचटनीदाईखाय निकलेदांतसमाजव-आवे मसूडेपरघृतप्रतिदिनलावे जेकरदस्तमरोडाहोई करेयतनहटजावेसोई गुलावपुष्पसितजी-राल्यावे पावेसिरकाखूपपिसावे पतलालेपपेटपरकीजें दस्तदूरसुंदरतनलीजें खरगोशजीवकी-मिंझजोहोई गोघृतमेलगर्मकरसोई मसूडेऊपरमर्दनकीजें निकलेदांतसहजसुखलीजें अथवाकुर्क-टचरवीहोई वनफसाघृतसोंमलिएसोई जेकरअतिकबजीहोजावे ताहिविठचूकेकील्यावे पीसनी-रसंगवत्तीकीजें कबजीदूरगुदामेदीजें गुडअरुमर्चसुंठलेकोई पीसनीरसंगवत्तीहोई गुदावीचव-त्तीपहुंचाय कबजीदूरवालसुखपाय लूणचोकमघसुंठमंगावे भडिंगीहिंगूसंगरलावे मासेतीनतीनस-मलेवे चूरणजलसोंदाईसेवे पीडापेटअफाराहोई वालककाहटजावेसोई लोहवांनदाईमुख-पाय चापेवूंदवालमुखलाय रोदनउदरपीडहटजावे दाईपालकरेसुखपावे दाईआदथोमनहिखाय कटुतीक्षणअंवलनहिभाय ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांवालरोगाऽधिकारकथ-नंनामसप्तपंचाशत्तमोऽधिकारः ॥ ५७ ॥

॥ अथविषरोगनिदानवर्णनम् ॥

दोहा ॥ विषनिदानवर्णनकरोंसुश्रुतकेअनुसार अपनेमनतेंनाहिसोकीनातासउचार ॥ चौपई आदिनारायणमनमोधारी खेलकरेकछुदेखविचारी एकखेलतिसमनमोंचीना नाभीकमलतेंब्रह्माकीना नारायणतिसआज्ञादेई उत्पतसृष्टीकरणेलई उत्पतसृष्टीहोवतजबहीं कैटभदैत्यप्रगटभयोतबहीं मदसंयुतजबदैत्यजुहोये सृष्टिविघ्नमोंलागेसोये तिसकरकुपितभयोजबब्रह्मा क्रोधतेजमुखतेंनाहिथह्मा तेजपुंजमुखबाहरआय भयानकरूपलियोजुबनाय मधुकैटभदैत्यनकाहेजोडा दग्धकरणतिन्हहींकोदौडा आवतकोंदेखेततकाल देखतशब्दकरेंजुकराल कैटभदैत्यबडोबलकार मारक्रोधनेकीयोसंहार दैत्यमारकक्रौधहेजोय अद्भुतवृद्धिकोप्राप्तहोय विष्णोआदिजोदेवहैंजेते तेजवृद्धकोंदेषेंतेते तेजवृद्धजबजानेमनमै होतविषादजुसबकेतनमै तांतेतिसविषनामकहायो लोकप्रसिद्धसभीजनगायो विषादयुक्तजबदेवजुजाने प्रजापतिअपनेमनयहमाने अवरसृष्टीपुनउत्पतकरै जातेंदेवविषादसुहरै स्थावरजंगमअजीवहेजोय क्रोधतिन्हनमोंधारासोय यातेंदेवताभयनहिमाने तांतेपृथवीपरातिसठाने प्रजापतिमनयहविधजुविचारी तेजपुंजदियोपृथवीडारी तेजपरयोजिन्हजीवनमांहि विषकोरूपधरेउोतिसताहि दोयभेदतिसविषके अहैं स्थावरजंगमसोसुनलहै भेदतासकेकरोंउचार सोअपनेमनलियोविचार स्थावरविषप्रथमेजुवषानो तांपाछेविषजंगमजानो ॥

॥ अन्यप्रकारविषनिदानम् ॥

॥ दोहा ॥ असुरदेवकठेभयेकीनामंत्रविचार चौदशरत्नसमुद्रभैलीनोताहिनिकार तिन्हमोएकजुरत्नहैअमृतनामहेयास तासापियेसबमिटतहेमृत्युकालकोत्रास ॥ चौपई ॥ यहमंत्रकरीसबदेवताआये अवरसंगजिन्हअसुरबुलाये मथनसमुद्रलागेदोय निकसैरत्नजुसांभेसोय ॥ दोहा ॥ पुरुषजुएकसमुद्रतेंनिकस्योघोरमहान दंष्ट्राचारप्रकाशहैहरितकेशतिसमान ॥ चौपई ॥ अग्निसमानतिसनेत्रदोई देषविषादजगतसबहोई ब्रह्मामनयहकियाविचार हुंकारशब्दकरदियानिकार स्थावरजंगमयोनीदोय तिनमोप्राप्तकीनासोय सोविषरूपभयोततकाल जीवयोनीसबकरैविहाल तिसतेंविषतिसनामकहायो लोकप्रसिद्धसभीजनगायो भेदतासकेवहुविस्तार सोसबदेषजुग्रंथविचार इतिविषनिदानम् विषजुपुरातनदूखीजानो विषहरऔषधिहितएकमानो दावानलकरदग्धहैजोय वातदूषकरशोषितहोय वास्वभावतेंगुणजुविहीन दूखीविषइनविधकरचीन भक्षणअन्नस्वप्नदिनमाहि देसकालअनुसारलषांहि इनकरकोपकरेजुअनेक लषहेबुधजनसहितविवेक ॥ अथदूखीविषकार्यमाह ॥ चौपई ॥ अल्पवीर्जजिसविषमेंजानो प्राणघाततिसतेंनहिमानो केतिकदिनवीतेंसुविचार कफमोंजायकरेसंचार कफसोंमिलकरेधातुप्रवेश उपजावैउोवहुतक्लेश तिसकरपीडिततनजबजाने विष्टाभग्नविवर्णतामाने अवरविवधविरसिताहोय तृष्णामूर्छाउपजैजोय गदगदवाणीभ्रमहोजास मिश्रितचेष्टारतीप्रकास यहलक्षणतिसकेतुमजान सुश्रुतमेंवहुकरेवषान आमाशयस्थितहोवैजबै कफअरुवातरोगकरेतबै पक्वाशयमोंगतजबहोय वातपित्तरुजकरेतबसोय शिरकेकेशपतनहोइकैसे पक्षविनाजुविहंगहैजैसे रसादिकक्रमतेंधातूजेऊ विषदूषीप्राप्तजानोतेऊ तासकेलक्षणकरोंवषान जैसेकहेजुग्रंथनिदान

॥ अथदूखीस्थावरविषअंतरधातुप्रवेशलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अंतरधातुविषप्रविसेजवहि एतेदोषप्रगटकरैतवहि निद्रागुरुताजृंभाजान अंगमर्द-अत्रमदअान मंडलकुष्टमांसक्षयहोत पांडुवर्णअरुकरहैशोथ छर्दश्वासतृष्णाज्वरलिये अरुचअरुदाह-वीर्यक्षयाकिये उदरवृद्धहोवैउन्माद प्रगटहोयदोषइत्याद ॥

॥ अथविषसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जाविषधातुनदुष्टकरावै दूषीविषसोनामकहावै धीरजसहितजेऊनरकहिये नाहिसा-ध्यविषसर्वलहैये ॥

॥ अथअसाध्यविषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोसंवत्सरएकपर्यंत विषरहिकष्टसाध्यसुकहंत पाछैंदुषीविषजोभनी क्षीणरहीअसा-ध्यसोगनी अरुजुअहितसेवीनरजोय तिसअसाध्यदूषीविषहोय ॥ दोहा ॥ विषनिदानवरणनकरोंसो-हैदोपरकार स्थावरजंगमसोसुनोवैद्यकमतअनुसार ॥ चौपई ॥ धातुमूलादिस्थावरकहियै सर्पादिक-विषजंगमलहियै इनकाविवरादेऊवताय सोसमझोअपनेचितलाय ॥ चौपई ॥ करवीरादिविषमूल-कीजानो पत्रिकादिविषपत्रपकमांनो कर्कोटकादिकफलविषकहिये वेत्रादिविषपुष्पकीलहिये त्वकसारगूंदकरंभादिनी सुह्यादिविषक्षीरकीकीनी हरितालादिविषधातूहोय वत्सना-भादिविषकंदकोसोय

॥ अथस्थावरविषकीसंख्या ॥

॥ चौपई ॥ स्थावरविषयाविधहैजेता दशस्थानमोरहहैतेता वृक्षजडपत्रफूलफलहोइ अवर-छालफुनदूधमोजोइ रसअरुगुंदधातुहरताल कंदजुमहुरादशविधचाल अष्टभेदविषमूलकेजा-नो पत्रनकीविषपंचसुमानो भेदजुद्वादशफलविषहोय पंचभेदविषपुष्पकेसोय त्वकरसगुंदसप्तवि-धकहिये तीनभेदविषक्षीरकेलहिये दोयभेदविषधातुकेजानो भेदत्रयोदशकंदपछानो नामभेद-नहिंकियोउचार देशदेशमोलियेविचार

॥ अथस्थावरविषसामान्यलक्षणनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ ज्वरहिकागलग्रहप्रगटावै दांतहर्षमुर्छाछर्दउपजावै श्वासकासअरुमुखफैनजु-होय स्थावरलक्षणकहिएसोय

॥ अथविषदातापुरुषपरीक्षाकेलक्षण ॥

चौपई ॥ मानुषकीचेष्टाजहजान इन्हलक्षणसोंविषदपछान जाकोऊआयपुछैहैताहि ऊतरदेनकरै-सोचाहि तवसोमोहैप्रापतहोय वचननिरर्थकभाषैसोय अरुसंकीरणवचनउचारै त्रस्तहोयजुकंपतन-धारै अकस्मातहसैकरेअंगुलीसंग क्षितिषोदेविवरणहोइरंग नखसोंतृणछैदैहैसोय वरतनतासविप-जयहोय विषदाताकेऐसेलक्षण जानलैहैहुपुरुषविचक्षण विषदाताकेलक्षणकहे जैसेशास्त्रनतेंलषलहे

॥ अथविषत्यागसमयलक्षणम् ॥

चौपई ॥ शत्रुभावतेंपुरुषजोकोई विषजुमिलावैअन्नमोंसोई सोविषइकनृपभक्तनेजानी त्यागकरतअप-नेमनमानी त्यागनलक्षणऐसासोई क्रौंचपक्षीमदसंयुतहोई देषमयूरमनहर्षवढावे शुकअरुसारिकाव-

हुकरलावे हंसजुअपनीखेलमचावे भृंगराजबहुशब्दसुनावे शीघ्रविष्टामरकटत्यागे यहलक्षणविषत्यागनलागै सोविषभूमीपरजवपरैं वायसादिकजीवजोभक्षणकरैं प्राणजुतिनकेहोतविनाश यहलक्षणविषकेजुप्रकाश हवाडजुजिसकीनेत्रमोंलागै भ्रांतनेत्रहृदपीडाजागै अवरजुशिरमोंरुजप्रगटाये त्यागसमेकेलक्षणगाये अथविषनेत्रअंजनं चौपई लामजनलदकुष्ठमंगावे मधुयुतनेत्रमोंअंजनपावे तिसकरविषकोरोगनसाय वंगसेनमतदियोवताय ॥ अन्यच्च ॥ हाथोंकरजोविषकोत्यागे हाथदाहततक्षणतिसत्यागे अवरजुकरहेनखकोघात तासकोलेपकरोंविख्यात अथलेपः इंद्रगोपप्रियंगूलीजै नीलकमलतिसमाहिरलीजै हाथोंलेपनकीजैतास हटेदाहहरहोतहुलास ॥ अथभक्षणं चौपई ॥ अज्ञातमोहतेंकरेजुभक्षण तासकेलक्षणसुनोविचक्षण ष्ठीलावतजिसजिव्हाहोय रसकाज्ञाननजानेसोय तनमोपीडाहोवतदाह श्लेष्ममुखमोंआवतताह विषहवाडकेकहेउपाय सोतत्कालकरेजुवनाय अथवाततक्षणवमनकरावे तिसकीविषततक्षणमिटजावे ॥

॥ अथविषपीतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातसहितहोवैनरसोय ग्रहधूमवरणविष्टातिसहोय मुखतेंफेनचलावतरहे विषपीताकेलक्षणकहे ॥ इतिस्थावरविषलक्षणम् ॥

॥ अथमूलजविषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मोहप्रलापपृथवीपरविलै गलसूकैवहुदुखमोरलै ॥

॥ अथपत्रजविषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जृंभाकंपहोयअतिश्वास पत्रजविषजुकीन्हप्रकाश ॥

॥ अथपुष्पजविषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ छर्दअफाराअरुबहुश्वास पुष्पजलक्षणकरैप्रकाश ॥

॥ अथफलजविषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वृषणशोथअवरहोयदाह अन्नद्वेषतिसप्रगटैआह ॥

॥ अथत्वच्जतथारसजविषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मुखदुर्गंधजुषहुरीदेह शिरपीडतिसलक्षणएह ॥

॥ अथक्षीरजविषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मुखहूंतेंबहुफेनचलावे विष्टाभन्नतासदरशावे भारीजिव्हाहोवैतास हृदिपीडाबहुकरैप्रकाश

॥ अथकंदजविषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हृदयपीडामूर्छापुनदाह तालूदाहअसरहोतहैताह ॥

॥ अथविषालिप्तशस्त्रहतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ विषलिप्तशस्त्रकरहोयजिंहघाउ ततकालसोक्षतदग्धाउ पकैनिरंतररक्तप्रवाह श्यामवरणहोवतहैताह गलजावैदुर्गंधवहुआवै क्षततैंमांसततासागिरजावै तृषाजुमूर्छाज्वरअरुदाह शस्त्रलिप्तविषक्षतहोइजाह ॥

॥ अथहरतालादिकधातुउंकेविषकेषानेकालक्षण ॥

चौपई हृदयदुःखअतिमूर्छाहोय दाहशरीरतालूमेसोय यांतेप्राणीततक्षणमरै अथवाकालांतरकछुसरै

॥ अथआमस्थानप्राप्तविषलक्षणम् ॥

चौपई आमाशयविषपहुचेजबै मूर्छाछर्ददाहज्वरतबै क्षणक्षणमेंयहकरेंसंचार इंद्रियव्याकुलतासविचार

॥ अथयोगविषवरनणम् ॥

॥ चौपई ॥ मधुघृतसमयहखावेजोय स्थावरविषसमजानोसोय तांकीविषजुनिवारणअर्थ निंबका-थजलपानसमर्थ पूर्वताहिघृतपानकरावे तासतेंविषमधुघृतकीजावे ॥ अन्यच्च ॥ कपूरतैलसमभागजु-खावे स्थावरविषपरवैद्यसुगावे

॥ अथयोगविषउपाय ॥

॥ चौपई जियापोताफलजुमंगाय मज्जातासकीपीसवनाय कर्षप्रमाणजुकांजीसंग खावेसर्वजोगविषभंग

॥ अथस्थावरजंगमकृत्रिमविषदशगुणदोषाः ॥

नामवरनणम् ॥ चौपई रूक्षउष्णपुनतीक्षणजानो सूक्ष्मशीघ्रव्यवायीमानो विशदविकाशिलघूअ-विपाक विषकेदशगुणसुनयहवाक ॥ चौपई ॥ रौक्षधर्मतेंवातकुपित उष्णधर्मतेंपित्तसरक्त तीक्ष्णधर्म-तेंमनकरेमोहन अंगबंधसबकारिहैछेदन सूक्ष्मभावतेंदेहकेअंग जायप्रवेशकरेअतिचंग शीघ्रपनेतें शीघ्रविनाशे व्यवायभावप्रकृतीजुप्रकाशे विकाशिनामतिसतेंजुउचारें दोषधातुमलतीनविगारें विश-दभावविरेचतेंजानो दुखितचिकित्सालघुतेंमानो अविपाकभावचिरकरेक्लेश दशगुणविषकेजानोलेश

॥ अथअन्यप्रकारविषप्रवेशनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अपनीसेनवुलायकेहुकमकिअजुनरेश हमरोशत्रुजुएकहैजीतलउोतिसदेश ॥ दोहा ॥ नृपकीआज्ञापायकेचलीसेनवडजोर ताहिशत्रुऐसीकरीदीनीजलविषघोर ॥ चौपई ॥ सोजलपान-कियोसबसेना विषप्रवेशसबकेतनकीना तांकेलक्षणदेउंवताय सोसमझोअपनेचितलाय छर्दमोहज्व-रउपजैदाह अवरशोथपुनजानोताह एतेलक्षणवतैंसेना तवजानोविषशत्रुनेदीना तांकीऔषधदेउं-वताई सुश्रुतकेअनुसारालिखाई मुक्तामुष्ककपूरपिलाय इंद्रगोपतिसमाहिरलाय राजमुस्तअरुलेगो-रोचन पीसवजंतरमोंकरलेपन ताहिवाद्यकोशब्दसुनावे सबनकीविषतुरतमिटावे अथवाविषहरमं-त्रजुहोय वजंतरकेमुखपरालिखेसोय तांहीवाद्यवजावैजोर सबनकीविषउतरेघोर

। अथजलशुद्धकरणविधिः ।

॥ चौपई ॥ अश्वकर्णीपुनधातुकीलीजे असननिंबअरुपाठलदीजै राजवृक्षजियापोताआने सोम-वल्कतिसमोलेठाने इन्हकीभस्मजुजलमोडारे जलकीविषतिसतेंसबटारें

॥ अथस्थावरविषचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ स्थावरजंगमजोइविषऐसेदोयप्रकार तासचिकित्साकहितहोंसुनलीजैचितधार चौपई शीतजलेपनशीतलपान शीतलपवनशीतलइस्नान अरुमधुघृतकोपानपछानो स्थावरविषमोंयहहितमा-नो ॥ अन्यच्च ॥ चंदनलेपहृदयमोंकरै यहभीतामोहितलषधरै ॥ अन्यच्च ॥ सरीषहलदचंदनसमआन पीसलेपनऊपरठान अरुयाहीकोकीजैपान होयस्थावरविषकीहान ॥ अन्यच ॥ जोविषपहुचेआमस्थान

तांहिवमनहितकरलषमान अन्यच्च चौपई ॥ मदनअलाबुविंबींजोय अरुकौशातकीजानोसोय इनकेले-
वेंफलवावीज वमनकरायचतुरसुखलीज आमाशयविषततच्छणजाय जैसेंसर्पगरुडनसाय ॥ अन्यच्च ॥
लेकपित्थत्वचआनपिसाय तंडुलजलसोंपानकराय तांतेंवमनहोततत्काल विषजावेरुचिहोतनिहाल
॥ अन्यच्च ॥ कटतूंवीअरुचित्राल्याय पाठासूर्यावर्तमिलाय वरुणाहरडगिलोईलीजै अरुशिरीष-
पुटकंडादीजै दोयहरिद्रादोकंज्यारी त्रिकुटासारिवाचहियेडारी अवरपुनर्नवाउत्पललीज पुनलेपा-
यसह्मालूवीज यवागूकाथपियेजवकोय स्थावरजंगमविषहरेदोय अन्यच्च ॥ मुलहठकाथमधुपायपिला-
वै स्थावरविषतांतेमिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ केवलगोघृतकरैहिपान तौभीस्थावरविषकीहान ॥ अन्यच्च ॥
जिसेमूलविषखाईहोय तासउपायसुनोतुमसोय रजनीसेंधायहसमआन पीवेमधुघृतकरैमिलान तांतेवि
षकीहोवेहान यहमनमोंनिश्चयकरमान अन्यच्च असगंधचूर्णघृतसोंजोपीजै त्रिषजुस्थावरमूलकीछीजै

॥ अथकनेरकीविषकायत्न ॥

॥ दोहा ॥ हलदीपीसोदूधमेंमिसरीसंगमिलाय रोगीपीवेनेमकरविषकनेरहटजाय

॥ अथधत्तूरविषउपायः ॥

॥ दोहा ॥ चौलेरीजढआनकेपीजेदूधमिलाय विषधतूरकीनाशहोदीनोग्रंथवताय गिलोयजुपीजै-
घोटकरशीतलजलकेसाथ विषधतूरकीजातहैकहाग्रंथमतगाथ पचांगकपासकोलीजियेघोटेंजलसेंपूर
विषधतूरकीहोतहैतासपियेसवदूर

॥ अथआककीविषकेदूरकरणेकाउपाय ॥

॥ दोहा ॥ हलदीदूर्वातिलकहेअजादुग्धकेभाय पीसमहीनकरलेपियेविषअर्कतत्च्छणजाय
॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ गोगोवररसमधुजुमिलाय स्थावरविषरुजिकोजुपिलाय विषजुस्थावरमूलकीछीजै
अपनेमननिश्चयकरलीजै इतिस्थावरविषचिकित्सा

॥ अथजंगमविषअन्यप्रकारनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ तीयसौभाग्यआपनेहेत विषजुसपतनिहिंआपादेत रजनानाअंगमलइकठौर इकठीकरदेवै-
द्रव्यघोर अरुशत्रूविषअन्नरलावै गुप्तदूसरेरिपुहिंषवावै तिन्हकरपांडुरोगवधिआवत कृशतामंदअग्निप्र-
गटावत उदरअफाराहाथोंशोष अरुउपजितसंग्रहणीदोष यत्क्ष्मरोगज्वरउपजैताहि गुल्मकलेजैरुजप्रग-
टाहि इन्हचिन्होंकेहोवैरोग हैंप्रसिद्धजानतसबलोग

॥ अथजंगमविषसंख्यानिरूपणम् ॥

चौपई षोडशविधजंगमविषजान तांकोंविवरोकहोंवषान निस्वासदृष्टिदंतनखजोय दंष्ट्रमूत्रपुरीषमेंहो-
य लालाशुक्रस्पर्शमुखजानो संदंशविषर्द्धितअस्थीमानो गुदपित्तशूकशवमोंविषहोय इन्हमोंस्थितरहेजं
गमसोय

॥ अथषोडशजंगमविषनामाश्रयभेदनिरूपणम् ॥

चौपई ॥ दिव्यसर्पदृष्टिनिःश्वास भौमसर्पदंष्ट्रीजुप्रकास सिंहादिकनखदंष्ट्राजानो मूषकादिविषशु-
क्रमेमानो गृहगोधादिविषमूत्रपुरीष चिटिंगादिकविषलालादीष लालामूत्रपुरीषस्पर्श मुखदंशदंष्ट्रघर्मशु
क्राविष विषार्द्धितगुदाविषजोहोय चित्रशीर्षादिकजानोसोय सर्पादिकविषअस्थीकही नकुलमत्स्यविषपि-
त्तासही सर्पकीटकीमज्जाजोई शवविषतिसतुमजानोसोई सुश्रुतमैंहैवहुविस्तारा ग्रंथवृद्धितेनाहिउचारा

॥ अथजंगमविषसामान्यलक्षणनिरूपणम् ॥

चौपई निद्रातंद्राक्लमअरुदाह रोमहर्षशोथहोइताह होइसंपाकउपजैअतीसार जंगमविषयौंकीनउचार

॥ अथआगमसामान्यविषचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जोशाखादेहदंशअहिजास सुनोंचिकित्साभाषोंतास चतुरअंगुलीदंशस्थान तिसऊपरदृढ-बंधनठान तांतेंविषऊपरनहींचरै वापच्छनअदिउपायसुकरै वाततकाललहोयहतंत अहिकोदंशेसो-निजदंत आपपानकरविषसुनिवारै इन्हप्रकारसर्पविषटारै ॥ अन्यउपायः ॥ प्रत्यंगिरामूलतंडुलजल-संग पीसपियेअहिविषहोइभंग ॥ अन्यच्च ॥ सरीषपत्ररसमरचैंस्वेत षरलसातदिनकरैसुचेत तांकोअं-जनअरुनसवार पानकरैपुनअहिविषटार ॥ अन्यच्च ॥ ककोडीवंध्यामूलमंगावै छागमूत्रताहिसंगपि-सावै वाकांजीसंगलेनसवार लेपेदंशसर्पविषटार ॥ अन्यच्च ॥ ककोडीवंध्यामूलमंगावै छागमूत्रतां-संगपिसावै वाकांजीसंगलेनसवार लेपेदंशसर्पविषटार ॥ अन्यच्च ॥ गृहकोधूमदारजनीआन चुलाईमूलचूर्णसमठान दधिघृतसोंमिलायसोपीवै वासुकिकीभीविषहतथीवै ॥ अन्यच्च ॥ लसू-डाकांफलस्वेताआन अपामार्गवांसापुनठान चुलाईविजोराचूरणकीजै समदधिघृतमिलायसोपीजै विषदारवीराजिलहोइनाश मनमोंउपजैपरमहुलास ॥ अन्यच्च ॥ निर्गुंडीस्वेतासमआन पीसपिये-अहिफणिविषहान ॥ अन्यच्च ॥ निरगुंडीमरचनिंवकेवीज सैंधापुनसबसमलेलीज निरगुंडीरसमोंषर-लकरावै मधुघृततांहिरलायषुलावै स्थावरजंगमबिषहोइनाश निश्चयकीजैमनमोंतास ॥ अन्यच्च ॥ मरचांलीजैचारप्रमान चांगेरीकर्षएकपीसान घृतसोंपीवैलेपैतास होइजावैविषतनुतेंविनाश ॥ अन्यच्च पारावतकोआनैमास पुष्करसटीमेलियेतास ताहिपकायषायविषनाश तृषाअरुचिहिडकीअरुकास अवरहुनाशहोयहैश्वास ऐसेंकहीचिकित्सातास ॥ अन्यच्च ॥ जढपटोलकीपीसवनाय लेनसवारसर्प-विषजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मूललक्ष्मणाकोजोल्याय वांधेकर्णसर्पविषजाय अथवापीसलेनस-वार विषजोसर्पकीतातेंटार ० वालेपनकरेनरमूत्रसंग विषजुतासकीहोवतभंग ॥ अन्यच्च ॥ जियापो-ताफलजुमंगावे मजातांकीपीसवनावे लेपेसीतलजलकेसाथ वाअजनकरैसुनवहगाथ अथवापा-नकरेतिसजवहिं विषजुसर्पकीनासेतवहि अन्यच्च देवदालीअरुत्रिकुटापीस लेनसवारसर्पविषखीस अन्यच्च कटुतुंवीकोचूरणकीजै गोमूत्रसोंवटीवनीजै लेपनअथवापानकरावे विषजुसर्पकीतांतेंजावै अ-न्यच्च घृतनवनीतमधुत्रिकुटाय कुष्ठसैंधातिसमाहिरलाय यहचाटेविषतत्त्क्षणजावै अन्यसर्पकीक्याजुव-तावे ॥ अन्यच्च ॥ अलांबुलांगलीअवरपतीस देवदालीलेसुंदरपीस कांजीसंगजुलेपनकीजै सर्वकीटकी-विषहरलीजै ॥ अन्यच्च ॥ प्रपुंडरीकमुस्थरसुरदार स्थौणेयलेकौडपुनडार कालानुसारीस्यामकजान अ-वरहुंभीसंगकरैमिलान गजकेसरगुग्गुलमघाएला कुठकुटन्नटसौंचलमेला तगरप्रियंगुअंजनलोधर गेरीचंदनसैंधासंगधर शिलाजीतअरुआनपतीस ककडशृंगीसबसमपीस यहचूर्णमधुसहितषुलावे तत्त्वककीभीविषमिटजावे ॥ अथदशांगयोगः ॥ चौपई ॥ विल्वपुष्पपुनत्वचामंगाय सरीषतगरगजके-सरपाय मांसीमनछलअरुहरताल कुष्ठप्रियंगूसबसमडाल जलसोंपीसदंशपरलावै सबप्रकारकीवि-षनरहावै ॥ अन्यच्च ॥ मंजीठवटजटाजीवकआन ऋषभकाश्मरीसितामिलान अवरमुलट्ठीपीसरला-वै सबहीसमयहचूरणषावै मंडलीसर्पहोयविषनाश भाष्योयहउपायलषतास ॥ अन्यच्च नतमुलट्ठरेवंद-

त्रिकुटाय कुठपतीसगृहधूमरलाय समयहपीसेमधुसोंषावै राजिलअहिकीविषमिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ यवसत्तूसर्षपफलपत्र अवरसर्जरसमेलोतत्र राजवृक्षकेफूलमंगाय सूर्यावर्तजुफूलरलाय पुनपावेतिसअर्जुनफूल यहसबपीसेसमकरतूल इसकाधूपधुखावेजवहिं विषजंगमस्थावरनासेतवहिं इसीधूपकोवरजुधुखावे सर्पकीटतिसवरनहिआवे अवरजुविषधरजीवहैंजेते धूपधुखावैनासेंतेते अ-वरजुकृत्याकर्महेजोय सोतिसघरमोंजायनसोय मांसीचंदनसेंधापाय उत्पलअवरमुलट्ठमिलाय गो-पित्ताअरुत्रिकुटाजान समसूक्ष्मपीसैहितमान यहअंजनजोनेत्रनपावै निद्राविषजनाशहोजावै ॥ अन्यच्च ॥ करंजुविल्वमूलत्रिकुटाय सुरमापत्रदोरजनीपाय अजामूत्रसोंपीसैतास अंजनपावैनिद्रा-नाश ॥ अन्यच्च ॥ मयूरपित्ताककोंटचुलाई यहपीससमतासपिवाई स्थावरजंगमविषहोइनाश दुःखमिटैसुखउपजैतास ॥ अन्यच्च ॥ सरीषजुनिंवकरंजत्वचाय कोशातकिफलताहिमिलाय पीसगू-त्रसोंलेपलगावै विषअहिकीजुनाशहोइजावै ॥ अन्यच्च ॥ वरचकरंजुशिलाजितआन त्रिकुटादो-नोरजनीठान मघांसरीषअवरसुरदार यहसमलेपैविषाहिनिवार ॥ अन्यच्च ॥ गोपित्ताकटुतुंवीवीज यहसमपीसलेपसोकीज होइसर्वविषहूंकोनाश दुखमिटैतनुसुखपरकाश

॥ अथसर्पादिजंगमविषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ सर्पनकीहैजातिअनेक तीनजातिकहोसहितविवेक भोगीसर्पएकवडीहैजात वातस्व-भावतासविख्यात मंडलीजातिसर्पजोहोय पित्तस्वभावजानहोसोय राजिलसर्पजातिजिहकही क-फस्वभावजानोतिससही

॥ अथभोगीसर्पदंशस्थानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ श्यामवर्णहोइदंशस्थान वातविकारप्रगटतिसजान ॥ अथमंडलीसर्पदंशस्थानलक्ष-णम् ॥ पीतवर्णहोइदंशस्थान पित्तविकारप्रघटतिहमान ॥

॥ अथराजिलसर्पदंशस्थानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शोथहोतहैदंशस्थान चिपचपाटअतिशयप्रगटान पीतरंगदृढशोथलखावत स्निग्ध-घणातिसरुधिरश्रवावत कफविकारसोंकैप्रकाश तीनजातियोंलक्षणभास ॥

॥ अथजिन्हांसर्पोंकेदंशकीचिकित्सावर्जितहैसोकहितहै ॥

॥ चौपई ॥ अश्वत्थमूलदेवालयमाहि चौराहेवरमीलषपाहि अरुमसानभूमिमंझार संध्यासमेकि-योनिरधार मघाकृत्तकाभरणीजानो श्लेषाआर्द्रात्रैपूर्वामानो अवरधनिष्टाभाषसुनाई इन्हमोंसर्पदंशदुः-खदाई नवमीषष्ठीतिथिपहिचान कृष्णचतुर्दशीलषोसुजान अवरपंचमीतिथिजोभाषी अहैनिषिद्ध-चतुर्थीआषी इन्होंतिथोंमोंसर्पजुलरै तांकीनाहिचिकित्साकरै मस्तकनाडीमर्मस्थान हृदयसर्पदंशल-हुस्यान सर्पदंशइन्हठौरनलहिये तासचिकित्सावर्जितकहिये दार्वीकरजोखडपास्याह विषधरमहाजान-होताह अैसेसर्पजाहिकोंलरै तातकालसोप्राणनहरै महाअसाध्यसर्पसोजान अवरसाध्यचिन्हकरोंवषान

॥ अथअन्यप्रकारअसाध्यविषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तस्वभावहोतनरजोई अवरअजीरणसंयुतहोई आतपपीडितजोनरजानो वाशरीरजिसरुधिरनमानो वालकवृद्धक्षीणहैजोय भूषणशस्त्रघाउजिंहहोय कुष्टीअरुपरमेहीजेऊ निर्बल रौक्षदेहलखतेऊ इस्त्रीगर्भवतीहैजोई इन्हसवहनहिदंशअतिहोई इन्हकीनाहिचिकित्साकरै दंशअ-

साध्यहितेंलषपरे शीतलजलसोंरोमनजागें तासचिकित्साभीलखत्यागें जिह्वक्षतकरभीरुधिरनआवै तासचिकित्सातजउठजावै जिसकोंचारदंतहीलागें तांकीवैद्यचिकित्सात्यागें दंशहोतउन्मत्तहोइजावै तासचिकित्सानाहिसुहावै होइस्वरहीनविवर्णलषावै अवरउपद्रवभीदरशावै तासचिकित्सानाही-करे जोइन्हलक्षणयुतलषपरै जाहिक्रूरग्रहदशालहीजै तासचिकित्सानाहीकीजै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ दंडलतादिकताडितकरै तांकरचिन्हशरीरहीपरै मुखटेढाजिसकाजवजाने केसपतनजिसकेलखमाने ऐसेलक्षणजानेजवहिं वैद्यत्यागजावैतिहितबहिं ॥ अन्यच्च ॥ पीडाहोवतजांकीनासा कंठभंग-जिसजानहुस्वासा कृष्णसरक्तशोथहोयमास याविधदंशस्थानप्रकाश हनुस्तंभहोवैजबजिसको वैद्य-त्यागजावैतवतिसको घनवर्तिरक्तवहेमुखद्वार अधऊर्द्धमार्गचलेवहुधार ऐसेलक्षणजिसतनदेषे वैद्यत्या गजावैतिसलेषे ॥

॥ अथसर्पविषचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ सरींवमूलवीजअरुफूल अरुतालपत्रलेहुसमतूल गोमूत्रसंगसुपीसलिपावै विषजुसर्पना-शहोइजावै ॥ अन्यच्च ॥ मंजीठनिशाद्राक्षाजुमुलट्ठ एलामांसीरेवंदकट्ठ मधुसोंपीसेलेपैसोय पीवेपु-नहिंनाशविषहोय ॥ अथामृतघृतम ॥ चौपई ॥ अपामार्गसरीषकेवीज काचमाचीस्वेतद्रोपाइलीज गूत्रपीसघृतपायपकावै षावैमलैनाशविषथावै ॥ अथअजयघृतम् ॥ चौपई ॥ तगरमुलट्ठीकु-ठमंगाय भद्रदारुविडंगमिलाय रेवंदगजकेसरजुप्रियंगु नागपुष्पधरउत्पलसंग चंदनश्यामजुरजनी-दोय दोइकंड्यारीसारवाहोय वालासितापुनसंगमिलाय अंशुमतीसबहीसमभाय यहचूर्णघृतपाय-पकावै षावैमलैसर्पविषजावै इतिसर्पदंशचिकित्सा ॥

॥ अथसर्वकीटविषचिकित्सा ॥

चौपई तुलसीमूलमुलट्ठसमपीवै नाशकीटहूंकीविषथीवै अन्यच्च चौलेरीकंड्यारीमूल घृतसोंलेपैले-समतूल होइविषकीटनकीनाश निश्चयकीजेमनमोंतास ॥ अन्यच्च दशांगयोगजोपाठैकह्यो सर्वकी-टविषहर्तालह्यो अन्यच्च अलाबुलांगलीअवरपतीस अबरजालिनीकल्कजुपीस कांजीसंगजुलेपनकीजै सर्वकीटकेविषहरलीजै अन्यच्च क्षीरीवृक्षत्वचालेपावै नाशकीटकीविषहोइजावै अन्यच्च त्रिकुटापाठाकु-ठाविडंग सेंधाक्षारपतीसअरुहिंगु यहसमपीसैलेपलगावै विषकीटकीनाशतवथावै ॥ अन्यच्च ॥ गजपीपलपाठावरचविडंग सेंधात्रिकुटापतीसजुहिंग यहदशांगऔषधपीसावै लेपैसर्वकीटविषजावै

॥ अथलूताविषनिदानवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ विश्वामित्रऋषिराजहैजोय तांपरकुपितवसिष्टऋषिहोय क्रोधकेश्रमतेंमस्तकतास उपजितविंदूस्वेदप्रकास विंदुपरैलूतातृणमाहि नानाविधकीविषप्रगटाहि षोडषभेदतासकेकहै भिन्न-भिन्नमबसोसुनलहै मंडलआदिअवरजोजान कष्टसाध्यसोकियेवषान सौवर्णकादिअष्टलषलीजै सो-असाध्यसबजानपतीजै लूतानामइकट्ठाजानो जीवविशेषतेंवहुकरमानो सुश्रुतमेंवहुकियेविस्तार सोहमनाहिजुकीनउचार ॥

॥ अथलूताविषसामान्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ लूनानामजीवइकअहै तिन्हकीविषकेलक्षणकहै जहांदंशलूताप्रगटावै शोथ-होतअरुरुधिरश्रवावै रक्तश्यामरंगशोथलषाय अचलमृदूवहुसोदरशाय ज्वरअरुअतीसारहोयदाह

फुनसीअरुचटाकवहुताह रोगत्रिदोषजतांकोजानो सुश्रुतकामतकह्योसुमानो यहसमस्तलूतों-केलक्षण हैंसामान्यसुजानविचक्षण ॥ इतिलूताविषलक्षणंसमाप्तम्

॥ अथसामान्यलूताविषचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ दोनोरजनीअवरमंजीठ गजकेसरपतंगसुनईठ यहसमशीतलजलपीसाय लेपैविषलू-ताकीजाय ॥ अन्यच्च ॥ कटभिअर्जुनत्वचामंगावै सरीषलसूडेत्वचारलावै अवरहूंक्षीरीवृक्षपछान इन्हसबहनकीत्वचासमान चूर्णकाथपवैसुलिपाय लूताविषव्रणनाशकराय ॥ अन्यच्च ॥ चंदनप-द्मकाष्टअरुकुष्ठ उशीरपाटलासेलुइकष्ठ निरगुंडीतगरसारवामिलाय यहसमकीजैकाथवनाय पीवैअरुलेपैपुनतास लूताकीविषहोवैनाश ॥ अन्यच्च ॥ करंजुअर्कदुग्धहयमार विषचित्राअष-रोटसुडार इन्हसमसिद्धकरैजोतेल मर्दनविषकरलूताठेल ॥ इतिलूताविषचिकित्सा

॥ अथमूषकविषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ चलेरक्तज्वरअरुचीदाह मंडलपांडुहोंहितनताह रोमहर्षपुनउपजैतास मूषकवि-षयोंकीनप्रकाश दूखीविषतिसमूषकजानो प्राणहरनसोआगेमानो

॥ अथप्राणहरमूषकेविषकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ मूर्छाअंगशोथहोयजास वर्णविपर्ययजानोतास क्लेदनमनअरुज्वरप्रगटावे श्रवणमं-दशिरगुरुताआवे लालारक्तछर्दकरेसोय अवरश्वासातिसपरगटहोय ऐसेलक्षणवर्तेजाहि रुजअसा-ध्यतुमजानोताहि

॥ अथमूषकविषचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ लेसरीषमूलपीसावै मधुतंडुलजलसंगलिपावै मूषकविषकोहोवैनाश ऐसेकहींचिकि-त्सातास ॥ अन्यच्च ॥ अखरोटमूलनीकेपीसावै वस्तमूत्रसोंलेपलगावै मूषकविषकोहोवैनाश ऐसे-कहींचिकित्सातास ॥ अन्यच्च ॥ वेरमूलतुम्मातिलमूल मधुघृतसितापीससमतूल यहऔषधकोंजो-जनपीवै मूषकविषतवहूंहतथीवै ॥ अन्यच्च ॥ कुसुंभपुष्पगोदंतमंगाय स्वर्णक्षीरीदंतीसेंधापाय त्रिवी-कपोतविष्टाअरुएला समयहपीसकरैइकमेला यहचूर्णवरूरैऊपरतास होवैमूषककीविषनाश ॥ अन्यच्च चित्रामंजरीपिसेआन सदुग्धपियेमूषकविषहान ॥ अन्यच्च ॥ वदरीमूलतिलनकोमूल सदुग्धपकायपी-ससमतूल पायशर्करामधुघृतसंग पीवहोइमूषकविषभंग ॥ अन्यच्च ॥ विल्ववेरतिलागिरिकरणीजोइ मूलइन्हकासमपीसोसोइ दुग्धपकायघृतमधुजुमिलाय पीवैमूषककीविषजाय इतिमूषकविषचिकित्सा

॥ अथलूताभेदसौवर्णादिकअष्टविधसामान्यलक्षणम ॥

चौपई सौवर्णादिकअष्टजोजान तिनकेविषकाकरोंवषान श्वेतकृष्णरक्तअरुपीत फुनसीहोवतजानोमीत ज्वरअरुशोथजुहिकाश्वास दाहअवरशिरग्रहहोयतास सौवर्णादिकलक्षणकहे मंडलआदिकसोसुनलहैं

॥ अथमंडलादिकअष्टविषसामान्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मंडलआदिअष्टजोकहै दूषीविषतिन्हजानसुलहै तिन्हकेलक्षणदेऊंवताय सोस-मझोअपनेचितलाय दंशमध्यतेकृष्णपछानो जालकवृतअरुश्यामसुमानो उर्द्धाकृतितिसदंशकीहोय अतिशयपाकजुहोवतसोय क्लेदनमनअरुज्वरप्रगटाय जीवदूखिविषसोईकहाय

॥ अथदूखीविषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कालांतरकरकोपजुधारै सोदूखीविषदंशउचारै अल्पविषजिन्हजीवनमाही दूखीवि-बसोजीवकहाही ॥

॥ अथवातादिभेदविषवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ मूषकवृश्चिकजीवपछानो वातवृद्धविषइन्हकीजानो

॥ अथलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वाजूस्तंभहृदमोहोपीर आयामजुनाडीजानोधीर अंगभंगउद्वेष्टनजोय संधिपीत-पुनतिसकोहोय अवरअस्थिमोपीडायास वातवृद्धविषचिन्हप्रकाश ॥

॥ अथपित्तविषनामवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ सर्वकीटकीविषहैजेऊ वृद्धवातपित्तजानोतेऊ ॥ अथलक्षणम् ॥ दंतपीडमुखकटुतायास हृदयदाहअरुसंज्ञानाश ऊर्द्धश्वासतनुशोथजुहोय पित्तवृद्धविषजानोसोय ॥ उपायः ॥ चौपई ॥ शीतललेपजुशीतलस्नान शीतलऔषधतासप्रमान

॥ अथकफविषनामोपायः ॥

॥ चौपई ॥ कराहाअवरमाक्षिकाजेती इन्हकीविषकफवृद्धहैतेती घृतकोलेपजुमर्दनतेल अवरवातहरऔषधमेल वृंहणविधिअरुस्वेदकराय वातवृद्धविषकफनरहाय वमनविलेपनस्वेदनजोय विषकफवृद्धमोंजानोसोय

॥ अथवृश्चिकविषलक्षणनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ दंशितहोतअग्निइवदाह दंशस्थानविषइवहैताह पुनऊर्द्धकोंगमनकरैसोइ पीडाअ-धिकअधिकवढसोहोइ ऊर्द्धगमनकीपीडाजाय इकदिनदंशस्थानरहाय ॥ असाध्यलक्षणम् ॥ चौपई वृश्चिकहृदयजुघ्राणमंझार जिंव्हाडसैअसाध्यविचार डसैवृश्चिकजोमांसगलावै सोहूंअसाध्यनि-दानवतावै ॥ इतिवृश्चिकविषलक्षणंसमाप्तम् ॥

॥ अथवृश्चिकविषचिकित्सा ॥

॥ अथधूपः ॥ चौपई ॥ मयूरअवरकुक्कटयहजान इन्हकेपूंछकेपक्षसमान सैंधातिलसमसाथमिलाय सहघृतपीसैधूपधुषाय होवेविषवृश्चिककीनाश पीडमिटैमनहोतहुलास ॥ अन्यच्च ॥ सघृतसैंधापीसजुपीवै लिपैनाशवृश्चिकविषथीवै ॥ धूपः ॥ कलौंजीकेशीहरतालनिंवपत्र लवणअवरघृतकरोइकत्र अग्निधरेसोधूपधुषावै वृश्चिकपीडाविषमिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ केवलमोरपक्षघृतआन धूपदेयवृश्चिकविषहान ॥ अन्यच्च ॥ पलासवीजअर्कपयसंग लेपैहोयवृश्चिकविषभंग ॥ अन्यच्च ॥ मघसरीषफलसैं धाआन जातिपत्रहिंगुनागरठान गोवररससोंपीसिसोय गुटिकाषावैलेपैजोय वृश्चिकविषकोहोवैनाश निश्चयकीजैमनमोंतास ॥ अन्यच्च ॥ सूर्यावर्तपत्रगंधलेवै विषवृश्चिककीनाशकरेवै ॥ अन्यच्च ॥ जीराकल्कघृतसैंधापाय मधुसंयुततिसलेपलगाय वृश्चिकविषकोहोवतनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ जयपालआनजलसंगजोपीस लेपकियेवृश्चिकविषखीस ॥ अन्यच्च ॥ पुटकंडेरक्तकेपत्र-

जोखावे वृश्चिककीविषतुरतनसावे ॥ अन्यच्च ॥ नवसादरअरुलेहरताल जलसोंलेपकरेततकाल वृश्चिकविषकोतुरतनसावे योगतरंगिणीमतजुवतावे ॥ अन्यच्च ॥ शिरीषवीजअरुमघजुमिलाय अ-जाक्षीरसोंलेपलगाय वृश्चिकविषकाहोवेनाश योगतरंगिणीमतपरकाश कासमर्दकुशकासामूल मुख-मोंचर्वणकरसमतूल पूंकेकरणमाहिपुनआन हरडतगरसुंठीसमठान विजोगरससोंपीसैतास लेपेहोइवृश्चिकविषनाश ॥ इतिवृश्चिकविषचिकित्सा ॥

॥ अथविछूंकीविषकेदूरकरनेकामंत्र ॥

॥ ऊंआदित्यरथवेगेनविष्णुबाहुबलेनच सुवर्णपक्षपातेनभूम्यांगच्छमहाविष ॥ १ ॥ भोपक्षजोग-पदाज्ञा श्रीशिवोत्तमप्रभुपदाज्ञा भूम्यांगच्छमहाविष इसमंत्रसे २१ वारझाडाकरे तौविछूकीविषजाय

॥ अथमंडूकविषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ एकदंशतांकोजोहोय पीडाशोथकरहैसोय पीतवर्णतांकोप्रगटान निद्राअवरछर्द-उपजान इन्हेमंडूकनकेसंभार कोऊइकहोवतविषधार

॥ अथमत्स्यविषलक्षणम् ॥

चौपई पीडशोथदाहवहुहोय विषमत्सविषलक्षणसोय आगेइनकासुनोउपाय ग्रंथनतीनिश्चयमनभाय

॥ अथमींडकमत्स्यविषचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सरीषवीजथोहरपथसंग लेपेमत्समींडकविषभंग ॥ अन्यच्च ॥ अंकोलपत्रको-धूपधुषावे तौभीविषदोनोकीजावे ॥ अन्यच्च ॥ यवसत्तूकेशअवरकटुतेल धूपदेयविषदो-नोठेल ॥ अन्यच्च ॥ केवलकटुकतैलमर्दनजोइ नाशकरैविषइन्हहुंकीसोइ ॥ इतिमींड-कमत्स्यविषचिकित्सासमाप्ता

॥ अथसामान्यजलजंतुविषलक्षणोपायः ॥

॥ चौपई ॥ कंडुशोथपीडमूर्छाऊ ऐसेलक्षणतिन्हकेगाऊ ॥ उपायः चौपई छुहारेतैलभिगोइजलावै तांकीभस्मदंशपरलावै विषजलजीवहोइहैनाश निश्चयकीजैमनमोंतास अन्यच्च कृष्णवेंतकाथघृतसंग धोवैशृंगिमत्सविषभंग मोरपक्षघृतधूपधुषावै तौभीतांकीविषमिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ दंशहितत्क्षणमू-त्रजोय तौभीनाशविषजलचरहोय ॥ अन्यच्च ॥ अर्जुनकटभीसरीषजुआन लसूडाक्षीरीद्रुमपहिचान त्वचाइन्हेंकीसमकरैकाथ पियेलिपैजलचरविषनाश अरुविषकीटाक्रियाजोकरै तौभीविषजलचरकीहरै ॥ इतिजलचरविषचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथकृकलविषलक्षणम् ॥

श्यामकृष्णजिसवर्णजुहोय अथवानानावर्णसुजोय मोहजुविष्टापतलीजान कृकलेविषयह-लक्षणमान

॥ अथसाधारणश्वानविषचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ गोपित्तालसनवरचत्रिकुटाय लेपनकरेश्वानविषजाय ॥ अन्यच्च ॥ लेज-लवेंतपत्रअरुमूल कुट्टमिलायकाथसमतूल शीतलकरजोपीवैतास श्वानकीविषकोहोवैनाश

॥ अथअलर्कनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ वातपित्तकफदोषजुतीन तिनमोश्लेष्मवृद्धिचीन संज्ञावहैजोनाडीकहै तिन्हमोप्राप्तदोषसुलहै तातेंसंज्ञाकरेजुमोहन सबधातुनकोकरेजुक्षोभन ॥ दोहा ॥ सबधातुनकक्षोभतेंविषअलर्कउपजात अपनेमततेंनाकह्योसुश्रुतकोमतगात

॥ अथहलकेहुयेश्वानादिककालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ मुखतेंलालाचलेअपार अंधवधिरतिसकोजुनिहार त्रस्तपुछमुखनम्रतहोय चारोउौरजुधावतसोय हनुस्तंभशिरदुखितसुजानो अलर्कश्वानकेलक्षणमानो

॥ हलकाएश्वानादिकाटेउसकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ जिहअैसोश्वानादिककाटत रुधिरताहिंकालानिकसावत ज्वरशरीरहृदयशिरपीडजकटवंदवहुतृषाशरीर खाजपीडरंगवटजाय क्लेदचुफेरभ्रमप्रगटाय शोथगांडतनउपजैदाह श्वानदंशनितश्रवतहैताह उपजैमंडलअवरस्फोट लालरंगअरुपाककोषोट तौकाटनहलकेकोपछानो भावप्रकाशमतइहतुममानो

॥ अथवावलाश्वानजिसेकाटेउसकाअसाध्यलक्षण ॥

चौपई जोनरजलतैलादिककांच स्यारश्वानादिककूकैसांच चेष्टातासकीटेढीहोई अतिडरमरहैनिश्चयसोई

॥ अथअलर्कविषचिकित्सा ॥

चौपई ॥ अलर्कनामहलक्योकोजान गीदडादिवाहोवैस्वान सुनोचिकित्साभाषोंतास वंगसेनज्योंकरीप्रकाश ॥ अथउपायः ॥ सदैवपुरातनघृतकरैपान यहउपायतामोंहितमान अन्यच्च ॥ धत्तूरासरपंखकोमूल पीसितंडुलजलसमतूल गुटिकाकरसोछाहिसुकावै षावेविषअलर्कमिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ धत्तूरजटाचूर्णपयसंग पीवैहोइअलर्कविषभंग ॥ अन्यच्च ॥ अंकोलवांसमूलसमआन समपीसैसदुग्धकरपान विषअलर्ककोहोवैनाश तासचिकित्साकरीप्रकाश ॥ अन्यच्च फलधत्तूरारुंवलमूल यहलेपीसेदोइसमतूल तंडुलजलसोंपीवैतास होयअलर्कविषतांतेंनाश ॥ अन्यच्च ॥ दीजैदाहतप्तघृतसंग तांतेंपरमयतननहिचंग ॥ अन्यच्च ॥ मूषकमेदामर्दनकरै तौभीइन्हसबकीविषहरै ॥ अथधूपः ॥ चौपई विडंगभिलावैगुग्गुलुआन इक्षुसरजरसतामोंठान अर्जुनसूर्यवृक्षकेफूल सरषपपत्रलेहुसमतूल सबमिलायसमधूपधुषाय स्थावरजंगमविषनरहाय ॥ अथक्काथः ॥ विल्वआढकीपाटलजवक्षार चित्राउत्पलतामोडार शाल्मलिश्रीपर्णीपुनआने इहक्काथसंगधोवैविषहाने ॥ अन्यच्च ॥ नरमूत्तरकेसंगजुधोवै नखदंतनविषनाशसुहोवै

॥ अथचौपादद्विपादनखदंतविषलक्षणम् ॥

चौपई ॥ दंशपकैसुश्रवैज्वरकरै इत्यादिकलक्षणसोधरै हलक्योकोक्षतनखअरुदंत ताहुकोसुनलेहुवृतंतसोक्षतजोवींतैचिरकाल हलकवेगजवकरैकराल तबतांकोक्षतश्रवतलहीजै ग्रंथनिदानकहीसुपतीजै

॥ अथनखदंतविषचिकित्सा ॥

॥चौपई ॥ सोमवल्कगोजिव्हाआन हंसपादकागेरीठान दोइरजनीअश्वकर्णसमलीजै पीसलेपविषदंतनखछीजै ॥ अन्यच्च ॥ सम्मीनिंवमूलकोक्काथ नाशेविषधोवैतिससाथ ॥ अन्यच्च ॥ मंजिष्ठाधनि-

यापद्मउशीर यहसमलेसुनपीसोवीर घृतमिलायसोलेपलगाय विषनंखदंतनाशहोइजाय ॥ अन्यच्च दोनोरजनीगेरीआन लिपेदंतनखविषकीहान ॥ अन्यच्च ॥ गोजिव्हामधुसोंपीसलिपावै विषनख-दंतदूरहोइजावै ॥ इतिनखदंतविषचिकित्सासमाप्ता

॥ अथकराहाविषलक्षणम् ॥

चौपई ॥ कराहाजाहूपरफिरजावै देहविसर्पजुलालदिषावै दंशस्थानगलितहोयतास लक्षणअवरकरों-परकास शोथशूलज्वरछर्दकरावत कराहाचिन्हविषऐसेगावत

॥ अथचिटिंगविषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ लोमवहुतकालेहोइजाहि पीडावहुतहोततनमाहि अंगसमस्तआकडारहै अरुसब-अंगशीतलतागहैं शीतलजलसिंचिततनमानै ऐसेलक्षणतासवषानै

॥ अथकिरलिविषलक्षणोपायः ॥

॥ चौपई ॥ दाहशोथरुजसूचीवेध ऐसेचिन्हलषोतिसखेद ॥ अथउपायः ॥ वीजकरंजूत्रिकुटाआने रजनीदोयसुहांजणाठाने वीजजजूलीकेजुमिलावे लेपेवातिसपानकरावे गृहगोधाकीविषमिटजाय सुश्रुतकामतदियोवताय

॥ अथशतपदीविषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दंशस्थानस्वेदप्रगटावै पीडादाहअवरउपजावै कानषजूराशतपदीजान लोकसभीजन-करैबषान ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ दीपकतैलकोलेपलगावे शतपदीकीविषतुरतहिजावे ॥ अन्यच्च ॥ मनशिलगेरीरजनीदोय पीसजुलेपकरेनरसोय तांतेंशतपदीविषहोयनाश योगतरंगिणीमतप्रकाश

॥ अथमस्कविषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कंडूपीडमंदधफडहोय मछरविषकेलक्षणसोय मस्कदंशजोपक्योलषावे सोऊदंशअ-साध्यकहावे

॥ अथसपक्षमक्षकादिविषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तिम्हरूडेमूमांच्योंमाषी इत्यादिकजोमक्षकभाषी इन्हकीविषनिजनिजहिंस्वभाउ प्र-गटैआयकरैवहुताउ दंशस्थानजुहोवतस्याह फुनसीशोथजुमूर्छादाह अवेशीघ्रअरुज्वरप्रगटावत मा-षीविषऐसेदरशावत गृहकीमाखीअतिमृदुजोय तांकेदंशनपीडाहोय इनमेस्थविकाएकजुमाखी प्राणहरातुमजानोसाखी

॥ अथपिपीलिकामक्षिकादंशविषचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वरमीकृष्णपीसलेपावै मच्छिकादिविषहतहोइजावै गुग्गुलुधूपदेयजोतास तौभीविषम-च्छिकादिविनाश ॥ अन्यच्च ॥ सुंठकबूतरविष्टाआने विजोरेकारसतिसमोठाने सेंधाअरुहरतालरलावे भ्रमरदंशपरलेपलगावे लेपकियेविषभ्रमरकीजाय योगतरंगिणीमतजुवताय अन्यच्च दंशसरजरससा-थधुवावै अथवालोहेकासेकादिवावै अरुकंटकसोंदंशनिकारै तौमच्छिकाकीपीडनिवारै अन्यच्च॥ मरच-सुंठसेंधाअरुसोंचल मरुबारससोंपीसएकथल दंशऊपरेंलेपैतास विषवरटीनाममच्छिकानाश अन्यच्च

मरचसुंठसेंधापुनलीजै नागवलारससंयुतकीजे दंशथमूढीलेपलगाय थमूढीविषकोतुरतनसाय सौं-फअवरसेंधाघृतपीस लेपेविषमच्छीहोइषीस ॥ अन्यच्च ॥ केसरतगरसुंठअरुमरच यहसमपीसलेपसो-शरच मषिकादिविषपीडानाश तासचिकित्साकरीप्रकाश

॥ अथस्थावरजंगमविषसामान्यचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ द्राक्षामुलट्ठीएलाल्याय मांसीहलदमंजीठरलाय अवरजुरेवंदसंयुतकीजै समयहचूर्ण-मधुयुतदीजै सर्वप्रकारकीविषहोयनाश वंगसेनमतकियोप्रकाश अन्यच्च दंतीतृवीविशालालीजै ल-वणपंचतिसमाहिरलीजै त्रिकुटाहलदमंजीठमुलट्ठी कर्कटश्रृंगीकरोइकट्ठी यहसमचूर्णखावेजोय सर्वप्रकारविषमेटेसोय अन्यच्च वासानिंवपटोलरलाय क्काथकरेविधसोंजुवनाय तासक्काथघृतसिद्ध-जुकीजे हरीतकीचूर्णसंजुतपीजै स्थावरजंगमविषमिटजाय ग्रंथकारमतदियोवताय ॥ अन्यच्च चौपई चंवेलीहलदीनाकुलीलीजै भिन्नभिन्नइन्हेकाथसुकीजै क्काथक्काथमोघृतजुपकाय खावेअथवादेहमलाय सर्वप्रकारकीविषहोयनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च विशालादंतीतृवीमिलाय अवरद्रवंतीता-सरलाय थोहरदुग्धजुपलपरिमान तामोघृतजोकरेमिलान गोमूत्रपायघृतसिद्धजुकीजै मर्दनपानक-रेसुनलीजै सर्वप्रकारविषऐसेजाय जैसेपवनधूडउडाय ॥ अन्यच्च ॥ गृहधूमचुलेरीमूलरलाय दुग्ध-पायघृतसिद्धकराय मर्दनपानकरेघृतसोय नाससर्वविषतांतेंहोय ॥ अन्यच्च ॥ शिलाजितचंदनकुठत-जपत्र दालचीनीएलाकरोइकत्र श्वेतसर्षपातुलसीआने पद्मकाष्टगजकेसरठाने शतपुष्पाकर्कटश्रृंगीपा-वे न्हीवेरलाजावंतिरलावे वंशलोचनअरुपायप्रियंगु लामज्जकपुनमेलजुहिंगु सबसमचूर्णपीसवना-य वलअनुसारनिताप्रतिखाय सर्वप्रकारकीविषमिटजावे चंद्रोदयगदनामकहावें ॥ अन्यच्च ॥ अथमृ-त्युपाशापहरघृतम् चौपई हरडकुठवंशलोचनल्याय अर्कपुष्पअरुकमलरलाय शतावरीअरुनलवेत्समू-ल महुराअरुगंधतृणसमतूल श्रृंगाटकपुनपायमंजीठ केसरकमलइंद्रयवईठ अवरयवाहांतासरलीजै सबसमलेयहकल्ककरीजै कल्कपायघृतासिद्धकरावे दुग्धचतुर्गुणसाथपकावे खावेमर्देलेनसवार स्था-वरजंगमविषदोयटार कृत्रिमविषघृतयोगनसाय मृत्युपाशहरनामकहाय

॥ अथाविषमुक्तशरीरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जातनतवेंविषहोवैनाश तांकेचिन्हकरोंपरकाश प्रसंनदृष्टिहोवतहैतास यथास्वभावहिंइ-स्थितभास अन्नकामनजिसीप्रकार जैसेप्रथमहुतीमनधार तैसेतवेप्रगटहोइआवे अैसेग्रथनिदानवतावै समहीमूत्रजुविष्टालहिये प्रसन्नहृदयअरुवरणलैये विषनिदानवरकीनवषान जैसेभाष्योंग्रंथनिदान दोहा विषनिदानवर्णनकियोजोहैदोयप्रकार स्थावरजंगमउभययहजानलहोमतिसार इतिविषनिदानं-समाप्तम

॥ अथअसाध्यविषलक्षणम ॥

॥ चौपई ॥ जाकेतनविषप्रविसेआन चंद्रन्यायसूर्यदरशाय सूर्यचंद्रन्यायदरशावै तासचिकित्सातजउ-ठजावे अरुजुदेहकंपतहैजास पुलकावलिउपजेपुनतास अरुनिजदांतनओष्टचवावे तासचिकित्साना-हिसुहावे अरुजिंहश्वासननासाद्वार तांकोतजेवैद्यविचार सीतयुक्तजोवहुकरलावे सीतलतनतिसकोंद-र्शावे हाथोंकरमुखकोंजोदेषित नेत्रशुक्लतावहुतिसपेषित दिनमोंसबअतिलालादिखाहिं लीनप्रभानि-समोंदरशाहिं होवेभोजनकीरुचिनाश होइयमपुरीतासनिवास अथअन्यविधिः चौपई विषसंयुक्तजे-

सूजनहोय निद्रात्यागकरैसुनसोय दिननिद्राकोत्यागविशेष जाग्रतविषमोंहितकरलेश ॥ दोहा ॥ स्थावरजंगमजेऊविषकहीचिकित्सातास जैसेंभाषीग्रंथमेंतैसेंकरीप्रकाश इतिविषचिकित्सासमाप्ता

॥ अथसर्वविषरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ पथ्यापथविषसर्वकेसुनियेपुरुषसुजान सुनसमझोउरधारियेसोअबकरोंवषान अथपथ्यम् चौपई मंत्रक्रियाअरुवमनकहीजै रेचनजाग्रतयंत्रभनीजै धैरजरुधिरमोच्छइस्नान वुटणालेपनलंघनमान अग्निउष्णतैलपुनजानो घीउपुरातनषंडपछानो सठीकोद्रमकंगुणीलहिये इन्हसबकेचावलपथकहिये मुंगयूषसीवलवृंताक दुग्धआमलेपथसुनवाक तीतरमोरहरनलबामास गोधामासपथ्यलहुतास चुक्र- चुलेरीदाडिमकहिये सेंधालवणमटरपुनलहिये विषहरऔषधिसंयुतयूष अन्नअविदाहीअरुविनदूष जीवंतीमंडूकपरणिजो हरडेलसनकपित्थपथ्यसो गंढेहरिद्राचंदनगजकेसर पश्चिमउत्तरपवनपथ्यधर मरचादिकतीच्छणजोवस्तु मुत्थरचूर्णस्वर्णप्रसस्तु दोहा पथ्यकहेविषसकलकेस्थावरजंगममान तांके- कहोंअपथ्यअबसुनहोपुरुषसुजान ॥ अथअपथ्यं दोहा ॥ मैथुनक्रोधअतिपवनजोभोजनविरुद्धजुषेद विषअपथ्यएतेलषोधूमधूपअरुस्वेद ॥ चौपई ॥ दिवास्वप्नमदरापुनजानो तिलकुलत्थअपथ्यपछानो उष्णकर्मकहेजोजते विनाकीटविषजानोतेते दोहा विषप्रकारवर्णनकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिं चिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान इतिविषरोगदोषपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः

॥ अथविषरोगकर्मविपाकउपायौ ॥

चौपई पूर्वजन्ममेमानुषजोई वैरभावविषदेतजुसोई अथवाजोसर्पादिकमारे तिसकोरुजविषहींविस्तारे तातेंपुरुषकरेजुउपाय अपामार्जनजपदानकराय जिसकोलूताविषप्रगटावे अपामार्जननरसोकरवावे अपामार्जनस्तोत्रसंग समूलकुशाकरेमार्जनचंग यहविधीकर्मविपाकदिखाई सोइलिखीजोग्रंथवताई

॥ अथविषरोगज्योतिषम् ॥

॥ चौपई ॥ भौमदशाजवकरैप्रवेश इतनेभोगेपुरुषकलेश विषव्याधिअरुराजकोवंधन तीच्छणशस्त्रकरे- तिसकंदन नृपअग्नीअरुचौरप्रकाश इनकरहोवतधनकोनाश अथवारिपुकोभयप्रगटात भौमदशाको- फलयहगात अन्यच्च भानुदशाजबप्रविशेआय एतेलच्छणयहप्रगटाय च्छतअरुऔषधमार्गजोय इनक- रदुखकोभोगेसोय गिरितेंगिरनादंततेंकाटन विषहोयप्राप्तअवरदुखकानन वाहनचौरनैंरद्रप्रकास इनतेंहोवतधनकोनाश ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ भानुभौमकीदशानिवार जपपूजादानकरेजुविचार गोधूममसूरअन्नकरदान कुसुंभेरंजितवस्त्रमहान गुडअरुताम्रसुवर्णहैजोय अवरसवत्सागौसुनसोय मुक्तामाणकअवरप्रवाल इहदानकरेतवहोतनिहाल विधिवतदानकरेजुवनाय भानुभौमकीदशामि- टाय अथवास्तोत्रमंत्रजपपाठ करेकरावेनहिवनेसाठ भानुभौमकीपीडाजोय इनतेंतासनिवारण होय ॥ दोहा ॥ विषरुजसबवर्णनकियोकारणसहितउपाय जैसादेख्योग्रंथमैतैसादियोवताय

॥ अथसर्वविषहरमंत्रोपायः ॥

घूंटका निर्घूट निर्घूटका निरंकार निरंकारकानिरंजन निरंजनकामहारुद्रमहारुद्रका अन्नाधिपाल अन्नाधिपालके आदब्रह्मा आदब्रह्माके आखोंकाविषउंगिकुंगितेरीभैन भनेजीगौरजांपार्वती तेरीमाता मेरेमंत्रसेंवाहरजाय अपनीभैनभनेजीकेसेजाजाय गुरुकीशक्तमेरीभक्त फुरोमंत्र ईश्वरमहादेवकीवाचा

॥ अन्यच्च ॥ धर मंत्रो धरे चरमंत्रो चरे धरत मंडल परविषा तेरी खेला चले सुरसुर डुंगी ईश्वर हजारी आख्या जाय सूर्यकी द्रोही पीछे मुडे गोरख नाथकीमुंदर चरख चुरख महाजनी पाइ पीछे मुडे तौमहेश्वर नांगाकी दुहाई सीताकेसतें लछमणके जतें रामके वाणे हनुमानके त्राणे उतर विषा गुरुके फुरमाने गुरुकी शक्त मेरीभक्त फुरमंत्र ईश्वरमहादेवकीवाचा अन्यच्च आगें रिएयें पीछे काली ईश्वर वैठे गद्दू ढाली गौरां वैठी दीवा वाली हौणें जाणेतौणें जाणें इस विषेदा मंत्र कौण जाणे माई तोतला भराडी आइ माई तोतला भराडि आमदे मातामारी हक्क साडे त्रुठे संगुल लोहे त्रुटे हक्क वारें विषें त्रोडी कीती फक छोडविषा नहिके चक त्रोडां तेरेदहनें वख फुर मंत्र ईश्वर मंत्रा ईश्वर महा देवकीवाचा गुरुकीशक्क मेरीभक्क अन्यच्च सोधामहादेवदोभाई वीच समुंदरदेहरी छाई सहदेवामहादेव तेरा भाई कहांगया तलीपटन भेडांचारणगया गारडी महादेव लणासदाय ससूपे नुंहें डुंवरकी भरी कटो रा विषें पीताआयागारडी आप महादेव आमदे गारडीये मारीहक्क साडे त्रुटे संगुल लोहे त्रुटे ढक्क वारें विषें त्रोडे कीती फक्क छोड विषानहीकें चक्क त्रोडेतेरे दहने वख गुरुकी शक्तमेरीभक्तफुरमंत्र ईश्वर महादेवकीवाचा ॥ अन्यच्च ॥ इक विष झोलूं रते रूपेंदूजा विष झोलूं कालेरूपें इहाविष काला कालविष कलूणी।विष तोरणविष भोरणविष टट्टविष तेटेंरूविष छाडकूविष पंचपेरूविष खानानही खुलानानाही काने तुके लाना नही गारडी कंने सुनाना नहि गारडी कौन आया महादेव आया गारडी आपम- हादेव आमदे गारडीये मारी हक्क साडे त्रुटे संगुल लोहे त्रुटे हक्कवारे विषें त्रोडी कीती फक्क छोड विषानहींकेचख त्रोडूं तेरेदहनेवख गुरुकीशक्क मेरीभक्क फुरोमंत्र ईश्वरमहादेवतेरीवाचा अन्यच्च इकवि- ष झोलूं रते रूपे दूजाविषझोलूं काले रूपे इह विषा ताभी खुलानाभी काले तुकेलानाभी गारडी कन्ने सुनानाभी गारडी कौन आया महादेव आया गारडी आपमहादेव आमदे गारडीये मारी हक्क साडे त्रुटे संगुल लोहे त्रुटे ढक्क वारें विषं त्रोडी कीती फक्क छोड विषानहीं केचक्क त्रोडूं तेरे दहने वख गुरुकी शक्त मेरीभक्तफुरोमंत्र ईश्वर महादेव तेरीवाचा अन्यच्च काठकठरा त्रुटगया हाथकाडमरुछु टगया ससूपैनूहें डुंवर कीताभरी कटोरा विषे पीता सदो पुकारी तोतला माई पठे त्रिष मेरोडे फंगरी थाल छड विषा सतमे पातालगुरुकी शक्तमेरी भक्क ईश्वर महादेवतेदिखाया डाटी फिरायाउतर निगु रीयाविषागुरु ईश्वरमहादेव तेरीवाचाफुरोमंत्र अन्यच्च कालकंठयागी आयानीलकंठ मौहराखाया दंदे खाया उटे फिराया उतर निगुरिया विषा गुरु ईश्वर महादेव गारडी समालयोगीआया जिनपढेया मंत्र सत्तमे पैताल गिडाया गुरुकी शक्त हमारी भक्त फुर मंत्र ईश्वर महादेव तेरी वाचा कालिये का लेसरिये कहां जाये मनी धारां जांदियां उत्थे जाई केकमादीयां बूटीयां खांदीयां कदैयां कालीयां का लूदीयां नीलीयां निलुदीयां तोरणीयां तें भोरणीयां ट्टीयां तेटीरीयां छाडकीयां तेंपच पीरेयां कियां करी पचांदेयां गारडी सदांदीयां कौन गारडी आप महादेव आया गारडी आप महादेव आमदे गारडीये मारी हक्क साडे त्रुटे संगुल लोहे त्रटे टक छोड विषानहीके चक्क त्रोडूं तेरादहने वख गुरुकी- शक्त मेरी भक्त फुरो मंत्रा ईश्वर महादेव तरीवाचा ॥ अन्यच्च अटोरडी मटोरडी दूधभरी कटोरडी दुध गया डुली विषगयाफुली विषगया नालें नाल वजया डमरू वजया ताल विषगया मनिया धार लहोनुगरां जित नही भटे सिंहाने दाना विषे कीलगे झाड झमे उस विषें कीकौनथमे खंडे मुठ कटारीयी आनी नि कल निगुरीया विषा अंगे अंगे रोमें रामें तैसें कैसें छानी गुरुकी शक्त मेरी भक्तफुर मंत्रा ईश्वर महादेवतेरीवाचा ॥ इतिस्थावरविषहरमंत्रः ॥

॥ अथअलर्कविषहरोमंत्रः ॥

कीराकुंभअमृतभरेआलेगुरोकेआगेधरेयागउरांभरे ईश्वरवाहाकुताकाटेविषझडजाइगुरु कीशक्तिमेरीभक्तिफुरोमंत्रईश्वरमहादेवकीवाचा अथविषबंधनमंत्रः ॐनमोभगवतेसुग्रीवायसकलविषोपद्रवसमनायउग्रकालकूटविष वलनेत्रविषंबंधबंधहरहरभगवतेनीलकंठस्याज्ञास्वाहा वारत्रयंमंत्रंजाप्यं ३ ॥ देवादिविषवेगोमृन्मयोभवति अवश्यमेव ॥ इतिविषबंधनमंत्रः ॐनमोहरहरअष्टविषंहरहर अमृतंस्रावयस्रावय नासि अमृतंश्रावय २ रेविषनीलपर्वतंगछनास्तिविसुडंहाहा उद्धरे २ अनेनमंत्रेणमंत्रितेनोदके नमुखंताडयेत् निर्विषोभवति ॥ अन्यमंत्रः ॐहहाउठिरेउठिरेअनेनमंत्रेणमुखंशीतांभसिसंसिक्तंअंजलिकात्रयेणनिर्विषःसुखमाप्नुयात् ॥ अथलेपः जटाजूटवचाकुष्टंसैंधवंमगधानिसा लेपंदंष्ट्रव्रणेप्रोक्तंलेपनंविषशांतये सुरसारजनीव्योषंजवानीपारिभद्रकं सर्पदंष्ट्रव्रणेलेपंविषंहंतिसुदारुणं कुष्टंमुस्तमजाजीचविडंगंमधुयष्टिकां गुंजामूलसीततोयेनलेपोमंडलिनांहितः ३ राजिमंतविषाश्वास्यग्रहधूमंवचाघनं सर्षपाचजवानीचपिचुमंदफलत्रयं लेपनंराजिमंतानांव्रणेतैलेनसंयुतं सटीकिराताकटुकत्रयेनवचाविशालापिचुमंदकंच पथ्याजवानीरजनीद्वयंचदंष्ट्राव्रणेलेपमिदंप्रशस्तं स्थावरेजंगमेवापिविषजग्धंभिषग्वरः शीघ्रंछिंद्याद्यथाप्रोक्तंसनरःभवभाक्भवेत् २ अथमंत्रः ॥ नमोभगवतेशशिशेखराय अमृतधाराधौतसकलनिग्रहाय अमृतकुंभपरिपूरितममृतंश्रावयश्रावयस्वाहा ॥ इतिश्रीआत्रेयभाषितेहारीतोत्तरे विषतंत्रीपायाध्यायः ॥ ॐनमःप्रचंडायपक्षिराजायविष्णुवाहनायविनतासुताय हेगरुडकाश्यपसुत २ वैनतेय २ तार्क्ष्य स्वर्णवज्र चंचुवज्र तुंडवज्रनखप्रहरणायअनंतवासुकितक्षककर्कोटकपद्म महापद्मशंखपालकुलिकजयविजय महानागकालउच्चारनीयमूषकविषप्रहरणाय हन २ धुन २ शीघ्रंकंप २ आवेशंठःठःह्रींश्रींगरुडायनमः मंत्रेणानेनमंत्रज्ञोजलंचुलुकमात्रकं सप्तवाराभिजप्तंतुपाययेद्धतचेतनम् सर्पादिविषवेगेनसद्योनिर्विषताभवेत् त्रिवारमेनंपानीयंदातव्यंनपिवेद्यदि मुखमध्येतदासेकःकर्त्तव्यस्तज्जलस्यहि अथवामस्तकेतस्यतर्जन्याताडयेद्बुधः त्रिवारंमंत्रपूर्वंतुनिर्विषोभवतिक्षणात् ॥

॥ अयन्प्रकारविषाधिकारकथनम् ॥

॥ विधविषनाशकविषदूरकरणेदी ॥ चौपई ॥ विषनाशकजोविधीकहावे तरियाकनाममतफारसगावे जेकरविषखावेनरकोई मर्दनकरेगावघृतसोई फुनिघृतदूधगर्मजलपावे पीवेवमनहोतविषजावे तातकालविधऐसीहोई ह्वोएदेरआगेसुनसोई पसरजायविषकैसीजानो पन्नामणीताहिछिनआनो नीरधोयपीवेनरकोई निश्चयविषनाशकहैसोई अथवाविछकलजीवमंगावे नीरधोएकरसोईखुलावे वाविछकलकासतनिकसाय सेवनकरविषदूरहटाय

॥ विषदूरकरनीसर्पहलकवृश्चिकदी ॥

॥ चौपई ॥ सवंधजीवविषमारकजोई जानवरांनमूनजीकहुसोई मारकलक्षणऐसाजानो दंशस्थानसोकृष्णपछानो रंगविरंगशीघ्रप्रघटावे ढिलकत्तजदमकांतिमुखजावे ॥ दोहा ॥ सर्पदंशविषसर्दहैमारकसरदीहोय भेदसर्पकेनेकहैएकभेदसुनसोई चौपई सिकंदरवादशाहजवहोई तवइकसर्पभेदसुनसोई वरमीवीचसर्पइकजानो रहेतहांअतिकठिनपछानो अचरजएकताहुमेहोई जोनरदेखेअंतकसोई दृष्टीकरविषऐसीधावे जोदेखेनिश्चयमरजावे वादशाहसुनऐसीभाई गुणिजनसिगरेलिएबुलाई कहीजतनऐसाअव-

कीजें सर्पमाररजतसुखदीजें करसंलाहगुणिजनमनभाई ताछिनदर्पनलिश्रोमंगाई जहांसर्पवरमीकेमाही सीसाजायधराउनताही दोहा सकलगुणीजनहर्षमनजाविधजतनवनाय वाहिरआयोसर्पजबआगेसीसाभाय पडीनजरजवताहूंपरअपनारूपपछांन मरयोआपनिजदृष्टिकरऐसोअचरजमांन चौपई जेकरसर्पदंशहोजावे दंशस्थानकोशीघ्रहटावे जेकरकाटसकेनहिकोई पछमारतूंवीहितहोई अधिकरुधिरनिकसेविषजावे अथवाऊपरजोंकलगावे अथवाधाततपावेकोई देवेदाघशीघ्रसुखहोई वाडढूंइकचीखंधावे निश्चयविषसिगरीहटजावे दिवसतीनरछ्यामनलाय भोजनतंडुलदूधखुलाय दिवसतीननिद्रानहिभावे दिनचौथेमुंगीघृतखावे मांसरसाकुर्कटमनभाय दोमासेहिंगुततछ्यणखाय दूधगावघृतशीघ्रपिलावे निश्चयविषसिगरीहटजावे विषनाशकदूधग्रंथमतगावत दूधपांचनपरविषनहिधावत तोलसातलौंगमंगावे गोघृतसंगताहिछिनखावे कसौंडीवीजशीघ्रमंगवाय तोलाढूढसेरघृतखाय पिप्पलामूलनीररगडावे दंशस्थांनपरलेपचढावे वानिंवुरसपायघसाय अथवानरमूत्तरसंगलाय जोडपांचगिट्टकतहोई शीघ्रलेपकरविषहरसोई पुटकंडावीजपीसकरल्यावे दंशस्थांनपरशीघ्रलगावे फूकमारकछुनासिकपाय विषमूरछाताहीछिनजाय औरमंत्रनानाविधहोई करेतंत्रविषनासेसोई

॥ उपायविछूका ॥

॥ चौपई ॥ वृश्चिककजदुमनामाकहिए अधिकभेदकछुअंतनलहिए केतेजतनसाध्यपहचान केतेवृश्चकमारकमांन मारकछोटाभेदपछांनो आगेविधिवतलछ्यणमांनो पुरुषएकवनभीतरगयो तहांअचंभेदेषतभयो वनउपलाइकपाथीहोई निकसतधूंमताहुतेसोई देखदेखमनअचरजलावे अग्नीविनाधूंमलखपावे लेकरलाठीअचरजपेख्यो वनउपलाउलटाकरदेख्यो नीचेलखवृश्चिकइकसोई हरारंगअतिछोटाहोई वृश्चकतेजधूंमलखपावे देखदेखमनअचरजलावे करलाठीजवआगेकीनी माराडंगचूरकरदीनी देखतहीमनअचरजहोई कहेएकनादूसरकोई तहांजतनकरपाछेधाये! नगरवीचउनप्रघटसुनाये चलोसंगवृश्चकलखसोई निकसतधूंमतेजअतिहोई सबसुनलोकवेगउठधाए करलाठीधरशस्त्रशुभाए जायतहांलखलाठीलावे मारडंगचूरहोजावे सबनरदेखअचंभेहोई कियोयतनतवमारियोसोई छोटिकिसमतेजअतिजांन्यो एसावृश्चकमारकमांन्यो वृश्चकसर्पयतनइकहोई रहेदूरसंसानहिकोई वृश्चकदंशखेदअतिजांनो करेयतनदुखदूरपछांनो मूलीपत्रशीघ्रमंगवावे नुगदाकरऊपरवंधवावे वृश्चकपीडशीघ्रहरलीजें प्रथमपरीछ्याजाविधकीजें वृश्चकएकपकडकरल्यावे मूलीपत्ररसऊपरपावे देखतहीवृश्चकमरजाय क्योनहिनुगदापीडहटाय मूलीपत्ररसहाथलगावे पकडेवृश्चकदंशनलावे वृश्चकदंशसोजजवजांनो होवेखाजतापसंगमांनो जिव्हास्थूलकृष्णमुखहोई ताहियतनऐसासुनसोई पछमारकरतूंवीलावे रुधिरनिकालशीघ्रसुखपावे मूलीथोंमजाहिघरहोई वरेआंगुगुलहिंगुसोई जोनरनिजघरमांहिरखावे निश्चयविषधरजीवनसावे औरमंत्रविधतंत्रअपार करेशीघ्रदुखवृश्चकटार उपकल्याविषंहंति वृश्चिकस्यप्रलेपतः कार्पासरससंपिष्टं शिरीषफलमुत्तमं—

॥ उपायहलकाएकुत्तेका ॥

चौपई हलकरोगविषनिश्चयजानो मारकहोतयतनवहुमानो हलकसंगश्वानजवहोई आगेलछ्यणसुनिएसोई अधिकनीरलखअतिभयपावे अथवानीरसंगमरजावे औरश्वानलखभागतसोई हमलाकरउन-

ऊपरहोई मालकजोपालेमनभाय काटनहिततांहूपरधाय कमलापनऐसाप्रघटावे विनमारेसुखकवहुन-पावे जवकाटेतवविषप्रघटाय छेइमासलगअतिभयदाय छेइमासरच्चामनलावे कूपनीरहितऔरनभावे कदाचितनिजशिरधोवेनाही मिष्टिआईतैलनसेवेताही कस्तूरीप्रतिदिनहिखुलावे पछमारकरतं-वीलावे ॥ दोहा ॥ जांविधरुधिरनिकालकेतांहीछिनसुखहोय वासीरुधिरनिकालफुनिदिवसतीसरेसोय रहेयच्छमछेमासलगदूरकरेनहिकोय यतनलिखासोकीजिएयच्छमदूरनहिहोय लूणथोमलेपीसिएऊपरले-पचढाय रहेयच्छमछेमासलगविषव्याधीमिटजाय ॥ चौपई ॥ सिरकाहालमवीजमंगावे भलावा-सज्जीसंगरलावे पीसलेपनरकरेजोकोई रहेयच्छमथिरदूरनहोई विरोजाहिंगूदोइमिलाय करेलेपथिरय-च्छमरखाय एकतंत्रमतऐसाजानो तवतकविषकाअसरनमानो जवतकश्वाननीरविनहोई तवतकविष-काअसरनकोई श्वानमारकरऐसाकीजे मृतकपात्रसुंदरइकलीजें श्वानवीचधरयुक्तिवनाय करेवंदसु-खदेहुदवाय जाप्रकारजललागेनाही लागेजलविषउपजततांही जवकाटेतवऐसाभावे गावदूधघृत-शीघ्रमंगावे रसधतूरेकासंगमिलाय कंदहोएवामिशरीपाय शीघ्रपानकरविषनहिधावे हलकदूरनिश्च-यसुखपावे अथवाबवरासिंहजोहोई काटकठिनमानविषसोई ग्राहकरलेपशीघ्रकरवावे सिरकालूणती-नदिनलावे तौफुनिकिक्कराछिलकाल्याय करेकाथधोवेविषजाय ऊपरमल्हमलेपचढावे करेयतनरच्चा-मनलावे ॥ दोहा ॥ यच्छमवांधकरराखिएमतनंगारहजाय चूहासुंहेयच्छमजवतवरोगीमरजाय ॥ चौपई दंतहोतविषचूसेमाहीं करेयतनहटजावेतांही सर्षपतैलताहिमंगवावे पलासवीजयुतलेपच-ढावे अथवाकुठलेपचढवाय आखूविषनिश्चयहटजाय निंवपत्रहलदीमंगवावे नागरमोथाकुठरलावे मचलूणताहीसंगपाय लेसमचूरनपीसवनाय मासेसातमधूयुतखावे आखूविषनिश्चयहटजावे कंनख-जूराकाटेजवहिं वल्लजुआइनखावेतवही भूंडआदिजवकाटेजांको थोमपीसकरमर्दनतांको वालसिंहके-खावेकोई आगेलच्छणसुनिएसोई नाभीतलेपीडप्रगटाय खिच्चीहाऐकाटदुखदाय छोटेछिद्रगुदाप्रघटावे श्यामरुधिरअतिवाहिरआवे कदलीरसनिकालकरकोई धोवेगुदाशौचफुनिहोई अथवाभ्रींगरमछील्यावे सावतगुडलपेटकरखावे कसौंडीजढसठीसंगपाय लेसमचूरनप्रतिदिनखाय दुम्मेकाफिफरामंगवावे वां-धसूत्रसंगताहिखुलावे घडीएकविधपाछेहोई खैंचसूत्रकरवाहिरसोई सिंहवाललेवाहिरआवे जांविधयत-नकरेसुखपावे मोमतीनमासेंमंगवाय निंगलफुनिजुलावकराय सिंहवाललेवाहिरआवे जाप्रकारसुखनि-श्चयपावे

॥ विधविषधरछोटेजीवदूरकर्णेकी ॥

॥ चौपई ॥ विषधरजीवदूरविधहोई कुशतनजांनवरानमूजीकहुसोई प्रथमसिंहदुखदायकभावे जाप्रकारमारेसुखपावे सिंहमारमारेकछुखावे कछुराखेफुनिप्रातहिआवे तहांजायविधकरेजोकोई कुचलेपीसरलावसोई तौफुनिसिंहमांससोखावे पहरवादनिश्चयमरजावे हिंसकऔरजीवजोकोई जाप्रकारमारेसुखहोई मूसादूरकरनविधजानो कुशतनमूसांननामपछानो संखिआघोलनीरमराखे मूसामरेनीरजवचाखे चंवेकीजढघोलरखावे करेपानमूसामरजावे अथवामूसापकडेकोई का-टेपुछकर्णफुनिदोई छोडेताहिगेहजवजावे देषतहीमूसेउठधावे पिसूंदूरकर्नविधहोई आगेयतनसु-नोअवसोई पंछीकाफुनिरुधिरमंगावे पात्रवीचघरमाहिरखावे पिसूसकलतांहिपरआय मरेआपदु-खनिश्चयजाय अथवाजीराधुमधूखावे पिसुंसीघ्रस्थानतजधावे इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीर-प्रकाशभाषायांविषाऽधिकारकथनंनामअष्टपंचाशत्तमोऽधिकारः ॥ ५८ ॥

॥ अथसंसाररोगवर्णनम् ॥

॥ दोहा ॥ श्रीरघुवरहनुमानकेचरणकमलउरधार चिकित्सारुजसंसारकीसुनहोकरोंउचार ॥ दोहा ॥ सहिनिदानवर्णनकरीचिकित्सारुजसंसार कहोंकृपारघुवीरतेंयाहीतेंउद्धार ॥ चौपई ॥ हरिमायाकृतरुजसंसार तातेंकठिनलष्योउद्धार विनहरिसंतजीवजगजेते संसाररोगसोंरोगीतेते महा-रोगदारुणसंसार जामोंजन्ममरणवहुवार अथनिदानम् दोहा तासनिदानवषानहोंसोइअनेकप्रकार ताहूतेंसंक्षेपकरसुनहोकरोंउचार ॥ चौपई ॥ कर्मशुभाशुभतासनिदान कर्मअकर्मकरेपरमान तिनहूं-कर्मनेकअनुसार ऊंचनीचलखयोनिअपार सकामकर्मशुभस्वर्गसिधावै पापकर्मकरनरकदिखावै देव-असुरनरतिर्यगदेह वहुवारधरैसंसृतरुजएह पथ्यधरैसोमुक्ताहोय करैकुपथसंसृतवहैसोय इकसंसार-रोगजुअसाध्य पुनकरैकुपथवहुउठैंउपाध्य हरिभजनविनानहिंमिटसंसार यहनिजमनमोंनिश्चयधार इतिनिदानम्

॥ अथअपथ्यनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कह्योनिदानवनायकैजातेंभवप्रगटाय तासअपथ्यवषानहोंजातेंसोअधिकाय ॥ चौपई ॥ हरीनिवेदितविनजोषावै सोऊमहाअपथ्यकहावै भक्ष्याभक्ष्यविचारविनाऊं षावेसोभीअपथ्यलषाऊं दूसरकेविनदियेंजोषाय सोभीअपथ्यमहादुःखदाय कामक्रोधलोभहंकार अरुमोहादिअपथ्यनिहार विषयसुखनमोजोअनुराग सोभीअपथ्यजानउठभाग पुण्यत्यागपापवहुकरै शुभकर्मविनइछामनधरै दंभसहितकल्लुपुण्यकमावै पुननिजपुण्यस्वमुखतेंगावै महाअपथ्थीतांकोंजान कभीनभवरुजतैंकल्यान मानुष्यजन्मदुर्लभसंसार वहुरनआवैवारंवार मुखनिमित्तवहुपापकमावै लोकअयशपरलोकनसावै मातपितागुरुसेवानकरै वडयनमोंआदरनहिधरै विप्रनकोकरहैअपमान किसूनजानैआपसमान धन-ऐश्वर्यमदमातारहै अवरनकोंतृणसमजगलहै पापकर्मकरभोगैभोग मदसोंलहैनयोगअयोग युवा-मदहिंवहुकामाविकार गम्यागम्यातियनाहिविचार जिंहारसवहुजीवनमारै अपनोमरणोनाहिविचारै यमपुरकोजाकोंनहिंत्रास महाअपथ्थीजानोतास चौरीकरवहुधनलेआवै धनरहिजाययमपुरीसिधावै असअपथ्यकरभोगैभोग वहुवधजावैसंसृतरोग इत्यादिअपथ्यजुकरतारहै रोगवधैदुखदारुणदहै व-डोअपथ्यकुसंगपछान जातेंकवूनहोईकल्याण ॥ दोहा ॥ रुजमोंजेऊअपथहेकरैंउपद्रवआय तज-अपथ्याजेपथरहैतिंहढिगरोगनजाय ॥ इतिअपथ्यम ॥

॥ अथउपद्रवनिरूपणम ॥

॥ चौपई ॥ रोगीजेऊकुपथीकहिये उपद्रवताहिउपजवहुलहिये अध्यातमआदितीनजोताप सोऊवि-षमज्वरफलनिजपाप परद्रोहछर्दतृषणाअतिसार मूर्छामायामोहनिहार अहंममकहैजुवारंवार श्वा-सकासहिक्कासुविचार चिंताशोकसन्निपातपछान व्यर्थवकेप्रलापसोमान हरिस्मरणश्रद्धानहिंकीजै सोऊअरुचमंदाग्निभनीजै सीसनिवैनहिंकाहूजास सोशिरपीडालषियेतास कविचेतनकविजडअज्ञा-न सोऊसंग्रहणीपहिचान परइस्त्रीलंपटजोलहिये पथरीअर्शकृच्छ्रसोकहिये वहुइस्त्रीरमैतृसनहिंमानै ताहूकोंपरमेहीजानै परऐश्वर्यदेषजोजरै सविसूचिकादुखलषपरै दूसरदेषआपाचितदहै उदरशूलताही-कोलहै हरिजपपाठनाहिमुखजोय परनिंदकमुखरोगीसोय हरिगुणजन्मकर्मकीकथा सुनेनश्र-

वणरोगसोयथा अरुपरनिंदासुनदेकान करणकीटसोलषोमहान पापकरैपुनअैसेकहै जोनकरों-जगनाकनरहै सोऊनासारोगपछान गलितनासकापीनसजान हरिहरसंतदर्शननहिंकरैं नेत्ररुजी-अंधालषपरै अरुपरतियपरछिद्रजुदेषै महाअंधसोसबकेलेषै परगुणकोअवगुणकरमानै निजअव-गुणकोंगुणपहिचानै सोऊगलितकुष्टपहिचान परतियरतिसितकुष्टप्रमान निरलज्यौहिंसारतिजेऊ वडहंकारसहितहैतेऊ आपहिंआपवडोकरमानै अवरनकोंतृणसमकरजानै दयाहीनसोमानस-रोग ग्रस्योरहैनहिसलाघायोग श्रद्धारहितकविदानजुकरै अतिथपूजानाहिअनुसरै अरुहरिगुरुपूजानहिं जास हस्तरुजीटूंडोलषतास जिंहकृतघ्नताउरप्रगटान राजयक्ष्मसोरोगीजान हरिकीर्तिविनास्वरभं-गीकहियेकटुवोलैगुंगासोंलहिये सबसोंझूठबकैदिनरेन झूठकहेविनउपजनचैन सत्यवचनको-नाहिनलेश सोजिव्हरुजअपयशकरैदेश पादनकरहरितीर्थनजावै पापकर्मकोंनितउठधावै तांकों-पंगुरुजीपहिचानो ईर्षाकंडूददरीमानो वहुयोनिभ्रमणअरुनरकनिवास तौफुनिक्षुद्ररोगलषतास सुखी-दुखीवहजीवलषावैं सोवहुरोगग्रस्तकहावैं संसृतरुजकेवहुतविकार कहिलगवरनोंलहोंनपार याहीतें-संक्षेपवषानै हरिसेवायुततिनरुजजानै ॥ दोहा ॥ भवरोगउपद्रवयहकहेअवरहुंनेकप्रकार यहनिश्चयम-नकीजियेहोंयअपथअनुसार ॥ इतिउपद्रवः ॥

॥ अथअसाध्यलक्षणम ॥

॥ दोहा ॥ भवरुजतीनप्रकारहैजानोवडीउपाध्य असाध्यकष्टकरसाध्यहेपुनजानोसुखसाध्य ॥ चौपई ॥ निशदिनपापकर्मजकरैं हिंसाजीवनकीअनुसरैं नास्तिकबुद्धिकहाभगवान स्वर्गनर-कक्किनदेष्याजान परधनपरदाराररतिजोय विश्वासघातिव्यसनीपुनसोय ग्रसेलोभमोहमोंरहै सतसं-गतस्वपनेनहिंगहैं सतसंगहुतेइहभांतडराहैं ज्योंकाकधनुषनिरषतउडजाहैं हरिकेगुणजोकवूनगावैं जोगावैंतिंहहास्यकरावैं अैसेचिन्हअसाध्यनिहार अवरहुंसुनोकरोंउच्चार वेश्यारतिवहुमदरापान अैस-नकोंअसाध्यलषमान परकार्यमोंविघ्नउपावैं उशेसर्पज्योंस्वार्थनपावैं हरिगुरुविमुखअशुचअज्ञान विप्रद्रोहिगुरुद्रोहीजान स्नानदानविनसहितविकार नीचनसंगभ्रष्टआचार ॥ दोहा ॥ असाध्यचिन्ह-वरणनकरैनाहितासउपचार कष्टसाध्यआगेकहोंसुनलीजेंचितधार ॥ इतिअसाध्यलक्षणम्

॥ अथकष्टसाध्यलक्षणनिरूपणम ॥

चौपई ॥ वरणाश्रमधर्मनमोंदृढचित्त नित्यनैमित्तिककर्मसोंहित्त ब्रततपतीर्थअवरवहुदान विप्रभक्तस बकोदेमान होइनिहकामकर्मशुभकरै जीवदयापवित्रताधरैं इष्टापूर्तयज्ञवहुश्राद्ध ब्रतकृच्छादिहरनभ वव्याध वेदाध्ययनजुपरउपकार सुरऋषिपितृयजनआचार कोमलचितदयाउरधरैं हितकरिसत्यप्रिय-वचनउच्चरैं स्नानादिनित्यकर्मअनुसार भगवतस्मरणवारंवार शीतलस्वभावब्रह्मचर्यराषै सत्यकहैं मुखझूठनभाषैं देनकहैंमुखतेंकछुजोय सत्तप्रतिज्ञाराषैंसोय अतिथीपूजेंमनचितलाय हरिकोभजन करैंसुखदाय इत्यादिकशुभकर्मकमाहैं हरिअर्पणकरफलनहिचाहैं कष्टसाध्ययहलक्षणजान वहुका-लहुतेंहोइसंसृतहान ॥ इतिकष्टसाध्यलक्षणम् ॥

॥ अथसुखसाध्यलक्षणनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ चिन्हकहौंसुखसाध्यकेमनमोंसमझविचार श्रीरघुवरशरणोरहैसोसुखसाध्यनिहार ॥ चौपई ॥ हरिकीभक्तिमुख्यहैजिन्हको नित्यानित्यविचारजुतिन्हको सत्यव्रतप्रियसूखमभाषैं रागद्वेषविनमनशुचिराषैं परमेश्वरमोंसत्यप्रतीत लग्योरहैहरिवर्णनचीत जलमृतकाकरतनुशुचराषैं अहंताममतामनतेंनाषैं दशापरमहंसनकीगहैं मौनविनांहरिनामनकहैं ब्रह्मादिकसुखअरुतृणपर्यंत चेष्टाकाकवततजैंसुसंत असोतीव्रधरेवैराग निशदिनब्रह्ममांहिलयलाग सकलजगतमोंब्रह्मपछानै आपदूसरेभेदनठानै शीतलउष्णसुखदुखसमजानत मानअपमाननांहिमनआनत लाभहानसममनमोंधारैं श्वासश्वासप्रतिरांमउचारैं निशदिनहरिचरणनमोंग्यान जगतनलषैंलषैंभगवान मनकीवृत्तब्रह्मलयलीन जगतस्वप्नभ्रममिथ्याचीन विषयसुखनमोंतीव्रवैराग श्रीरघुवरचरणकमलअनुराग यहलक्षणसुखसाध्यवषानै संसृतरुजनाशनपहिचानै ॥ दोहा ॥ असलक्षणसुखसाध्यहैंजामोंकलुनविकार आगेंहीरुजमुक्तहैकाहिनमात्रउपचार इतिसुखसाध्यलक्षणम् ॥ संसाररोगोपायः ॥

॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्सातासकीसुनलीजैचितधार जातेंसंसृतरोगतेंजीवहोतउद्धार ॥ चौपई ॥ वडदारुणसंसृतरुजजोय विनहरिभक्तिउपायनकोय नवधाप्रेमापराजुतीन शास्त्रनतेंलषलेयप्रवीन सदारहैमनब्रह्मविचार इतनोपरमजानउपचार तदपिचिकित्साकोपरकार भाषसुनावोंकरविस्तार वैद्यअवरऔषधसबगाऊं पथ्यगायविनरोगलषाऊं ॥ अथचिकित्साउदाहरणम् ॥ चौपई ॥ वैद्यश्रीनारायणआप जासकृपामिटसंसृतताप औषधजानोहरिकोनाम अनूपानध्यानअभिराम हरिगुरुपूजनकोपरकार करैसनेमप्रेमउरधार सोपूजनऔषधवैद्यप्रतीत जानलहोअपनेमनमीत हरिचरचासंतनकेसाथ श्रेष्टरोगहरतासोकाथ हरिकेजन्मकर्मगुणगावन सोचूर्णअमृतसमपावन संतटहिलजोरहितविषाद सोअविलहपरमजिहस्वाद गुरुकोमंत्रजपैनितजाय सोगुटकेमोदकहरताप हरिकीकथाश्रवणकोभ्यास औषधसेवनजानोतास दयानम्रताशीलस्वभाय रुजनाशनमर्दनसुखदाय दर्शनहरिहरिसंतनजोय रुजनाशनअंजनलषसोय परत्रियदेषैमातृसमान यहभीहितकरअंजनजान दयादृष्टिजोसबपरराषै यहभीश्रेष्टअंजनश्रुतिभाषै हरिप्रसादतुलसीअरुफूलनसवारजानसोहरभवशूल गोपिचंदनहरिचंदनजेते रोगहरनलेपनजानोतेते हरिसंतविप्रगुरुचरणनधूर सोधूडाअघभवरुजदूर एकादशीआदिव्रतजेते लंघनइसरुजकेलषतेते धैर्यधर्मसत्यसंतोष वहलंघनरुजतेंकरैंमोष गंगाजलचरणामृतहरिजो पक्कतोयहरतारोगहिंसो वरणाश्रमधर्मकर्मजोकहे सोऊसहायकरोगीलहै कामादिकजोदेहिविकार सोरुधिरमोक्षरुजहरसंसार विषयतजनरेचनसुउपाय रोगघटनलागेइहभाय अवरहुंऔषधजातसुनीजै जाहूतेंअसाध्यरुजछीजै जपनेमादियोगअष्टांग सोऊज्वरांकुशभवरुजभंग सदाकरैसंतनकोसंग भवरुजहरनजानसोवंग सबकेहृदयलषैपरमेश्वर भवरुजहरनसोऊतामेस्वर परस्वारथहितदेयजुप्राण सोअभरकहरतालपछान ब्रह्मसत्यजगसकलअसार रोगहरनसोलोहासार रूपचतुर्भुजसर्वनिहार सोऊरूपरसहरसंसार हरिसेवेउरधरएकांक संसाररोगहराहीमृगांक वेदांतश्रवणमननिश्चयभ्यास सोपारदहरभवरुजत्रास इन्हतेंऔषधएकजुगहै संसाररोगमूलसोंदहै ॥ दोहा भवरोगचिकित्सायहकहीपरमश्रेष्टलषतास यातेंआगेंअबसुनोपथ्यकरोपरकाश

॥ अथपथ्यनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ यज्ञनिवेदिंतहरिजलअन्न सोऊपथ्यश्रेष्ठकरमन्न अरुहरिदासनकोंभुगतावै अतिश्रेष्ट-पथ्यसोऊलषपावै निजइंद्रियजातेंप्रवलनहोंहि मिताहारशुचसात्वकजोंहि दशइंद्रयचितमनवुधप्राण यहवसकरणेपथ्यपछान इतिपथ्यं

॥ अथआरोग्यनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ औषधकहीसपथ्ययहहरनरोंगसंसार यहउरधरैकृपाप्रभूसोहोइरहितविकार ॥ चौपई ॥ हरिकीभक्तिबुद्धअनुरागी सोअरोगतातनुमोंजागी श्रद्धाक्षुधाप्रवलहोइआई हरिभजनदेहचेष्टासुहाई मलिनवासनाकृशतागई देहपुष्टतांकीर्त्तछई नित्यानित्यविवेकविचार सोमलप्रगट्योदेहमंझार तीर्था-टनरोगांतस्नान ज्ञानउपदेशकरैसोउदान अरुशांतिसरोवरकरैजुस्नान संसारमिथ्योसुखसिंधुसमान ब्रह्मजीवकोभेदमिटायो ब्रह्मानंदपरमपदपायो जगधरहरिदासनकोदास करैप्रार्थनाहरिगुरुपास सं-सृतरोगमोहनिरवारो श्रीरघुवरचरणनचित्तधारो ॥ दोहा ॥ संसृतरोगनिवारणेकह्योजुज्ञानउपाय यहउपायजवहीवनैवैद्यमिलेहरिआय ॥ इतिमहारोगसंसारचिकित्सासमाप्ता

॥ अथपुरुषखंडत्वानिदानवर्णनम् ॥

॥ दोहा ॥ खंडनिदानवरणनकरोग्रंथनकेअनुसार जिन्हकरहोवतपुरुषकोंकरोंजुतासउचार पुरुष-भावजिसपुरुषकोहोवतनहितनमाहि इस्त्रीकामनहरनकोहोतसमर्थनताहि नहिसुखहोवततासको-बालकउपजनजास पुत्रवानकोदेषकरउपजितलज्जातास कामहीननरजानकेकौतियाकरेनविहार अवरविवाहिकनारिजोत्यागेतासाविचार पुरुषनपुंसकदेषकेहांसीकरेसबलोग तासाचिकित्सा-कहितहोदेखग्रंथशुभयोग , प्रथमनिदानवषानकेपाछैलचणजास तापाछैसबयोगहितकरोंजुतास-प्रकाश ॥ अथखंडत्वहेतुमाह ॥ चौपई ॥ वातपित्तकफरक्तजुचार दुष्टहोएकरैवीर्यविकार मन-घातकशोकादिकजोय अथवाउरजुक्षयतेंहोय वीर्यक्षयतेंभीतिसजानो पुरुषउपघातकरीपुनमानो अथवाइंद्रयरुजजिसहोई ब्रह्मचर्यवाधारेकोई इन्हकरपुरुषनपुंसकजानो मर्मछेदअरुसहजपछानो अष्टादशतिसभेदविचार प्रथमसप्तसोकरोंउचार आसेकक्यसुगंधिईर्षकजोय कुंभीकचतुर्थाजानोसोय एतेखांडकहेजोचार वीर्यदोषतेंदुष्टविचार एकांगमर्मछेदयहदोय अवरसहजइकआनोसोय सप्तभे-दयहकरेवषान आगेअवरहुंसुनोसुजान अतिव्यवायशीलनरजोय दोषदुष्टतिसकेसबहोय शुक्रना-डिमोंधरैप्रवेश दूषितशुक्रकोकरैकलेश भिन्नभिन्नसबकरैसंचार ताहिकेलचणकरौंउचार

॥ अथवातजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातदुषितशुक्रजबजाने रक्तश्यामतिसवर्णपछाने सर्वअंगमरमसंधिमोपीर वातज-लक्षणजानोधीर

॥ अथवातजचिकित्सा ॥

चौपई वातदुष्टजिसवीरयहोय स्नेहादिकतवकरेजुसोय तीनवस्तिजोपाछेकही तवपीछेमेसबसुखसही तीनवस्तिकेनामवखानो अनुवासननिरूहदुईजानो तीसरिउत्तरवस्तीकही सबलोकोंनेबूझीवही

॥ अथपित्तजक्लीवलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तदुष्टजववीर्यहोय रक्तनीलप्रभाजानोसोय दाहअवरउष्णादिकजेते सोसबदेहमोवर्तेंतेते रुधिरगंधतिसदेहतेंआवे पित्तदुष्टकेलक्षणगावे

॥ अथपित्तजक्लीवचिकित्सा ॥

चौपई ॥ पित्तदुष्टजिसवीरजहोय तवरेचनकरवावैसोय तीनवस्तिफुनिसोनरकरै पितजदोषवीर्यकोहरै

॥ अथकफजक्लीवलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफकरदुष्टशुक्रजवजाने श्वेतरंगतिसकाजुपछाने पूतिगंधतिसदेहतेंआवे कंडूगुरुतातिसप्रगटावे

॥ अथकफजक्लीवचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कफकरदुष्टशुक्रजिसजान तिसवमनकरावैवैद्यसुजान तीनवस्तिसबकरैजुजोय रोगटरैसुखपावैसोय क्रियाविशेषकरैमतिमान सबग्रंथनमोकरीवखान वातादिकरुजकहेजुतीन तिन्हकाभेषजकह्योप्रवीन भिन्नभिन्नकरकियोवखान स्नेहादिकफुनिसबमोजान

॥ अथरक्तजक्लीवलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तदुष्टजवशुक्रहैजोय कुणपगंधतिसकोतवहोय अल्पशुक्रनहिजानोजिसका कुणपनामकह्योतवतिसका

॥ अथरक्तजक्लीवचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ धातुकीपुष्पखदिरसोजान दाडिमअर्जुनताहिमोठान सबसमलेकरघीउपकावे कुणपवीर्ययुतनरसोखावे

॥ कफवातजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दूषितशुक्रजुकफअरुवात ग्रंथिलनामकह्योविख्यात द्विदोषवर्णपीडायुतजानो कफअरुवातकेलक्षणमानो ॥

॥ कफवातजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सटीसिद्धघृतकरेसुजान वापलाशकिक्षारसेंमान इसविधसिद्धकियाघृतखावे ग्रंथिवीर्ययुतनरसुखपावे

॥ वातपित्तजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातपित्तकरदुष्टहैजोय क्षीणशुक्रतुमजानोसोय वातपित्तकावर्णहैजास वातपित्तकीपीडप्रकाश वातपित्तकीगंधजुआवे क्षीणशुक्रकेलक्षणगावे

॥ अथवातपित्तजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पूर्वदोषमैंजोघृतकहे आगमैंकहिनेजोरहे तिन्हसबकोदेवेमतिमान क्षीणवीर्यकोहोवेहान ॥

॥ अथकफपित्तजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ श्लेष्मपित्तकरदुष्टहैजोय शुक्रपूयसमजानोसोय श्लेष्मपित्तकीपीडामानो श्लेष्मपित्तसमगंधपछानो पूयप्रख्यतिसनामकहायो योगतरंगिणीमतयहगायो

॥ कफपित्तजचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ फालसेऊँरवटादिगणसिद्धकियाघृतहोइ तिसघृतकोखावेसुमतिपूयप्रख्ययुतखोइ

॥ त्रिदोषजक्लीवलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ त्रिदोषदुष्टजबशुक्रपछानो मलमूत्रगंधतिसतेंजवजानो वर्णत्रिदोषत्रिदोषजपीरा नाममलाव्हयजानोधीरा

॥ त्रिदोषजक्लीवचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ तीनदोषयुतवीरजजिसको मलसमानगंधहेतिसको हिंगुउशीरसिद्धघृतजोई उसघृतकोपीवैनरसोई पुनिसबतीनोवस्तिकरावै ऊँषधकरसबहींसुखपावै

॥ अथमानसीक्लीबलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शोकक्रोधअरुइस्त्रीद्वेष इनकरमानसिक्लीवकोदेष मनउद्विग्नरहैनितजास मलिनक्रांततुमजानोतास

॥ मानसीक्लीवचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ दुष्टवचनअरुक्रोधतेंमनइछाकोनाश तिसानिदानविपरीतकरमनमोंहोतहुलास दुष्टवचनटारैसभीमधुरवचनकेसाथ हावभावपुनियुक्तिसेंशुभहिसुनावैगाथ वंधुनाशधननाशतेंहोवतजोइक्लीव ज्ञानलाभधनलाभतेंपुनिहोवतसंजीव नष्टकामउपजेतभीपुनिहोवतपुंभाव रमैनारिसोबुद्धियुततवैपरमसुखपाव ॥ अन्यच्च ॥ दोहा ॥ ब्रह्मचर्यतेंक्लीवजोकहोंचिकित्सातास भ्रमनहींजानोतासमोंमनमोहोतहुलास ॥ दोहा ॥ बुटनातैलसुगंधयुतस्नानदूधघृतपान ब्रह्मचर्यसितसर्कराआसवकरैप्रधान

॥ परमक्लीवलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ उष्णअमलअरुलवणसुतीक्ष्ण अतिकरपुरुषकरेयहभक्षण सौम्यधातुसबक्षयहोईजात परमक्लीवतिसजानोख्यात

॥ परमक्लीवचिकित्सा ॥

चौपई जांगलमृगपंछिनकोमास यूषवस्त्रकुसुसुंदरतास सुंदरसौधसुगंधजोधरे यथाजोगसबसेवनकरे मानसिक्लीवकीऊँषधजेती परमक्लीवमोजानोतेती ग्रंथवृद्धिभयतेंनवखानी तातेंसमभ्योवैद्यगयानी सोइऊँषधअरुविधिसबकरे परमक्लीवतातिसकीटरे फुनिनारीसंगरमैसुजान शास्त्रकह्योजानोमतिमान

॥ क्षयशुक्रक्लीवलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अतिव्यवायशीलनरजोय वाजीक्रियाकरेनहिकोय वीर्यक्षयतिसकासबजानो क्षयशुक्रक्लीवतिसकोजुपछानो

॥ क्षयशुक्रक्लीवचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वाजिकरनहेउौषधजेती सोसबकरेजोविधसोंतेती दुशांदामोदककरेवखान सोसमझोअपनेमनस्यान

॥ आसेक्यक्लीवलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अल्पवीर्यपिताजिसहोय तिसतेंउत्पतपुरुषहेजोय आसेक्यक्लीवतिसकोतुमजानो ध्वजउछ्रयमेसंशयमानो

॥ आसेक्यक्लीवचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्राशनशुक्रकरेनरजवहि ध्वजउछ्रायहोतजिसतवहि अवरचिकित्सातिसनहिजानो ग्रंथनकामतजाहिपछानो

॥ सौगंधिकक्लीवलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दुर्गंधियोनितेंउत्पतियास सौगंधिकक्लीवनामतुमतास

॥ सौगंधिकक्लीवचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ योनीशेफकीगंधजुलेवे तवकलुवलकोप्राप्तहोवे उौषधिअवरतासनहिजानो ग्रंथनकोमतदेखवखानो

॥ कुंभीकक्लीवलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अज्ञानभावतेपुरुषजोहोइ इस्त्रीवतयहवर्तेसोइ मैथुनअपनीगुदाकरावे कुंभीकनाम।तिसवैद्यसुगावे

॥ कुभीकक्लीवचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जवनरगुदाअपनीक्रेमाही अवरपुरुषसेंभोगकराही ध्वजउछ्रायहोततवतिसको अवरउौषधीकहिनहिजिसको

॥ ईर्ष्यकक्लीवलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अवरपुरुषकादेषव्यवाय मैथुनकातिसउपजैचाय ईर्ष्यकनामतासकाजानो अवरद्दश्यतिसनामपछानो

॥ ईर्ष्यकचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अवरकामैथुनदेषेजवहि ध्वजउछ्रायहोततिसतवहि अवराचिकित्सानाहिवखान सोसमझोअपनेमनस्यान

॥ अथएकांगक्लीवलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ यादूटनाकेरजुनारी वीर्यवंधकरदियोजुडारी तिसनारीसंगमैथुनकरे अवरजुजाधक्लीवताधरे एकांगक्लीवतिसनामकहायो योगतरंगिणीग्रंथवतायो

॥ एकांगक्लीवचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ जोनारीतिसपुरुषकोवीरजवांधेसोइ तिसनारीकेवीर्यकोछलकरिलीजैवोइ उँहरनीर-धरेसिरमैंतिसभगराखेतास ताहिसमैंतिसहोतहैकामदेवपरकाश

॥ मर्मछेदक्लीवलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शुक्रवहकहीनाडीजोय मर्मछेदतिसकाजवहोय अथवाशोधनपथरीकीजै क्लीवता-तांतेंपुरुषधरीजै करीचिकित्सानाहिंप्रकाश असाध्यक्लीवतुमजानोतास

॥ महाषंडलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पूर्वपापतेंहोतहैंमहाखंडतिसनाम ग्रंथचिकित्सानाकहिनाहिजानोतिसधाम मातपि-तासमयोगतेमहाखंडजोहोत तासाचिकिनाकहिनहिजानोतिसघोत ॥ दोहा ॥ मातपितासमयातुतें-उत्छतिसकीजान सहजक्लीवसोजानियोमेहनतासनमान

॥ असाध्यक्लीवनाम ॥

॥ चौपई ॥ महाखंडअरुसहजसुजान मलाव्हयमर्मछेदपुनमान असाध्यक्लीवचारसो-कहै शास्त्रनकामतसोसुनलहै ॥ इतिखंडरवानधानम् ॥

॥ सामान्यक्लीवउपायः ॥

॥ अथपंचशायकं ॥ चौपई ॥ द्राक्षाआनेतुलाप्रमाण चारद्रोणातिसजलमोठान मंदअग्निसोंता-हिपकाय पादशेषलेवस्त्रछनाय तुलाप्रमाणगुडतिसमोपावे पुष्पधातकीप्रस्थमिलावे मृतकापात्र-मोंतिसपाय भूमीगर्तमोतासदेवाय श्रेष्टपाकहुआजवजाने वारुणीयंत्रमोतिसठाने सनैसनैतिसअर्क-निकारे वारुणियंत्तरमोपुनधारे इसहीरीतसोलेदशवार यंत्रमध्यतिसअर्कनिकार चतुर्जातअरुपायल-वंग जातिफलअरुकेसरसंग यथालाभयहवस्तूपावे काचपात्रमोतासधरावे यथाअग्निवलपीवेतास प-थ्यखायपुनभातजुमास स्निग्धअन्नअरुमधुरजुखावै तवशतवर्षआयुषापावै दशनारीसोंवर्तेसोय पंचशायककेगुणयहहोय

॥ कामसुंदरकरमोदकः ॥

॥ चौपई ॥ गुडूचीमेथीमुसलीआनो विदारिकंदशतावरीठानो त्रिसुगंधजुसेंधापायकचूर धात्री-फलअरुभषडेपूर मोचरसतालमषाणापाय मघामुलट्ठीआनरलाय जातीफलअरुजातीपत्र कर्कटशृं-गीकरोइकत्र गजकेसरअरुकदलीकंद कदंवजुकटफलअरुअसगंध सबसमभागजुचूर्णवनाय भाग-द्विगुणमृतअभ्रकपाय अंसचतुर्थजुसबतेंविजया सबसमपायजुशर्करासितया घृतमधुमेलजुपिंडव-नावे टंकप्रमाणनिताप्रातिखावे रोगनपुंसकतामिटजाय योगतरंगिणीमतजुवताय ॥

॥ कामदेवचूर्णम् ॥

॥ चौपई ॥ भषडेआनेपलपरमान क्रौंचवीजपलदोयसुजान पलइकनागवलाकोवीज अश्वगं-धपलतीनसोलीज वांसाअवरगुडूचीआनो चंदनरक्तमघापुनठानो गजकेसरधात्रीअवरलवंग त्रिसुगं-धआनकरपायसुचंग कर्षकर्षयहवस्तूतूल वीसकर्षलेशल्मलीमूल कुशकाशजटालेकर्षजुसात चूर्ण-

पीसकरेसुनबात सबसमशर्करातामोपावे नित्यप्रभातयथावलखावे दुष्टशुक्रकोदेतसुधार वीर्यहानि-कोहोतहोटार मूत्रकृच्छ्रअरुमूत्रजुघात मूत्रदोषहरेसुनवात शुक्रवृद्धिकरेअतितास शतनारीसोंरमेप्रकास वंध्यापुत्रजनेतिसखाय धन्वंतरियहचूर्णवताय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ उच्चटाचूरणकरैसुजान दुग्ध-साथनितकरेजुपान यातेंउतमयोगनजानो अपनेमनमोंनिश्चयठानो ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ शतावरी-उच्चटाचूर्णकीजै तप्तोदकसंगतांकोपीजै रोगनपुंसकतामिटजाय योगतरंगिनीमतजुवताय ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ वीजमर्कटीभषडेआन महीनपीसकरचूर्णठान श्वेतशर्करातांमोपाय दुग्धसाथनितचू-र्णखाय दशवाररमेनरनारीसंग यहयोगनजानोतुमहिजुभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ निस्तुषमाषद्विद-लकोंआने घृतलिपायकरदुग्धमोंठाने सिद्धकरेघृतशर्करापाय खावेनरवहुनारीरमाय ॥ अन्यच्च ॥ ॥ दोहा ॥ कंदविदारीपीसकेसुरसताहिकोपाय मधुघृतमेलचटायियेरोगनपुंसकजाय ॥ अथपूपका ॥ ॥ चौपई ॥ क्रौंचवीजलेकुडवप्रमाण चूर्णकरतिसलेएसुजान अर्द्धप्रस्थतिसमुदगरलाय अर्द्धप्रस्थपुन-तिलजुमिलाय कुडवएकगोधूमजुपावे शालीतंडुलकुडवरलावे सबकाचूर्णकरेवनाय कुडवएकघृ-ततिसमोपाय च्चीरसाथतिसगुंन्हसुलीजै घृतमोसुंदरपूपकाकीजै नित्ययथावलपूपकाखाय वृद्धपुरुष-सोयुवाकहाय

॥ अथरसालकरणविधिः ॥

॥ चौपई ॥ अर्द्धाढकदधिसुंदरआन अम्लमधुरनहिहोईस्यान प्रस्थप्रमाणखंडतिसपावे पलजुपंचतिसच्चौद्ररलावे घृतजुपंचपलहींतुमजानो सुंठीटंकएकतुममानो एलाटंकएकपरिमान कर्षएकतिसमरिचजुठान कर्षलवंगएकतिसपावे शुक्लवस्त्रसोंतासछनावे करतलसोंपुनमंथनकरे मृतकपात्रमोतासहिंधरे कस्तूरीचंदनकारसडार अगुरधूपतिसदेयसुधार लेत्रिसुगंधजुअवरकपूर चूरणकरतिसमाहिजुपूर रसालसुंदरलेजुवनाई भच्चणकरेजुमनचितलाई रचयोअपनेहितपरमेश्वर मन्मथदीपनकरैनरेश्वर कांताइवसुखकरेपियार याकेगुणयहकरेउचार

॥ अथवानरीचूर्णम् ॥

॥ चौपई ॥ क्रौंचवीजशतावरीलीजैं भषडेतालमषाणादीजैं वलाअतिवलाजुमिलाय यहसबचूर्णलेजुवनाय दुग्धसाथनिशिचूर्णखावे वहुनारीनरसोइरमावे ॥ अथलेहः ॥ चौपई ॥ स्वर्णमच्चीअरुगंधकआनो लोहचूर्णपुनपाराठानो हरडशिलाजितपायविडंग लेहकरैमधुघृतकेसंग वीसदिनोंतकचाटेजोइ रहेनिरंतरजानोसोइ वातरोगतिसअर्सीनाशे वृद्धपुरुषकोयुवाप्रकाशे रमेजोनारीवहुतिससंग यहऔषधतुमजानोचंग

॥ अथसुगंधितैलम् ॥

॥ चौपई ॥ मुष्ककपूरअगुरअरुवोल नडीशाकलाच्चापुनतोल सटीधातुकीपुष्परलावे सप्तपर्ण-अरुसरलमिलावे एलावालुकआनजुपाय अवरछलीरातासरलाय अवरलायचीकेसरमेल गोरोचनपु-नमांसीठेल दमनकमुथ्रवरोजालीजै जातिफलकंकोलजुदीजै अजगंधाजुसुपारीपाय अवरमोडेयोंतासर-लाय रेवंदकुष्ठउशीरलवंग जातिपुष्पअरुवालाचंग मृणालमर्कटीनखजोआने स्थौणाअरुजलवत्री-ठाने कर्कटशृंगीपद्मकपाय पालिकलजावंतिरलाय गुलाबपुष्पलेअवरमंजीठ यहवस्तूसबसमलेईठ

आढकतैलइनकेजलसंग मंदअग्निसिद्धकरेअभंग ताहितैलकोमर्दनकरे जराअवस्थापुनरुजहरे नारिनकोवहुहर्षवढावे युतिशुक्रयुतनरजुरहावे होवतखंडपुरुषवलवान वंध्यागर्भधरेजुसुजान कंडूश्वेतावि-चर्चिकाजोइ अरुदुर्गंधखुर्कहरसोइ अश्विनीकुमारकियोजुवषान लोकनकेहितसोतुमजान

॥ अथअश्वगंधघृतम् ॥

॥ चौपई ॥ अश्वगंधकाकल्कवनाय चतुर्गुणाअजाक्षीररलाय मंदअग्निसोंघृतजुपकावे सोघृतनित्यप्रतीनरखावे तांतेंवलतिसहोतप्रकाश अतिप्रेमकरेनरनारीतास अथमहाअश्वगंधघृतम् इकशतपल-असगंधकामूल शुभदिनशुभनक्षत्रमोतूल द्रोणप्रमाणजलपायपकावे अष्टभागरहेवस्त्रछनावे दोयशत-पललेछागलमास शुद्धकरीयहपावेतास प्रस्थएकगोघृतहिमिलाय गोदुग्धचतुर्गुणतासरलाय काकोली-अरुक्षीरकाकोली ऋषभजीवपुनसंगलेघोली ऋद्धवृद्धमहावेदजुमेद यहपावेपुनजानोभेद कौंचवीज-एलाजुमुलठ्ठ द्राक्षाजीवनीमघांइकठ्ठ सूर्यपर्णीलेदोयमिलाय वलाविदारीकंदरलाय अवरशतावरीता-मोपावे कर्षकर्षसववस्तुरलावे मंदअग्निसोंताहिपकाय वस्त्रछाणपुनपात्रधराय मधुशर्कराकुडवप्रमाण तासमोपावेचतुरसुजान कर्षप्रमाणनिताप्रतिखावे यथपिलतभोजनपाछैपावे क्षतक्षीणशिशुवावृद्धजो-होय वाक्षीणेंद्रियमांसहेजोय वलपुष्टीहोवतशीघ्रहितास आयुवधेपुनतेजप्रकास जोखावेतिसवंध्याना-री पुत्रप्राप्तहोयतिसहिविचारी खालित्यपलितवलीजुनिवार वातव्याधिसबदेतजुटार हृदयवस्तीकेरोग-हैजेते सोसबदूरकरेयहतेते जगहितजोअश्विनिकुमार महाअश्वगंधघृतकियोविचार

॥ अथजीवंतीघृतम ॥

॥ चौपई ॥ जीवंतीअतिवलाजुलेय काकोलीद्वयजीवकदेय यहसमभागजुवस्तुपाय अष्टगुणातिस-दुग्धमिलाय घृतवातैलजुसिद्धकरावे रोगनपुंसकतामिटजावे अनुवासनवस्तिकरेतिससंग नस्यकर्मवा-पानसुचंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मघाअवरलेकाकजुनासा घृतसिद्धकरेइनसंगजुखासा दुग्धअष्टगुण-पायपकावे पाननस्यतेंसुखउपजावैं

॥ अथवानरिगुटिका ॥

॥ चौपई ॥ कौंचवीजलेकुडवप्रमाण प्रस्थदुग्धमेंकरेपकान जवतकदुग्धजुगाढाहोय तवतकदुग्धमों-राखैसोय पाछैदुग्धसेंवारनिकार निस्तुषकरेजुताहिसुधार महीनपीसकरगुटिकाकरे पाछैतेंगोघृतमो-धरै द्विगुणशर्कराचासउठावे तापाछैमधूमेलवनावे स्निग्धपात्रमोधरेवनाय पंचटंकनिताप्रतिखाय सुख-सोनारीसंगरमाय वाजीकरणयहदियोवताय वाजीकृतपरमौषधजान अवरजुताहिसमाननमान

॥ अथकाममर्दनमोदकः ॥

॥ चौपई ॥ भषडेतालमषाणाआने असगंधशतावरीमुसलीठाने कौंचवीजमुलठ्ठीपाय नागवलाअ-तिवलारलाय समयहचूर्णकरेसुचंग दुग्धसिद्धकरेतिससंग सुंदरमावालेजुवनाय गोघृतमोतिसले-जुभुनाय मोदकमिसरीपायवनावै मोदकनित्ययथावलखावै वाजीकरणपरमतिसजान सबऔषधमो-श्रेष्टसुमान

॥ अथमोदकविधिः ॥

॥ चौपई ॥ चूर्णअष्टगुणदुग्धमेंपाय चूर्णसमतिसघृतहीभिलाय सबतेंदुगणीमिसरीपावे यहविधि-मोदकमेलवनावे ॥ अन्यच्च ॥ तालमषाणक्रौंचकेवीज अवरशर्करातामोदीज उष्णधारकेदुग्धसोंषाय वृद्धपुरुषसोयुवाकहाय ॥ चौपई ॥ श्वेतपुनर्नवाकोलेमूल मर्कटीमूलसंगतिसतूल अवरजुद्राक्षासंगरलाय महीनपीसपगलेपलगाय तांतेउपजेवीर्यमहान भोगकरेकलविंकसमान

॥ अथजीवंतीपंचकम् ॥

॥ चौपई ॥ जीवंतीअतिबलाजोलेय मेदापुनकाकोलीदेय जीवकदेयजुसारिवादोय हरडात्रिवीपुनमघांसमोय काकनासापुनपायकचूर स्वयंगुप्तातिसलेवेपूर सहचरसुंठीकर्कटशृंगी त्रिफलापृष्टपर्णीलेचंगी अर्जुनपिप्पलामूलरलाय पीससभीसमकल्कवनाय घृतवातैलमिलायपकावे अष्टगुणातिसदुग्धरलावे घृतवातैलसिद्धकरलीजै भोजनसंगरुजीकोदीजै शुक्रअग्निअरुवलजुवधावे वातपित्तअरुगुल्मनसावे पानकरेवालेनसवार ऊर्द्धजत्रुगदसबहीटार

॥ मुलठीचूर्णम् ॥

॥ चौपई ॥ मुलट्ठीचूर्णकरेसुजान घृतक्षौद्रसाथलेकर्षसमान पाछैदुग्धपिएपुनगाथ भोगकरेदशनारिकेसाथ ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अश्वत्थवृक्षकेफलजुमंगाय अश्वत्थवृक्षकेसुंगरलाय आम्रमूलकीत्वचासुचंग सिद्धकरेपयतासकेसंग पानकरेनितशर्करापाय वृद्धपुरुषसोयुवाकहाय ॥ दोहा ॥ रोगनपुंसकसोकह्योसभीभेदसंयुक्त तासचिकित्सासमझकेकरीस्वल्पसबउक्त ॥ दोहा ॥ रसपाकरसायणजोसभीआगेकरोंउचार बहुतचिकित्सातासमोसोसबलियोविचार ॥ दोहा ॥ पथ्यअपथ्यजोतासकेज्योतिषकासमुदाय अवरजुकर्मविपाकहीग्रंथमाहींसबगाय ॥ दोहा ॥ वाजीकृतजुविधानहैमैथुनकाजुविचार सोसबदेषोसमझकेआगेकियाउचार

॥ अथइस्त्रीशुद्धार्तवलक्षणम् ॥

चौपई दोषदुष्टरक्तहैजास उत्पतिसंततिहोतनतास शशारुधिरवतरंगसुजान अथवालाक्षारससममान वस्त्रचिन्हनहिलागेजिस्का शुद्धरुधिरतुमजानोतिसका ऐसोरुधिरहोतजिसनारी धारणगर्भकरेसुविचारी

॥ अशुद्धार्तवलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ वातपित्तअरुश्लेष्मकरऋतूदुष्टजिसनारि पूतिगंधिफुनिपूयसममज्जासमऋतुसारे ॥ चौपई इसविधलक्षणकहेनिदान तिसकीऔषधकरेसुजान ग्रंथमाहिसोदियोवताई सोसमझोअपनेचितलाई

॥ अशुद्धार्तवचिकित्सा ॥

चौपई श्वेतअगरुकाकरेकाथ अथवाचंदनरक्तकेसाथ उत्तरवस्तीकीविधिकरै दूषितऋतुमैशुद्धीधरे स्नेहादिकसबविधिजुकरावे कल्कपिचूपथ्यपानपिवावे इसप्रकारऋतुनिर्मलजान ग्रंथनमोसबाकियोवषान

॥ शुद्धवीर्यलक्षणम ॥

चौपई वलअरुवीर्यतेजप्रभाय आयुदीर्घजिसबुद्धिसमाय स्फटिकन्यायहोईवीर्यजास द्रावकअवरस्निग्धप्रकाश मधुरमधूजिससुगंधीहोई शुद्धशुक्रतुमजानोसोई तैलक्षौद्रकीआभाजास शुद्धशुक्रतुमजानोतास ऐसोशुद्धशुक्रहोईजिसका उत्पतहोतपुत्रनवतिसका पूर्वक्लीवनामजोकहै वीर्यदोषतजानसुलहे

॥ अथवाजीकरणविधिमाह ॥

॥ दोहा ॥ विधीजुवाजीकरणकीदेयोंतासवताय सोअपनेमनमानियोदेवोनाहिभुलाय षोडशव-
र्षजुअंतरैसत्तरतेंउपरंत नारीसेवननाकरेयहजानोवर्तंत षोडशवर्षतेंऊपरेसत्तरवर्षपर्यंत पुरुषजुसेवे-
नारिकोविधिविधानसंयुक्त अतिव्यवायनरजोकरैउपजैतावहुरोग शुष्करूत्तहोयकाशतिसपुनमूर्छाका-
योग कृशताअवरजुपांडुताहोवततासशरीर च्यीआदिजोरोगहैंसोसबजानोधीर जोव्यवायनर-
नाकरेएतेरुजतिसजान मेदवृद्धिप्रमेहरुजशैथिलकोमलमान ॥

॥ अथमैथुनविचारः ॥

॥ चौपई ॥ जिसस्थानस्थितअग्नीहोय अथवानिकटजोब्राह्मणजोय नदीकूलदेवालयमाहि
अवरचतुष्पथपरग्रहयाहि वनजोअवरभूमीश्मशान वर्जितएतेस्थानसुमान संक्रांतअमावसदिनसंस्का-
र मैथुनादिनकाकरेनिवार ग्रीष्मशरदजुज्वरयुतहोय व्रतसंध्याअरुश्रमयुतजोय इनमोमैथुनकरेजुनाहि
करेसुमूर्खनरजुकहाहि युवाअवस्थासंयुतजोय जरानव्यापतदेहुसोसोय वलअरुवर्णसंयुतनरजेऊ स्थि-
रअपनाचितजानेतेऊ ताहिसमेनरकरेविहार वलकृतवाजीक्रियाविचार वलअरुकामतेंसेवेनारी हिम-
ऋतूमेयहविधीविचारी शिशिरऋतुमेकरेविचार दिनदिनमेनहिसेवेनार शरदवसंतऋतूजोकहि ती-
नदिनामर्यादसुसहि ग्रीष्मअरुवर्षाऋतमाहि पंद्रांदिनमर्यादधराहि हिमंतशिशिरऋतुकेजुमंझार य-
थाकामनितसेवेनार शीतकालमोरात्रिमंझार ग्रीष्मऋतुदिनकरेविहार वसंतऋतूमेंदिननिशिकरे व-
र्षाऋतूयदवर्षापरे सरदकामयदकरेक्लेश दिनवारात्रीधरेप्रवेश संधिसमेअरुपर्वकेमाहि नारीसेवनकरेजु-
नाहि अर्द्धरात्रदिनमध्यविचार गोसर्गकालनहिकरेविचार इनतेंभिन्नसमाजोविचारी सेवनकरेजुसुंद-
रनारी सुंदरदेशमनोहरजान अवरअंगनाकरैजुगान गंधसुगंधमनोहरवायु ताहिदेशमेवधेजुआयु गु-
रुजनकीयहांलज्जांहोय तहांविहारकरेनहिकोय लज्जात्रिषेजोकरैविहार ताहिकोउपजैवहुतविकार ग्ला-
निअवरकंपतनधरे दुर्वलतामंदअग्नीकरे धातूइंद्रियवलच्यहोई च्यिवृद्धउपदंशहैजोई एतेरोगजुउ-
पजितजान अवररोगदुर्जयजुमहान अकालमरणतिसनरकाजाने समयकालजोनाहिपछाने

॥ अथवर्जितइस्त्रीवर्णनम् ॥

॥ दोहरा ॥ मलिनअकामरजस्वलाअप्रियवृद्धाहोय वर्णवृद्धजोनारिहैव्याधीपीडतजोय ॥
हीनांगीअरुगर्भिणीवैरीनारसुजान होवतयोनीरोगजिसनारीत्यागनमान गुरुपत्नीसंन्यासिनी-
अपनेगोत्रकीनार इतनीनारजुत्यागिएअपगुणवहुतविचार ॥ चौपई ॥ जोसेवेजुरजस्वलानारी
अपनाधर्मसुदेतविगारी आयुघटेहोयतेजकीहान गमनरजस्वलायहगुणमान गुरुपत्नीसंन्यासनीजान
अवरस्वगोत्रानारीजान अवरजुवृद्धानारीजोय पर्वकालसमासंधीहोय इनमोंगमनकरेनरजोऊ जीवत-
च्यतुमजानोंसोऊ गमनकरेजुगर्भणीनार उदरपीडतिसनारिविचार गमनकरेजुव्याधितनुनारी वलच्-
यहोतजुदेषविचारी हीनांगीअरुमलिनजुहोय अवरद्वेपनीनारहैजोय इनमोंगमनकरेजोजाहिं पर्वकाल-
देवालयमांहिं शुक्रचीणतिसनरकाहोय अवरग्लानमनजानोसोय ॥ दोहा ॥ संधिकालअरुश्राद्धदि-
नपुनसंक्रांतविचार अवरसूर्यपरकाशमोंनहिसेवेनरनार आयुवृद्धतिसहोतहैठीजोग्रंथवताई सोअपने-
मनमानियोदेवोनाहिभुलाई नारीजोइरजस्वलादिनचौथातिसजान सोसेवेजुनिसंगहीकछूनमानेहान

क्षुधितअवरक्षोभितजुहैतृषितालनिर्बलमान सोसेवितजबनारिकोस्थितीशुक्रकीहान अवरजुदिनमध्या ह्नमेमैथुनकाकरेयोग वातकुपिततिसहोतहैअवरप्लीहारोग होवतमूर्छातासकोमृत्यूकरेसंचार ऐसामन- मोंजानकेमैथुनकरेविचार अर्द्धरात्रअरुप्रातमैमैथुनकरहैजोय कुपितहोततिसदोषहींवातपित्तसमदोय तिर्य्यगयोनीजोकहीअवरअयोनीजान दुष्टयोनितुमजानियोमैथुनातिन्हेनमान मूढभावसेनरजोकरेरुज उपदंशप्रगटात सुषशुक्रक्षयहोतहैकोपकरततिसवात ॥ चौपई ॥ मूत्ररोधअरुधारेवीर्य उतानशायीक- रेमैथुनधीर्य शुक्रअस्मरींतिसप्रगटात यहनिदानतुमजानोख्यात दोहा अपनाहितजानकेमैथुनकरे- विचार जोव्यवायमोंनिष्टहैत्यागदियेमतिसार चौपई ॥ उपस्थितहोतशुक्रजिसनरको धारणकरेनही- तबतिसको मोहभावतेंधारेजोय एतेरोगप्रगटतिसहोय शूलकासज्वरअवरजोश्वास कृशतापांडूक्षयी- प्रकाश अतिव्यवायकरेनरजोई आक्षेपादिकरुजतिसहोई अतिभोजनकरनरइकजान धीर्यरहितपुन- इकनरमान रोगयुक्तअंगजिसहोय तृषायुक्तपुनजानोसोय बालकअवरवृद्धनरजानो उग्रवेगयुतनरहि- पछानो यहनरग्रंथकहेसबतेते मैथुनत्यागकरेसबएते स्वस्थचितपुनसमाविचारी मैथुनपुरुषकरेशुभनारी शुभस्नानचंदनपुनलेपे कुसुमसुगंधिअंगमोंरोपे बलकृतभोजनकरेविचार सुंदरवस्त्रअंगमोधार सुंदरवे- षअलंकृतहोय तांबूलपानमुखधारेसोय सुंदरशय्यालजुवनाई सुषसंयुततिसवैठेजाई अधिककामज- वकरेकलेश नारीतनुपरधरेप्रवेश युवाअवस्थागुणअरुरूप तुल्यशीलकुलजानोभूप अतीकामयु- तकरेजुवात भूषणवस्त्रपहिरकेगात ऐसीनारीनरहींसेवे वाजीकृतविधकरहींलेवे मनप्रसन्नअतिकाम- सुजान मनप्रसन्ननारीकामान घृतअरुक्षीरशर्कराजोय इनसंयुतकरेभोजनसोय मधुरस्निग्धजोभो- जनखावे वुटनातैलजुअंगमेलावे उष्णशीतजलकरेसनान पुष्पगंधअरुभूषणमान सुंदरशय्यामु- खधरेवास तातेंहोवतकामप्रकाश यहविधसेवनकरेजुनार रोगकछूनहितासविचार ताहिसमेनरकरेजु- भोग क्षीरशर्कराखायसंयोग भोगकरेपुनकरेस्नान क्षीरशर्कराकरेजुपान वाकलुभोजनसुंदरकरे मैथुन- कालसमानमनधरै शयनसमेकीशोभाजोई व्याधिनाशविधऐसीहोई

॥ अथवीर्यस्तंभनम् ॥

॥ चौपई ॥ अष्टअफीमलियोतुमसजन तिसमोंपाराकरोबिमर्दन तिसमोंकनकवीजरसपावो फुनिमर्द- नकरिबिजयापावो सबवस्तूसमसितामिलाय घृतमधुसेंतिसवटीवनाय टंकप्रमाणवटीजबखावै दिवस रैनमोंचैननपावै वीर्यस्तंभहुवानहिगिरे पुनिपुनिनारीपीछेफिरे ॥ अन्यच्च दोहा ॥ जातीफलमृतताम्र- अरुफुनिकरहाटलवंग सुंठकंकोलकेशरकणाहरिचंदनसबसंग अहीफेनमृतअभ्रतवसबकेसमहीडार सभीवस्तुएकत्रकरऔषधकरोसह्मार इसवटिकोभक्षनकरैनारिरमैजोकोइ इसऔषधपरभावतेंवीर्यपात- नहिहोइ चौपई पीसतडोडेसुंठिआन षोडशभागक्वाथकरठान गुडसंयुतनिशिपीवेजोइ तिसकावीर्यपात- नहिहोइ जवषटिआईभक्षणकरे वीर्यबिंदुतवतिसकापरे अन्यच्च दोहा पीसतडोडेएकपलसुंठीकर्षप्र- माण दोपलसितामिलायकैचूर्णकरेमतिमान इसचूर्णभक्षणकरैरमैंनारिसोंजोइ निश्चयवीर्यतंभहुइ- सुखपावैनरसोइ ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सूरणकंदअरुअलसीमूल इनदोनोंकोकरसमतूल पानपत्र- सोंखावैजोइ निश्चयवीर्यतंभतिसहोइ ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ शिंगरफचतुर्जाततिहिठान अरुलवंग- सितचंदनआन जातीकेसरकृष्णामरच अकरकराअहिफेनसुचर्च कस्तूरीकरपूरमिलाय सबवस्तूस- मभागरलाय सबसमविजयामिसरीपावे बैरसमानगुटीजुवंधावे भोगपुरंदरगुटिकानाम योगतरंगिणी-

कियोवषान जोनरसेवनकरैसुइसका वलअरुमासवढावैतिसका चटकपच्छिसममैथुनकरै वीर्यस्तंभहु-वानहिटरै ॥ दोहा इसऔषधपरभावतेंविकलेंद्रियनहिहोइ वारवारमैथुनकरेचैननपावैसोइ ॥ अन्यच्च चौपई अहीफेनलेपलपरमान आढकदूधमोताहिपकान चतुर्जातजातिफललेय जलवत्रीजुलवंगहिदे-य त्रिकुटाअकरकराअजवान वकमकंकोलचंदनसोजान केसरकस्तूरीकरपूर इनवस्तूकाकरोजु-तूर भिन्नभिन्नलेकर्षप्रमान कस्तूरीदोइमासेठान तिहिकपूरदोइमासेपावे अठपलखंडकीचासवनावे सबवस्तूकोचूरणकरे भिन्नभिन्नसबतिसमोधरे फुनिरलायमोदकवनवावे शुद्धपात्रमैताहिधरावे वहुव-लकरमोदकयहजान वलअनुसारसेवैमतिमान देहपुष्टियहमोदककरै रतिमोप्रीतिवडीपुनिधरै पां-डूश्वासकासक्षयजान शूलमेहअरुव्रणअमहान इनरोगोंकोमोदकनाशै मंदअग्निकोफुनिपरकाशै अनंगमेखलामोदकनाम शिवजीकह्योपरमसुखधाम ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मुस्ककपूरसुहागापा-रद समसबलीजोमतीविशारद मुनिरसमधुसेंघर्षणकरे लिंगलेपइकपहरजुधरे लेपधोइफुनिमै-थुनकरही शतअंगनासेकभीनटरही वीरजथांभेभलीप्रकार नागार्जुनयहकस्योविचार ॥ अन्यच्च ॥ ॥ सोरठा ॥ सितशरपुंखामूलविंधिसेलीजैवैद्यवर कन्याकर्त्तितसूततिससोंवांधेकटीजुनर सुंदरि-भोगेनारिवीर्यविंदुनहिगिरसकै फुनितिसकरैतियावीर्यगिरेततकालही ॥ अन्यच्च ॥ दोहा ॥ कृष्ण-धतूरकेवीजलैसमजातीफलतोद स्वेतकनेरकिमूलत्वचअकरकराअजमोद वीर्यस्तंभतिसपुरुषकोनि-श्चयहोइसुजान योगतरंगिणिग्रंथमोवृहतकियोव्याख्यान ॥ अन्यच्च ॥

शिवलिंगिकोवीजअरुपारदवृश्चिककंट तीनवस्तुएकत्रकरपूगिफलमोडंट तांवाचांदीस्वर्णअरुइनमें-लियोमढाय रतिमोराखेजीभपरतिसवीरजनहिजाय अन्यच्च चौपई ॥ कमलवीजमधुसाथपिसावै ति-सकोलेपनाभिमोलावै लेपरहैयावतपरमान तावतवीर्यथंभहीजान लेपधोयफुनिमैथुनकरै तिसी-कालतिसवीर्यपरै वीर्यकोराखेसोमतिमान योगतरंगिणीकियोवषान ॥ अन्यच्च ॥ दोहा ॥ लाजा-वंतिकेमूलकोंगौकेदूधसोंपीस पादलेपजोनरकरेतिसवीरजनहिखीस अथवावकरीदूधसेंलेपकरैम-तिमान वीरजत्यागैवहुतचिरग्रंथमोकियोवषान ॥ अन्यच्च ॥ कुसुंभवीजकेतैलकोपगलेपैजुसुजान वीर्यथंभतिसाचिररहेरतिमैहोयनहान ॥ अन्यच्च ॥ दोहा ॥ मीनकमजालेयकरपांदमैलेपकराय तिसवी रजाचिरथिररहैतातकालनहिजाय ॥ अन्यच्च चौपई ॥ श्वेतरंगकातालमखानो पुष्यनक्षत्रमोंतिसआनो रक्तसूत्रसेंवांधैकटिमै तिसकोवीर्यगिरैनहिझटिमै ॥ अन्यच्च चौपई ॥ चिट्टातालमखाणालेहि वटवृक्ष-क्षीरसेपीसैतेहि करंजुवीजमध्यतिसकोधरै फुनितिसफलअपनेमुखकरै ॥ अन्यच्च चौपई ॥ लालरंग-पुटकंडाहोई सोमवारअभिमंत्रैसोई प्रातसमेंमंगलमोंपूटे कटिवांधेवीरजनहिछूटे ॥ अन्यच्च चौपई ॥ वनसूकरकीदक्षिणदाढ सूत्रसंगतिसकटिमोठाढ फुनिनारीसोकरेजुभोग वीरजथंभकरैयहयोग दोहा कृकलेकीपुछआनकेअग्रभागतिसलेय प्रेतवस्त्रकीतंतुसंगवेष्टितकरेजुतेय छोटीअंगुलीपैरकीतासमोधा-रेजोय मैथुनकरेजोनारिसोंवीर्यथंभतिसहोय ॥ अन्यच्च चौपई ॥ चटकपच्छिकेअंडमंगाय माषनसंग-तिसलेजुपिसाय महीनपीसपगलेपलगावे वीर्जथंभतिसकाहोइजावै जवलगभूमीपगनहिधरे तवल-गवीर्यतासनहिगिरे ॥ इतिवीर्यस्तंभः ॥ अथभगसंकोचनम् ॥ दोहा ॥ मोचरसअरुआमलेफटकडि-मांइआन सूक्ष्मपीसवटिकाकरैतिसकोभगमैठान भगसंकोचतिसहोयतवग्रंथकह्योमतजोय फुनिप-तिसोंनारीरमैवहुसुखदेवैसोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई उत्पलऔरकमलजोलेही अजादूधसोंपीसैतेही सुं-

दरतिसकीवटीवनावै तिसीवटीकोभगमैपावै नवप्रसूतजिसनारिकुंहोई पुनिकन्यासमजानोसोई अ-न्यच्च ॥ चौपई ॥ भांगलियेतिसपोटलिकरै तिसकोनारियोनिमोंधरै एकपहिरतिसकोपरमान कन्या-केसमतिसभगजान ॥ अन्यच्च ॥ दोहा ॥ जातीफलअहिफेनअरुदालहरिद्राआन तीनोंकेसबमंगलै-तिह्मडीखखराठान तिसकीवटीवनायकरभगमैराखेजोय योगतरंगिणिमोकह्योभगसंकोचैसोइ अन्यच्च दोहा किंकरकीफलिलेयकेसूक्ष्मचूर्णकरेय दाडिमत्वचपुनिचूर्णकरदोनोइकत्रधरेय आंडलरससेंभाव-नादेयघर्ममैजोय चाररतीपरमानतिसभगमैराखैसोय ॥ सोरठा ॥ दसप्रसूतजिसहोयएकपहरराखैइसै कन्यासमफुनिसोययोगतरंगिणिमोकह्यो ॥ अन्यच्च चौपई तिंभडीकोखखरालैजोय उसकेजलसेंभग-कोंधोय पहिलीऔषधिजोगुणकहे सोगुणसबइसमैफुनिलहे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मोचारसकोचूरण-करै तिसचूरणकोंभगमेंधरै स्वल्पकालतिसकोगुणजान भगसंकोचकह्योमतिमान ॥ अन्यच्च ॥ दोहा ॥ कटुतुंबीकेबीजलैसमहीलोधरठान सूक्ष्मचूर्णकरायकैभगलेपैतिसजान नवप्रसूतजोनारिहैकन्यासम-करेतास योगतरंगिणीग्रंथमोऔषधकरीप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ दोहा ॥ तुंबीकेदललोध्रअरुदोनोकोसम-लेय सूक्ष्मतिन्हकोंपीसकरभगमोलेपकरेय नवप्रसूतहुइनारिजोफुनिकन्यासमजान लेपनकेपरभावतें-ग्रंथमोकियोवषान ॥ अन्यच्च चौपई त्रिफलाअरुधांईकेफूल जंबूत्वचअंबगिरीसमतूल पीसइन्हैभगले-पैजोय फुनिकन्यासमतिसभगहोय ॥ अन्यच्च ॥ आमलेकीत्वचकाकरकाथ भगधोवेतिसकाथकेसाथ वृद्धनारियुवतीमसरतै भगसंकोचजायनहिंखतै ॥ अन्यच्च ॥ दोहरा ॥ नागदमनिअसगंधअरुहलदी कुठसुआन सबवस्तूसमभागधरनीलोफरफुनिठान जलसोपीसैसूक्ष्मकरलेपकरैभगमाहिं निश्चयभग-संकोचहुइइसमोसंशयनाहि ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ भद्दफलकारसनिकसाय तिलकोतैलतासमोपाय तीसरवारभगलेपजुकरै विस्तृतभगसंकोचफुनिधरै ॥ अन्यच्च चौपई ॥ देवदारुदोइहलदीलेय कमल-फूलकोकेसरदेय इन्हकोलेपकरैभगजोय परमसंकोचधरैफुनिसोय अन्यच्च चौपई ॥ रुंवलफलपलाश-फललेय दोनोंकोसमभागहिदेय सूक्ष्मचूर्णकरैतिसजोय तिलकोतैलमिलावैसोय फुनिमधुसेंतिस-मिश्रितकरै तिसकोलेपयोनिमोधरै गाढहोयजोनीतिसजान योगतरंगिणिकियोवखान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई इंद्रगोपकोचूरणकरै तिसचूर्णकोभगमैधरै हस्तिनिभगसंकुचयहजान निश्चयग्रंथकह्योपरमान अन्यच्च चीजवहाटीडट्टूटनांण इन्हतीनोकोसमकरआन सूक्ष्मचूर्णतिलतैलसुपाय तिसीतैलसेयोनि-लिपाय भगसंकोचहोएतिससाथ भिन्नभिन्नफुनिकह्योजुगाथ ॥ इतिसंकोचनम् ॥

॥ अथलिंगवृद्धिकरणम् ॥

॥ दोहा ॥ लघुअरुसूक्ष्मलिंगनेनारीतृप्तिनपाय मनमोहर्षनहोइतिसथूलीकरणउपाय ॥ चौपई ॥ काहीमाटीअरुअसगंधः लोधरगजपिपलीसमसंधः इनवस्तूंसेंतैलपकाय उसतैलसेंलिंगलिपाय ॥ दोहा ॥ लिंगस्तनफुनिकर्णभगचारोंकीवृधिजान इसीतैलकेलेपसेंग्रंथसुकियोवषान ॥ अन्यच्च ॥ दोहा सैंधालूणसिवालअरुकमलनिकेदलआन भल्लातकफलडारपुनिकंड्यारीफलजान सबवस्तूसम-भागलेसूक्ष्मचूर्णकराय महिषीकेनवनीतमोंसबहीदियोरलाय पुनिअसगंधामूलमैमाखनपावोसोइ सातदिवसउसमेरहैतवऔषधिसिधहोइ पहिलेंमाहिषिपुरीषकोलिंगउद्वर्तनजान आदरसेंफुनिलेपकर-औषधकोमतिमान ॥ चौपई ॥ खरअश्वहाथीलिंगसमान तिसनरकोलिंगलेपतेंजान जासमऔषधऔ-रनजानो योगतरंगिणीमतहिपछानो ॥ अन्यच्च ॥ दोहरा ॥ अश्वगंधकोमूललैधतूरेरससेंपीस

महिषीकेनवनीतसोंफुनिहीमिलावोतीस फुनिधतूरफललेयकेतिसकेबीजनिकास तिसकेमध्यजुऔषधीधरोसातदिनतास ॥ चौपई ॥ फुनिमहिषीकोगोबरलेय लिंगउद्वर्तनतिसोकरेय फुनिऔषधकोलेपनकरै निश्चयलिंगस्थूलताधरै भगदलनेकोहुइसमर्थ योगतरंगिणिकह्योजुतत्थ फुनिनारीमोंरमैजुजाय हर्षबढावेप्रतिदिनसोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ क्षुद्रातगरपिप्पलीमर्च सेंधालूणताहिपुनिवर्च सितपुटकंडायवतिलआन द्राचाश्वेतसर्षपाटान अश्वगंधअरुमाषजुलेय सभीवस्तुकोंसमकरदेय सूक्ष्मचूर्णकरोमतिमान चौद्रमिलायलेपतिसजान स्तनभगकर्णलिंगहुइवृद्ध राजमार्तंडकह्योयहसिद्ध वृद्धलिंगसेंहर्षैनारी सुघडवैद्ययहकह्योविचारी ॥ अन्यच्च सवैया ॥ बलाअरुनागबलाफुनिकुष्ठवचागजपिप्पलिताहिमोजांनो लेअसगंधकनेरपुनीसबवस्तुकोभागसमानहिंठानो लेसबवस्तुकोचूर्णकरेनवनीतमिलायकेलिंगलिपानो सूक्ष्मलिंगमुहूरतएकमोंअश्वकेलिंगसमानवषानो ॥ अन्यच्च चौपई ॥ जातीरसमनशिलकुष्ठआन त्रिकुटाटंकणताहिमोठान सभीवस्तुसमभागजुलेय सूक्ष्मचूरणतासकरेय तिलकेतेलसुचूर्णमिलावै लेपकियेलिंगवृद्धिसुहावै ॥ इतिलिंगवृद्धिकरणम् ॥

॥ अथयोनिद्रावणम् ॥

॥ दोहा ॥ जितनाचिरनरसेंप्रथमनारीद्रवनहिहोय तितनाचिरफलभोगकोनरपावैनहिंसोय इसैहेतुमतिमाननरकामकलापरवीन यतनकरैबहुभांतिकेग्रंथनकोमतचीन ॥ चौपई ॥ मालतिसंभवरसलैजोय भगलेपैबहुद्रवेजुसोय अथवामधुकपूरअरुपारद भगमोधरैसबुद्धिविशारद मघामिरचशुंठीकोचूरण शहितमिलायकरैभगपूरण प्रथमपुरुषसेंद्रवहोईसोई औषधिकोपरभावजुहोई ॥ दोहा ॥ तीनयोगइसमोकहोभिन्नभिन्नकरजान ग्रंथवृद्धिकीभीतिसेंकियोनबहुविख्यान अन्यच्च चौपई मुसककपूरखैरकथलेय शुक्तिमांसकेस्वरसमोदेय वटीवनावैचणकप्रमान एकवटीपुनिभगमैठान प्रथमपुरुषसेंनारीद्रवै प्रीतिबढैसुषपावैतवै तवहिभागफलतिसकोहोइ योगतरंगिणिमोकह्योजोइ ॥ अन्यच्च ॥ चौपई सेंधालूणसहितअरुफटिका इन्हसेंलिप्तलिंगहुइजिसका भोगसमैनारितिसद्रवै संशयनहिइसमोकछुतवै ॥ अन्यच्च ॥ सोरठा ॥ शुद्धजुपारदलेयमालतिरससोंपीसनिस भगमोराखैतेयशीघ्रनारितिसतेंद्रवै ॥ अन्यच्च चौपई ॥ बिंबाफलअरुमधुसिंधूर सबमिलायकरकेभगपूर पहिलपुरुषसुंनारीद्रवै हर्षबढैसुषपावैतवै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पारदटंकणमुष्ककपूर इन्हतीनोकोसमकरतूर मधुमिलायलिंगलपैजोय तियकोंरतिमोद्रावैसोय इसहिवस्तूमोकुष्ठमिलाय धतूररससेंलिंगलिपाय तिसकीमाहिमाकहीअपार तियकोंद्रवितकरैवहुवार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ टंकणलेयखरलमोधरे अगस्त्यपत्ररसतिसमोपरै मधुघृतपायसुमर्दितहोय लिंगलेपतियद्रावैसोय ॥ अन्यच्च ॥ दोहा ॥ चिंचणिफलअरुजीर्णगुडव्योषचूर्णपुनिठान सबवस्तूसमभागलैमधुसोंकरैमिलान रात्रिनमैलिंगलेपकरभोगकरैनरजोय प्रथमनारिद्रावितकरैआपद्रवैनहिसोय ॥ अन्यच्च चौपई कालेमरचधतूरकेबीज पिपलिलोधरसमसबचीज सूक्ष्मचूर्णकरैमतिमान मधुमिलायलिंगलेपसुजान भोगसमैनहिहरषैजोय तिसतियकोंहर्षावैसोय कामयुद्धमैकभीनहारै योगतरंगिणिग्रंथपुकारै अन्यच्च चौपई इंद्रावारुणीपत्रजुलेय तिन्हकोस्वरसखरलमोदेय पुनिपारदकोधरतिसमाहि रक्तकणेरकाष्ठमेताहि वारंवारविमर्दितकरे तिसकोलेपलिंगमोधरे भोगसमैभगद्रावैसोय योगतरंगिणिकहियेसोय ॥ अन्यच्च ॥ पूर्वकहींवस्तुसोलेय टंकनभूनतिसीमोदेय पानपत्रपुनितिसमोडार योनिद्रावयहकह्योअपार ॥ इतियोनिद्रावणम् ॥

॥ अथलिंगवृद्धयादीनांप्रयोजनमाह ॥

॥ सोरठा ॥ तिसकोविषयसमानजोनरजानैरमैनव सुखसंपदतिहिजानभिन्नविषयमोशत्रुता ॥ चौपई मृदुअरुह्रस्वलिंगजिसहोय शक्तीहीनद्रुतद्रवैजोसोय नारीकठिनरहैजिसमाहि नीचरतीकविवर्णिततताहि नीचरतीउद्विग्नजुनार पुरुषसोंवैरकरेजुअपार भद्रकरणाटदेशयहवात तियनेपतिअपनोकियोघात महाराष्ट्रअरुकोशलदेश जिसतिसकोअधिकारविशेष द्राविडऔरदेशमोकही दुष्टनारिसोकीनोसही ॥ चौपई ॥ सारहीनयहजगतपछानो तिसकेवीचसारइसमानो हरिणनेत्रसमदृगजिसनार तिसकेसंगसुखपरमअपार तुल्यपियाकेसंगजुभोग ब्रह्मसौख्यसमवर्णयोयोग जिसकीजातिनजानैजोय नानाभांततियाजिसहोय कामकलासेंजोनरहीन तिसनरकोपशुकेसमचीन तिसकीजातीचारप्रकार पद्मिनिचित्रिणिशंखनिनार हस्तिनिसहितचारसबमान अवरक्रमसेंभिन्नलक्षणजान

॥ अथपद्मिनीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ प्रीतियुक्तलघुमृगसमनयना पूर्णचंद्रसममुखशुभवयना पीनऊंचकुचप्रेमयहजिस्को मृदुशिरीषसमतनुफुनितिस्को स्वल्पअहारकरेनितसोय कामकलामहिचातुरहोय विकसितकमलगंधजिसकाम लज्जावतिबहुमनकोधाम ॥ दोहा ॥ स्वर्णकमलसमकांतिजिससुरपूजनमोध्यान विकसितकमलकेतुल्यमुखहंसशब्दतिसजान हंसवधूसमगमनजिससुंदरवेषसुधार मध्यतीनवलियुक्तजिसशुक्लवस्त्रमोंप्यार सुंदरग्रीवशुकनासिकासबअंगसुंदरजान लक्षणपद्मिनिकेसभीग्रंथसुकियोवषान ॥ इतिपद्मिनीलक्षणम् चौपई ॥ कंठलगायअलिंगनकरे फुनिअंगनमोकरनखधरे गंडनितंवपृष्ठअरुपास उदरमोंनखदेकरपुनिहास अधरखंडदांतोंसेनरवर चुंबललाटसबअंगनकरधर रोमहर्षतिसतियकोहोय प्रतिपदातिथिमोकह्योहिसोय कामसबुद्धहोयतिसनार योगतरंगिणिमोविस्तार दूजचतुर्थिपंचमीजान इन्हतिथिमोतिसमैथुनमान कामवोधइन्हमोतिसहोय स्वल्परीतिसेंवर्णयोसोय ग्रंथवृद्धिभयतेंनवखांनो यथाबुद्धिसबहीपहछानो

॥ अथचित्रिणीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ सूक्ष्मअंगगजकेसमचले शिल्पगीतजानैसबभले चंचलनेत्रशरीरसमान नाहिवडोनहिछोटोपछान स्वरमयूरकटिसूक्ष्मजोई पुष्टश्रोणिथलकुचजिसहोई सूक्ष्मजंघाहोवततास मधुरगंधजलकामप्रकास उोष्ठजासकेउन्नतवाहि वहुतप्रेमचितजानोताहि कामकोशतिसशुष्कहिजानो रोमसहितफुनिताहिपछानो मध्यतेंकोमलअतिकरजाय वर्तुलाकारप्रफुल्लतहोय रतीसमेजलसंयुतजेऊ कामकोशविधजानोतेऊ अलकाश्यामभृंगवतजास शंखन्यायहोइग्रीवातास उपभोगमेंप्रीतिअधिकलखावे अल्परुचिरतीकामसुहावे अशक्तिवतितिसकोतुमजान चित्रणीलक्षणइसविधमान ॥ दोहा ॥ ग्रीवाप्रेमतेजासकीपकरेनरहिसुजान चुंबनअधरहितासकेकरैप्रेमअतिमान स्थाननितंवहिनखनकरलेखनकरेनरसोइ षष्ठीतिथिमेजाहिविधक्रीडाचित्रणीहोई ॥ चौपई ॥ अतीप्रेमकरकंठलगाय अंगुलीकरतिसनाभिलिखाय देषउोष्ठजलसंयुनजास ग्रहणकरेकुचयुग्महितास ताहिसमेकरेभोगअपार बुद्धिमाननरजीतेवार अष्टमीतिथिकीविधजुवताइ चित्रणीप्रमकरेअधिकाई ॥ चौपई ॥ स्तनमध्यकरणपुनऊरूजानो मदनकोश-

कच्चपृष्टपछानो अपनेहाथकरकांतहेजोय नारीकेनरमर्देसोय अंगुललीकरग्रीवापुनतास लिखनकरे-नरह्वोजुप्रकाश मस्तकचुंवनकरहेजोय दशमीतिथकीविधयहहोय ॥ चौपई ॥ गंडस्थलअरुअधरहिजा-ल चुंवनतेंकरेप्रेमप्रकाश कर्णअवरश्रोणीथलजोई नखप्रदानकरेइनमोसोई नेत्रपलककपोलस्थान संघ-र्षणकरेकुशलमहान द्वादशीकीयहविधजोवताइ चित्रणीकामनअतिहर्षाइ इतिचित्रिणीचंद्रकलानिरू-पणम्

॥ अथशंखिनीलक्षणम् ॥

॥ दोहरा ॥ शंखनीलक्षणकहितहूंअनंगरंगअनुसार यातेंतासकेजानियोभावाभावअपार ॥ चौपई दीर्घबाहुसिरकृशजिसजानो भारीदेहजुतासपछानो दीर्घपादयुगतासकेहोय स्थूलकटीपुनजानोसोय तनुजोसूक्ष्महोवतजास कोपसहितपुनजानोतास क्षारविगंधजुगुह्यस्थान स्मरजलकरकछुसांद्रसुमान रोमसहितअरुनिम्नहेजोय यहविधगुह्यस्थानकीहोय कुटिलदृष्टितिसकीतुमजानो शीघ्रगतीतिसगमन-पछानो तप्तगात्ररहेनितजोई भोगसमेनखक्षतकरेसोई कामातुरनितबहुतिसजानो संतोषकभीतिस-नाहिपछानो भोजनवहुतनहींनितखाय नित्यरहिततिसपित्तसुभाय पुष्पमालअरुवस्त्रजोलाल बहुकरे-जिनकीनित्यसम्हाल दयाहीनतिसजानसुभाय निंदाचुगलीबहुतिसभाय घुरघुरकंठरूक्षस्वरजोइ शंखनीलक्षणजानोसोई पीतवर्णमनदुष्टसुजान शंखनीलक्षणकरेवषान

॥ अथशंखिनीचंद्रकलानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ तृतीयासप्तमीजानियांअवरचतुर्दशीजोई इनतिथिमोकरेशंखनीप्रेमअधिकसुनसोई ॥ चौपई ॥ भुजसोंदृढआलिंगनकरै तासअधरपरदंतसुधरै नखक्षतअतिभुजमूलकेमाहि क्रेयथेछितअतिशयताहि कुचतटमर्दनकरेजुदोई तृतीयातिथिकीयहविधहोई यहविधभोगकरेजुवि-चारी वशवर्तिहाततवशंखनीनारी ॥ दोहा ॥ वक्षकपोलगलकर्णहीअवरजुपदयुगजान नखदा-नकरेइनप्रीतियुतअवरकरेमुखपान मदनकोशंअतिभोगतेंभग्नकरेनरजोइ सप्तमीतिथिमोयहविधी-शंखनीद्रावैसोइ चुंवनअधरहितासकेदृढयुतकरेसुजान रसधारेअतिवेगसोंयोनिमध्यमतिसमान लेखनकरेजुनखनकरसर्वशरीरहिजोई तिथिचतुर्दशीयाहिबिधशंखनीवसतिसहोई लिखनकरेनखसा-थहीशिरअरुअधरहिजास ग्रहणकरैकुचताहिकेकपोलहिचुंवततास इनतिथमोनरयाहिविधद्रवेशंख-नीनार मनोभवजागेतासकोसंशयनाहिविचार ॥ इतिशंखिनीचंद्रकलानिरूपणम् ॥

॥ हस्तिनीलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ स्थूलशरीरहिजानियोंपिंगलकेशपछान क्रूरचित्तवहुभोजनीलज्जारहितसुमान अंगु-लीकुटलहेजासकीगौरवर्णहेजोय ह्रस्वचरणतिसजानियोग्रीवानिमनजुहोय हस्तीमदजलगंधहीरति-जलकीतुमजान अतिशयमंदजुगामनीदुःसाध्यभोगमेमान गद्‌गदवाणीतासकीस्थूलस्तनहेजास हस्तिनीलक्षणमानियोकहेजुग्रंथप्रकाश ॥ इतिहस्तिनीलक्षणम् ॥

॥ अथहस्तिनीचंद्रकलानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ मदनकोशहितमर्दनकरे नाभिमूलपुनकरतिसधरे चुंवनअधरकरेपुनतास नखकरपार्श्वदेश-लिखेजास ॥ दोहरा ॥ हस्तिनीकेकुचहाथकरढकेजुनरहिसुजान नवमीतिथिमेयाहिविधहस्तिनीकोव-समान ॥ चौपई ॥ चुंवनयतनकरेनरतास नखक्षतकक्षकरेजुप्रकाश कामसदनमोक्रीडाधारे तिथिचतु-

दर्शीविधहिंविचारे इसविधक्रीडाकरेजवकोइ हस्तिनीनारीवशतबहोइ ॥ चौपई ॥ नानाविधको-लिंगनकरे चुंवननानाविधमनधरे कचऊरुस्तनमंडलजास दयाहीननखचतकरेतास कामागारमो-तिस्नेहजोई धारणाकरेजुनरविधसोई तांतेंरतिजलत्यागेनार दर्शपूरणतिथविधहिविचार इसविधय-तनकरेजुसुजान हस्तिनीनारीवसतुममान

॥ अथपद्मिन्यादीनांसंतोषतिथयःकथ्यंते ॥

॥ दोहा ॥ चतुर्थीद्वितीयाप्रतिपदातिथीपंचमीजोय भोगकरेनरपद्मिनीअधिकप्रीतितिसहोय दोहा ॥ षष्टीअष्टमीद्वादशीदशमीएकपछान इनमोभोगेचित्रणीप्रीतिअधिकसमान ॥ दोहा ॥ तृती-याकादशीसप्तमीइनमोकरेविलास शंखनीकेमनहोतहेतांतेंवहुतहुलास ॥ दोहा नवमीअवरचतुर्दशी-अमावसपूर्णमाजोय इनमोभोगेहस्तिनीअधिकप्रीततिसहोय

॥ अथपद्मिन्यादीनांसाधारणचंद्रकलानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अधऊर्द्धभागकरनारिकेवसतकामवामंग शुक्लकृष्णपक्षजानियोतिथीनिजमकरसंग कृष्णपक्षअधजातहेशुक्लऊर्द्धगतिजात तिथीनेमतेंजानियोसोसबकरोजुख्यात ॥ चौपई ॥ प्रतिपदमे-तुममस्तकजानो द्वितीयामाहिंजुनेत्रपछानो तृतीयामेंकरेअधरप्रवेश कपोलचतुर्थीजानोदेश पंचमि-तिथिमेकंठकेमाहि षष्टीमेकक्षजानसुताहि सप्तमीमेतिसकुचमोजान उरथलमेतिसअष्टमिमान नव-मीमोकरेनाभीवास दशमीजानोश्रोणीतास एकादशीमेरहयोनीमाही जानुविषेंरहेद्वादशीताही गुल्फ-त्रयोदशीमेतुमजानो पादचतुर्दशीताहिपछानो अमावसमोअंगुष्टहेजोय कामनिवासइनथलमोहोय विवराइनकादेऊंवताई सोसमझोअपनेचितलाई मस्तकमोंअपनेनखधरे नेत्रकपोलकोंचुंवनकरे अवरदंतकरखंडेजास कक्षकंठकरेनखक्षततास श्रोणीथलउरकुचजिसजोय दृढकरकरसोंमर्देसोय अवरनाभिपुनताहिपछान दृढकरमर्दनकरेसुजान कामकोशमेकरेचपेट तांतेंउपजेवहुसुखपेट शनै-शनैनरवक्षेजास मुष्टीकरकरेताडनतास जानुपादअंगुष्टहेजोई अवरगुल्फतुमजानोसोई इनमोघातन-खकरेसुजान इसविधनारीवसतुममांन ॥ दोहा ॥ कृष्णपक्षकीप्रतिपदानारीमस्तककाम शुक्लपक्षकी-प्रतिपदापदअंगुष्टहेधाम ॥ दोहा ॥ अधऊर्द्धगतीजांतासकीतांतेंलियोविचार नहिसमझोमनआपने-जोदेखेचक्रनिहार

कृष्णपक्षे			शुक्लपक्षे		
१	मस्तकमांग	मर्दन	१५	मांग	मर्दन
२	नेत्र	चुंवन	१४	अक्षि	चुंवन
३	अधर	खंडन	१३	अधर	खंडन
४	कपोल	चुंवन	१२	कपोल	चुंवन
५	कंठ	नखदान	११	कंठ	नखदान
६	कक्ष	नखदान	१०	कक्ष	नखदान
७	कुच	मर्दन	९	कुच	मर्दन
८	उरः	मर्दन	८	उरः	मर्दन
९	नाभी	मर्दन	७	नाभी	मर्दन
१०	श्रोणी	मर्दन	६	श्रोणी	मर्दन
११	योनि	चपेट	५	योनि	चपेट
१२	जानु	घातन	४	जानु	घातन
१३	गुल्फ	घातन	३	गुल्फ	घातन
१४	पद	घातन	२	पद	घातन
३०	अंगुष्ट	घातन	१	अंगुष्ट	घातन

॥ अथइस्त्रीचारभेदवर्णनम् ॥

॥ दोहा ॥ वालाएकजुकहितहेदूसरीतरुणीजान प्रौढातीसरीजानियोवृद्धाचौथीमान वालाषोडशवर्षकीतरुणीत्रिंशतहोय प्रौढावर्षपचासतकउर्द्धजुवृद्धासोय कामकलामोंत्यागियेंवृद्धानारीजोय सुखनहिउपजेतासतेंप्राणहारितहेसोय चौपई नवीनसुरतमेवालाजोई अंधकारमोहर्षेसोई महाप्रकाशमोतरुणीनार हर्षितमनहीतासविचार अंधकारप्रकाशमोजान प्रौढाहर्षकरेजुमहान अंधकारप्रकाशकेमाहि वृद्धाकामनहर्षिततताहि ॥ चौपई ॥ पुष्पमालअरुपानसुपारी इनकरहर्षितवालानारी पहिरेभूषणअतिवहुजवही तरुणीकामनहर्षिततवही अतीप्रेमतेंभोगविलास प्रौढाकेमनहोतहुलास मुखतेंवातांवहुतसुनावे वृद्धाकेमनहर्षबढावे

॥ अथस्त्रीप्रकृतिलक्षणानि ॥

॥ दोहा ॥ कफप्रकृतिजोनारहैतांकोश्रेष्टपछान मध्यमपित्तलाजानियोअधमवातलामान

॥ अथकफप्रकृतिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ सुंदरस्निग्धदंतनखजास लोचनकमलकेदलपरकास अतिउद्यमकरयुक्तसुभाय प्रीतमसोंदृढयुताचितलाय शीतलकोमलतासशरीर मांसगुप्ततिसअस्थीधीर षोडशवर्षअवस्थाजैसे रहितशरीरजुताहिकोतैसे सूक्ष्मरंध्रतासकाजानो सुंदरकांतीताहिपछानो ऐसेलक्षणहोवतजास कफप्रकृतिसोनारीभास

॥ अथपित्तप्रकृतिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ प्रकृतिपितजिसनारीहोय गौरवर्णतुमजानोसोय रक्तनेत्रनखरक्तपछानो क्षणप्रसन्नक्षणकुपितहिमानो पुष्टश्रोणीथलहोवतजास अवरपुष्टकुचजानोतास

॥ अथवातप्रकृतिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कठोरअंगहेवातलनार रूक्षकेशपुनतासविचार वहुचंचलवहुकरेजुवात भोजनवहुतनित्यसोखात कृशलोचनकृशअंगुलीजास धूसरश्यामवर्णप्रकास सुरतिसमेअतिकठिनहेजोई चिरस्पर्शतिसयोनीहोई ऐसेलक्षणजासकेजानो वातलानारीताहिपछानो ॥ दोहा ॥ नारीवहुप्रकारकीजातिसत्वअरुदेश इनमोश्रेष्टपछानियोप्रकृतिभेदकोलेश

॥ अथनारीणांदेवसत्वादयउच्यंते ॥

चौपई नवजोसत्वकीनारीजानो विवराइनकाकहुंसोमानो देवसत्वतेंएकजुहोई गंधर्वसत्वतेंदूसरीजोई यक्षसत्वतेंतीसरीजानो नराहिंसत्वचतुर्थीमानो पिशाचसत्वकीपंचमीहोई नागसत्वतेंषष्ठीसोई काकसत्वतेंसप्तमीनार अष्टमीवानरसत्वनिहार रासभसत्वतेंनवमीनारी लक्षणतेंइनलियोविचारी ॥ अन्यच्च चौपई ॥ मुखप्रसन्नजिसकमलप्रकास शोभितअंगजुसुंदरतास संतोषयुक्तरहेनितसोई सूचीकर्ममेचतुरजुहोई प्रियसंयुतनितकरेजुवात वहुधनसंयुतजानोख्यात नरनारीवहुजिसकेसंग एतेलक्षणजानअभंग देवसत्वतेंनारीजान इनलक्षणतेंलियोपछान चौपई गीतवाद्यकीलीलाजोई रसिकभावतिसतेंजिसहोई अतीशांतहीजाससुभाय गंधमाल्यअतिप्रियजिसभाय सुंदरअंगजुकरेविलास निर्मलसुंदरवेशप्रकाश ऐसेलक्षणजासकेजानो गंधर्वसत्वतेंनारिपछानो चौपई लज्जाविनमृदुपुष्टशरीर पुष्टस्तनातिसजानोधीर चंपकगौरवर्णजिसजानो सेवासंयुतताहिपछानो वांछाभोगकरेनितजोई यक्षसत्वतेंजानोसोई चौपई अतिथीपूजनमेकरेभाव प्रीतियुक्तहेनित्यसुभाव निर्मलचित्तवृतितिसजाने नानाव्रतसोंषेदनमाने ऐसेलक्षणहोवतजास मनुष्यसत्वतेंजानप्रकाश चौपई ॥ निंदतदुष्टकर्मकरेजोई वहुभोजननितखावेसोई रुष्टदुष्टचितजानोतास तप्तगात्ररहेनितजास वहुरोकृष्णवर्णतिसजानो विकारयुक्ततिसमुखहिपछानो मलिनशरीररहेनितजोई पिशाचसत्वतेंजानोसोई चौपई व्याकुलभ्रांतचित्तरहेजास उभेश्वासवहुजृंभातास निद्रायुक्तरहेनितजोई नागसत्वतेंजानोसोई ॥ दोहा ॥ उद्वेगविफलजुकरतहेनेत्रभ्रमावतसोई अतिक्षुधार्ततुमजानियोकाकसत्वतेंजोई चौपई ॥ अत्यंतचपलजिसकोतुमजानो उद्भ्रांतनेत्रपुनताहिपछानो दंतसोंदंतघसावेजोई वानरसत्वतेंजानोसोई ॥ चौपई ॥ स्वभावदुष्टतुमजिसकाजानो अप्रियवाक्यजुताहिकेमानो स्नानादिकमोनाहिकरेजुप्रीत रासभसत्वतेंजानोमीत ॥ इतिस्त्रीसत्वनिरूपणम्

॥ अथस्त्रीणांदेशधर्मकथनम् ॥

॥ सवैया ॥ वेसविचित्रधरेअतिसुंदर उज्ज्वलकर्ममोदक्षपछानो सुंदरमालधरेगलमोनखदंतहोरक्तहिनेत्रजुमानो स्थानजुहर्षितकामकेयुद्धको रूपमनोहरताहिकाजानो मध्यदेशकीउत्पतनारीकेलक्षणग्रंथहिदेषहमेजुवषानो ॥ चौपई ॥ उपभोगकलामोकरेजुप्रीत चिरसंभोगसंतोषकीरीत करघाततेंमनतुष्टहिजास वनितामालवदेशप्रकाश नखदंतनकाजोअभिघात तांतेंप्रीतीवहुजिसख्यात परिरंभ-

णकीलालसाभावे वहुचूंवनतेंमनहर्षावे ऐसेलत्तणनारीजास भीलदेशकीउत्पतितास ॥ चौपई ॥ परिरं-
भणमेंचंचलजोई शीघ्रद्रवेंदंतघाततेंसोई सुंदरकोमलजानशरीर रूपमनोहरमानजुधीर सुरतिसमेंअ-
तिनृत्यतिजान लाटदेशतिसउत्पतिमान ॥ चौपई ॥ सुंदरकोमलजानशरीर दुराचाररतजानोधीर रती
समेकीपीडामाने क्रीडामेंअतिचतुरपछाने लज्जाविनतिसकोतुमजानो अंगमनोहरतासकेमानो
ऐसेलत्तणहोवतजास कर्णाटदेसकीउत्पतितास ॥ चौपई ॥ योनीअंत्रजिसकंडूहोय चिरकालद्रवे-
भुजघाततेंसोय रतिप्रमोदमेचतुरपछानो यहलत्तणजिसनारीकेजानो कौशलदेशकीउत्पतिमान
योगतरंगिणिकरेवषान ॥ चौपई ॥ मंदहासतेंमनोहरजोय अल्पवातकरविभ्रमहोय लज्जाविनतुमति-
सकोजानो सुभावदुष्टतुमताहिपछानो व्यवायकालमेचतुरहेजोई गाढप्रीतियुतजानोसोई ऐसेलत्तणहो
वतजास पाटलिदेशकिउत्पतितास नानावेषकरेनितजोइ तासहर्षतेंरसिकजुहोइ ऐसेलत्तणजिसकेजा-
नो महाराष्ट्रदेशकीउत्पतिमानो ॥ सवैया ॥ कोमलपुष्पजुन्यायशरीरहिचुंवनलिंगनयुक्तहिजानो वहुत-
रभावधरेनितहिंअतिक्रूरहिंचित्तविरक्तपछानो अल्पहिवेगजोकामकेयुद्धमेनागररीतीजुताहिकीजानो
चंचलनेत्रजुतासकेहोतहीगौडवंगालेकोचिन्हपछानो ॥ चौपई ॥ विपरीतरतीकीइछाजास विनलज्जातु-
मजानोतास नखदंतघाततेंहोतप्रसन्न अतिप्रीतीयुक्ततुमताहिकोमन्न कामदेवकीपीडामाने उत्क-
लदेशकीउत्पतजाने ॥ सवैया ॥ प्रियवाक्यसदैवकरेअतिसुंदरकोमलतासशरीरहिजानो कामकलो-
लमेंशीघ्रद्रवे अतिदत्तविलासमेताहिकोमानो वहुप्रीतिकेसंयुतताहि लखोअरुनागररीतजुतासपछानो
ऐसेहिलत्तणहोवतजासमो कामरुदेशकीउत्पतिमानो ॥ दोहरा ॥ जोनारीनिजदोषकोंराखेनित्यछ-
पाय परहिदोषकेप्रगटकोराखेचित्तलगाय दृढशरीरतिसजानियोवनसंभवसोनार यहलत्तणजिसहो-
तहेकरेजुग्रंथउचार

॥ सवैया ॥ उपभोगमोप्रीतीकरेनितहिंअतिसुंदरलोचनताहिकेजानो लघुभोगविधीजुसंतोषधरे-
शुभवेषधरातुमताहिपछानो सबकाममेचातुरीहोवतजाहिमोजाविधकीतुमनारिजुजानो गुर्जरदेशकी-
संभवहेसोई ग्रंथकहेतुमसत्यपछानो ॥ चौपई ॥ प्रचंडवेगयुतजाकोजानो कष्टसाध्यरतिमेंतिस-
मानो कोपयुक्तरहेनितजोई चंचलनेत्रजुजानोसोई दुष्टचित्ततुमजिसकाजानो सिंधुदेशकीउत्पतमा-
नो होवतलत्तणइसीप्रकार वाल्हीकदेशकीजानोनार चौपई नानाविधकेजोउपभोग रसिकभावति-
सतेंजिसहोग कामकलामेचतुरहिजानो कमलन्यायजिसनेत्रपछानो प्रियसंयुतजिसजानसुभाय कंद-
र्पदर्पपरिदीपनभाय तासभावमेचतुरहेजोई कोमलगतिजिसकीपुनहोई ऐसेलत्तणहोवतजास नदी-
तीरकीउत्पतितास ॥ दोहरा ॥ कामकलामेकुशलहैलज्जासंयुतजोय उपभोगप्रीतिहैजासकोअतिचंड-
वैगतिसहोय मनोहरताकोजानियोजन्मनगरहेजास मद्रदेसकीनारसोकहेजुग्रंथप्रकाश ॥ चौपई ॥
मंदमंदकरेसुंदरवाणी लघुभोगसाध्यतुमताहिपछाणी चंचलभावरहेनितजाहि भयलज्जाजिसकोमन-
नाही समानरूपतिसकाजुविचार द्राविडदेशकीउत्पतनार सौवीरदेशकीइसविधजानो मलयदेश-
कीयहविधमानो ॥ दोहरा ॥ नखदंतनकेघातसोंकरतप्रीतजोनाही अतिमर्दनअतिभोगतेंउपजितरो-

गजुताही सुभावदुष्टतिसजानियोअतिप्रचंडहेजोई कांवोजदेशकीनारिसोपांडुदेशकीसोई ॥ दोहा ॥ दुर्गंधजोआवैदेहतेंलघुभोगतुष्टजिसजान चुंवनलिंगनभावतेंहीनतासकोमान यहलक्षणजिसनारिके-पर्वतदेशकीसोई गांधारदेशकीजानियोकाश्मीरदेशकीहोई

॥ दोहा ॥ इत्यादिकजोधर्महेतिनकाकरेविचार हितअपनानरजानकेसेवनकरेजुनार कामकलामेचतुरजोबलसंयुतहेजोई सोरतीसमकेयोगकरमनसंतोषसोई इसविधवर्तेजाहिनरनारि-नकोवसेलेत प्राणसहितमनमोहहैकरेआपनाहेत ॥

॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांस्त्रीणांदेशधर्माऽधिकारकथनंनामएकोनषष्टितमोऽध्यायः ॥ ५९ ॥



॥ अथवाजीकरणनिरूपणम् ॥

चौपई धात्रीफलकोचूर्णकीजै अरुरसधात्रीफलतंहदीजै शरकरमधुघृतमेलचटावै पाछेंदुग्धपानकरवावै तातेंवृद्धयुवाहोइजाय वाजीकरणसुकह्योसुनाय अन्यच्च चौपई कंदविदारीपीसमंगावै घृतशरकराताहिमिलावै कर्षप्रमाणनिताप्रतिषावै पीछेंतेंतिसदुग्धपिवावै वृद्धपुरुषसोयुवाकहाय वंगसेनमतदियोवताय अन्यच्च फलअश्वत्थअवररसमूल चूर्णकीजेदोइसमतूल दुग्धपकावैषावैजोय पुरुषजुवृद्धयुवाहोइसोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कवचवीजसमसितामिलाय सदुग्धपानकरयुवाकराय माषचूर्णइकपलपरमान मधुघृतमेलचटायसुजान पीछेदुग्धपानसोकरै वृद्धयुवाहोयवहुवलधरै तालमखाणक्रौंचकेवीज अवरशर्करातामोळीज उष्णधारकेदुग्धसोंषाय वृद्धपुरुषसोयुवाकहाय अन्यच्च सवत्सावृद्धगायजोहोय तांकोदुग्धलीजियेसोय माषचूर्णसोंपीवैतास वहुइस्त्रीगृहहोवैंजास ॥ अन्यच्च ॥ दोहा ॥ कंदविदारीपीसकेस्वरसताहिकोपाय मधुघृतमेलचटाईयेरोगनपुंसकजाय ॥ अथपूपालिका ॥ चौपई ॥ क्रौंचवीजलकुडवप्रमाण कुडवसर्षपालेजुसुजान कुडवएकतिसमुद्गरलाय कुडवएकतिलतासमिलाय कुडवएकगोधूमजुपावें शालीतंडुलकुडवरलावे सबकाचूर्णकरेवनाय कुडवएकघृततामोपाय चीरसाथतिसगुंन्हसुलीजे घृतपकायसुपूपकाकीजें नित्ययथावलपूपकाखाय वृद्धपुरुषसोतियारमाय अन्यच्च मुलट्ठचूर्णकर्षइकआन मधुघृतसोंसोकरैमिलान चाटैदुग्धपुनपाछेंपींवे वृद्धजुपुरुषयुवामोथीवे

॥ चौपई ॥ प्रस्थअसगंधप्रस्थघृतआन दोइआढकदुग्धहिंकरोपकान मंदअग्निसोंताहिपकावे पाछेंतेंयहचूर्णरलावें त्रिकुटाचतुरजातजुविडंग जातीपत्रविधारासंग बलाअतिबलाखडेपाय लोहवंगअभरकजुमिलाय यहसबहीइकपलपलषावै अर्धप्रस्थमधुशरकरामिलावे सनिग्धपात्रमोंधरैवनाय दोनोसमययथावलखाय उत्तमवाजीकरणपछान सबहीवातरोगकीहान आमवातविशेषकरजावे गर्भयोनिदोषनरहावे वीर्यदोषकोहोवैनाश अवरनपुंसकताजुविनाश ॥

॥ अथअसगंधादिघृतम् ॥

॥ चौपई ॥ इकशतपलअसगंधकामूल शुभदिनशुभनक्षत्रमोतूल द्रोणप्रमाणजलपायपकावै अष्टभागरहेवस्त्रछनावै दोयशतपललेछागलमास शुद्धकरीयहपावेतास प्रस्थएकगोघृताहिमिलाय दुग्धचतुर्गुणतासरलाय काकोलीअरुक्षीरकाकोली ऋषभजीवकसंगलेघोली ऋद्धवृद्धमहामेदजुमेद यहपावेपुनजानोभेद क्रौंचवीजएलाजुमुलट्ठ द्राक्षाजीवनीमधाइकट्ठ सूर्यपर्णीसादोयमिलाय वलाविदारीकंदरलाय अवरशतावरीतामोपावै कर्षकर्षसबवस्तुरलावै मंदअग्निसाताहिपकाय वस्त्रछाणपुनपात्रधराय मधुशर्कराकुडवप्रमान तामापावैचतुरसुजान कर्षप्रमाणनिताप्रतिखावे यथेछितभोजनपाछेपावे क्षतक्षीणशिशुवावृद्धजुहाय वाक्षीणेंद्रियमांसहेजोय वलपुष्टीहोवतशीघ्रहितास आयुवधेपुनतेजप्रकाश जोखावेनित्यवंध्यानारी पुत्रप्राप्तहोयत्तिसहिविचारी खालित्यपलितवलीजुनिवार वातव्याधिसवदेतजुटार हृदयवस्तीकेरोगहेजेते सोसवदूरकरेयहतेते जगतहितजोअश्वनीकुमार महाअसगंधघृतकियोउचार ॥

॥ अथशतावरीघृतम् ॥

॥ चौपई ॥ प्रस्थशतावरिप्रस्थघृतपाय दशगुणदुग्धसुपायपकाय असगंधजुघृतकीऔषधजेऊ पलपलपीसरलावैतेऊ मंदअग्निसोंसिद्धकराय मधूशर्करासंगरलाय असघृतसिद्धयथावलषावै वहुत-

अंगनाकोंसुरमावै जिसकोलिंगपतितहोइजाय ठाढोहोयजुवलअधिकाय पुरुषनपुंसकजोयहपावै दोषनपुंसकतामिटजावै धातुक्षीणक्षयजाकीहोय तांकोहितकरघृतहैसोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ तालमषाणगोषुरआन वानरीअवरशतावरिठान नागवलाअतिवलामिलाय यहसवइन्हसमसिता-रलाय जिसकेगृहहशतहोवेनार सदुग्धपीवेसोरात्रिमंझार

॥ अथगोधूमादिघृतम् ॥

॥ चौपई ॥ इकशतपलगोधूमलुडावै आढकजलमोंपायपकावै पादशेषरहिमलकरछानै पुन-तांमोंयहचूर्णठाने शूरणकंदगोधूमजुपावे अवरलक्ष्मणातासरलावे असगंधशतावरिमुलट्ठविदारी खर-जूरभिलावैवानरिडारी मरचमघांसुंठीइकभाय अर्धअर्धपलपीसमिलाय चारप्रस्थपयघृतप्रस्थजुएक मंदाग्निपकावैसहितविवेक पुनपाछेंयहचूर्णरलाय जलवत्रीएलामघपाय धनियांगजकेसरकरपूर य-थालाभयहपावैचूर सितामधुअष्टअष्टपलपावै इक्षुदंडसंगताहिरलावे सवरलायपलमात्रसुषाय अनूपा नतिसकहोंसुनाय रसजुमांसतापाछेंपीज वासमतीकोंभातसुदीजै लिंगसिथलनहिंहोवैतास वीर्यवधै-होइगुल्मविनास मूत्रकृच्छ्रवातरुजजावै यहघृतएतेरोगनसावै दसादिनउप्रंतदोदोपलषाय शतइस्त्रीकों-सोऊरमाय घृतअश्वनीकुमारनेभाष्यो लोकहितारथलषयहआष्यो

॥ अथकूष्मांडगुडः ॥

चौपई शतपलकूष्मांडनिरवीज प्रस्थघृतहिंभूनेलषलीज तालीसपत्रधनियांत्रिकुटाय दालचीनि-जीराएलापाय अर्धअर्धपलयहपरमान अवरवस्तुमवरलपलजान वर्चचव्यगजपिप्पलपाय आद्रक-शूरणकंदरलाय श्रृंगाटकसोदोयप्रकार पत्रपीसकरतिनकेडार गुडपलशततताहीमोंठान मंदअग्निसों-करेपकान अरुपलअष्टमषीरमिलावै वीर्यवधैजुयथावलपावै कफपित्तजरुजहोवेंनाश श्वासकास-ज्वरछर्दविनाश हिडकीअवरअरुचनहिंरहै वंगसेनग्रंथयोंकहै ॥ पुरुषउपायः ॥ चौपई ॥ कोशात-कीचूर्णमधुसंग लेपनकरैपुरुषनिजलिंग पुनइस्त्रीसोंसंगसुकरै इस्त्रीवीर्यश्रवैसुखधरै

॥ अथलिंगस्थूलकरणउपायः ॥

॥ चौपई ॥ वज्रपर्णीवरचअसगंध जलशूकचूर्णकीजसमवंध नवनीतसाथसोलिंगलिपावे गजलिं-गसमानलिंगहोइजावै

॥ अथनपुंसकताउपायः ॥

चौपई कछूमस्तकअरुतांचूरण तिलतैलपकायकचपात्रहिंधरण मधुशरकरामिलावैजास पुरुषलिंगपरले-पैतास नपुंसकतातांकीमिटजावैं पुरुषार्थहोयवहुतीयरमावै अन्यच्च अजादुग्धकोलेहुमंगाय गोषुरचूर्ण-साथपकाय मधुरलायकरतांकोषावै मलैलिंगवालेपलगावै दोषनपुंसकतामिटजाय असउपायसोकह्योसु-नाय इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांवाजीकरणाधिकारकथननामषष्टितमोऽध्यायः ६०

॥ अथरसायणाध्यायः ॥

॥ अथगुगुलरसायणम् ॥ चौपई त्रिफलाअमलषदरपुनआन गिलोयभांगरागोषुरुठान अरुपुनर्नवासं-गमिलावै अढकंडढजुकाथरहावै पुनलीजैगुगुलपलतीस क्काथमिलावैतांकोपीस पुनमंदासोमितहि-

पकावै पकसितामधुघृतसुरलावै नित्ययथावलतांकोषाय कांतिबुद्धिवलवहुअधिकाय नाशसर्वरोगनकों लहै त्रयशतवर्षजीवतोरहै

॥ अथगंधककल्पः ॥

॥ चौपई ॥ गंधकपीसपांचपललीजै षरलत्रिगुणभंगरारसदीजै सुकावैहरडचूर्णपलपावै मधुघृतपलपलताहिरलावै दोइमासनितवलअनुसार षावैप्रातहिकालनिहार तांकोगुणऐसेंलषपावै वृद्धजुपुरुषजुवाहोइजावै ॥ अथपंचामृतरसः ॥ चौपई ॥ जातीफलअरुजातीपत्र केसरअवरलवंगइकत्र चतुरजातत्रिकुटामघनागर चित्रापिपलामूलतुल्यधर पुनलोहाअभरकतांवावंग पारासिक्कामारेउोसंग काष्टादिकऔषधजितोप्रमान तांतेअर्द्धधातुयहठान पीसनागवल्लीरसपावै अरुमधुसोंगुटिकावंधवावै दोइमासेगुटिकापरमान गोदुग्धसाथकीजैसोपान वधैबुद्धिवलसातोधात वीर्यवधैजुपुष्टहोइगात मंदअग्निकफरोगनसावै वंध्याषायसुगर्भधरावै नपुंसकषायहोयपुरुषत्त वज्रसमानदेहहोइसत्त दिव्यदृष्टिपुनहोवैतास जराव्याधदुखकोहोइनाश वर्षएकलगषावैजोय रमैसुइस्त्रीइकशतसोय

॥ अथताम्रकरसायणम् ॥

चौपई ॥ तामेश्वरजीरणगंधकपारा स्वर्णमषीसुनलेहोपियारा यहसमधतूरेरससंग षरलकरैजोताहिअभंग पुनधतूररसतांमोपावै मंदअग्निसोंताहिपकावै पक्कभयोलषलेवैजवै त्रिफलापिंडधरैसोतवै पुनसोपिंडघृतमाहिपकाय मधुघृतसोंपुनतिंहमर्दाय नालेरदुग्धसोंपीजेसोय नाशअनेकरोगकोहोय ॥ अथगंधकरसायणम् ॥ गंधकत्रिफलाअवरभिडंगि यहसमचूर्णकरइकसंगि वलअनुसारवर्षलोंषावै जरामृत्युरहितहोइजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ गंधकशुद्धअष्टपलआन दोईपलमृतलोहातंहठान कन्यांवूटीकोरसपाय दिनइकीसलगधूपसुकाय वर्षप्रयंतयथावलषावै दिव्यदृष्टितांकोंप्रगटावै देहमध्यआरोग्यतालहै चंद्रतारालगजीवतरहै दुग्धभातपथ्यसोषावै वाकेवलपयपानकरावै

॥ अथअभ्रकरसायणम् ॥

॥ चौपई ॥ अभरककृष्णआनढिगधरै भिन्नभिन्नजुपत्रतिसकरै दोइदिनजंभीरीरससंग षरलकरैजोताहिअभंग तीनदिनोंसंगकांजीजोय कीजेषरलजानहोसोय एकदिनात्रिफलारसपाय करैषरलजोताहिवनाय रससुहांजणसोंइकादिना षरलकरैतांकोइकमना लजालूरससाथेंदिनएक असगंधरसहिंइकदिनयहटेक पुनसंपुटमोंताहिधरावै गोवरअग्निधरायपकावै माषप्रमाणनिताप्रातखाय अनूपानआगेलखपाय नालरदुग्धकीजैअनुपान पियेसमस्तरोगमिटजान ॥ अन्यच्च ॥ केवलचूर्णमुलट्ठीजोय मंडूकपर्णीरसपीवैसोय आयुर्वधैरोगसबनाश होवेंकीजैनिश्चयतास अन्यच्च शंखपुष्पीकोचूर्णआन गुडूचीरससोंपियेविहान आयुर्वधैरोगसबनाश इहप्रकारगुणलषियेतास ॥ अन्यच्च ॥ भंगरापत्रचूर्णधात्रीफल मिसरीअरुमिलायकृष्णातिल पीसरलायषायपुनतास जरामरणरहितसोभास ॥ अन्यच्च भंगरारससमदुग्धमिलान मासप्रयंतपियेहितमान वकतहोयमूकलषलीजै वधिरहोएसोशब्दसुनीजै नपुंसकपुत्रवानादरशावै श्वेतकेशश्यामलषपावै दंतहोहिदृढतांकेजान देहतासहोइवज्रसमान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई पलासक्षारमघसमयहलीजै गोघृतभुंनसुचूरणकीजै मधुघृतताहिरलायजुषावै श्वासकासक्षै

शोथमिटावै हिक्कागलग्रहअर्शविनाशै ग्रहणीपांडुविषमज्वरनाशै पीनसगुलमस्वरभंगनिवारै एतेगुण-यहनिजमनधारै ॥ अथहरडकल्पः ॥ चौपई ॥ सेंधासोंवर्षाऋतमाहि शरदऋतुसर्करसोंखांहीं हिम-ऋतमोंषावैसंगनागर शिशरऋतूमघसोंभक्षणकर वसंतऋतूमधुसंगसुषावै सहगुडग्रीष्मरोगनसावै

॥ अथत्रिफलारसायण ॥

॥ चौपई ॥ चूर्णएकहरडकौठान मधुघृतसोंप्रातहिकरपान पुनभोजनादिजुवहेडाएक मधुघृत-सोंषावैसविवेक पुनभोजनांतआमलेचार मधुघृतसोंसोकरैअहार जराव्याधनहिंव्यापैतास इकशत-वर्षआवेलाजास ॥ अन्यच्च ॥ हरडआमलेअवरविडंग लोहचूर्णपुनपावोसंग यहसमचूर्णतैलमिलाय चाटैजरानव्यापैकाय ॥ अन्यच्च ॥ सेवेवरचमासप्रतिमास चीरतैलघृतसंगक्रमतास सुंदररूपहोई-सुंदरवाणी वरचरसायणअसगुणजाणी ॥ अन्यच्च ॥ पुनर्नवापीसअर्धपलतास पीसदुग्धअर्धलगमास पुनपलपलत्रैमासप्रयंत वृद्धयुवाहोइलषोवृतंत ॥ अन्यच्च ॥ हस्तकर्णितालकोमूल गिलोयशतावरिसुं-ठीतूल मधुघृतमेलचटावैसोय जरानाशकांतिवलहोय ॥ अन्यच्च ॥ लेअसगंधसुचूर्णकीजै ताकीविधि-असैंलषलीजै दूधसाथपीवैइकमास घृतसोंपीवैदूसरमास तीसरमासतैलसोपीजै जलसोंमासचतु-र्थलषीजै पुष्टहोयबलवीर्यतास गुणअसगंधकियोपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ लेअसगंधमघांअरुनागर निरगुं-डीअलसीचूर्णकर यहसमचूर्णदुग्धकेसंग साध्यअसाध्यवातहोइभंग ॥ अन्यच्च ॥ विधारापांचटांक-जोलीजै मधुघृतसोंदिनसातोपीजै दुग्धभातपथ्यसोषाय किन्नरसमतिसगानसुहाय अन्यच्च हस्तिकर-णिचूर्णघृतसंग प्रातःकालसोंपियेअभंग वर्षसहस्रजीवतोरहै रमैसहस्रइस्त्रीवलगहै ॥ अन्यच्च ॥ गिलो-यअपामार्गजुविडंग वरचशंखनीधरतिहसंग सुंठशतावरिहरडमिलाय यहसमचूर्णघृतसोंषाय सहस्र-श्लोकनितपढैनवीन यहगुणताकोलहोप्रवीन ॥ अन्यच्च ॥ ब्राह्मीवरचहरडमघवांसा मधुसोंसमनित-चाटैतासा किन्नरसमवाणीहोइतास असोगुणतिसकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ रात्रीअंतचुलिकाजलजान अष्टप्रमाणपियेहितमान नित्यपियेयहनेमधरावै वातपित्तकफरोगनसावै अरुशतवर्षजीवतोरहै अस-जलकोगुणनिजउरगहै जोनासाकरकरहैपान दिव्यदृष्टितिसहोयमहान ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलाजल-हिंभिगोयेरात तीनचुलीपीवैपरभात मुखसोंवानासाकरसोय पीवैजरानाशतिसहोय गरुडसमानदृष्ट-तिसथावै अर्शश्वासकासज्वरजावै तृषापांडुहिक्कामिटजाय कुष्टजुनेत्ररोगनरहाय श्रममदशूलभ-गैअतीसार नशैअजीर्णरक्तपित्तअफार त्रिफलाजलकेयहगुणजान दुःखनशैंहोइतनकल्यान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ असगंधविधाराटोइसमलीजै सूक्ष्मताकोचूर्णकीजै सनिग्धपात्रमोंता-हिधरीजै वर्षप्रयंनदुग्धसोंपीजै सूर्यसमानतेजकोपावै जरानाशश्रममार्गनथावै ॥ अथलोहरसायणम् ॥ ॥ चौपई ॥ लोहचूर्णलेपलपच्चीस पलपाराअभरकपलचालीस गंधकअठपलताम्रपलचार षटपलम-नछलतामेंडार स्वर्णमषीपलचारलहीजै षटपलशिलाजीतसंगदीजै त्रैत्रैपलत्रिफलात्रिकुटाय सब-चूरणमधुघृतजुमिलाय सनिग्धपात्रमोंधरैवनाय प्रातहिंनित्ययथावलषाय सर्वरोगक्षोहोइहैनाश वंगसेंनयोंकीनप्रकाश ॥ दोहा ॥ ध्यायरसायणकोकह्योवंगसेंनअनुसार अद्भुतइनकोफललह्योमन-मेंलिहुविचार ॥ इतिरसायणाध्यायःसमाप्तः ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांरसा-यणाऽधिकारकथनंनामएकषष्टितमोऽधिकारः ॥ ६१ ॥

॥ अथपाकाध्यायकथनम् ॥

॥ दोहा ॥ लेयसतावरमूसलीकवचवीजसुमिलाय तालमषानागोषरूऊौरगंगेरणपाय चूरणकरके-रैणकोपियेदूधसोजोय नरचूरणपरभावतेपुष्टवीर्यवलहोय ॥ सोरठा ॥ कंदविदारील्यायमासाकौंचके-वीजपुन पयमधुघृतसोंषायनारीरमेकुलंगवत ॥ दोहा ॥ लेयसतावरसेरभरचारसेरघृतजान घृतसेंदस-गुणदूधलेषोआकरेसुजान मधुअरुसितामिलायकेपलभरखावेजोय पुष्टवीर्यवलकरणकोथासमऊौरन-कोय छप्पेदालउडदकीअथवातालमषाणालीजै अथवालीजैकवचवीजसुउटंकणवीजै चूर्णकरघृतदूध-संगथहषरिपकावे सिताडारकेषायपुष्टवलवीर्यबढावे होयतुरंगसमशीघ्रतासुंदररूपअनंगसम सौवा-मासंगकरक्रीडाकरतकुलिंगजिम अंडछागकोआनदूधमेसिद्धकरावे जबगलजावेउडदचूनकेसंगर-लावे उदरपूरकरषायपुष्टबलवीर्यवधावे जाविधयतनवनायदेहवलपुष्टीपावे तित्तरलवावटरलेघृतसेंधे-सोलेयतलबहुरमासभच्छनकरेबढपुष्टअरुवीर्यवल

॥ अथगोखुरुपाकःअडिलछंदः ॥

सोलहिपलपरमाणगोषरूलेधरे आठसेरगोदूधडारषोयाकरे पाइसेरघृतमाहिभूनकरलीजिये एतेऔ-षधअवरताहिमैदीजिये सोंठमरचअरुपीपरअजमोदाषैरले लोंगसारजातीफलअवरकपूरदे समुंद्रसो-षदोजीरेहलदीआंवरे एलाअकरकरावहेडाल्यावरे अभरकअरुअहिफेनजातपत्रीसही केसरफुनत्रिसु-गंधकरषदोदोयही षोयाकेसमऊौषधसकलमिलायिये ऊौषधषोयादोनोसमकरपायिये सबतेंआधी-विजयाभुंनमिलायके सबकेसमलेषंडपाकवनवायके ऊौषधअभरकसारमेलकतलीकरै नितप्रतिखा-बेजोनरवलअग्नीधरै मदनसदनकररहेजुनाकेदेहमों प्रौढाअंगनजीतमैथुननेहसों एक-रदनसमदेहवीर्यवंधेजसुन षायगोषरूदूधसंगगुणअधिकपुन ॥ इतिगोषुरुपाकः ॥

॥ अथअसगंधपाकः ॥

॥ चौपई ॥ आधमेरअसगंधमंगाय दूधचतुर्गुणमाहिपचाय इनकोजवषोयाहोइजावै अर्द्धमेरघृतमा-हिभुनावैं त्रिकुटात्रिसुगधपुहकरमूल जीराऊौरअजमोदकचूर पीपलमूलजवायनआन हऊवेरजोस-तावरजान ऊौरगोषरुमौंफसुल्याय तबाशीरअरुसारमिलाय पलपलभरसबऊौषधभाष षाउसेरले-तिलअरुमाष ढढमेंगेलेषंडमगाय ताकोगाढापाकवनाय ऊौषधअभरकसारमिलावै गोलीकरवलदेष-षुलावै गुलमअर्शअरुश्वासजुकास होयगदअवरप्रमेहविनाश गुदापृष्ठकटिपीडासोज हरेवायग-दकरैमनोज टूटेहाडवद्धकारोग मिटैहैरोगनपुंसकसोग षावेअसगंधाकोपाक वढकामकामनअनु-राग ॥ इतिअसगंधपाकः ॥

॥ अथकौंचवीजपाकः ॥

छप्पे आधसेरलेकवचवीजचूरणकरावावे दुगधसेरदसमाहिताहिषोयावनवावे आधसेरघृतमाहिभुं-नताकोधरवावो पुनजीराअजमोदकलोंजीपीपरल्यावो जातिफलजलवत्तरीअकरकराजुलवंगपुन-गजकेसरकंकोलत्रिकुटात्रिजानप्रियंगुसुन समुंदरसोषलपयसापरसांभरसबलीजे डारसेरभरषंड-पाकताकोकरदीजे यहद्वयपाककरेछबुसिरलभगनितषावो मोहच्छीणतामूत्रकृच्छ्रअशमरीनमावो रक्त-पित्तअवरवायुगदगुलमशूलहरच्छुधाकर हरंप्रसूतीवानफुनकरेकामषंडत्वहर ॥ दोहा ॥ पाककौं-चजावीजकोकह्योअश्विनीकुमार षायवढेदृगयातनाकामअर्थसंचार ॥ इतिकौंचवीजपाकः ॥

॥ अथसुपारीपाकः ॥

॥ चौपई ॥ पाउोसेरसुपारील्याय कूटवस्त्रसोंछानकराय दूधआठहीसेररलावे मंदआंचषोयाकरवावे गोघृतकुडवएकभरडार भुंनताहिमेकरोकिसार षंडआठहीसेरमंगावे सेरआंवलेकारसपावे सेरसतावरस्वरसमंगाय ताकोलेयकिमामवनाय जवकिमामगाढाहोइजाय वहकिसारतामाहिमिलाय मोथाचंदनजीरेदोय त्रिकुटाऔरत्रिसुगंधजोहोय गिरीवेरकीधनियालोधर वंसलोचनअरुलौंगसंगकर औरसिंगाडेलेहुमिलाय जलवत्रीगजकेसरपाय अवरजायफलतासरलावे दोदोकर्षसकलपीसावे यहभीपाकमाहिसवपाय ताकीलेकतलीवनवाय षावैपुगीपाकपरभात करेअजीरनज्वरकोघात सकलवातप्रमेहनसाय अमलपित्तपित्तगदजाय नेत्रनाकमुखनासाद्वार लोहूनिंकसतदेवेटार मंदाग्नीहरपुष्टवनाय तियकोनिश्चयगर्भरषाय बूढोषायसुहोयजुवांन सुंदरअगअनंगसमान करेवीर्यबलधातवढाय पुगीपाकगुणकह्योनजाय ॥ इतिसुपारीपाकः ॥

॥ अथमूसलीपाकः ॥

॥ दोहा ॥ पाउोसेरलेमूसलीचूरणकूटवनाय आठसेरलेदूधमेषोयाताहिकराय आठटंकाभरघीउमेकरकिसारानिरथार षंडसेरपंचपायकरतामेडारकिसार कौंचवीजतजमस्तकीअकरकराजुलवंग जातीफलजलवत्तरीमालकंगुणीसंग तुंवरुकेसरगोषरूचवकसतावरजान पिसताअवरवदामफुनिनेउजेगिरीवषान पलपलभरसवऔषधीगोंदपांचपलपाय त्रिकुटाऔरत्रिसुगंधपुनत्रयत्रयपलसमभाय सकलऔषधीमेलकरलीजैंपाकसुधार षायमूसलीपाकयहवातरोगसंधार हरेप्रमेहजुवीसकोयाकोषावै रोजरमारमेवलअधकहोसुंदररूपमनोज ॥ इतिमूशलीपाकः ॥

॥ अथछुहारापाकः ॥

कुरमवालछंदः चारसेरलेदूधछुहारेआधसेरतामेऔटावो आधसेरफिरगोघृतसोयहषोयासकलवनावो तजपातलौंगजलवत्रीजातीफलजलकेसरपावो कंदविदारीऔरजुषिरनीवलावंसलोचनालिआवो सारवंगशीशाफुनअभ्रकजोव्योअरुकंकोलकही टकाटकाभरलेसवऔषधकूटछानकरचूनसही षंडसेरभरलेहुपाककरतामेऔषधडारयही जवमिलेकिसारऔषधीनानानामछुहारापाकलही रक्तपित्तपुनवायुररूगदरोगमेहकोसकलहरे पितजकेसवरोगनिवारै जिमसूरजतमदूरकरे करमीठाभोजनषायपाककोवढैवीर्यवलपुष्टकरे यौवनमदमानीरूपसुहातीनारीसोमनमाहिधरे ॥ इतिछुहारापाकः ॥

॥ अथपाठापाकः ॥

॥ छप्पै ॥ लेकरपेठापकछिल्लटुगडेकरवावै पांचसेरताकोरसपावै ताछिनताहिपकावै मंदआचदेताहिजवै तवपेठाषाकवनावै सोरहटकाप्रमाणघीउमेंताछिनताहिभुनावे पांचसेरमिश्रीदेतांमोताकीहोवेचासजव ताहिकिसारमिलावै तातेंमेलकरोऔषधजोअव त्रिकुठात्रिफलाचतुरजाततालीससतवार जीरापुनतालीसगंगेरनचित्राअरुगजपीपर मेथीदंतीत्रिवीचवकअरुपीपरमूरा कमलगंठअरुलोंगवंशलोचनजुकचूरा ताकोकूटैवस्त्रछांनवीजदाखमोथाअवर तालमखाणागोषरूअसगंधाकंकोलधर सेंधासिंवलछालमूसलीकंदमिलावैताही कंदविदारीअवरसिंघाडेइनमोपावैजाही जातीफलजलपत्रीकेशरजामेंमानधरावै सोलांसोलांमासेऔषधसुंदरपाकवनावै पलभरअभ्रकऔषधमेलै-

मंथनकरवहपाकमें टकाटकाभरगुटीवनावे खाययथावलप्रातमें अम्लपित्तमंदाग्निनिवारे पांडुप्रमेह-नसावे रक्तपित्तअरुश्वासच्चयीहरनिश्चयवीर्यवधावे अस्सीवर्षकापुरुषखायफिरनूतनतनुतिसहोवे वढे-कांतिवलअधिकदिखावैजराअवस्थाखोवै झुरडीअंगपडैनाहिंताके वढैकामअतिदेहमें पेठापाकखाय-जवतवही नारीजीतैनेहमें ॥ इतिपेठापाकः ॥

॥ अथाऽमृतपाकः ॥

॥ छप्पै ॥ आठसेरपरपक्कआंवकोरसनिकसावे षंडचतुर्गुणमेलषंडसमपानीपावे रसतेंआधोघी-उआठहीअंशसोंठधर मरचसोंठतेंआधमरचतेंआधीपीपर सकलडारमृत्पात्रलोहकडछीसोकरिये मंदआंचअवलेहकरैयाहिऔषधतांमेधरिये मोथाधनियातेजपाततालीसत्रिकुटतज जीरापीपरमूल-दारचीनीपुनपत्रज सकलऔषधीमेलहोयफिरपाकशीतजव आधसेरफिरशहितडारकरसकलपिंड-तव आंवपाकयाकोकहैराषसोचीकनपात्रमै पलभरभोजनप्रथमहीषायपुष्टहोयगात्रमै हरैअरो-चकश्वासकासप्लीहाअरुपीनस च्चयीरोगपुनअमलपित्तपुनपित्तजायनस हरेकामलापांडुकुष्ठकंडूपुनही-गद अरशअफारासीसशूलज्वरकवजहरैरद षायनारमृतपुत्रणीदीरघआयुवलवीर्ययुत मतियुतसुंदर-उपजेनिश्चयताहिसुत षायजुवूढीनारतरुणहोयसंततपावे वंध्यानारीषायपुत्रजनतनसुषपावे षायजु-वूढापुरुषतरुणहोइजायताहिच्चण गजवलहोवेमरुतवेगगुणसुनोविचच्चण षायआंवकोपाकयहसकल-देहकेरोगहरपरमरागअनुरागयुतसौनारीसंभोगकर ॥ इतिअमृतपाकः ॥

॥ अथशुंठीपाकः ॥

छंद तीनप्रस्थलेसुंठमिहीनपिसाईये घृतकरितत्समानमाहिलेपाईये च्चीरचतुरगुणआणकडाहेपावहो विश्वाघृतसंयुक्तदूधविचतागहो अग्नीहेठलगायाकिट्टसमकीजिये पीछैतुरतउतारथालमहिलीजिये इनसमकरिलैषंडपातलैपाईये पक्कहोयजवषंडषोआजुरलाईये जातीफलजलपत्रीलवंगहेंत्रिफला जीरा-स्याहसपेदकणाजुधनेहला एलामोत्थादाषवंसलोचनासारही षर्जूरविदारीकंदसतावरीडारही अर्द्धअ-र्द्धपलऔषधसभीमिलाईये गरीआठपलआणषंडकरिपाईये घनसारपषांणभेदमगजपुनचारही सौंठ-चिरोंजीवीजआठअठभागही त्रिवीआठपलपीसमिलावैछाणके उष्णजुमाहिरलायतुरततुमजांनके आठटंककरिभागलड्डुकामानही शुंठीप्रतिपरभातदेहुनितषाणही सुंदरकांतीतेजरूपवलवांनहो कठ-नपयोधरताहिवदनसिसिभानहो फुनिहोवैछविअंगवधैअतिभावही अस्सीवायुकेरोगइसहूसोंजावही कफजपित्तवहुमूत्रजायपरमेहही ज्वरनासाकेरोगरहेजहिदेहही महांसौभाग्यसुंठीयाहिब्रह्माकही नार-दसुणिकरिनेहसत्यमनमोगही ॥ इतिसुंठीपाकः ॥

॥ अथपिपालीपाकः ॥

छंद कणासेरपरिमाणच्चीरसेरदशपावही द्वादशपैसाघीउसुखोआवनावही किट्टासमजवहोयथा-लमोदीजियो सेरतीनलेषंडचासफुनिकीजियो षोआमाहिरलायसुऔषधपाईये अकरकराक्कौंचवीजमू-सलील्याईये एलागोषरूतजलवंगतमालही जातीफलजलवत्रीभडिंगीडालही धनिआंसुंठीषदिरजुअव-रकचूरही गजकेसरअजमोदमस्तकीपूरही कमलडोडेसिंगरफलवंगफुनिमेलहो सारतांवेश्वरटंकचार-द्वैमेलहौ कपडछाणकरायजुताहिरलाईये टंकदोयपरमाणकपूरमिलाईये गुटकापैसादोयप्रभातैंपावही

क्षुधाकरैवलवृद्धिप्रमेहनसावही श्वासकासज्वरजीरणमूर्छाभ्रमदहै हिक्कापांडूछर्दअरुचितानारहै धातु-वृद्धिवहुपुष्टीहोतहैतासही पिप्पलीपाकतेंजायरोगसबनासही इतिपिप्पलीपाकः

॥ अथनालेरपाकः ॥

॥ छंद ॥ प्रस्थदोयमंगवायनवीननरेलही गोकाघीउसोआनरलावोसेरही प्रस्थएकलैमेलचिरौंजी-बीजही सेरचारगोक्षीरमाहित्रयमेलही अग्निमंदऔटायकिट्टकरिलीजिये पांचसेरफुनिषंडपत्त-करदीजिये जातिफलजुलवंगजलवत्रीआनिये जीरास्याहसपेदजुदाडिमठानिए छडकचूरअसगंध-गोषरूआनहो धनिआंकौंचकेवीजगंगेरछिलठानहो तज्जशतावरिसौंफजुमेलतमालही त्रिकुटा-नागरमोथविदारीकंदही त्रिफलाएलालहुसिंगाडेंजानहो गजकेसरफुनिदेहुकरोजुसमानसो पांचपां-चदेटंकपीसकरछानही उष्णजुमाहिरलायफुनीसबमानही कस्तूरीलेमेलसुगंधीपावही मोदक-करपरभातसुसंध्याषावही पुष्टिहोयसबदेहरोगभगजातहै जायवीसपरमेहवायपुनिघातहैं वृद्धजुहोयेजु-वांनवहुतगुणकारहे धातुवृद्धिफुनिहोयमहावलधारहै नालेरपाकवरकह्योग्रंथमतमानके से-वनकरदुखदूरसत्यउरजानके ॥ इतिनालेरपाकः

॥ अथलसुणपाकः ॥

॥ छंद ॥ लसुणचुलीमंगवायतक्रमैंपाईये मृतकपात्रमैधारसुधूपसुकाईये सूकाप्रस्थप्रमाणलसुणतेंतो-लही चारप्रस्थपयलेहुताहिमेघोलही कुडवएकभरघीउमाहिफुनिदीजिये किटीतुल्यजवहोयउता-रसुलीजिये रहसणवरीगिलोयवांसाकरचूरही विश्वावृद्धजुदारुताहुमेपूरही चित्राफुनिअजमोदशतपु-ष्पाआनहो पुनर्नवासबपलपलपीसोछानहो कणाजुवायविडंगटंकलेचारही सेरअढाईषंडपत्तकरधारही सर्वपीसकरछाणजुवीचरलाईये टंकदोयपरमाणसुगुटिकाषाईये सभेअंगकीसंधिजुवायूतासही हृदय-कटीउरस्थंभदोषसहनाशही ॥ इतिलसुणपाकः ॥

॥ अथजलवत्रीपाकः ॥

॥ चौपई ॥ जावत्रीलेएकजुपाउ पांचसेरक्षीरभरहिताउ घृतद्वादशसेरताहीतोल इहतीनोकठाक-रिघोल दांनादारषोआफुनिकरो उत्तारलेहथालीमेधरो सितासौसिरसाहीलेहु पत्तवनायताहिमैंदेहु तमालपत्रअकरकराजान लाचीफुनिगजकेसरआन मूशलीकौडउटंकणवीज मालकंगुणीफलवला-वीज अजमोदसौंफतेजबलहोय गोषरूअरुसतावरीसोय वंसलोचनमुलट्ठीत्रिकुटाचूर कवाबची-नीमोचरसपूर सूक्ष्मपीसटंकदोदोलेय अभ्रकसारतोलाफुनिदेय कस्तूरीमासाकर्पूर उष्णजुमाहिदेय-सबचूर टंकतीनगुटकाजुवंधाय प्रातसांझइककर्षहिषाय धातुवृद्धवलवंतउदारा मैथुनइछाहोइवारं-बारा स्थंभनजामएकपरिमान दृढहोएलिंगताहीतुमजांन ॥ इतिजलवत्रीपाकः ॥

॥ अथविजयापाकः ॥

चौपई विजयारससौपलहिकढावै दुग्धपचासपलताहिरलावै मंदअग्निसोताहिपकाय तवषोआसीतल-करवाय ॥ छंद खंडतीसपलतासंगमेलैचतुरजातफुनडारै लाचीदालचीनीतजपत्तरनागकेसरहिसवारै जाफलजलपत्रीफुनइटासिटनागार्जनीमंगावै क्रौंचवीजअरुचारोधम्मणीत्रिकुटालवंगहिपावै लाचीदा-णासबइहवस्तूअर्धअर्धपललीजै पीसमहीनछानकरतिनकोवीचरलायेकेकीजै जोमानसनितप्रती-

नेमकरअर्धपलहियहखावै धातुपुष्टकरवीरजवृद्धीप्रमेहस्वासमिटजावै संपूर्णअतिसारहरैइहकासरोग-नहिंराषै प्रदररोगइस्त्रीजोहोवैधातुस्तंभशुभभाषै ॥ इतिविजयापाकः ॥

॥ अथैऽरंडपाकः ॥

॥ चौपई ॥ एरंडबीजपकत्वचहीन प्रस्थमात्रसोंलेयप्रवीन अर्धद्रोणलेदुग्धपकाय मंदअग्निमावाकरवा-य अर्धप्रस्थघृतमोभुंनलेय दोयप्रस्थखंडचाशकरेय ताइकठसंगऔषधपावै त्रिकुटाचतुरजातसुमि-लावै चित्रचवकअरुपिपलामूल विल्वकथसौंफकचूरसमतूल जवायणदोअसगंधसुल्याय कटुसौं-फहलदीजीरातिहपाय धमनीपाठाफालसेमंगावै पुहकरमूलभषडेसंगपावै वालाअमलतासलेयवर देवदारुसतावरसंगधर विधारासर्ववस्तुपरमान कर्षकर्षइहलेयसुजान महीनकूटछानवनवावै मावे-संगमेलकरखावै वातव्याधिअनाहकटिग्रह शूलसोथप्रदरउरूग्रह अफारागुल्मरोगहरस्वास आमवातहिडकीफुनकास हृदयरोगअर्दितआक्षेपक मन्यास्तंभगृध्रसीअपतानक हनुस्तंभएतेदुःख-हरै पलप्रमाणजोप्रातहिचरै ॥ इतिएरंडपाकः ॥

॥ अथश्वेतवतीपाकः ॥

॥ चौपई ॥ स्वेतवतीपुष्पहजारमंगावै प्रस्थघेतमोंताहिभुनावै तज्जतमालपत्रअरुलाची नागकेसरपल-पललेसाची षटपलसाउगीमखीरपलएक मिसरीपचासपलचासकरसक अभ्रकसारकर्षपरमान खुराक कर्षतिहजानसुजान अजीर्णज्वरक्षयकासपरिहरे मंदाग्निमेहशिररोगहिटरै अर्धरात्रदिनज्वरजोहोवै प्रदरकुष्ठअर्शइहखोवै नेत्ररोगमुखरोगविकार रक्तइत्यादिरोगसबटार ॥ इतिस्वेतवतीपाकः ॥

॥ अथगुलावपाकः ॥

॥ चौपई ॥ हजारपुष्पगुलावमंगवाय प्रस्थघेतमोताहिपकाय प्रस्थप्रमाणजुमिसरीसंग औरवस्तु-इहपायसुचंग तमालपत्रदालचीनीपाय नागकेसरसबपलपलल्याय प्रस्थएकमखीरपुनपावे इकठे-मेलकरपाकवनावे पलप्रमाणखायनितजोय वीर्यअधिककरतहैसोय मूत्रघातमूत्रकृच्छ्रविडारै शुक्र-दोषपितरोगनिवारै ॥ इतिगुलावपुष्पपाकः ॥

॥ अथजीरापाकः ॥

॥ चौपई ॥ प्रस्थप्रमाणजीरामंगवावै दोआढकदुधमाहिपकावै खोयावनायअर्धघृतप्रस्थ मंदअग्नि-भुनवायप्रशस्थ खंडदोयप्रस्थतिहपाय चातुर्जातकमघांरलाय सुंठहरडजीरासितलेय वालादाडि-मरसोंतमिलेय धनियांहलदीअरुवंसलोचन अर्धअर्धपलपायविचक्षण कूटछानसबकठेकरे पाकव-नायपात्रमोधरै अर्धपलहिजोनितप्रतिखावे स्त्रीकोप्रदररोगमिटजावे वातपित्तदुर्गंधमुखजाय प्रमे-हमूत्रकृच्छ्रजीर्णमिटाय दाहपीनसहरपुष्टीकरै वलआरोग्यवीर्य्यवृद्धीधरै ॥ इतिजीरापाकः ॥

॥ अथाजवायणीपाकः ॥

॥ चौपई ॥ जवायणप्रस्थप्रमाणजोल्यावे आढकदूधमंदाग्निपकावै प्रस्थघेतमोंताहिभुनाय गुडहिप्रस्थतामोओटाय त्रिकुटाहलदीवायविडंग हरडह्वीवेरभषडेसंग खदिरजातिफललवंगहिपाय पलपलभरसबमानधराय कूटपीससबकटकराय प्रतिदिनसेवनेकदुखजाय पलप्रमाणपावैनितयाकः सर्ववातरोगहरताको मंदाग्नीतनदूरनिवारे दीपनअग्निकरेमनधारे ॥ इतिजवायनीपाकः ॥

॥ अथषंठत्वरोगेपथ्यापथ्यकथनम् ॥

॥ चौपई ॥ शालीशठीतंडुलजानो गोधूममाषपुनपथ्यपछानो चीरशर्करागोघृतजोई वदामळुहारेपथ्यहैसोई वनमृगपच्छीकोरसमास द्राचागिरीपुनपिस्तातास मधुरास्निग्धजोवस्तूजेती सोसबपथ्यपछानोतेती वुटणामर्दनतैलफुलेल चंदनगंधसुगंधकामेल भूषणवस्त्रवागविहार गीतध्वनिपुनपथ्यविचार ॥ अथअपथ्यम् ॥ चौपई ॥ अम्लरूच्चविदाहीतीच्चण अपथ्यजानतुमइनकाभच्चण क्रोधशोकपुनचिंताजोई मलिनअंगपुनजानोसोई च्चतच्चतकेअहारविहार उनतेंभिन्नअपथ्यविचार अवरहुतनुहिकरेंचषान ग्रंथवृद्धिकाभयसुमहांन ॥ इतिअपथ्यम् ॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यषंठत्वकेकीनातासउचार इनतेंभिन्नजुऔरहैसोसबलियोविचार ॥

॥ अथषंठत्वरोगकर्मविपाकः ॥

॥ चौपई ॥ छेदेपुष्पकिसीकेकोई दूसरेजन्मनपुंसकहोई ताकेदोषनिवारणअर्थ इहउपायकरेजुसमर्थ अर्धनारीश्वरकरेजुयाग तातेंदोषनिवृत्तिराग नीलवृषभकोंपूजैसोई विधीजुतासवतावोंतोई रजतजुलेवेपलपरमान मूरतशिवबनवायमहान भागचतुर्थसुवर्णजुआने गौरीमूरततिसकीठाने विवाहविधीतिनकीकरवाय ऊपरवस्त्रपीतउढाय आढकतीनजुतंडुललयावे ताऊपरदोयमूर्त्तविठावे गंधपुष्पनैवेद्यचढाय धूपदीपसबआनजगाय भूषणवस्त्रसुअंगसुधारे वेदघोषतापासउचारे जागररात्रीकेरेनरपूजा वेदघोषविनअवरनदूजा पूजामैंयहमंत्रउचारे सोंहमलिखियोग्रंथमंझारे ॥ ॐनमोर्धनारीश्वरायशूलपाणयेनमः नमःशिवायैशिववल्लभायै तवप्रत्यात्ममकर्मजातंखंडत्वदोषं प्रशमंकुरुष्वशिवप्रियेसर्वसुखप्रदासि इसविधपूजाकरेमहान यवतिलघृतयुनकरेस्नान श्रद्धायुतयहप्रतिमादोय वेदविप्रकोंदेवेसोय खंडभावनिटजावतास पुरुषभावतिसहोतप्रकाश ॥ इतिकर्मविपाकः ॥

॥ अथषंठत्वरोगेज्योतिषम् ॥

चौपई ॥ सप्तमघरकास्वामिजोय युक्तशुक्रकरजानोसोय तातेंपुरुषनपुंसकजानो शुक्रदोषसबपीडामानो शुक्रकेदोषनिवारणकारण जपपूजापाठकरेजुविचारण शुक्रमंत्रआवाहनकरावे उदुंवरसमिधावनगावे तांतेंरोगनपुंसकजाय पारिजातमतदियोवताय ॥ अन्यच्च ॥ जातकालंकारे ॥ ॥ दोहा ॥ षट्योगनपुंसकभावकेकीनेग्रंथउचार सोहमकहुंजुताहिकोलीजोतासविचार ॥ ॥ दोहा ॥ जन्मकुंडलीकेविषैसूर्यचंदहैदोय परसपरदृष्टीताहिकीकरेनपुंसकसोय वापरसपरबुधशनीदेवैदृष्टीजोय तातेंहोतक्लीवतायोगद्वितीयाहोय ॥ चौपई ॥ समघरगतबुधशनीजुजानो भूमीसुतकरदेषितमानो तातेंहोतक्लीवतारोग सोसमझोतुमतीसरयोग विषमराशिघरचंद्रमाजानो अथवाविषमलग्नतुममानो भूमीसुतनिसदेषितहोइ योगचतुर्थाजानोसोइ युग्मराशीघरशशिबुधजानो भूमीसुतकरदेषितमानो रोगनपुंसकतातेंहोय योगपंचमाजानोसोय पुरुषराशीघरशुक्रहिजानो पुरुषलग्नवीदेषपछानो पुरुषराशीघरचंद्रमाहोय यहषट्योगजानतुमसोय ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ जिनजिनग्रहकादेषेयोग तिनतिनग्रहकाकरैप्रयोग सोसोविधसबलियेविचारी ग्रंथवृद्धितेंनाहिउचारी ॥ इतिज्योतिषम् ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांपाकाध्यायकथनंनामद्विषष्टितमोऽध्यायः ॥ ६२ ॥

॥ अथरसाधिकारनिरूपणम् ॥

॥ अथसीतभंजीरसः ॥ चौपई ॥ शिंगरफसैंनिकसाजोपारा पंचटंकताकोलेप्पारा गंधकशुद्धतामेंश्वरल्याय सुंठमिरचपीपलदरसाय सुद्धसुहागापंजपंजटंक सिंगीमहुरालदोटंक सवहिपीसअतिप्रीतलगाय चित्रकरसकीत्रैपुठचाय आद्रकरससातोपुठकहै पानरसहित्रैपुठसुलहै इकदोरचीताहिप्रमाण गोलीबांधचतुरसुजान बालकबूडाइस्त्रीहोई इकरत्तीदीजोतवसोई दोरतीजोहैबलवांन मात्राकोजहनिश्चयमान कफज्वरसीतहरैसबबात रोगहरैदुतिकरविख्यात ॥ इतिसीतभंजीरसः

॥ अथपञ्चवक्त्रनामरसः ॥

॥ सन्निपाते ॥ चौपई ॥ शिंगरफसैंनिकसाशुद्धपारा पंचटंकलेमेलैप्पारा गंधकशुद्धसिंगीमहुरापाय शुद्धसुहागामघांमिलाय कालीमिरचप्रमानविचार पंजपंजटंकलेहुसह्मार गंधकपाराकजलीकीजै औषधऔरसुपीसधरीजै कजलीकरपाराफुनडार खरलवीचसबऔषधधार वीजधतूरेछैलजुलीजै चारघडीतिहखरलकरीजै रत्तीप्रमाणगोलीतिहकरै आद्रकरससोंरोगहिहरै सन्निपातज्वरहोवेनाश ऊपरदधीभातहिततास ॥ २ ॥ इतिसन्निपातहरपञ्चवक्त्ररसः ॥

॥ अथस्वछन्दभैरवरसः ॥

॥ चौपई ॥ सिंगीमहुरागंधकपारा तीनोशुद्धलेहुसमप्यारा पाचोपांचटंकसोलीजैं औरऔषधीतामोंदीजैं जैफलटंकदोइपरमांन दसोटंकमघसंगपछान पारागंधककजलीकरिए औषधमेलखर्लमैंधरिए आद्रकरससोंखर्लकराय एकदिवसनिश्चयमनलाय गोलीरत्तीएकप्रमांन सेवनकरैसन्नकीहांन सीतज्वरविषूचिज्वरजाय विष्मज्वरमंदाग्निनसाय स्वछंदभैरवनामकहायो वैद्यरहस्यग्रंथमतभायो ॥ इतिस्वछंदभैरवरसः ॥

॥ अथचिंतामणिरसः ॥

॥ चौपई ॥ शुद्धपारागंधकशुद्धल्याय अभ्रकतामेंश्वरहिमिलाय मघसुंठमिरचहरडकीछाल वहेडेछालआमलेनाल शुद्धजमालगोटाफुनपाय सबसमखरलमांहिधरवाय आद्रकरससोंखरलदोपहिर पाछेखरलकरधूपमोंधर रत्तीगोलीताहिप्रमाण आठोज्वरसोकरहैहान उदरशूलअजीर्णविनाशै आमवातहरज्योतिप्रकाशै ॥ इतिचिंतामणिरसः ॥

॥ अथकालारीरसः ॥ वातसन्निपाते ॥

॥ चौपई ॥ बारामासेशुद्धपाराल्याय बीसमासेशुद्धगंधकपाय सिंगीमुहुरावारहिमासे कालीमिरचतिहवीसमासे पीपलचालीमासेमान लवंगसोसोलांमासेजान वीजधतूरेत्रयोदशमासे शुद्धसुहागावीससौमासे जायफलअकरकराजहदोय बीसबीसमासेइहहोय प्रथमबुद्धिमोंयाविधिकरै पारागंधककजलीधरे सबऔषधमहीनकरपावै खरलपाइत्रैदिनगडावै आद्रकरससोंइकदिनकीजै दूसरदिननिंबूरसदीजै तीसरदिनकदलीरसपाय रत्तीगोलीताहिबंधाय वातसन्निपातज्वरजावै योगचिंतामणिजुगतवतावै ॥ इतिकालारिरसः ॥

॥ अथत्रिपुरभैरवरसः सन्निपाते ॥

॥ चौपई ॥ सुंठचारपैसेभरमान कालिमिरचताहिसमआन शुद्धसुहागापैसेत्रैभर महुराशुद्धइकपैसा तिहधर इन्हसबकोजुमहीनपिसाय निंबूरसत्रैदिनखरलकराय पांचदिवसफुनआदरकरससों तीनदिवसफुनपानहिरससों तिहपाछैफुनिगोलीकरे इकरत्तीपरमानसोधरै आद्रकरससोंगोलीखाय सन्निपातकोरोगनसाय ॥ इतित्रिपुरभैरवरसः ॥

॥ अथसंज्ञाकररसः सन्निपाते ॥

॥ चौपई ॥ सिंगीमहुराशुद्धकराय सैंधाकालीमिरचहिपाय रुद्राक्षकंडेआरीकाफलआन महुआसमुद्रफलसमठान पीसमहीनअर्कखारपुटदेय तीनपुटनकरयुक्तसुलेय एकवारयादोत्रैवार काननासिकाऊपरधार फूकदेयतोसंज्ञाहोय सन्निपातदूरकरसोय ॥ इतिसंज्ञाकररसः ॥

॥ अथाऽमृतसंजीवनीगुटीरसः ॥ सन्निपाते ॥

॥ चौपई ॥ शिंगरफकाशुद्धपारादोटंक शुद्धसुगंधकपावैत्रैटंक तामेश्वरचारटंकपरमान शुद्धसुहागादोटंकहिजान सिंगीमहुराशुद्धइकटंक कालीमिरचमानचतुटंक पारागंधककजलीकरै फुनसबऔषधखरलहिंधरै ब्रह्मीरससोइकपुटदेय आद्रकरसकीदोपुटलेय सौंठमिरचपीपलऔटाय तांरसकीइकपुटदेचाय चित्रकरसकीइकपुटदेवै पाछेसमस्तमेलकरलेवै रत्तिगोलीमात्रामान आद्रकरससोंखायसुजान सन्निपातमूर्छाकोहरै मृतकपुरुषकोजीवतकरै आमवातवायूकोशूल विषमज्वरसन्निपातनिर्मूल मंदाग्नीसबहोवैनाश रसमंजरीमैंकीनप्रकाश ॥ इतिअमृतसंजीवनीगुटीरसः ॥

॥ अथब्रह्मास्त्ररसः ॥ सन्निपाते ॥

॥ चौपई ॥ पाराभस्मत्रैटंकप्रमान गंधकशुद्धत्रैटंकमिलान दोनोसमसिंगीमहुराषाय तीनोसमकालीमिर्चरलाय सबमिलायखरलमोलेवै सातोसातपुठसोदेवै कलिहारीकेवलकलरससात ज्वालामुखीकोरसपुटसात अद्रकरसमोखरलेजोय सतपुटदेवैहितकरसोय इकीपुटइहताहिवषान गोलीकीजैरत्तीप्रमान सन्निपातकोंगोलीहरै योगचिंतामणियाविधधरै ॥ इतिब्रह्मास्त्ररसः ॥

॥ अथज्वरांकुशरसः ॥ सर्वज्वरे ० ॥

॥ चौपई ॥ संखियामारूवेंगनपाय चौदावारजुअग्निपकाय फुनतिहपीससमदारूपावै पीपलशिंगरफताहिमिलावै खरलकराईदाणप्रमाण गोलीबांधेचतुरसुजान गोलीत्रैचतुपांचदिनदेय शीतज्वरसर्वरोगहरेय ॥ इतिज्वरांकुशरसः ॥

॥ अथवसन्तमालतीरसः ॥ शीतज्वरे ० ॥

॥ चौपई ॥ सुवर्णवर्कमासापरमान तिहद्विगुणवूकामोतीजान भागचारमिरचतिहपावै त्रैभागशिंगरफताहिमिलावै गोमूत्रशुद्धखपरियाअठभाग सबइकठ्ठखरलमोपाग महिनपीसकरमाखनसंग पुनरसनिंबूखरलैचंग जबतकचीकनतानहिमिटे तबनकखरलकरेनहिहटे रत्तीदोवाएकप्रमान गोलीकरैचतुरनरस्यान पीपलअत्ररसहतकसंग खायजीर्णज्वरघातानिसंग धातुविकारगर्मीकारोग संग्रहणीमूत्रकृछ्रसंजोग स्वासकासप्रदरजोटरै अनूपानसंगरोगहिहरै ॥ इतिवसन्तमालतीरसः ॥

॥ अथगंगाधररसःअतीसारे ॥

॥ चौपई ॥ नागरमोथामोचरसलोधर धावैफूलविल्वगिरिसमधर इंद्रजवहफीमसोधेआपारा शुद्ध-गंधकलीजेसमसारा पारागंधकखरलमोठेल कजलीकरसवऊौषधमेल करेत्रैखरलरत्तीपरमान छाछ-संगसेवमतिमान सिरघूमनसंग्रहणीअतिसार दूरहोयगंगाधरधार ॥ इतिगंगाधररसः ॥

॥ संग्रहणीकपाटरसः ॥

॥ चौपई ॥ शुद्धगंधकपाराशुद्धआन अभ्रकशिंगरफसारमिलान जाफलविल्वगिरीमोचारस सिंगीमहु-राशुद्धहोइअस पतीससुंठपीपलमंगवाय कालीमिरचधांईफुलपाय घृतमोभुंनहरडकीछाल कैंथअज-मोदाचित्रकनाल अनारदानाइंद्रजवपाय धतूरेवीजगजपीपलल्याय हफींमसवनकोसमकरलेय पारा-गंधककजलिकरेय सबऊौषधपीसखरलमोपाय एकपहरतकखरलकराय पोस्तरसाहिसंगगोलीकरिए मिर्चप्रमाणमानसोधरिए एकएकपंद्रादिनखाय सन्निपातसंग्रहणीजाय अतीसारविसूचिकानाश वैद्यरहस्यमतीपरकाश ॥ इतिसंग्रहणीकपाटरसः ॥

॥ अथबीजबोलबद्धरसः बवासीरे ॥

॥ चौपई ॥ सतगिलोयशुद्धपाराआन शुद्धगंधकवीजबोलपरमान मोचरसपांचोसमकरल्याथ पारागंधककजलिकराय फुनइहऊौषधमेलपिसावै सहितसोंत्रैमासेनितखावै इक्कीदिनमोखायप्रमान ववासीरअतिसारहोयहान प्रमेहप्रदरभगंदरजाय वीजवोलवद्धरसभाय ॥ इतिवीजवोलवद्धरसः ॥

॥ अथकुठाररसः ॥

॥ चौपई ॥ शुद्धपाराशुद्धगंधकलेय सारशुद्धसिंगीमहुरातेय दंथरचित्रकसुहागाआन बिल्वगि-रीजवखारपछान सवासवाटंकपरमान तामेश्वरसवात्रैटंकप्रमान कालीमिरचपीपलसुंठीपावै सवादोइदोटंकमिलावै सैंधानौनसवापांचटंकमान वत्तीटंकगोमूत्रहिआन थोहरदूधयाहिपरमान सबहिमिलावैचतुरसुजान कडाहीपायआंचपरधरै मंदअग्नसोंपाकसुकरै जवपिंडीतिहहोयप्रवीन दो-मासेकीगोलीचीन गरमनीरसोंगोलीखाय असाध्यसन्निपातदुखजाय ववासीरसवप्रकारकीहरै योगतरंगिणीमतजहधरै ॥ इतिकुठाररसः ॥

॥ अथलोहसाररसः बवासीरे ॥

॥ चौपई ॥ कांतलोहवज्रलोहवाआनै तांकोशुद्धकरैविधठानै तैलतक्रगोमूत्रशोधकर कांजी-त्रिफलारसअग्नीधर कुलत्थरसाअर्कदूधप्रमाण त्रैत्रैपुटदेचतुरसुजान पुनबुझायऔषधरसमाहि ततक-रहिशोधनइहताहि रेतीसंगतिहचूरणकरै मारनविधसोआगेधरै पांचसेरअरुवारहितोले लोहचूर्ण खरलमोरोले त्रिफलारसचारसेरप्रमाण पहरएकतिहखरलकरान पात्रपायऊपरढकलेय ढाईमनगो-हेगजपुटदेय तीनपुठयाहीविधदीजै तौवांसारसचारसेरलीजै सोभीडारखरलकरवान ढाईमनग-जपुटपरमान दोपुटयाकीइहविधदेय पंचगजपुटइहरीतसुलेय फुनात्रिफलेरसदोसेरमंगाय शिंगरफसो-लांतोलेचाय दोनांमिलकरखरलकराय प्रथमचालपरगजपुटचाय इसीरीतसेदोपुटलेय आगेविधीऊो-रपुनतेय अनारपत्तरदोसेरप्रमान शिंगरफसोलातोलेजान गजपुटतीनयहरीतहिचाय दसपुटमाहिसि-

क्षहोइजाय पीपलवासहतकेसंग एकरत्तीइहखायनिसंग प्रथमहिशिवजीमंत्रसुपढै तांपाछेभक्षणइह-करे ॥ मंत्रः ॥ ॐअमृतंभक्षयामिस्वाहा ॥ जोनरयाकोसेवनकरै तीनमासतकवलवहुधरै बवासीरहर-पुष्टवहुहोय वृद्धजुवावस्थाफुनजोय जोकौअनूपानसंगखाय तैसेरोगदेहीनरहाय

॥ इतिलोहसाररसः ॥

॥ अथउन्मत्तरसः सन्निपाते ॥

॥ चौपई ॥ पारापंचटंकपरमान गंधकताहिसमानहिजान दोनोकोकजलीकरवावै दोनोसमयह-औषधपावै सोंठमिरचअरुपीपलठेल पीसमहीनपांचोकरमेल धतूरेफलरसत्रैपुटदेय एकदिवसखरलक-रलेय नासादेयसन्निपातनिवारै उन्मत्तनामरसग्रंथउचारै ॥ इतिउन्मत्तरसः ॥

॥ अथपर्पटीरसः ॥

॥ चौपई ॥ शुद्धपाराशुद्धगंधकल्याय दोनोंमसकजलीकरवाय सोकजलीघृतसोंचुपडावै द्विगणा-बीजाबोलमिलावै रगडजुटिगडीताकीकरै सोटिकडीलोहपात्रमोंधरै आंचदेयपतलीकरवाय केलेपत्र-परतिहढलवाय पपडीकरैताहिकोजानो पर्पटीरससोयाहिवखानो पंद्रादिनसोधनइहकरैं तीनरती-नितप्रतीचरै बवासीरसन्निपातनिवारै वैद्यविनोदमोयाहिउचारै ॥ इतिपर्पटीरसः ॥

॥ अथक्रव्यादिरसः अजीर्णे ॥

॥ चौपई ॥ शुद्धगंधकढाईटंकप्रमान डेढटंकापाराशुद्धजान सारपंचटंकआनधरीजै तामेश्वरपंच-टंककरलीजै गंधकपाराकजलीकरै दोनोनिहकजलीसोधरै खूबमिलाईलोहपात्रपाय अग्नीदेयता-हिपिघलाय चतुरएरंडपत्तोंपरडारै खरलडारमहीनपिसारै पुनशतटकेरसनिंबूपचाइ शतटकेवि-जोरेरसपुनपाइ जवैपचैरसतौइहकरै इनऔषधरसनामोधरै पीपलपिपलामूलचव्यल्याय चित्रकसों-टकाढाकरवाय पचासपुटनाहूकीदेय जवसूकेतववजनकरेय ताहिसमानसुहागाभुंनडार काललवण-अर्धतिहडार जोवजनसवामिलायकरहोइ तोतीकालीमिरचतिहजोइ फुनचनेखारसोंसतपुटदेय सुं-दरपात्रमोंताहिधरेय दोमासेइहरसकोखाय गौमठासैंधासोंमिलाय याकोपीयअजीरणहरेय जोअति-गरिष्टभोजनपरदेय तत्क्षणपाचनकरहैतय औररोगयहनासकरेय गोलाअफारफियादिकरोग उदरके-रोगानिवारैसोग ॥ इतिक्रव्यादिरसः ॥

॥ अथज्वालानलरसः अजीर्णे ॥

॥ चौपई ॥ जवखारसज्जीसुहागाआन शुद्धपाराशुद्धगंधकठान पीपलपीपलामूलचव्यवर चित्रि-कसोंठसबवस्तूसमकर सवहिप्रमाणभुनभंगसुपाइ भंगअर्धजढसुहांजनल्याइ भंगकेरससोखरलसब-करै एकदिवसरसतिसमेंधरै रससुहांजनइकदिनघोट चित्रकरससोंदिनइकघोट धूपसुकाइढाकधरचा-इ ऊपरटाकूदेयवनाइ कपरोटीकरगजपुटदेय सतदिनअादरकरसखरलकरेय एकरतीवादोपरमान साहतमिलायसांकरहै ।ान ऊपरगुडकाक्काथसुपीय तत्कालसवअजीरणहरलीय अतीसारसंग्रहणीसुमि-टाय अरुचिवमनकफरोगनसाय क्षुधावढायपुष्टअतिकरै ज्वालानलरसनामसोधरै इतिज्वालानलरसः

॥ अथरामवाणरसः अजीर्णे ॥

चौपई शुद्धपारापंचटंकपरमान गंधकशुद्धताहीसमजान सिंगीमहुराशुद्धसमलीजै कालीमिरचदस-टंकधरीजै जाफलदोयटंकतिहपाय पारागंधककजलीकराय पांचदिवसकोखरलसुकरै तिंतडीरसकामेलसुधरै रत्तीप्रमाणगोलीतिहजान एकरतिनितकरेंजुपान सातदिवसइहजानप्रमान इसविधखायचतुरसुजान भूखबढैअजीरणभगजाय रामवाणरसकह्योवनाय ॥ इतिरामवाणरसः २१

॥ अथजीर्णकंठकरसः अजीर्णे ॥

॥ चौपई ॥ भूंनासुहागादोटंकप्रमान पीपलदोयटंकभरआन सिंगीमहुरादोइटंकभर हिंग-कालीमिर्चदोदोटंकधर सबमर्दानपीसकरलेय निंबूरससोंखरलकरेय दसदिनअंतरखरलइहकरै मट-रप्रमाणगोलीतिहधरै एकदोगोलीनितप्रतिखाय ऊपरजलशीतलापिलवाय अजीरणविषूचिकाहोवै नाश अजीरणरसइहकियोप्रकाश ॥ इतिअजीर्णकंटकरसः ॥ २५ ॥

॥ अथक्षुधासागररसः अजीर्णे ॥

॥ चौपई ॥ सौंठमिरचकालीअरुपीपल त्रिफलापंचलौनलेनिश्चल भूनासुहागाजवखारहिआन सज्जीशुद्धपारासुमिलान शुद्धगंधकअरुसिंगीमहुरा इनसबसमलेचतुरनरधीरा पारागंधककजलीकरा-य फुनऔषधसबपाइरलाय आदरकरसकीसतपुटदेय रत्तीवजनगोलीसुकरेय लवंगक्वाथसंगगोलीखा-य अजीरणरोगतत्क्षणमिटजाय क्षुधावधायअन्नतिहकरै क्षुधासागररसकोयोधरै इतिक्षुधासागररसः

॥ अथअमृतहरीतकीरसः क्षुधाकरः ॥

॥ चौपई ॥ वडीहरीडइकशहितमंगाय गोकेदधीसंगऔटाय गिटकनिकालस्वच्छकरलीजै सुंठमि-रचकालीजुधरीजै पीपलचव्यचित्रकदालचीनी पांचनोंनजवखारहिंगभुंनी सज्जीदोनोजीरमंगवा-य त्रिवीअजमोदसमानसबल्याय पीसमहीनानिंबूरससाथ दसपुटदेयचतुरनरगाथ सबसमानतिह-चोकमिलावै भिन्नकाढकरधूपसुकावै एकहरडप्रतिदिनजोखाय अजीरणमंदाग्निनरहाय उदररोगगा-लाअरुशूल संग्रहणीवद्धकोष्ठनिरमूल अफाराआमवातसुनिवारै क्षुधावधायस्वच्छमनधारै अमृतहरी-तकीरसहेनाम वैद्यविनोदजाहिकोधाम ॥ इतिअमृतहरीतकीरसः ॥

॥ अथअग्निकुमाररसः विषूचिकादिषु ॥

॥ चौपई ॥ भुंनासुहागाल्यायपंचटंक पारागंधकपंचपंचटंक शुद्धसिंगीमहुरापंचल्याय पीलीकौ-डीराखमंगाय सज्जीपीपलसौंठप्रमान कालीमिरचदोदोटंकजान पारागंधककजलीकरै इहदा-रूसबवीचसुधरै रसजंभीरीखरलकराय आठदिनसमोतांकोवाय रत्तीप्रमाणगोलीफुनकरै तिहगो-लीविषूचिकाहरै ॥ इतिअग्निकुमाररसः ॥

॥ अथपुर्ननवादिमंडूररसः ॥

॥ पांडुरोगे ॥ चौपई ॥ मंडूरहिगोमूतरकेसंग एकटंकगुडतांकेसंग तिहपकायजोचतुरसुआन खायपांडुरोगहतमान इटसिटजढत्रिविचित्रकआन सौंठमिरचपीपलफुनठान वायविडंगदालहल्द-मंगाय कुट्टहलदीत्रिफलाचव्यपाय दंतिइंद्रजवपिपलामूल कटुकीनागरमाथातूल ककडसिंगीखु-

रासांनीअजवान कायफलदोदोटंकपरमान महीनपीससोल्लानकराय हनाताहिमंडूरमिलाय अष्टगुणागोमूत्रपकावै टंकप्रमाणगोलीवंधवावै एकएकगोलीदधिसाथ पंद्रादिनजोखायप्रभात पांडुरोगकामलानिवारै हलीमकस्वासकासफुनटारै राजरोगज्वरसोथमिटाय शूलफियाअफारानरहाय वत्तासीरसंग्रहणीनिवारै कृमिअरुवातरक्तकोटारै कोढइत्यादिरोगहोयनाश पुनर्नवादिमंडूररसतास ॥ इतिपुनर्नवादिमंडूररसः ॥

॥ अथराजमृगांकरसःराजरोगे ॥

॥ चौपई ॥ मारापारात्रैभागमंगावैं सुवर्णभस्मइकभागधरावै मनशिलएकभागसोडार गंधकशुद्धइकभागविचार चारोभरकौडीमंझार अधिकहोएतौअधिकविचार फुनबकरीदूधसुहागालयावै कौडीओंकोमुखवंदकरावै सोकोडीकुजमोधरै मुखकुजेकावंदसुकरै गजपुटआंचदेयशुभकार शीतलहोयतोवाहरडार चाररत्तीप्रमानानितखावै एकमासतकनेमकरावै वर्धमानपीपलसंगकहिये सत्रातीनपीपलसोलहिये अथवामधूमाखनसोंखावै इक्कीदिनतकपथ्यधरावै राजरोगअवश्यमिटजाय राजमृगांकरसकह्योवनाय ॥ इतिराजमृगांकरसः ॥

॥ अथकुमुदेश्वररसःराजरोगे ॥

॥ चौपई ॥ शुद्धपारापंचटंकप्रमान शोधीगंधकताहिसमान अभ्रकशुद्धपंचटंकधरीजै शिंगरफदोयटंकसोलीजै मनसिलदोयटंकफुनजान पारागंधककजलीमान फुनइहऔषधलेयमिलाय खरलवीचसवहीकोपाय सबसंआधासारमिलावै सतावरिसोंखरलकरावै चौदांपुटहिताहिकोदेय फुनरत्तीदोनितप्रतिलेय मिश्रीसाथप्रातउठखाय राजरोगकफवातपितजाय कुमुदेश्वररसकह्योवनाई वैद्यरहस्यमोयहविधिगाई ॥ इतिकुमुदेश्वररसः ॥

॥ अथकपर्दिकेश्वररसः ॥

॥ चौपई ॥ पारागंधकसमकजलीकीजै पीलीकौडीमोंभरलीजैं भूंनसुहागाकौडीमुखजोडे कुजेमोंधरगजपुटछोडे सीतलहोयनवलेहुनिकार रतीप्रमाणसेवदुखटार राजरोगश्वासकासविडारै संग्रहणीज्वरअतिसारनिवारै कपरदिकेश्वररसयांकोनाम रुद्रदत्तमोकियोसुनाम ॥ इतिकपर्दिकेश्वररसः ॥

॥ शुद्धशिलाजीतरसःराजरोगे ॥

॥ दोहा ॥शुद्धसिलाजितआनकेसेवनकीजैतास राजरोगमिटजातहैकह्योग्रंथमतजास ॥ इतिशुद्धशिलाजीतरसः ॥

॥ अथपंचामृतरसःराजरोगे ॥

॥ चौपई ॥ मृगांकरूपरसफुनतामेश्वर पाराभस्मअभ्रकसमइहधर तौपुटदेइनऔषधसंग देयप्रथमपुटवायविडंग नागरमोथाकांफलएक अरुनिर्गुंडीजानविवेक दशमूलीचित्रकहल्दीठान सुंठमिरचकालीपरमान नौपुटएहप्रमानसुदीजे अर्धरत्तीगोलीतिसकीजै एकगोलीनितप्रातजोखाय राजरोगखांसीमिटजाय फियागोलाइत्यादिकहरै पंचामृतरसयाविधधरै सारसंग्रहमोकियोवषान निश्चयकरकैमनमोआन ॥ इतिपंचामृतरसः ॥

॥ अथसमूहरसःकासरोगे ॥

॥ चौपई ॥ पाराएकटंकमंगवाय शोधीगंधकदोटंकपाय पीपलतीनटंकपरमान हरडछाल-चारटंकहिजान चारोटंकवहेडेछिलके ककडसिंगीपंचटंकले महीनपीसकरसबहींजोय बंबू-लछालकाथपुटदोय टकेप्रमाणगोलीतिहकरै गोलीखायफुनकाथसुचरै सुंठकाथसोंकासनरहै समू-हरसग्रंथसुनामसोकहै ॥ इतिसमूहरसः ॥

॥ अथ आनंदेश्वरभैरवरसः ॥

॥ खांसीच्चयीरोगे ॥ चौपई ॥ शुद्धपाराशुद्धगंधकल्याय शिंगरफशुद्धसिंगीमहुरापाय सोंठमिरच-कालीअरुपीपल भुन्नसुहागासमसबहीमल पारागंधककजलीकरै पाछेसबहीऔषधधरै भांगरेरससोंखरलकरीजै एकदिवसताहीसंगभीजै तीनदिवसखरलपरमान विजोरेरसकरताहिमिला-न अर्धरत्तीमात्रातिहजानै दसदिनखांसीहतमानै च्चयीसंग्रहणीअरुसन्निपात मृगीआदिरोगसब-घात आनंदभैरवरसइहकह्यो ग्रंथमतांतसर्वसोलह्यो ॥ इतिआनंदभैरवरसः ॥

॥ अथश्वासकुठाररसःश्वासरोगे ॥

॥ चौपई ॥ पारागंधकशुद्धमंगाय सिंगीमहुराशुद्धफुनपाय भुंनासुहागामनसिलल्याय काली-मिरचसुंठपीपलपाय ढाईढाईटंकसमधरै पारागंधककजलीकरै जहसबऔषधदेयमिलाय आद्र-करससोंइकपुटचाय रतीखायस्वासहतजाय स्वासकुठाररसकह्योवनाय ॥ इतिश्वासकुठाररसः ॥

॥ अथसूर्यावर्तरसःश्वासरोगे ॥

॥ चौपई ॥ पारागंधकअर्धभागधर समइनतामेश्वरसंगकर तीनोक्वारकंदरसखरलै तांवसंपुट-माहिसुधरलै वालुजंत्रइकदिवसमंझार अग्नदेयशुद्धकरैअपार एकरत्तीजोनित्तहीखाय स्वासरोग-कोदेयहटाय ॥ इतिसूर्यावर्त्तरसः ॥

॥ अथमहोदधिरसःश्वासबवासीरे ॥

॥ चौपई ॥ पारागंधकशुद्धकराय शुद्धसारतजपत्रधगाय कालीमिरचसौंठफुनलीजै नागके-सरनागरमोथादीजै वायविडंगसम्हालूल्याय कवीलापीपलमूलरलाय पारागंधककजलीकरै सब-औषधपीसताहिमोधरै जलपीपलरसमोंत्रैपुटदय चणप्रमाणगोलीकरलेय नित्यखायरोगीहिंजाय स्वासकासनासतिसहाय बवासीरसंग्रहणीहरै भगंदरहृदयरोगसवटरै पसलीशूलसंग्रहणीजाय उदररोगप्रमेहनरहाय महोदधिरससबरोगहिहरै सर्वसंग्रहमोयोंउच्चरै ॥ इतिमहोदधिरसः

॥ अथअमृतार्णवरसःश्वासे ॥

॥ चौपई ॥ पारागंधकशुद्धकरावै सारसुहागानालरलावै रासनाविडंगत्रिफलाआन देवदारु-कालीमिरचसुजान सुंठपिपलीगिलोयमंगावै कमलगठशुद्धमहुरापावै पारागंधककजलीकरै फिर-सबसमऔषधतिहधरै पीसमहीनताहिजुरलावै सहितभंगतिमवटीवनावै गोलीरत्तीकीजुवंनाय स्वासरोगसर्वमिटजाय अमृतार्णवरसजहिवषानो वैद्यरहस्यमोइहविधजानो ॥ इतिअमृतार्णवरसः ॥

॥ अथमेघाडम्बररसः श्वासहिडकीरोगे ॥

॥ चौपई ॥ पारागंधकसमदोल्याय कजलीकरैखरलमोपाय चौलेरीकेरसखरलसुकरै पांचोंदिवसतकमर्दनधरै वज्रमूसीमोताहिधरीजै वालूयंत्रइकदिनमोदीजै याहिरत्तीदोपानसंगपाय हिडकीस्वासरोगनरहाय मेघडंवररसयाकोकहै रुद्रदत्तग्रंथमोअहै ॥ इतिमेघाडम्बररसः ॥

॥ अथअग्निकुमाररसः अरुचिमंदाग्निरोगे ॥

चौपई जवखारसज्जीसुहागाआन पांचोनोनइहसमकरठान कालीमिरचपीपलीमंगावे भीमसैनीकपूरत्रिफलातिहपावै लवंगचव्यचित्रकसारधरीजै अनारदानाआद्रकतिंतडीलीजै इकइकवस्तुवरावरल्याय महीनपीसकरखरलमोपाय अजवाइनकाथतीनपुटदीजै निंवूरसपुटपांचकहीजै अमलवेतरसत्रैपुटदेय चणेप्रमाणगोलीसुकरेय नित्यखायेतौअरुचिविनाशै मंदाग्निगुल्मप्रमेहसवनाशै खांसीकफरोगोंकानाश अनूपानमनहोतप्रकाश अग्निकुमाररसयाकोनाम ग्रंथसारमोयाहिसुधाम ॥ इतिअग्निकुमाररसः ॥

॥ अथचंद्रकलारसः दाहअम्लपित्ते ॥

॥ चौपई ॥ पारागंधकशुद्धमंगाय तामेश्वरअभ्रकसमतिहपाय तोलातोलासबहिधरीजै गंधकपाराकजलिकरीजै फुनडारैदोनोसमभाय नागरमोथरसखरलकराय इकपुटताहिकीसोदीजै मीठेअनाररसइकपुटलीजै वडअंकुरएकोपुटचाय चंदनरसकीइकपुटलाय सहदेवीरसकीइकपुटदीजै दावरसाहिकीसातोलीजै फिरछायामोताहिसुकाय चणेप्रमाणगोलीजुवनाय नितइकगोलीपानकरैजो दाहाअमलपित्तहरैसो मूत्रकृछ्रप्रदरप्रमेहनिवारै इनसवरोगनतुर्तविडारै चंद्रकलारसनामइहकह्यो ग्रंथसमुच्चययमाहिइहलह्यो ॥ इतिचंद्रकलारसः

॥ अथआमवातारिरसः आमवातरोगे ॥

॥ चौपई ॥ पारागंधकशुद्धद्वयल्याय सोंठकौडत्रिफलातिहपाय अमलतासससमभागमंगावे हरडछालसत्रत्रिगुणीपावै पारागंधककजलीकरै औरऔषधीपीससुधरै खूवमिलायगोलीतिहचाय माषप्रमाणताहिदरसाय सोंठअरंडजढकाथसुकरै तासंगखायआमवातकोहरै आमवातरसकह्योवनाहि एतेवर्जकहेइसमाहि दहीदूधमछीनहिखाय गुडअरुमांसमाषनहिभाय भावप्रकाशमतकह्योवनाय निश्चयकरकैमनमोल्याय ॥ इतिआमवातारिरसः ॥

॥ अथवातेश्वररसः सर्ववातरोगे ॥

॥ चौपई ॥ शुद्धगंधकपांचटंकमंगावै तामेश्वरतिहसमकरपावै पाराढाईटंकप्रमान सारदोयटंकतामोठान चारोमेलकजलीकरलीजै एरंडपातपरडालसुदीजै पीसखरलमोइहसंगपाय पीपलपिपलामूलचव्यरलाय चित्रकसुंठकाढाकरवाय तिहकाढेकीसोलांपुटचाय वहेडेरसकीवीसपुटदेवै गिलोयरसकीसोदसपुटलेवै फुनीवजनसमऔषधमान भुंनसुहागाताहिमिलान अर्धसुहागेविडलौंनतिहडालै कालीमिरचतिहसमफुनघालै मिरचसमानइहचारोपाय सोंठपीपलीत्रिफलाभाय लवंगपीससवइकरंगकरै इकमाषप्रमाणपानसंगचरै सर्वरोगमात्रहरलेय क्षुधाकरैआमवातहरेय कृशनरपुष्टअत्यंतसुकरै चाररत्तीजोपानइहकरै कंठपूर्णअन्नपाचनकरै यहगुणरसकेमनमोधरै वातेश्वररसकह्योवनाय सारसंग्रहमोलिखियोचाय ॥ इतिवातेश्वररसः ॥

॥ अथतालकेश्वररसःवातरक्तरोगे ॥

॥ चौपई ॥ हरतालसुद्धपत्रमंगवाय इटसिटरससोंखरलकराय दोयदिवसतिहखरलकरीजै गाढाकर-टिक्कीतिहकीजै टिक्कीधूपधरसघनकराय इटसिटखारठीकरमोपाय टिक्कीतांकेभीतरधरै चुल्हेचाढ-आंचतिहकरै पांचदिवसदिनरातमंझार मधुरीआंचकरताहिनिवार शीतलस्वांघहोवैगोजवै काढले-यहरतालकोतवै वजनवरोवरस्वेतहोइजाय रतीतांमोलेयचुकाय गुडूच्यादिक्काथसंगजोखावै वातरक्त-निर्मूलकरावै अष्टादसकुष्टफिरंगकोवाय विसर्पपामाविस्फोटनसाय लूंनखटाईवर्जइसमाहि कटु वारसधूपअग्नीनाहि इनबातोंसेदेहबचावै सैंधालूंनमीठारसखावै तालकेश्वररसकह्योवनाहि भावप्रकाशमोजुगतिहैयाहि ॥ इतितालकेश्वररसः ॥

॥ अथशूलगजकेसरीरसःशूलरोगे ॥

॥ चौपई ॥ शुद्धगंधकइकवजनमंगाय ताहिअर्द्धशुद्धपारापाय तिहसमशुद्धताम्रजुहोय कंटक-वेधपत्रहैजोय तीनोमेलखरलकरवाय एकदिवसफुनगोलाचाय हांडीलूंणसंगसोभरै गोलांमध्यताहु-मैंधरै तीनदिवसअग्नितिहदेय स्वांगशीतचूर्णकरलेय नागरवेलपत्रकेसंग एकरतीभरखायनिसंग तत्त्क्षणशूलरोगहोयनाश इहविधकहीसमुच्चयप्रकाश ॥ इतिशूलगजकेसरीरसः ॥

॥ अथगंधकरसःशूलवातरोगे ॥

॥ चौपई ॥ त्रिफलाएकटकाभरलीजै पंचटंकगंधकशुद्धदीजै सारसोढाईटंकप्रमान तीनोमेल-सुखरलकरान ढाईटंकसमशहतमिलाय घृतढाईटंकतामोपाय तीनइकत्रैमासजुखाय शूलवात-देहीनरहाय औरविकारफोडासबहरै गंधकसाररसइहगुणकरै ॥ इतिगंधकरसः ॥

॥ अथान्यःशूलगजकेसरीरसःशूलरोगे ॥

॥ चौपई ॥ कौडीखारशुद्धसिंगीमहुरा सैंधानौनसौंठपीपलथोरा कालीमिरचछेयसमल्याय मही-नपीसकरछानकराय नागरवेलरससोंरतीप्रमाण गोलीवांधैचतुरसुजान गोलीखायइकशूलविडारै शूलगजकेसरीरसहिउचारै ॥ इतिशूलगजकेसरीरसः ॥

॥ अथाग्निमुखरसःवातशूलरोगे ॥

॥ चौपई ॥ शुद्धपाराशुद्धगंधकल्याय अभ्रकतामेश्वरहिमंगाय अमलबेतशुद्धसिंगीमहुरा सब-समपीसकरैतिहजोरा आदरकरससोंगोलीकरै रत्तीतीनप्रमाणसोधरै जलसोंगोलीखायसुकोय वा-तरोगहरहैसुनसोय ॥ इतिअग्निमुखरसः ॥

॥ अथशंखवटीरसःशूलरोगे ॥

॥ चौपई ॥ वडाशंखलेअग्नतपाय निंवूरसमोताहिबुझाय इकीसवारइहरीतकरीजै तवनिंवूरस-सीतलकीजै चूर्णकरैतिहइम्लीखार एकटकाभरताहिविचार टकाटकाभरकचविडलौन छेछेमासे-भरऔषधतौन सुंठमिरचमघकठीकरै भुंनीहींगइकटकासुधरै सिंगीमहुराशुद्धप्रमान पांचटंकट-कापाराठान गंधकशुद्धइकटकासुलीजै सवकोमहीनपीसकरदीजै पारागंधककजलीकरै सबमि-लायइकरंगसवरै गोलीवांधेवेरप्रमान लवंगकाढेसंगचतुरसुजान तत्त्क्षणशूलहरैसुखहोय शंख-वटीरसजानोसोय ॥ इतिशंखवटीरसः ॥

॥ अथशूलदावानलरसः शूलअजीर्णरोगे ॥

॥ चौपई ॥ शुद्धपाराइकटकाधरीजे शुद्धगंधकइकटकालहीजै सिंगीमहुराइकटकामंगाय कालीमिरचपीपलफुनपाय ककडसिंगीटकाटकाजान भुंनीहिंगदोटकेप्रमान पांचोलूनअठटकेसुपावै इम्लीखारअठटकेमिलावै जंबीरीरसजुबुझायाशंख भस्मताहिअठटकेनिसंग पारागंधककज-लीकरै तिसमोसबऔषधफुनधरै निंबूरससोंखरलकराय एकटंकभरगुटीवनाय जलसोंगोलीखायजुको ई शूलअजीरणमिटहैसोई उदररोगमंदाग्निविनाश शूलदावानलरसहिप्रकाश इतिशूलदावानलरसः

॥ अथनाराचरसः उदावर्तरोगे ॥

॥ चौपई ॥ शुद्धजमालगोटामंगवाय पारागंधकशुद्धतिहपाय भुंनासुहागासोंठजुपीपल मिरच-सबहिसमानकरनिश्चल पारागंधककजलीकरै फुनसबऔषधतामोधरै पहरखरलकरताहिघुटाय रती-चारमिश्रीसंगखाय उदावर्तअफाराहविनाशै उदररोगगोलाहरभासै नाराचरसइहकह्योवनाय वै-द्यरहस्यमोप्रगटचिताय ॥ इतिनाराचरसः ॥

॥ अथविद्याधररसः शूलगोलारोगे ॥

॥ चौपई ॥ मनसिलअरुहरतालमंगाय रूपामखीतामोपाय गंधकआमलेसारजुलीजै तामेश्वर-तिसमाहीरलीजै पारेसमसबऔषधजानै सोसबपीसमहीनकरछानै पारागंधककजलीकरै औषधस-बलेतांमोधरै पीपलक्वाथरसेदिनएक खरलकरैचातुरबुद्धशेष थोहरदुग्धएकदिनखरलै एकटंक-प्रमाणतिहधरलै शहतअथवागोमूतरमास खावैगोलाशूलविनास ॥ इतिविद्याधररसः ॥

॥ अथगुल्मकुठाररसः गोलारोगे ॥

॥ चौपई ॥ पारागंधकशुद्धमंगाय भुंनासुहागात्रिफलापाय सौंठमिरचकालीअरुपीपल शुद्धहर-तालतामेश्वरनिश्चल सिंगीमहुराशुद्धमंगाय जमालगोटाशुद्धतिहपाय सबऔषधसमलेयप्रमान गंध-कपाराकजलीकरान पीसमिलायसबऔषधतिसै भांगेररसकीत्रैपुटाजिसै तीनदिवसखरलसोकरै रती-प्रमाणगोलीतिहधरै आद्रकरससोंगोलीखाय गोलारोगउदरतेजाय ॥ इतिगुल्मकुठाररसः ॥

॥ अथवंगेश्वररसः फियारोगे ॥

॥ चौपई ॥ पाराशुद्धइकभागधरीजे वंगभस्मइकभागसुलीजे शोधीगंधकचारसुभाग तामेश्वर-भागचारधरआग आकदुग्धदोदिनमंझार खरलकरैपुनगोलाकार पूर्वविधीसोंगजपुटदेय सीतलहो-यसुताकोलेय घृतकेसंगरतीदोइखावै गोलाफियाउदरतेंजावै ॥ इतिवंगेश्वररसः ॥

॥ अथतक्रसंधानरसः फियारोगे ॥

॥ चौपई ॥ सांभरलूंनहलदीअरुराई तीनोटकाटकाभरल्याई सउटकाभरमठापाय वासनमा-हिपंचदिवसटिकाय पांचटकेभरदिनदिनपीय फीयारोगदेहीनरहीय ॥ इतितक्रसंधानरसः ॥

॥ अथकूष्मांडरसः मूत्रकृच्छ्ररोगे ॥

॥ चौपई ॥ पेठेरससोंमिश्रीमिलाय पीवैमूत्रकृच्छ्रनरहाय ॥ इतिकूष्मांडरसः ॥

॥ अथलघुकेसरीरसः मूत्रकृच्छ्ररोगे ॥

॥ चौपई ॥ पाराशुद्धइकभागसुलीजै शुद्धगंधकचारभागधरीजै दोनोकजलीकरैसुधार कौडीभीतरताहीडार भुंनसुहागाकौडीमुखलावै सोकौडीकुज्जेमेंपावै गजपुटमोफूकैतिहपाय सीतलहोयसुवाहरचाय तिहकौडीपीसैपरधान रत्तीतांकोलेयसुजान इक्कीदानेमिरचमिलाय घृतसंगखायमूत्रकृच्छ्रजाय ॥ इतिलघुकेसरीरसः ॥

॥ अथमेघनादरसः प्रमेहरोगे ॥

॥ चौपई ॥ गंधकपाराशुद्धसुलीजै शोधीसोनामखीधरीजै सौंठमिरचपीपलत्रिफलाय शिलाजीतहलदीसुमिलाय गिरीवेरअरुकैथलहीजै सबसमानऔषधकरलीजै पारागंधककजलीकरै महीनपीससबऔषधधरै खूबमिलायखरलसोपाय भांगरेरसइक्कीपुटभाय सवाटंकभरप्रतिदिनखाय प्रमेहरोगकोंदेतहटाय ॥ इतिमेघनादरसः ॥

॥ अथहरीशंकररसः प्रमेहरोगे ॥

॥ चौपई ॥ पाराअभ्रकसमदोयल्याय आंवलेरससोंखरलकराय सातदिवसखरलकरीजै रत्तीखायप्रमेहहरीजै ॥ इतिहरीशंकररसः ॥

॥ अथप्रमेहकुठाररसः प्रमेहरोगे ॥

॥ चौपई ॥ कपूरभीमसैनीमंगवाय भडंगीजाफलफुनतिहपाय अलाचीगोखरूमोचरसलोधर पाराअभ्रकवंगसारवर इहवस्तूसमसबहींलीजै खळकरैफुनपायधरीजै दोरत्तीनित्यशहतसोंखाय प्रमेहमात्रसबलेयहटाय ॥ इतिप्रमेहकुठाररसः ॥

॥ अथतालकरसः प्रमेहरोगे ॥

॥ चौपई ॥ मारितपारासोइमंगाय वंगेश्वरअरुसारमिलाय अभ्रकसबहिवराबरकरै शहतसंगखरलमोधरै एकदिवससोखरलकराय मासाएकशहतसंगखाय अत्यंतमूत्रप्रमेहनिवारै रससारहिइहविधजुविचारै ॥ इतितालकरसः ॥

॥ अथवडवानलरसः मेदरोगे ॥

॥ चौपई ॥ पारातामेश्वरहिमंगावै वीजावोलसारसमल्यावै महीनपीसभांगरेरससाथ त्रैदिनखरलकरैसुनगाथ शहतसंगदोरत्तीखाय मेदरोगसबदूरहटाय ॥ इतिवडवानलरसः ॥

॥ अथउदरारिरसः जलोदररोगे ॥

॥ चौपई ॥ नीलाथोथागंधकपीपल हरडछालसमल्यायताहिवल पीसेखरलकरैदिनपांच थोहरदूधपायकरसांच मासाप्रतिदिनगर्मजलचाय जलोदररोगउदरतेंजाय भत्तअरुमिशरीशर्बतजिसहि शर्वतपीययाहिपथतिसहि ॥ इतिउदरारिरसः ॥

॥ अथउदयभास्कररसः उदररोगे ॥

चौपई सौंठकालीमिरचअरुपीपर पांचोलूंनसुहागासज्जीधर समइनजमालगोटाशुद्धपाय दंतीरसकीत्रैपुटचाय विजोरेरसकीत्रैपुटदेय छायामोतिहखुश्ककरेय आधारत्तीतांकोखाय उदररोगसबहीसुहटाय गुल्मअफाराशूलविडारै ववासीरइहरोगनिवारै नेत्रअंजनकरैविचार सर्पविषाहिकोहरतअपार ॥ इति ०

॥ अथरूपराजरसः भगंदररोगे ॥

॥ चौपई ॥ पाराएकभागमंगवाय तांवेकीमलचौगुणपाय दोनोंकागलहरीरसठान पांचदिवसतिहखरलकरान पाछेतांवेसंपुटपावै रेतदेगकेमध्यधरावै चारोंऔररेतहिसोभरे लकडीअग्नताहिसोवरे आठपहरआंचतिहदेय शीतलहोयतबकाढसुलेय कुजेमाहिफुनताहिधरीजै घृतशहतसोंपूरणकीजै मुखतिहवंदकरोमृतकासों भूमीधरफूकैधमनीसों चक्रखायखूबपकजाय वाहिरकाढलयेतिसचाय त्रैरत्ती शहतामिलाय चाटैरोगभगंदरजाय ऊपरात्रिफलाकाढापीवै पथ्यसोंरहैरोगहतथीवै इतिरूपराजरसः

॥ अथरविसुंदररसः भगंदररोगे ॥

॥ चौपई ॥ एकभागपारामंगवाय गंधकदोनोभागमिलाय खरलमाहितिहकजलीकरै कारकंदरसखरलसुधरै फुनगोलाकरसंपुटमाहि तांबेकेसोधरैमनचाहि देगमध्यसोंसंपुटधरै चारोऔरराखसोभरै हेठअग्नइकदिवसतिहदेय स्वांगशीतहोयवारकढेय जंभीरीरसकीसतपुटदेय रत्तीएकजुत्रजनधरेय एकरतिनितघृतमोपाय चाटैभगंदररोगनसाय मुसलीलहसनपाछेभावे रहैपथ्यमीठानहिखावै दिनसोवनमैथुननाहिकरै वासीभोजननाहीसुधरे ॥ इतिरविसुंदररसः ॥

॥ अथगालितकुष्टारिरसः कुष्टरोगे ॥

चौपई ॥ शुद्धपाराशुद्धगंधकल्याय तामेश्वरसारगूगलसमपाय चित्रकशिलाजीतकुचलाय वचअभ्रकसबसमहिमंगाय कणगचवीजपारेथोंचौगुण पारागंधककजलीकरइन फिरकजलीसबऔषधडार एकजीवकरसबहीमंझार शहतघृतसंगदोटंकजुखाय चावलदूधपथ्यतिहभाय गलितकुष्टइहहरसोजांन सौम्यरूपसुंदरअतिमान इस्त्रीसंगवर्जइहजान गलतकुष्टारिरसयांकोमान ॥ इतिगालितकुष्टारिरसः

॥ अथफिरंगगजकेसरीरसः ॥

फिरंगवायुरोगे चौपई ॥ कालाजीराकुठजुगल्याय दोयदोयटंकभरत्वजनकराय त्रैगुणइनसोंगुडहिमिलावै कुठपंद्रागोलीसुकरावै उठप्रभातइकगोलीखाय संध्यासमैगोलीइकभाय फिरंगवायुयाहीतेंजाय कनकरोटीघृतसोंचुपडाय पथ्यखायतोरोगनसाय फिरंगगजकेसरीरसकेछाय इतिफिरंगगजकेसरीरसः

॥ अथमृगांकरसः खांसीश्वासरोगे ॥

चौपई सुवर्णपत्रपतलाकरवाय गरमतेलमोदेयवुझाय कांजीमट्ठेत्रिफलेरसमाहि गोमूत्रकुलत्थक्काथसुवुझाहि दोदोवारतसकरलेय इकइकरसवुझायलेतय दूनापारासोनेसेंलेवै वीचरषराइखरलकरवै पाछेतांहिगोलीवनवाय दोनोसमगंधकतिहपाय ऊपरहेठगंधकसोकरै संपुटमाहिमध्यगोलीधरै कपरमाटींसंपुटाहिकराय गजपुटताहिदेयमतचाय इसीरीतसेंत्रैपुटदेय मृगांकशुद्धहोतफुनलेय पुनः ॥ कंचनपत्रलेयमंगवाय खटाईमाहिखरलसुकराय पारासमपायकरलीजै कचनाररससोंएकपुटदीजै अग्निछालरसत्रैपुटचाय कलिहारीजढरसइकपुटभाय चौथाहिसातिहमोतीडालै खरलकरैफुनतामोडालै शुद्धगंधकसबसमानतिहडाल गोलाकरैसंपुटसोंवाल गजपुटमोफूकैइकवार स्वांगसीतहोयफेरनिकार तिहखानेकीरीतइहकही रत्तीताहिशहतसोंलही षाईटंकशहतपरमान खायसुखांसीश्वासमिटान चाईअरुचिआदिदुखहरै ऋतुप्रमाणकायाखछकरै पुष्टशरीरपथ्यसोंरहै खटाईआदिसबवर्जतकहै मृगांकरसाइहकियोवषान भावप्रकाशमतीयोंजान ॥ इतिमृगांकरसः ॥

॥ अथरूपरसः ॥

॥ चौपई ॥ तीनभागचांदीवनाय एकभागहरतालसुहाय जुगलखटाईसोंखरलसुकरे गोलाकरसंपुटमोधरे गजपुटदेयताहिकोभाय चौदहिपुटइहरीतहिचाय सुंदरनिपटहोयहैजवै रत्तीखायगुणवहुतेतवै ॥ पुनः ॥ अथवाचांदीवरकनमाहि ऊपरहेठरूपामखीसमचाहि संपुटधरैगजपुटतिहदेय सुंदररूपरसताहिवरेय एकमासलगरत्तीखाई गुणअपारकरहैसुनभाई ॥ इतिरूपरसः ॥

॥ अथतांवेश्वररसः ॥

॥ चौपई ॥ तांवपत्रशुद्धकरलेय तत्तअग्नतेलमट्ठेमोदेय त्रिफलेरससतवारबुझावे संपुटमोंसोपत्रधरवावे रूपामखीहेठऊपरधरै गजपुठदेयतामेश्वरवरै चंगावनेसुरत्तीखाय मासप्रमाणश्वासखांसजाय औरअत्यंतगुणकारकजान तामेश्वरकीइहविधमान ॥ इतितांवेश्वररसः ॥

॥ अथनागेश्वररसः ॥

॥ चौपई ॥ शीसेकोगलायइहकरै तेलमठेगोमूत्रमोधरे त्रिफलेरसअकदूधबुझाय सातवारइहरीतसुचाय कडछेपायचुल्लेपरधरे नीचेप्रज्वलतअग्नीकरे पीपलचूरणतांऊपरडाल अमलीचूरणतांकेनाल चौथाभागसबचूरणचाय थोडाथोडाऊपरपाय लोहदंडसोंरगडतरहे एकदिनहिमोयहविधकहे जीरकरससोंदसपुटदेय जंवीरीरसदसपुटलेय नागरवेलपत्तररसचाहि तांकीदसपुटदेवैताहि मनसिलसीसेसमकरलेय कांजीसोंफुनदसपुटदेय टिकीवांधसंपुटमाहिधरे गजपुटप्रमाणयाहिविधकरै सठपुटसोंनागेश्वरवनै रतीखायअत्यंतगुणजनै शतरोगहिकोंदेयहटाय ग्रंथकारकोयहमतभाय ॥ पुनः शीशाशोधकडछेमोधरै नीचेअग्नप्रज्वलितकरै इकदिनकेवडेघोटसंगघोटे भस्मलालहोयनीचेलोटे मात्राएकरत्तीपरमान इक्कीदिनमोवहुगुणजान ॥ इतिनागेश्वररसः ॥

॥ अथवंगेश्वररसः ॥ चौपई ॥

कलीगलायजुगतेलबुझाय मठेअरुगोमूत्रमोचाय कांजीत्रिफलेरससतवार तत्तकरतयाहीमोडार अकदूधहिसतवारवुझावे फुनकडछाचूलेधरवावे पीपलछालअरुआमलीछाल कलीथोंचौथाहेसानाल महीनपीसतिसडारतरहै लोहदंडसेंघसतागहै दोयपहरआंचपरधार छालपाइरगडतिसडार भस्मवंगजवहोयप्रवीन वंगसमानहरताललेचीन खट्टारसदोनोखरलाय गजपुटदेयतांहिहितचाय इसीरीतसोंदसपुटदेवै तववंगेश्वरसिद्धमनेवै मात्रारत्तीताहिप्रमान औरविधीभीजानसुजान वंगवरोवरपारालेवै दोनोसमइकट्ठकरेवै पत्रकरैइकउपलालेय कसेलचूर्णहेठऊपरदेय रांगेकपडाभीतरधरै आसपासउपलेतिहकरै विनवायूजिहजागाहोय फूकदेयफूलेसोजोय अत्यंतगुणकारकतिहजान वंगेश्वरविधिकीनवषान ॥ इतिवंगेश्वररसः ॥

॥ अथसारविधिः ॥

॥ चौपई ॥ गजवेलिलोहचूरणकरवाय गर्मकरेतेलकांजीवुझाय मट्ठेगोमूत्रसतवार तत्तकरतबुझावैतिहसार केलेरसमेंखरलसुकरै गजपुटदेयताहिकोंधरै कारकंदकीत्रैपुटचाय आकदूधकीसत्तपुटलाय थोहरदूधफुनसातपुट्टदेय त्रिफलेरसकीसतपुट्टलेय डेडापत्ररससतपुटदेवे इसीरीतसभस्मकरेवै सोभस्महिपत्थरपरधरे पीसेजोजलऊपरतरै गुणअपारतिहजानप्रवीन अथवाऔरहिविधसोंचीन गजवेलचूरणनिंबूरसमाहि नौसादरइकीपुठदेताहि गजपुटमैतिहफूकतारहे पीससारमुदितहितकहै गुणवहुकरैसुजानप्रमान रत्तीखायसवरोगहिहान ॥ इतिसारविधिः ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांरसाऽधिकारकथननामत्रिषष्टितमोऽधिकारः ॥ ६३ ॥

ॐ श्रीगुरुवेनमः अथअर्कप्रकाशेलिख्यते ॥ दोहा ईश्वरगुरूसरस्वतीगणपतिपूरणआस नमस्कारकर-जोरकैवर्णोअर्कप्रकाश अर्कहरडकोगुणइहीशूलमूत्रकृच्छटार कामलारोगजोदेहमोअवरअनाहविडार ॥ चौपई अर्कवहेडेतृषासुटारै छर्दकासहरश्लेष्मनिवारै आमलेअर्कत्रिदोषहिटरता रक्तपित्तप्रमेहकों-हरता सुंठीअर्कआमवातनिवारै कवजीस्वासकफशूलविडारै आर्द्रकअर्कज्वरदाहविनासै रुचिभो-जनअतिअन्नप्रकासै सूलअर्शज्वरखांसीजोहोइ अर्कमघांआमवातश्वासखोइ पिपलामूलअर्कलिफ-विकार वातकफोदरगोलनिवार चवकअर्करुचिकरैअपार अरशसुनिश्चयरोगनिवार गजपीपलअ-र्कइहगुणकरता वातश्लेष्मअग्निमंदकोंहरता चित्राअर्कउदराग्निवधावै खांसीअरुसंग्रहनिमिटावै कृमिवहुरोगजुदेहीहोय सोजशरीरविकारसवखोय अरुकजवाइनपाचनकर्ता सूलरोगअरुचीकोहर-ता अग्निप्रज्वलितवीर्य्यसुकावै देहीअतिकररुचीवधावै वल्लजवाइनवातकफटारै वमनहरैमलमूतर-सवारै खुरासानजवानकोअर्क कवजीकरमलपेटमोदर्क पाचनअन्नपचावैवहुता कायाअतीखुमा-रीकरता जीराअर्ककवजीवहुधरै इस्त्रीगर्भाशयशुद्धकरै कालाजीरात्रेहितमान गुल्मछर्दअति-सारकीहान चित्ताजीराज्वरवहुहरता पाचनअग्नीरेचनकरता धानियांअर्कदाहत्रिषानिवारै वमनश्वा-सत्रिदोषहिटारै मिठेसोयेअर्कहितकारक वातविकारज्वरहिनिवारक श्लेष्मव्रणशूलजोहोइ नेत्ररो-गनिवारैसोइ कौडीसौंफकोअर्कवखानो अग्निमंदकोशत्रुजुमानो इस्त्रीजोनिकीपीडाहरता कृमिविका-रसवपेटकेटर्ता लालमर्चमिरगीकुनिवारै अपस्मारअरुत्रिदोषहिटारै वनमेथराअर्करोगसुहर्ता हय-गजकेसवदोषकोटरता मेथरेअरुश्लेष्मज्वरहिनिवार कफविकारसवछातीटार वातज्वरजोदेहीहोइ आमविकारनिवारैसोइ हाल्याहिडकीरोगनसावै रक्तवातहतपुष्टकरावै वर्चदिसावरीअर्ककोइहगुण फिरंगरोगशूलहस्तमन हिंगअर्कपाचिनरुचिकरै कृमिविकारपेटकोहरै शूलरोगकोकरेविनाश उद-ररोगहतकरैप्रकाश अर्कवर्चवन्हीवहुकर्ता वमनविकारग्लानकोंधर्ता मलकवजीअफारकीहान शूलरोगसवहरताजान पारसीवचाअर्ककोइहगुन देहिकोवलकरेजुततछिन भूतउन्मादकोप्रचलित-करै अतिविशेषकफखंगाहिहरै कुलंजनअर्ककोइहगुणजान सुरकोशुद्धकरितसोजान स्थूलग्रंथीव-चइहगुणधरै हृदयकंठमुखशुद्धसुकरै हऊवेरकोअर्कजवहोवे कठिनमोहमनअतिसवखोवै विख-खायकोंवैद्यसंजीवन प्लीहाविकारहरैजोततछिन गोलहऊवेरअर्कजोजानो वातमवेसीशुलहतमा-नो संग्रहनीकोरोगमिटाय गुल्मविकारसवदेहसोंजाय वायविडंकअर्कजीयधारै वलगमरोगकृमिदो-षनिवारै वातविकारजोउदरमोहोइ मलमूत्रवंधनिवारैसोइ मूलअरककृमिरोगहिहरै देहभारीअ-तिहलकाकरै स्वासालिफसवउदरमिटाय मूत्रकृच्छ्रकोदूरनसाय अर्कवंसलोचनज्वरनाशन त्रिखारोगच्छर्यीखंगनिवारन समुद्रफेनअर्कशीतलअरुलेखन कफकोहनेमलमूत्र-चलावन जीवकअर्कवहुवीर्यवधावै सीतलहैवलकफप्रगटावै अर्कमैनफलवमनसुकरै ज्वरचौथाजीर्णताहरै वूटीऋषभहितमहागुणवंति अर्ककाहर्लापितरक्तदलंती वातदोषच्छयईरोग-विडारै एतेगुणदेहीनाहिधारै महामेधाशुभवूटीकाअर्क वीर्य्यवधावनमोहितकरक इस्त्रीतनकोंदुग-धवधावै कफविकारदेहीसुकरावै मेदावूटीअर्कअतिशीतल पित्तरक्तनाशनदेहीकोवल ऋद्धीवूटी-वलवहुतकरंती रक्तपित्तत्रिदोषवहंती काकोलीकाअर्कसुखकारण वीर्यवधायवलदेहमोधारण स-र्देस्वभावपित्तरोगहरंता सोखतरोगज्वरदाहदलंता वृद्धीवूटीअर्ककोइहगुण इस्त्रीपियेगर्भरहैत-

तछिन खंगचाईहटायघावकोंपूरै शीतलस्वभावकरइनरोगनचूरै अर्कमुलट्ठीकेशवधावै कालेकरैको-मलमनभावै वातरक्तपित्ततीनहरंता सुरकोसाफश्रुतमाहिधरंता अर्ककमीलावहुदस्तलगावै प्रमेह-अनाहसवदूरकरावै अर्कअमलतासकोगुणजो अमलपित्तकोदूरकरैसो वातसूलसवदूरसुकरै उदा-वर्तरोगशरीसोंहरै अर्ककिरायतातृषानिवारै कुष्ठहरैज्वररोगपछारै व्रणक्रमिदेहीरोगजुहोय एतेरोग-नसावैसोय कौडअर्कमहाशुभकारक प्रमेहरोगस्वासकासविडारक क्रमिविकारजोउदरमोहोय कुष्टरो-गसवज्वरकोखोय नागदौनअर्कसर्पविषाहिनिवारै लूतामूसाकीविषटारै रैहसनअर्कवातरक्तदलंता उदररोगअरुसूलहरंता अर्कअतीमोंहोईसुहोला रक्तपितअतिसारविरोला तेजवलअर्कस्वासकासनि-वारै कफहरैहृदयकोअन्नप्रसारै मालकंगुनीवमनकराइ बुद्धिवधाइअग्नीप्रज्वलाई कुष्ठअरकरक्तवात-विडारै खंगकुष्टकफवातनिवारै पुष्करमूलअर्कअरुचीकरै वचीशूलअरुस्वासचितटरै चोकअर्कवहुदस्त-लगाई वमनअवरकंडुतिहजाइ ककडसिंगीअर्ककोइहगुण ऊर्धवातकोहरैजुततछिन हिचकीहरैअरु-तृषानिवारै चयस्वररोगकोवंधजुडारै कायफलअर्कपंचरोगनसाय स्वासअवरखांसीमिटजाय प्रमे-हरोगकोचूरणकरै अवरमवेसीअरुचीसोहरै भडिंकीअर्ककफहिकोहर्ता श्वासहरैनजलादूरकर्ता ज्व-रविकारसवतनतेंटार वातरोगकोकरैप्रहार पखानभेदअर्ककोइहगुण जोनिरोगतियटारैततछिन मूत्रकृछ्रकोदूरनिवारै पथरीरोगफुनशूलकोंटारै फुनधावेकेफूलोंकाअर्क तृषानिवारणकोगुणकर्क अतीसारविषरोगहिहरता क्रमिरोगविसर्पदुःखसवटरता मजीठअर्कश्लेष्मरोगकोंहरै फुनविषरोगकुष्ट-परिहरै रक्तअतीसारजोदेहीहोइ इतनेरोगनिवारैसोइ फुनकुसुंवफूलोंकाअर्क सुंदरवदनकरावत-दरक रक्तहरैपित्तरोगनिवारै कफकोचूरकरनगुणधारै लाचाअर्कक्रमिरोगानिवारन विसर्परोगदेही-सुविडारन उरचतफुनीकुष्टकोंहरै व्रणजुरोगदहीसोंटरै हरिद्राअर्कप्रमेहहरंता सोथत्वचाकेरोगदलंता व्रणरोगजोदेहमैंहोय पांडूरोगनिवारतसोय वनहलदी-अर्कसुखकारण कुष्टवातअरुरक्तनिवारण कंडूरोगअनंतप्रकार कर्पूरहरिद्रनिवा-रणहार दारहरिद्रलेपनमोंइहगुण नेत्रकर्णमुखरोगहरतछिन अर्करसौंतव्रणरोगनिवारै नेत्ररोगकोमूल-उखारै वाकुचीअर्कक्रमिरोगकोंहरै कवजीउदरमाहिनहिधरै पांडुरोगऔषधहितकार कफअरु-सोथनिवारणहार अर्कहेडबांखुर्कमिटावै दद्रीविषअरुवातहटावै अर्कभलावेकाज्वरटारै उदररो-गक्रमिरोगनिवारै अर्कपतीसवहुअन्नपचावै अन्नप्रज्वलितदेहधरावै कफअरुपित्तकोंदूरकरैसो अती-सारकोंनाहिधरैसो लोधअर्कसीतलसुखकारक नेत्ररोगकोंअतिगुणदायक कफपित्तकोंदूरकरतवह कवजकरतदेहीमोंअतियह अर्कवृहतलोधनेत्रहितकारण उदररोगअतिसारनिवारण सोथरोगकों-टारैफुनइह गुणकारकजानोतुमअतितिह अर्कगुडूचीकवजीवहुकरै दीपनहैफुनखांसीहरै पांडुरो-गअतिदूरनिवारै ज्वरकोहनैएतेगुणधारै अतिसुखपानपत्रोंकाअरक मुखदुर्गंधहरतसुषकरक उदरमै-लकोसाफकरतसो वातथकेमांदूरकरतसो विल्वअर्कपाचनवलकरता श्लेष्मरोगकायासेहरता हौला-हैअरुगर्मकरावै एतेगुणप्रगटदिषलावै गम्भारीअर्ककोउष्णसुभाय भ्रमकोहरणतृषानाहिंचाय सूलहरैअर्शरोगनिवारै विषअरुदाहनिश्चयपरिहारै पाटलअर्कवमनकोहरै सोजत्रिदोषअरुचीनहिंधरै कायाकोकफदाहनिवारै लहूविकारएतेपरिहारै अग्निमंथकेअरककोइहगुण पांडुरोगकोंहरतजुतत-छिन कफअरुक्रमिरोगजोहोवे पीतेसोजशरीरसवखोवे स्योनाकअरकगोलकोंहरै अर्शरोगक्रमिरोग-

सुटरै एतेलचणतांकेभाय अग्निजगाइफुनरुचप्रगटाय अर्कशालपर्णीज्वरनाशन अतीसारचतरोग-
निवारन कृमीरोगकोवैद्यसंजीवन वमनहरैनिश्चयकरइहगुण अरकपृष्टपरणीकोइहगुण ज्वरनाशनद-
मकेदुःखहरण अतीसारलोहूकोहरंता दाहरोगकोचूरकरंता कंड्यारीवडीअर्कज्वरहरै फीकेमुखकों-
स्वादिष्टकरै मलनिवारफुनशूलविडारै अरोचकरोगसर्वपरिहारै कंड्यारीछोटीअर्ककफहरै फुन-
इस्त्रीगभसुरचाधरै पाचनहैवहुतागुणकार कासरोगवमनकरैसुटार भखडेअर्कपथरीकोफाडे प्रमेहरो
गकोमूलउखारे मूत्रकृच्छ्रकोंदूरकरतसो हृदयरोगफुनवाहहरतसो जीवंतीअर्कअतिसारहरंता नैनवचा
इत्रिदोषदलंता पंचांगुलअर्कएतगुणकरता उदरशिरपीडअरुशूलजुटरता मुदगपरणीअर्कसोजाहरै
काहलीमनकीमूलनधरै फुनसंग्रहणीदूरनसाइ अर्शरोगअतिसारनरहाइ माषपर्णीअर्कवीर्यवधावै
वातरोगफुनपित्तचुकावै ज्वरविकारसबदूरकराइ रक्तविकारनाशैसुखभाइ लालपरनअर्कइहजान
अधमरोगहतखंगकोहान श्वासरोगफुनकुष्टनसाइ आमवातजढमूलसेजाइ मंदारअर्कव्रणकरैनिवार
वातरोगफुनकुष्टपरिहार कंडुखुरकअतिकायासेटारै एतेदोषविषरोगानिवारै अक्कअरकलिफरोगनि-
वारै गोलरोगसेउदरनिस्तारै अर्शरोगश्लेष्मपरिहरै उदररोगकृमिदूरसुकरै वज्रीअरककालेपजोकरै
फुनव्रणहरैसोजनाहिधरै उदरसोजकोंऔषधजान पटरोगव्रणहरतामान सातलाअरककफपित्तविनाश
सोजअनाहउदावर्तहरतास लांगलीअर्ककफपित्तनिवारै अनाहउदावर्तसोजाफुनटारै दूधीविषलेपन-
सोंइहगुण ववासीरसोजाव्रणपीडाहन कनेरअरकएतेगुणकरै नेत्रकोपकुष्टव्रणहरै चंडालकनेरखा-
नेमोवर्ज विषन्याईलेपनगुणदर्ज अरकधतूरलेपनगुणजान कृमिजीवादिविषादिकहान वासअर्कज्वर-
वमनविनाश प्रमेहकुष्टचयहरतप्रकाश पित्तपापडारक्तपित्तहरै तृषाभ्रमकफज्वरकोंटरै निंबअर्कभ्रम-
तृषानिवारै कासअरुचीज्वरवमनविडारै द्रैकअरकगुणगुलमविडार मूसेविषकोंकरतप्रहार पारीभ-
द्रनिंववातकृमिहरै श्लेष्मसोजामेधवृद्धीइहटरै कचनारअर्कएतेगुणकार गंडमालागुदभ्रंशप्रहार को-
विदारअर्करक्तपित्तनिवारन प्रदररोगचयकासविडारन सुहांजनअर्करुचीवहुधरै अग्नीप्रज्वलितकवजी-
करै विद्रधीसोजाकृमिरोगनिवर्ता मिठेसुहांजनेअर्कगुणकर्ता चिटेमर्चअर्कविषहरै नासालेथनेत्र-
हिनकरै विष्णुक्रांताअरककुष्टविडारन शूलसोजव्रणविषहिनिवारन वणाअर्कगुणशूलविनाशन
सोजाआमवातजढकाटन निरगुंडीअर्ककृमिकुष्टनिवारै व्रणअरुचीहरसुछतनधारै इंद्रजवअर्कसीत-
लकफहरै अग्निवधायआमकुष्टतृषटरै करंजूअर्ककफगुलमविनाशन व्रणकृमिअर्शविषरोगनिवारण
घृतकरंजूअरकसबमैलभेदाइ वातमवेसीकृमिकुष्टचुकाइ करंजीअर्कवमनकृमिनास वातार्शकुष्टमे-
हहरतास चिटीगुंजाजढकोअर्क कफकृतवातज्वरपित्तहर्क गुंजाअर्कश्वासकोहरता भ्रमज्वरमुख-
शोषभोटरता क्रौंचवीजअर्कदृढवीर्जवधावै मांसवधायदेहीमोभावै अश्वन्याईइस्त्रीसमभोग पुरुषकार-
देहीवरजोग मांसरोहिणीअर्कगुणकार शुक्रवधायत्रिदोषनिवार चलेअर्कधातदृढकरै फलतांकोमृ-
त्युयोगनहिधरै टंकारीअर्कदीपनअतिभाय श्लेष्मसोजउदररोगमिटाय वैंतअर्कदाहव्रणहरै सोजयो-
निदुःखमवेसीटरै जलवैंतअर्ककवजीकोकारक शीतलमारुतकोपकोहारक ईजलअर्कविषएतेहरै
स्थावरजंगमप्रसिद्धश्रुतिधरै अंकोलअर्कशूलविषहर्ता आमवातसोजकवजीनहिधर्ता धमनीअर्ककवजी
वहुकरै रक्तपित्तवातरक्तउरचतहरै खरटीअर्कयामोहितकार हरतश्रेष्टकरमूत्रातिसार धमनीवडीअर्कइह-
कार मूत्रकृच्छ्रकोदूरानिवार जोमारुतअधऊर्धचलावै सुगमकरैमारगइहभावै गंगेरनअरकएतेगुणकारक

मूर्छामोहहरणगुणधारक लक्ष्मणाअरकएतेगुणचाय वंध्यापुत्रदेतहितभाय स्वर्णवल्लीशिरपीडमिटावै त्रिदोषहरैस्त्रीदूधप्रगटावै कपासवीजअरकगुणधरै करणपानेसेरोगगहिहरै वंसअंकुरअरककफपि- त्तहर कुष्टरक्तव्रणसोजापरिहर नडअर्कवस्तीयोनिकीपीड दाहपित्तविसरपिनिषपीड श्वेतनिसोतर- चनअतिवरै उदररोगपित्तसोजाहरै शरपुंखाअर्कप्लीहकोटार विषव्रणगोलाकरतप्रहार जवासा- अर्कमदभ्रांतिविनाशन खांसीकुष्टरक्तपित्तसुहारन मुंडीअरकअत्यंतबलकरै गुल्ममोहवातव्याधहिहरै पुटकंडाअर्कवमनकोहरै मेदवृद्धीकफवातसोटरै अपामार्गलालकोअरक धातस्तंभनकरैसुकर्क ताल- मखानअरकहितकार रेचनसेशीघ्रसोजाकोंटार हस्तीभूंघारअरकगुणकारन भजेतुटेसबअंगमिलावन कुवारगंदलग्रंथीकोहरै अग्निदग्धव्रणविस्फोटहिटरै पुनर्नवाश्वेतअरकअतिकारन नेत्ररोगयहसर्वनिवा- रन पुनर्नवालालअरकरक्तपित्तहरै अतिकवजीदेहीमोकरै प्रसारणीअरकवातहतकार शुक्रवधायसंधी- मिलधार सुल्कारणहितकरसोजानो अरकप्रकाशमोतत्वसुजानो सारिवाअरकअग्निमंदनिवारन अति- करआमखांसीविषहारन भांगराअर्कबालकालेकरता त्वचालालकरशिरपीडहिहरता सनपुष्पीअरकए- तेगुणकारक पित्तअरुकफकोंदेहीसोंटारक त्रायंतीअरकशूलविषनास विलेपीसन्निपातहतजास मूरवा- अरकहृदयरोगनिवारै मोहकंडुकुष्टज्वरटारै कायाकोठीअर्कहृदरोग वमनहरैनेत्रनहितजोग काकना सायर्कवमनपरिहार सोजमवेसीसितकुष्टनिवार काकजंघाअरकज्वरहिविनाशन कंडूविषअरुकृमि- निवारन नागपुष्पीअरकशूलकोंहरै योनिदोषवमनकृमिटरै मेषशृंगीश्वासकासनिवारन व्रणकफने- अपीडासबटारन हंसपदीअरकविषहरता खुरकरक्तव्रणकोहतकरता सोमवल्लीअर्कत्रिदोषनिवारै इस्त्रीदुग्धकुचअधिकसमारै सेवनतेइहकुवतहिजान चिटेवालकालेकरठान आकाशवेलअरकवहुशीतल पित्तकफआमटारतनिश्चल तरडअरकअत्यंतगुणकार शुक्रवधायवायूपरिहार वृश्चरिणविषकोंहरलेय भूतप्रेतआवेशव्रणहरेय वटपत्रीअर्कगर्मअतिजान योनीदोषमूत्रदोषकरहान हिंगुपत्रीअरकदेहमल- टार मवेसीगोलाकफवायूप्रहार वंसपत्रीअरकपाचनअतिजान गरमसुभावहृदवस्तीदुषहान मल्लीकोअ रकशीतलकाविजवर कुष्टपित्तकफरक्तहरनकर सर्पाक्षीअरकव्रणकोंचाडत सर्पवृश्चिकदंशजखमप्र- हारत शंखपुष्पीअरकविषहिनिवारै स्मृतिकांतीवलअग्निसुवारै अर्कपुष्पीकृमिश्लेष्मनिवारै पित्तवि- कारप्रमेहकुष्टविडारै लाजावंतीअर्कअतीसारहर योनिविकाररक्तपित्तटर अलंवुशाअर्कएतेगुणकरता कृमिपितकफसबदूरसुकरता दुधीअरककफरोगनिवार शुक्रवधायस्तंभनकरतार भूमआमलीअरककफ हरै कासतृषापांडूचईनधरै ब्राह्मीअरकबुद्धिवधाय खटमासनमोकवीवनाय ब्राह्ममंडूकीअर्कगुणयेह पांडूशोथविषज्वरहिहरेह द्रोणपुष्पीअर्कज्वरश्वासविनाशन कासकामलासोजकृमिटारन सूर्यमुखी- अर्कफोडेकोंहरता योनिपीडकृमिपांडुनिवरता वंध्याकर्कोटअर्ककोइहगुण सर्पविषहिव्रणहरैत- तछिन मार्कंडीअर्कदुर्गंधनिवारै विषगुलमोदररोगकोटारै देवदालीअर्कशूलविनाशन गुल्मअर्शअरु- बातनिवारन धतूरेअर्कग्राहीअरुशीतल अन्नप्रगटाइव्रणदाहहरनबल गोजिव्हाअर्कज्वरप्रमेहकोंहरै कासव्रणअतिसारहिकोंटरै नागपुष्पीअर्कसर्पविषहिनिवारन संपूरणग्रहदोषविडारन वीरतरुअर्कमू- त्रघातपरिहरै योनिदोषअश्मरीवातसबटरै छिकनीअरकअग्नीकुजगाय रुचिकरअर्शकुष्टकृमिजाय कंकु- दरअर्कज्वररक्तनिवारन मुखसोखताकफरोगविडारन सुदर्शनअरकउष्णकरजान शोथरक्तकफवातहत- मान इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांअर्काऽधिकारकथनंनामचतुःषष्टितमोऽधिकारः६४

॥ अथान्यप्रकारऔषधनामवर्णनम् ॥ हिंदीनामअर्बिफारसी ॥

॥ अथअकारादिस्वरादीनाम ॥ दोहा ॥ अकारादिक्रमऔषधीदोसउोइकीजांन हिंदीअरबीफारसी-नामतीनविधमांन गुणवर्णनआगेकिआलिखानिघंटुजोय तहांदेषसंसामिटेयहांनामत्रैहोय ॥ चौपई ॥ इलाचीहिंदीनामकहावे अरबीनामकाकलगावे हीलनाममतफारसहोई तीनोनामइलाचीसोई १ हिंदीनामइंद्रजउोकहिए जुवांनकुंजसकफारसीलहिए लसातुलूअसूफीरअर्वीमांन तीनोनामइंद्रजउो-जान २ हिंदीनामआमलाहोई आमलूजनामअर्बीकहुसोई आमलनामफारसीकहिए तीनोना-मआंमलालहिए ३ तुंमासोइंद्रायनजानो हिजलअर्बीनामपछानो कुसाउलूनआमफारसीहोई नामतीनविधतुंमासोई ४ हिंदीएरननामकहावे एरसंडअर्बीमतगावे वेदंजीरफारसीकहिए एरन-नामतीनविधलहिए ५ असगंधनामहिंदीमतहोई वह्मनसुपेदफारसीसोई वहमनुलूअबीजयअर्बी-मानो तीननामअसगंधपछानो ६ हिंदीआद्रकनामकहावे जंजबीलतरफारसगावे अर्बीजंजबी-लुलरतवपछांन नामतीनविधआद्रकमान ७ अजवाइनहिंदीनामकहावे युनानीआइननामदिखावे नानष्वाहमतफारसहोई तीननामअजवाइनसोई ८ षुरासांनीजुआंनप्रसिद्धकहावै अर्बीवजरुलवं-जदिखावै भुषमवंजमतफारसगाय जाविधतीनोनामकहाय ९ अजमोदनामहिंदीमतहोई वल्लजु-आइनकहिएसोई करफसअर्बीनामकहावे नामतीनअजमोदसुहावे १० हिंदीनामएलुआहोई प्रघटमुसव्वरकहिएसोई सिवरनामअर्बीमतकहिए मुसव्वरनामतीनविधलहिए ११ हिंदीउंटकटा-ईकहिए वादंजानदशतीमतफारसलहिए वादंजानवरीमतअर्बीहोई कटांईनामतीनविधसोई १२ उतपलनाममलंगाकहिए अर्बीवादरंजवोयःलहिए वालंगूमतफारसजानो मलंगानामतीनविधमानो १३ अषरोटनामहिंदीमतहोई जौजनानअर्बीकहुसोई गिर्दगांनमतफारसतैसें अखरोटनामतीनो-विधऐसे १४ ईसवगोलहिंदमतहोई वजरकतूनाअर्बीसोई असपगोलमतफारसजानो सिकम-गिरंदःसोईपछानो १५ आमलीनामप्रसिद्धकहावे तिमरहिंदिमतअर्बीगावे षुर्माहिंदीफारसकहिए आमलीनामतीनविधलहिए १६ अगुरनामहिंदीप्रघटाय ऊदनामअर्बीमतगाय ऊदषांममतफारस-कहिए जाविधअगुरनामत्रैलहिए १७ हिंदीअभ्रकनामकहावे तलकनाममतअर्बीगावे अजवक-नामफारसीहोई अभ्रकनामतीनविधसोई १८ अलसीनामहिंदमतहोई कत्ताननाममतफारससोई अर्बीवजरुलकत्तानकहावे अलसीनामतीनविधपावे १९ हिंदीनामउटंकनकहिए अंजरःनामफार-सीलहिए अर्बीहव्वुलजलमकहाय उटंकननामतीनविधपाय २० अमृतनामप्रघटजलजानो आव-नाममतफारसमानो अर्बीआमानामकहावे पाणीप्रघटनामत्रैपावे २१ ईसवंदहिंदीमतकहिए सपं-दसोषतनीफारसलहिए अर्बीनामनआगेहोई ताकरनामलिखेहैदोई २२ उसीरनामहिंदीमतहोई खस्ससुफेदफारसीसोई प्रघटनामपन्हीजढजानो नामतीनविनअर्बीमानो २३ पिप्पलीनामप्रघट-मघजानो अर्बीफिफलुलतवीलपछानो फिलफिलद्राजफारसीकहिए मघकेनामतीनविधलहिए २४ हिंदीपिलपिलमोयःजानो अर्बीपिलपिलमूरपछानो फारसीवेषदारफिलफिलकहिए नामतीनविधऐसें-लहिए २५ वाविडंगहिंदीमतहोई विडंगकावलीफारससोई २६ हिंदीनामवकांइनकहिए अजाद्रखतमतफारसलहिए २७ हिंदीपित्तपापडामान फारसीनामसहतराजान

शहतरज्जअरबीमतकहिए तीनोनामपापडालहिए २८ वोलनामहिंदीमतहोई अर्बीमुररमक्कीहैसोई २९ हिंदीवहादरमोथाकहिए सादहिंदीमतफारसलहिए ३० हिंदीवरेआंवर्चकहावे अगरतुरकीमतफारसगावै ३१ वांसनामसोवंसकहाय नयनामामतफारसगाय ३२ हिंदीवैंगनभट्टासोई वादंजानफारसीहोई ३३ हिंदीनामपूतनाकहिए नयनाऽनामफारसमतलहिए ३४ भलावानामहिंदमतजानों वालादरअरबीनामपछानो ३५ हिंदीपितरजनामकहावे दराजजहिंदीफारसगावे ३६ हिंदीनामफडकडीकहिए सूरगारअर्बीमतलहिए जाजजागमतफारसहोई तीनोनामफडकडीहोई ३७ विल्वनामहिंदीमतजानो रुमनुलअरबीनामपछानो ३८ हिंदीपेठानामकहावे मजदत्रानामफारसीगावे ३९ वसीरनामहिंदीमतहोई कुमादकत्तालफारसीसोई ४० हिंदीपाजवृत्तहैसोई सुगंधितपत्रजाहुकेहोई षत्ररजदसवजामणीकहावे सोभीपाजनामप्रघटावे ४१ वसयरनामहिंदीमतकहिए हिंदीनिमकफारसीलहिए ४२ हिंदीपालकनामकहावे अर्बीअस्फानाषदिखावें ४३ हिंदीनामविजौराकहिए तुरंजअर्बमतफारसलहिए ४४ हिंदीवांसःनामकहावे रैहानसहराईफारसगावे ४५ प्रघटजांगलीगंडाजानो प्याजजांगलीफारसमानो असकीलनामअरबीमतहोई नामतीनविधमानोसोई ४६ फेनचरहिंदीनामप्रमान पादवेहडांषुवपछान फितरनामअरबीमतजानो नामतीनविधएसैंमानो ४७ नामभंवलीप्रगटकहावे कोरवअरबीफारसगावे अंजदांनरूमीकहुसोई नामतीनविधऐसेहोई ४८ हिंदीपाननामप्रघटावे तंबोलनाममतफारसगावे ४९ वरोजःनामप्रसिद्धकहाय कुंदरनामफारसीगाय ५० प्याजनामगंढाकहुसोई वसलनामअरबीमतहोई ५१ पित्तलनामप्रसिद्धकहावे वरंजमसनूईफारसगावै ५२ हिंदीवालानामकहाय खस्सस्याहमतफारसगाय ५३ हिंदीपसराकाकरकहिए वसराकनाममतफारसलहिए ५४ हिंदीवंगकलीहैसोई अरजीतनाममतफारसहोई ५५ हिंदीपारानामकहावे सीमावनाममतफारसगावे ५६ हिंदीवतरीनामकहाय जरंत्रनामअरबीमतगाय वेषतुंतीयानामफारसकहिए वतरीनामतीनविधलहिए ५७ तालीसपत्रहिंदीमतहोई प्रगटनामजानतसबकोई ५८ च्योसीखौहलीहिंदीकहिए फलःनाममतअरबीलहिए वलःनाममतफारसगावे प्रघटतीनविधनामकहावे ५९ पसीरीतुलसीहिंदीमान शाहसपर्गमफारसजान ६० भूमकेशहिंदीमतहोई ममऽग्याहफारसीसोई ६१ फलोटननामवलोटनकहिए लावतवस्वरिफारसलहिए ६२ वालराकसहिंदीमतहोई पीलगोसमतफारससोई ६३ तंतडीकसोतेत्रीजान समाकनामअरबीमतमान ६४ तज्जनामहिंदीमतजानो अरबीकिरफःनामपछानो ६५ हिंदीतेंदुनामकहावे जऽरूरनामअरबीमतगावे ६६ ताम्रनामहिंदीमतहोई मिस्सफारसीकहिएसोई ६७ हिंदीतक्रछाछसोजानो दोगफारसीनामपछानो ६८ तेलनामहिंदीप्रघटावे रोगनहवूत्रफारसीगावे ६९

हिंदीथोहरनामकहाय जकूमनामअरबीमतगाय हवुलयतूऽफारसीकहिए थोहरनामतीनविधलहिए ७० थोथानीलाथोथाजान तूतिआसवजफारसीमान ७१ त्वक्क्षीरवंसलोचनकहुसोई तवासीरमतफारसहोई ॥ ७२ ॥ टंकननामसुहागाजान दारअशकफःफारसमान ॥ ७३ ॥ हिंदीततरीतूंत्रीकहिए कदूतलषफारसीलहिए ॥ ७४ ॥ अध्या ॥ ४ ॥ चौथानामजकारादी ॥ चौपई ॥ जौखारहिंदीमतहोई फारसवूरःइर्मनीसोई ॥ ७५ ॥ हिंदीजीरानामकहावे जीरःनामफारसीगावे ॥ ७६ ॥ हिंदीनामचासकूहोई चसमीजफारसीकहिएसोई ॥ ७७ ॥ हिंदीचूनःनामकहावे आहकनामफा-

रसीगावे ॥ ७८ ॥ हिंदीचाउलतंडुलसोई विरंजनाममतफारसहोई ॥ ७९ ॥ हिंदीजैफलनामकहावे जौजबोयःमतफारसगावे ॥ ८० ॥ हिंदीजलपत्रीजोहोई विसवासःमतफारससोई ॥ ८१ ॥ चंबानामचंबेलीजान फारसजासमीनगलतान ८२ हिंदीझाउनामकहावे गज्जनाममतफारसगावे तरफाअरबीनामपछान नामतीनविधऐसेंजान ८३ हिंदीचित्रकचित्रासोई शीतरजनामफारसीहोई उकावनामसोअरबीकहिए चित्रकनामतीनविधलहिए ८४ चवकनामहिंदीमतजान हमाजअरबमतफारसमान ८५ चनानामछोलाकहुसोई नुषदनाममतफारसहोई ८६ चोलनाममरुआकहुसोई रौनासफारसीमरवःहोई ८७ छडछडगुडीहिंदीकहिए सुंवलुतीवफारसीलहिए ८८ छलीरानामहिंदमतगावे उसनःअरवीसवलंजकहावे ८९ जमालगोटाजयपालकहावे हवुस्सलातीनअरवीगावे हवुलमलूकनामभीकहिए फारसमाहूदानालहिए वेदंजीरखताईजान जयपालनामछेईपरमान ९० हिंदीझींगःनामपछानो अरबीअरबिआनकरमानो ९१ दूधनामहिंदीमतहोई लवननामअरवीमतसोई शीरनाममतफारसजान तीनोनामदूधकेमान ९२ दधीदहींसोमठाजानो जुगरातनाममतफारसमानो ९३ दारहलदहिंदीमतहोई दारचोवामतफारससोई ९४ धतूराहिंदीकनकपछानो जौजमासलअरवीमतमानो ९५ हिंदीदोंनःनामकहावे कयसूंमनामअरवीमतगावे ९६ हिंदीधनिआंनामपछान किसनीजनाममतफारसमान ९७ धमाहधमांसाहिंदीहोई वादेआबुर्दफारसीसोई ९८ हिंदीदाखनामप्रघटावे इनवनामअरवीमतगावे अंगूरफारसीनामपछान दाख तीनविधनामप्रमान ९९ हिंदीदाडिमनामकहावे अनारदानामतफारसगावे १०० रालनामहिंदीमतहोई अरवीनामकीरकहुसोई १०१ हिंदीनामकसुंभाजानो मास्फरसहराईफारसमानो १०२ रोइनहिंदीरोपनकहिए मोहरागाउफारसीलहिए १०३ हिंदीरतनसोहीराजान अलमासफारसीनामपछान १०४ हिंदीराईअहुरपछानो अरवीखरदलनामवखानो सर्पदानगिर्दमतफारसहोई राईनामतीनविधसोई १०५ हिंदीरोटीफुलकाकहिए षुवजनाममतअरवीलहिए नानफारसीनामकहावे रोटीनामतीनविधपावे १०६ हिंदीराजहंसकरकहिए परस्याउसांनमतफारसलहिए १०७ रोहंसनामहिंदीमतहोई अरवीअजखरकहिएसोई १०८ रसौंतनामहिंदीमतमान हुजजनामअरवीपरमान ॥ १०९ ॥ हिंदीरुपानामकहावे सीमनामअरवीमतगावे नुकरःनामफारसीहोई प्रघटनामचांदीहैसोई ॥ ११० ॥ सुंठीनामहिंदीमतकहिए जजवीलअरबीमतलहिए ॥ १११ ॥ सोआसौंफकटूनोजानो वालनसिगरमतअरवीमानो शिवतवालानषुरदफारसकहिए तीनोनामसौंफकटुलहिए ११२ मिष्ठिसौंफहिंदमतमान वालानअकवरअरविमान राजियानजसोईप्रघटावे वालानवजुरगफारसीगावे वादिआंनकरकहिएसोई नामभेदतीनोमतहोई ११३ सर्वपसरसोंनामपछान सरसफनामफारसीजान ११४ हिंदीसोंनानामकहावे तिल्लाअर्वीजिहवदिखावे फारसमतजरनामकहाय सुवर्णतीनविधनामदिखाय ११५ हिंदीनामसिलारसहोई मोईयःरतवःअरवीसोई मोईयःयावसःसोईकहावे तीनोनामसिलारसपावे ११६ सोनमखीहिंदीमतहोई मर्कसीसाजिहवीअरवीसोई फारसमगसजरीकरकहिए ऐसेंनामतीनविधलहिए ११७ हिंदीनामसुपारीहोई फूफलनामफारसीसोई ११८ सज्जीसज्जीखारकहावे अशषारनाममतफारसगावे ११९ सावरीनामहिंदमतमानो अरवीवूजीदानपछानो १२० हिंदीनामसुहागाकहिए दारशकनामतफारस-

लहिए १२१ दालचिकनाहिंदीमतहोई संभलफारअरबीकहुसोई दारूयमर्गमूसफारसकहिए तीनोनामजाहिविधलहिए १२२ हिंदीसिप्पसीपकहुसोई अदफनामअरबीमतहोई १२३ हिंदीसेंधालूनकहावे निमकतवर्जदफारसगावे १२४ हिंदीसाकरकूताकहिए अकतमकतमतफारसलहिए १२५ समुंदरफलहिंदीमतहोई हवुलनीलअरबीकहुसोई कुर्तमहिंदीफारसकहिए नामतीनविधएसेलहिए १२६ समुद्रझगहिंदीमतहोई कफदरिआमतफारससोई अरबीजवदुलवहरकहावे तीनोनामयथारथपावे१२७ हिंदीहालमनामपछानो जवरुलरशादअरबीमतमानो अहलीयमकरकहिएसोई सपंदांनदराजफारसीहोई असालयूंनकरसोईकहावे तीनोनामयथारथपावे १२८ पुटकंडानामहिंदमतहोई षारवाजगूनफारसीसोई १२९ संगवसरीसोखपरियाजानो रूहतूतियाफारसमानो १३० गंनानामहिंदमतहोई नयशक्करमतफारससोई १३१ केसरनामहिंदमतकहिए जाफरांनमतफारसलहिए १३२ कस्तूरीनामहिंदीमतजानो मुसकनाममतफारसमानो मिसकनामसोअरबीकहिए कस्तूरीनामतीनविधलहिए १३३ हिंदीनामकपूरकहावे काफूरनाममतफारसगावै १३४ षोपानामनरेलकहाय नारकेलमतफारसगाय १३५ षरबूजानामदसांगुलकहिए षरपुजमतफारसकालहिए १३६ कंगुलअमलतासकहावे करमालाहिंदीमतगावे ष्यारचंवरमतफारसजानो ष्यारसंवरकरसोईपछानो १३७ किरायतानामहिंदमतकहिए कसनुजरीरःफारसलहिए ॥ १३८ ॥ कुठकुष्टहिंदीमतहोई कुषतनाममतफारससोई ॥ १३९ ॥ हिंदीनामकुलंजनजानो षुलंजानमतफारसमानो १४० हिंदीनामगोखरूकहिए षारषशकमतफारसलहिए हसकनाममतअरबीहोई तीनोनामगोषरूसोई १४१ कंवीलासोषरकंदपछानो अनामीदौदानीकरजानो कंवीलानाममतफारसहोई एंसेनामकंवीलासोई १४२ हिंदीकदलीकेलाजानो मौजनाममतफारसमानो १४३ हिंदीनामखजूरकहावै खुरमातिमरफारसिगावे १४४ प्रसिद्धनामगुडकहिए सोई कंदस्याहफारसीहोई १४५ रत्तकगुंजाघुंगचीकहिए अयनुदीकअरवमतलहिए अरूसकनामफारसीजानो गुंजानामतीनविधमानो १४६ कमलकौलहिंदीमतहोई नीलोफरमतफारससोई १४७ कणकनामसोगेहूंजान अरबीहिंरनामापरमान गंदमनामफारसीकहिए तीनोनामकणककेलहिए १४८ गनयूलनामहिंदीमतहोई गंदमषुशवोफारसीसोई १४९ कपूरकचरीहिंदीमतमानो जरंवादअरवीमतजानो ॥ १५० ॥ काचलूणहिंदीप्रगटावे अरबीजायदुलकवोरजकहावे १५१ ॥ कांजीनामहिंदीमतहोई सिरकाहिंदीफारससोई ॥ १५२ ॥ कंटूननामहिंदीमतमानो असारूनीवसफाइजफारसमानो ॥ १५३ ॥ गेरूनामहिंदमतकहिए गिलसुंषनाममतफारसलहिए अरबीतीमलहमरकहावे गेरीनामतीनविधपावे ॥ १५४ ॥ षडीमिटीहिंदीमतकहिए तीनकयमूलिआअरबीलहिए १५५ हिंदीगुगलनामकहावे मुकलनामअरबीमतगावे ॥ १५६ ॥ गंधकगंधकछोछीजान गोगिर्दसुतरीहिंदीमतमान अरबीकिवरीतअसफरकहसोई नामभेदगंधककेहोई ॥ १५६ ॥ गंधकआलेसारकहावे किवरिअहमरअरबीगावे ॥ १५७ ॥ कुंदरनामवरोजाकहिए कुंदरमतफारसकालहिए ॥ १५८ ॥ करपासकपाहहिंदमतहोई दरषतपंवामतफारससोई ॥ १५९ ॥ ककडीतरहिंदीमतहोय ष्यारनाममतफारससोय ॥ १६० ॥ खीरानामहिंदमतकहिए किसमवादरंगफारसलहिए ॥ १६१ ॥ गूंदनामहिंदीमतहोई सिमगनाममतफारससोई १६२ ॥ हिंदीगाजरनामकहावे रदकनामफारसीगावे ॥ १६३ ॥ गुलनारनामहिंदमतहोई अंजीरदशतीमतफारससोई ॥ १६४ ॥ हिंदीनामकलौंजीकहिए

स्याहदानामतफारसलहिए ॥ १६५ ॥ काहजुआनहिंदमतहोई गाजुवांनमतफारससोई ॥ १६६ ॥ हिंदीनामकटूसाकहिए असननाममतफारसीलहिए १६७ हिंदीनामकहेलाजान सलीषानामफारसीमान ॥ १६८ ॥ हिंदीकिट्टलोहमलजानो रीमअहनमतफारसमानो ॥ १६९ ॥ हिंदीनामकतीराकहिए कतरःनामफारसीलहिए ॥ १७० ॥ हिंदीगुलीमुंगसोजानो मिर्जाननाममतफारसमानो ॥ १७१ खापरीयःनामखापरीजान तूतियाहिर्मजीफारसमान ॥ १७२ ॥ हिंदीकुलथीनामकहावे अरबीहव्वुलकलतदिखावे ॥ १७३ ॥ पोहलीवीजकुसुंभाजान अरबीकावरसनामपछान तुषकममास्फरफारसकहिए ॥ तीनोनामयथारथलहिए ॥ १७४ ॥ हिंदीनामगुलाबपछानो गुलसुर्षनाममतफारसमानो वर्दनामअरबीमतहोई तीनोनामजथारथमोई ॥ १७५ ॥ हिंदीखलनामाकरकहिए नामकुंजारःफारसलहिए ॥ १७६ ॥ हिंदीगोघृतनामपछानो रोगनसतौरफारसीमानो ॥ १७७ ॥ सुंठजांगलीखजमकहाय जंजबीलसहराईफारसगाय ॥ १७८ ॥ हिंदीलौंगलवंगपछानो अरबीनामकर्नफलजानो मचकनाममतफारसहोई तीनोनामयथारथसोई ॥ १७९ ॥ हिंदीलसुनथोमसोजान सौमनामअरबीमतमान सीरनाममतफारसकहिए तीनोनामयथारथलहिए ॥ १८० ॥ हिंदीलोहानामकहावे हदीदनाममतअर्बिगावे आहननामफारसीजान तीनोनामयथारथमान ॥ १८१ ॥ हिंदीलवणलूणकहुसोई निसकनाममतफारसहोई मिलहनामअरबीमतकहिए तीनोनामयथारथलहिए ॥ १८२ ॥ लूणककुलफाकहूकहावे वकलतुलहमकाअरबीगावे षुर्फाफारसनामपछान तीनोनामयथारथजान ॥ १८३ ॥ हिंदीनामकुसुंभाहोई अयनुलवरअर्बमतसोई ॥ १८४ ॥ हिंदीमरवःमरुआजान मर्जगोशफारसीमान ॥ १८५ ॥ हिंदीमानकनामकहावे याकूतनामअरबीमतगावे ॥ १८६ ॥ हिंदीमालकंगुनीजान मलतीनामफारसीमान ॥ १८७ ॥ हिंदीमयनफलरेठासोई जौजुलकयअरबीमतहोई ॥ १८८ ॥ मायफलसोमाजुफलजान माजूनामफारसीमान ॥ १८९ ॥ मुलट्ठीनामजेष्ठीमधुकहिए असलुलसूसअर्बमतलहिए ॥ १९० ॥ हिंदीमूलकमूलीसोई तुर्बनाममतफारससोई ॥ १९१ ॥ हिंदीमेथीनामकहावे हुलवःनामफारसीगावे ॥ १९२ ॥ मोमनामसित्थाकहुसोई समयनामअरबीमतहोई ॥ १९३ ॥ मर्चनामहिंदीमतकहिए फिलफिलगिर्दफारसीलहिए ॥ १९४ ॥ मर्चलालहिंदीमतहोई फिलफिलदराजफारसीसोई ॥ १९५ ॥ हिंदीमसरमसूरकहावे अदसनाममतफारसगावे ॥ १९६ ॥ हिंदीनाममजीठकहाय लुःफानामफारसीगाय ॥ १९७ ॥ वकमनामहिंदीमतहोई जनाममतफारसीसोई ॥ १९८ ॥ पतंगनामहिंदीमतमान अरबीफहुलसवागीनपछान ॥ १९९ ॥ मोठनामहिंदीमतहोई वकलनाममतफारससोई ॥ २०० ॥ माषउडदहिंदीमतकहिए कोतवफारसफूलवलहिए ॥ २०१ ॥ हिंदीनागरमोथाजान सादकूफीमतफारसमान ॥ २०२ ॥ नागकेशरहिंदीमतहोई नानमुसकमतफारससोई ॥ २०३ ॥ हिंदीनामनिर्विसीकहिए जदवारनामअरबीमतलहिए ॥ २०४ ॥ हिंदीनामनरेलकहावे नारकेलमतफारसगावे ॥ २०५ ॥ नखनामहिंदीमतहोई अजफारतीवअर्बमतसोई ॥ २०६ ॥ नौसाकरहिंदीमतहोई नौसादरमतफारससोई ॥ २०७ ॥ हिंदीसिक्कानागकहावे असरवनामफारसीगावे ॥ २०८ ॥ नसोतहिंदमतत्रिवीकहाय तुर्बदनामफारसीगाय २०९ हिंदीहलदहरिद्रासोई जर्दचोवमतफारसहोई ॥ २१० ॥ हथजोडीवूटीप्रघटावे पंजःमरियाफारसगावे ॥ २११ ॥ हिंसकसोहिनकूनपछान माहीजोहरःफारसमान माहीजोहरजअरबीकहिए तीनोनाम-

यथारथलहिए २१२ हुलहुलनामरसौंतकहावे हुजजमकामतफारसगावे २१३ हिंदीहिंगूनामकहाय हलतीतनामअरबीमतगाय अंगोजामतफारसकहिए तीनोनामयथारथलहिए २१४ हीरादक्खणहिंदीहोई पूनस्याउसांनफारसीसोई अरबीदंमुलषवयनजान तीनोनामयथारथजान २१५ हिंदीहरडहरीड़कहावे हलेलःनामफारसीगावे अहलेलजअरबीमतहोई अभयानामतीनविधसोई २१६ हरतालनामहिंदीमतजानो जरनीषनाममतफारसमानो असारीकूनअरबमतहोई हरतालनामतीनोमतसोई २१७ ॥ दोहा ॥ मखजननामकितावमतनामयथाविधभेद समभ्फपरीचाचित्तधरमिटैनेकविधखेद हिंदीअरबीफारसीयूनानीतुर्किस्तान नामभेदसबहीकहाऊैरनेकविधमान नामपरीचाप्रघटज्योंगुणऔगुणविस्तार सृष्टीचारप्रकारहैसोसमभेदसह्मार रिछनामगुण चौपई रिछनामहिंदीमतजानो दुकनामसोअरबीमानो खिर्शनाममतफारसगायो तुरकीउक्कनामकहायो भल्लनामसास्तरीजान आगेइसकीलखोपछान चारपादतनभारीजानो विनसूरतवहुछ्छ्छपछानो मानुषदेखआपडरपावै हैवलवांनमारनेधावै लकडीलेकरपाछेधावत पत्थरमारतसव्दसुनावत एकदोइपरदाओविचारे अधकदेषनरभागनधारे अगनीकाडरमानतजीको मानुषपकडनचावतनीको लेकरलाठीगलमेंडारी टढीवांकपाददौचारी तरहतरहकीनकलदिखावै मिलसबलोकतमासेधावै मांसरुधिरसोलेसलजानो अवसुभावगुणप्रघटपछानो निहायतगर्मतरीवहुहाहे रिछपित्तागुणसुनिएसोई नाडीपर्तउदरगतजानो नाडीरोधदोषहरमानो गडाउदरगतदूगनिकारे खालसरिछपित्तागुणधारे मिरगीरोगहोतहैजाको छेरत्तीमधूसंगदेताको उदरपीडसरदीकीहोई तापरसेवदूरदुखसोई मर्चसंगवामधूमिलावे वासिकंजवीमेलखुलावे पीडाउदरकलेजेजानो जलंधररोगआढहरमानो सवादोमासेदेवैकोई चारपाएकीपीडाखोई मखीरमिलाविनधूपसुकवै सौंफअर्कसंगनेत्रनपावै नजरतेजफोलाहरजान वालपलकपरपैदामान जेकरपित्तामधूमिलावै मर्चपायमुखभीतरलावै पांचवारमुखभीतरलाय यच्मदूरकरसुखउपजाय रिछपित्ताजहांदेहपरलावै निश्चयनहांवालप्रघटावै रिछपित्तागुणऐसेंहोई पनीरमायागुणसुनिएसोई छोटीउमररिछजवजानो तांकेउदरउत्पत्तीमानो पीवतदूधउदरजमजावे मारनिकालसोईगुणलावै सांपनीरमायाकरकहिए चुस्तानामहिंदीमतलहिए सेवनकरैदेहसुखपावै वलवीरजवहुपुष्टिदिखावै सार्द्धचारमासेजवखाय निश्चयमिरगीरोगहटाय अपनेवालदूरकरकोई ऊपरलायनउपजेंसोई दृढफोडाफूटननहिंआवै तापरलायशीघ्रफुटजावै अवचरवीगुणसुनोप्रवीन गर्मषुष्कदरजेहैतीन जोजांकोतनुमर्दनकरै निश्चयरोगनेकविधहरै पुरातनजोडपीडजाहोई सुस्तदेहदुखहरहैसोई स्थानछोडहडीतनजानो वाटूटीदुखदूरपछानो स्वेतकुष्टमलदनकरजावै सिंमवालचरदद्रिहटावै छातीऊपरमरदनकरै निश्चयकफखांसीकोहरै वालकजन्मलेतहजवही मरदनकरैशीघ्रतनतवही सदानिरोगतासतनजानो रोगनेकतनएकनमानो रोमद्वारतनखुलेरखावै मर्दनकरअग्धंगनसावै जैतूंनतेलचरवीसमपावै अनारपटमेंवंदकरावै आटाकणकसेडकरलाय अग्नीचधरलेहुपकाय ताहिनिकालराखिएसोई मरदनकरैनेकदुखखोई भगंदरववासीरहटजावै गंजआदिदुखच्छुद्रहटावै रिछखालवहुषुष्कउचारै जापरवैठेरोगनिवारै वाजपीडअधरंगविचार इत्यादीरोगदूरमनधार पतालूलेसमैमाजूपावै गोलीवांधसुकायरखावै विषमदस्तसंग्रहणीहोई सेवनकरैहरैदुखसोई जाकौवाविटकालेपलगावै सोजादूरसहजसुखपावै कंठरोधगललेपलगाय सुदरसुरवाणीखुलजाय मात्रासेंपचस-

हरहोई रिछरोमगुणअवसुनसोई रिछसेंमलेआगजलावै विछूआदिजीवभगजावै रविदिनसज्जीआंखमं गाय घरकेभीतरसोलटकाय देखतपशुचारपदवारे भागजातनहिगेहसह्मारे रविदिनआंखनिकाले- दोई त्रिलोहमढाइयंत्रकरसोई तृतीयचतुर्थिकतापपछानो यंत्रधारेदुखदूरसुमानो ॥ इति ॥

॥ अथकुर्कटनामगुणकथनम् ॥

॥ दोहा ॥ कुर्कटनामसुभावगुणमखजनकेअनुसार प्रघटसुनांऊसबनकोलीजोउरमेंधार ॥ चौपई हिंदीकुर्कटनामकहावै मुरगानामफारसीगावै अरबीनामयूनानीदोई दिजाजनामकरकहिएसोई प्रसिद्धजानवरदोविधजान सहरीएकजांगलीमान सहरीप्रथमदरजेकेअंत गरमीकरमानोहरिसंत खुषकीतरीमांहिसमजान जांगलीगर्मखुष्कपरमान पंछीजातगर्मसबजानो सारसविनाभेदमनआनो पंछीमांसरुधिरउपजावै सबमेंकुर्कटअधिकलखावै कुर्कटमासगालकरखाय सखतखायतनदोषदिखाय बलवीरजकरवुद्धिवधावै मोराकवजीदूरहटावै धुंनीकीपीडाहटजावत सुंदरतनकररक्तवधावत कुर्क- टवृद्धसोइमंगवावै चीरनीरमेंसोगडकावै विश्वाइजमेलमांसजोखाय पित्ततापतांकोहटजाय जलनउ- दरकीदूरपछानो तनमोटाकरपाचनमानो वातविकारदूरसोकरै दीपनजलनपेटकीहरै तनमोटाकर- मांसपछान आगेगुणसोरेकामान कुर्कटसोरारातवनावै विश्वाइजलूंणसौंफसंगपावै रातसमैवाहिरल- टकाय प्रभातपानकरदस्तलगाय तापतृतीयचतुर्थिकजावै कंपवातअरुश्वासहटावै अफाराजोडपी- डहरहोई उदरपीडआंद्रोकीखोई उदरअफारादूरहटावै विषकारकमबरोगनसावै जेकरसोराऐसाहोई आगविधीलिखीहैसुनसोई सौंफकसुंभावीजमंगाय कडमपायकरमांसवनाय सोरालेकरलूंणमिलावै विश्वाइजफुनिसौंफरलावै रातसमैवाहिरलटकाय प्रभातपानकरअतिगुणदाय कफकारकबहुरोगनसा- वै औरनेकविधपुष्टिदिखावै कंठरोधपरमांमखुलाय निश्चयरोगकंठकोजाय कृशतनकोसुंदरतनकरहै गरमीकेदुखबहुविधहरहै शिरकीमिंझखायनरकोई बुद्धीवीरजवृद्धीदोई सजराघृतमिलायजोखाय खंगदूरबलवृद्धीपाय खायकलेजारुधिरवधावै चरवीमलतनसुस्तीजावै चरवीगमकरशीसलिपाय मालेखौलिआनिश्चयजाय गंजआदिक्षुद्ररुजटारै तनफूटनअरुखुशकिविडारै औरविधीआगेइकहोई कुर्कटपासरखावैकोई कसुंभावीजखुलावैजबही कुर्कटवृद्धीपावैतबही ताकोमांसमिंझरसजोई निश्चय- अतिगुणदायकहोई शीघ्रकालकाकुष्टहटावै तनकापरमहितूमनभावै ऋतवसंतकुर्कटलेकोई मारउद- रखालीकरसोई भरैलूणराखैलटकाय ग्रीषमऋतकीधूपलगाय मांसअस्थियुतचूर्णवनावै प्रातदूधसंग- सेवनभावै कुवतकामअधिककरजानो अतिलजिततनरुधिरपछानो जेकोरुधिरसुकायरखावै नसुआ- रकौनकशारहटावै कुर्कटपकडफंगपुटावै फंगसाथरुधिरजोआवै सोईरुधिरनेत्रनमैपाय छौडधुंद- फोलाहटजाय अस्थीलेविभूतकरकोई मोममेलभगभीतरसोई मर्दनकरसंकोचदिखाय नूतनयोनी- करमनभाय कुर्कटउदरकंकरीहोई मारनिकालराखिएजोई सेवनकरैअश्मरीजावै निश्चयजोगसिद्धम- नभावै मासेचारविठजोखाय कुलंजपीडनिश्चयहटजाय सिर्कामेलसेविएसोई जहरदूरकरनिश्चयहोई हलकसर्पविषजवहीजानो कुर्कटमारशीघ्रसुखमानो ऊपरगर्मागर्मवंधाय ठंडाहोएतोऔरमंगाय मार- चीरफुनिवांधेसोई तीनवाराविधऐसीहोई तातकालविषदूरहटावै सिरसांमहोएसिरमाहिवंधावै सर्पदं- शपरयतनवनाय कुर्कटवृद्धपकडमंगवाय ताकीगुदारोंमसबसांधे दंशस्थानपरजीवतसांधे कुर्कुटगु- दादंसपरराखे गुदाद्धारकुर्कटविषचाखे सकलदंशविषजाविधहरहै गुदाद्धारकुर्कटविषचरहै छालपनीर-

दूधवाहोई इनकेसाथनसेवैकोई जउोआवसंगकवहुंनखावै खावैविषसमानदरसावै कुंजपीड़ पैदाकरहोई ववासीरनकरसकरसोई तौफुनिगर्मदवाईखावै अंगूरसरावदाखमनभावै प्रतिदिनकुक्कुटसेवैकोई गर्मसुभावतांहुकाहोई सोसिकंजवींसेवनभावै निश्चयसकलदोषहटजावै ॥ इति ॥

॥ अथतित्तरनामगुण ॥

॥ दोहा ॥ तित्तरनामसुभावगुणमखजनकोमतमान प्रघटसुनांऊंसवनकोसमझैंपुरुषसुजान दुरराजनामतीनोकहैंफारसअरबयुनान तित्तरनामप्रसिद्धहैआगेलखोपछान ॥ चौपई ॥ सुंदरचारभेदकाजानो एकवडारंगखाकीमानो थोडाकालाकृष्णलकीर नामतांहुकातित्तरवीर दूसरछोटाकालाजान सुपेदलकीरांधूडामान सोतित्तरकालाकरकहिए आगभेदतीसरालहिए उससेंछोटाचिट्टारंग लकीरांखाकिशोभितअंग नामकोरिआतित्तरजानो आगेचौथाभेदपछानो ॥ दोहा ॥ चौथाछोटासभनतेंखाकीरंगपछान कालिचिट्टीलीकरांअधिकचुंजपरमान भटतित्तरजाकोकहैंअंगुलतीनविचार औरभेदकीअंगुलीसोतोचारोचार ॥ चौपई ॥ उडारीअधिकऔरतेंजानो मांससखतचिरपाचकमानो औरभेदपाछेजोतीन उनकाभेदसुनोपरवीन उडारीकमअंगुलीहैंचार थोडागर्मशुभावविचार दूजेंप्रथममुष्कसबजानो मांसरुधिरकरहलकामानो वीरजअकलमिंझवधजावै जादगीरीसाअधिकरखावै सरदीतरीवांननरजोई इनकोअतिवलदायकहोई जेकरगरमीपुशकीजाने तौताकोदुखदायकमानो तित्तरसेवदोषजोथावै तौखटेआईखायहटावै तित्तररुधिरनेत्रमेंपाय छोडधुंदफोलाकटजाय तित्तरपित्तानेत्रनपावै अथवाविट्ठपायदुखजावै छोडधुंदफोलाकटजाय करैलेपदुखसकलहटाय आदीकारणकुष्टहटजावै सोसबरोगलेपकरजावै खलडीऊपरचिन्हविचार करैलेपदुखदूरनिवार तित्तरकीचरवीमंगवावै समकुचलेकातेलमिलावे कर्णवीचपावैजवकोई दुर्जयकर्णपीडदुखखोई ॥ इतितित्तरनामगुणकथनम् ॥ इतिश्रीचिकित्सासारसंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांऔषधीनामकथनंनामपंचषष्टितमोऽधिकारः ॥ ६५ ॥

इदं पुस्तकं
पं० विश्वनाथ एण्ड सन्स फोटाग्राफर्स
इत्येतेषामाधिपत्यस्थ
'कश्मीर प्रताप स्टीम प्रेस श्रीनगर'
इत्याख्ये मुद्रणयन्त्रे
मुद्रितम्

॥ दोहा ॥ सप्तद्वीपनवखंडमेंभारतखंडअनूप तामहिपुरजंबूलसैसबदेशनको भूप जोसूरजकेवंशमेंजंबूपतजसुवाल सातभूपवर्णनकरौंभाषावचनरसाल ॥ कवित्त ॥ हरीदेवजंबूपतगजेसिंहआगेसुततासध्रुवदेवतांकोसूरतसिंहसाजहै पृथ्वीपतराउरसिंहश्रीकिशोरसिंहतांकोपुनिश्रीगुलाबसिंहवीरमहाराजहै अबश्रीरणवीरसिंहगुलाबसिंहजूकीअंशयुगयुगलौंकरेराजपृथ्वीसुरराजहै धन्य श्रीकिशोरसिंहगुलाबसिंहधन्यअतितासअंशश्रीरणवीरसिंहनरराजहै कवित्त भारेराजवारेसंगसाजकेसमाजखरेबाजतघनवारेबीचवजंत्रलगारेहै आगेहैव-हारमौजवर्ततजोराजनीतधारेहैकनकमंडितशस्त्रभूषणसह्यारेहै होतहैहुलास जोविलासदेखरागरंगवठैसंगसोभामौजदेषतअपारेहै कहैकवीनीलकंठश्रीम-तरणवीरसिंहजूकीटेढीमूछवारेपैंकरोरराजवारेहै ॥ सवैया ॥ सुंदरचारुविचार धरैमनमीतनकोंअतिप्रीतदिखावे जामहिंबुद्धिपराक्रमतेजसुशत्रुनकीकरछार उडावे मानतवेदपुराननभेदसुदेवसियावरपूजनभावे जानहुभारतभूमिपभूष-णजंबुसतीसरभास्करभावे ॥ दोहा ॥ संवतशशिशुचिनंदशशिछप्योप्रथमही वार संग्रहविंशतिग्रंथइहअवभोदूसरवार १ दोहा ॥ जम्बुसतीसरतिबतमुख देशनकोप्रभुएक श्रीमहाराजप्रतापहरिजीववहुवर्षअनेक १ आज्ञातांकीपाइ करसुपरिन्डिगटधर्मार्थ पण्डितकाशीरामनेसर्वजीवहितस्वार्थ २ वारदूसरेशुद्ध करछपवायोशुभनाम श्रीरणवीरप्रकाशकरअमृतसरितसमान ३ ॥ कवित्त ॥ भावप्रकाशचर्कवंगसेनचक्रतत्त्वयोगशतकवैद्यसारसारगंधरमानिए ज्वरतिमर भास्करयोगचिंतामणीश्रीवृंदहारीतकल्पसागरचिकित्सासारजानिए पथ्याधि कारवीरसिंहाविलोकमांनपांडूचिकित्साचिकित्सासंग्रहपहचानिए अष्टांगहृदै चिकित्साकलिकानंदमालिकाहैआतंकदर्पणरसमानसमतमानिए ॥ दोहा ॥ इत्यादीमतसारलेभाषारचीसह्यार चूकपरैतौवैद्यवरसमझेबुद्धिउदार जंबूपुर-वासीभएविद्वज्जनसिरमौर कमलनैनपंडितमहांजासमदूजनऔर तिन्हकेदेवी दत्तसुताजिन्हकोश्रीभवनाथ नीलकंठतिन्हकोभयोसोनितनावतमाथ पढ्योन शास्त्रमेंकोइसतसंगतउरधार आज्ञाश्रीमहाराजकीपायोभाषासार भाषाशा-खाशास्त्रकीश्रुतिकीस्मृतिज्योंकोय शास्त्रसंसकृतकठिनहैभाषासुगमीहोय ॥ श्लोकः ॥ जावतसूर्यसशीशेससरिता धीसोधराधारिणा यावन्नीरसमीरव न्हिनभता शक्तिस्त्वहंधीगिरा तावत्श्रीरघुवंशराजातिलक कीर्तिश्चतेभूतले श्रीकालीपरमेश्वरीचात्रिकुटा संवर्धयत्वाशिषः दोहा ॥ इतिश्रीकोआदलेश्रीरण वीरप्रकाश चिकित्साछंदप्रबंधसोंसंपूरणशुभआस शुभमभूयात्सर्वजगताम् ॥

Printed and Published by
P. VISHINATH and SONS, PHOTOGRAPHERS
And Proprietors of
" KASHMIR PRATAP STEAM PRESS "
SRINAGAR—Kashmir.